सारा सी. रोएथले
XOE
आकस्मिक राख
टूटे हुए जानवर
I
II
III
फ्रॉक्स
मेयर्स
शृंखला
पुस्तकें 1-3

TABLE OF CONTENTS

शीर्षक पेज
कॉपीराइट
अंतर्वस्तु
पुस्तक एक
अध्याय एक
अध्याय दो
अध्याय तीन
चौथा अध्याय
अध्याय पाँच
अध्याय छह
अध्याय सात
अध्याय आठ
अध्याय नौ
अध्याय दस
अध्याय ग्यारह
अध्याय बारह
अध्याय तेरह
अध्याय चौदह
अध्याय पंद्रह
अध्याय सोलह
अध्याय सत्रह
अध्याय अठारह
अध्याय उन्नीस
अध्याय बीस
अध्याय इक्कीस
पुस्तक दो
अध्याय एक
अध्याय दो
अध्याय तीन
चौथा अध्याय
अध्याय पाँच

अध्याय छह
अध्याय सात
अध्याय आठ
अध्याय नौ
अध्याय दस
अध्याय ग्यारह
अध्याय बारह
अध्याय तेरह
अध्याय चौदह
अध्याय पंद्रह
अध्याय सोलह
अध्याय सत्रह
पुस्तक तीन
अध्याय एक
अध्याय दो
अध्याय तीन
चौथा अध्याय
अध्याय पाँच
अध्याय छह
अध्याय सात
अध्याय आठ
अध्याय नौ
अध्याय दस
अध्याय ग्यारह
अध्याय बारह
अध्याय तेरह
अध्याय चौदह
अध्याय पंद्रह
अध्याय सोलह
अध्याय सत्रह
अध्याय अठारह

अध्याय उन्नीस
अध्याय बीस
अध्याय इक्कीस

एक्सोई मेयर्स त्रयी
एक्सोई मेयर्स श्रृंखला की पुस्तकें 1-3
सारा सी. रोएथले

कॉपीराइट © 2009 सारा सी. रोएथले द्वारा
सर्वाधिकार सुरक्षित।
इस पुस्तक का कोई भी भाग लेखक की लिखित अनुमति के बिना किसी भी रूप में या किसी भी इलेक्ट्रॉनिक या यांत्रिक माध्यम से, जिसमें सूचना भंडारण और पुनर्प्राप्ति प्रणाली शामिल है, पुनरुत्पादित नहीं किया जा सकता है, सिवाय पुस्तक समीक्षा में संक्षिप्त उद्धरणों के उपयोग के।

वेलम से निर्मित

अंतर्वस्तु
पुस्तक एक
अध्याय एक
अध्याय दो
अध्याय तीन
चौथा अध्याय
अध्याय पाँच
अध्याय छह
अध्याय सात
अध्याय आठ
अध्याय नौ
अध्याय दस
अध्याय ग्यारह
अध्याय बारह
अध्याय तेरह
अध्याय चौदह
अध्याय पंद्रह
अध्याय सोलह
अध्याय सत्रह
अध्याय अठारह
अध्याय उन्नीस
अध्याय बीस
अध्याय इक्कीस
पुस्तक दो
अध्याय एक
अध्याय दो
अध्याय तीन
चौथा अध्याय
अध्याय पाँच
अध्याय छह
अध्याय सात
अध्याय आठ
अध्याय नौ
अध्याय दस
अध्याय ग्यारह
अध्याय बारह
अध्याय तेरह
अध्याय चौदह
अध्याय पंद्रह
अध्याय सोलह
अध्याय सत्रह

पुस्तक तीन
अध्याय एक
अध्याय दो
अध्याय तीन
चौथा अध्याय
अध्याय पाँच
अध्याय छह
अध्याय सात
अध्याय आठ
अध्याय नौ
अध्याय दस
अध्याय ग्यारह
अध्याय बारह
अध्याय तेरह
अध्याय चौदह
अध्याय पंद्रह
अध्याय सोलह
अध्याय सत्रह
अध्याय अठारह
अध्याय उन्नीस
अध्याय बीस
अध्याय इक्कीस

ज़ो

[illegible] [illegible]

अध्याय एक
मैंने आसमान में चांद को देखा, जो दिखने में डरावने बादलों से आंशिक रूप से ढका हुआ था। मैंने अपने बालों से राख का एक टुकड़ा झाड़ा और धुएं की उस असहनीय, तीखी बदबू को भुलाने की कोशिश की जिसने लगभग मेरे फेफड़ों को जकड़ लिया था। मैं कांप उठी। कम से कम मैं अभी भी ज़िंदा थी। मैंने धुंधली आँखों से बीते सप्ताह के बारे में सोचा, यह जानते हुए कि मेरा जीवन अब कभी पहले जैसा नहीं रहेगा।
ओरेगन के शेल्बी शहर में शेल्बी हाइट्स हाई स्कूल में एक और साल... वाह! शेल्बी कोई छोटा कस्बा तो नहीं है, लेकिन शहर भी नहीं है। मुझे लोगों से मिलना-जुलना ज़्यादा पसंद नहीं है, इसलिए शेल्बी का छोटा आकार उन कुछ चीज़ों में से एक है जो मुझे अच्छी लगती हैं। और हाँ, इसके चारों ओर फैले जंगल भी। ऊँचे-ऊँचे चीड़ के पेड़ हमेशा मेरी पहुँच में रहते हैं। मुझे हमेशा से ही प्रकृति से लगाव रहा है। मेरे पिता मेरे जन्म के कुछ समय बाद ही चले गए थे और मेरी माँ ने मुझे कैंपिंग और हाइकिंग ट्रिप पर ले जाकर पाला-पोसा। मेरा नाम एलेक्सोंड्रा मेयर्स है। मुझे पता है, यह थोड़ा अजीब है। शुक्र है, मेरे कुछ दोस्त मुझे ज़ोई कहकर बुलाते हैं।
मुद्दे पर आते हैं... जूनियर ईयर। मुझे हाई स्कूल या किशोरावस्था का अनुभव बिल्कुल पसंद नहीं है। मैं खुद को असामाजिक नहीं मानता, हालांकि मेरे ज़्यादातर सहपाठी इस बात से सहमत नहीं होंगे। असल में, मुझे दिखावे में अपना समय बर्बाद करना अच्छा नहीं लगता। जिस व्यक्ति को मैं मन ही मन नापसंद करता हूँ, उसके साथ अच्छा व्यवहार करने का क्या फायदा? अगर कोई सार्थक बात न निकले तो फालतू की बातों में उलझने का क्या फायदा? मुझे नकली दोस्तों की भीड़ से बेहतर कुछ सच्चे दोस्त चाहिए।
मैं उदास मन से शेल्बी हाई स्कूल की विशाल, धूसर ईंटों से बनी इमारत की ओर धीरे-धीरे बढ़ रहा था। जहाँ फुटपाथ या डामर नहीं था, वहाँ ज़मीन हरी-भरी घास से ढकी थी। शेल्बी हमेशा हरा-भरा और नम रहता है, जो अच्छा है, सिवाय उस फफूंद और काई के जो लापरवाही से उगने लगती है। एक बार मेरी माँ ने अपनी कार का शीशा ठीक से नहीं लगवाया था। कुछ ही हफ्तों में खिड़कियों के अंदर शैवाल जम गई थी।

मैंने अपने स्नीकर्स पहने पैरों को आगे बढ़ने के लिए मजबूर किया, अपने कदमों की आवाज़ पर ध्यान केंद्रित करते हुए, एक-एक कदम आगे बढ़ाते हुए। जैसे ही मैं उन डरावने दोहरे दरवाजों के पास पहुँची, मेरी सबसे अच्छी दोस्त लूसी मेरे साथ आ गई। हम आमतौर पर साथ-साथ स्कूल जाते थे, लेकिन लूसी हमेशा पहले दिन स्कूल जल्दी पहुँच जाती थी। उसे अपना लॉकर "तैयार" करना और अपनी सभी कक्षाओं की योजना पहले से बना लेना पसंद था। सीधे शब्दों में कहें तो, वह थोड़ी ज़्यादा ही मेहनती है।
लूसी और मैं एक साथ दोहरे दरवाज़े से अंदर घुसे। मैंने अपने दरवाज़े को इतनी देर तक पकड़े रखा कि भूरे घुंघराले बालों वाली एक लड़की ने उसे पकड़कर अपने लिए खुला रखा। देखा? मैं असामाजिक नहीं हूँ। गलियारे में आगे बढ़ते हुए मैंने लूसी के काले बालों वाले सिर की ओर देखा।
लूसी और मैं दिखने में बिल्कुल एक-दूसरे के विपरीत हैं। मैं उसके मुकाबले बहुत लंबी हूँ। खैर, पूरी तरह से तो नहीं, लेकिन उसकी 5 फुट 1 इंच की छोटी सी कद-काठी के सामने मेरी 5 फुट 8 इंच की पतली सी कद-काठी कुछ ज़्यादा ही लगती है। उसके लंबे, काले, चमकदार बाल मेरे बिखरे हुए, कंधे तक लंबे, सफेद-सुनहरे बालों से बिलकुल अलग हैं। लूसी की त्वचा साल भर गहरे जैतून रंग की रहती है, जबकि मेरी त्वचा पीली है, और कभी-कभी थोड़ी पीली भी हो जाती है, जिसे मेरी माँ प्यार से 'पोर्सिलेन' कहती हैं। क्या मैंने बताया कि मुझे लूसी से थोड़ी जलन होती है? अगर मैं उससे इतना प्यार न करती, तो शायद मैं उससे नफरत करती।
लूसी ने अपने पहले दिन के पहनावे के लिए गहरे रंग की जींस और हल्के नीले रंग का बटन वाला ब्लाउज चुना था। उसके जींस के नीचे से भूरे रंग के जूतों की नोकें झाँक रही थीं। लूसी की स्टाइल की समझ संयमित है। उसके सीधे बाल बीच से बँटे हुए थे और कमर तक लहरा रहे थे, जो उसके पतले, कोमल चेहरे को खूबसूरती से उभार रहे थे, जिस पर मेकअप नहीं था।
लूसी की बादाम जैसी भूरी आँखें मेरी बड़ी हरी आँखों में झाँक रही थीं, मानो मेरे रोने-धोने का इंतज़ार कर रही हों। दूसरी कक्षा से ही हर साल स्कूल के पहले दिन उसे मेरी शिकायतें सुननी पड़ती थीं। जब मेरी माँ और मैं पहली बार शेल्बी आए थे, तब से हम दोस्त बन गए थे, क्योंकि लूसी का परिवार हमारे घर से बस थोड़ी ही दूर रहता है। अकेली और बेसहारा, मैं अपनी माँ के सख्त आदेशों के खिलाफ जाकर अपने घर के पीछे के जंगल में घूमने निकल जाती थी, और लूसी भी

यही करती थी। हम दोनों में एक ज़िद्दी और आज़ाद स्वभाव था जो हमें हमेशा अपने माता-पिता की बात न मानने के लिए उकसाता था। भला हम दोस्त कैसे नहीं बन सकते थे?
जब हम लूसी के लॉकर के सामने खड़े होने के लिए आगे बढ़े, तो मैंने हॉल के दूसरे छोर पर खिड़कियों से बाहर झाँका। मेरे पहले दिन की मुसीबतों को और बढ़ाने के लिए, शेल्बी के ऊपर आसमान गुस्से से भरा हुआ था, मानो बारिश का संकेत दे रहा हो। दूर आसमान में काले बादल मंडरा रहे थे, मानो कोई नई बात हो। तो फिर और क्या था? मुझे बारिश से नफ़रत है। मैं कोई ऐसी लड़की नहीं हूँ जिसे अपने बाल गीले होने से डर लगता हो, लेकिन मैं बाहर रहकर सबसे ज़्यादा खुश रहती हूँ, और बारिश में बाहर रहना बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगता। इसलिए, भले ही मेरा चेहरा पीला पड़ गया हो, मुझे धूप ज़्यादा पसंद है। हर बार जब दरवाज़े खुलते थे, तो अंदर आने वाली ओज़ोन की महक वाली हवा में मैंने गहरी साँस ली। अब शिकायत शुरू होने दो।
“इतना भी बुरा नहीं है,” मेरी उदास शक्ल देखकर लूसी ने मुझे दिलासा दिया। “हमारी तीन क्लासें साथ में हैं और तुम्हारी दो क्लासें एलिसन के साथ हैं। इसका मतलब है कि तुम्हें हमारे बिना सिर्फ एक क्लास ही पूरी करनी होगी।” एलिसन मेरी कुछ गिनी-चुनी सहेलियों में से एक थी, हालाँकि मैं उसे सिर्फ़ कॉलेज के पहले साल से ही जानती थी। लूसी और मैं उससे शेल्बी हाई में अपने पहले लंच के दौरान मिली थीं। एलिसन का परिवार शेल्बी में नया था, इसलिए वह किसी को नहीं जानती थी। किसी अकेली टेबल पर बैठने के बजाय, वह सीधे लूसी और मेरे पास आकर बैठ गई, अपनी ट्रे पटक दी और ऐसे बातें करने लगी जैसे हमें सालों से जानती हो। पहले तो मुझे एलिसन के इस सीधे-सादे दोस्ती के अंदाज़ पर शक हुआ, लेकिन वह सच्ची निकली। साथ ही, वह हमारे छोटे से ग्रुप में थोड़ी सी चंचलता भी जोड़ देती है।
"ज्यादा से ज्यादा थोड़ी सी तसल्ली ही है," मैंने उदास होकर जवाब दिया और लॉकरों की दीवार पर लिखे नंबरों को देखते हुए सोचने लगा कि उस साल मेरा लॉकर कहाँ होगा।
लूसी ने खुशी से गुनगुनाते हुए अपना लॉकर खोला और अपनी पहली कक्षा के लिए ज़रूरी किताब निकाली। उसका हमेशा खुशमिजाज रवैया कभी-कभी काफी परेशान करने वाला हो सकता था। हालांकि, अगर वह मेरी तरह निराशावादी होती, तो उसकी

शिकायतें कभी खत्म ही नहीं होतीं। लूसी की सकारात्मक सोच के सामने मेरा गिलास खाली, गंदा और टूटा हुआ सा लगता था।
मेरी उदास शक्ल देखकर लूसी ने मेरी ओर मुड़कर भौंहें चढ़ाईं। "फ्रेंच क्लास में मिलते हैं।"
अपनी पीड़ा के बावजूद मैंने मुश्किल से हल्की सी मुस्कान बिखेरी। "फिर मिलेंगे।"
पहली घंटी बजते ही हम अलग हो गए और लॉकरों की खड़खड़ाहट और जल्दबाज़ी में अलविदा कहते हुए अपनी-अपनी कक्षाओं की ओर दौड़ पड़े। मुझे अभी तक अपना लॉकर नहीं मिला था, लेकिन अब इंतज़ार करना पड़ेगा।
चलते-चलते मेरी उंगलियाँ पुरानी दीवारों पर फिर रही थीं, मुझे कक्षा में पहुँचने की कोई जल्दी नहीं थी। शेल्बी हाई स्कूल बहुत पुराना है, सचमुच बहुत पुराना। मेरी उंगलियों के नीचे अनगिनत परतों का उखड़ा हुआ पेंट महसूस हो रहा था। पेंट की सबसे नई परत हल्के पीले रंग की थी जो खुशमिजाज दिखने की पूरी कोशिश कर रही थी, लेकिन थोड़ी कमज़ोर पड़ गई। मैं फीके हरे रंग के लॉकरों की एक कतार के पास से गुज़री, फिर बाईं ओर मुड़कर अपनी कक्षा में चली गई।
दिन की मेरी पहली क्लास, जो एलिसन के साथ थी, बायोलॉजी की थी। क्लासरूम में घुसते ही मेरा चेहरा उतर गया। सुबह-सुबह साइंस पढ़ने का समय बिल्कुल भी ठीक नहीं था। कमरे में डेस्क की जगह लैब टेबल लगी हुई थीं, जिससे जगह सामान्य क्लासरूम से भी छोटी और तंग लग रही थी। फ्लोरोसेंट लाइटों की भनभनाहट और धीमी आवाज़ों के शोर ने मुझे तुरंत घुटन का एहसास करा दिया। मैंने दो लोगों के बैठने के लिए लगी टेबलों पर नज़र डाली, जिनके बीच में एक छोटा सा सिंक और बिजली के आउटलेट थे, आखिरकार मेरी नज़र एलिसन पर पड़ी। उसने मुझे कमरे के पीछे वाली उस टेबल पर आने का इशारा किया जो उसने हम दोनों के लिए आरक्षित की थी।
मुझे कक्षा के पीछे बैठना अच्छा लगता था। मुझे पीठ पीछे लोगों की निगाहें पड़ने का एहसास पसंद नहीं आता, और शिक्षक अक्सर आगे बैठे लोगों को ही प्रश्न पूछने का मौका देते हैं, पीछे बैठे लोगों को नज़रअंदाज़ कर देते हैं। ऐसा नहीं है कि मुझे प्रश्न समझ नहीं आते, बस मुझे उनका उत्तर देना पसंद नहीं है। एलिसन मेरे साथ कक्षा के पीछे बैठने के लिए पूरी तरह तैयार थी।

लूसी की कहानी तो बिलकुल अलग थी। मैं हमेशा उसे पीछे की ओर ले जाने की कोशिश करता था, मानो वो उसे 'अंधेरा पक्ष' समझता हो। लेकिन हर बार हम आगे और बीच में ही बैठ जाते थे, जहाँ उसे पूरा यकीन होता था कि जब भी वो हर सवाल का जवाब देने के लिए हाथ उठाएगी, तो टीचर उसे ही बुलाएगी। खैर, इससे टीचर का ध्यान मुझसे हट जाता है, इसलिए मैं शिकायत नहीं कर सकता।
जैसे ही मैं पास पहुंचा, एलिसन ने मुझे ऊपर से नीचे तक देखा और अंत में मेरे पुराने खस्ताहाल स्नीकर्स को देखकर घृणा से भर उठी। "ज़ोई, हम इस सप्ताहांत खरीदारी करने जा रहे हैं, कोई बहस नहीं।"
मुस्कुराते हुए मैंने अपनी गहरे नीले रंग की विंटेज डोर्स टी-शर्ट और फटी हुई जींस पर नज़र डाली, फिर उसकी नीली सनड्रेस, स्ट्रैपी डार्क ब्राउन सैंडल, करीने से किया हुआ मेकअप और परफेक्ट स्टाइल वाले लंबे, सुनहरे बालों पर। मेरे विपरीत, एलिसन को गोरा रंग बेहद पसंद है। वह बालों को लहराने में माहिर है। मैंने कभी खुद को "गोरा" महसूस नहीं किया, लेकिन मेरा रंग इतना पीला है कि मुझ पर कुछ और जंचता भी नहीं, इसलिए मैं इसे नज़रअंदाज़ करने की कोशिश करती हूँ।
5 फुट 6 इंच की एलिसन लगभग मेरी ही लंबाई की है, हालांकि उसके शरीर में मुझसे कुछ ज्यादा उभार हैं, जो उसकी ड्रेस में और भी निखर रहे हैं। वह अभी भी मेरी ड्रेस को एक खास अंदाज में उठी हुई भौंहों से घूर रही थी। शायद एलिसन की बात सही थी। शायद।
“ठीक है एलिसन, जैसी तुम कहो।” चाहे वो मुझे चाहे जैसे कपड़े पहनाने की कोशिश करे, मैं स्नीकर्स अपने पास ही रखूंगी। ये मेरे सबसे पसंदीदा स्नीकर्स थे, जो मेरे पैरों में पूरी तरह से ढल चुके थे। ये पहले गहरे काले रंग के थे, लेकिन अब इनका रंग हल्का होकर एक सुखद भूरे रंग का हो गया था। एलिसन ने आखिरी बार मेरी तरफ देखा, उसकी नीली आँखों में दया थी, फिर वो कक्षा के सामने की ओर मुड़ गई।
किसी ने गला साफ किया, जिससे मेरा ध्यान उस ओर गया जहाँ हमारी शिक्षिका, श्रीमती सैंडर्स, इंतज़ार कर रही थीं। श्रीमती सैंडर्स शेल्बी हाइट्स में जीव विज्ञान और सूक्ष्म जीव विज्ञान दोनों पढ़ाती थीं। वह कद में छोटी, शायद थोड़ी मोटी, और बेहद नीरस आवाज़ वाली महिला थीं। उन्होंने बनावटी झुंझलाहट भरी निगाहों से मुझे तब तक घूरा जब तक मैं निराश होकर अपनी सख्त प्लास्टिक की कुर्सी पर नहीं बैठ गया।

श्रीमती सैंडर्स एक घंटे तक अपने पाठ्यक्रम और बाकी सब बेतुकी बातों पर बोलती रहीं, बीच-बीच में अपने ढीले-ढाले गुलाबी कार्डिगन को ठीक करने के लिए रुकती रहीं। मैंने अपनी नोटबुक के कवर पर चित्र बनाए और उन्हें नज़रअंदाज़ करने की कोशिश की। जब क्लास खत्म होने वाली थी, तब तक मेरी नोटबुक बेतुके चित्रों से भर चुकी थी।
घंटी बजने का बेसब्री से इंतज़ार करते हुए, मैंने अपनी किताबें हर साल इस्तेमाल होने वाले हरे रंग के बैग में ठूंस दीं और पेंसिल को बेतरतीब ढंग से ऊपर रख दिया। मैं घड़ी को देखता रहा, कक्षा के आखिरी पलों को गिनता रहा। आखिरकार घंटी बजी, और मेरे अगले दो घंटे की यातना शुरू हो गई: फ्रेंच और विश्व इतिहास। हालाँकि मैं लूसी के साथ थी, मुझे पता था कि समय बहुत धीरे- धीरे बीतेगा। मेरी फ्रेंच बहुत खराब है, उच्चारण तो मेरी समझ से परे है, और विश्व इतिहास तो बस विश्व इतिहास ही है। जब मैं अपनी फ्रेंच क्लास में दाखिल हुई, तो लूसी पहले से ही आगे बैठी थी। उसका नया नेवी ब्लू बैग उसके बगल वाली सीट पर रखा था, मानो मेरे बैठने का इंतज़ार कर रहा हो। कई दिनों तक ऐसे शब्द सुनने के बाद जिन्हें मैं समझ नहीं पा रही थी, और फिर "सभ्यता का उद्गम स्थल" पर लंबी चर्चा के बाद, आखिरकार दोपहर के भोजन का समय हो गया
- नीरसता से मेरी थोड़ी सी राहत।
शेल्बी हाई स्कूल में कैफेटेरिया उन कुछ विशाल जगहों में से एक है जहाँ काफी जगह है। दीवारों में लगी कई बड़ी-बड़ी सिंगल-पैन खिड़कियों से भरपूर प्राकृतिक रोशनी अंदर आती है, जिससे फ्लोरोसेंट लाइटों की तेज़ रोशनी भी फैल जाती है। हर साल की शुरुआत में हमारा छोटा सा ग्रुप हमेशा एक ही टेबल पर बैठता था। यह एक कोने में थी, इसलिए हमें अपने पास की चार नहीं बल्कि सिर्फ दो टेबलों से ही काम चलाना पड़ता था। हम ठीक ऊपर बताई गई खिड़कियों में से एक के नीचे बैठते थे। उस खिड़की से शेल्बी हाई स्कूल का आंगन दिखाई देता था, जो असल में घास का एक बड़ा सा चौकोर मैदान था जिसके बीच में कई पिकनिक टेबल रखी थीं। कभी-कभार धूप निकलने पर हम बाहर बैठकर खाना खाते थे। कभी-कभी दूसरे परिचित भी हमारे साथ बैठ जाते थे, लेकिन ज़्यादातर समय हम तीनों ही होते थे, और हमें यही अच्छा लगता था। खैर, कम से कम मुझे तो अच्छा लगता था। एलिसन और लूसी मुझसे थोड़ी ज़्यादा मिलनसार हैं।
लूसी और मैं अपने लंच बैग लेकर अपनी रोज़ वाली टेबल पर इंतज़ार कर रहे थे, जबकि एलिसन अपना लंच खरीद रही थी। एलिसन का स्कूल का लंच खाने की ज़िद

देखकर मुझे उसकी मानसिक स्थिति पर शक होने लगा। सीधे शब्दों में कहें तो, वो लंच हमेशा खाने की चीज़ें नहीं होती थीं। उसका बहाना ये था कि वो लंच बॉक्स इस्तेमाल नहीं करती।
ऊबकर मैं एलिसन को लंच लाइन में ढूंढने लगी, लेकिन मेरी नज़र सबसे पहले एक लड़के पर पड़ी जो मुझे घूर रहा था। वह खाली ट्रे लिए मुझे घूर रहा था, मानो कोई रोबोट हो या कोई बेजान मशीन। उसके छोटे, लगभग काले बाल करीने से संवारे हुए थे। उसकी हल्की नीली आँखें, गहरे रंग की त्वचा से और भी निखर रही थीं, और मुझे टकटकी लगाए देख रही थीं। उसकी लंबाई लगभग 6 फुट 3 इंच थी और उसका गठीला शरीर एक सादी ग्रे टी-शर्ट में कसा हुआ लग रहा था, जिसके ऊपर उसने एक साधारण भूरे रंग की चमड़े की जैकेट पहनी हुई थी।
जब मैं उसे देख रहा था, वह लगातार घूरता रहा, अपने भरे हुए होंठों को सिकोड़ता रहा, जिन्हें देखकर मुझे लगा कि वे हमेशा के लिए एक ही तरह से सिकुड़े रहेंगे। होंठों के अलावा, उसके चेहरे का बाकी हिस्सा मर्दानगी का साक्षात उदाहरण था: उभरी हुई, तराशी हुई गाल की हड्डियाँ, स्पष्ट जबड़ा और एक मजबूत नाक।
उसकी तीखी निगाहों ने मेरी रीढ़ में सिहरन पैदा कर दी। कितना घिनौना आदमी है! उसकी भारी-भरकम आँखें मुझसे हटकर लूसी पर टिक गईं, जिसे वह उतनी ही तीव्रता से घूर रहा था। मैंने गुस्से से नज़रें हटाकर एलिसन को लंच लाइन में ढूंढने लगी। वह पहले ही बिल चुका चुकी थी और हमारी टेबल की ओर आ रही थी।
“अरे, चलो भी,” एलिसन ने पास आते हुए और मेरे गुस्से वाले चेहरे को देखकर कहा, “तुम्हारा दिन इतना भी बुरा नहीं रहा होगा।”
मैंने अपने गुस्से वाले चेहरे को मुस्कान में बदलते हुए चिढ़ाते हुए कहा, "चिंता मत करो अल, सब ठीक हो जाएगा। अब हमारी जिम क्लास है।"
एलिसन की व्यंग्यात्मक मुस्कान गायब हो गई। उसने अपने बालों को कंधे पर झटकते हुए मेरे बगल में बैठते हुए अपनी लंच ट्रे मेज पर रखी। "अरे, ज़ो, याद दिलाने के लिए धन्यवाद, और मुझे अल मत बुलाओ।"
जिम एलिसन के लिए मुसीबत का सबब था, और मेरी उसे अल कहकर बुलाने की आदत भी। उसे किसी भी तरह के खेल में कोई दिलचस्पी नहीं थी, हालांकि अगर वह कोशिश करती तो शायद काफी अच्छी होती। देखने में तो वह एक पारंपरिक लड़की जैसी लगती थी, लेकिन असल में वह मेरी मुलाकात के सबसे मजबूत लोगों में से एक थी,

और अगर वह कोशिश करती तो शायद कुछ आक्रामक खेलों में भी कमाल कर देती। उसे उसके बाहरी रूप से आंकना बिल्कुल गलत था।
एलिसन के विपरीत, मुझे जिम जाना अच्छा लगता था। अपनी लंबाई और अच्छे तालमेल के कारण मैं खेलों में ठीक-ठाक हूँ, और जिम में घंटों उबाऊ प्रशिक्षण की ज़रूरत नहीं होती। मुझे ज़्यादा देर तक एक जगह बैठने में परेशानी होती है।
एलिसन ने लूसी की ओर मुड़कर कहा, “तो ज़ो और मैं इस सप्ताहांत खरीदारी करने जा रहे हैं। क्या तुम भी चलोगी?”
लूसी ने संदेह भरी निगाहों से मेरी ओर देखा। "ज़ोई? शॉपिंग? समय कितना बदल गया है!"
मैंने अपने होंठों को सिकोड़कर एक बनावटी सा मुंह बनाया। "मुझे नए मोजे चाहिए।"
लूसी हंस पड़ी। "आह, आखिरकार सच सामने आ ही गया।" फिर एलिसन की ओर मुड़कर बोली, "मैं भी आती हूँ। मुझे एक नया टूथब्रश चाहिए।"
एलिसन ने अपनी बाहें मोड़ीं और हम दोनों को घूरने लगी। "चाहे कुछ भी हो जाए, तुम दोनों को अपने कपड़े बदलने ही पड़ेंगे। तुम्हारे पास बैठे-बैठे ही मुझे खुद को कम फैशनेबल महसूस हो रहा है।"
ऐलिसन के दिन भर के अनुभव के बारे में बात बदलने पर लूसी ने मेरी तरफ़ आँखें घुमाईं। ऐलिसन की बकबक के बीच, मैंने कैफ़ेटेरिया में उस घूरते हुए आदमी को ढूंढने के लिए पीछे मुड़कर देखा। मैंने उसे लगभग तुरंत ही मैक्स के साथ बैठे हुए देखा, जो जूनियर वर्सिटी का फ़ुटबॉल खिलाड़ी था, और हाँ, वह अभी भी घूर रहा था।
मेरी तंद्रा भंग होते देख, एलिसन ने अपनी एकालाप रोककर मेरी ओर मुड़कर देखा और पूछा, "ये हैंडसम लड़का कौन है?"
मैंने बड़बड़ाते हुए कहा, "जब से हम बैठे हैं, वह कमीना इधर घूर रहा है।" एलिसन मुस्कुराई। "वो बहुत आकर्षक है, शायद तुम्हें जाकर उसे कुछ शिष्टाचार सिखाना चाहिए।"
मैंने उसकी टिप्पणी पर भौंहें चढ़ा लीं। "मुझे पुरुषों के मामले में तुम्हारी पसंद कभी समझ नहीं आएगी। वह तो हद से ज्यादा सजे-धजे बदतमीज जैसा दिखता है।"

एलिसन ने हैरानी से अपनी दोनों भौहें ऊपर उठा लीं। "मेरी ज़ो, तुम आज कुछ ज़्यादा ही आलोचनात्मक मूड में हो। यह तो मेरा काम है।" वह अपनी सीट से उठी और उस अजीब से दिखने वाले आदमी की तरफ देखा।
उसकी मंशा भांपते हुए मैंने उसका हाथ पकड़कर उसे नीचे खींचने की कोशिश की। “बिल्कुल नहीं, अल,” मैंने उसे डांटते हुए कहा। “इसके बारे में सोचना भी मत।”
मेरी टिप्पणी को अनसुना करते हुए, एलिसन ने अपना हाथ मुझसे छुड़ा लिया। शरारती मुस्कान के साथ, वह हमारी मेज से दूर चली गई और फिर सीधे उस अजीब आदमी के पास पहुँच गई। वह उसकी मेज के दूसरी तरफ, उसके और मैक्स के सामने दोस्ताना अंदाज़ में बैठ गई।
मैंने अपना सिर हिलाया और लूसी की ओर मुड़ गई। हम दोनों ने एक-दूसरे को निराशा भरी निगाहों से देखा।
मैंने गहरी सांस ली। "और अब इसकी शुरुआत हो गई है।"
लूसी जवाब देने लगी, फिर अचानक उसकी नज़र मेज़ पर टिक गई। मैंने थोड़ा पीछे मुड़कर देखा कि लूसी की बात किसने तोड़ी। एलिसन हमारी तरफ आ रही थी, और उस अजीब से आदमी का हाथ पकड़े हुए थी। वे दोनों आकर मेज़ के एक सिरे पर खड़े हो गए।
एलिसन ने अपना हाथ उस डरावने लड़के के हाथ में डाल दिया, जो अभी भी बेजान सा था। "लड़कियों, ये डैन है। ये यहाँ नया है।" एलिसन ने लूसी की ओर इशारा करते हुए सिर हिलाया। "ये लूसी है," फिर मेरी ओर इशारा करते हुए कहा, "और ये प्यारी सी हंसमुख लड़की ज़ोई है।"
एलिसन ने डैन का हाथ छोड़ा और लूसी के बगल में बैठ गई, जिससे डैन के पास केवल एक ही विकल्प बचा। मुझे एलिसन की क्रूरता पर गुस्सा करने का एक पल मिला, फिर डैन मेरे बगल में एक अजीब से भाव से बैठ गया, मानो वह मुझे जानता ही न हो। मैंने तुरंत नज़रें हटा लीं और मेरी निगाहें वापस मैक्स पर टिक गईं, जो अब अकेला बैठा था और उलझन में दिख रहा था। वह उठा और नींद में चलने वाले की तरह सीधे कैफ़ेटेरिया से बाहर चला गया। मैंने कुछ पल खाली दरवाजे को घूरते हुए सोचा कि मैक्स को क्या हो गया था कि वह इतना अजीब व्यवहार कर रहा था।
जब मैं वापस अपनी मेज की ओर मुड़ी, तो मैंने देखा कि डैन की निगाहें लूसी पर टिक गई थीं। उसने लूसी को जिस तरह से देखा, वह मेरे प्रति उसकी उलझन भरी

नज़रों से बिलकुल अलग था। वह लूसी को ऐसे देख रहा था जैसे वह मांस का टुकड़ा हो, और वह इसे छिपाने की कोशिश भी नहीं कर रहा था।
मुझे उम्मीद थी कि डैन की निगाहों के दबाव में लूसी असहज महसूस कर रही होगी, लेकिन इसके बजाय उसने उसे एक शरारती मुस्कान दी। मैं आश्चर्य से मुंह खुला रह गया। मैंने लूसी को पहले कभी फ्लर्ट करते नहीं देखा था, और मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि उसने यही पल क्यों चुना। डैन उसे पसंद नहीं आता था, हालांकि मुझे यह भी नहीं पता था कि उसे किस तरह के लड़के पसंद हैं। लूसी, मेरी तरह, ज्यादा डेटिंग नहीं करती थी।
दूसरी ओर, एलिसन से मैं परिचित थी। वह नियमित रूप से डेट पर जाकर फ्लर्ट करती थी और लड़कों से बात करने में उसे कोई झिझक नहीं होती थी। वह फ्लर्ट करने के लिए ही पैदा हुई थी, और वह फ्लर्ट करती भी थी।
मुझे पता भी नहीं चला कि क्या हुआ, एलिसन के चुलबुले अंदाज़ ने डैन को हमारे वीकेंड की शॉपिंग की योजना में शामिल कर लिया, जिसे बदलकर मूवी देखने की योजना बना दिया गया... वाह! मैं शॉपिंग करना ज़्यादा पसंद करती, और यह कहना भी बड़ी बात होगी। डैन ने मुझ पर पहली मुलाकात में अच्छा प्रभाव नहीं छोड़ा था।
जैसे-जैसे एलिसन डैन से उसके मूल स्थान और उसके मन में आने वाले हर बेतुके सवाल पूछती रही, मेरे विचार बातचीत से अलग होने लगे। डैन के बगल में बैठना मुझे असहज लग रहा था। उससे एक अजीब सी बेचैनी निकल रही थी। ठीक है, शायद "अजीब सी बेचैनी" कहना थोड़ा ज़्यादा हो गया, लेकिन उसमें कुछ तो बहुत ही अजीब था। उसे देखकर मुझे घिन आ रही थी। वह थोड़ा खिसका और उसकी कोहनी मेरी कोहनी से छू गई, और उसने बड़ी मुश्किल से खुद को रोका ताकि मेरे हाथों पर जो रोंगटे खड़े हो गए थे, उन्हें न रगड़े।
मैं थोड़ा खिसक कर दूर हट गई और उसे लूसी और एलिसन के साथ सामान्य बातचीत करते हुए देखने लगी, साथ ही यह समझने की कोशिश कर रही थी कि मुझे किस बात से बेचैनी हो रही है। उसकी बातें सुनकर तो वह बिल्कुल सामान्य लग रहा था, लेकिन उसके चेहरे ने इस भ्रम को तोड़ दिया। उसकी निगाहें लूसी से हट ही नहीं रही थीं, यहाँ तक कि जब वह एलिसन के एक सवाल का जवाब दे रहा था तब भी। ऐसा लग रहा था मानो वह उसके चेहरे की हर छोटी से छोटी बात को याद करने की कोशिश कर रहा हो। यह सचमुच बहुत परेशान करने वाला था।

घंटी बजी और मैं चौंक गई। मैं अचानक खड़ी हो गई और अपना बचा हुआ खाना समेट लिया, इस बात से राहत महसूस कर रही थी कि दोपहर का खाना खत्म हो गया। डैन को नज़रअंदाज़ करते हुए, मैंने लूसी को अलविदा कहा और फिर एलिसन को पकड़ लिया, जो अपने सेलफोन में डैन का फ़ोन नंबर डाल रही थी। जैसे ही उसने काम खत्म किया, मैं उसे जल्दी से टेबल से दूर ले गई, डैन और लूसी को वहीं छोड़कर। पूरे रास्ते मुझे डैन की निगाहों का तनाव महसूस होता रहा।
"क्या वह खूबसूरत नहीं है?" डैन की निगाहों से दूर हॉल में आते ही एलिसन ने भावुक होकर कहा।
“क्या?” मैंने सोचते हुए पूछा।
“डैन! वो तो बहुत ही खूबसूरत है, या फिर तुम मेरे साथ लंच टेबल पर नहीं बैठे थे?”
एलिसन को वो अजीब आदमी पसंद था? क्या वो अंधी थी? जिस तरह से वो लूसी को देख रहा था, उसे नज़रअंदाज़ करना मुश्किल था। "मज़ाक कर रही हो? वो तो बिलकुल ही सनकी है। क्या तुमने देखा कि वो लूसी को कैसे देख रहा था? इस वीकेंड उसे बुलाने की क्या ज़रूरत थी?"
“ओह ज़ोई,” एलिसन ने जवाब दिया, “तुम तो हमेशा निराशावादी रहती हो। बस उसे एक मौका दो। मज़ा आएगा।” वह एक पल के लिए रुकी और आँखें सिकोड़ते हुए बोली, “और हाँ, मैंने देखा कि वो घूर रहा था, लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि वो लूसी को पसंद करता है। इसका कुछ भी मतलब हो सकता है।”
“मेरा मतलब वो नहीं था,” मैंने स्पष्ट किया। “यह अजीब था। उसने पलकें भी नहीं झपकाईं। वह उसे ऐसे देख रहा था जैसे वह उसकी सबसे प्यारी चीज़ हो।” अपने लॉकर तक पहुंचने की कोशिश कर रही एक लड़की के उससे टकराने पर एलिसन ने frowning किया। "शायद वह घबराया हुआ था।"
मैंने तर्क दिया, "यह घबराहट बिल्कुल नहीं थी। यह तो पीछा करने की संभावना थी।"
“ज़ोई, तुम बेवजह परेशान हो रही हो। उसे बस समझ नहीं आ रहा था कि कैसे बर्ताव करे। नए स्कूल में उसका पहला दिन है। मुझे यकीन है वो ठीक होगा,” एलिसन थोड़ी देर रुकी। “अगर तुम नहीं आना चाहती तो शनिवार को मत आओ।” मैंने हठपूर्वक अपने जबड़े कस लिए। "नहीं, मैं वहाँ रहूँगा।"

मैं आ ही रही थी। उस कमीने की वजह से मुझे शनिवार को घर पर नहीं रुकना था, चाहे मुझे पूरी रोमांटिक फिल्म ही क्यों न देखनी पड़े। और वैसे भी, मैं उस पर नज़र कैसे रखती? काश, मेरे मन में उठ रही बुरी आशंका भी मेरा साथ देती। हम व्यायामशाला की ओर बढ़े और फिर सीधे लड़कियों के लॉकर रूम में कपड़े बदलने चले गए। व्यायामशाला किसी तरह स्कूल के बाकी हिस्सों से भी पुरानी लग रही थी। ऐसा लग रहा था मानो सालों की मेहनत और पसीने ने इसे जीवंत बना दिया हो, जिससे इसमें एक अलग ही ऊर्जा का संचार हो रहा था। दीवारों पर भी इमारत के बाकी हिस्सों की तरह ही सुंदर रंग किया गया था, और लकड़ी के फर्श की चमक हजारों लोगों के चलने से लगभग मिट चुकी थी।
हमारा स्कूल इतना छोटा था कि हमारी जिम क्लास लड़के-लड़कियों के लिए एक साथ चलती थी। कुछ अभिभावकों को इस बात से आपत्ति थी, क्योंकि जाहिर तौर पर लड़कों और लड़कियों का जिम के कपड़ों में एक-दूसरे को देखना वर्जित माना जाता था, लेकिन आखिरकार समझदारी की जीत हुई। मैं ऐसे अभिभावकों को कभी समझ नहीं पाऊंगा। मुझे लड़के-लड़कियों की क्लास से कोई दिक्कत नहीं थी। जितनी प्रतिस्पर्धा, उतना अच्छा।
मैंने जल्दी से कपड़े बदले, शुक्र है कि हमें अपने स्वेटशर्ट पहनने की इजाज़त थी। स्कूल की यूनिफॉर्म हर साल दोबारा इस्तेमाल होती थी और पीले और हरे रंग की होती थी। छी! पीले और हरे रंग का हमारे स्कूल के शुभंकर, चील, से क्या मेल था, यह मेरी समझ से परे था। मैंने अपनी फीकी ग्रे टी-शर्ट को अपने सादे काले स्वेटशर्ट के ऊपर गिरने दिया और अपने बालों को जितना लंबा हो सकता था, उतना लंबा करके पोनीटेल बना ली। जब मैं अपने नाइकी टेनिस शूज़ के फीते बांधने बैठी, तो मैंने एलिसन की तरफ देखा, वह गुलाबी शॉर्ट्स और फिटिंग वाली सफेद टी-शर्ट पहने थी और उसके चेहरे पर दृढ़ निश्चय का भाव था। एलिसन के लिए, जिम क्लास की तैयारी करना किसी युद्ध की तैयारी करने जैसा था। हम जिम में वापस गए, तभी मिस्टर "मुझे मिच कहो" वाल्टर्स ने घोषणा की कि आज वॉलीबॉल का दिन है। बहुत बढ़िया!
ब्रायन फ्लेचर को टीम के कप्तानों में से एक चुना गया। ब्रायन और मैं बहुत पुराने दोस्त हैं। वह मेरे पड़ोस में रहते हैं और जब से मैं शेल्बी में आई हूँ, तब से ही मेरे पड़ोसी हैं। मेरी दोस्ती भी लगभग उतनी ही पुरानी है जितनी लूसी की। ब्रायन की मुस्कुराती हुई भूरी आँखें मुझ पर टिकीं जब उन्होंने मुझे अपना पहला साथी चुना। मैं दौड़कर उनके बगल में खड़ी हो गई

और अपने हाथ से उनके घुंघराले भूरे बालों को सहलाया। ब्रायन ने मुझे सिर्फ इसलिए नहीं चुना क्योंकि मैं उनकी दोस्त हूँ, बल्कि इसलिए भी कि मैं वॉलीबॉल में बहुत अच्छी हूँ, और वह भी लगभग मेरी ही तरह प्रतिस्पर्धी हैं। यह कहना कि हम दोनों को जीतना बहुत पसंद है, बहुत कम होगा।
टीम वाले खेलों में एलिसन को अक्सर सबसे आखिर में चुना जाता था। गेंद उसके पास आते ही वो आंखें बंद कर लेती थी और सहम जाती थी। जब टीम में सिर्फ एलिसन और एक छोटे से, किताबी कीड़े जैसे लड़के के बीच चुनाव बचा, जिसे मैं नहीं जानती थी, तो ब्रायन ने आखिरकार एलिसन को हमारी टीम में चुन लिया। एलिसन धीरे-धीरे मेरे पास आकर खड़ी हो गई, जबकि ब्रायन कुछ वॉलीबॉल लेने के लिए बॉल रैक की तरफ भागा।
खेल शुरू हुआ और मेरी पहली सर्व करने की बारी थी। मैंने ओवरहैंड शॉट मारा, सीधे उस छोटे से लड़के की तरफ। वो बच निकला, उसने गेंद को मारने की कोशिश भी नहीं की। हमें पहला पॉइंट मिला। तो शायद मैंने थोड़ा बेईमानी से खेला। तो क्या हुआ? मेरे साथियों ने कभी शिकायत नहीं की।
खेल शुरू होते ही समय पलक झपकते ही बीत गया और हमने विरोधी टीम को पूरी तरह हरा दिया। देखते ही देखते क्लास के सिर्फ 10 मिनट बचे थे, जो एक और गेम खेलने के लिए काफी नहीं थे, इसलिए "मिच" ने हमसे कहा कि कपड़े बदल लो और घंटी बजने तक यहीं रुक जाओ।
जिम क्लास के बाद कोई भी नहाता नहीं है। यह थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन अगर आप शेल्बी हाई स्कूल के लॉकर रूम में जंग लगे, गंदगी से भरे शावर देख लें, तो आप निश्चित रूप से समझ जाएंगे। सबकी यही राय थी कि नहाने के बाद आप पहले से ज़्यादा गंदे होकर बाहर निकलेंगे।
जिम के कपड़े उतारकर, अल और मैं ब्रायन से बात करने के लिए दरवाजे के पास जाकर खड़े हो गए। हम मुश्किल से ब्रायन के पास पहुँचे ही थे कि सिंडी मिलर लड़खड़ाते हुए हमारे पास आ गई। जैसे जिम एलिसन के लिए मुसीबत था, वैसे ही सिंडी मिलर मेरे लिए मुसीबत थी। सिंडी हर लड़के का सपना और मेरा सबसे बुरा सपना थी, एक पतली, सांवली लड़की के रूप में।
अल और मुझे पूरी तरह से नज़रअंदाज़ करते हुए, सिंडी ब्रायन के पास गई। "अच्छा खेल था," उसने धीरे से कहा। "हमें कभी साथ में अभ्यास करना चाहिए।" बोलते हुए, सिंडी ने सहजता से ब्रायन के कंधे से काल्पनिक रुई झाड़ दी।

ब्रायन ने असहाय होकर मेरी ओर देखा। मैंने सिंडी के कंधे पर थपथपाया और उसे अपनी ओर मोड़ा, उसकी बड़ी-बड़ी भूरी आँखों में घृणा का भाव था।
"क्या?" उसने जितना हो सके उतने व्यंग्य भरे लहजे में पूछा, और अपने चमकदार होंठों को सिकोड़ लिया।
“ओह, मुझे लगा कि आप ब्रायन से खेलने के कुछ टिप्स पूछ रही हैं,” मैंने मीठी आवाज़ में जवाब दिया। “मैं आपको यही बताने वाली थी कि अपना सिर नीचे रखें। आपका सिर काफी बड़ा है और इससे आपके साथियों को गेंद देखने में दिक्कत होती है, हालांकि यही सलाह आपके कूल्हों पर भी लागू होती है।” मैंने उसे अपनी सबसे मासूम मुस्कान दी।
मुझे पता है, सिंडी का व्यवहार थोड़ा कर्कश था, लेकिन उसे यही मिलना चाहिए था। पिछले साल उसने अफवाह फैलाई थी कि एलिसन बुलिमिया से पीड़ित है, और लंच के दौरान जानबूझकर मेरे ऊपर सोडा गिरा दिया था। आह! सिंडी ने मुझे गुस्से भरी नजरों से देखा और एलिसन के हंसते ही वहां से चली गई।
ब्रायन ने स्नेहपूर्वक अपना हाथ मेरे कंधों पर रखा। "इसीलिए तो हम तुमसे प्यार करते हैं, ज़ोई।"
घंटी बजी और ब्रायन ने मेरे गाल पर झट से एक चुंबन दिया, फिर एक उत्साहित पिल्ले की तरह उछलते-कूदते अपने लॉकर की ओर भागा। अगली क्लास में उसकी मेरे साथ ही इंग्लिश की क्लास थी। अब गलतफहमी मत पालना, ब्रायन और मैं सिर्फ दोस्त ही नहीं थे। हमारा रिश्ता भाई-बहन जैसा था। लोग बातें करते हैं, जैसा कि अक्सर होता है, लेकिन हमने कभी दोस्ती की सीमा पार नहीं की थी। मैंने एलिसन को अलविदा कहा और क्लास की ओर चल पड़ी।
मैं अपनी अंग्रेजी कक्षा में पहुँची और पीछे की ओर एक सीट पकड़ ली, हालाँकि सबसे पीछे वाली पंक्ति पहले से ही भरी हुई थी, इसलिए मुझे आखिरी से दूसरी पंक्ति में बैठना पड़ा। मैं बेसब्री से "रोमांच" शुरू होने का इंतज़ार कर रही थी कि तभी, अचानक, वह डरावना लड़का, मतलब डैन, अंदर आ गया। वह सीधे मेरी तरफ आया और मेरे दाहिनी ओर खाली सीट पर बैठ गया। मैं एकदम जम गई, जैसे कोई चूहा बिल्ली का ध्यान अपनी ओर खींचने से बचने की कोशिश कर रहा हो। उसने मेरी तरफ देखा, मानो कुछ कहना चाहता हो। मेरा दिल ज़ोर से धड़क रहा था, मैंने उसे नज़रअंदाज़ किया और अपनी नज़रें कक्षा के सामने की ओर टिकाए रखीं।

ब्रायन भागता हुआ आया और मेरी बगल वाली सीट पर बैठ गया, मेरी परेशानी से बेखबर। जैसे ही क्लास शुरू हुई, मैंने देखा कि डैन मुझे हैरानी भरी निगाहों से बार-बार देख रहा था। अपनी नीली आँखों को सिकोड़ते हुए, वह अपना सिर थोड़ा झुका लेता, लगभग कुत्ते की तरह। हो सकता है मेरे कपड़े थोड़े पुराने फैशन के हों, लेकिन क्या यह वाकई इतना हैरान करने वाला था? क्या मैंने अपने चेहरे पर कुछ लगाया था? ये अजीब निगाहें मुझे परेशान करने लगी थीं।
शिक्षक की पीठ पीछे ब्रायन ने मुझे एक नोट थमा दिया। मैंने उसे खोला और पढ़ा, "उस आदमी को क्या हुआ है?"
मैंने ब्रायन को झुंझलाहट भरी नज़र से देखा और कंधे उचका दिए, यह सोचकर राहत महसूस की कि यह सब सिर्फ मेरे मन का वहम नहीं था। मैंने अपनी नज़रें कक्षा के सामने की ओर घुमाईं और उस कष्टदायक घंटे के बाकी समय को गुजारने के लिए तैयार हो गई।
जब घंटी बजी, तो डैन ने मानो मेरा हाथ पकड़ने के लिए हाथ बढ़ाया, उसकी आँखों में एक षडयंत्रकारी भाव था। मैं झट से उससे मुँह मोड़कर ब्रायन की ओर मुड़ी और लगभग घसीटते हुए उसे कक्षा से बाहर ले गई। डैन की आँखों में वह भाव बिल्कुल अजनबी था, मानो उसने सामान्यता का अपना पहले से ही कमजोर मुखौटा उतार दिया हो। उन बर्फीली नीली आँखों के पीछे जो भी छुपे थे, उनसे निपटना मेरे बस की बात नहीं थी।
ब्रायन और मैं कक्षा से थोड़ी दूर हॉल में रुक गए, ताकि डैन की अजीब हरकतों पर चर्चा कर सकें। मैंने घबराकर पीछे मुड़कर देखा और ब्रायन को कक्षा से थोड़ा और दूर खींच लिया, तभी डैन बाहर निकला और हमारे पास से गुज़र गया। "एलिसन ने उसे इस सप्ताहांत हमारे साथ फिल्म देखने के लिए बुलाया है," मैंने फुसफुसाते हुए कहा, जिससे मेरे लहजे से साफ हो गया कि फिल्म देखने का यह प्लान अच्छा नहीं था।
ब्रायन ने frowning करते हुए कहा, "यह अच्छा विचार नहीं लगता। मुझे उसके बारे में कुछ बुरा सा महसूस हो रहा है।"
कम से कम किसी ने तो मेरी बात से सहमति जताई। “तुम तो जानते ही हो कि एलिसन कैसी है…”
ब्रायन ने उदास मुस्कान के साथ कहा, "हाँ, मुझे लगता है कि आपके पास ज़्यादा विकल्प नहीं था। मैं आपके साथ आ सकता हूँ, एहतियात के तौर पर।"

“सच में?” शायद हालात सुधर रहे थे। “हम शनिवार शाम को जा रहे हैं।”
वह थोड़ा असहज हो गया। “ओह। सॉरी ज़ोई... फ़ुटबॉल प्रैक्टिस है।” उसने कंधे उचकाए और होंठ दबाए। “मैं कैंसिल कर सकता हूँ...”
“नहीं, नहीं, कोई बात नहीं,” मैंने आश्वस्त करते हुए कहा। “मुझे यकीन है कि हम बेवजह ही चिंतित हो रहे हैं।”
ब्रायन ने धीरे से सिर हिलाया, अभी भी हिचकिचा रहा था। उसने फिर सिर हिलाया और थोड़ा सीधा खड़ा हो गया, मानो उसने अपना मन बना लिया हो। "चलो, मैं तुम्हें क्लास तक छोड़ देता हूँ।"
ब्रायन और मैं चुपचाप चलते हुए मेरी ज्यामिति की कक्षा तक थोड़ी दूरी तय कर पाए। कक्षा में प्रवेश करने से पहले ही उसने मुझे रोक लिया। "अगर तुम्हारा मन बदल जाए और तुम चाहो कि मैं आऊं, तो बस मुझे फोन कर देना।" मैंने अभी धन्यवाद कहना शुरू ही किया था कि तभी एलिसन तेज़ी से हमारे पास से गुज़री, मेरा हाथ पकड़ा और मुझे खींचकर कक्षा में ले गई। मैंने ब्रायन को हाथ हिलाकर अलविदा कहा, जो अपनी अगली कक्षा में जाने के लिए मुड़ा। जैसे ही घंटी बजी, एलिसन और मैं पीछे की सीटों पर बैठ गए। वह मेरी तरफ मुड़ी और बोलने के लिए मुँह खोला, लेकिन शिक्षिका ने अपना व्याख्यान शुरू कर दिया, जिससे एलिसन के बोलने का कोई मौका नहीं बचा। मुझे लगा कि वह शायद डैन के बारे में ही बात करेंगी, इसलिए मुझे कोई खास आपत्ति नहीं थी। एलिसन ने अपनी बाहें मोड़ लीं और कुर्सी पर उदास होकर बैठ गई, वह थोड़ी नाराज़ लग रही थी। मैंने खिड़की से बाहर हरे-भरे वातावरण को देखा और बाकी क्लास के दौरान ख्यालों में खोई रही, इस बात से खुश थी कि अब मैं डैन के साथ एक ही कमरे में नहीं थी।
ज्यामिति की क्लास के बाद, एलिसन को अपनी वार्षिक पुस्तिका समिति की बैठक के लिए जल्दी जाना पड़ा और मैं लूसी को ढूंढने चली गई। मेरे पहुँचने पर लूसी हमेशा की तरह स्कूल के प्रवेश द्वार के बाहर मेरा इंतज़ार कर रही थी। हम चुपचाप अपने घरों की ओर चलने लगे, स्कूल के सामने पार्किंग से गुज़रते हुए, फिर सड़क से हटकर जंगल की ओर मुड़ गए। हम सड़क से भी घर पहुँच सकते थे, लेकिन जंगल के रास्ते से जाने पर हमारे सफ़र में लगभग दस मिनट की बचत हो गई।

मैंने जवाब में सिर हिलाना शुरू ही किया था कि अचानक हमारे पीछे बाईं ओर से एक ज़ोरदार आवाज़ आई, मानो किसी ने किसी डाल पर पैर रख दिया हो। हम दोनों जम गए, साँस तक रुक गई। लूसी की निगाहें मुझ पर टिकी रहीं, उसे समझ नहीं आ रहा था कि क्या करे।
मैंने आसपास के जंगल में चारों ओर नज़र दौड़ाई, चटकने की आवाज़ का स्रोत खोजने की कोशिश की, लेकिन चीड़ के पेड़ और अन्य वनस्पतियाँ इतनी घनी थीं कि हम दूर तक देख नहीं पा रहे थे। सब कुछ फिर से शांत और स्थिर हो गया था, लेकिन मेरी अंतरात्मा मुझे भागने के लिए कह रही थी। मैंने लूसी की ओर देखा, सिर हिलाया और हम पूरी रफ्तार से भागने लगे।

अध्याय दो
हम जंगल में दौड़ रहे थे, पेड़ मेरी आंखों के किनारे धुंधले से दिख रहे थे। थोड़ी देर बाद मुझे अपनी गति धीमी करनी पड़ी ताकि लूसी के छोटे पैर मेरा साथ दे सकें। मेरे सिर में एड्रेनालाईन दूसरी धड़कन की तरह धड़क रहा था। लूसी ने और जोर लगाया और रफ्तार पकड़ने लगी, लेकिन तभी वह लड़खड़ा गई और गीली मिट्टी पर ढेर हो गई। मैं भी फिसलकर रुक गया और झुककर उसकी बांहें पकड़ लीं, उसे उठाकर खड़ा किया। उसने अपने कपड़े झाड़े और हम पगडंडी पर तब तक दौड़ते रहे जब तक कि पेड़-पौधे कम घने नहीं हो गए। हम लगभग सुरक्षित थे। अपनी गली में पहुँचकर हमने अपनी चाल धीमी कर दी, फिर लूसी के घर के सामने रुक गए, हम दोनों ही दौड़ते-दौड़ते हांफ रहे थे।
लूसी ने सांस लेने के लिए कुछ पल का समय लिया, फिर बोली, "ठीक है, यह अजीब था, तुम्हें भी ऐसा ही महसूस हुआ ना? जैसे कोई हमें पूरे रास्ते देख रहा हो... वही जिसने उस डाल पर पैर रखा था।"
मैंने सिर हिलाया और पीछे मुड़कर उस अज्ञात पीछा करने वाले के निशान ढूंढने लगी। "तुम्हें क्या लगता है वह क्या था?"
लूसी के मुंह से लड़खड़ाती हुई हंसी फूट पड़ी।
मैंने अपना सिर घुमाकर उसे देखा। "तुम किस बात पर हंस रही हो?" मैंने चिढ़कर पूछा।
“छोड़ो, हम बेवजह परेशान हो रहे हैं, शायद कोई हिरण या ऐसा ही कुछ रहा होगा।” हंसते हुए भी, उसकी बात में कोई पक्की भावना नहीं झलक रही थी। उसने मेरी शंका भरी निगाहों से नज़रें हटा लीं और अपनी हथेली को देखने लगी, जो गिरने पर छिल गई थी।
मैं लूसी को तब तक घूरती रही जब तक उसने आखिरकार अपनी नज़रें उठाकर मेरी आँखों से नहीं मिलाईं। मेरी ज़िद्दी नज़र देखकर वह थोड़ी सहम गई। "अरे ज़ो, क्या तुम्हें सच में लगता है कि कोई हमारा पीछा कर रहा था?"
मैंने अपनी बाहें मोड़ लीं। "हाँ, हाँ मैं करती हूँ।"
लूसी ने आह भरी। "किसके द्वारा? इतने सालों में किसी ने भी शहर के इतने करीब भालू या पहाड़ी शेर नहीं देखे हैं।"
अब मेरी बारी थी नीचे देखने की। "शायद वह भालू नहीं था।"
लूसी फिर हंस पड़ी। "कौन हमारा पीछा करना चाहेगा, और किस कारण से?"

मैंने कंधे उचकाए और फिर से लूसी की आँखों में देखा, मैं उस स्थिति को उतनी आसानी से नज़रअंदाज़ नहीं कर पा रही थी जितनी आसानी से वह कर रही थी। "मुझे नहीं पता, लेकिन हमारा पीछा किया जा रहा था।"
लूसी ने अपने हाथों को कमर पर रखा। "ठीक है, मान लो कि हम ऐसी स्थिति में हैं, तो अब हम इसके बारे में क्या करें?"
मैंने आह भरी। उसकी बात सही थी। "कुछ नहीं, शायद।" मैंने मुश्किल से मुस्कुराने की कोशिश की। "कल मिलते हैं, ठीक है?"
एक असहज भाव से सिर हिलाकर और हाथ हिलाकर अलविदा कहते हुए, लूसी अपने घर की ओर मुड़ गई। मैंने उसे अंदर जाते हुए देखा, फिर मैं सड़क पर आगे बढ़ गया। मेरा घर ज़्यादा दूर नहीं था और जल्द ही नज़र आने लगा। जैसे ही मैं अपने दरवाज़े पर पहुँचा, मुझे अपने दाहिनी ओर जंगल में कुछ हलचल महसूस हुई, पर मेरी आँखों को कुछ भी असामान्य नहीं दिखा। वह चटकने की आवाज़ जो हमने सुनी थी, वह हिरण की नहीं थी। हिरण इतना भारी नहीं होता कि इतनी बड़ी डाल तोड़ सके। मैं इंतज़ार करता रहा, मानो अपने सामने के दरवाज़े के बगल में रखे गमले के किनारों से लटकते बैंगनी फूलों को निहार रहा हूँ। सब कुछ शांत था। एक गहरी सांस लेते हुए मैंने अपने सामने का दरवाजा खोला और थोड़ा कांपते हुए घर में प्रवेश किया। दरवाजा बंद होते ही मेरी पीठ के बीचोंबीच का तनाव कम हो गया। मैं रसोई से होते हुए बड़े से भोजन कक्ष की खिड़की तक गई और बाहर देखने लगी... किसलिए? मुझे अजीब लगा, मैंने सिर हिलाया और ऊपर अपने कमरे में चली गई।
दरवाजा बंद करके मैं अपने कमरे के पीछे बाईं ओर वाले कोने में चली गई, जहाँ मेरा बड़ा सा बिस्तर है। मैं अपने गहरे हरे रंग के कंबल पर बैठ गई और पीले- नीले रंग के बेमेल तकियों के सहारे झुक गई, थकावट महसूस कर रही थी। मैंने अपने अस्त-व्यस्त कमरे को चारों ओर देखा, सुन्न महसूस कर रही थी, लेकिन साथ ही इतना ज्यादा चिंतित होने पर शर्मिंदा भी थी।
मेरे बेमेल बिस्तर की तरह, मेरे कमरे की सजावट भी बेतरतीब है। मेरे बिस्तर के अलावा, बाकी जगह मेरी डेस्क, कपड़ों की अलमारी और किताबों की अलमारी से भरी हुई है। डेस्क और अलमारी के ऊपर की खाली दीवार पर पुरानी हॉरर फिल्मों के पोस्टर लगे हैं। मुझे हॉरर फिल्में बहुत पसंद हैं। पुरानी, नई, हिट, बी- ग्रेड या इनके बीच की किसी भी फिल्म में मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता।

बिल्कुल अलग हैं। शायद मैं अपने पिताजी से ज़्यादा मिलती-जुलती हूँ, लेकिन मैंने उन्हें कभी नहीं देखा, इसलिए मेरे पास इसका कोई सबूत नहीं है।
मेरी माँ के हाथ चाइनीज़ खाने से भरे प्लास्टिक के थैलों से भरे हुए थे। चिकने खाने की महक आते ही मेरे पेट में गुड़गुड़ होने लगी। हमारी खान-पान की आदतें सेहतमंद तो नहीं हैं, लेकिन मुझे इससे कोई शिकायत नहीं है। हमारे पसंदीदा डिनर पिज़्ज़ा और चाइनीज़ खाना होते हैं। अगर कभी बोरियत हो जाए तो कभी-कभार इंडियन खाना खा लेते हैं या फिर, हैरानी की बात है, घर का बना खाना खा लेते हैं। जब कभी-कभार हम घर का खाना बनाने का फैसला करते हैं, तो सारा काम मुझे ही करना पड़ता है। मेरी माँ और खाना बनाने के किसी भी उपकरण का आपस में कोई मेल नहीं है।
मेरी माँ बैग लेकर आयताकार, हल्के रंग की लकड़ी की डाइनिंग टेबल पर गईं, जबकि मैंने हम सबके लिए एक-एक गिलास पानी ले लिया। देखो, हम इतने भी अस्वस्थ नहीं हैं, पानी सेहत के लिए अच्छा होता है। साथ ही, चीनी खाने में आमतौर पर सब्जियां होती हैं। हमें जज मत करो।
मेरी माँ ने उसी रंग की लकड़ी की कुर्सी खींची और बैठते ही अपनी गहरे लाल रंग की सूती पोशाक का निचला हिस्सा ठीक किया। मैंने भी वैसा ही किया, फिर बैग में से लकड़ी की चॉपस्टिक निकाली और एक सेट माँ को दे दिया। हमने खाने के छोटे-छोटे डिब्बे बैग से निकाले और उन्हें अपने बीच में बुने हुए पीले रंग के दो चटाइयों पर रख दिया। मेरी माँ अपनी गहरी आँखों में जिज्ञासा लिए मुझे देख रही थीं।
“तुम्हारा पहला दिन कैसा रहा?” उसने सहजता से पूछा।
“अरे,” मैंने जवाब दिया, “वही पुराना सिलसिला। मेरी एलिसन के साथ तीन क्लास हैं, लूसी के साथ दो और ब्रायन के साथ एक, तो यह ठीक है।”
मेरी माँ मुस्कुराईं। "कोई प्यारा लड़का है क्या?"
उफ़। मैंने आह भरी, "क्या तुम्हें हमेशा यही सवाल पूछना ज़रूरी है?"
मेरी माँ ने उत्साहपूर्वक सिर हिलाया। "बिल्कुल। यह एक माँ का कर्तव्य है।"
मैंने उसके सवाल को नजरअंदाज कर दिया और अपना ध्यान खाने पर केंद्रित किया।
"इस साल कोई दिलचस्प क्लास है क्या?" उसने पूछा, मेरी चुप्पी को उसने मेरी ओर से अस्वीकृति समझ लिया।

"माँ, क्या हाई स्कूल में कभी कोई दिलचस्प क्लास होती भी है?"
वह हमेशा की तरह खुलकर हंसी। "ऐसा हो सकता है।"
मैंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, "जब तक नरक जम न जाए।" "आपका दिन कैसा रहा?"
“वही पुरानी कहानी,” उसने नकल करते हुए कहा। “हो सकता है मुझे अगले हफ्ते कुछ दिन वाशिंगटन में रुकना पड़े।”
मैंने सिर हिलाया और अपना ध्यान वापस खाने पर लगा दिया। खाते समय मेरी माँ ने मुझसे लड़कों के बारे में कुछ और सवाल पूछे, लेकिन दुर्भाग्यवश मुझे उन्हें निराश करना पड़ा। खाना खत्म होने के बाद, मैं वापस ऊपर अपने कमरे में चली गई।
जैसे ही मैं अंदर आया, मेरी नज़र मेरी अंग्रेजी की किताब पर पड़ी जो डेस्क पर उदास सी पड़ी थी। मैंने लगभग दो पल के लिए फिर से होमवर्क करने की कोशिश करने के बारे में सोचा, फिर अपनी अलमारी के ऊपर से वह पुरानी किताब उठा ली। मैंने बाकी की शाम कर्ट वॉनगुट की किताब 'गैलापागोस' को दोबारा पढ़ने में बिताई, जब तक कि मुझे नींद आने लायक थकान महसूस नहीं हुई।

अध्याय तीन
मेरे चारों ओर आग ही आग थी। जिधर भी देखता, आग की एक मोटी दीवार सी दिखाई देती, नीचे से चमकीला नीला रंग धीरे-धीरे नारंगी और फिर पीला होता जा रहा था। मुझे डर लगना चाहिए था, या कम से कम ऑक्सीजन की कमी से बेहोश हो जाना चाहिए था, लेकिन मैं किसी तरह शांत था। मैंने आग की उस दीवार की ओर देखा। आग में कई चेहरे दिखाई दे रहे थे। मेरे अतीत और वर्तमान के चेहरे, और कुछ ऐसे भी जिन्हें मैं नहीं जानती थी। मैंने उनमें अपनी माँ, एलिसन और लूसी को देखा। सभी चेहरे मुझे देख रहे थे, यह देखने के लिए कि मैं क्या करूँगी। तभी लपटों में एक बड़ा भेड़िया प्रकट हुआ, उसके घने भूरे-काले बाल आग से अप्रभावित थे। वह अपना सिर झुकाकर मुझे देख रहा था।
मैं पसीने से भीगकर उठा। मैंने अपने माथे को हाथ के पिछले हिस्से से पोंछा और मुझे अपना सपना याद आया। पिछले कुछ महीनों में मुझे आग के कई सपने आए थे, कुछ में मेरे दोस्त और परिवार वाले शामिल थे, और कुछ में मैं बिल्कुल अकेला था। लेकिन भेड़िया वाला सपना नया था। सभी सपनों में आग थी। आग ने मुझे कभी नहीं जलाया। मुझे उसकी गर्मी भी महसूस नहीं हुई। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि उनका क्या मतलब है, या उनका कोई मतलब भी है या नहीं। अजीब बात यह थी कि मैं हमेशा बुखार के साथ उठता था जो एक घंटे बाद उतर जाता था।
मैंने चादरों के उलझे हुए ढेर से जैसे-तैसे खुद को निकाला और अपने बैंगनी रंग के बाथरूम में घुसते ही संगमरमर की टाइलों वाले शॉवर में पानी चालू कर दिया ताकि पानी गर्म हो सके। पानी से भाप निकलने लगी तो मैंने उसमें थोड़ा ठंडा पानी मिलाया, अपनी गीली टी-शर्ट और अंडरवियर (जिन्हें मैंने पजामा की तरह पहना था) उतारे और अंदर चला गया।
जैसे ही गर्म पानी मेरे चेहरे पर पड़ा, मैं अपने हाल के सपनों के बारे में और सोचने लगी। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि आग से घिरे होने के बावजूद मुझे डर क्यों नहीं लग रहा था। मेरा मतलब है, मुझे आग से कभी खास डर नहीं लगा, लेकिन मुझे यकीन है कि अगर मैं असल जिंदगी में आग से घिरी होती, तो मुझे बहुत डर लगता।
मेरी माँ, जिन्हें सपनों की व्याख्या करना पसंद है, उनके पास कई सिद्धांत थे, लेकिन उनमें से कोई भी मुझे पूरी तरह समझ नहीं आया। उन्होंने मुझे बताया कि आग परिवर्तन, जीवन और मृत्यु, पुनर्जन्म या कई अन्य चीजों का

“ज़ो क्यों? कीड़े क्यों?” एलिसन ने शिकायत की।
“एल, इसे इस तरह देखो, हालात इससे कहीं ज़्यादा खराब हो सकते थे। एडवांस्ड बायोलॉजी में उन्हें बिल्लियों और छोटे सूअरों का विच्छेदन करना पड़ता है,” मैंने कहा, जिससे एलिसन का चेहरा शर्म से हरा पड़ गया।
एलिसन सचमुच सबसे खराब लैब पार्टनर थी। वह किसी भी चिपचिपी, बदबूदार या ऐसी ही किसी चीज को छूने से मना कर देती थी, चाहे उसने दस्ताने ही क्यों न पहने हों। मैंने कोशिश की कि बदबू मेरे मुंह में न जाए, जब मैंने बेचारे मरे हुए केंचुए को धातु की चीर-फाड़ ट्रे के अंदर नीले फोम पर चिपकाया। फिर मैंने अपनी स्केलपेल को उसके निचले हिस्से पर काटने के लिए तैयार किया, हमारी बायोलॉजी की किताबों में दिए गए चित्र का अनुसरण करते हुए। जैसे ही मैंने केंचुए को छेदा, कोई तरल पदार्थ एलिसन की ओर उछल पड़ा, जिससे वह अपनी कुर्सी से उछल पड़ी और एक लड़की जैसी चीख निकली। मैं हंसते-हंसते लोटपोट हो गया, और हमारे पास बैठे लोग भी हंसने लगे। मैंने जानबूझकर ऐसा नहीं किया था, यह पूरी तरह से एक दुर्घटना थी। कसम से!
कीड़ों को खत्म करने में किसी को खास सफलता नहीं मिली। क्लास खत्म होने तक, ज़्यादातर छोटे-छोटे कीड़े गलकर बेजान हो चुके थे। घंटी बजने से पहले किसी ने अपनी ट्रे साफ नहीं की थी, इसलिए मिस सैंडर्स के जाने से पहले हम सबको जल्दी-जल्दी ट्रे साफ करनी पड़ी। हम अगली क्लास के लिए लेट होने वाले थे, और हमारे पास बहाने भी तैयार थे। अब हालात सुधरने लगे थे।
दोपहर के भोजन का समय होते-होते मेरा मूड काफी अच्छा हो गया था। लेकिन तभी लूसी और मैं कैंटीन की ओर बढ़े और देखा कि डैन पहले से ही हमारी टेबल पर हमारा इंतज़ार कर रहा था। लूसी उसके ठीक बगल में बैठ गई, मानो कुछ असामान्य हुआ ही न हो। मैंने एक पल के लिए कहीं और बैठने का सोचा, लेकिन फिर अनिच्छा से डैन और लूसी के सामने ही बैठ गई।
जैसे ही मैं बैठी, डैन थोड़ा और पास सरक गया, जो बेहद स्पष्ट था। डैन की गहरे हरे रंग की टी-शर्ट और डार्क-वॉश जींस के सामने लूसी का हल्का हरा स्वेटर और खाकी पैंट बेमेल लग रहे थे। डैन ने मेरी चौकस निगाहों का सामना लगभग अधिकार जताते हुए किया। मेरी धड़कन थोड़ी तेज़ हो गई। आखिर उसे क्या हो गया था?
एलिसन अपना लंच लेकर आई और मेरे बगल में बैठ गई, डैन और लूसी की नज़दीकी देखकर वह भौंहें चढ़ा रही थी। मैंने अपने बैग से अपना पौष्टिक लंच, एक

ग्रैनोला बार निकाला और उसे चबाना शुरू कर दिया, डैन से नज़रें मिलाए हुए, मानो बचाव की मुद्रा में, अपने रोंगटे खड़े होने की अनुभूति को नज़रअंदाज़ करने की कोशिश कर रही थी। ग्रैनोला पेट में जाते ही गत्ते जैसा लग रहा था। "क्या तुम्हारे पास लंच नहीं है?" डैन ने मेरी घूरती निगाहों से मुंह फेरते हुए लूसी से पूछा।
“ओह, उम, मैं भूल गई थी,” लूसी ने जवाब दिया।
भूल गई? वो कभी नहीं भूली। मुझे अंदर ही अंदर शक था कि वो बस डैन के सामने खाना नहीं खाना चाहती थी। मुझे कभी समझ नहीं आता कि लड़कियाँ लड़कों के सामने कैसा बर्ताव करती हैं। सिर्फ़ इसलिए लंच छोड़ देना ताकि वो तुम्हें खाते हुए न देखे? माफ़ करना, लेकिन मैं तो जॉनी डेप के अलावा किसी और चीज़ के लिए लंच नहीं छोड़ती।
"क्या मैं तुम्हारे लिए कुछ लाऊं?" डैन ने लूसी को ऐसे देखते हुए पूछा जैसे वह कोई दुर्लभ, नाजुक फूल हो।
शर्म से लूसी का चेहरा लाल हो गया। उसने मेज की ओर देखा। "नहीं, धन्यवाद, मैं ठीक हूँ।" कुछ पल की चुप्पी के बाद, उसने जल्दी से कहा, "फिर भी प्रस्ताव के लिए धन्यवाद।"
"क्या तुम्हें सच में भूख नहीं है?" मैंने लूसी के व्यवहार से चिढ़कर पूछा।
“नहीं,” उसने जवाब दिया, और उसकी त्वचा का रंग किसी तरह और भी गहरा हो गया। “मुझे याद नहीं आ रहा कि मैंने तुम्हें आखिरी बार लंच स्किप करते कब देखा था,” मैंने आगे कहा। “यह थोड़ा अजीब लगता है।” ठीक है, मैं थोड़ी कठोर हो रही थी, लेकिन डैन की मौजूदगी ने मेरा मूड खराब कर दिया था।
ब्रायन दौड़कर हमारी मेज तक आया और ऐलिसन और मेरे बीच में आकर बैठ गया, जिससे लूसी को और परेशान होने से बचा लिया। उसने अपनी फुटबॉल जर्सी और जींस पहनी हुई थी, हालाँकि हरी और पीली जर्सी लगभग हर किसी पर खराब लग रही थी। उसने अपनी लंच ट्रे मेज पर रखी और जब ऐलिसन ने उसे तिरछी नज़र से देखा तो उसने व्यंग्य भरी मुस्कान दी।
डैन ब्रायन को पैनी नज़रों से देख रहा था और लूसी के और करीब सरक गया। ब्रायन ने भी डैन को घूरकर देखा, उसका मुंह उलझन से सिकुड़ा हुआ था, फिर अचानक उसकी भौंहें तन गईं और उसकी नज़रें अचानक रक्षात्मक हो गईं। ओह, मुझे लग रहा था जैसे मेरा टेस्टोस्टेरोन बढ़ रहा हो। डैन और ब्रायन एक-

दूसरे को घूरते रहे। डैन डरावना लग रहा था, और ब्रायन, खैर, उसने कोशिश तो की। डैन के गले से एक धीमी सी गुर्राहट जैसी आवाज़ निकली। ब्रायन ने पलकें झपकाईं, उसके चेहरे पर रक्षात्मक भाव उलझन में बदल गया।
“क्या तुमने अभी मुझ पर गुर्राया?” ब्रायन ने अविश्वास से पूछा।
डैन घूरता रहा। ब्रायन ने भौंहें चढ़ाईं, लेकिन अपनी जगह पर डटा रहा। आखिर चल क्या रहा था? मतलब, किशोर लड़कों के बीच मर्दानगी की प्रतियोगिताएँ कोई असामान्य बात नहीं हैं, लेकिन ये तो हद से ज़्यादा अजीब था। लूसी तो मानो सहमी हुई थी। एलिसन उन दोनों लड़कों को ऐसे देख रही थी जैसे उनके दो सिर उग आए हों।
मैंने झुंझलाकर डैन से पूछा, "तुम्हें क्या हो गया है?"
उसने अपनी बर्फीली निगाहें मुझ पर डालीं, जिससे मुझे लगा कि काश मैंने कुछ न कहा होता। ब्रायन को राहत मिली होगी जब सारा ध्यान उससे हट गया।
हिम्मत जुटाकर मैंने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। "तो?" मैंने पूछा, मेरी आवाज़ जितनी कांप रही थी, उससे कहीं ज़्यादा कांप रही थी।
डैन अचानक होश में आया और उसके चेहरे पर हल्की सी मुस्कान आ गई। फिर वह हंसने लगा। "मैंने तुम सबको खूब बेवकूफ बनाया," उसने हंसते हुए कहा।
ब्रायन हिचकिचाते हुए हँसा और जल्द ही एलिसन और लूसी भी उसके साथ हँसने लगीं, उस अजीबोगरीब पल को नज़रअंदाज़ करते हुए। मुझे मज़ाक समझ नहीं आया। घंटी बजी।
ब्रायन धीरे-धीरे अपनी ट्रे लेकर उठा, उसकी निगाहें डैन पर टिकी रहीं। "आप लोगों से बाद में मिलते हैं।"
जाहिर तौर पर ब्रायन को भी वह "मज़ाक" समझ नहीं आया। मैंने ब्रायन को कूड़ेदान की ओर जाते और अपना लगभग बचा हुआ खाना फेंकते देखा। डैन तब तक लूसी से सटकर बैठा रहा जब तक ब्रायन नज़र से ओझल नहीं हो गया। फिर उसने लूसी को क्लास तक छोड़ने की ज़िद की। लूसी शायद खुश थी या थोड़ी असहज महसूस कर रही थी, ये तय नहीं कर पा रही थी। वे बाहर चले गए, और एलिसन और मुझे अकेला छोड़ दिया।
“आखिर ये सब क्या था?” एलिसन ने पूछा।
मैंने उसकी ओर भौंहें चढ़ाकर कहा, "मैंने तुमसे कहा था ना कि वो एक घटिया आदमी है।"

एलिसन की भौंहें हैरानी से सिकुड़ गईं। "लेकिन उसने ब्रायन पर कुत्ते की तरह गुर्राया। क्या वह सचमुच मजाक कर रहा था?"
मुझे नहीं पता, लेकिन मुझे यह मजाक समझ नहीं आया। शायद हमें शनिवार का कार्यक्रम रद्द कर देना चाहिए।
एलिसन ने आह भरी। "मुझे नहीं पता कि लूसी मान जाएगी या नहीं। वैसे भी, हो सकता है वह सिर्फ मजाक कर रहा हो।"
मैंने तेवर चढ़ाते हुए जवाब दिया, "उसका हास्यबोध वाकई अजीब है।"
एलिसन ने मुझे हल्की सी मुस्कान दी और हम जिम की ओर चल पड़े। बाकी का दिन हमेशा की तरह बीत गया, लेकिन हमने एहतियात के तौर पर एलिसन से हमें घर तक छोड़ने के लिए कहा।
स्कूल के अगले कुछ दिन बिना किसी खास घटना के गुज़रे। डैन दोपहर के भोजन पर हमारे साथ बैठता था, और अब वह मर्दाना दबदबा दिखाने की कोशिश नहीं करता था, न ही मज़ाक करता था। वह अंग्रेज़ी की क्लास में मुझे घूरता रहता था, लेकिन फिर कभी मुझसे अकेले में बात करने की कोशिश नहीं की। जब आखिरकार शुक्रवार आया, तो सप्ताहांत में मुझे जो खुशी मिलती थी, वह इस बात से फीकी पड़ गई कि डैन अभी भी हमारी शनिवार की योजनाओं में शामिल था।
लूसी और एलिसन शायद उसके उस अजीबोगरीब वाकये को भूल चुकी थीं, या यूं कहें कि उन्होंने जानबूझकर उसे नजरअंदाज कर दिया था। लेकिन मैं भूली नहीं थी और शनिवार को लेकर बहुत चिंतित थी। मेरे पास इस बात के सबूत तो थे ही कि डैन के साथ कुछ गंभीर गड़बड़ है, साथ ही मुझे उसके बारे में एक अजीब सी बेचैनी भी महसूस हो रही थी। मेरी अंतरात्मा अब भी चीख-चीखकर कह रही थी कि कुछ बुरा होने वाला है... या शायद वो हो भी चुका है।

चौथा अध्याय
एलिसन ने तय कर लिया था कि खरीदारी अगले सप्ताहांत तक नहीं रुक सकती, इसलिए हम शुक्रवार दोपहर को ही निकल पड़े। लूसी और मैं एलिसन के आने और हमें लेने के लिए मेरे घर के बाहर इंतज़ार कर रहे थे। ऐसा नहीं था कि हम गाड़ी नहीं चला सकते थे, हम दोनों के पास ड्राइविंग लाइसेंस थे, लेकिन अफ़सोस, हमारे पास कार नहीं थी। एलिसन के माता-पिता ने उसे उसके 16 वें जन्मदिन पर कार खरीदकर दी थी।
मैं और लूसी अपने घर के बरामदे के बाईं ओर रखी लकड़ी और लोहे की बनी झूलती हुई बेंच पर बैठे थे, तभी एलिसन की गहरे नीले रंग की निसान सेंट्रा मेरी ड्राइववे में आकर रुकी। लूसी की तरह मैंने भी एक गहरी आह भरी। हम दोनों को ही खरीदारी करना पसंद नहीं है, लेकिन एलिसन की आदत है कि वह तब तक आपको मनाती रहती है जब तक आप आखिरकार उसकी हर बात मान न लें।
मैंने लूसी से पूछा, "क्या तुम इसके लिए तैयार हो?"
लूसी ने दृढ़ निश्चय के साथ सिर हिलाया। "मैं जितनी तैयार हो सकती हूँ, उतनी तैयार हूँ।"
मैं खड़ी हुई और अपनी जींस और हल्के नीले स्वेटर को ठीक किया, फिर रसोई की खिड़की से दिख रही अपनी माँ को अलविदा कहने के लिए हाथ हिलाया। लूसी और मैं एलिसन की कार की ओर चल पड़े, मानो हमें अपने भाग्य का सामना करना था। मैंने आगे की सीट हथिया ली और लूसी को पीछे खिसकने पर मजबूर कर दिया, क्योंकि एलिसन की कार के स्पीकरों से बज रहे आम से लड़कियों वाले पॉप संगीत ने हमें परेशान कर दिया था। मैंने तुरंत वॉल्यूम नॉब पकड़ा और संगीत की आवाज़ को सहने लायक (या कम से कम जितना सहने लायक हो सकता है) कर दिया।
मैंने एलिसन से शरारती अंदाज़ में पूछा, "मुझे याद दिलाओ कि हम तुम्हारे दोस्त क्यों हैं?"
“क्योंकि मेरे पास कार है,” उसने मुस्कुराते हुए जवाब दिया। उसने मुस्कुराते हुए लूसी की तरफ देखा, लेकिन लूसी का स्वेटर देखकर उसकी मुस्कान थोड़ी फीकी पड़ गई, क्योंकि वह स्वेटर बिल्कुल मेरे स्वेटर जैसा था। एलिसन ने मेरी तरफ देखा, फिर लूसी की तरफ। “तुम दोनों बॉबसे जुड़वाँ हो क्या?”

मैंने आह भरी। "यह जानबूझकर नहीं था, मुझे जज मत करो, तुम आज बिल्कुल अपने सामान्य रूप में नहीं दिख रहे हो।"
एलिसन ने अपनी सादी सफेद टी-शर्ट और फटी हुई, फीकी जींस पर नजर डाली। उसने कंधे उचकाए। "आज कपड़े धोने का दिन है।"
मैंने मुस्कुराते हुए मजाक में कहा, "मुझे पता था कि कोई न कोई वाजिब बहाना जरूर होगा।"
“बिल्कुल,” एलिसन ने अपने शरीर के ऊपरी हिस्से से शाही अंदाज़ में झुकते हुए जवाब दिया। उसने कार को गियर में डाला और मेरे ड्राइववे से बाहर निकलने लगी। सड़क पर पहुँचते ही उसने मेरी तरफ देखा। “क्या तुम्हारी माँ ने तुम्हें खरीदारी के लिए कुछ पैसे दिए?”
“हाँ,” मैंने जवाब दिया, “वह यह जानकर इतनी हैरान थी कि मैं सचमुच स्कूल के लिए खरीदारी करने जा रही हूँ कि मुझे उससे पूछने की भी ज़रूरत नहीं पड़ी, वह उत्साह से अपना बटुआ लेने दौड़ पड़ी।” मैंने सबूत के तौर पर अपनी माँ का ग्रे और गोल्ड रंग का क्रेडिट कार्ड दिखाया।
“लूसी?” एलिसन ने सड़क पर नजर रखते हुए पूछा।
“हाँ।” एलिसन और मेरे बीच लूसी का हाथ दिखाई दिया, जिसमें पचास डॉलर का नोट था।
कुछ ही मिनटों में हम शेल्बी कब्रिस्तान के पास से गुज़र रहे थे। कब्रिस्तान मुझे बहुत डराते हैं, खासकर शेल्बी वाला। लूसी की दादी के गुज़र जाने के बाद हम दोनों वहाँ गए थे। हम कब्रों की कतारों के बीच से होते हुए पीछे तक गए जहाँ सबसे पुरानी कब्रें दिखाई दे रही थीं, जिनमें से कुछ 1800 के दशक की शुरुआत की थीं। मुझे उस जगह की प्राचीनता का एहसास हो रहा था, मानो लंबे समय पहले मर चुके शवों की आत्माएँ मुझे घेरकर धकेलने की कोशिश कर रही हों। मैं जानती हूँ कि भूत-प्रेत जैसी कोई चीज़ नहीं होती, लेकिन मृतकों के बीच अचानक जो घबराहट हुई, वह इस बात को झकझोर रही थी। कब्रिस्तान नज़र से ओझल होते ही मैंने राहत की सांस ली, मुझे पता ही नहीं था कि मैं कब से सांस रोके हुए थी। मैंने अपना ध्यान फिर से सामने की संकरी सड़क पर लगाया। हम जल्द ही उस जगह के पास पहुँच गए जिसे शेल्बी "मॉल" कहती है। एलिसन के अनुसार, वह एक गलियारे जैसा था।
हमने लगभग खाली पार्किंग में गाड़ी खड़ी की और बाहर निकलते ही ठंडी हवा का झोंका महसूस हुआ। मुझे थोड़ी देर बाहर रुकने में कोई आपत्ति नहीं थी,

लेकिन अनिच्छा से ही मैं एलिसन के पीछे-पीछे मॉल के अंदर, फ्लोरोसेंट रोशनी वाले गलियारे में चली गई।
मॉल किसी बुरे सपने जैसा था। गलियारे के बीचोंबीच बने छोटे-छोटे स्टॉलों से विक्रेता हमें आवाज़ लगा रहे थे, पूछ रहे थे कि हमारे पास कौन सा मोबाइल फ़ोन कनेक्शन है या क्या हमने कभी मृत सागर के बारे में सुना है। हमारे हाई स्कूल के कुछ छात्र एक साथ जमा होकर हंस रहे थे और इस बात को नज़रअंदाज़ कर रहे थे कि वे पैदल चलने वालों की आवाजाही को पूरी तरह से रोक रहे थे। लूसी और मैं एलिसन के पीछे-पीछे रंग-बिरंगी दुकानों में से एक में घुस गए। एलिसन तुरंत काम पर लग गई, मानो कोई शिकारी बाघिन हो। देखते ही देखते लूसी और मेरे हाथों पर कपड़ों का ढेर लग गया। एलिसन के और कपड़े लादने से पहले ही हम फिटिंग रूम की ओर चल पड़े। फिटिंग रूम की अटेंडेंट एक छोटी कद की महिला थी, शायद सिर्फ 5 फुट 1 इंच की, जिसके चमकीले लाल घुंघराले बाल थे। उसने मुझे मेरे छोटे से स्टॉल तक पहुंचाया और मेरे सारे कपड़े अंदर लगे छोटे हुकों पर टांग दिए।
एलिसन की नज़रों से दूर होते ही, मैंने उसके चुने हुए कपड़ों में से वो चीज़ें छाँटनी शुरू कीं जो मैं पहन सकती थी। एक मिनीस्कर्ट और एक हल्के गुलाबी रंग का टैंक टॉप मैंने तुरंत हटा दिए। फिर मैंने गहरे लाल रंग की, लगभग पारदर्शी सूती कपड़े से बनी लंबी आस्तीन वाली शर्ट देखी। मुझे हैरानी हुई कि एलिसन ने मेरे लिए भी कुछ चुना था, इसलिए मैंने उसे पहनकर देखा।
इस कमीज़ की वजह से मेरा चेहरा पहले से भी ज़्यादा पीला लग रहा था, लेकिन मेरी हरी आँखें इसके विपरीत बहुत आकर्षक लग रही थीं, जो मुझे कुछ हद तक अच्छा भी लगा। जब मैं इसे पहनकर स्कूल जाऊँगी, तो शायद ऐलिसन कहेगी कि यह रंग मुझ पर अच्छा नहीं लग रहा, तब मैं उसे बता दूँगी कि यह कमीज़ उसी ने चुनी थी... बिलकुल सही चुनाव था।
लाल शर्ट के साथ, मैंने एक नई जींस और एक फिटिंग वाली, चमकदार गहरे भूरे रंग की चमड़े की जैकेट खरीदी। जैकेट मेरी आदत से कहीं ज़्यादा क्लासी थी, लेकिन मैंने सोचा कि मेरे रोज़मर्रा के कपड़े इसे थोड़ा कैज़ुअल लुक दे देंगे। लूसी ने एक लाल ड्रेस खरीदी, जिसके बारे में मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि वह उसे पसंद करेगी। एलिसन खुशी से झूम उठी।

हम कई और दुकानों पर गए जहाँ एलिसन ने लूसी और मुझे ढेर सारे कपड़े दिला दिए, पहले स्टोर में उसके आत्मविश्वास में कोई कमी नहीं आई थी। मुझे कुछ और कपड़े खरीदने के लिए मजबूर किया गया, लेकिन मैंने एलिसन की मेरे प्यारे स्नीकर्स को बदलने की कोशिश को अनसुना कर दिया।
कपड़ों की खरीदारी पूरी होने के बाद, एलिसन ने ज़िद की कि हम मॉल के दो बड़े डिपार्टमेंट स्टोर में से किसी एक के मेकअप काउंटर पर चलें। एलिसन परफ्यूम काउंटर की ओर ऐसे खिंची चली गई जैसे पतंगा आग की ओर, इसलिए मैं लूसी के पीछे-पीछे मेकअप की छोटी-छोटी स्टिक और चौकोर डिब्बों को देखने चली गई।
लूसी ने मेरे चेहरे के सामने लिप-ग्लॉस की दो अलग-अलग ट्यूबें पकड़ीं। "तुम्हें कौन सी पसंद है?"
क्या वह सच में ऐसा कह रही थी? मैंने लूसी को पहले कभी मेकअप खरीदते नहीं देखा था। उसने कभी इसमें कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई थी। "हम्म..." मैंने जवाब दिया, फिर जल्दी से उंगली से एक ट्यूब की ओर इशारा किया। "वो वाली।"
"आपने बस यूं ही एक को चुन लिया, है ना?"
मैंने अपने होंठ दबा लिए। "उम्म... हाँ।"
लूसी मुस्कुराई और मेरी तरफ सिर हिलाते हुए बोली, "एलिसन!"
एलिसन एक छोटी सी चटख गुलाबी प्लास्टिक की थैली लेकर दौड़ती हुई आई, मुझे लगा कि उसमें उसका नया परफ्यूम होगा। लूसी की ग्लॉस चुनने की दुविधा देखकर एलिसन ने उसे काउंटर की तरफ मोड़ दिया और उसके चेहरे पर अलग-अलग ग्लॉस लगाकर दिखाने लगी। एलिसन ने बिना कुछ कहे एक आड़ू जैसे गुलाबी रंग की ट्यूब मुझे वापस थमा दी। जाहिर है, मुझे उसे खरीदना था। वह सिर्फ छह डॉलर की थी, इसलिए मैंने बहस न करने का फैसला किया। मैं उसे अपनी माँ को दे सकती थी।
जब तक ऐलिसन ने लूसी का काम खत्म किया, तब तक उसके दोनों हाथ मेकअप से भरे हुए थे। वह सारा मेकअप खरीदने के लिए काउंटर की ओर लड़खड़ाते हुए गई। मुझे धीरे-धीरे शक होने लगा था कि लूसी का मेकअप के प्रति यह नया लगाव डैन से जुड़ा हुआ है। मुझे चिंता होने लगी। मुझे डैन पर बिल्कुल भी भरोसा नहीं था कि वह मेरी सबसे अच्छी दोस्त के साथ रहे। मुझे डैन पर ज़रा भी भरोसा नहीं था।

लूसी के मेकअप का सामान खरीदने के बाद, एलिसन ने आखिरकार ऐलान किया कि हमारा काम खत्म हो गया है। हम उस भयानक गलियारे को पीछे छोड़कर एलिसन की कार में बैठकर मेरे घर वापस आ गए। पंद्रह मिनट बाद हम बैगों से भरे हाथों से मेरे घर के दरवाजे से अंदर घुस आए। लूसी और एलिसन सीधे मेरे कमरे में गईं ताकि एलिसन लूसी को मेकअप का तरीका सिखा सके। मैं थोड़ी देर रुकी और अपनी नई लिप-ग्लॉस की ट्यूब अपनी माँ को दे दी, जो हमारे लिविंग रूम में सोफे पर बैठकर टीवी देख रही थीं।
"शुक्रिया, प्रिये," उसने मुझे सीढ़ियों पर चढ़ते हुए कहा।
जब मैं अपने कमरे में पहुंची, तो एलिसन ने लूसी का सारा मेकअप फर्श पर फैला रखा था। छोटे डिब्बों में लिपटे प्लास्टिक के रैपरों का एक ढेर एक तरफ पड़ा था। लूसी और एलिसन फर्श पर आमने-सामने बैठी थीं, इसलिए मैं भी उनके पास बैठ गई, जिससे एक टेढ़ा-मेढ़ा त्रिकोण बन गया।
मैंने हल्के सुनहरे रंग की चमकदार नोक वाली एक मोटी पेंसिल को ऊपर उठाते हुए पूछा, "यह क्या है?"
"हाइलाइटर," एलिसन ने जवाब दिया, और लूसी की पलकों पर आई शैडो लगाने के अपने काम पर ध्यान केंद्रित रखा।
"किस लिए?"
एलिसन ने मेरे हाथ से पेंसिल छीन ली और उंगली टेढ़ी करके मेरी ओर इशारा किया। "इधर आओ, मैं तुम्हें दिखाती हूँ।"
मैंने हार मानकर हाथ ऊपर उठा लिए और थोड़ा पीछे हट गई। मैंने देखा कि एलिसन लूसी की आँखों पर काम करती रही। मुझे पता चला कि हाइलाइटर स्टिक किस काम आती है... कुछ हद तक। कम से कम मेरी अनुभवहीन नज़र में तो इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ा। जब एलिसन का काम खत्म हो गया, तो लूसी मेरी तरफ मुड़ी।
“आप क्या सोचते हैं?” उसने मुझसे पूछा।
एलिसन ने अच्छा काम किया था। यह तो साफ दिख रहा था कि लूसी ने मेकअप किया हुआ है, लेकिन इतना हल्का कि चेहरे पर सबसे पहले यही नज़र नहीं पड़ती थी।
"यह... अलग है," मैंने हिचकिचाते हुए जवाब दिया।
“यह एकदम सही है,” एलिसन ने सुधार करते हुए कहा। उसने लूसी के चेहरे के सामने एक दर्पण रखा।
लूसी की आंखें चौड़ी हो गईं। "वाह, अल, मुझे मानना पड़ेगा, तुम जानते हो कि तुम क्या कर रहे हो।"

एलिसन ने मेरी तरफ शरारती मुस्कान के साथ देखा। "अब तुम्हारी बारी।" मैंने अपना हाथ कान पर रखा, मानो दूर से कुछ सुनाई दे रहा हो। "अरे, ये क्या है? मुझे लगता है मेरी माँ मुझे बुला रही है। बस एक पल रुको माँ!" मैं खड़ी हुई और एलिसन के पकड़ने से पहले ही दरवाजे की ओर भाग गई।
एलिसन और लूसी उस दोपहर बाद अपने परिवारों के साथ खाना खाने चली गईं, और मैं अपने कमरे में उदास बैठी रही। दोस्तों के साथ समय बिताने से मेरा ध्यान कुछ देर के लिए इस बात से हट गया था कि हम कल डैन से मिलेंगे, लेकिन अब मैं बस इसी बारे में सोच रही थी।
मैं बिस्तर पर अपने बगल में पोर्टेबल फोन रखकर बैठी थी और सोच रही थी कि क्या मुझे अपनी योजनाओं से बचने की कोशिश करनी चाहिए या नहीं। मुझे यह बात मानने में बहुत बुरा लग रहा था, लेकिन मैं डैन से डरती थी।
मैंने आह भरी, फिर फोन को अपने से दूर धकेलने के लिए हाथ बढ़ाया। मैं इसे रद्द नहीं कर सकती थी। लूसी और एलिसन को डैन पर भरोसा था। अगर कुछ हो गया और मैं वहाँ नहीं थी... तो मैं खुद को कभी माफ नहीं कर पाऊंगी, और यह तो बस शुरुआत है। मैं जा रही थी। सब ठीक हो जाएगा... हाँ, और असंभव भी संभव है।

अध्याय पाँच
शनिवार की सुबह तक डर की भावना मेरे पेट में एक सख्त गांठ की तरह हो गई थी। मैं इतनी घबराहट से बीमार थी कि मैं इसे ठीक से समझा नहीं पा रही थी। यह झूठ है। मेरा मतलब है, न समझा पाने की बात। जब मैं पहली बार डैन से मिली थी, तब मुझे यह बुरा एहसास समझ नहीं आया था, लेकिन अब मैं इसे समझा सकती हूँ। वह... अलग था। अजीब था। ऐसा नहीं है कि अलग होना या अजीब होना हमेशा बुरी बातें होती हैं, लेकिन डैन के मामले में तो ये निश्चित रूप से बुरी बातें थीं।
मैंने अपने बालों में कंघी की और मशीनी तरीके से काले रंग का टैंक टॉप, फटी हुई जींस और हमेशा पहने रहने वाले स्नीकर्स पहन लिए। एलिसन को ये बहुत पसंद आएगा। मैंने एहतियात के तौर पर अपनी नई चमकदार भूरे रंग की चमड़े की जैकेट भी उठा ली। रातें ठंडी होने लगी थीं, जो हमें सर्दियों की आहट दे रही थीं, हालांकि सितंबर की शुरुआत ही हुई थी।
जैसे ही मैं नीचे जा रही थी, मुझे सामने के दरवाजे पर दस्तक सुनाई दी। मैंने अपना बटुआ और घर की चाबियों वाला थैला उठाया और दरवाजा खोलने के लिए लिविंग रूम की ओर दौड़ पड़ी। लूसी अपनी नई लाल ड्रेस और प्यारे, स्टाइलिश भूरे बूट पहने मेरा इंतज़ार कर रही थी, जिससे उसकी हाइट थोड़ी बढ़ गई थी। मैंने उसे शुक्रवार को बूट खरीदते हुए नहीं देखा था, लेकिन मैं जूतों वाले सेक्शन से दूर ही रहती थी, इसलिए यह कोई बड़ी बात नहीं थी। उसका पहनावा थोड़ा ज़्यादा ही सजग था, बल्कि लूसी के सामान्य पहनावे के हिसाब से तो बहुत ही ज़्यादा सजग था।
जैसे ही मैंने उसके पहनावे को देखा, मैं चिल्ला उठा, "मुझे पता था! तुमने ये सब चीजें डैन को इंप्रेस करने के लिए खरीदी हैं!"
उसने अपना नया मेकअप भी किया हुआ था। बादाम के आकार की उसकी आँखों में काले रंग की बारीक लाइनर लगी थी और होंठों पर ताज़ा ग्लॉस लगा हुआ था। और क्या मुझे इत्र की खुशबू आ रही थी? मैं तो डर से कांप गया।
मैंने उसे नापसंदगी भरी नजरों से देखा।
लूसी की सांवली त्वचा शर्म से लाल हो गई। वह मुड़ी और बिना कुछ कहे वापस कार की ओर चल पड़ी, जहाँ एलिसन उसका इंतज़ार कर रही थी।

लूसी इतनी आसानी से नहीं बच सकती थी। मैंने दरवाज़ा बंद करके ताला लगा दिया और जल्दी से उसके पास पहुँच गई। "तुम उसे कैसे पसंद कर सकती हो? वो तो बस घूरता रहता है! और उस दिन लंच के समय जो अजीबोगरीब घटना हुई थी, उसका क्या? मुझे पता है तुम उसे भूली नहीं हो। वो बिल्कुल पागल है," मैंने उससे बार-बार पूछा।
“वो प्यारा है,” उसने जवाब दिया, “और वो बस तुम्हें ही घूरता रहता है, और शायद इसलिए क्योंकि तुम उसे किसी अजीबोगरीब इंसान की तरह समझती हो। उससे बात करने के बाद वो बिल्कुल नॉर्मल है, और लंच वाली बात तो बस एक मज़ाक थी।” लूसी ने कार की खिड़की से ड्राइवर सीट पर धैर्य से बैठी एलिसन की तरफ देखा, फिर मुझे ऐसी नज़र से देखा जिससे साफ पता चल रहा था कि एलिसन को मत बताना। इससे पहले कि मैं कुछ और कह पाती, वो पीछे की सीट पर बैठ गई।
मैंने माथे पर शिकन लिए कार का दरवाजा खोला और हमेशा की तरह आगे की सीट पर बैठ गई। एलिसन ने मेरे चिड़चिड़े चेहरे को अनदेखा करते हुए कार स्टार्ट कर दी। वह भी सजी-धजी थी, पर यह कोई असामान्य बात नहीं थी। उसने गहरे रंग की जींस, गहरे बैंगनी रंग की कमीज़ और गहरे भूरे रंग की एक फिटिंग वाली जैकेट पहनी हुई थी, जो आजकल फैशन में थी। उसने चमड़े के बूट पहने हुए पैर से एक्सीलरेटर दबाया और हम चल पड़े। थिएटर मेरे घर से ज़्यादा दूर नहीं था, वैसे भी शेल्बी में कुछ भी ज़्यादा दूर नहीं होता, लेकिन डैन की पूरी घटना को लेकर मेरी घबराहट ने दस मिनट की ड्राइव को घंटों जैसा बना दिया था।
जब हम उस पुराने, सुनसान थिएटर के पार्किंग लॉट में पहुँचे, तो डैन पहले से ही इंतज़ार कर रहा था। थिएटर मूल रूप से केवल तीन स्क्रीन के साथ बनाया गया था, लेकिन बाद में इसे सात स्क्रीन के लिए विस्तारित कर दिया गया था। डैन हाथ बाँधे खड़ा था, उसने कैज़ुअल ग्रे पैंट और काली वी-नेक टी-शर्ट पहनी हुई थी, जिसके ऊपर उसकी भूरी चमड़े की जैकेट थी। उसके लगभग काले बाल हमेशा की तरह एकदम सँवारे हुए थे। वह महँगे और खतरनाक लग रहे थे, या शायद मैं ही ऐसा सोच रही थी। वह अपनी हल्की नीली आँखों से हमें आते हुए देख रहा था, मानो सहज हो। मैं बिल्कुल भी सहज महसूस नहीं कर रही थी।
हम उसके पास पहुँचे और उससे थोड़ी दूरी पर रुक गए। फिर हम वहाँ अजीब सी खामोशी में खड़े रहे। मैंने लूसी और एलिसन की तरफ देखा, लेकिन लूसी नीचे देखती रही और अपने पैर हिलाती रही, जबकि एलिसन डैन को देखकर बेवकूफी भरी मुस्कान दे रही थी। मुझे यह देखकर हैरानी हुई कि डैन भी थोड़ा घबराया हुआ

लग रहा था। वह आमतौर पर इतना मर्दाना और आत्मविश्वासी दिखता था। उसके चेहरे पर एक शर्मिंदगी भरी मुस्कान फैलने लगी। क्या वह इससे भी ज़्यादा उलझन भरा हो सकता था?
मैंने आह भरी और थिएटर की ओर इशारा करते हुए कहा, "चलें?"
सबने सहमति में सिर हिलाया और आखिरकार हम पार्किंग से बाहर निकल पाए। हम फुटपाथ पर आगे बढ़े, उन फिल्मों के पोस्टरों के पास से गुज़रे जिन्हें मैं देखना चाहती थी, लेकिन जानती थी कि हम नहीं देख पाएंगे। एलिसन और लूसी के बूटों की आवाज़ फुटपाथ पर सुनाई दे रही थी, जबकि मैं अपने शांत स्नीकर्स में उनके पीछे-पीछे चल रही थी। अंदर जाते समय डैन ने हमारे लिए दरवाज़ा खोला, फिर टिकट खरीदते समय वह मेरे बहुत करीब खड़ा हो गया। टिकट एक साधारण सी रोमांटिक फिल्म के थे, जिसका पोस्टर बिल्कुल भी आकर्षक नहीं था।
हमारी फिल्म हॉल के बिल्कुल आखिरी छोर पर स्थित थिएटर नंबर सात में थी। सही स्क्रीनिंग रूम तक जाने में बहुत समय लग रहा था, और सीटें चुनने में भी। लूसी, एलिसन और मैं आमतौर पर उस पंक्ति में बैठते थे जो थिएटर को दो हिस्सों में बांटने वाली रेलिंग के ठीक पीछे होती थी। इस तरह हम अपने पैर बार पर रख सकते थे और हमें इस बात की चिंता नहीं होती थी कि हमारे सामने कोई लंबा व्यक्ति बैठकर हमारा नज़ारा रोक देगा।
मुझे लगभग लगा था कि हमें अलग-अलग सीटें मिलेंगी क्योंकि लूसी और एलिसन गलियारे में खड़ी होकर डैन के हटने का इंतजार कर रही थीं, लेकिन जब उसने भी कोई सीट नहीं चुनी, तो मैं अपनी मनपसंद जगह पर बैठ गई और बाकी सभी के आने का इंतजार करने लगी।
लूसी मेरे बगल में बैठ गई, फिर डैन आया, और फिर एलिसन। लूसी के चेहरे पर संतुष्टि भरी मुस्कान थी, जबकि एलिसन नाखुश लग रही थी। ऐसा लग रहा था कि एलिसन को आखिरकार लूसी के नए कपड़े पहनने का असली मकसद समझ आ गया था, और वह प्रतियोगिता को लेकर बिल्कुल भी उत्साहित नहीं थी। मुझे पूरा यकीन था कि लूसी ने प्रतियोगिता शुरू होने से पहले ही जीत ली थी, लेकिन एलिसन के लिए, जब तक प्रतियोगिता खत्म नहीं हो जाती, तब तक कुछ नहीं कहा जा सकता।
हम जल्दी पहुँच गए थे। प्रीव्यू भी शुरू नहीं हुए थे और चारों तरफ़ सन्नाटा छाया हुआ था। आह भरते हुए मैंने लूसी को कोहनी से धक्का दिया, "मैं पॉपकॉर्न लेने जा रही हूँ।"

उसने सिर हिलाया, मेरे साथ जाने की पेशकश नहीं की, इसलिए मैं रेलिंग के ऊपर से चढ़कर अकेले ही खाने-पीने की दुकान पर चला गया।
“मैं तुम्हारे साथ आऊंगा,” डैन ने घोषणा की, और मेरे विरोध करने से पहले ही रेलिंग के ऊपर से कूद गया।
मैंने सिर हिलाया और थिएटर से बाहर निकलकर खाने-पीने की दुकान की ओर चल पड़ी। डैन मेरे पीछे-पीछे थोड़ा-थोड़ा करके चल रहा था। मैं उसकी मौजूदगी को नज़रअंदाज़ करने की पूरी कोशिश कर रही थी, तभी उसने पीछे से मेरा हाथ पकड़ा और मुझे घुमाकर अपने सामने कर लिया। मेरा दिल ज़ोर से धड़कने लगा।
मैं चौंककर उसकी तरफ देखने लगी।
“तुम ये क्या कर रहे हो?” उसने फुफकारते हुए कहा।
“तुम क्या बात कर रहे हो? मुझे छोड़ दो!” मैंने गुस्से से जवाब दिया और अपनी बांह को उसकी मजबूत पकड़ से छुड़ाने की कोशिश की।
उसकी नीली आँखें एकदम करीब थीं, मानो किसी जंगली जानवर की तरह दिख रही हों।
उसकी उंगलियों ने मेरी बांह को इतनी जोर से दबाया कि निशान पड़ गया। उसका हाथ इतना बड़ा था कि मेरी बाइसेप्स को पूरी तरह से ढक सकता था।
“बेवकूफी मत करो। मैं तुम्हें सूंघ सकता हूँ, बस मुझे बता दो,” उसने गुस्से से कहा।
आप समझ रहे हैं न कि मैं क्या कह रहा हूं?
मेरे असमंजस भरे चेहरे को देखकर वह झिझका और अपना सिर एक तरफ झुका लिया, जैसा कि वह मुझे देखते समय अक्सर करता था। उसने मुझे एक टेढ़ी मुस्कान दी। "तुम्हें नहीं पता, है ना?"
मैंने अपने चेहरे पर वही मूर्खतापूर्ण भाव बनाए रखा, मेरा जबड़ा थोड़ा खुला हुआ था।
वह मन ही मन हँसा और सिर हिलाया। "उम... छोड़ो, भूल जाओ मैंने कुछ कहा था।" वह हँसता रहा।
मैंने बहस करने के लिए अपना मुंह खोला, लेकिन वह बस मुड़कर वापस थिएटर के हमारे हिस्से की ओर चलने लगा, उसके कदमों में एक बेफिक्री भरी उछाल थी।
मैं अवाक खड़ी रही, जहाँ उसने मुझे पकड़ा था, वहाँ अपना हाथ सहलाती रही। मैं कई मिनट तक उसी तरह बैठी रही, समझ नहीं आ रहा था कि मेरी प्रतिक्रिया क्या होनी चाहिए। आखिरकार मैं पॉपकॉर्न लिए बिना ही फिल्म देखने वापस चली

गई। मेरी भूख मर चुकी थी। मैं बार के ऊपर से चढ़कर बैठ गई, लूसी की उलझन भरी नज़रों को नज़रअंदाज़ करते हुए। कम से कम प्रीव्यू तो शुरू हो गए थे। मैंने अपनी बांह को फिर से रगड़ा जहाँ डैन ने मुझे पकड़ा था। हाँ, वहाँ पक्का निशान पड़ने वाला था। मैंने डैन को घूरकर देखा, जिसे उसने नोटिस नहीं किया, फिर फिल्म देखने बैठ गई। फिल्म शुरू होते ही मैंने उसमें डूबने की कोशिश की, लेकिन मेरा ध्यान भटकने लगा। डर की भावना फिर से मेरे पेट में उठ खड़ी हुई और मेरे विचार अंधकारमय थे। मैं अब सिर्फ़ असहज नहीं थी, बल्कि डरी हुई थी। मैं अपने दिमाग में डैन के साथ हुए उस भयानक अनुभव को बार-बार दोहरा रही थी, यह समझने की कोशिश कर रही थी कि आखिर हुआ क्या था।
फिल्म खत्म होते-होते मैं कोई स्पष्टीकरण देने के करीब भी नहीं पहुँच पाई थी। क्रेडिट्स चलने लगे और हम सब थिएटर से बाहर निकलने के लिए खड़े हो गए। कुछ लोग जो हमसे पहले गलियारे तक पहुँच गए थे, उनके पीछे थोड़ा इंतज़ार करने के बाद, आखिरकार हम भी आगे बढ़े और बाहर निकल गए। ठंडी हवा ने मुझे जैकेट लाने के अपने फैसले पर खुशी दी। मैंने जैकेट पहन ली और रास्ते में लूसी और एलिसन की फिल्म के बारे में चल रही बातों को आधा-अधूरा ही सुन रही थी। मैंने लूसी को यह कहते हुए सुना कि फिल्म ठीक-ठाक थी, बस घिसी-पिटी कहानी को छोड़ दें तो... मैंने ध्यान ही नहीं दिया था।
मैं अपने समूह से थोड़ा आगे चल रही थी, जैकेट में दुबकी हुई। मैं रुक गई और एलिसन की कार के पास सबका इंतज़ार करने लगी। जब सब मेरे पास पहुँचे तो मैंने डैन की नज़रें बचाईं और उसकी जगह लूसी की ओर देखा। उसने डैन की जैकेट अपने कंधों पर डाल रखी थी।
एलिसन ने डैन और लूसी की ओर देखा, फिर मेरी ओर नज़र डाली। "इर्विन का?" उसने समूह से पूछा।
डैन असमंजस में दिख रहा था।
“यह एक पिज्जा पार्लर है,” एलिसन ने समझाया।
डैन ने सिर हिलाया। "हाँ, हम आपसे वहीं मिलेंगे।"
हम? डैन ने हल्का सा हाथ हिलाया और लूसी के साथ थोड़ी दूरी पर पीछे-पीछे चलते हुए आगे बढ़ गया।
मैंने पीछे से पुकारा, "तुम कहाँ जा रही हो?"

“मैं डैन के साथ जा रही हूँ। तुम लोगों से वहीं मिलूँगी,” लूसी ने बेपरवाही से जवाब दिया और मेरी तरफ पीछे मुड़कर देखा। मेरे चेहरे पर चिंता देखकर वह थोड़ी देर रुकी, लेकिन फिर संभलकर डैन के पीछे चल पड़ी।
मैं एलिसन की कार की यात्री सीट पर बैठ गई, और वह पहले से ही डैन के बारे में बातें कर रही थी। “...मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि लूसी ने उसे पटा लिया। लड़कों के मामले में उसकी किस्मत कितनी अच्छी है...”
एलिसन गाड़ी स्टार्ट करते और पार्किंग से निकलते हुए डैन के बारे में बड़बड़ाती रही, लेकिन मैं अपने विचारों में खोई हुई थी इसलिए उसकी बातें सुन नहीं पा रही थी। डैन का क्या मामला था? मैं ये सब क्या कर रही थी? वो मुझसे ये सब क्यों पूछ रहा था? मुझे लूसी को उसके साथ नहीं जाने देना चाहिए था। उसके बारे में मेरी पहली धारणा सही साबित होती दिख रही थी... वो एक घटिया इंसान था।
कुछ मिनट गाड़ी चलाने के बाद, ऐलिसन को एहसास हुआ कि मैं उसकी बात नहीं सुन रही हूँ। उसने चिढ़कर मेरी तरफ देखा। "हेलो? ज़ोई? क्या तुम सुन रही हो?" अपने विचारों से बाहर निकलते हुए मैंने जवाब दिया, "सॉरी अल, इस समय मेरे दिमाग में बहुत कुछ चल रहा है।" मैंने पूरी तरह से उसकी ओर ध्यान दिया। "जैसे क्या?" उसने चिंता भरी निगाहों से सामने की सड़क को देखते हुए पूछा। “उम, डैन ने मुझसे कुछ अजीब बात कही,” मैंने कुछ पल हिचकिचाने के बाद जवाब दिया।
एलिसन ने कुछ सेकंड इंतजार किया, और फिर यह देखकर कि मैं विस्तार से कुछ नहीं बताने वाली थी, उसने पूछा, "तो? उसने क्या कहा?"
मेरे चेहरे पर शिकन आ गई और मैं बड़बड़ाने लगी, “पहले तो वो पूरे हफ्ते अंग्रेजी क्लास में मुझे घूरता रहा, पर एक शब्द भी नहीं बोला। फिर तुम लोगों से ऐसे बात करता है जैसे तुम बिल्कुल सामान्य हो। उसके बाद थिएटर में उसने मेरे साथ बदसलूकी की और मुझसे पूछा कि मैं क्या कर रही हूँ! इसका मतलब क्या है!”
हैरान होकर एलिसन ने पूछा, "तुम क्या कर रहे हो? मुझे तो यह बिल्कुल स्पष्ट लग रहा है... तुम कुछ पागलपन करने वाले हो। और 'बदसलूकी' से तुम्हारा क्या मतलब है?"
“उसने मेरी बांह पकड़ ली और मेरे चेहरे के बिल्कुल करीब आ गया!”

एलिसन ने चिंता भरी नजरों से मेरी तरफ देखा, आखिरकार उसने मेरी बात को गंभीरता से लिया। "क्या तुमने उसे उकसाया था या कुछ और?"
मैंने उसे गुस्से भरी नजरों से देखा।
एलिसन ने शर्मिंदगी भरे लहजे में अपना ध्यान वापस सड़क पर केंद्रित करते हुए कहा, "माफ़ कीजिए, बेवकूफी भरा सवाल था। क्या हमें उससे इस बारे में बात नहीं करनी चाहिए? उसे अपनी बात समझाने का मौका देना चाहिए?"
मैंने अपना सिर हिलाया, मेरा गुस्सा उलझन में बदल गया। "नहीं, मुझे नहीं लगता कि यह अच्छा विचार है। चलो बस उस पर नज़र रखें, ठीक है?"
“मुझे लगता है,” एलिसन ने स्वीकार किया, “हालांकि शायद यह सब सिर्फ एक गलतफहमी है।”
यह महसूस करते हुए कि मैं अब भी उसे मना नहीं पाई हूं, मैंने गुस्से से एलिसन की ओर देखा।
एलिसन एक लाल बत्ती पर रुकी और मुझे घूरने की कोशिश करने लगी।
मैं भी हठपूर्वक जबड़े भींचकर सीधे उनकी ओर घूरता रहा।
एलिसन ने आह भरी। “मुझे यकीन है कि वह सिर्फ मजाक कर रहा था। घूरने की बात करें तो, मुझे लगता है कि यह सब तुम्हारे दिमाग की उपज है। उसका सेंस ऑफ ह्यूमर थोड़ा अजीब है।” लाइट हरी हुई और उसने गाड़ी की स्पीड बढ़ा दी। मैंने शांत रहने की कोशिश की। "अल, मुझे कुछ बुरा सा लग रहा है, पूरे हफ्ते से ऐसा ही है, मैं इसे समझा नहीं सकती, लेकिन मैं चिंतित हूँ।"
एलिसन के चेहरे पर फिर से चिंता के भाव आ गए। "हम उस पर नज़र रखेंगे, ज़ो, लेकिन मुझे यकीन है कि चिंता की कोई बात नहीं है।"
मुझे बिल्कुल भी तसल्ली नहीं हुई और मैं इरविन के घर तक बाकी की यात्रा में चुपचाप हाथ बांधकर बैठा रहा।
हम पार्किंग में डैन और लूसी से मिले और पिज़्ज़ा ऑर्डर करने के लिए रेस्टोरेंट के अंदर चले गए। इरविन का पिज़्ज़ा उतना स्वादिष्ट नहीं है, लेकिन हम हमेशा वहीं जाते थे। हमारे पास ज़्यादा विकल्प नहीं थे। साथ ही, इरविन में वयस्कों की भीड़ कम होती है।
पिज्जा पार्लर को रेट्रो डिनर की तरह सजाया गया था। काउंटर के चारों ओर लाल विनाइल के स्टूल लगे थे और रेस्टोरेंट के पिछले कोने में नियॉन लाइटों वाला एक पुराने ज़माने का ज्यूकबॉक्स रखा था। हमने लाल विनाइल थीम से मेल खाती एक बूथ सीट पकड़ी और इंतज़ार करने लगे। लूसी, डैन के बगल में बैठी थी,

उसका कोट अभी भी उसी का था, उसका कंधा डैन की बांह से सटा हुआ था। उसके बगल में वह बहुत छोटी लग रही थी, खासकर जैकेट के कारण उसके पतले कंधे ढके हुए थे। मैंने बीच-बीच में डैन को घूरकर देखा, लेकिन सबने जानबूझकर उसे नज़रअंदाज़ कर दिया। वेट्रेस आई और चली गई।
“ज़ोई?” लूसी ने आखिरकार पूछा। मैं बातचीत से बेखबर हो गई थी, जैसा कि मेरी आदत है।
“हं?” मैंने जवाब दिया।
“मैंने तुमसे पूछा कि कल के लिए तुम्हारी क्या योजना है,” उसने आगे कहा।
“मैं पैदल यात्रा के बारे में सोच रही थी। हम काफी समय से तुम्हारे घर के पीछे वाले रास्ते पर नहीं गए हैं।”
डैन हम दोनों को बारी-बारी से देख रहा था, मानो हर छोटी से छोटी बात को गौर से देख रहा हो।
"ओह, हाँ, अच्छा लग रहा है," मैंने धीरे से कहा जब वेट्रेस हमारा पिज्जा लेकर आई।
वह मेज पर जरूरत से ज्यादा झुक गई, जिससे उसकी लाल रंग की डीप नेक ब्लाउज सबका ध्यान खींच रही थी, और वह डैन को इशारे कर रही थी। क्या शहर की सारी लड़कियां पागल हो गई थीं? यही एकमात्र वजह हो सकती थी। पिज्जा से सॉसेज और मशरूम की खुशबू आ रही थी और मेरा मूड थोड़ा ठीक हो गया। खाना हमेशा से ही मुझे उदासी से बाहर निकालने का अचूक तरीका रहा है।
मैंने पिज्जा से नज़रें उठाकर देखा तो लूसी, अल और विडंबना यह थी कि डैन (जो इतना असभ्य था कि शिष्टता का कोई नामोनिशान नहीं था) सभी हिचकिचा रहे थे, कोई भी पहले पिज्जा का टुकड़ा लेने से हिचकिचा रहा था। शिष्टाचार की परवाह किए बिना, मैं तुरंत खाने में जुट गया, और सबको इशारा कर दिया कि अब यह अजीबोगरीब पल खत्म हो सकता है। मैंने उस साधारण पिज्जा को चबाकर खाया। इरविन का पिज्जा वैसे तो सबसे अच्छा नहीं था, लेकिन मैं पिज्जा को मना नहीं करता, चाहे वह औसत दर्जे का हो या अच्छा।
मैंने दो टुकड़े चट कर लिए जबकि लूसी और एलिसन ने बड़े आराम से अपने पहले टुकड़े खाए। डैन ने अपने टुकड़े का एक निवाला लिया और बाकी अपनी प्लेट में छोड़ दिया। और भी डरावना होता जा रहा था।
हम सबके खाना खत्म करने के बाद, हम एक और असहनीय घंटे तक बैठे रहे, जहाँ मुझे पूरे समय अल और लूसी को डैन की चापलूसी करते देखना पड़ा। जब आखिरकार

हमने सोने का फैसला किया, तब तक मैंने अपने नाखून चबा-चबाकर छोटे-छोटे टुकड़े कर लिए थे। लूसी ने कल मुझे फोन करने का वादा करके डैन के साथ वापस सवारी की।
एलिसन के मुझे छोड़ते ही मैं तुरंत अंदर भागी और लूसी को फोन किया, फिर मुझे एहसास हुआ कि शायद वो अभी तक घर नहीं आई होगी, क्योंकि हो सकता है डैन ने एलिसन की तरह इतनी तेज़ी से गाड़ी न चलाई हो। मैंने सोचा कि उसे पंद्रह मिनट और इंतज़ार करना चाहिए। मैं अपने लिविंग रूम में सोफे पर बैठी, अपनी गोद में रखे तकिये पर उंगलियां थपथपा रही थी, फिर ठीक 13.5 मिनट बाद मैंने लूसी का नंबर डायल किया और मशीन के उठने तक बजने दिया। मैंने फोन काट दिया और पांच मिनट और इंतज़ार करके दोबारा फोन किया।
“हेलो?” लूसी की आवाज गूंजती हुई मेरे कानों तक पहुंची।
मैंने राहत की सांस ली। “लूसी? क्या तुम ठीक हो? मुझे तुम्हें डैन के साथ अकेले नहीं जाने देना चाहिए था। उसमें कुछ गड़बड़ है। उसने मुझसे बहुत अजीब बात कही...”
"ज़ोई," उसने मेरी बात काटते हुए फुसफुसाकर जवाब दिया, "कुछ अजीब हुआ है।" मैं रुक गई, उसके बोलने का इंतज़ार करने लगी। डर फिर से ज़ोरों पर था। मैंने फ़ोन दूसरे हाथ में ले लिया ताकि हथेली से पसीना पोंछकर अपनी जींस पर लगा सकूँ।
लूसी ने आगे बताया, “वह मुझे सामने के दरवाजे तक ले गया, फिर मेरी तरफ झुका। मुझे लगा कि वह मुझे चूमने वाला है, आप जानते हैं? तभी मुझे अपनी बांह में तेज दर्द महसूस हुआ और मुझे एहसास हुआ... उसने मुझे खरोंच दिया था।”
मैं चौंक गई और मैंने पूछा, "क्या? मतलब उसने अपने नाखूनों से तुम्हें खरोंच दिया?"
फोन के दूसरी तरफ से मैंने लूसी की आह सुनी। "ज़ो, यह सुनने में अजीब लगेगा, लेकिन, उसका हाथ कुछ अलग लग रहा था... जैसे उसके पंजे हों।"
कुछ क्षणों के लिए सन्नाटा छा गया।
“पंजे?”
“हाँ,” उसने कहा। “या शायद यह मंद रोशनी का असर था। मैं जो कुछ भी देखा उस पर बार-बार संदेह कर रही हूँ, लेकिन सबूत मेरे हाथ पर है।”
“क्या ये कोई मज़ाक है?” मुझे गुस्सा आ रहा था। मुझे ऐसे मज़ाक बिल्कुल पसंद नहीं थे। मैं अपने जान-पहचान वालों में सबसे ज़्यादा शंकालु इंसान

हूँ, इसलिए ऐसे मज़ाक मुझ पर कभी असर नहीं करते थे। लोग बस मुझे और ज़्यादा गुस्सा दिला देते थे। हालाँकि, इससे ये बात समझ में नहीं आती थी कि मेरा दिल ज़ोर से धड़क रहा था।
"यह मजाक नहीं है ज़ोई," लूसी ने आंसू भरी आवाज में जवाब दिया।
"गंभीरता से?"
"गंभीरता से।"
“लूसी, तुम यहीं रुको, मैं आ रहा हूँ,” मैंने आदेश दिया।
“नहीं, तुम नहीं कर सकतीं, मेरे माता-पिता किसी भी पल घर आ जाएँगे।” लूसी ने हिचकी लेते हुए जवाब दिया। “मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या करूँ,” उसने आगे कहा। “मैं डरी हुई हूँ ज़ो। अगर वो वापस आ गया तो?”
मैंने फिर भी उसके घर में घुसने का सोचा, लेकिन मुझे पता था कि उसके माता- पिता मुझे वापस घर भेज देंगे। "शायद तुम्हें पुलिस को फोन करके हमले की रिपोर्ट कर देनी चाहिए।"
“और उन्हें क्या बताऊं?” लूसी ने पूछा। “कि मेरे साथी ने मुझे खरोंच दिया, और फिर शालीनता से घर चला गया?” बोलते-बोलते उसकी आवाज़ तेज़ होती जा रही थी, मानो वह हिस्टीरिया में डूब रही हो।
मैं सुन्न पड़ गई थी और समझ नहीं पा रही थी कि क्या कहूँ। "वो बस... चले गए?" मैंने आखिरकार पूछा।
“हाँ।” उसने अचानक अपनी सिसकियों को काबू में किया और कुछ हद तक खुद को संभाला। उसका इस तरह टूट जाना ही परेशान करने वाला था। लूसी कभी नहीं टूटती थी। “मैं बस एक मूर्ख की तरह वहाँ खड़ी रही और उसे जाते हुए देखती रही।”
मैंने आह भरी। "हमें क्या करना चाहिए?"
“हम क्या कर सकते हैं?” उसने झट से जवाब दिया। “मैं पुलिस को फोन नहीं कर सकती, मैं कुछ नहीं कर सकती। मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या हो रहा है।” लूसी थोड़ी देर रुकी और मुझे पीछे से कुछ आवाज़ें सुनाई दीं। “मेरे माता-पिता अभी घर आए हैं, वे चाहेंगे कि मैं फोन रख दूं... मुझे जाना होगा। फोन अपने पास रखना, ठीक है? एहतियात के तौर पर। मैं सुबह आ जाऊंगी।”
मैंने आदेश दिया, "अपनी माँ से कहो कि तुम्हें गाड़ी चलाकर ले जाए।"
"ठीक है।"

फोन को स्टैंड पर वापस रखते समय मुझे क्लिक की आवाज़ सुनाई दी। मैं बिना हिले-डुले बैठा रहा, बस मेज पर उंगलियां थपथपाता रहा... हां, मुझे पहले ही पता चल गया था कि आज रात नींद आसानी से नहीं आएगी।
मैं बैठक में इधर-उधर चक्कर लगा रही थी। मेरे दिमाग में एक के बाद एक कई विचार दौड़ रहे थे। लूसी की कहानी पर यकीन करना मुश्किल होना चाहिए था, लेकिन किसी कारणवश मुझे नहीं लग रहा था कि वह सिर्फ कल्पना कर रही है। इससे डैन के बारे में मेरी बुरी भावना और उसके सारे अजीब व्यवहार की वजह समझ में आ गई... कुछ हद तक।
मैं ऊपर गया और सोने की कोशिश की, पर कोई फायदा नहीं हुआ। मैं उठा और अपनी डेस्क पर बैठ गया, कंप्यूटर चालू किया। चालू होते ही मैं उसे घूरने लगा, मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं उससे क्या करने वाला था। क्या मैं ऐसे मामलों की खोज करूं जिनमें लोग एक-दूसरे को खरोंच रहे हों? मुझे नहीं लगता था कि ऐसी खोज से मुझे कोई उपयोगी जानकारी मिलेगी। मैंने कंप्यूटर बंद किया और कमरे में इधर-उधर घूमने लगा। मुझे निष्क्रियता से नफरत थी। मुझे डैन की स्थिति के बारे में कुछ करना था, पर मुझे कुछ सूझ नहीं रहा था।
मैं नीचे लिविंग रूम में गया और टीवी चालू किया। आवाज़ बहुत तेज़ थी, इसलिए मैंने जल्दी से उसे कम किया ताकि मेरी माँ न जाग जाएँ। वह जल्दी सो गई थीं क्योंकि उन्हें सुबह 6 बजे अपने एक दोस्त के साथ हाइकिंग के लिए उठना था। मैंने चैनल बदलने शुरू किए और एएमसी पर चल रही एक अपेक्षाकृत उच्च बजट वाली, ब्लैक एंड व्हाइट हॉरर फिल्म पर रुक गया।
एक महिला जंगल में डर के मारे भाग रही थी। वह बार-बार पीछे मुड़कर देख रही थी कि कौन उसका पीछा कर रहा है, ठीक वैसे ही जैसे हॉरर फिल्मों में होता है। कैमरा फटे-पुराने कपड़े पहने एक आदमी पर फोकस हुआ, जो शायद उस महिला का पीछा कर रहा था। वह पूर्णिमा के चांद की रोशनी में एक पहाड़ी पर रुका और मुड़ गया...
मेरा दिल ज़ोर से धड़कने लगा। अगर मैं इसकी संभावना को नज़रअंदाज़ कर दूं, तो यह बात समझ में आती है। डैन का सारा व्यवहार: ब्रायन पर गुर्राना, हर समय कुत्ते की तरह सिर झुकाए रखना, यह कहना कि उसे मेरी गंध आ रही है... लूसी को खरोंचना। डैन एक वेयरवोल्फ था।
मैं एक पल के लिए अचंभित होकर बैठ गया, फिर खुद पर हँस पड़ा। एक वेयरवोल्फ? वेयरवोल्फ तो असली नहीं होते। वे तो कहानियों और किंवदंतियों की उपज होते

हैं। मैंने अफसोस से सिर हिलाया और टीवी बंद कर दिया। नींद। मुझे नींद की बहुत ज़रूरत थी। मैं गहरी घबराहट में सोफे से उठा और वापस ऊपर चला गया। मैं अपने बिस्तर पर बैठ गया और छत को घूरने लगा। शायद डैन को बस लगता था कि वह एक वेयरवोल्फ है। हालाँकि मैं यह पूरी तरह से नहीं मान सकता था कि वह एक अलौकिक प्राणी है, लेकिन मैं आसानी से मान सकता था कि वह मानसिक रूप से अस्थिर था।
ऐसा लगा जैसे अनंत काल बीत गया हो, आखिरकार मुझे नींद आ गई। मैंने सपना देखा कि मैं आग की लपटों में घिरी हुई हूँ, लेकिन जल नहीं रही हूँ। मेरे चारों ओर सब कुछ जल रहा था, मेरा कमरा, मेरा घर, और मुझे दूर से महसूस हो रहा था कि मेरी माँ और मेरे दोस्त भी जल रहे हैं। मैं उनकी चीखें सुन सकती थी, लेकिन मैं बस वहीं खड़ी आग की लपटों को देख रही थी। एक भेड़िये ने दहाड़ा।

अध्याय छह
मैं अपने बेडरूम के दरवाजे पर दस्तक सुनकर जागा। मेरी टी-शर्ट और बॉक्सर, जो मैंने पजामा की जगह पहन रखे थे, मेरे सपनों की वजह से पसीने से एक बार फिर भीग गए थे।
“ज़ोई? मैं लूसी हूँ... तुम्हारी माँ ने मुझे अंदर आने दिया,” दरवाजे के दूसरी तरफ से एक दबी हुई आवाज़ आई।
मैं बिस्तर से उछलकर दरवाजे की ओर भागा, रास्ते में फर्श पर पड़ी एक किताब से ठोकर खा गया, अभी भी पूरी तरह से जागा नहीं था। क्या मैंने बताया था कि मैं सुबह जल्दी उठने वाला इंसान नहीं हूँ? मैंने दरवाजा खोला तो देखा कि लूसी दूसरी तरफ मेरा इंतज़ार कर रही थी। उसने गहरे भूरे रंग की टी-शर्ट, उससे भी गहरे रंग की स्वेड जैकेट, पुरानी जींस और हाइकिंग बूट्स पहन रखे थे। मैंने उसकी ओर देखा और शांत रहने की कोशिश की—लेकिन तभी लूसी ने अपनी जैकेट उतार दी और अपनी बांह दिखाई।
“उसने तुम्हें बुरी तरह घायल कर दिया!” मैंने उसकी बांह पर पड़े खरोंचों को देखते हुए कहा।
"इतना भी बुरा नहीं है," उसने शांत भाव से जवाब दिया, "लेकिन इन्हें देखो, क्या ये तुम्हें इंसानी नाखूनों की कारीगरी लगते हैं?"
दरअसल, ऐसा नहीं था। उसकी बांह पर चार लंबे, पतले घाव थे, इतने गहरे कि उन्हें देखकर मुझे थोड़ी घबराहट हुई। नहीं, ये सामान्य नाखून तो बिल्कुल नहीं थे। मैंने धीरे से घावों के आसपास की जगह को छुआ। उसकी त्वचा बहुत गर्म थी।
मैंने भौंहें चढ़ा लीं। "क्या आपको लगता है कि आपको टांके लगवाने की ज़रूरत है?"
लूसी ने सिर हिलाया। "मैंने इसके बारे में सोचा था, लेकिन मैं डॉक्टर को क्या बताऊंगी?"
अच्छा कहा। लूसी शांत रहने की कोशिश कर रही थी, लेकिन उसकी चौड़ी आँखें उसकी घबराहट को ज़ाहिर कर रही थीं। वह बहुत डरी हुई थी। उसकी आँखों के नीचे काले घेरे बता रहे थे कि उसने रात भर नींद नहीं ली थी, और मैं उसे दोष नहीं दे सकती थी। मैं भी सो नहीं पाती। मैंने सिर हिलाया और लूसी को अपने कमरे में आने के लिए एक तरफ हट गई।

कदमों की आहट सुनते ही लूसी ने झट से अपनी जैकेट पहन ली। कुछ ही सेकंड बाद, मेरी माँ सीढ़ियों के कोने से बाहर आईं, उन्होंने हल्के हरे रंग की कैज़ुअल ड्रेस और चप्पलें पहन रखी थीं।
लूसी को देखते ही मेरी माँ के चेहरे पर एक खिलखिलाती मुस्कान आ गई, जो उनकी प्यारी भूरी आँखों तक पहुँच गई। "क्या तुमने नाश्ता कर लिया है, लूसी?" उन्होंने पूछा। "हमारा सप्ताहांत का नाश्ता आमतौर पर दोपहर के आसपास होता है, लेकिन हम इसे थोड़ा पहले कर सकते हैं। तुम्हें देखे हुए काफी समय हो गया है।"
“नहीं, धन्यवाद,” लूसी ने धीरे से कहा।
हमारे चेहरे के भाव देखकर मेरी माँ के चेहरे पर चिंता के भाव उभर आए। उन्होंने अपने हाथ के पिछले हिस्से से लूसी के माथे को छुआ। "लूसी, क्या तुम ठीक हो? तुम्हें थोड़ा बुखार लग रहा है।"
लूसी ने फर्श की ओर देखा और बुदबुदाते हुए कहा कि वह ठीक है।
मेरी माँ हम दोनों को बारी-बारी से देखने लगीं, उनके माथे पर शिकन थी। उन्होंने हाथ बढ़ाकर मेरा माथा छुआ। "बेटा, तुम्हें भी गर्मी लग रही है, फिर से सपना देखा?"
“उम, हाँ, हम इस बारे में बाद में बात करेंगे, ठीक है?” मैंने अपनी माँ की तरफ़ गिड़गिड़ाते हुए देखा। मैंने लूसी और एलिसन को अपने सपनों के बारे में नहीं बताया था।
वह हिचकिचाई, लेकिन फिर उसने इस बात को जाने देने का फैसला किया और वापस नीचे की ओर चली गई।
मेरी माँ के जाते ही हम मेरे बेडरूम में गए और मैंने दरवाज़ा बंद कर लिया।
मैं बगल वाले बाथरूम में गई और जल्दी से अपने दाँत ब्रश किए और चेहरा धोया, जींस और बैंगनी रंग का टैंक टॉप पहना और नंगे पैर अपने बेडरूम में वापस आकर लूसी से पूछताछ करने लगी।
“कैसे सपने?” लूसी ने पूछा।
आह। बहुत-बहुत धन्यवाद माँ। "उम, मुझे आजकल कुछ अजीब सपने आ रहे हैं, कुछ खास नहीं।"
"ज़ोई, कृपया, मुझे थोड़ा ध्यान भटकाने की ज़रूरत है।"

मैंने गहरी साँस ली। “पिछले कुछ महीनों से मुझे ये सपने आ रहे हैं। मैं हमेशा किसी न किसी रूप में आग से घिरा रहता हूँ, लेकिन मुझे कभी डर नहीं लगता। ये बहुत ही अजीब एहसास है, लगभग शांतिदायक।”
लूसी ने मेरे चेहरे को गौर से देखा, उसे इसका महत्व समझ नहीं आया। "ये सपने बाकी सपनों से अलग कैसे हैं? मुझे पता है कि तुम बुरे सपनों से डरने वालों में से नहीं हो।"
मैंने नीचे देखा। “मुझे नहीं पता। वे बस... अलग हैं, और जब मैं जागता हूँ तो मुझे हमेशा बुखार होता है।”
“बुखार? मुझे लगता है यह थोड़ा अजीब है,” लूसी ने स्वीकार किया। “आपने मुझे पहले क्यों नहीं बताया?”
“मुझे लगा कि यह प्रासंगिक नहीं है,” मैंने जवाब दिया। “साथ ही, मैं उनसे पहले ही काफी असहज महसूस करती हूँ। मुझे दूसरों को भी असहज करने की ज़रूरत नहीं है।” मुझे शर्मिंदगी महसूस हो रही थी और मैंने विषय बदलने की कोशिश की। “लेकिन अब वापस आपकी बात पर आते हैं, मुझे लगता है कि आपका मामला ज़्यादा ज़रूरी है।”
"हां, हां, मुझे लगता है मैं करती हूं," उसने धीरे से कहा।
“तो हमारे सिद्धांत क्या हैं?” मैंने उससे पूछा।
“सिद्धांत?” उसने उलझन में जवाब दिया।
“हाँ,” मैंने जवाब दिया, “ये खरोंचें तो बिल्कुल भी सामान्य नहीं हैं, जिसका मतलब है कि डैन भी शायद सामान्य नहीं है। कल उसने मुझे बताया कि उसे मेरी गंध आ रही थी, और मुझसे बदबू नहीं आती। अब उसने तुम्हें खरोंच दिया है, इसलिए मुझे लगता है कि अब एक ही संभावित कारण हो सकता है। मैं मानती हूँ कि यह थोड़ा अटपटा है, लेकिन मैं पूरी रात इसी बारे में सोचती रही और यही एक बात मेरे दिमाग में आई।”
लूसी बस मुझे घूरती रही, उसका चेहरा थोड़ा पीला पड़ गया था।
“उसे लगता है कि वह वेयरवोल्फ है,” मैंने बड़ी सहजता से कहा। मैंने यह बात छिपा ली कि मेरा यह विचार एक फिल्म से आया था। मैं अपनी थ्योरी को कम विश्वसनीय नहीं बनाना चाहता था... अगर ऐसा संभव भी था।
लूसी ने बनावटी ढंग से हँसी, लेकिन कोई जवाब नहीं दिया।
मैंने थोड़ा नाराज़ होते हुए पूछा, "क्या आपके पास कोई बेहतर सुझाव है?"

लूसी ने सिर हिलाया। "ऐसा नहीं है कि ज़ोई, बात बस इतनी है... मुझे लगता है कि वह सचमुच एक वेयरवोल्फ है।"
मैंने धीरे-धीरे उसकी ओर पलकें झपकाईं, यह समझने की कोशिश करते हुए कि क्या वह मजाक कर रही थी या नहीं। "फिर से कहो?"
लूसी ने बेफिक्र होकर कहा, "ज़रा सोचो ज़ो, और क्या समझ में आता है? किसके पास अलौकिक सूंघने की शक्ति और पंजे हैं? मैं कल्पना नहीं कर रही हूँ। उसका हाथ किसी इंसान का हाथ नहीं था।"
“मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या सही है!” मैंने लगभग चिल्लाते हुए कहा। “लेकिन डैन का वेयरवोल्फ होना तो बिलकुल भी सही नहीं है! तुमने बहुत ज्यादा हॉरर फिल्में देखी हैं। वेयरवोल्फ होते ही नहीं।”
“मुझे पता है मैंने क्या देखा!” उसने चिल्लाकर जवाब दिया।
“देखो,” मैंने शांत भाव से जवाब दिया, जब वह रोने लगी, “यह बात काफी अजीब लग सकती है, लेकिन शायद तुम सही हो। मुझे पता है कि तुम इसे मनगढ़ंत नहीं कह रही हो।”
मैंने लूसी की कही बात पर गौर किया। मुझे पता था कि वो ऐसी बात मनगढ़ंत नहीं कहेगी, पर लोगों की आँखें अक्सर धोखा खा जाती हैं। वैसे भी, उसे ये बात बताना कोई फ़ायदा नहीं करता। मैंने कहा, "वो सच में कुछ-कुछ... कुत्ते जैसा बर्ताव करता है।"
लूसी मेरी बिस्तर पर हताश होकर बैठी थी। वह कई मिनट तक उसी तरह बैठी रही। मैंने तब तक इंतजार किया जब तक हम दोनों इसके निहितार्थों को समझ नहीं गए। लूसी ने सिर हिलाया। "मुझे नहीं पता ज़ोई। मैं समझती हूँ कि तुम मुझ पर विश्वास क्यों नहीं कर रही हो। मुझे खुद पर भी मुश्किल से विश्वास हो रहा है, लेकिन मुझे पता है मैंने क्या देखा।"
मैंने लूसी का हाथ पकड़ा और धीरे से उसे खड़ा किया। "चलो टहलने चलते हैं। हम कुछ वैकल्पिक सिद्धांत खोजने की कोशिश करेंगे।"
समस्या बस इतनी थी कि सारे विकल्पों पर विचार करने के बाद मुझे पता था कि कोई विकल्प है ही नहीं। मतलब, मेरे दिमाग में बस यही आया कि डैन खुद को वेयरवोल्फ समझता है, तो क्या मैं लूसी को इस बात के लिए दोषी ठहरा सकती थी कि वह सच में वेयरवोल्फ है? भला मैं ये कैसे कह सकती थी कि ऐसी चीजें होती ही नहीं? ये कहानियां कहीं न कहीं से तो आई होंगी।

समस्या यह थी कि मेरे पास जो भी जानकारी थी, वह फिल्मों से मिली थी, और फिल्मों के अनुसार, वेयरवुल्फ हमेशा अलग-अलग होते थे। कुछ को केवल चांदी की गोलियों से ही मारा जा सकता था, और कुछ को बस एक बड़ी छड़ी से कई बार पीटने से ही मौत हो जाती थी। कुछ महीने में एक बार, पूर्णिमा की रात को ही रूप बदलते थे, कुछ पूर्णिमा के पूरे सप्ताह रूप बदलते रहते थे, और कुछ अपनी इच्छा से रूप बदल सकते थे। हमें जवाब चाहिए थे, और जवाब हमारे पास नहीं थे। मुझे लगता है कि पूर्णिमा आने पर ही पता चलेगा कि लूसी का यह अजीब सिद्धांत उतना भी अजीब नहीं था या नहीं।
मैंने लूसी की बांह से अपनी पकड़ हटाई और उसका कांपता हुआ हाथ पकड़कर उसे नीचे ले गई। सच तो सच ही था, चाहे वह कितना भी बड़ा और भयावह क्यों न हो।

अध्याय सात
बाहर जाने से पहले मैंने अपने पिछले दरवाजे पर रुककर अपने हाइकिंग बूट और जींस जैकेट पहनी। हम साथ में अपने पिछवाड़े से होते हुए जंगल की ओर बढ़े, जहाँ लूसी और मैं कई साल पहले मिले थे। हम एक नम, संकरे रास्ते पर पहुँचे जो ऊँचे चीड़ के पेड़ों से होकर एक चौड़े, अधिक उपयोग किए जाने वाले रास्ते तक जाता था, जो एक अलग सड़क से जुड़ता था। दूर से एक झरने से बहते पानी की आवाज़ आ रही थी। आवाज़ पास लग रही थी, लेकिन वास्तव में वह लगभग दो मील दूर था। पतझड़ के पत्तों की खुशबू से भरी एक ठंडी हवा चल रही थी।
लूसी मेरे पीछे-पीछे चलने लगी, मानो सोच में डूबी हुई हो। आमतौर पर जंगल में घूमना सुकून भरा होता है, लेकिन लूसी से निकलने वाली बेचैनी को मैं महसूस कर सकती थी। मैंने दो-तीन बार पीछे मुड़कर उसे देखा, लेकिन पहले उसके बोलने का इंतज़ार किया। उसे सोचने-समझने के लिए समय चाहिए था। वह इतनी शांत थी कि अगर उसके कदमों की आहट न होती, तो मुझे पता ही न चलता कि वह वहाँ है। हम करीब दस मिनट तक इसी तरह चलते रहे, वह मेरे पीछे-पीछे चलती रही, और हम दोनों में से किसी ने एक शब्द भी नहीं बोला।
लूसी की आवाज़ ने आखिरकार सन्नाटा तोड़ दिया। "क्या तुम्हें लगता है कि मैं अब वेयरवोल्फ बन जाऊंगी? मेरा मतलब है, अगर डैन ऐसा है तो..."
तो हम वेयरवोल्फ वाली थ्योरी पर ही चल रहे थे। उसने इसे इतनी गंभीरता से लिया, जिससे मुझे यह और भी सच लगने लगा, जिसके लिए मैं बिल्कुल भी शुक्रगुजार नहीं था। "मुझे नहीं पता," मैंने कंधे के ऊपर से ईमानदारी से जवाब दिया, "लेकिन जो भी होगा, हम इससे निपट लेंगे, चाहे मुझे तुम्हें महीने में एक बार पिंजरे में बंद ही क्यों न करना पड़े।"
लूसी ने अपनी चाल तेज कर दी और मेरे बगल में चलने लगी। "एक पिंजरा?" उसने पूछा।
मैंने उसकी तरफ देखा। “ठीक है, शायद पिंजरा नहीं,” मैंने जवाब दिया, “हालांकि मुझे नहीं पता कि और क्या इस्तेमाल किया जाए। हम तुम्हें एक कमरे में बंद कर सकते हैं, लेकिन चूंकि हम दोनों में से किसी को भी वेयरवुल्फ के बारे में कुछ नहीं पता, या यह भी नहीं पता कि डैन एक वेयरवुल्फ है या नहीं, इसलिए सावधानी बरतना ही बेहतर है।”
लूसी ने एक पल सोचा, फिर जवाब दिया, "तो फिर पिंजरा ही ठीक रहेगा।"

"हम आज रात ऑनलाइन जाकर कुछ शोध करेंगे। बेशक हमें कोई पुख्ता जवाब नहीं मिलेगा, लेकिन सभी किंवदंतियों के बारे में जानना नुकसानदायक नहीं होगा।" “ज़ोई,” लूसी ने धीरे से कहना शुरू किया। “जब मैंने पहली बार वेयरवोल्फ वाली बात सोची, तो मैं घबरा गई और पूर्णिमा की तारीख देखी। यह कल है।” मेरा मुंह सूख गया। मैंने आधे मन से पूछा, "लगता है हमें जल्द ही एक पिंजरा ढूंढना पड़ेगा?"
हम चलना बंद करके पगडंडी के किनारे गिरे हुए पेड़ पर बैठ गए।
"क्या आपको लगता है कि हमें एलिसन को बताना चाहिए?" लूसी ने विषय बदलते हुए पूछा।
मैं मुस्कुराई। "शायद वो हमारी बात पर यकीन न करे।" लूसी के हावभाव देखकर मैंने बात सुधारी, "ठीक है, वो बिल्कुल यकीन नहीं करेगी। हालांकि, मुझे लगता है कि अगर तुम उसे खरोंचें दिखाओगी तो वो कम से कम इस पर विचार तो करेगी।"
“मुझे नहीं पता,” लूसी ने जवाब दिया। “हो सकता है तब भी वह इस पर विश्वास न करे। मुझे खुद भी अभी तक यकीन नहीं है।”
मैंने भौंहें चढ़ा लीं। “भले ही हम इसे छुपाने की कोशिश करें, वह हमेशा जान जाती है कि हम उससे कुछ छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। जूतों के खराब होने वाली घटना याद है?”
लूसी ने हल्की सी मुस्कान दी। "मैं कैसे भूल सकती हूँ?"
मैंने भी मुस्कुराते हुए जवाब दिया, "अगर वह पूछेगी तो हम उसे बता देंगे, और वह खुद तय कर सकती है कि हम पर विश्वास करना है या नहीं।"
लुसी ने सिर हिलाया और उसके चेहरे से मुस्कान गायब हो गई।
ज़मीन की ओर देखते हुए मेरी मुस्कान भी गायब हो गई। कहने को कुछ खास नहीं था, इसलिए हम उदास चुप्पी में बैठे रहे। पेड़ के तने से रिसती नमी मेरी जींस से अंदर आ रही थी, जिससे मुझे ठंड लग रही थी। मैंने अपनी समस्या के बारे में ज्यादा सोचने के बजाय पास की एक चट्टान से लाइकेन के एक टुकड़े को खुरचने पर ध्यान केंद्रित किया। जैसे ही मैंने उसे खुरचा, हरे रंग के छोटे- छोटे टुकड़े नम मिट्टी पर गिर गए।
मुझे लूसी के सामने हिम्मत दिखानी पड़ी। मुझे महसूस हो रहा था कि मेरी शांति ही उसे संभाले हुए थी। अगर मैं उसकी जगह होती, तो इस समय तक मैं पूरी तरह टूट चुकी होती। मैं तो पहले से ही टूटने की कगार पर थी।

आखिरकार, हम उठे और जंगल में आगे बढ़ने लगे। आमतौर पर, अगर हमें थोड़ी भी दूरी तय करनी होती, तो मैं अपने साथ पानी, प्राथमिक चिकित्सा किट और काली मिर्च स्प्रे वाला बैग ज़रूर रखता, लेकिन शायद मेरा ध्यान कहीं और था, इसलिए मुझे याद ही नहीं रहा कि हम घर से कब निकले थे। यह मेरी मूर्खता थी। कभी पता नहीं चलता कि क्या हो जाए।
हम दोनों कुछ मिनटों से अपने सामने की ज़मीन को देख रहे थे, तभी लूसी का ध्यान आगे के रास्ते पर गया। जो कुछ उसने देखा, उसे देखकर वह पल भर में भयभीत होकर रुक गई।

अध्याय आठ
मैंने ऊपर देखा कि उसे किसने रोका था। डैन पगडंडी पर थोड़ा आगे उम्मीद भरी निगाहों से इंतज़ार कर रहा था। उसने हरी टी-शर्ट, जींस और अपनी भूरी चमड़े की जैकेट पहनी हुई थी, और उसके बाल हमेशा की तरह एकदम सलीके से संवारे हुए थे। वह हमारी तरफ बढ़ा नहीं। वह बस वहीं खड़ा रहा और घूरता रहा।
पसीने से तर हथेलियों को जींस पर पोंछते हुए मेरा दिल तेजी से धड़कने लगा। "त-क्या चाहते हो?" मैं पीछे हटते हुए जोर से हकलाते हुए बोली।
वह वहीं खड़ा होकर हमें देखता रहा, फिर आगे बढ़ने लगा।
मैंने चिल्लाकर कहा, “और पास मत आओ वरना मैं—” पलक झपकते ही वह मुझसे कुछ ही कदम दूर था। इतनी जल्दी कैसे आ गया?
“या फिर तुम क्या करोगे?” उसने बीच में ही टोकते हुए कहा।
अगले ही पल उसने मुझे धक्का दिया, फिर मैं ज़मीन पर गिर गया, ऊपर की शाखाओं को देख रहा था, जिनमें से नीला आसमान चमक रहा था। मेरी नज़रें धुंधली हो गईं, फिर अंधेरा शाखाओं को पूरी तरह से निगल गया।
मेरी नींद खुली तो गहरी नीली आँखें चिंता से मेरी नींद से भरी हरी आँखों में देख रही थीं, और मुझे एहसास हुआ कि कोई मुझे हिला रहा है। मैं पागल केकड़े की तरह अपने हमलावर की पकड़ से पीछे हट गया और उस अजनबी को देखा जो मेरे ऊपर मंडरा रहा था।
गहरे भूरे रंग के बिखरे बाल और एक खुरदुरा लेकिन आकर्षक चेहरा, ऊपर की ओर देख रही उसकी गहरी नीली आँखों के साथ मेल खा रहा था। उसकी नाक पतली और घुमावदार थी और आँखों के चारों ओर घनी पलकें थीं। केवल उसका मजबूत, नुकीला जबड़ा और कई दिनों की दाढ़ी ही उसके चेहरे को स्त्रीत्व से बचा रही थी। उसकी लंबाई लगभग 6 फुट 1 इंच थी और उसका शरीर, दुबला-पतला लेकिन मांसपेशियों से भरा हुआ था। उसने गहरे हरे रंग का स्वेटर, पुरानी जींस और गहरे भूरे रंग के हाइकिंग बूट पहने थे जो निश्चित रूप से बेहतर दिनों से गुजर चुके थे।
मेरी घबराहट भरी भागदौड़ पर उसने अपनी हंसी छिपाने की कोशिश की, और मैं इतनी डरी हुई थी कि गुस्सा भी नहीं कर पाई। अब भी सवाल बना हुआ था कि मैं जंगल में बेहोश पड़ी क्यों थी, और इसके लिए सिर्फ यही खूबसूरत अजनबी ही

जिम्मेदार था। जब मैंने लूसी को उस अजनबी के पीछे सुरक्षित खड़े देखा, तभी जाकर मैं अपने दिल की धड़कन को काबू में कर पाई।
वे दोनों मुझे देखते रहे और मेरे बोलने का इंतजार करते रहे।
मेरी यादों के किनारे पर कुछ हलचल हुई। “डैन! वो कहाँ गया?” मैं चीख पड़ी।
मुझे याद आया कि डैन ने हम पर हमला किया था, मतलब, मुझे याद आया कि बेहोश होने से पहले उसने मुझ पर हमला किया था।
लूसी धीरे-धीरे आगे बढ़ी, उसका चेहरा पीला पड़ गया था और आँखें फटी हुई थीं। उसकी जींस गंदी थी और उसकी मैली जैकेट कोहनी से फटी हुई थी। “डैन ने तुम्हें धक्का देकर गिरा दिया। मैंने तुम्हारी तरफ दौड़ने की कोशिश की, लेकिन अचानक उसने मुझे भी ज़मीन पर गिरा दिया। वो बहुत तेज़ था, ज़ोई। मैंने संघर्ष करने की कोशिश की, लेकिन उसने मुझे तब तक दबाए रखा जब तक मैं हिल भी नहीं सकी। उसने कहा कि मुझे उसके साथ चलना होगा। उसने कहा कि मैं... खतरनाक होऊँगी।” लूसी ने जेसन की तरफ देखते हुए एक पल के लिए रुक गई, फिर जल्दी से बोली, “अगले ही पल मैंने देखा कि जेसन वहाँ था और उसे मुझसे अलग कर रहा था।” लूसी की पहले से ही सूजी हुई आँखों में आँसू भर आए।
मैं लड़खड़ाते हुए खड़ी हुई, फिर लूसी को गले लगा लिया, उसके बालों में चीड़ की सुइयां महसूस करते हुए। "वह कहाँ गया?"
“मुझे नहीं पता,” लूसी ने कहा।
मैंने लूसी से नज़रें हटाईं और उस तथाकथित जेसन की ओर मुड़ी। "वह कहाँ गया?" मैंने अधिक आत्मविश्वास से पूछा। "मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि उसने इतनी आसानी से हार मान ली।"
जेसन ने कुछ देर तक मुझे गौर से देखा, मानो यह सोच रहा हो कि कौन सा जवाब मुझे सबसे कम परेशान करेगा, फिर उसने कंधे उचका दिए, मानो उसने कोई जवाब न देने का फैसला कर लिया हो।
“उस समय आप ही अकेले खड़े थे। आपको उसे जाते हुए देखना पड़ा होगा,” मैंने जोर देकर कहा।
उसने फिर कंधे उचका दिए। “मेरा ध्यान इस बात पर था कि आप दोनों सुरक्षित रहें। मैंने यह नहीं देखा कि वह कहाँ गया।”
"तो क्या जंगल में मिले उस अजनबी द्वारा दो लोगों पर हमला करने की घटना से आप बिल्कुल भी चिंतित नहीं थे?"

उसने फिर से कंधे उचकाते हुए मुस्कुराया और मेरा हाथ पकड़ने के लिए आगे बढ़ा। "मैं तुम लड़कियों को घर तक छोड़ दूंगा।"
मैंने अपना हाथ उससे छुड़ाया और उसके सामने जाकर कहा, “हमें सच जानना है। कुछ अजीब हो रहा है और यह महज़ संयोग है कि तुम ठीक समय पर वहाँ मौजूद थे। बुरा मत मानना, लेकिन डैन तुमसे ज़्यादा ताकतवर है, और मुझे नहीं लगता कि वह तुम्हें देखते ही चीखते हुए भाग जाएगा। तुम्हारी कहानी पर यकीन नहीं होता, दोस्त।”
उसने हाथ बढ़ाकर मेरी आंखों में गिरे बालों की एक लट को हटाया। मैं चौंककर पीछे हट गई।
मेरी प्रतिक्रिया देखकर वह हंस पड़ा।
मैंने अपनी उंगली उसके चेहरे से कुछ इंच दूर रखते हुए कहा, "अभी मुझसे पंगा लेने का समय बिल्कुल नहीं है।"
वह मुस्कुराया। "मैं समझ सकता हूँ, लेकिन हमें आप दोनों को घर पहुँचाना होगा। यहाँ बाहर सुरक्षित नहीं है।"
मैंने लूसी को पकड़ा और तेज़ी से वापस पगडंडी पर दौड़ने लगी, जेसन हमारे पीछे थोड़ी दूर तक आ रहा था। हालाँकि लूसी ने रोना बंद कर दिया था, लेकिन वह मुझ पर इस तरह झुकी हुई थी मानो मेरे सहारे के बिना गिर जाएगी। हम लड़खड़ाते हुए आगे बढ़े और जेसन मेरे बगल में चलने के लिए हमारे पास आ गया। मैंने अपना ध्यान पगडंडी पर केंद्रित किया, यह छिपाने की कोशिश करते हुए कि मेरा दिल कितनी ज़ोर से धड़क रहा था।
“मैंने सच कहा,” उसने कहा। “मुझे नहीं पता कि वह क्यों भागा। क्या आप उसे जानते हैं?”
आह भरते हुए, मैंने अपनी इच्छा से थोड़ा धीमी आवाज़ में जवाब दिया, "हाँ, हम उसे जानते हैं... दुर्भाग्य से।"
मैंने बातचीत खत्म करने की कोशिश में थोड़ी तेज गति से चलना शुरू किया। जेसन ने मेरी चाल से कदम मिलाकर चलना शुरू किया और आगे बढ़ता रहा। "क्या तुमने उसके साथ काफी समय बिताया है?"
मैं उसे घूरते हुए लगभग पत्थर से टकराते-टकराते बची। मुझे एक पल रुककर लूसी को संभालना पड़ा। "मुझे लगा था कि तुम तो बस 'निर्दोष दर्शक' हो, इस मामले में शामिल नहीं हो, तो तुम्हें क्या फ़िक्र है?"

जेसन ने एक पल सोचा, फिर कंधे उचका दिए। "बस बातचीत कर रहा था," उसने कहा और इस तरह बातचीत खत्म कर दी।
जब तक हम मेरे घर पहुंचे, लूसी ने कुछ हद तक अपना संयम वापस पा लिया था, हालांकि उसकी आमतौर पर आत्मविश्वास से भरी आंखों में अभी भी उदासी के साये मंडरा रहे थे।
मैंने उसे दिलासा देने के लिए उसकी पीठ पर हाथ रखा। वह बहुत हल्की सी कांप रही थी; एक डरी हुई चूही की याद आ गई। मैंने लूसी को पीछे के दरवाजे से अंदर धकेला और जेसन की ओर मुड़ा। “तुम्हारी कहानी में कुछ अजीब है, ठीक है, बहुत कुछ अजीब है। तुम डैन के बारे में जितना बता रहे हो उससे कहीं ज्यादा जानते हो। मुझे तुम पर उतना ही भरोसा है जितना उस पर। लूसी से दूर रहो।”
उसके चेहरे पर फिर वही बेफिक्र मुस्कान लौट आई, लेकिन पल भर में ही वह गायब हो गई और उसका चेहरा एकदम गंभीर हो गया। उसकी गहरी नीली आँखों में गुस्सा झलक रहा था। "जंगल से दूर रहो, और डैन से भी दूर रहो। वह खतरनाक है," उसने मुझे चेतावनी देते हुए कहा और मेरी आँखों में देखते हुए यह सुनिश्चित किया कि मैं उसकी बात समझ गई हूँ।
“धन्यवाद, लेकिन मुझे कुछ ऐसा बताओ जो मुझे पता न हो,” मैंने जवाब दिया और उसके मुंह पर दरवाजा पटक दिया। शायद वह मेरे गुस्से का हकदार नहीं था, लेकिन फिर शायद था भी।
मैं अपने कमरे में गई तो देखा कि लूसी पहले से ही मेरे बिस्तर पर बैठी थी और एक फ्रेम में लगी मेरी तस्वीर को घूर रही थी, जिसमें हम तीनों (उसकी, एलिसन की और मेरी) एक साथ खड़ी थीं और हमारे चेहरे पर बड़ी मुस्कान थी।
हमने गर्मियों में एलिसन के स्विमिंग पूल के पास यह तस्वीर ली थी।
गर्मियां अभी बहुत दूर लग रही थीं।
मेरी मौजूदगी का एहसास होते ही उसने ऊपर देखा और पूछा, "क्या मैं आज रात यहाँ रुक सकती हूँ, ज़ोई?" उसकी आँखों में विनती थी।
मुझे पता था कि मेरी माँ को रविवार को लूसी के घर रुकने से कोई आपत्ति नहीं होगी, लेकिन लूसी के सख्त माता-पिता का मामला बिल्कुल अलग था। "अगर तुम अपने माता-पिता को मना सको तो तुम रुक सकती हो।"
लूसी ने मुझे हल्की सी मुस्कान दी। “याद है, वे आज सुबह मेरे चाचा से मिलने पोर्टलैंड के लिए रवाना हो गए हैं? असल में वे चाहते हैं कि मैं यहीं रहूँ। मेरी बहन भी एक दोस्त के घर पर ठहरी हुई है।”

ठीक है, अब यह बात स्पष्ट हो गई।
मेरी माँ को, जैसा कि उम्मीद थी, लूसी के यहाँ रुकने से कोई आपत्ति नहीं थी। उन्होंने हमारे लिए पिज़्ज़ा मंगवाया और हम तीनों लिविंग रूम में कॉफी टेबल पर रखे पिज़्ज़ा बॉक्स के साथ बैठ गए। मैंने अपना पहला टुकड़ा उठाया और उसे झटपट खाने लगा। लूसी का पहला टुकड़ा उसकी कागज़ की प्लेट पर उदास पड़ा रहा।
मेरी माँ लूसी को ध्यान से देख रही थी। "भूख नहीं लगी?"
लूसी ने चौंककर अपनी प्लेट से नज़रें ऊपर उठाईं। "ओह, उम, नहीं, मुझे सच में भूख नहीं है।"
मेरी माँ धैर्यपूर्वक लूसी के विस्तार से बताने का इंतजार करती रही। मैंने उसका ध्यान भटकाने की कोशिश की। "माँ, आप वाशिंगटन के लिए कब रवाना हो रही हैं?"
मेरी माँ ने एक पल के लिए मेरी तरफ देखा। "शायद बुधवार को।" फिर उन्होंने अपना ध्यान लूसी की तरफ मोड़ा। "तुम्हारी पैदल यात्रा के अलावा, तुम पूरे दिन यहीं रही हो। मैंने तुम्हें खाते हुए नहीं देखा।"
लूसी ने अपनी प्लेट को थोड़ा दूर खिसका लिया। "मेरा पेट आजकल खराब है।" मेरी माँ ने सिर हिलाया और लूसी के जवाब से संतुष्ट होती दिखीं, लेकिन मैंने देखा कि वह पूरी शाम लूसी को तिरछी नजरों से देखती रहीं।
जब बस पनीर से लथपथ एक डिब्बा बचा था, तो हम वापस मेरे कमरे में चले गए। लूसी ने सोने के लिए मेरी एक टी-शर्ट और कुछ चेकदार पजामा पैंट उधार लीं। जब वह मेरे बाथरूम में सोने की तैयारी कर रही थी (वह इतनी देर तक रुकी थी कि उसे अपने लिए अलग से टॉयलेट्रीज़ किट की ज़रूरत थी), मैंने पूरे घर का चक्कर लगाया और यह सुनिश्चित किया कि सभी दरवाजे और खिड़कियाँ बंद हैं। मैं कितनी ज़्यादा चिंतित हूँ!
हॉल के शीशे के पास से गुज़रते हुए मैं ठहर गई। मैंने अपनी परछाई को सुन्न होकर देखा। अभी तक सब कुछ ठीक से समझ में नहीं आया था। मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं किसी सपने में चल रही हूँ। मैंने शीशे के नक्काशीदार लकड़ी के फ्रेम को हल्के से छुआ, मानो यह गायब हो जाए, बस इस भयानक सपने का एक टुकड़ा। मेरी उंगलियों के नीचे मज़बूत, ठोस लकड़ी का स्पर्श महसूस हुआ। मैं अपने कमरे में वापस आई तो देखा कि लूसी मेरे बिस्तर पर बैठी खाली निगाहों से मुझे घूर रही थी। मैंने उसे चिंता भरी एक आखिरी नज़र से देखा और

फिर बाथरूम चली गई। जब तक मैंने अपने दांत साफ किए और अपने बालों में फंसी चीड़ की सुइयां निकालीं, जिन्हें मैंने तब तक देखा भी नहीं था, तब तक लूसी मेरे बिस्तर पर सिकुड़कर गहरी नींद में सो चुकी थी।
मैं उसके बगल में बिस्तर पर लेट गया और छत को घूरने लगा। मन ही मन मैंने सप्ताहांत की सारी घटनाओं का जायजा लिया। मेरा दिमाग कह रहा था कि जेसन, डैन के साथ मिला हुआ है, लेकिन मेरा अंतर्मन अजीब तरह से इस संभावना का खंडन कर रहा था। मैं तुरंत उस पर भरोसा करना चाहता था, ठीक वैसे ही जैसे मैं तुरंत डैन पर अविश्वास करना चाहता था।
अंत में, मेरे दिमाग में भेड़ियों के नाचते हुए दृश्यों के बीच मुझे नींद आ गई।

अध्याय नौ
सुबह-सुबह लूसी थोड़ी तरोताज़ा लग रही थी। हम दोनों ने बारी-बारी से नहाया और मैंने उसे अपने कुछ कपड़े पहनने को दिए। उसे जींस को कुछ बार मोड़ना पड़ा, लेकिन लंबी आस्तीन वाली नेवी ब्लू सूती कमीज़ उस पर अच्छी तरह फिट हो गई। बड़ी छाती वाली महिलाओं के लिए वाहवाही! मैंने हमेशा की तरह जींस, गहरे नीले रंग की वी-नेक टी-शर्ट और अपने हमेशा पहने रहने वाले स्नीकर्स पहने।
हम दौड़कर नीचे गए और नाश्ते के लिए ग्रैनोला बार ले आए। मैंने अपनी ट्रैवल मग में कॉफी भरी, जो मेरी माँ ने बनाई थी, वो कितनी नेक दिल हैं! मैंने उसमें थोड़ी सी क्रीम मिलाई और ढक्कन बंद कर दिया, जिससे वैसी ही गीली आवाज़ आई जैसी ट्रैवल मग से अक्सर आती है। मैंने घड़ी देखी तो पता चला कि 7:15 बज चुके थे। हम झट से दरवाज़े से बाहर निकले और तेज़ी से स्कूल की तरफ चल दिए।
हमारी चुप्पी भय और चिंता से भरी हुई थी। हममें से कोई भी इसे तोड़ना नहीं चाहता था। मुझे लगता है कि हम दोनों इस बात से भली-भांति अवगत थे कि पूर्णिमा का चांद तेजी से नजदीक आ रहा है। आज रात हमें जवाब मिल जाएंगे, या कम से कम एक जवाब तो मिल ही जाएगा। बहुत कुछ अभी भी अनसुलझा था।
लूसी की दबी हुई आवाज़ ने सन्नाटे को तोड़ दिया। "तो, अगर डैन के बारे में हमारी बात सही है, तो हम क्या करेंगे? मेरा मतलब है, अगर मैं मान लूँ कि वेयरवुल्फ होते हैं, तो यह भी तर्कसंगत होगा कि उनके बारे में कुछ किंवदंतियाँ सच हों..." उसने ज़मीन की ओर देखा, मेरी आँखों में देखने से इनकार कर दिया।
“हम कुछ न कुछ उपाय सोच लेंगे। मैं तुम्हें इस अकेलेपन से नहीं गुजरने दूँगा, भले ही तुम्हारा सिद्धांत सही हो, और मुझे अब लगने लगा है कि यह सही है। वरना डैन ने ऐसा क्यों कहा होगा कि तुम खतरनाक होगे?” मैंने पूछा। “मुझे पता है,” लूसी ने कहा। “मैं भी इसी बारे में सोच रही थी।”
मैंने अगला सवाल पूछने में हिचकिचाहट महसूस की, मुझे समझ नहीं आ रहा था कि कहीं पूछने से बात और बिगड़ न जाए। "क्या तुम डरे हुए हो?"
लूसी चलना बंद करके मेरी आँखों में देखने लगी। "बहुत डरी हुई हूँ।"

जब तक उसने नज़रें नीचे नहीं कीं और दोबारा चलना शुरू नहीं किया, तब तक मेरी निगाहें उसकी आँखों में टिकी रहीं। मैं भी थोड़ी देर बाद उसके पीछे- पीछे चलने लगी। उसके बाद की खामोशी भी कुछ कम तनावपूर्ण नहीं थी। हम स्कूल पहुँचे, ठीक उसी समय जब पहली घंटी बजी, और हम अपनी-अपनी कक्षाओं में जाने के लिए अलग हो गए। मैं जीव विज्ञान की कक्षा में पहुँची और एलिसन के बगल वाली सीट पर बैठ गई, ठीक उसी समय दूसरी घंटी बजी। मैं व्याख्यान पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रही थी, जो कोई नई बात नहीं थी, लेकिन इस बार मेरी कम ध्यान देने की क्षमता से कहीं ज़्यादा कुछ और भी बाधा बन रहा था।
क्लास खत्म होने के बाद, दूसरे पीरियड से पहले मेरी मुलाकात लूसी से हुई। हम हमेशा की तरह आगे वाली सीटों पर बैठ गए, लेकिन लूसी बिल्कुल भी पहले जैसी नहीं लग रही थी। उसकी नज़रें डेस्क पर टिकी हुई थीं और उसने किसी भी सवाल का जवाब देने के लिए हाथ नहीं उठाया। शायद मैं उसे दोष नहीं दे सकती थी। टीचर ने लूसी की तरफ चिंता भरी नज़रों से देखा, लेकिन फिर उसे अकेला छोड़ दिया। लूसी को शायद इसका एहसास भी नहीं हुआ।
दोपहर के भोजन के समय, लूसी और मैं अपनी मेज पर बैठे गहरी सोच में डूबे हुए थे। हम दोनों ही उस सुबह जल्दबाजी में घर से निकलते समय दोपहर का भोजन करना भूल गए थे।
“आज तुम दोनों को क्या हो गया है?” एलिसन ने अपनी स्लिम-फिट जींस और गुलाबी बटन वाली ब्लाउज में अपना खरीदा हुआ लंच लेकर बैठते हुए पूछा। “तुम दोनों ऐसे लग रहे हो जैसे तुमने कोई भूत देख लिया हो।”
मैंने ऊपर देखा और खुद को मुस्कुराने के लिए मजबूर किया। "कुछ भी गलत नहीं है, हम ठीक हैं।"
लूसी ने सहमति में सिर हिलाया। "हम ठीक हैं।"
हमारे इनकार से भी वह शांत नहीं हुई। एलिसन ने ज़ोर देते हुए कहा, "साफ़- साफ़ बताओ। तुम दोनों कुछ छुपा रहे हो और मुझे अभी इसी वक्त बताओ कि क्या छुपाना है।"
खैर, जब उसने इस तरह से कहा... तो मैंने शुरू से शुरू किया।
जब तक मैंने एलिसन को सप्ताहांत में छूटी घटनाओं के बारे में पूरी जानकारी दी, तब तक वह सन्नाटे में मेरी ओर देखती रही। "मज़ाक कर रहे हो?" वह हकलाते हुए बोली। "मुझे मज़ाक समझ नहीं आया, इसका मतलब क्या है?" उसने हम दोनों की ओर देखा और भौंहें चढ़ा लीं।

“कोई मज़ाक नहीं।” मैंने जवाब दिया, तभी लूसी ने सबूत के तौर पर अपने खरोंचों को दिखाने के लिए अपनी आस्तीन ऊपर उठाई।
एलिसन ने लूसी का हाथ पकड़ा और खरोंचों को ध्यान से देखा। होंठ सिकोड़ते हुए, एलिसन ने कुछ पल रुककर इस अजीबोगरीब स्थिति पर विचार किया। अंत में एलिसन ने कहा, "यह बिल्कुल भी मज़ाकिया नहीं है।"
मैंने उसे खाली निगाहों से देखा।
एलिसन ने लूसी और मेरी तरफ बारी-बारी से देखा। "चलो दोस्तों," एलिसन ने विनती करते हुए कहा, "मज़ाक खत्म हो गया है।"
मैंने आह भरी, “कोई मज़ाक नहीं, कोई पंच लाइन नहीं। हम अभी तक अपने निष्कर्ष के बारे में पूरी तरह से निश्चित नहीं हैं, लेकिन...”
एलिसन ने जोर से नाक सिकोड़ी। "मुझे तो यकीन ही नहीं हो रहा कि लूसी आज रात वेयरवोल्फ बनने वाली है," फिर उसने अपनी आवाज़ धीमी करते हुए कहा, "लेकिन मुझे लगता है कि मैं तुम दोनों की बात मान सकती हूँ। अगर यह कोई सोची-समझी शरारत निकली, तो मुझे बिलकुल भी अच्छा नहीं लगेगा।"
“अल, तुम हमें जितना चाहो उतना हंसा लो। काश यह सिर्फ एक मजाक होता। आज रात हम सबको पता चल जाएगा,” मैंने थके हुए स्वर में कहा।
“तो फिर क्या? हम लूसी को बांधकर पूर्णिमा का इंतजार करेंगे?” एलिसन ने पूछा।
अब सन्नाटे में रहने की बारी लूसी और मेरी थी।
“तो?” एलिसन ने अपनी भौंहें चढ़ाते हुए पूछा, “क्या आप दोनों के पास इससे बेहतर कोई सुझाव है?”
लूसी ने मेरी तरफ देखा।
मैंने कंधे उचकाते हुए एलिसन की ओर मुड़कर पूछा, "मेरा घर या तुम्हारा?" एलिसन ने नाक सिकोड़ी, फिर हम सब मिलकर अपनी योजनाओं पर चर्चा करने लगे। एलिसन के शामिल होने से मुझे अच्छा लगा, और मुझे पता था कि लूसी को भी ऐसा ही लग रहा था। तीन दिमाग दो से बेहतर होते हैं।
सब कुछ तय हो जाने के बाद, हमें बस तीन और क्लास खत्म होने का इंतज़ार करना था। फिर हम अपनी योजना पर अमल करने लगते। हम सब मिलकर पास की हार्डवेयर की दुकान पर जाते और किसी तरह की रस्सी वगैरह ढूंढते, फिर सूरज डूबने तक मेरे घर पर इंतज़ार करते।

हमने घर पर पूर्णिमा का इंतज़ार करने के बारे में बात की, लेकिन मैं अपनी माँ को भेड़ियों द्वारा खाए जाने या उनके द्वारा किए जाने वाले किसी भी खतरे में नहीं डालना चाहता था। अंत में, हमने तय किया कि हम माँ को एलिसन के घर जाने का बहाना बनाकर, असल में जंगल में जाकर लूसी को बाँध देंगे और देखेंगे कि क्या होता है।
हमारी योजना बेहद खराब थी, और मैं इसे जल्द से जल्द खत्म करना चाहता था। लूसी के संभावित अंजाम और अगर हमारी कोशिश नाकाम हो जाती तो एलिसन और मेरे साथ क्या होता, इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए, कक्षा में समय बर्बाद करना सरासर व्यर्थ लग रहा था। कम से कम मुझे तो यही लग रहा था। लूसी ने इतनी मुश्किल परिस्थितियों में भी कक्षा छोड़ने से इनकार कर दिया।
मेरी जिंदगी में पहली बार, जिम का समय बहुत धीरे-धीरे बीत रहा था। डॉज बॉल भी मुझे लगातार टिक-टिक करती घड़ी से ध्यान नहीं हटा पा रही थी। मैं मिनट गिनने के लिए तैयार होकर इंग्लिश क्लास में दाखिल हुई, और तभी मेरी धड़कन तेज़ हो गई। डैन क्लास में था।
“तुम्हारी हिम्मत तो देखो!” मैं गुस्से से उसके पास गई। “मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि तुम यहाँ अपना चेहरा दिखा रहे हो! मैं तुम्हें…”
“ज़ोए!” सुश्री मास्टर्सन गरज उठीं। “अभी इसी वक्त बैठ जाओ! तुम्हें क्या हुआ है?”
मैं कुर्सी पर बैठ गई और मिस मास्टर्सन की पीठ की ओर गुस्से भरी निगाहों से देखने लगी। डैन हँस पड़ा। हँस पड़ा! मैं अपना गुस्सा मुश्किल से रोक पा रही थी। ब्रायन ने मेरे बगल में बैठे-बैठे चिंता भरी नज़र से मुझे देखा। मैं गुस्से से उबल रही थी, डेस्क के किनारों को कसकर पकड़े हुए थी, मेरी उंगलियां सफेद पड़ गई थीं। मेरा चेहरा आग की तरह जल रहा था। मेरा गुस्सा साफ झलक रहा था।
मेरी बात अनसुनी करते हुए, सुश्री मास्टर्सन ने अभी अपना व्याख्यान शुरू ही किया था कि कक्षा का दरवाजा खुला और उनकी बात बीच में ही रुक गई। और अंदर कौन आया? जेसन, हमारा कथित बहादुर रक्षक, लाल फलालैन की कमीज और फीकी जींस पहने हुए। ये तो सपना ही होगा। अरे यार! वह मेरे पीछे खाली सीट पर बैठ गया जबकि सुश्री मास्टर्सन उसे घूर रही थीं। जेसन के आने से मेरा गुस्सा कुछ हद तक शांत हुआ और उसकी जगह उलझन ने ले ली।

मैंने डैन को घूरकर देखा। उसने मुझे अनदेखा कर दिया, उसके चेहरे पर एक छोटी सी, चिढ़ाने वाली मुस्कान थी। मुझे महसूस हो रहा था कि जेसन की निगाहें हम पर टिकी हैं। ऐसा लग रहा था जैसे मैं डैन को घूरती रहूँ, ब्रायन चिंता से मेरी तरफ देखता रहे और जेसन हम तीनों को देखता रहे—आखिरकार घंटी बजी। डैन झट से उठा और दरवाज़े से बाहर भाग गया। कक्षा से बाहर निकल रहे अन्य छात्रों की वजह से मैं उसे देख नहीं पाई। जब तक मैं सबको धक्का देकर हॉल तक पहुँची, तब तक वह कहीं नज़र नहीं आया। मुझे अपनी मूर्खता का एहसास हुआ कि मैंने उसके भागने का अंदाज़ा नहीं लगाया था। मैंने सच में नहीं सोचा था कि वह भागेगा। मैं जेसन की ओर मुड़ी, जो मेरे पीछे कक्षा से बाहर आ रहा था। कमर पर हाथ रखकर, मैंने उसकी गहरी नीली आँखों में देखा, अभी-अभी मेरा ध्यान उसके साफ़-सुथरे चेहरे और कम बिखरे बालों पर गया, हालाँकि उसके बाल अभी भी उलझे हुए थे। हम्म, उसकी मुस्कान तो अच्छी थी... रुको। मैंने मन ही मन खुद को विचलित होने के लिए फटकारा।
मैंने अपनी बाहें मोड़ लीं, चेहरा सख्त बना लिया और क्यूबा के लहजे में बोलने लगा, "जैसन, तुम्हें कुछ सफाई देनी होगी।" मुझे अब भी उसकी कल की कहानी पर यकीन नहीं हो रहा था, बल्कि अब पहले से कहीं ज़्यादा। वह डैन के बारे में जितना बता रहा था उससे कहीं ज़्यादा जानता था और वह मुझे बताने ही वाला था कि वह क्या था।
“छठा पीरियड छोड़ दो,” उसने मुस्कुराते हुए जवाब दिया। “चलो टहलने चलते हैं।”
मैंने जोखिमों को नज़रअंदाज़ करते हुए सिर हिलाया। आखिर ज़्यादा से ज़्यादा क्या हो सकता था?
इसका जवाब मत देना।
कम चौकस सुरक्षा गार्डों से बचते हुए हम चुपके से बाहर निकले और टहलने लगे। चलते-चलते ठंडी हवा का एक झोंका आया और मेरे बाल पीछे की ओर उड़ गए। स्कूल के मैदान से निकलते ही मैंने आसमान की ओर देखा तो चारों ओर काले बादल छाए हुए थे, जो और बारिश का संकेत दे रहे थे। हवा में ओजोन की तेज़ गंध फैली हुई थी। वाह!
“मुझे लगता है कि लूसी मुसीबत में हो सकती है,” जेसन ने कहना शुरू किया। “मुझे बताओ,” मैंने जवाब दिया। “डैन ने उसे खरोंच दिया है। हमारे पास कुछ अनुमान हैं, लेकिन सबसे प्रमुख अनुमान यह है कि लूसी की ‘मुसीबत’ आज रात से

शुरू होगी, और मुझे लगता है कि तुम इसके बारे में कुछ जानते हो।” मैं चलना बंद करके उम्मीद भरी निगाहों से उसकी ओर देखने लगा।
उसके चेहरे पर एक कड़वी मुस्कान फैल गई, जिससे उसकी खूबसूरती पर कोई असर नहीं पड़ा... कम से कम मैंने तो ऐसा कुछ देखा नहीं। "तुम सही कह रहे हो," जेसन ने पुष्टि की। "डैन सचमुच एक वेयरवोल्फ है, और लूसी भी शायद बन जाएगी। अब सवाल यह है कि हम इसके बारे में क्या करेंगे?"
मैं दंग रह गई। मुझे उम्मीद नहीं थी कि वह मेरी कही हर बात की पुष्टि करेगा। उसने वेयरवोल्फ शब्द का इस्तेमाल ऐसे किया जैसे उस शब्द में कोई गहरी भावनाएँ छिपी ही न हों।
“हाँ,” मैंने सदमे और अनिश्चितता से भरे मन से दोबारा चलना शुरू करते हुए कमजोर आवाज में जवाब दिया। “यही तो सबसे बड़ा सवाल है। अभी तक तो हमने यही सोचा है कि उसे जंगल में किसी पेड़ से बांध दें।”
मेरी बात सुनकर जेसन लड़खड़ा गया, उसके चेहरे पर हैरानी साफ झलक रही थी। फिर उसने जल्दी ही खुद को संभाला और अपने उलझे हुए गहरे भूरे बालों में हाथ फेरा। "उम, तभी जब तुम उसे चांदी की जंजीरों से बांधोगे।"
“ओह,” मैंने आगे कहा। “क्या आपके पास इनमें से कोई चीज़ पड़ी है?” मैंने मीठी मुस्कान के साथ व्यंग्यात्मक ढंग से अपनी पलकें झपकाईं।
“मैं देखता हूँ कि मैं क्या कर सकता हूँ,” उसने बेपरवाही से जवाब दिया। ओह। मैंने उसके पास चांदी की चेन होने के बारे में गंभीरता से नहीं सोचा था। मैं फिर रुक गई और उत्सुकता से उसकी ओर देखा, सोच रही थी कि कहीं वह मुझसे मज़ाक तो नहीं कर रहा। जब उसने मेरी ओर इशारा करके 'पकड़ लिया' कहने का कोई संकेत नहीं दिया, तो मैंने बात को थोड़ा और आगे बढ़ाने का फैसला किया। "तो क्या यह सच है कि चांदी वेयरवुल्फ पर असर डालती है?"
“केवल नवनिर्मित चांदी ही प्रभावी होती है। शुरुआती कुछ बदलावों के बाद चांदी की शक्ति कम हो जाती है।”
मैंने सिर हिलाया, एक अजनबी से वेयरवोल्फ के बारे में सवाल पूछने पर मुझे बेहद मूर्खता महसूस हो रही थी। "अब सवाल यह है कि आपको इन सब के बारे में कैसे पता है, और आप मुझसे इस पर विश्वास करने की उम्मीद कैसे कर सकते हैं?" जेसन ने मेरे सवाल को अनसुना कर दिया और दोबारा चलने लगा।
“अरे!” मैंने चिल्लाकर कहा। “क्या बात है? मैंने तुमसे ईमानदारी से बात की थी, है ना? मुझे लगता है मुझे जवाब पाने का हक है।”

वह रुका और मेरी ओर मुड़ा, उसके चेहरे पर चिंता साफ झलक रही थी। हम शहर के पार्क के पास पहुँच चुके थे। उसने अपना सिर थोड़ा सा झटकाकर मुझे अपने पीछे आने का इशारा किया। हम घास पर थोड़ी दूर और चले, फिर खाली पड़े खेल के मैदान की हल्की गीली रेत पर आ गए। जेसन एक चेन वाले झूले की काली रबर की सीट पर बैठ गया और मुझे भी उसके बगल में झूलने का इशारा किया।
“आपके एक सवाल का जवाब देते हुए, मैं उम्मीद करता हूँ कि आप डैन के वेयरवोल्फ होने की हर बात पर यकीन करते हैं, क्योंकि आप पहले से ही करते हैं। अगर आपको पहले से ही पता न होता तो आप मेरे साथ यहाँ नहीं आते। और जहाँ तक इस सवाल का सवाल है कि मुझे इन सब बातों का कैसे पता है, तो मैं आपसे एक सौदा करता हूँ,” जेसन मुस्कुराया। “चलो लूसी के साथ इस मामले को सुलझा लेते हैं, क्योंकि हमारे पास समय कम है, फिर मैं आपको वो सब कुछ बता दूँगा जो आप जानना चाहते हैं।”
“कुछ भी?” मैंने पूछा।
"कुछ भी।"
मैंने उसे संदेह भरी निगाहों से देखा, लेकिन फिर मान लिया कि लूसी की खातिर मेरे पास उस पर भरोसा करने के अलावा कोई चारा नहीं था। हम झूले पर बैठकर लूसी की "समस्या" पर चर्चा करने लगे। खैर, ज़्यादातर मैं गीली रेत में अपने जूतों की उंगलियों को घिसता हुआ झूले पर बैठा रहा, जबकि जेसन मुझे समझाने की कोशिश कर रहा था कि उस रात लूसी के साथ क्या होने वाला है।
मुझे राहत मिली कि कम से कम कोई तो था जिसे कुछ तो पता था कि क्या हो रहा है। मुझे पता था कि मुझे उससे लाखों सवाल पूछने चाहिए, लेकिन वेयरवुल्फ के बारे में उसे कैसे पता चला, इस सवाल के अलावा मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा था। मैंने झूले की जंजीरों को कसकर पकड़ लिया, इतना ज़ोर से कि मेरी हथेलियों पर अंडाकार निशान पड़ गए, और खुद को स्थिर रखने की कोशिश कर रही थी। मुझे बस रात खत्म होने तक इसे थामे रहना था। उसके बाद तो मैं पूरी तरह टूट सकती थी।
हमारी बातचीत धीमी पड़ गई थी, तभी जेसन ने अचानक पूछा, "अगर तुम्हें डैन पर इतना शक था, तो तुम शनिवार को उसके साथ बाहर क्यों गई थीं?"
मैंने उसे ‘क्या यह स्पष्ट नहीं है’ वाली नज़र से देखा। “लूसी और अल जाने के लिए अड़े हुए थे। मैं उन्हें अकेले नहीं जाने दे सकता था।”

लेकिन उनके साथ जाकर आप क्या लाभ हासिल करने की उम्मीद कर रहे थे? आप उनकी रक्षा कैसे करने का इरादा रखते थे?
मैं व्याकुल होकर रुक गया। मैं उनकी रक्षा कैसे करूँगा? सच कहूँ तो, मैंने इसके बारे में सोचा ही नहीं था। मुझे बस इतना पता था कि मुझे उनके साथ जाना है। कम से कम इस तरह मुझे पता रहेगा कि मैंने कोशिश तो की। अपनी बात समझाने में असमर्थता से निराश होकर मैंने उत्तर दिया, "मुझे जाना ही था, भले ही मैं कुछ अच्छा न कर पाऊँ, मैं उन्हें अकेले नहीं जाने दे सकता था।"
“तुम एक अच्छे दोस्त हो,” उसने सरल शब्दों में कहा।
“बिल्कुल सही।” मैंने मुस्कुराते हुए उनसे कहा, मुझे खुशी थी कि उन्होंने मेरी स्थिति को इतनी अच्छी तरह से समझ लिया था।
इतना कहकर वह झूले से उठा और मैंने भी उसका अनुसरण किया। हम स्कूल की ओर वापस चलने लगे। मैं अपने स्नीकर्स को गीली हरी घास पर घिसते हुए देखकर अपना मनोरंजन कर रहा था। हमारे पास वेयरवोल्फ के बारे में बात करने के लिए कुछ नहीं बचा था, इसलिए हम चुपचाप चल रहे थे। हैरानी की बात यह थी कि चुप्पी अजीब नहीं लग रही थी।
एक जगह मैं एक ढीले पत्थर से टकराकर लड़खड़ा गई और घास पर पीछे की ओर फिसल गई। मैंने अपनी आँखें बंद कर ली थीं, ज़मीन पर गिरने का इंतज़ार कर रही थी, तभी मुझे एहसास हुआ कि गिरने से ठीक पहले जेसन ने मुझे अपनी बाहों के नीचे से पकड़ लिया था। एक पल पहले वह मेरे बगल में था, और अगले ही पल वह मुझे पकड़ने के लिए तैयार था, इतनी तेज़ी से कि मैं उसका पीछा भी नहीं कर पाई। मेरा दिल ज़ोर से धड़कने लगा। काश वो कोई और वेयरवोल्फ न हो। उसने मुझे वापस उठाया और मेरे धीरे से कहे धन्यवाद पर मुस्कुराया। उसके बाद मैं उससे थोड़ा आगे चलने लगी, शर्म से लाल हुए अपने चेहरे और सतर्क आँखों को छिपाने की कोशिश करती रही।
हम स्कूल की पार्किंग में पहुँचे ही थे कि लूसी और एलिसन वहाँ पहुँच गईं। जेसन ने लूसी को सिर हिलाकर इशारा किया और यह कहकर चला गया कि वह मुझसे मेरे घर पर मिलेगा। मैंने उसे अपनी कार की ओर जाते देखा। मुझे कारों की ज़्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन यह कार महँगी लग रही थी... और तेज़ भी। इसका रंग चमकदार चारकोल ग्रे था, जो रात में काला दिखता था। वाह!
एलिसन ने जेसन के साथ उस कार में बैठने के मेरे दिवास्वप्न से मुझे जगा दिया। "तो तुम वहीं थी।"

मैंने उसे हैरानी भरी नजरों से देखा।
"ज्यामिति की कक्षा के दौरान। मैं जानबूझकर परीक्षा छोड़ने का समर्थन नहीं करता, लेकिन उसके पास इसके लिए एक अच्छा कारण लगता है।"
“वो जेसन था, वही लड़का जिससे हम जंगल में मिले थे। मैं घर जाते समय समझा दूंगा,” मैंने जवाब दिया।
हम एलिसन की कार में बैठकर मेरे घर तक की छोटी सी यात्रा के लिए निकल पड़े। इस बार लूसी आगे और मैं पीछे बैठी थी।
जैसे ही हम पार्किंग से निकले, लूसी ने पीछे की सीट पर बैठे मेरी तरफ मुड़कर देखा। "मुझे लगा था कि हम उस पर भरोसा नहीं करते," उसने जेसन के बारे में कहा।
मैंने उसकी आँखों में देखा। “मुझे यकीन नहीं है कि हमें इसकी ज़रूरत है, लेकिन उसने स्वीकार किया है कि वह डैन के बारे में जितना बता रहा है उससे कहीं ज़्यादा जानता है। डैन वास्तव में एक वेयरवोल्फ है, या कम से कम मुझे यही बताया गया है, और जेसन वेयरवोल्फ के बारे में काफी कुछ जानता है, इसलिए हमें उसकी मदद की ज़रूरत है, चाहे हम उस पर भरोसा करें या न करें।”
लूसी ने एक पल के लिए नीचे देखा, फिर मेरी आँखों में स्थिर होकर देखा। "क्या उसने बताया कि मेरे संक्रमित होने की कितनी संभावना है...?"
मैंने उसे दिलासा देने की कोशिश में उसके कंधे पर हाथ फेरा, लेकिन नाकाम रही। मैंने ईमानदारी से जवाब दिया, "उसने कहा कि इसकी अच्छी संभावना है।" लूसी मुड़कर अपनी खिड़की से बाहर देखने लगी।
मैंने लूसी के सिर के पीछे की ओर इशारा करते हुए कहा, "जब तक हमें असल में पता नहीं चल जाता कि क्या हो रहा है, तब तक ज़्यादा चिंता न करें। जेसन और डैन दोनों पागल भी हो सकते हैं। हम एहतियात के तौर पर ही इस सब में शामिल हो रहे हैं।"
लूसी ने बस नाममात्र का सिर हिलाया, लेकिन गुजरती हुई पेड़ों की ओर देखती रही।
“तो… योजना अभी भी वही है?” एलिसन ने हिचकिचाते हुए पूछा।
मैंने जवाब दिया, "हम इसमें थोड़ा सा बदलाव करने जा रहे हैं," और फिर मैंने जेसन के साथ हुई अपनी बातचीत का विस्तार से वर्णन किया।

मेरे घर पहुँचते-पहुँचते हम मोटे तौर पर योजना पर सहमत हो गए थे। जेसन लूसी के लिए हथकड़ी का इंतज़ाम करेगा, हम उसे बांधेंगे और फिर इंतज़ार करेंगे। तो, यह कोई बहुत विस्तृत योजना नहीं थी, लेकिन कुछ न होने से बेहतर थी।
हम अंदर गए और लूसी और मैं दोपहर का खाना न मिलने के कारण भूख से बेहाल होकर रसोई में खाना ढूंढने निकल पड़े। मेरी चमकदार, धूप से भरी रसोई, जिसकी दीवारें हल्के पीले रंग से रंगी थीं जो लगभग सफेद लग रही थीं, हमारे मौजूदा मूड से बिल्कुल मेल नहीं खा रही थी। मेपल की अलमारियां, सफेद टाइल वाले काउंटर टॉप और रंग-बिरंगे मिट्टी के गमलों में लगे ढेर सारे पौधे उस रसोई को एक आरामदायक, कॉटेज जैसा एहसास दे रहे थे। मैं समझ गई थी कि लूसी को ज़रा भी आराम महसूस नहीं हो रहा था।
हमने देखा कि मेरी माँ कॉफी पॉट के पास खड़ी होकर ताज़ी बनी कॉफी पी रही थीं। मेरी माँ और मैं कई मायनों में अलग हैं, लेकिन हम दोनों एक ही चीज़ पर निर्भर हैं - कॉफी। दरअसल, हमने हाल ही में कॉफी कम करने की कोशिश करने का फैसला किया था। लेकिन यह ज़्यादा कारगर नहीं रहा।
खाने के लिए हमें बस एक डिब्बे में रखा मैकरोनी और चीज़ मिला, जो पता नहीं कब का था, और कुछ चावल के केक। बस, मैकरोनी और चीज़ ही बना ली। मैं उसे बनाने लगी, जबकि मेरी माँ हमसे स्कूल में बिताए दिन के बारे में सवाल पूछ रही थीं, लेकिन हमें बस गोलमोल और सामान्य जवाब ही मिल रहे थे। मैकरोनी और चीज़ बनकर तैयार हो जाने पर मैंने उसे नीले रंग के चीनी मिट्टी के कटोरे में निकाल लिया। मैंने एक कप कॉफ़ी ली, क्योंकि मुझे पक्का यकीन था कि कॉफ़ी हर चीज़ के साथ अच्छी लगती है, और लूसी और मैं डाइनिंग रूम में जाकर हल्के रंग की लकड़ी की मेज़ पर बैठ कर खाना खाने लगे।
खाना खाते समय मैं तिरछी नज़र से लूसी को देख रही थी। वह अपना हाथ मल रही थी, उसके चेहरे पर घबराहट के भाव थे। एलिसन मेरी माँ से बात करने के लिए रसोई में ही रुक गई थी। मैं तब तक उसकी बातें सुनती रही जब तक एलिसन ने पास की एक बुटीक में सेल का ज़िक्र नहीं किया, फिर मैंने तुरंत उनकी बातों पर ध्यान देना बंद कर दिया। मेरा ध्यान मैकरोनी निगलने पर केंद्रित हो गया। हाँ, मुझे अब उसके पुराने होने का अंदाज़ा लगने लगा था।
खाना खत्म होते ही मेरी माँ डाइनिंग रूम में आईं और हमारे कटोरे उठाकर डिशवॉशर में रखने लगीं। लूसी और मैं ऊपर मेरे कमरे में चले गए। एलिसन ने

मेरी माँ को जल्दी से अलविदा कहा और फिर हमारे पीछे-पीछे ऊपर आ गई। हम सब मेरे मुलायम बेज रंग के कालीन पर बैठकर बातें करने लगे।
“तो मुझे जेसन के बारे में और बताओ,” एलिसन ने शुरू किया।
मैंने आंखें घुमाते हुए जवाब दिया, "हमें ज्यादा कुछ नहीं पता, बस उतना ही पता है जितना हमने आपको जंगल में हुई घटना के बारे में बताया था।"
नए प्यारे लड़के के बारे में जानकारी न मिलने पर एलिसन ने मुंह बना लिया। "तो उसे वेयरवुल्फ के बारे में पता है?" लूसी ने बीच में टोकते हुए कहा। “उम, लगता तो यही है,” मैंने जवाब दिया। “मैंने उनसे पूछा कि उन्हें कैसे पता चला, लेकिन उन्होंने कहा कि वे बाद में समझा देंगे।”
“मुझे पक्का नहीं पता कि उसके शामिल होने के बारे में मैं क्या सोचूँ,” लूसी ने कहा। “हम उसके बारे में डैन से भी कम जानते हैं। उसने तुम्हें यह क्यों नहीं बताया कि उसे वेयरवोल्फ वाली सारी बातें कैसे पता चलीं? क्या पता वो डैन के साथ मिलकर काम कर रहा हो।”
मैंने कंधे उचका दिए। मैं उसे यह नहीं बताना चाहती थी कि उस पर भरोसा करने में मैं बस अपनी अंतरात्मा की आवाज़ सुन रही थी। "हमारे पास और क्या विकल्प है?"
लूसी का चेहरा हैरानी से सिकुड़ गया। "अच्छा सवाल है।"
“और हां,” एलिसन ने आगे कहा। “मानना पड़ेगा, लड़का देखने में बुरा नहीं है।” मैंने उसकी तरफ आंखें घुमाईं और वह बोली, “अरे ज़ो, ऐसा मत दिखाओ कि तुमने ध्यान नहीं दिया, मैंने तुम्हें उसे घूरते हुए देखा जब वह अपनी कार की तरफ जा रहा था, और कार के बारे में तो पूछो ही मत।” उसने एक आह भरकर मुस्कुराया और नज़रें हटा लीं, मानो वह अपने मन में कार की कल्पना कर रही हो।
“ठीक है,” मैंने मान लिया। “मैं मानता हूँ कि वह देखने में बुरा नहीं है, लेकिन ध्यान देने के लिए और भी अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं।”
एलिसन ने हाथ हिलाकर मुझे टाल दिया। "वह कब आने वाला है?"
“मुझे नहीं पता…” मैंने जवाब देना शुरू ही किया था कि तभी मेरे बेडरूम के दरवाजे पर दस्तक हुई और मेरी बात बीच में ही रुक गई।
मेरी मां ने मेरे दरवाजा खोलने का इंतजार किया, फिर मुझे अपनी सबसे पैनी नजरों से देखा।
मैंने हैरानी से पूछा, "क्या?"

उसने अपने हाथों को कमर पर रखा। "क्या तुम मुझे कुछ बताना भूल गए?"
मैंने उसे खाली निगाहों से देखा।
उसने आगे कहा, "क्या आप यह बता सकते हैं कि दो युवक नीचे क्यों इंतजार कर रहे हैं?"
दो? “ओह, उह, बस कुछ दोस्त पढ़ाई करने आ रहे हैं माँ, अरे बाप रे,” मैंने यथासंभव बेपरवाही से जवाब दिया।
वह मातृत्व की गहरी समझ के भाव से भरी हुई चली गई और मैं उसके पीछे-पीछे नीचे चला गया।
दूसरा लड़का, मैक्स, बंद दरवाजे के ठीक अंदर खड़ा था। वही मैक्स जो उस भयानक दिन डैन के साथ बैठा था जब एलिसन उसे घसीटकर हमारे लंच टेबल पर ले आई थी। मैक्स कद में छोटा था, लगभग 5 फुट 4 इंच। उसके बाल बिखरे हुए और सुनहरे थे, और उसका रंग ऐसा था कि अगर शेल्बी को कभी धूप लग जाए तो उसके चेहरे पर ढेर सारे धब्बे पड़ जाएंगे। उसकी हल्की हरी आँखें ज़मीन पर टकटकी लगाए हुए थीं, जबकि उसके हाथ घबराहट में अपनी धारीदार पोलो शर्ट और खाकी कार्गो पैंट को सीधा कर रहे थे।
मैंने मैक्स की मौजूदगी का कारण जानने के लिए जेसन की ओर भौंहें चढ़ाईं। वह अभी भी अपनी फलालैन शर्ट और जींस पहने हुए था। उसने छत की ओर देखा और हल्का सा सिर हिलाकर इशारा किया कि हमें ऊपर जाना चाहिए। मुझे तुरंत शक हुआ कि उसे कैसे पता चला कि मेरा कमरा ऊपर है, लेकिन जल्द ही मुझे अपनी मूर्खता का एहसास हुआ जब मुझे पता चला कि उसने मुझे नीचे आते हुए देख लिया था क्योंकि वह दरवाजे पर मेरा इंतजार कर रहा था।
आह भरते हुए, मैंने मैक्स और जेसन को अपने कमरे में बुलाया जहाँ लूसी और एलिसन इंतज़ार कर रही थीं। वे बिना कुछ कहे मेरे पीछे-पीछे ऊपर आ गईं। हम मेरे कमरे में दाखिल हुए और मैंने दरवाज़ा बंद कर दिया ताकि पूछताछ शुरू हो सके।
जैसे ही कुंडी की आवाज आई, मैं जेसन की ओर मुड़ी। "ये यहाँ क्या कर रहा है?" मैंने मैक्स की ओर उंगली करते हुए गुस्से से कहा। "ये डैन के साथ मिला हुआ है, मैंने उन्हें साथ बैठे देखा था।"
“अरे!” मैक्स ने बीच में ही टोकते हुए कहा। “मैं उसके साथ नहीं मिला हुआ हूँ। मुझे पता चल गया था कि वह भेड़िया है, इसलिए मैंने उससे बात करने की

कोशिश की, फिर मुझे एहसास हुआ कि वह पूरी तरह से पागल है।” उसने अपनी बाहें मोड़ लीं, मानो वह कोई चिड़चिड़ा बौना हो।
रुको, एक भेड़िया? "कहीं तुम भी भेड़िये तो नहीं हो?" मैंने कराहते हुए कहा।
“हाँ, बिल्कुल,” मैक्स ने सिर ऊँचा करके जवाब दिया, “लेकिन मैं बुरा इंसान नहीं हूँ, मैं यहाँ मदद करने आया हूँ।” उसका सिर ऊँचा ही रहा, उसे इस बात का गर्व था कि वह “बुरा इंसान” नहीं है।
मैंने जेसन की ओर मुड़कर देखा, जिसने हमें दिखाने के लिए एक गहरे नीले रंग के बैग से कुछ चीजें निकालनी शुरू कीं: एक चमकदार चांदी की चेन, हथकड़ियों के दो सेट और एक मेडिकल किट। लूसी बेहोश होने वाली लग रही थी।
मैंने पूछा, "इस केस में क्या है?"
“शांत करने वाली दवाएँ,” जेसन ने अपनी “सामान” से ध्यान हटाकर मेरी ओर देखते हुए जवाब दिया। मेरे हैरान चेहरे को देखकर उसने विस्तार से बताया। “पहले हम उसे जंजीरों से बाँध देंगे। जंजीरें और हथकड़ियाँ ठोस चाँदी की हैं। फिर अगर उसमें कोई बदलाव आने लगे, तो हम उसे शांत करने वाली दवा दे देंगे। इससे बदलाव रुकेगा नहीं, लेकिन धीमा हो जाएगा और वह खुद को नुकसान नहीं पहुँचा पाएगी।” उसने मेडिकल किट खोली और हमें कई सिरिंज और साफ़ तरल पदार्थ से भरी शीशियाँ दिखाईं।
लूसी का रंग अब पीला से हरा हो गया था। एलिसन ने यह देखा और लूसी को मेरे बिस्तर पर बिठा दिया। जेसन ने लूसी को प्रश्नवाचक दृष्टि से देखा, उसकी गहरी नीली आँखें चिंता से सिकुड़ी हुई थीं।
मुझे खुद भी अच्छा नहीं लग रहा था। मुझे सुई से डर लगता है। इंजेक्शन लगवाने के बारे में सोचकर ही घबराहट होती है, और खून निकलवाने की तो बात ही छोड़ो। मैं टीवी पर भी लोगों को इंजेक्शन लगवाते हुए नहीं देख सकती। मेरे कान छिदवाने के पीछे एक बहुत ही वाजिब कारण है।
“अभी तो सिर्फ 5:00 बजे हैं,” एलिसन ने घोषणा की, जिससे सबका ध्यान ट्रैंक्विलाइज़र से हट गया। “उसे किस समय कपड़े बदलने हैं?”
“पूरी तरह अंधेरा हो जाएगा,” मैक्स ने जवाब दिया। “लगभग 8:00 बजे। लेकिन हमें इसे यहाँ नहीं करना चाहिए। जेसन ने एक जगह ढूंढ ली है।”
हम सबने जेसन की ओर देखा जो अभी भी अपने बैग के बगल में फर्श पर बैठा हुआ था। उसने भी हमारी ओर देखा।

मैंने बुलंद आवाज में कहा, "आगे बढ़ो," और नाटकीय ढंग से अपना हाथ दरवाजे की ओर बढ़ाया।
जेसन मुस्कुराया। वह अकेला था जिसने ऐसा महसूस किया। कम से कम किसी को तो मैं मनोरंजक लगा।
जेसन ने सामान इकट्ठा किया और उसे वापस अपने बैग में भर लिया, फिर हम सब एक-एक करके मेरे कमरे से बाहर निकले और नीचे की ओर चल दिए। मैंने अपनी माँ को बताया कि हम लूसी के घर रुक रहे हैं। सौभाग्य से मैंने अपनी माँ को यह नहीं बताया था कि लूसी के माता-पिता शहर में नहीं हैं। उनके और पूछने पर मैंने जवाब दिया कि लड़के नौ बजे तक घर चले जाएँगे, और हम ठंडी शाम की हवा में बाहर निकल गए।
जेसन की शानदार कार हमारे लिए सामने खड़ी थी। लगता है मेरी सवारी की इच्छा पूरी होने ही वाली थी, भले ही उस तरह से नहीं जैसा मैंने सोचा था। जेसन ने कार का दरवाजा खोला और ड्राइवर सीट पर बैठ गया, साथ ही उसने बाकी दरवाजे भी खोल दिए। मैंने आगे वाली यात्री सीट हथिया ली, और बाकी सब पीछे बैठ गए। लूसी एलिसन और मैक्स के बीचोंबीच फंस गई। जेसन ने इंजन स्टार्ट किया और उसके प्लेयर में लगी डेविड बॉवी की सीडी बजने लगी। बिलकुल मेरे जैसा ही आदमी। हम चल पड़े, अनजान राह पर।

अध्याय दस
हम शहर से दूर लगभग वीरान औद्योगिक क्षेत्र की ओर चल पड़े, रास्ते में खाली मैदान और जर्जर इमारतें दिखाई देती रहीं। धीरे-धीरे जर्जर हो रही इमारतें उदास भूरे रंग की थीं, जो उन्हें धुंधले आसमान में घुलमिल जाने का एहसास दिला रही थीं। यह इलाका किसी भूतिया शहर जैसा लगता है। आजकल यहाँ सिर्फ अस्थाई लोग और कुछ संदिग्ध किस्म के लोग ही रहते हैं।
मैंने दरवाज़े पर नज़र डाली ताकि पक्का हो जाए कि वो बंद है, फिर पीछे देखने वाले शीशे में लूसी का चेहरा देखा। उसने अपनी आँखें ऐसे कसकर बंद कर रखी थीं जैसे वो दिखावा कर रही हो कि कुछ हुआ ही नहीं है। मैं सोच भी नहीं सकती थी कि उसे कैसा लग रहा होगा। मैं तो बस उस स्थिति में शामिल होकर ही डर गई थी। लूसी को इस सच्चाई का सामना करना था कि वो एक ऐसी दुनिया में वेयरवोल्फ बन सकती है जहाँ हमने कभी ऐसी चीज़ों के अस्तित्व की कल्पना भी नहीं की थी।
डामर पर बजरी की चरमराहट और कार के धीमे होने की आवाज़ ने मेरा ध्यान वापस आसपास की ओर खींच लिया। जेसन एक खाली, विशाल गोदाम के पिछले हिस्से में गाड़ी खड़ी करके पहले से खुले हुए एक पार्किंग क्षेत्र में घुस गया। अंदर पहुँचकर उसने गाड़ी पार्क की, फिर हम सब आसपास का जायज़ा लेने के लिए बाहर निकले। जेसन हमारे पीछे पार्किंग क्षेत्र का दरवाज़ा बंद करने के लिए वापस चला गया, जबकि मैक्स ने जेसन की कार के ट्रंक से कई इलेक्ट्रिक कैंपिंग लालटेन निकालीं।
मैक्स ने उस विशाल, डरावने, धूल भरे कमरे में एक-एक करके लालटेन जलाईं। मैंने ऊपर देखा तो चारों ओर अंधेरा था, छत कितनी ऊंची थी, यह कहना मुश्किल था। मुझे लगा जैसे अंधेरा मुझ पर हावी हो रहा है, घबराहट पैदा कर रहा है, जैसे उल्टी क्लॉस्ट्रोफोबिया हो। मैंने धीरे-धीरे सांसें लीं, अंदर-बाहर, उम्मीद कर रही थी कि कोई ध्यान न दे। मैंने अपने माथे पर आए ठंडे पसीने की बूंदों पर हाथ फेरा।
मैक्स की लालटेनों की हल्की रोशनी से गोदाम जगमगा उठा, तो मैंने चारों ओर गौर से देखा। फर्श पर कूड़ा-कचरा और पुराने कपड़े बिखरे पड़े थे, जिनसे एक अप्रिय, सीलन भरी गंध आ रही थी। जिस जगह मैक्स लालटेनें लगा रहा था, वह जगह पूरी तरह साफ कर दी गई थी। मैंने दीवारों पर बने कुछ भित्तिचित्रों को

पढ़ने की कोशिश करके अपना ध्यान भटकाने की कोशिश की, तभी मैक्स हमारी तरफ वापस आ गया।
"तैयार हो?" मैक्स ने लूसी से पूछा, जो डरी हुई सी मेरे बगल में दुबकी हुई थी।
"ले-लेकिन, अभी तो सिर्फ 6:00 बजे हैं," लूसी हकलाते हुए बोली।
मैक्स ने कंधे उचकाते हुए कहा, "सावधानी बरतने में ही भलाई है।"
मैंने लूसी के कंधों पर हाथ रखा, मानो मैं अंदर से जितना शांत महसूस कर रही थी उससे कहीं अधिक शांत होने का दिखावा करते हुए, और उसे उस धातु के फ्रेम वाली तह कुर्सी तक ले गई जिसे मैक्स ने लालटेनों के बीचोंबीच रखा था। जेसन जंजीरों और हथकड़ियों के साथ पास आया।
जेसन ने लूसी की ओर मुँह किया। उसने उससे कहा, "आगे बढ़ो और बैठ जाओ।" लूसी धीरे से खस्ताहाल धातु की कुर्सी के काले कैनवास वाले सीट पर बैठ गई, फिर उसने डर से भरी बड़ी-बड़ी आँखों से जेसन की ओर देखा। "अब आगे क्या होगा?"
“अपने हाथ आगे करो।” जेसन ने जंजीरें और हथकड़ियां सीमेंट के फर्श पर रख दीं और अपने हाथों को सामने की ओर, कलाइयों को अगल-बगल रखकर, करके दिखाया। लूसी ने धीरे-धीरे उसकी बात मानी, लेकिन वह इतनी बुरी तरह कांप रही थी कि वह मुश्किल से अपनी कलाइयों को एक साथ रख पा रही थी।
जेसन ने हथकड़ी का एक सेट उठाया और लूसी के पास घुटनों के बल बैठ गया। उसने बड़ी सावधानी से उसके हाथों में हथकड़ी लगाई, उसके दाहिने हाथ की हथकड़ी को चेन की एक कड़ी में फंसाकर उसे लॉक कर दिया। फिर उसने हथकड़ी का दूसरा सेट उसके टखनों पर लगाया और चेन का दूसरा सिरा उससे जोड़ दिया, मानो उसे बुरी तरह से जकड़ दिया हो। इसके बाद, एक बड़े ताले का इस्तेमाल करके, उसने चेन के ढीले सिरों को कंक्रीट की ज़मीन से निकले एक धातु के लूप से जोड़ दिया। मैंने पहले उस लूप पर ध्यान नहीं दिया था, और सोच रहा था कि इसका असली मकसद क्या था। काम खत्म करके, जेसन पीछे हट गया और अपने काम का जायज़ा लिया।
“बस इतना ही?” मैंने पूछा। “यह कुछ खास संयमकारी नहीं लगता।”
जेसन ने मेरी तरफ ध्यान दिया। “यह तब होगा जब वह भेड़िया रूप में होगी। वह अभी से बहुत बड़ी हो जाएगी। हम नहीं चाहते कि जब वह रूप बदले तो जंजीरों से उसे चोट लगे।”

ओह, अच्छा, यह बात समझ में आ गई... शायद।
लूसी ने बड़ी-बड़ी भयभीत आँखों से हमें देखा। मैं उसके बगल में नंगे कंक्रीट पर जाकर बैठ गया और उसका हाथ अपने हाथ में ले लिया। ज़मीन की ठंड मेरे शरीर में समा गई। बाकी सब लोग हमारे सामने अर्धवृत्त बनाकर बैठ गए। मैंने मैक्स की ओर मुड़कर पूछा, "तुम्हें कैसे पता चला कि डैन पागल है?" उसने मुझे हैरानी भरी नजरों से देखा।
मैंने विस्तार से बताया, "मेरे कमरे में, आपने कहा था कि आपने डैन को जानने की कोशिश की और आपको एहसास हुआ कि वह पागल था। आपको कैसे पता चला?"
मैक्स हिचकिचाया। "उम, आप जानते हैं, जिस तरह की बातें उसने कीं..."
मैंने उसे हठपूर्वक घूरा, अपनी बाहें मोड़ीं और अपनी भौहें ऊपर उठाकर उसे आगे बढ़ने के लिए उकसाया।
“उसने मुझे लूसी से दूर रहने को कहा, क्योंकि वह उसकी थी। उसने मुझसे कहा कि अगर मैं चाहूँ तो एलिसन को पा सकता हूँ।” एलिसन की ओर से ‘जैसे कि’ जैसी आवाज़ सुनकर मैक्स रुक गया।
मैंने बीच में टोकते हुए कहा, "मेरा क्या?"
मैक्स के चेहरे पर फिर से वही उलझन भरा भाव आ गया।
“क्या?” मैंने व्यंग्य से पूछा। “तुमने कहा कि डैन ने लूसी पर अपना हक जताया है और तुम एलिसन को पा सकते हो, क्या मैं कोई बेकार चीज हूँ?”
जेसन ने मुस्कुराते हुए कहा, "क्या तुम इसलिए नाराज़ हो कि किसी ने तुम्हें अपनी संपत्ति नहीं माना?"
मैंने उसे चिड़चिड़ी नज़र से देखा। "यह सिद्धांत की बात है।" मैं मैक्स की ओर मुड़ी। "तो?"
"उसने तुम्हें शामिल नहीं किया क्योंकि तुम्हें बदला नहीं जा सकता," मैक्स ने जवाब दिया।
अब असमंजस भरे भाव दिखाने की बारी मेरी थी।
मैक्स ने आगे कहा, "केवल मनुष्यों को ही परिवर्तित किया जा सकता है।"
जेसन ने मैक्स को तीखी नज़र से देखा। मैं मैक्स और जेसन के बीच बारी-बारी से देख रहा था, जेसन के चेहरे पर चेतावनी का भाव और मैक्स के चेहरे पर उलझन का भाव समझने की कोशिश कर रहा था।
“उसे नहीं पता,” जेसन ने धीरे से कहा।
“ओह,” मैक्स ने धीरे से कहा। “माफ़ करना।”

“ठीक है, मुझे कोई तो बताए कि यहाँ क्या हो रहा है,” मैंने बीच में ही टोकते हुए कहा।
"मुझे नहीं लगता कि तुम जानना चाहोगे," जेसन ने धीरे से कहा।
"मुझे आजमाओ।"
जेसन ने मेरी ओर देखा, मानो वह हताश दिख रहा हो, और उसने समझाया, “अलौकिक प्राणियों के पास आमतौर पर अपनी पहचान बताने का एक तरीका होता है। वेयरवोल्फ के लिए, मनुष्यों की एक विशेष गंध होती है, और जो कुछ भी मनुष्य नहीं होता उसकी गंध अलग होती है। वे शायद यह न समझ पाएं कि आप किस प्रकार के प्राणी हैं, लेकिन वे यह बता सकते हैं कि आप मनुष्य नहीं हैं। आपकी गंध मनुष्य जैसी नहीं होती।”
अचानक मेरी सांस फूलने लगी थी, फिर भी मैंने उसे घमंडी नज़र से देखा। जैसे- तैसे मैंने सांस अंदर खींचकर जवाब दिया, "बेशक मैं इंसान हूँ, मेरी माँ भी इंसान है, और जहाँ तक मुझे याद है, मुझे कभी किसी अलौकिक जीव ने नहीं काटा है।"
“तुमने अपने पिता को कभी जाना ही नहीं,” एलिसन ने पलटवार करते हुए कहा, उसे इशारे का मतलब समझ आ गया था। “तुम्हारी माँ तो इंसान थी, लेकिन तुम्हें इस बात का कोई अंदाजा नहीं है कि तुम्हारे पिता कैसे इंसान हो सकते थे।” मैंने पलटवार करते हुए कहा, "जो व्यक्ति अभी भी वेयरवोल्फ वाली बात को लेकर संशय में था, वह यह मानने को इतनी आसानी से तैयार क्यों है कि मेरे पिता किसी तरह के... अमानव थे।"
एलिसन ने frowning करते हुए कहा, "ज़रा इसके बारे में सोचो, ज़ोई।"
मेरे चेहरे से श्रेष्ठता का भाव गायब हो गया। “लेकिन... मुझे यकीन है कि अगर मेरे पिता में कोई मानवीय गुण नहीं होता, तो मेरी माँ को ज़रूर पता होता, और अगर उन्हें पता होता, तो वह मुझे बता देतीं।” यह बचाव मुझे भी कमज़ोर लगा।
"क्या तुमने कभी सोचा भी होगा कि मैक्स इंसान नहीं था?" एलिसन ने धीमी आवाज़ में पूछा।
मेरे दिल में डर की एक लहर दौड़ गई। "नहीं, लेकिन मैं मैक्स को सच में नहीं जानती। मेरी माँ मेरे पिताजी को जानती थी। वह भी तो इंसान ही रहे होंगे," मैंने उन्हें गलत साबित करने की आखिरी कोशिश में कहा।

जेसन मेरी आंखों में आंखें नहीं मिला रहा था। "मुझे माफ करना ज़ोई, लेकिन... तुम्हारी गंध कुछ और ही कहती है।"
“तो फिर… मैं क्या हूँ?” मैंने किसी से विशेष रूप से नहीं पूछा।
मैक्स ने कंधे उचकाते हुए कहा, "पक्का नहीं कह सकता, यह कोई जानी-पहचानी गंध नहीं है।"
हम सब चुपचाप बैठे रहे। अगर मेरा दिमाग पहले से ही चकरा नहीं रहा था, तो अब ज़रूर चकरा गया था। मैंने अभी-अभी अलौकिक प्राणियों के अस्तित्व को स्वीकार करना शुरू ही किया था। अब मुझे यह मानना था कि मैं भी उनमें से एक हूँ?
“तो बस इतना ही?” मैंने झुंझलाते हुए पूछा। “आप मुझसे कहते हैं कि मैं इंसान नहीं हूँ और मेरे शरीर से अजीब गंध आने के अलावा आपके पास कोई और स्पष्टीकरण नहीं है?”
जेसन थोड़ा खिसक कर आराम से बैठ गया। "क्या तुम्हारे साथ कभी कुछ अजीब हुआ है, या क्या तुमने कभी ऐसा कुछ किया है जो तुम्हें नहीं करना चाहिए था?" मैंने हिचकिचाते हुए जवाब दिया, "मुझे इसकी जानकारी नहीं है।"
“तो फिर कुछ कहा नहीं जा सकता,” जेसन ने कहा। “आप बस एक सामान्य इंसान की तरह अपना जीवन जीते रह सकते हैं।”
मैंने पूछा, "क्या कोई कारण है कि मैं ऐसा न करूँ? मेरा मतलब है, अगर मुझे अमानवीय लक्षण प्रदर्शित करने होते, तो क्या मैं अब तक ऐसा नहीं कर चुका होता?"
“ज़रूरी नहीं,” जेसन ने जवाब दिया। “मानव वंश को अलौकिक वंश के साथ मिलाना एक तरह से किस्मत का खेल है। यह बताना असंभव है कि क्या होगा। मनुष्यों में प्रभावी और अप्रभावी गुण होते हैं। अलौकिक गुण भी अन्य गुणों से अलग नहीं हैं। वे मानव गुणों के मुकाबले अप्रभावी हो सकते हैं... या फिर अलौकिक गुण समय के साथ ही प्रकट हो सकते हैं।”
“ओह,” मैंने जवाब दिया। मैं और क्या कह सकता था?
“अभी क्या समय हुआ है?” लूसी ने घबराकर कमरे में मौजूद सभी लोगों से पूछा। मैं चाहती थी कि जेसन अपनी बात जारी रखे, लेकिन लूसी के विषय बदलने के लिए मैं उसे दोष नहीं दे सकती थी। मुझे उससे बाद में पूछना ही पड़ेगा।
मैक्स ने अपनी घड़ी पर नजर डाली। "6:25।"
लूसी सिहर उठी। "आपने कब कहा था कि यह फिर से होने वाला है... वह बदलाव?"

मैक्स ने लूसी को चिंता से देखा। "लगभग पूरी तरह अंधेरा होने पर ही सही समय पता चलेगा, यह कहना मुश्किल है। हमें बस इंतजार करके देखना होगा।"
लूसी कुछ पल चुप रही, फिर हिचकिचाते हुए पूछा, "क्या इससे दर्द होगा?" मैक्स ने उदास मुस्कान के साथ कहा, "क्या तुम सच जानना चाहते हो?"
लूसी ने कुछ देर सोचा, फिर धीरे से सिर हिलाया, मानो उसे जवाब जानने पर पछतावा हो सकता है।
“हां,” मैक्स ने जवाब दिया, “दर्द हो रहा है।”
लूसी ने उदास भाव से सिर हिलाया। मैंने उसका हाथ हल्के से दबाया और हम इंतजार करने के लिए बैठ गए।
कुछ ही मिनट बीते थे कि मेरे मन में एक भयानक ख्याल आया और डर से मेरा मुंह सूख गया। मैंने मैक्स की ओर मुड़कर कहा, "उम, क्या आज रात तुम्हें भी वेयरवोल्फ में नहीं बदलना है?"
मैक्स मुस्कुराया। "मैं इसे नियंत्रित कर सकता हूँ। मुझे हर महीने करवट बदलनी पड़ती है, लेकिन मैं इसे उन तीनों दिनों में से किसी भी दिन कर सकता हूँ जब चंद्रमा पूरी तरह से पूर्णिमा पर होता है।"
एलिसन का चेहरा पीला पड़ गया। उसने पूछा, "क्या आप निश्चित हैं?"
मैक्स ने बड़ी सहजता से सिर हिलाया। हमारे पास उसकी बात पर विश्वास करने और उसके सच होने की उम्मीद करने के अलावा कोई चारा नहीं था। या फिर उसे बाहर निकाल देना, लेकिन यह तो सरासर असभ्यता होती।
अगला घंटा बेहद धीमी गति से बीता। मेरा दिमाग पूरी तरह से इस विचार में डूबा हुआ था कि शायद मैं इंसान नहीं हूँ। बातचीत बहुत कम हुई, जानबूझकर नहीं, लेकिन जब आपको पता चला हो कि आप इंसान नहीं हैं, और साथ ही आप अपने दोस्त के भेड़िये में बदलने का इंतज़ार कर रहे हों, तो आप क्या कहेंगे? लगभग 8 बज चुके थे। बाहर की रोशनी बिल्कुल भी नहीं बची थी जो बे डोर के निचले हिस्से से, जहाँ वह ज़मीन से मिलता था, अंदर आ सके।
अचानक लूसी सिसकने लगी। "कुछ हो रहा है," उसने दांत पीसते हुए कहा।
मैंने लूसी का हाथ छोड़ दिया और खड़ी हो गई। जेसन दौड़कर अपनी मेडिकल किट के पास गया और सिरिंज भरने लगा। लूसी की मुट्ठियाँ कसकर बंद थीं और उसकी उंगलियों के जोड़ सफेद पड़ गए थे। उसके माथे पर पसीना आने लगा। जेसन सिरिंज लेकर दौड़ा और बिना किसी औपचारिकता के उसकी बांह में लगा दिया।
लूसी हांफ रही थी, उसकी आंखें आधी बंद थीं। फिर चीख-पुकार शुरू हो गई।

अध्याय ग्यारह
भेड़िया लगातार छटपटा रहा था और हवा में दांत गड़ा रहा था। जेसन हमें वहां से हटाकर अपनी कार की ओर ले गया। "वह पूरी रात ऐसे ही रहेगी। मैं उसके साथ रहूंगा। मैक्स तुम लोगों को घर छोड़ देगा," जेसन ने चिढ़ते हुए शांत भाव से कहा।
“क्या वो हर महीने ऐसे ही रहेगी?” एलिसन ने हांफते हुए पूछा। उसकी आँखें इतनी चौड़ी हो गई थीं कि मुझे लगा जैसे वो किसी भी पल इमारत से बाहर भाग जाएगी।
“नहीं,” मैक्स ने एलिसन के हाथ पर हाथ रखकर उसे दिलासा देते हुए जवाब दिया। “भेड़िया रूप में वह धीरे-धीरे खुद पर काबू पा लेगी। जब वह थोड़ी कम खतरनाक हो जाएगी, तो मैं उसे जंगल में ले जाकर रूप बदलने का अभ्यास कराऊंगा। आखिरकार वह अपने दम पर बाहर जा सकेगी और किसी इंसान को खाने का जोखिम नहीं उठाएगी।”
मैंने पूछा, "कितना समय लगेगा?"
“मुझे सच में नहीं पता,” मैक्स ने जवाब दिया। “मेरे पास जो एकमात्र अनुभव है, वह मेरा अपना है। इसमें मुझे लगभग पाँच महीने, पाँच शिफ्ट लगीं। उन शुरुआती कुछ महीनों में... मुझे वास्तव में ज्यादा कुछ याद नहीं है कि क्या हुआ था...”
मैक्स की खोई हुई निगाहें उसे एक खोए हुए छोटे बच्चे की तरह दिखा रही थीं। मुझे एहसास हुआ कि मैं मैक्स के बारे में बहुत कम जानती थी। मैंने हमेशा उसे नज़रअंदाज़ ही किया था। उसने भी वही सब झेला था जो लूसी ने झेला था, लेकिन वह पूरी तरह अकेला था। अब तक वह ऐसी दुनिया में जी रहा था जहाँ उसके जैसा अकेला कोई नहीं था। मुझे अपने दोस्तों के लिए प्यार और कृतज्ञता का भाव उमड़ आया। उनके साथ मैं कभी इतना अकेलापन महसूस नहीं करती। मुझे इस बात को हल्के में लेना बंद करना होगा।
मैंने अपना ध्यान एलिसन की ओर मोड़ा, जिसने मैक्स के जवाब को बेसुध होकर स्वीकार करते हुए सिर हिलाया और फिर जेसन की कार की पिछली सीट पर बैठ गई। मैंने बड़ी सहजता से कहा, "मैं यहीं रुक रही हूँ। मेरी माँ सोचती है कि मैं लूसी के घर पर हूँ और मैं उसे छोड़कर नहीं जा रही। जब वह मुड़कर देखेगी तो डर जाएगी।"

जेसन थोड़ा असमंजस में लग रहा था, लेकिन आखिरकार उसने सहमति में सिर हिला दिया। एलिसन पीछे की सीट पर खाली निगाहों से देखती रही, उसका चेहरा पीला पड़ गया था। मैंने एलिसन को बिना बताए ही सीट बेल्ट लगा दी, फिर मुंह में उल्टी का स्वाद मिटाने के लिए उसके पर्स से एक च्युइंग गम निकाल ली। मैंने एलिसन को आखिरी बार चिंता भरी नजरों से देखा, फिर कार का दरवाजा बंद कर दिया।
मैक्स और एलिसन के चले जाने के बाद, जेसन और मैं लूसी से थोड़ी दूरी पर, पालथी मारकर ज़मीन पर बैठ गए। मैक्स के जाने से पहले ही जेसन ने अपनी कार से भूरे रंग की चमड़े की एविएटर जैकेट निकाल ली थी। मुझे लगा कि यह उसके लिए है, लेकिन जैसे ही हम बैठे, उसने इसे मेरे कंधों पर डाल दिया। मुझे बहुत ठंड लग रही थी, इसलिए मैंने कुछ नहीं कहा। मैंने अपनी बाहें जैकेट की आस्तीनों में डालीं और उसे अपने चारों ओर कसकर लपेट लिया। उसकी जैकेट से उसकी खुशबू आ रही थी, पेड़ों और वेनिला की एक मनमोहक खुशबू। ठंड का उस पर कोई असर नहीं दिख रहा था।
मैंने सबसे पहले चुप्पी तोड़ी। "मुझे वेयरवुल्फ के बारे में और बताओ।" उसने मेरी तरफ देखा, उसका चेहरा आधा छाया में था। “मैक्स से पूछना ही बेहतर होगा। मैंने तुम्हें पहले ही लगभग सब कुछ बता दिया है: उन्हें महीने में एक बार बदलना पड़ता है, लेकिन एक बार उन पर नियंत्रण हो जाने पर वे अपनी इच्छा से रूप बदल सकते हैं; उनके पास अलौकिक शक्ति होती है, यहाँ तक कि मानव रूप में भी; शुरुआत में वे मनुष्यों से ज़्यादा शक्तिशाली नहीं होते, लेकिन समय के साथ उनकी शक्ति बढ़ती जाती है; और उन्हें मारना बहुत मुश्किल होता है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि वे कितने शक्तिशाली हैं। जैसा कि मैंने कहा, चांदी केवल नए वेयरवुल्फ पर ही असर करती है।”
ताकत वाली बात मेरे लिए नई जानकारी थी। मैंने सिर झुकाकर सोचा, "तो फिर एक अनुभवी वेयरवोल्फ को कैसे मारते हैं?"
“यह आसान काम नहीं है,” उसने जवाब दिया। “क्रूर बल ही सबसे अच्छा तरीका है। भेड़िया जितना बूढ़ा होगा, उतनी ही जल्दी वह पुनर्जीवित हो जाएगा। आपको सचमुच उसके शरीर के टुकड़े-टुकड़े करने पड़ेंगे।”
मुझे अचानक फिर से घबराहट होने लगी। "तो क्या कोई इंसान उसे मार नहीं पाएगा?"

जेसन ने सिर हिलाया। "ऐसा पहले भी हो चुका है, हालांकि आमतौर पर इसमें इंसानों का एक समूह शामिल होता है। एक अकेला इंसान बच नहीं सकता, जब तक कि वह बहुत भाग्यशाली न हो।"
मैंने सिर हिलाया, डैन के प्रति मेरा डर अब दस गुना बढ़ गया था। मेरे मन में अभी भी एक सवाल था जो दिन भर मुझे परेशान कर रहा था। खैर, तीन सवाल थे। "डैन के आने के ठीक बाद तुम शहर में कैसे आ गए, और तुम्हें कैसे पता चला कि जब उसने मुझ पर और लूसी पर हमला किया तो तुम्हें उसका पीछा करना था, और तुम्हें वेयरवुल्फ के बारे में कैसे पता है?" मैंने अपनी नज़रें जेसन पर टिकाए रखीं, ताकि कमरे के उस पार लार टपकाते हुए उस भयानक भेड़िये से अपना ध्यान न हटा सकूँ।
जेसन ने अपने बालों में हाथ फेरा, फिर उसे अपने घुटने पर रख लिया। मुझे समझ आने लगा था कि यह उसकी घबराहट भरी हरकत थी, वो संकेत जिससे उसकी पोल खुल जाती थी। उसने गहरी सांस ली। "मैं डैन का पीछा कर रहा हूँ।"
“क्यों?” मैंने पूछा। मुझे एहसास हुआ कि उसके जवाब की उम्मीद में मैं जेसन के कुछ ज़्यादा ही करीब आ गई थी। उसका चेहरा बहुत नज़दीक था। मेरे चेहरे पर शर्म की लाली छा गई, लेकिन मैं वहीं खड़ी रही।
जेसन या तो नज़दीकी से सहज था, या उसने ध्यान ही नहीं दिया। “ज़्यादातर वेयरवुल्फ समाज में घुलमिल जाते हैं। वे सुरक्षा के लिए झुंड बनाते हैं और इंसानों की तरह व्यवहार करने की पूरी कोशिश करते हैं। डैन एक झुंड का सदस्य था, लेकिन फिर उसने एक इंसान पर हमला करके उसे मार डाला। झुंड के नियम के अनुसार, अगर कोई भेड़िया किसी इंसान को मारता है, तो उसे मौत की सज़ा दी जाएगी। डैन भाग गया। उसके झुंड ने मुझे उसका पीछा करने के लिए काम पर रखा। जैसे ही वह किसी ऐसे इलाके में जाता जहाँ कोई स्थानीय झुंड होता, मुझे उन्हें सूचना देनी होती और वे उसे मौत की सज़ा देते। डैन अब तक बहुत सावधान रहा है। शेल्बी का कोई स्थानीय झुंड नहीं है, इसलिए मैं उसके आगे बढ़ने तक उस पर नज़र रख रहा था।”
मैंने उसकी कही बात पर एक पल के लिए सोचा। "तुम खुद ही इसका ध्यान क्यों नहीं रख लेते?"
वह हँसा और मेरे थोड़ा और करीब आ गया। “विश्वास करो, मैंने इस बारे में सोचा है। पहली बात तो यह है कि मुकाबला कांटे का होगा, डैन बहुत ताकतवर है।

दूसरी बात, भेड़िये ऐसी बातें अपने ही समुदाय तक सीमित रखते हैं। मुझे तो बस उसका पीछा करने के लिए रखा गया था।”
मैंने पूछा, "तो आप एक तरह के इनाम शिकारी हैं?"
उसके होंठों के एक कोने पर टेढ़ी मुस्कान उभर आई। "कुछ ऐसा ही।"
हम्म, एक असली इनाम शिकारी। मैंने अपनी अजीब सी उत्तेजना को छिपाने की कोशिश की। "तो, अगर वेयरवुल्फ झुंड में रहते हैं, तो मैक्स शेल्बी में क्यों है, जहाँ कोई झुंड नहीं है?"
जेसन ने जवाब दिया, “मैंने उससे उसकी कहानी नहीं पूछी है। वह जाहिर तौर पर खुद ही बदल गया, इसलिए मेरा अनुमान है कि उस पर किसी हिंसक भेड़िये ने हमला किया होगा। ऐसे व्यक्ति का न केवल हमले और बदलाव से बच जाना, बल्कि अपने प्रियजनों की हत्या न करना भी दुर्लभ है, लेकिन ऐसा होता है। क्या आपके कोई और सवाल हैं?”
“हां,” मैंने जवाब दिया। “आप कौन हैं... या क्या हैं, और आप इस सब में कैसे शामिल हो गए?”
उसने अपने होंठ सिकोड़े। "मैं इसका स्पष्टीकरण तब दूंगा जब यह रात बीत जाएगी, और तुम मेरे और एक खून के प्यासे भेड़िये के साथ एक अंधेरे कमरे में अकेले फंसे नहीं रहोगे।"
अशुभ... बेहद अशुभ। "कल?"
उसने आह भरी, फिर नीचे देखा और सिर हिलाया। "कल।"
जेसन ने लूसी की तरफ देखा और मेरी नज़रें भी उसकी नज़रों के पीछे-पीछे गईं। वह शांत हो गई थी और अब भूखी निगाहों से हमें घूर रही थी। भेड़िये को अपना सबसे अच्छा दोस्त मानना मेरे लिए मुश्किल था। आमतौर पर सबसे अच्छे दोस्त आपको खाना नहीं चाहते। उसने अपनी नज़रें हम पर टिकाए रखीं, कान आगे की ओर और चौकन्ने।
“मैक्स वापस आ गया है,” जेसन ने कहा।
बे डोर ऊपर उठा और मैक्स ने अंदर आकर बताया कि वह खुद है, जिससे जेसन की कही बात की पुष्टि हुई, फिर उसने जेसन की कार को अंदर चलाया, जिससे हेडलाइट्स की रोशनी से मलबे पर उछलती हुई आकृतियाँ गोदाम की दीवारों पर पड़ रही थीं।
"क्या एलिसन ठीक है?" मैंने मैक्स के कार से बाहर निकलते ही पूछा।
“मुझे लगता है वो एडजस्ट कर रही है। ये सब समझना उसके लिए थोड़ा मुश्किल है।” मैक्स ने बे डोर बंद करते हुए कहा। एक गूंजती हुई आवाज़ के बाद, मैक्स

चलकर हमारे पास आया और जेसन के बगल में बैठ गया। उसने मेरी तरफ मुड़कर कहा, “अगर तुम आराम करना चाहो तो पीछे वाली सीट पर कुछ कंबल रखे हैं, ज़ोई।”
अब सोचती हूँ तो सही, मैं बहुत थकी हुई थी। मैक्स हमेशा की तरह बेहद जागती हुई लग रही थी, जो मुझे परेशान कर रहा था। मैंने सिर हिलाया और उठ गई।
कार की पिछली सीट पर लेटते ही मुझे कई कंबल और एक तकिया मिला। मैक्स या जेसन, जिसने भी ये कंबल और तकिया दिए थे, उन्हें शाबाशी! मैंने सोचा कि जेसन को उसकी जैकेट वापस दे दूं, जो अभी भी मेरे चारों ओर लिपटी हुई थी, लेकिन लालच में आकर उसे ओढ़कर सो गई। मैंने अजीब तरह से अपने पैर सीट पर मोड़ लिए। मानो या न मानो, लंबा होने के कुछ नुकसान भी होते हैं। तकिए पर सिर रखते ही लगभग 30 सेकंड में मुझे नींद आ गई।
मुझे वेयरवोल्फ, वैम्पायर और मेरे पिता के बुरे सपने आते थे, जिनके बारे में मुझे किसी तरह से पता होता था कि वे मेरे पिता हैं, भले ही मैंने उन्हें कभी नहीं देखा हो, कि वे एक विशालकाय राक्षस में बदल जाते हैं और मुझसे कहते हैं कि मैं बड़ा होकर बिल्कुल उन्हीं की तरह बनूंगा।
मैं जेसन के धीरे से मेरे कंधे हिलाने से जागा। उसने मुझे बताया, "लूसी फिर से बदलने लगी है।" उसने चिंता से मेरी ओर देखा और अपना हाथ मेरी गर्दन पर रखा। "तुम्हें बुखार है।"
मैंने पलकें झपकाईं, पल भर के लिए असमंजस में पड़ गई, और बुदबुदाई, "मैं ठीक हूँ, कुछ नहीं हुआ। मुझे लूसी से मिलना है।"
मैं जल्दी से कार से बाहर निकली, लेकिन मैक्स ने तुरंत मुझे रोक लिया। उसने मुझे लूसी की ओर भागने से रोकने के लिए मेरा हाथ पकड़ लिया और कार से एक कंबल निकाला। वह शरमा गया और मुझे गहरे भूरे रंग का कंबल देते हुए बोला, "जब वह कपड़े बदलेगी, तो उसके पास कोई कपड़े नहीं होंगे।"
“ओह,” मैंने दोनों हाथों से कंबल को कसकर पकड़ते हुए जवाब दिया, “अह, धन्यवाद।”
मैंने कंबल को समेट लिया ताकि वह ज़मीन पर न घिसटे और लूसी की तरफ चलने लगी। मैंने जेसन और मैक्स पर एक नज़र डाली, जो कार के पास खड़े थे और लूसी और मेरी तरफ पीठ किए हुए थे। काश मैं उनके साथ रुक पाती। मैं सोच रही थी कि क्या लूसी अलग होगी, डैन जैसी होगी। उम्मीद करती थी कि ऐसा न हो।
जब मैं लूसी के पास पहुँचा, तब तक वह लगभग सामान्य हो चुकी थी। वह कंक्रीट पर एक तरफ लेटी हुई थी, अभी भी जंजीरों में जकड़ी हुई थी। उसका शरीर तो

दरवाजे से अंदर आते ही मैंने लाइट जला दी, फिर सबको लिविंग रूम में ले गई ताकि जेसन बेहोश पड़ी लूसी को हल्के बेज रंग के सोफे पर धीरे से लिटा सके। लूसी के घर की हर चीज़ बिल्कुल बेज रंग की थी। यह उस रंगीन अव्यवस्था से बिलकुल अलग था जिसकी मुझे आदत थी।
हम उस अंधेरे, साधारण से बैठक कक्ष की खामोशी में खड़े रहे, तभी मैक्स ने कहा, "वह थोड़ी देर के लिए बाहर रहेगी, टीवी?"
मैंने साधारण ओक की कॉफी टेबल से रिमोट उठाया और टीवी चालू करते हुए मैक्स के बगल में सोफे पर बैठ गई। जेसन सोफे पर लूसी के पैरों के पास बैठ गया था। मैंने चैनल बदलते हुए आखिर में 'टीन वुल्फ' फिल्म लगा दी। ठीक लगा।
फिल्म देखते-देखते मैंने मैक्स से फिल्म और असली वेयरवुल्फ के बीच समानताएं पूछीं। वह इस बारे में बात करने के लिए बहुत उत्सुक लग रहा था। वह लगातार बोलता रहा और मैं उसकी बातें आधी-अधूरी सुनता रहा। जेसन गहरी सोच में डूबा हुआ लग रहा था, न तो वह फिल्म देख रहा था और न ही मैक्स की बातें सुन रहा था। मैं सोफे पर आराम से बैठ गया और इंतजार करने लगा। आखिरकार मैक्स के पास बोलने के लिए कुछ नहीं बचा। आखिर वेयरवुल्फ के बारे में उसे जो कुछ भी पता था, वह उसने अपने निजी अनुभव से ही सीखा था, और मैंने अपना ध्यान वापस फिल्म पर लगा दिया।
फिल्म खत्म होने पर मैंने रिमोट पर गाइड बटन दबाया। पता चला कि टीन वुल्फ की एक दूसरी फिल्म भी है, जिसका नाम है टीन वुल्फ टू, जो पहली फिल्म के बाद चल रही थी। लूसी अभी भी गहरी नींद में थी, इसलिए हमने उसे भी देखने का फैसला किया। आखिरकार मैं सोफे के आर्मरेस्ट से टेक लगाकर लेट गई और मेरी आंखें बंद हो गईं। बुखार वाले सपनों के कारण मेरी नींद कभी भी चैन से नहीं होती थी, इसलिए मैं अभी भी थकी हुई महसूस कर रही थी।
मैं मैक्स के रिमोट लेने के लिए मेरे ऊपर से हाथ बढ़ाने की आवाज़ से जागा। टीन वुल्फ टू के क्रेडिट्स चल रहे थे, और मैक्स ने झट से चैनल बदलकर फुटबॉल मैच लगा दिया। मैंने जेसन की तरफ देखा तो पाया कि वह मुझे देख रहा था, उसकी भौंहों पर चिंता की लकीरें थीं। जेसन ने मेरी आँखों में देखा, फिर पीछे के दरवाजे की तरफ इशारा किया। उसका इशारा समझकर, मैं उसके पीछे-पीछे बाहर चला गया, और मैक्स को लूसी की देखभाल करने के लिए वहीं छोड़ दिया।
“मुझे लगता है कि अब मैं तुम्हें वो सब बता सकता हूँ जो तुम जानना चाहती हो,” जेसन ने आह भरते हुए कहा, जब मैंने हमारे पीछे पिछला दरवाज़ा बंद कर

दिया। “डैन अभी भी शहर में है, इसलिए मामला अभी पूरी तरह से सुलझा नहीं है, लेकिन कम से कम अब तुम्हारे पास ये विकल्प है कि तुम मेरे साथ रहना चाहती हो या नहीं।” वह घास पर आगे चलकर लूसी के पिछवाड़े के चारों ओर लगी सफेद बाड़ के पास एक छोटी लोहे की बेंच पर बैठ गया। एक बड़ा ओक का पेड़ बेंच को छाया दे रहा था, जिसकी शाखाएँ सूरज की ओर बेताब होकर फैली हुई थीं। उसने मुझे अपने बगल में बैठने का इशारा किया। बैठते हुए, मैं उम्मीद भरी निगाहों से उसे देखने लगी।
उन्होंने कहा, "लोकप्रिय संस्कृति में मुझे पिशाच के रूप में देखा जाता है।"
मैंने धीरे से पलकें झपकाईं। "फिर से कहिए?"
अपनी बात दोहराने के बजाय, उन्होंने अपनी गोद की ओर देखा जबकि मैं उनके जवाब को समझने की कोशिश कर रहा था।
“ठीक है, मुझे लगता है कि यह बात समझ में आती है।” मैंने कुछ क्षणों की चुप्पी के बाद कहा।
उसके चेहरे पर हैरानी के भाव उभर आए और उसने ऊपर देखा। "तुम्हें झटका नहीं लगा? तुम भयभीत हो?"
मैंने मुस्कुराते हुए कहा, “आप मुझसे बात कर रहे हैं, जिसने कुछ ही दिनों में यह पता लगाया है कि वेयरवुल्फ होते हैं, उसकी सबसे अच्छी दोस्त वेयरवुल्फ बन गई है, और तो और उसे यह भी पता चला है कि मैं इंसान नहीं हूँ। अगर मैं अपनी हैरानी ठीक से ज़ाहिर नहीं कर पा रही हूँ तो मुझे माफ़ कर देना। जहाँ तक डर की बात है, वह तो मेरे अगले कुछ सवालों पर निर्भर करता है।” अंदर से मैं काँप रही थी, लेकिन अभी टूटने का समय नहीं था। अभी नहीं। उसने मेरी तरफ देखा, थोड़ा उलझन में, मानो वह मेरी आत्मा को देख सकता हो। यह सब कुछ अंग्रेजी कक्षा के दौरान डैन के हावभाव की याद दिला रहा था। "आगे बोलो," उसने मुझे प्रोत्साहित किया, उसकी आमतौर पर संयमित आवाज में घबराहट झलक रही थी।
मैंने पूछा, "क्या तुम खून पीते हो?"
उसने सिर हिलाया। "मैं अब केवल जानवरों का खून पीता हूँ, या जब संभव हो तो ब्लड बैंक से प्राप्त मानव रक्त पीता हूँ।"
मैं इस सवाल पर हिचकिचाया। "लेकिन क्या आपने कभी सीधे इंसानों का खून पिया था?"

उसने फिर सिर हिलाया।
मैंने आगे कहा, “तो… तुमने लोगों को मारा है?”
उसने ज़मीन की ओर देखा, फिर हमारे पैरों के पास की घास पर ध्यान केंद्रित करते हुए मुझसे जवाब दिया। “यह बहुत पहले की बात है। मेरी खून की प्यास को काबू में रखना पहले बहुत मुश्किल था। मैंने जिन्हें मारा, उनके लिए मुझे पछतावा तो होता था, लेकिन मैं रुक नहीं पाता था।”
मेरी धड़कन तेज़ हो गई, और मुझे उससे दूर भागने की तीव्र इच्छा को रोकना पड़ा। "तो क्या बदल गया?" मैंने धीरे से पूछा।
जेसन ने बड़ी सावधानी से मेरी आँखों से नज़रें बचाते हुए जवाब दिया, “एक रात, एक बच्चा मेरा शिकार बन गया। वह अकेला था, रात में अपने घर जा रहा था। उसकी उम्र शायद सात या आठ साल ही रही होगी। मैं उसके पीछे-पीछे गया, अपने भीतर से एक संघर्ष कर रहा था... एक ऐसा संघर्ष जिसमें मैं हमेशा हारता था। जब बात हद से ज़्यादा बढ़ गई, तो मैं उसके पास पहुँचा और उसे ज़मीन पर गिरा दिया। मैं उसका गला काटने ही वाला था। तभी मैंने उसके चेहरे पर भाव देखा। वह इतना हैरान था कि कोई उसे चोट पहुँचा सकता है। उसने मेरी तरफ देखा, उसे समझ नहीं आ रहा था कि मैं क्या करने वाला हूँ, और मैं किसी तरह रुक गया। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। तब तक, जैसे ही मैं अपने शिकार को देख लेता, मैं रोकने की कोशिश करता, लेकिन फिर मेरी अंतरात्मा काम करना बंद कर देती, मेरा दिमाग पूरी तरह से शिकार में डूब जाता। उस रात के बाद, मैं इसे रोक पाया, पता नहीं क्यों। जब मुझे विकल्प मिला, तो मैंने केवल जानवरों का खून या इंसानों द्वारा दान किए गए खून पर ही निर्भर रहना शुरू कर दिया।” वह रुका, ज़मीन की तरफ देखते हुए। “क्या इससे तुम्हारे लिए कुछ बदल गया?” मेरे हैरान चेहरे को देखकर उसने आगे कहा, “क्या इससे तुम मेरे बारे में कम सोचने लगे हो?”
ओह, ये तो पेचीदा मामला है। मैंने एक पल सोचा, खाली जगह में घूरते हुए अपने पेट में उठ रही बेचैनी को नज़रअंदाज़ करने की कोशिश की, फिर मुड़कर देखा तो वो मुझे टकटकी लगाए देख रहा था, उसकी नीली आँखें पलकें नहीं झपका रही थीं। "मुझे नहीं पता," मैंने जवाब दिया। "मुझे इसके बारे में सोचने के लिए कुछ समय चाहिए।"
उसने फिर नीचे देखा और हताशा से सिर हिलाया।
“ठीक है, अगला सवाल, धूप में आपको कैसा लग रहा है?” मैंने पूछा।

वह थोड़ी कड़वी हंसी हंसा। “यह एक मिथक है कि हम धूप में जल जाते हैं। धूप मेरी आंखों को चुभती है, और दिन के समय मेरी दृष्टि थोड़ी कमज़ोर हो जाती है। मुझे लगता है कि यह मेरी बढ़ी हुई रात्रि दृष्टि के कारण है।”
मैंने सिर हिलाया। "आपकी उम्र कितनी है?" मैंने पूछा।
“मेरा जन्म 1883 में हुआ था,” उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा। “और कुछ?” मैंने गहरी सांस ली। इससे वह... बूढ़ा लग रहा था। मैंने एक गहरी सांस ली और उसे छोड़ कर कहा, "मुझे लगा कि तुम कुछ अजीब तरह से बात कर रहे हो।"
वह मुस्कुराया और धीरे से मेरा हाथ पकड़ लिया। वह मुझसे ईमानदारी से बात कर रहा था, इसलिए मैंने उसे ऐसा करने दिया। उसने थोड़ा और कसकर पकड़ लिया। "तुम्हारा हाथ कांप रहा है।"
धत् तेरे की! मुझे तो लग रहा था कि मैं एकदम शांत और संयमित व्यवहार कर रही हूँ। "शायद मैं पिशाच वाली बात से थोड़ी हैरान हूँ," मैंने धीरे से कहा। उसने कुछ नहीं कहा, बस अपना हाथ मेरे हाथ में ही रखा।
मुझे वह सवाल याद आ गया जो मैं उनसे कल रात पूछना चाहता था। "आप यहां रहते हुए कहां ठहरेंगे?"
मैं फिलहाल शहर के हॉलिडे इन होटल में रह रहा हूँ।
मैं हंस पड़ा। मैं खुद को रोक नहीं पाया।
“क्या?” उसने पूछा।
"हॉलिडे इन, यह तो बिल्कुल सामान्य सा लगता है।"
"क्या आप चाहेंगे कि मैं शायद स्थानीय कब्रगाह में रहूँ? या शायद आपको आस-पास कोई आरामदायक, चमगादड़ों से भरी गुफा पता हो?"
मुस्कुराते हुए मैंने जवाब दिया, "कम से कम तुम कोई डरावनी, वीरान इमारत या ऐसी ही कोई जगह तो चुन सकते थे।"
"मैं भले ही रात का प्राणी हूँ," उसने नकली डरावनेपन का प्रदर्शन करते हुए अपने खाली हाथ की उंगलियों को हवा में हिलाया, "लेकिन मुझे बहता पानी और बिजली का आनंद लेना अच्छा लगता है।"
मैंने 'अरे यार' वाले अंदाज़ में उंगलियां चटकाईं और उदास स्वर में कहा, "तुमने मेरे सारे भ्रम तोड़ दिए।"
जेसन हँसा, लेकिन तुरंत ही उसका लहजा गंभीर हो गया। "मैं डैन को खुद ही ढूंढ सकता हूँ, तुम्हें अकेला छोड़ दूँगा, लेकिन अगर मैं तुम्हारे और लूसी के साथ रहूँ तो ज़्यादा सुरक्षित होगा।"

मुझे यह समझने में थोड़ा समय लगा कि वह जवाब की उम्मीद कर रहा था। "ओह, रुकिए, बिल्कुल आपको हमारे साथ रुकना चाहिए।"
मुझे उसकी मुस्कान में राहत महसूस हुई। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि इससे मुझे आश्चर्य क्यों हुआ।
घर से एक आवाज आई, "लूसी जाग गई है!"
मैं उछलकर उठा और दौड़कर अंदर चला गया, जेसन भी थोड़ी देर बाद मेरे पीछे- पीछे आ गया। लूसी सोफे पर बैठी थी और उसने अपने चारों ओर कंबल कसकर लपेटा हुआ था।
मैंने उससे पूछा, "तुम कैसी हो?"
उसने मेरी तरफ देखा। "ठीक है, शायद। मैक्स के चिल्लाने से मेरा गला दुख रहा है। इसके अलावा, मैं बस थकी हुई हूँ।"
मैं उसके बगल में बैठ गया और अपना हाथ उसके कंधों पर रख दिया। मैंने पूछा, "क्या तुम्हें कुछ याद है?"
“नहीं, ऐसा नहीं है,” उसने जवाब दिया। “मुझे गोदाम में पहुँचने की याद है, फिर मुझे आज सुबह का अपना असली रूप याद है। मैंने किसी को चोट तो नहीं पहुँचाई, है ना? अल कहाँ है?” उसने मेरी तरफ और मैक्स की तरफ देखा।
“नहीं, तुमने किसी को चोट नहीं पहुँचाई,” मैंने उसे आश्वस्त किया। “तुम्हारे कपड़े बदलने के बाद मैक्स एलिसन को घर ले गया। वह थोड़ी घबराई हुई थी।” मुझे यह बताने की ज़रूरत नहीं लगी कि मैं खुद भी काफी घबराया हुआ था।
लूसी ने अपनी गोद की ओर देखा। "तो अब क्या?"
“हमें अभी भी डैन की चिंता करनी है,” जेसन ने जवाब दिया। “वह किसी न किसी समय तुम्हारे पास आएगा, और जब वह आए तो हमें तैयार रहना होगा।”
जेसन ने मेरी नज़रों से बचने की पूरी कोशिश की। लूसी हम दोनों को बारी-बारी से देखती रही, मानो हमारे बीच की असहजता को भांप रही हो। हमारी नोकझोंक से शायद कुछ समय के लिए ही यह बात थोड़ी नरम हुई कि मैं उसके अतीत से निपटने को लेकर अनिश्चित थी।
“मेरे माता-पिता आज रात घर आ रहे हैं। वे हम सबको यहाँ नहीं रहने देंगे।” लूसी ने कहा। उसने उम्मीद भरी निगाहों से मेरी तरफ देखा।
“मेरी माँ तुम्हें मेरे घर पर रहने देंगी, लेकिन हमें लड़कों को चुपके से अंदर लाना होगा। क्या किसी ने अल से बात की है?” मैंने पूछा।

सभी ने सिर हिलाया।
“हम उसे मेरे घर से फोन करेंगे। मुझे वहां जाकर वह संदेश डिलीट करना होगा जो मुझे यकीन है कि स्कूल ने मेरी अनुपस्थिति के कारण छोड़ा होगा, इससे पहले कि मेरी माँ घर आएँ।”
लूसी की आंखें चौड़ी हो गईं और मैक्स ने कहा, "उन्होंने पहले ही यहां कॉल किया था, संदेश सफलतापूर्वक मिटा दिया गया है।"
लूसी ने राहत की सांस ली। "शुक्रिया।" उसने कंबल को अपने चारों ओर कसकर लपेट लिया और फिर थोड़ा लड़खड़ाते हुए अपना सामान पैक करने के लिए ऊपर चली गई। जाते समय उसने कहा, "मैं अपने माता-पिता को बता दूंगी कि हमें स्कूल का प्रोजेक्ट पूरा करने के लिए देर रात तक जागना पड़ेगा, इसलिए मुझे आपके घर रुकना होगा। कम से कम आज रात के लिए तो काम चल जाएगा... उम्मीद है।"
मैंने कहा, "उम्मीद है सब ठीक होगा।"
लूसी सीढ़ियों पर रुक गई, उसके चेहरे पर नाराज़गी के भाव थे। "क्या आप लोग थोड़ी देर इंतज़ार कर सकते हैं, जब तक मैं जल्दी से नहा लूँ?"
“नहीं, मैं यही सिफारिश करने वाला था,” मैंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया। "वाह ज़ो, तुम तो शब्दों को बहुत ही खूबसूरती से पिरोती हो," लूसी ने सीढ़ियों पर चढ़ना जारी रखते हुए कहा।
जब हम लूसी के नहाने का इंतज़ार कर रहे थे, तो मुझे उसकी नई बीमारी की चिंता सताने लगी। मुझे सोफे पर मेरे बगल में बैठे पिशाच और सोफे पर आराम कर रहे वेयरवोल्फ की भी चिंता सताने लगी। और हाँ, आज रात मुझे उस पिशाच और वेयरवोल्फ को चुपके से अपने घर में लाना था, क्योंकि हम किसी दूसरे वेयरवोल्फ के हमले का इंतज़ार कर रहे थे।
किशोरावस्था कब से इतनी जटिल हो गई?
इसका जवाब मत देना।

अध्याय बारह
घर पहुंचते ही मैं गाड़ी से उतरी और सामने का दरवाज़ा खोला। जेसन और मैक्स पहले अंदर गए ताकि घर में सब ठीक रहे। मैंने मैसेज चेक किए और स्कूल का मैसेज डिलीट कर दिया। दूसरा मैसेज एलिसन का था, जिसमें लिखा था कि घर पहुंचते ही उसे कॉल करना। मैंने फोन उठाया और उसका नंबर डायल किया।
पहली घंटी बजते ही एलिसन ने जवाब दिया। "इतनी देर क्यों लगा दी!" उसने हैरानी से कहा। "मैं घंटों से यहाँ इंतज़ार कर रही हूँ कि तुम मुझे बताओ कि क्या हो रहा है!"
मैं हंस पड़ी। “शांत हो जाओ अल। सब ठीक हैं। हम अब मेरे घर वापस आ गए हैं।” "दस मिनट में मिलते हैं," उसने कहा और फिर फोन काट दिया।
जैसे ही मैक्स और जेसन लिविंग रूम में लौटे, मैंने फोन को वापस उसके स्टैंड में रख दिया। लूसी सोफे पर सिकुड़कर बैठी थी और कहीं देख रही थी।
“मुझे बहुत ज़ोर से नहाना है,” मैंने कमरे में कहा। मैंने मैक्स और जेसन की तरफ देखा, “अगर आप चाहें तो गेस्ट बाथरूम इस्तेमाल कर सकते हैं। वहाँ गर्म पानी की कोई कमी नहीं होगी।”
मैक्स ने कंधे उचकाते हुए कहा, "मेरे पास कोई अतिरिक्त कपड़े नहीं हैं। मैं शायद सीधे घर जाकर नहा लूँगा।" फिर वह जेसन की ओर मुड़ा। "क्या मैं आपकी कार इस्तेमाल कर सकता हूँ?"
“ये सब तुम्हारा है,” जेसन ने जवाब दिया। “मुझे गाड़ी की डिक्की से कपड़े लेने हैं, उसके बाद तुम इसे ले सकते हो।”
“तो फिर बात पक्की हो गई,” मैंने कहा। मैंने जेसन को बताया कि मेहमानों का बाथरूम कहाँ है, फिर मैं ऊपर भागा और नहाने चला गया।
आखिरकार अकेले में, मैंने पिछली रात और उस सुबह की घटनाओं पर विचार करने के लिए कुछ पल निकाले। यह सब समझना मेरे लिए बहुत मुश्किल था: वेयरवुल्फ, वैम्पायर, और मैं जो भी था। इनमें से आखिरी बात मेरे लिए सबसे ज़्यादा परेशान करने वाली थी, ऐसा नहीं कि बाकी बातें महत्वहीन थीं, बिलकुल भी नहीं। मेरी दुनिया पूरी तरह से उलट-पुलट हो गई थी।
मैंने सोचा कि क्या जेसन एक पिशाच है। मुझे यह भी ठीक से नहीं पता था कि पिशाच आखिर होता क्या है। मतलब, मेरे पास फिल्मों और कहानियों का सहारा तो

था, लेकिन उनमें से कितनी सच थीं? मुझे बस इतना पता था कि वह खून पीता है, और आम धारणा के विपरीत, धूप में बाहर जा सकता है।
आम तौर पर यह माना जाता था कि पिशाच पुनर्जीवित लाशें होती हैं। जेसन ने अपने जन्म की तारीख तो बताई थी, लेकिन अपनी मृत्यु की तारीख या मृत्यु के बारे में नहीं बताया था। हो सकता है कि आप जन्म से ही पिशाच हों, बदले न गए हों।
फिर जेसन का पेशा था। इनाम का शिकारी? मुझे लगता है कि ये मेरे शब्दों का चुनाव थोड़ा गलत था, लेकिन फिर भी। डैन के खिलाफ उसका अनुबंध काफी साहसिक लग रहा था, लेकिन क्या पता उसके दूसरे काम इतने सीधे-सादे न हों? काश मैंने इन सभी सवालों के बारे में पहले ही सोच लिया होता।
मैंने नहाकर खुद को सुखाया। फिर मैंने अपनी अलमारी में कपड़े ढूंढे और एक साफ जींस पहन ली। मैंने टर्टलनेक पहनने का सोचा, लेकिन विचार छोड़ दिया; मुझे डर था कि जेसन को लगेगा कि यह उसकी वजह से है और वह नाराज़ हो जाएगा। मैंने एक सादी काली, वी-नेक वाली छोटी बाजू की शर्ट पहनी और वापस समूह की ओर चल पड़ी। जैसे ही मैं सीढ़ियों के अंत के पास पहुंची, जेसन ने मुझे नीचे उतरते हुए देखने के लिए अपना सिर घुमा लिया।
उसकी गहरी नीली आँखों में एक ऐसी भावना झलक रही थी जिसे मैं समझ नहीं पाई, बस इतना ही कि उसे देखकर मेरा दिल अजीब तरह से दुखने लगा। देखने में तो वह प्रशंसा भरी निगाह लग रही थी, लेकिन उसके नीचे कुछ उदासी छिपी थी। वह अभी- अभी नहाकर आया था और उसने जींस और अपने रोज़ाना पहने जाने वाले हाइकिंग बूट्स के ऊपर नीली सूती टी-शर्ट पहनी हुई थी जो उसकी आँखों के रंग से मेल खा रही थी।
कमरे में दाखिल होते ही मैंने देखा कि लूसी मैक्स के साथ फुटबॉल मैच देखने का नाटक कर रही थी। मैक्स जाहिर तौर पर घर जाकर नहा चुका था, क्योंकि उसने पीले रंग की बटन वाली शर्ट पहनी हुई थी, जिसकी आस्तीनें ऊपर की ओर मोड़ी हुई थीं, और साथ में खाकी रंग की कार्गो पैंट भी पहनी थी। मुझे पता था कि मैंने नहाने में काफी समय लगाया था, लेकिन मुझे इतना समय लगने का अंदाजा नहीं था। मेरी मौजूदगी को भांपते हुए मैक्स और लूसी दोनों ने जेसन की ओर मुड़कर देखा।
मैंने चुप्पी तोड़ते हुए पूछा, "क्या किसी को भूख लगी है?"

मेरे जाने के बाद मैक्स ने मेरे कम इस्तेमाल होने वाले इलेक्ट्रिक तवे पर पैनकेक बनाना शुरू कर दिया था। मैंने मन ही मन ठान लिया कि अब मैं इसका ज़्यादा इस्तेमाल करूंगी। यह वाकई एक कमाल का आविष्कार था। चूल्हे की ज़रूरत नहीं थी और सफाई में बस कागज़ के तौलिये से पोंछना ही काफ़ी था। मैक्स ने पहला पैनकेक एक प्लेट में रख दिया, जो उसे हमारे किसी खाली अलमारी के पीछे कहीं से मिली होगी। मैक्स को उसका काम करने के लिए छोड़कर, मैंने डाइनिंग रूम में झाँका तो देखा कि लूसी और ब्रायन मेरी हल्के रंग की लकड़ी की मेज़ के दोनों सिरों पर बैठे थे।
सिर हिलाते हुए मैंने कॉफ़ी बनाना शुरू किया, जबकि जेसन मेरे पास ही खड़ा था। मैंने कॉफ़ी बीन्स पीसीं, ताज़ी पीसी हुई ही सबसे अच्छी होती हैं, और उन्हें पेपर फिल्टर में डाल दिया। जेसन रसोई में खड़ा रहा और मुझे देखता रहा जब मैंने कुछ पेपर प्लेट, कॉफ़ी मग और उन लोगों के लिए जूस लिया जो कॉफ़ी नहीं पीते। दोपहर के भोजन का समय काफी बीत चुका था, मैं कॉफ़ी के बिना पैनकेक नहीं खा सकती थी।
जेसन बीच-बीच में उस मेज की ओर देखता रहा जहाँ ब्रायन बैठा था, और साथ ही वह लगभग अधिकार जताते हुए मेरे आस-पास मंडराता रहा। अगर मुझे कुछ और पता न होता, तो मैं कहती कि जेसन जल रहा है। खैर, चूंकि मैं उसे कुछ ही दिनों से जानती थी, इसलिए मुझे सच में कुछ और पता नहीं था। यह समझ नहीं आ रहा था कि खुश होऊं या नाराज़, इसलिए मैंने दोनों ही बातें महसूस कीं और जितना हो सके जेसन को नज़रअंदाज़ करने की कोशिश की।
मैंने मेज सजाना खत्म किया और मैक्स ने पैनकेक से भरी प्लेट बीच में रख दी। मैं कॉफी पॉट लेकर आई और बैठ गई। जेसन और मैंने ही अपने कप भरे। वैम्पायर को शाबाशी! मैंने क्रीम डाली, चीनी नहीं। जेसन ने बिना दूध और चीनी के कॉफी ली।
दरवाजे पर एक और दस्तक से एलिसन के आने का संकेत मिला। मैक्स उसे अंदर आने देने के लिए उठा। हम सब अपने पैनकेक खा रहे थे, जेसन और मैं मेज के एक तरफ, ब्रायन दूसरी तरफ और लूसी मेज के सिर पर बैठी थी। एलिसन मैक्स से पहले अंदर आई, उसने लैवेंडर रंग का ट्यूनिक जैसा टैंक टॉप, स्किनी जींस और काले बैले फ्लैट्स पहने हुए थे। उसने अपना काला और चांदी के रंग का ओवरनाइट बैग डाइनिंग रूम के एक कोने में फर्श पर फेंक दिया, फिर ब्रायन के बगल में बैठ गई जबकि मैक्स जेसन के दूसरी तरफ बैठ गया।

जेसन ने अपनी प्लेट में और पैनकेक भर लिए। मुझे नहीं लगता था कि पिशाच इंसानों का खाना खा सकते हैं, या कॉफी पी सकते हैं। शायद यह भी एक मिथक है, मुझे बाद में पूछना पड़ेगा। उसने अपने पैनकेक के ढेर पर मेपल सिरप छिड़का और खाने लगा। ब्रायन को देखकर एलिसन ने मुझे सवालिया निगाहों से देखा और मैंने इशारे से कहा, "बाद में।"
“तो, ये तो काफी बड़ी सभा है,” ब्रायन ने मासूमियत से, हालांकि थोड़ा व्यंग्यपूर्ण लहजे में कहा। “आज शाम आप सबने क्या योजना बनाई है?”
हम सबने घबराकर अपने-अपने साथियों की तरफ देखा।
“स्कूल प्रोजेक्ट,” लूसी ने जवाब दिया।
ब्रायन मुस्कुराया। "स्कूल प्रोजेक्ट? आप सब एक ही कक्षा में साथ पढ़ते हैं?"
अपनी चाल को बचाने की कोशिश में एलिसन ने जवाब दिया, "वे वार्षिक पुस्तक समिति के लिए एक प्रोजेक्ट में मेरी मदद कर रहे हैं।"
ब्रायन के चेहरे पर संदेह का भाव बना रहा, लेकिन पूछताछ यहीं समाप्त हो गई... फिलहाल के लिए।
एलिसन ने विषय बदलने का मौका उठाया। "पैनकेक किसने बनाए?"
मैक्स ने मुस्कुराते हुए अपना हाथ उठाया।
एलिसन हंस पड़ी और अपने सुनहरे बालों में हाथ फेरते हुए बोली, "अरे वाह, ज़ोई खाना बनाने का काम किसी और पर छोड़ देती है।"
“अरे!” मैंने शरारती अंदाज़ में चिल्लाकर कहा। “मैंने मिलाया। यही तो खाना बनाना है।”
एलिसन ने मजाक में कहा, "ओह, वह चम्मच का इस्तेमाल करती है।"
मैंने मुंह फुलाकर अल को घूरा, और सब हंसने लगे। असल में मैं नाराज़ नहीं थी। मेरे खाना बनाने के हुनर का अक्सर मज़ाक उड़ाया जाता था। और वैसे भी, मुझे इसकी ज़रूरत थी। मैं लगभग हर दिन किसी न किसी बात पर अल को परेशान करती थी।
खाना खत्म करने के बाद, मैंने ब्रायन को जल्दी से घर से बाहर निकाला और कहा कि हमें अपने "प्रोजेक्ट" पर काम शुरू करना है। मैं उसे दरवाजे तक ले गया, लेकिन बाहर निकलने से पहले वह मेरी तरफ मुड़ा और बोला, "मुझे जेसन पर भरोसा नहीं है। अगर तुम्हें किसी चीज की जरूरत हो, तो फोन कर देना।"

आह, टेस्टोस्टेरोन का असर दम घोंट रहा था। मैंने अलविदा कहा और दरवाजा बंद कर दिया, तभी मैंने देखा कि जेसन कमरे के दूसरी तरफ से मुझे देख रहा था।
वह जेब में हाथ डाले, एकदम सहज भाव से मेरे पास आया। "बॉयफ्रेंड?" उसने पूछा।
“नहीं, वैसे भी इससे तुम्हारा कोई लेना-देना नहीं है,” मैंने नाक सिकोड़ते हुए कहा और फिर डाइनिंग रूम की ओर चल दी जहाँ बाकी सब लोग अभी भी बैठे थे। मैं बैठ गई तभी जेसन कमरे में आया, उसके चेहरे पर एक छोटी सी संतुष्टि भरी मुस्कान थी।
जेसन मेरे बगल वाली कुर्सी पर बैठ गया और लापरवाही से अपना हाथ मेरी कुर्सी की पीठ पर रख दिया, फिर उस रात की युद्ध योजना बताने लगा। मैं थोड़ा आगे झुक गई ताकि जेसन के हाथ को न छू सकूँ। ये सब क्या था? मैंने सोचा कि शायद जेसन का स्वभाव ही ऐसा है कि वो छूने-छूने में माहिर है। लेकिन फिर भी हर बार जब वो छूता तो मेरी धड़कन इतनी तेज़ क्यों हो जाती थी?
जेसन ने अपनी गहरी नीली आँखों से मेरी ओर देखा। “अगर डैन आ जाए, तो ज़ो, तुम, लूसी और एलिसन को एलिसन की कार में जाना है, खुद को अंदर बंद कर लेना है और गाड़ी चलाना शुरू कर देना है। तब तक मत रुकना जब तक मैं एलिसन के मोबाइल पर कॉल करके तुम्हें वापस आने की सूचना न दे दूं।”
मुझे इस बात पर तुरंत गुस्सा आ गया कि वह हमें भागने के लिए कह रहा था। मैंने किसी तरह खुद को शांत रखा और उसकी बांह पर पीठ टिका ली। भागने से इनकार करने के बजाय, मैंने योजना की दूसरी खामी की ओर इशारा किया। "मेरी माँ का क्या होगा?"
जेसन ने मुंह बनाया। "सॉरी ज़ो, मैं भूल ही गया था।" वह एक पल के लिए रुका और सोचने लगा, "ठीक है, तुम अपनी माँ को बता दो कि डैन चोर है, फिर तुम सब एक साथ घर से बाहर निकल सकते हो। बस हम तुम्हारी माँ को पुलिस को फोन नहीं करने दे सकते।"
मैंने सिर हिलाया। “शायद ये काम कर जाएगा। मेरी माँ आपातकालीन स्थितियों में बिल्कुल भी सहज नहीं होतीं, इसलिए वो शायद वही करेंगी जो हम उनसे कहेंगे।” मैंने एक गहरी साँस ली। उनके सवालों की चिंता बाद में करनी पड़ेगी। ठीक है, ये योजना थोड़ी गड़बड़ थी... लेकिन कुछ न होने से तो बेहतर ही थी।

जेसन मुस्कुराया और मेरी कुर्सी से अपना हाथ हटा लिया। "तो फिर बात पक्की हो गई।"
मुझे यकीन है कि जेसन का मतलब यही था कि हमें भागना चाहिए, लेकिन उसने बस इतना ही कहा था कि "घर से बाहर निकलो।" अब, मैं यह कर सकती थी। मैंने योजना पर अपनी अंतिम सहमति में सिर हिलाया।
हमने जो योजना बनाई थी, उसके कुछ ही देर बाद मेरी माँ नेवी ब्लू रंग के बिजनेस सूट और ऊँची एड़ी के जूते पहने घर आईं; लगता है आज ऑफिस में छुट्टी थी। हम सबको देखकर, उन्होंने मुस्कुराते हुए और कमर पर हाथ रखकर मेरी ओर देखा, मानो मुझसे स्पष्टीकरण की प्रतीक्षा कर रही हों।
मैंने उससे कहा, "स्कूल प्रोजेक्ट।"
"पिज़्ज़ा!" वह चिल्लाई और ऑर्डर देने के लिए लिविंग रूम में चली गई। मैक्स ने हैरानी से मेरी तरफ देखा। "तुम्हारी मम्मी तो कमाल की हैं।"
मैं मुस्कुराया। "हाँ, मुझे लगता है कि वह एक अच्छी साथी है।"
हम सब मेरी माँ को यह कहकर मेरे कमरे में चले गए कि हम अपने प्रोजेक्ट पर काम करने जा रहे हैं। अल और मैक्स मेरे बिस्तर पर अगल-बगल बैठ गए, जबकि हम बाकी लोग मेरे मुलायम बेज रंग के कालीन पर अर्धवृत्त बनाकर बैठ गए।
अब जब हमारे पास इंतज़ार करने के अलावा और कुछ करने को नहीं था, तो हमने स्कूल के बारे में बातचीत शुरू कर दी। बातचीत के दौरान, जेसन उठकर मेरे कमरे में इधर-उधर घूमने लगा और मेरी ड्रेसर पर रखी तस्वीरों और छोटी-मोटी सजावटी चीज़ों को देखने लगा।
मैंने उसे तब देखा जब उसने मेरी माँ द्वारा कैंपिंग ट्रिप पर ली गई मेरी एक तस्वीर उठाई। मैं नौ साल की थी, और अब से भी ज़्यादा दुबली-पतली दिखती थी। मैं एक डंडी पर लगे मार्शमैलो के साथ पोज़ दे रही थी, मेरा मुँह ज़रूरत से ज़्यादा खुला हुआ था। उसने मुस्कुराया, मेरी नज़र को अनदेखा करते हुए। मैंने तुरंत अपना ध्यान वापस बातचीत पर लगाया, लेकिन ज़ाहिर है, मेरा मन भटक गया। मैं जेसन को एक क्रूर हत्यारा नहीं सोच सकती थी, लेकिन वह था, कम से कम एक समय तो ज़रूर। मुझे नहीं पता था कि यह बात मुझे कितना परेशान कर रही थी।
कुछ देर बाद मेरी माँ ने दरवाज़ा खटखटाया। जवाब का इंतज़ार किए बिना, वह कई पिज़्ज़ा के डिब्बे लेकर अंदर आ गईं। उन्होंने मुझे कागज़ की प्लेटों का

एक ढेर दिया ताकि मैं उन्हें बाँट सकूँ, तभी मैक्स और अल भी हमारे साथ ज़मीन पर आकर बैठ गए। मेरी माँ ने डिब्बे हम सबके बीच कालीन पर रख दिए। माँ होने के नाते और मुझे शर्मिंदा करने की ज़िम्मेदारी महसूस करते हुए, वह जेसन के बगल में बैठ गई और अपनी छोटी, अब जींस में लिपटी टांगों को मोड़कर मैक्स और जेसन से सवाल पूछने लगी। मैंने आह भरकर जेसन के दूसरी तरफ वापस बैठ गई। जेसन मेरे चेहरे पर बढ़ती शर्मिंदगी को देखकर मुस्कुराया और मेरी माँ के सभी बेतुके सवालों का विनम्रता से जवाब दिया। मैंने अपनी नज़रें पिज़्ज़ा पर टिकाए रखीं और भौंहें न सिकोड़ने की कोशिश की।
एक बार मेरी माँ ने अपनी हल्के नीले रंग की टैंक टॉप को सीधा किया, एकदम प्रोफेशनल अंदाज़ में आकर हमसे हमारा स्कूल प्रोजेक्ट दिखाने को कहा। हमने उन्हें बताया कि हम अभी भी "विचार-विमर्श के चरण" में हैं और उन्होंने बात वहीं खत्म कर दी। पैंतालीस मिनट बाद, जो बहुत कष्टदायक थे, उन्होंने तय किया कि इस हफ्ते माँ होने का उनका शर्मनाक काम पूरा हो गया है। उन्होंने खाली पिज़्ज़ा के डिब्बे उठाए और हमें "काम पर वापस जाने" के लिए छोड़ दिया।
जब बातचीत खत्म होने लगी, तो विषय मेरे और "गैर-मानव" वाली बात पर आ गया। “तो क्या-क्या संभावनाएं हैं?” एलिसन ने जेसन से पूछा।
जेसन ने मेरी तरफ देखा और फिर जवाब दिया, "ऐसे कई अलौकिक प्राणी हैं जो मनुष्यों के साथ संतान उत्पन्न कर सकते हैं, कुछ दूसरों की तुलना में अधिक दुर्लभ हैं। बहुत से लोगों में बिना जाने ही एल्फ का खून होता है। आजकल शुद्ध एल्फ बहुत दुर्लभ हैं, मुख्य रूप से इसलिए क्योंकि उनकी वंश-परंपरा लगभग पूरी तरह से मनुष्यों के साथ घुलमिल गई है।"
“क्या मैं वही हूँ?” मैंने उम्मीद से बीच में ही टोकते हुए कहा। एल्फ्स नाम सुनने में उतना बुरा नहीं लग रहा था।
जेसन ने सिर हिलाकर मेरी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। "हो सकता है कि आपमें कुछ एल्फ का खून हो, लेकिन मैक्स और मैं गंध से फर्क नहीं बता पाएंगे। आपका गैर-मानवीय खून कहीं अधिक दुर्लभ है।"
मैंने चिढ़कर आह भरी। "जल्दी बोलो।"
जेसन ने आगे कहा, "एक विकल्प तो ओग्रेस हैं, लेकिन मुझे शक है कि आप वही हैं, आप शायद बहुत बड़े होते। दूसरा विकल्प जलमानव हैं।"
“जलमानव?” एलिसन ने अविश्वास से पूछा।

जेसन ने उसे गौर से देखा। “जलमानवों के दो रूप होते हैं। पानी के अंदर वे अपने प्राकृतिक रूप में होते हैं, जो जलपरियों के सामान्य चित्रण से काफी मिलता-जुलता है। ज़मीन पर वे मनुष्यों की तरह दिखते हैं, सिवाय दूसरी पलकों के। किसी कारणवश, वे मानव रूप में भी बनी रहती हैं।”
ठीक है, जलमानव, कल्पित बौनों से थोड़े ज़्यादा परेशान करने वाले थे, लेकिन फिर भी, इतने भयानक नहीं थे। "ऐसा होने की मेरी क्या संभावना है?"
“काफी अच्छा,” जेसन ने जवाब दिया। “जलमानव हमारी सोच से कहीं अधिक आम हैं।” मैंने सिर हिलाया और सब कुछ ध्यान से सुना। "कोई और विकल्प हैं?"
जेसन हिचकिचाया। उसने अपने बालों में हाथ फेरा। यह अच्छा संकेत नहीं था। आखिरकार, वह बोला, "आखिरी विकल्प जो मेरे दिमाग में आया, वह था... राक्षस।" मेरा दिल ज़ोर से धड़कने लगा। गले में अटकी हुई बात को मैंने जैसे-तैसे निगला। "सच में?"
उसने सिर हिलाकर जवाब दिया, "यह उतना असामान्य नहीं है जितना आप सोचते हैं। राक्षस अक्सर मनुष्यों के साथ संबंध बनाते हैं, जिससे आधे राक्षस पैदा होते हैं। राक्षस मनुष्यों जैसे दिख सकते हैं, जैसे जलमानव और दानव। आपकी माँ ने शायद आपके पिता को एक सामान्य व्यक्ति समझा होगा।"
“भेड़ियों के बारे में क्या?” लूसी ने बीच में कहा।
जेसन ने सिर हिलाते हुए कहा, "हम वेयरवोल्फ, वैम्पायर या शाप से उत्पन्न होने वाली किसी भी स्थिति को खारिज कर सकते हैं। ये सभी मनुष्यों के साथ संतान उत्पन्न कर सकते हैं, लेकिन कोई भी अपनी पीड़ा को आगे नहीं बढ़ा सकता।"
जेसन के वैम्पायरों का जिक्र सुनकर मैंने अपनी सांस रोक ली, और इंतजार करने लगी कि लूसी या एलिसन उससे इस विषय पर और सवाल करेंगी। हैरानी की बात यह थी कि दोनों ने वैम्पायरों के जिक्र को सहजता से लिया।
जेसन के जवाब पर लूसी ने सिर हिलाकर सहमति जताई। "चलो, कम से कम कुछ तो पता चला।"
तो, मैं एक राक्षस (संभावना कम), एक जलपरी (बुरा नहीं) या... एक दानव (डर के मारे कांपना) हो सकती हूँ। डर की वह हमेशा मौजूद रहने वाली भावना दस गुना बढ़ गई थी। जैसा कि लूसी ने कहा था, कम से कम हम वेयरवोल्फ और वैम्पायर होने की संभावना को तो खारिज कर सकते हैं, जिसका मतलब यह भी था कि मुझे इस सवाल का जवाब मिल गया कि जेसन वैम्पायर कैसे बना। बस थोड़ी सी तसल्ली।

जब हम उस प्यारे विषय को खत्म कर रहे थे, तभी मेरी नज़र घड़ी पर पड़ी। रात के 9:00 बज गए थे, लड़कों के जाने का समय हो गया था। वे सामने के दरवाजे से निकलकर जेसन की कार को छिपा देंगे। फिर वे मेरे घर वापस आएंगे, चारों ओर चक्कर लगाएंगे और मेरी खिड़की से चुपके से अंदर घुस जाएंगे। जब मैंने उनसे पूछा कि वे मेरी दूसरी मंजिल की खिड़की से कैसे अंदर चढ़ेंगे, तो दोनों शरारती मुस्कान के साथ मेरे कमरे से बाहर चले गए। शायद हमें पता चल ही जाएगा।
लड़कों के चले जाने के बाद एलिसन को लड़कियों वाली बातें करने का मौका मिल गया। "तो ज़ो," उसने शुरू किया, "बताओ ना, तुम्हारे और जेसन के बीच क्या चल रहा है?" उसने मेरी तरफ शरारती मुस्कान के साथ देखा।
मैंने उसे हैरानी भरी नज़रों से देखा। "क्या? कुछ नहीं, तुम क्यों पूछ रही हो?"
एलिसन ने आह भरी, "अरे, रहने दो। नासमझ बनने का नाटक मत करो, तुम दोनों तो बिल्कुल ही बेवजह हो।"
मैंने भी एक गहरी सांस लेते हुए जवाब दिया, "कुछ नहीं एलिसन, बस दोस्त हैं।"
“और ऐसा क्यों है?” उसने आगे पूछा। “क्या यह पिशाच वाली बात है?”
मेरा मुंह खुला का खुला रह गया। एलिसन को कैसे पता चला?
वह मुस्कुराई। "मैक्स ने हमें बताया था।"
वो छोटा चूहा... मतलब भेड़िया। खैर, कम से कम मुझे सबसे आखिर में पता नहीं चला। "तो क्या हुआ अगर ये पिशाच वाली बात है?" मैंने जवाब दिया।
एलिसन ने अपनी बाहें मोड़ लीं और मेरी तरफ ऐसे देखा जैसे मैं बचकाना व्यवहार कर रही हूँ। "किसे परवाह है? अब वो लोगों को मारता तो नहीं है। वो अब अच्छे लोगों में से एक है।"
मैंने गहरी साँस ली। “वर्तमान पर ज़ोर देना ज़रूरी है। सच्चाई तो यही है कि उसने एक समय लोगों की हत्या की थी, और वैसे भी किसने कहा था कि मुझे उसमें दिलचस्पी है?”
“प्लीज़, मैं देख रही हूँ कि तुम उसे कैसे देखती हो,” एलिसन ने पलटवार किया। “और यह बात तो बिल्कुल साफ है कि वह तुम्हें कैसे देखता है।”

तभी खिड़की पर दस्तक हुई और हम सब उसकी तरफ मुड़ गए। लगता है लड़कों ने चारों ओर का मुआयना कर लिया था। शुक्र है, लड़कियों की बातें अब खत्म हो सकती थीं। मैं खड़ी हुई और उनके लिए खिड़की खोल दी ताकि वे अंदर आ सकें। “कौन किसे देख रहा है?” मैक्स ने अंदर आते हुए पूछा। वे सचमुच मेरी दो मंजिला खिड़की तक चढ़ आए थे, हालांकि मुझे यकीन नहीं था कि कैसे। शायद नाले के रास्ते?
सच कहूँ तो, मुझे इस बात की ज़्यादा चिंता थी कि उन्होंने हमारी बातचीत का कितना हिस्सा सुना था। हम तीनों लड़कियों ने बाहें मोड़ लीं और मैक्स को अपने सबसे सख्त चेहरों से घूरने लगीं। उसने हमारी घूरती नज़रों को अनसुना कर दिया और मेरे बिस्तर पर बैठ गया, तभी जेसन उसके पीछे खिड़की से अंदर आ गया।
मैक्स से ध्यान हटाकर मैंने जेसन से पूछा, "क्या कुछ बताने लायक है?"
उसने सिर हिलाया। "कुछ खास नहीं, हमें यार्ड के आसपास कुछ जगहों पर डैन की गंध मिली, इसलिए वह हाल ही में यहां आया था, लेकिन कुछ भी असामान्य नहीं लगा।"
मैंने सिर हिलाया। दरवाजे पर दस्तक हुई। मैंने जल्दी से लड़कों को अलमारी में धकेल दिया और फिर चिल्लाकर कहा, "अंदर आओ!"
मेरी माँ ने अंदर झाँककर देखा कि हम सब मौजूद हैं या नहीं और हमें शुभ रात्रि कहा। उन्होंने धीरे से दरवाजा बंद कर दिया, हमारी घबराहट भरी मुस्कान और धीमी आवाज़ में शुभ रात्रि की परवाह किए बिना।
क्योंकि हममें से ज़्यादातर लोग बहुत कम या बिल्कुल भी नहीं सोए थे, इसलिए हमने बारी-बारी से सोने का फैसला किया। एलिसन, लूसी और मैंने तीनों ने पजामा पहन लिया, जबकि लड़कों ने दिन भर पहने हुए कपड़े ही पहने रहने का विकल्प चुना। मैंने अपनी रोज़ाना की टी-शर्ट और बॉक्सर के बजाय गहरे बैंगनी रंग की कमीज़ और उसी रंग की चेकदार पजामा पैंट पहनी। मैंने खुद से यह मानने से इनकार कर दिया कि मैंने ऐसा जेसन की वजह से किया।
एलिसन और जेसन की पहली ड्यूटी थी। लूसी और मैं बिस्तर पर लेट गए और मेरे मुलायम हरे कंबल में दुबक गए। मैक्स को फर्श पर नारंगी रंग के स्लीपिंग बैग में सोना पड़ा। जेसन ने मेरी डेस्क लैंप जलाई, फिर ऊपर की लाइट बंद कर दी। मैंने आग से रहित सामान्य सपनों की दुआ करते हुए अपनी आँखें बंद कर लीं और सो गई।

अध्याय तेरह
तेज़ बजती अलार्म घड़ी से मेरी नींद खुली। इसका मतलब था कि सुबह के 6 बज चुके थे। जब मैंने उसे बेधड़क पीटकर भी उसकी झुंझलाहट को शांत नहीं किया, तो मैंने तार को दीवार से खींचकर निकाल दिया। मैं आँखें मलते हुए उठा और धुंधली आँखों से अपने कमरे में चारों ओर देखा। ये सब लोग यहाँ क्या कर रहे थे? मेरी नज़र जेसन पर पड़ी, जिसने अपना हाथ मुँह पर रखा हुआ था, मानो मुझ पर हँसने से खुद को रोक रहा हो। अरे हाँ, जेसन, मैक्स, वेयरवुल्फ, वैम्पायर... मुझे अब याद आया। जेसन ने अपनी मुस्कान छुपाने की कोशिश की, लेकिन उसकी आँखों में अभी भी शरारत झलक रही थी।
मैंने उससे बुदबुदाते हुए कहा, "मनोरंजन करके खुशी हुई।"
मैंने अपने कमरे में मौजूद बाकी लोगों पर नज़र डाली। लूसी और एलिसन ने मेरी अलार्म की आवाज़ को अनसुना कर दिया था और अब भी मेरे साथ बिस्तर पर आराम से सो रही थीं। मैक्स इतना भाग्यशाली नहीं था। वह अपने स्लीपिंग बैग से लड़खड़ाते हुए निकला और बाथरूम में घुस गया, दरवाज़ा ज़ोर से बंद कर दिया। मैंने जेसन की तरफ देखा।
उन्होंने कहा, "आज मैं तुम सबको स्कूल छोड़ दूंगा।"
मैंने नींद में सिर हिलाया और पहनने के लिए कुछ ढूंढने बिस्तर से उठ गई। जेसन मुझे देखता रहा जब मैं अपनी अलमारी में टंगी हुई कमीज़ों में से एक को चुन रही थी, और आखिर में मैंने सामने की तरफ धुंधले स्टार वार्स लोगो वाली एक सादी, गहरे भूरे रंग की टी-शर्ट पर अपनी नज़रें जमाईं। मैं एक साफ जींस ढूंढ रही थी कि मैक्स बाथरूम से बाहर आ गया। वह खिड़की की तरफ गया, उसे खोला, धक्का देकर खोला और फिर कूद गया, और मेरा मतलब है, बहुत ज़ोर से कूदा, मेरी दूसरी मंज़िल की खिड़की से बाहर। हाँ, मुझे इस अलौकिक चीज़ की आदत इतनी जल्दी नहीं पड़ने वाली थी।
जेसन ने मुझे आखिरी बार मुस्कुराकर देखा और फिर मैक्स के पीछे-पीछे चला गया। मैं खिड़की के पास गई और बाहर ज़मीन की तरफ देखा। मैक्स और जेसन पहले ही नज़रों से ओझल हो चुके थे। बहुत अजीब बात थी।
मैं बिस्तर पर वापस गई और एलिसन और लूसी को जगाया, जिससे वे काफी नाराज़ हुईं। हम सबने जल्दी से नहाया और कपड़े पहने। खुली खिड़की से आती ठंडी हवा के झोंके ने मुझे अपनी गहरे हरे रंग की हुडी पहनने की याद दिला दी, फिर

मैंने एलिसन को मेकअप करते हुए देखा। उसने गहरे हरे रंग का ब्लाउज़ पहना था जो सामने से थोड़ा ढीला था, मुझे कभी पता नहीं चला कि इस तरह के ब्लाउज़ को क्या कहते हैं, और एक बेज रंग की मिनी-स्कर्ट और घुटनों तक ऊँचे, गहरे भूरे रंग के चमड़े के बूट पहने थे। मैंने उससे पूछा कि क्या जेसन ही पूरी रात पहरा दे रहा था।
“पिशाच सोते नहीं हैं,” उसने जवाब दिया। एक बेवकूफी भरा सवाल पूछो।
हम नीचे रसोई में गए और सीधे कॉफी बनाने वाली मशीन की ओर बढ़े। मेरी माँ ने मेरे लिए आधी कॉफी छोड़ी थी। मैंने अपने ट्रैवल मग में जितनी आ सकती थी उतनी कॉफी भरी, फिर स्कूल जाते समय खाने के लिए कुछ ढूंढने के लिए पेंट्री में गई। लगता है नाश्ते में फिर से ग्रैनोला बार ही मिलेंगे। मैंने लूसी और एलिसन को एक-एक ग्रैनोला बार दिया और अपना ग्रैनोला बार अपनी हुडी की आगे वाली जेब में रख लिया।
हम घर के सामने वाले दरवाजे से बाहर निकले तो देखा कि जेसन की कार हमें स्कूल ले जाने के लिए इंतज़ार कर रही थी। मैंने लूसी और एलिसन के विरोध के बिना ही आगे की सीट हथिया ली। मुझे महसूस हो रहा था कि वे मुझे देख रही हैं और इंतज़ार कर रही हैं कि मैं जेसन के साथ कैसा व्यवहार करूंगी। मैं उसे निहारना चाहती थी, लेकिन उन्हें यह तसल्ली नहीं देना चाहती थी। गर्लफ्रेंड्स... उनके साथ रहना भी मुश्किल है और उनके बिना रहना भी। फिलहाल तो मैं उनके बिना रहना ही बेहतर समझ रही थी। मैंने बस उसे छुपकर देखने में ही संतोष कर लिया। उसने कल वाले कपड़े ही पहने हुए थे, लेकिन टी-शर्ट उस पर इतनी अच्छी लग रही थी कि मुझे कोई फर्क नहीं पड़ा। मैंने अपना मग एक कप होल्डर में रखा और धीरे-धीरे अपना ग्रैनोला बार खोलने लगी, बातचीत शुरू करने से पहले मैंने खुद को रोक लिया। जेसन ने कार स्टार्ट की और हम चल पड़े।
छोटी सी यात्रा का ज़्यादातर समय खामोशी में बीता। मैं यूँ ही रेडियो चला रहा था, बस समय बिताने के लिए, शेल्बी में साफ़ सुनाई देने वाले कुछ रेडियो स्टेशनों को बदल-बदल कर सुन रहा था। जैसे ही हम स्कूल के पास पहुँचे, एलिसन और लूसी लगभग कार से कूद पड़ीं, मुझे जेसन के साथ अकेला छोड़कर। यह एक सोची-समझी चाल लग रही थी, और शायद थी भी। आह।
मैंने उससे पूछा, "आज का क्या प्लान है?"

उसने मेरी तरफ ध्यान दिया। “मैं स्कूल के आसपास ही रुककर यह सुनिश्चित करूँगा कि डैन, मेरे या मैक्स के बिना लूसी तक न पहुँच पाए। जब आप लोग स्कूल से निकलेंगे तो मैं आप सबको ले लूँगा।”
“तुम क्लास में नहीं आ रहे हो?”
जेसन मुस्कुराया और सिर हिलाया। "मैं कोई छात्र नहीं हूँ।"
इससे मुझे एक और सवाल याद आया जो मैं उनसे पूछना चाहता था। "आखिर आपने मेरी अंग्रेजी क्लास में रजिस्ट्रेशन कैसे कराया और दाखिला कैसे लिया?"
"मुझे अपने सारे रहस्य उजागर नहीं करने चाहिए," उसने अपनी भौहें हिलाते हुए जवाब दिया।
मैंने उसे एक सौम्य मुस्कान दी, फिर एक ऐसी मुस्कान के साथ कार से बाहर निकल गई जिसे मैं रोक नहीं पाई।
मैं अपनी पहली क्लास में गई, और उसके बाद दिन धीरे-धीरे बीतता गया। दोपहर के भोजन तक डैन का कोई अता-पता नहीं था। मैं एलिसन और लूसी से मिली और हम अपनी रोज़ वाली टेबल पर बैठ गए। मैंने उनसे पूछा, "कोई खबर देनी है क्या?" दोनों ने मुझे शरारती मुस्कान दी। एलिसन ने कहा, "हम भी आपसे यही सवाल पूछने वाले थे।"
मैंने उन्हें हैरानी से देखा।
"तुम और जेसन ने किस बारे में बात की?" लूसी ने मुस्कुराते हुए बीच में टोकते हुए कहा।
“हमने बस मौजूदा मुद्दे पर चर्चा की, इससे ज़्यादा कुछ नहीं,” मैंने नाक चढ़ाते हुए जवाब दिया। मेरे इनकार से उनकी मुस्कुराहट में कोई कमी नहीं आई। अब विषय बदलने का समय था।
मैंने लूसी की तरफ देखा। “आज तुम कैसा महसूस कर रही हो? क्या तुम्हें कुछ अलग सा लग रहा है?”
लूसी कुछ पल चुपचाप सोचती रही, अनजाने में अपने हल्के बैंगनी स्वेटर को ठीक करती रही, फिर बोली, “मुझे नहीं पता। मैं बदलाव ढूंढती रहती हूँ, लेकिन मुझे लगभग वैसा ही महसूस होता है। मैक्स ने कहा था कि मेरी इंद्रियाँ तेज़ हो जाएँगी, लेकिन मुझे ऐसा कुछ महसूस नहीं हुआ। शायद इसमें समय लगता है। तुम्हारा क्या हाल है? क्या तुमने अपनी ‘रहस्यमय उत्पत्ति’ के बारे में कोई विचार बनाया है?”

मैंने आह भरी। “इस बारे में बात ही न करें। मुझे इसके बारे में सोचने का समय ही नहीं मिला है। और अगर मिल भी जाए, तो मुझे नहीं लगता कि मैं अकेले कुछ हल निकाल पाऊँगी।”
एलिसन और लूसी दोनों ने मेज की ओर देखा।
एलिसन ने अपनी नज़रें मेरी तरफ़ घुमाईं। “तुम अपनी माँ से पूछ सकती हो। शायद उन्हें बता दो कि तुम अपने पापा को ढूँढ़ना चाहती हो, बस उनसे मिलने के लिए। तुम्हें बस उनका नाम चाहिए। हम उन्हें ढूँढ़ लेंगे और खुद उनसे पूछ लेंगे।”
मैंने फिर से आह भरी। “शायद हम कोशिश कर सकते हैं, मुझे शक है कि मेरी माँ मुझे उसका नाम बताएगी। वह तो मानो कभी थी ही नहीं। अगर मैं मान भी लूँ, तो शायद वह मुझे यह भी कह दे कि मैं टेस्ट-ट्यूब बेबी थी या कुछ और। साथ ही, मुझे पक्का नहीं पता कि मैं उससे मिलना चाहूँगी या नहीं, भले ही सिर्फ़ कुछ सवालों के जवाब पाने के लिए ही क्यों न हो।”
अब मेरी बारी थी उस हल्के सफेद रंग की मेज को देखने की। मैंने अपना ध्यान भटकाने के लिए मेज पर सालों से लोगों द्वारा उकेरी गई तरह-तरह की चीजों को पढ़ना शुरू किया। मैंने अपनी उंगली से लकड़ी पर गहराई से उकेरे गए एक तारे को छुआ। हमारा स्कूल या तो नई मेजें खरीदने में कंजूस था, या फिर इतना समझदार था कि जानता था कि नई मेजें कुछ ही हफ्तों में उकेर दी जाएंगी। धिक्कार है उस किशोरावस्था की बेचैनी पर।
“तो आज स्कूल के बाद क्या प्लान है? एक और स्लीपओवर पार्टी?” एलिसन ने मेरा ध्यान अपनी ओर खींचते हुए पूछा।
एलिसन जब चाहे तब रुक सकती है। उसके माता-पिता उस पर ज़्यादा नियम-कानून नहीं लगाते। वह लगभग हर काम अपनी मर्ज़ी से करती है।
मुझे खुशी हुई कि अब यह विषय मुझसे दूर हो गया है, इसलिए मैंने जवाब दिया, "मुझे बस इतना पता है कि जेसन स्कूल के बाद हमें लेने आ रहा है। उसने कहा कि वह पता लगाने की कोशिश करेगा कि डैन क्या कर रहा है, इसलिए मुझे लगता है कि हमारी योजना इसी के आधार पर होगी।"
लूसी चिंतित लग रही थी। "मुझे नहीं लगता कि मेरे माता-पिता मुझे एक और रात बाहर रहने देंगे, और यह भी संदेह है कि वे किसी को भी अपने घर पर रुकने देंगे।"

हम्म, दुविधा में हूँ। "मुझे नहीं पता," मैंने कहा। "हम कोई न कोई रास्ता निकाल लेंगे।"
घंटी बजी। जिम जाने का समय हो गया था, दोपहर के भोजन के अलावा यही एक अच्छी बात थी। ऐलिसन और मैंने लूसी को अलविदा कहा और जिम की ओर चल पड़े।
मिच के अनुसार आज जिम का प्लान छुट्टी का दिन था। छुट्टी का दिन? ये छुट्टी का दिन भला क्या होता है? मिच का जिम टीचर का लाइसेंस तो कब का रद्द हो जाना चाहिए था। मिच के ये ऐलान करने पर कि हम जिम के समय में जो चाहें कर सकते हैं, बस शर्त ये है कि वो शारीरिक शिक्षा से संबंधित हो, एलिसन के चेहरे पर मुस्कान छा गई। एलिसन और मैं लॉकर रूम में गए और जिम के कपड़े पहन लिए। जैसे ही हम लॉकर रूम से बाहर निकले, हमें संदिग्ध दिखने वाला ब्रायन मिला। उसने तिरछी नज़रों से मेरी तरफ देखा और बाहें मोड़ते हुए, जासूस की तरह दिखते हुए पूछा, "मैडम, क्या आप कुछ विस्तार से बता सकती हैं?"
मैंने व्यंग्य भरे लहजे में जवाब दिया, "ब्रायन, तुम किस बारे में बात कर रहे हो?"
उन्होंने आगे कहा, “तुम समझ रहे हो ना मेरा मतलब? कल वे लोग तुम्हारे घर पर क्या कर रहे थे? क्या तुमने अचानक अपने दोस्तों का दायरा बढ़ाने का फैसला किया?”
मैंने प्यारी सी मुस्कान के साथ सिर हिलाया।
उन्होंने आगे कहा, “नहीं, संदेह है, बहुत संदेह है। हम्म, मुझे फिर से अनुमान लगाने दीजिए। आप एलियंस से जुड़ी एक बेतरतीब साजिश में शामिल हैं, और जेसन नाम का वह किरदार एक बागी एफबीआई एजेंट है जो जनता के सामने सच्चाई उजागर करने निकला है। हाँ, यह एलेक्सोंड्रा मेयर्स के नए दोस्त बनाने की कोशिश करने से कहीं अधिक संभावित लगता है।”
ठीक है, तो ज़ाहिर है कि वह इसे जाने नहीं देने वाला था। एक हताश आह भरते हुए मैंने समझाया, "हमें उस नए लड़के, डैन, से कुछ परेशानी हो रही है, और जेसन और मैक्स यह सुनिश्चित करने के लिए आसपास मंडरा रहे हैं कि वह हमें परेशान न करे, बस इतना ही।"
ब्रायन को बुरा लगा। "तुमने मुझसे क्यों नहीं पूछा? मैं तो बिल्कुल बगल में ही रहता हूँ, और मुझे उम्मीद है कि तुम मुझ पर उस आदमी से ज़्यादा भरोसा करोगी जिससे तुमने मुश्किल से ही बात की है और जिससे तुम अभी-अभी मिली हो।"

झूठ गढ़ते समय मैंने इस बात पर ध्यान नहीं दिया था। उसकी भावनाओं को शांत करने के प्रयास में, मैंने एक और झूठ बोला। "लूसी मैक्स को डेट कर रही है, इसलिए मैक्स ने हमारी देखभाल करने की ज़िम्मेदारी ली है। मैक्स जेसन को भी मदद के लिए साथ लाया है।"
एलिसन ने मुझे ऐसे देखा जैसे कह रही हो, ‘क्या तुम पागल हो?’ हाँ, तो मैं झूठ बोलने में उतनी माहिर नहीं हूँ। क्या यह अच्छी बात नहीं है? मुझे बस यही उम्मीद करनी थी कि लूसी को पता न चले, वरना मुझे बहुत डांट सुननी पड़ेगी। ब्रायन इतनी आसानी से संतुष्ट नहीं हुआ, उसने आगे कहा, "जेसन तुम्हारे प्रति बहुत ज्यादा अधिकार जता रहा था, जबकि तुम मैक्स द्वारा लाए गए एक साधारण दोस्त थे। जब तक मैं वहाँ था, वह लगभग हर समय तुम्हारी सुरक्षा कर रहा था।"
मेरे पास झूठ बोलने के लिए कुछ नहीं बचा था, इसलिए मैंने अनजान होने का नाटक किया और कहा, "ओह, उम, मैंने ध्यान नहीं दिया था।"
ब्रायन को देखकर ऐसा नहीं लग रहा था कि उसे मेरी बात पर यकीन हो रहा है, लेकिन उसने बात को जाने दिया। मुझे लगा कि बात बस कुछ देर के लिए ही रुकी है। ब्रायन ने एक बास्केटबॉल उठाई और मेरी तरफ देखकर खाली पड़े घेरे की तरफ इशारा किया। ब्रायन और मैं एक-दूसरे के साथ खेलने चले गए, जबकि एलिसन हमें देखती रही।
दिन का बाकी हिस्सा मेरी उम्मीद से कहीं ज्यादा जल्दी बीत गया। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मुझे स्कूल से घर जाने में इतनी हिचकिचाहट होगी। स्कूल का दिन खत्म होते ही हमारा ध्यान वापस वेयरवोल्फ से जुड़ी बातों पर केंद्रित हो गया।
एलिसन और मैं अपनी आखिरी क्लास से निकलकर स्कूल के प्रवेश द्वार की ओर बढ़े तो देखा कि लूसी हमेशा की तरह बाहर नहीं बल्कि दरवाज़े के ठीक अंदर मेरा इंतज़ार कर रही थी। मुझे खुशी हुई कि वह सतर्क थी। मैंने उसका हाथ पकड़ा और हम तीनों पार्किंग की ओर चल पड़े, अपने भाग्य से मिलने के लिए।

अध्याय चौदह
जेसन पार्किंग में हमारा इंतज़ार कर रहा था, अपनी शानदार कार के बोनट पर आराम से बैठा हुआ। उसने काली पैंट, गहरे नीले रंग का ऊनी कोट और गहरे नीले रंग की बटन वाली कमीज़ पहनी हुई थी, जिससे उसकी नीली आँखें और भी निखर रही थीं। हमेशा की तरह उसके बाल बिखरे हुए थे, जो उसके साफ-सुथरे कपड़ों से बिल्कुल अलग लग रहे थे।
जैसे ही हम पास पहुँचे, जेसन ने एक टेढ़ी मुस्कान दी। वह ड्राइवर की तरफ का दरवाज़ा खोलने के लिए उछल पड़ा... या कम से कम मुझे ऐसा ही लगा। लेकिन इसके बजाय वह सामने वाली यात्री सीट की तरफ गया और दरवाज़ा खोलकर मेरी तरफ उम्मीद भरी नज़रों से देखने लगा।
हैं? “क्या, मैं गाड़ी चला रहा हूँ या कुछ और?” मैंने पूछा।
“नहीं, मैं हूँ।” वह बस मुस्कुराते हुए वहीं खड़ा रहा।
मैं उसे अवाक होकर देखती रही। जेसन ने आह भरी और हाथ से खाली यात्री सीट की ओर इशारा किया। मैं धीरे-धीरे कार की ओर बढ़ी और उसके सामने खड़ी हो गई, अभी भी समझ नहीं पा रही थी... ठीक है, शायद मैं कभी-कभी थोड़ी धीमी हूँ। वह दरवाजे से पीछे हट गया और मेरी ओर मुस्कुराता रहा, हालाँकि अब उसकी मुस्कान में थोड़ी घबराहट और अधीरता झलक रही थी। मैंने उसकी ओर पीठ कर ली और धीरे से कार में बैठ गई। उसने मेरे पीछे धीरे से दरवाजा बंद किया और ड्राइवर की सीट की ओर वापस चला गया।
बातचीत के दौरान लूसी और एलिसन दोनों पीछे की सीट पर बैठ गईं। मैंने उनकी तरफ देखा तो उनके चेहरे पर शरारती मुस्कान थी। अब तो मुझे इस बात से कभी छुटकारा नहीं मिलेगा। कभी नहीं।
जेसन ड्राइवर की सीट पर बैठ गया और उसने अपना दरवाज़ा बंद कर लिया। वह खुद से काफी खुश लग रहा था, घबराहट गायब हो गई थी। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि उसकी यह बहादुरी सच्ची थी या सिर्फ एक मज़ाक। और मुझे यह जानने की इच्छा भी नहीं थी।
जेसन ने कार स्टार्ट की और निकल पड़ा। हम चुपचाप मेरे घर की ओर चल पड़े। हमेशा की तरह चुप्पी तोड़ने की कोशिश करते हुए मैंने जेसन से पूछा, "क्या आज तुम्हें कुछ पता चला?"

उसने सड़क से नज़र हटाकर मेरी तरफ एक पल के लिए देखा, फिर मुड़कर बोला, “मुझे डैन का कोई सुराग नहीं मिला। उसकी गंध पूरे शहर में फैली है, लेकिन शेल्बी से दूर कहीं नहीं जा रही। मेरा अनुमान है कि या तो वह शहर से बाहर चला गया है, या कहीं छिपा हुआ है। मुझे लगता है कि वह छिपा हुआ है। वह लूसी के बिना जाने का इरादा नहीं रखता।”
एलिसन ने अपना सिर जेसन और मेरे बीच टिका दिया, उसके सुनहरे बाल कंधों पर लटक रहे थे। "तो क्या हुआ? हमें बस उसके आने का इंतज़ार करना होगा?"
जैसन ने सड़क पर नज़र रखते हुए जवाब दिया, "मैक्स डैन के छिपने की जगह का पता लगाने की कोशिश कर रहा है। मैं आप तीनों के साथ ही रहूंगा, ताकि अगर वह लूसी के लिए आने की कोशिश करे तो मैं आपको बचा सकूं।"
मैंने हाथ बांध लिए और मुंह फुला लिया। “तुम ही हमारे साथ क्यों रहोगे, जबकि मैक्स को पूरे शहर में भटकना पड़ता है?” शायद जेसन ने दरवाजे के साथ जो शरारत की थी, उससे मैं थोड़ी नाराज़ थी। क्या इसमें मेरी कोई गलती है? मुझे अब भी यकीन नहीं था कि वह मेरे साथ मज़ाक कर रहा था या नहीं।
उसने मुझे थोड़ी नाराज़गी भरी नज़र से देखा। "मैक्स की सूंघने की क्षमता मुझसे कहीं बेहतर है, और डैन से तुम्हारी रक्षा करने की मेरी संभावना मैक्स से कहीं अधिक है।"
मैं उस तर्क से असहमत नहीं हो सकता था, हालांकि मैं ऐसा करना चाहता था।
हम मेरी ड्राइववे में पहुंचे और कार से बाहर निकल गए।
“तुम्हारी माँ कहाँ है?” लूसी ने मुझसे पूछा।
"मैं भूल ही गया था कि वह आज वाशिंगटन में पक्षियों पर कुछ अध्ययन करने गई है, सौभाग्य से, इसलिए हमें सबको बुलाने के लिए कोई और बहाना ढूंढने की चिंता नहीं करनी पड़ेगी।"
मैं दरवाजा खोलने के लिए आगे बढ़ा और जेसन मेरे बगल में आकर खड़ा हो गया, अंदर जाने वालों की कतार में सबसे पहले। उसने ज़िद की कि डैन के घात लगाकर बैठे होने की आशंका में वह हमसे पहले अंदर जाएगा। वह अंदर गया और किसी भी तरह की गड़बड़ी के संकेत ढूंढने के लिए सभी कमरों की जाँच करने लगा।
मैं रसोई में चली गई, एलिसन और लूसी को लिविंग रूम में टीवी देखने के लिए छोड़ दिया। मेरी माँ ने रसोई के काउंटर पर पिज्जा के पैसे और एक नोट रखा था, जिसमें यही लिखा था। नोट में यह भी साफ-साफ लिखा था कि उनके जाने के बाद मैं लड़कों को घर पर न बुलाऊं। अब तो बहुत देर हो चुकी थी। खैर, जैसा कि

कहावत है, जो उन्हें पता नहीं चलता, उससे उन्हें कोई नुकसान नहीं होता। मुझे अपनी माँ से जो चीजें छुपानी पड़ती थीं, उनकी सूची दिन-रात बढ़ती जा रही थी। मुझे इस बात का थोड़ा दुख हुआ। मैं तो लगभग हर बात उनसे बाँटने की आदी थी।
मैंने दीवार पर लगे स्टैंड से पोर्टेबल फोन उठाया और इरविन के रेस्टोरेंट में दो एक्स्ट्रा लार्ज पिज्जा ऑर्डर किए: एक पेपरोनी और एक मशरूम। फोन रखते ही जेसन मेरे पीछे रसोई में आ गया। मैंने उससे नज़रें हटाईं और देखा कि खिड़की में गमले में लगा अफ्रीकी वायलेट थोड़ा मुरझाया हुआ लग रहा था। मैंने उसे खिड़की से उठाया और नल के नीचे पानी देने के लिए रख दिया, जेसन की मौजूदगी को नज़रअंदाज़ करते हुए।
“सब ठीक है?” मैंने बिना ऊपर देखे पूछा। मैंने तिरछी नज़र से देखा कि उसने सिर हिलाया और बाहें मोड़े मुझे घूर रहा था। “क्या?” मैंने चिड़चिड़ाते हुए पूछा, पौधा नीचे रखकर सीधे उसकी ओर देखते हुए।
“क्या मैंने कुछ गलत किया? आप तो… शत्रुतापूर्ण लग रहे हैं।”
आह भरते हुए मैंने पूछा, "दरवाजे वाली उस हरकत का क्या मतलब था? क्या तुमने मुझे शर्मिंदा करने के लिए ही ऐसा किया था?"
जेसन अचंभित सा लग रहा था। उसने कुछ पल तक आँखें फाड़कर मेरी तरफ देखा और फिर जवाब दिया, "क्या एक लड़के को ऐसा ही नहीं करना चाहिए, जब वह किसी लड़की को रिझाने की कोशिश कर रहा हो?"
वाह! क्या वो मुझे रिझाने की कोशिश कर रहा था? मुझे इतनी हंसी आ रही थी कि गुस्सा करना नामुमकिन था। मैंने अपनी हंसी रोकने की कोशिश की, पर नाकाम रही। "उम, वैसे तो मुझे कभी किसी ने रिझाया नहीं है, लेकिन मैं अपने दरवाजे खुद खोलने में पूरी तरह सक्षम हूं। वैसे भी, तुम्हें मुझे रिझाने की इजाज़त किसने दी?"
उसने हठपूर्वक जबड़े कसते हुए मेरी ओर देखा। "खैर, मुझे खेद है कि आपको कभी किसी ने रिझाया नहीं, लेकिन मुझे भी रिझाने का प्रयास किए हुए बहुत समय हो गया है। मुझसे यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि मैं पहली कोशिश में ही सफल हो जाऊँगा।"
मैं फिर से हंसने लगी, हंसी रोकना नामुमकिन था। जेसन ने अपनी बाहें मोड़ लीं और चिड़चिड़ेपन भरे चेहरे से मुझे घूरने की कोशिश की। मैं हंसती रही। जब उसे स्थिति की बेतुकीपन का एहसास हुआ, तो उसके चेहरे पर धीरे-धीरे उसकी

वो टेढ़ी मुस्कान आ गई, फिर वो भी मेरे साथ हंसने लगा। देखते ही देखते हम दोनों इतना ज़ोर से हंस रहे थे कि सांस लेना मुश्किल हो रहा था।
“यहाँ क्या हो रहा है?” एलिसन ने बीच में ही टोकते हुए कहा। वह रसोई में आकर जेसन और मेरे सामने बांहें मोड़कर खड़ी हो गई और गुस्से में भरे माता- पिता की तरह टाइल वाले फर्श पर पैर पटकने लगी।
“वाह!” मैंने खुशी से कहा, मेरी आँखों से आंसू बह रहे थे, जिससे जेसन और मेरी हंसी और भी बढ़ गई। एलिसन ने झुंझलाहट भरी आवाज निकाली और हाथ हवा में लहराते हुए वापस लिविंग रूम में चली गई। हमारी हंसी धीरे-धीरे कम होने लगी और हम एक-दूसरे को देखकर मुस्कुराने लगे।
मैंने कहा, "मुझे खेद है। यह लुभाने का एक बहुत अच्छा प्रयास था।"
“अरे नहीं,” जेसन ने व्यंग्यपूर्वक उत्तर दिया, “अब इसे ठीक नहीं किया जा सकता।” वह मुड़ा और मुस्कुराते हुए रसोई से बाहर बैठक कक्ष की ओर चल पड़ा। मैं एक मिनट और रसोई में रुकी रही, अपने चेहरे पर मुस्कान रोकने की कोशिश करती रही। मुझे उस पिशाच के लिए भावनाएँ नहीं रखनी चाहिए। हाँ ज़ो, खुद को यही समझाती रहो।
मैंने खिड़की से बाहर देखा और ब्रायन को ग्रे रंग के ट्रैकसूट पहने फुटबॉल अभ्यास से घर आते हुए पाया। उसे भी हम जैसे बदकिस्मत लोगों की तरह पैदल ही घर आना पड़ा, जिनके पास कार नहीं थी। वह अपने घर के सामने रुका और देखा कि जेसन की कार मेरे घर के सामने खड़ी है। उसने कार को घूरकर देखा और अपने घर में चला गया।
माथे पर शिकन लिए मैं बैठक कक्ष में बाकी लोगों के पास चला गया।
एलिसन ने कई बोर्ड गेम निकाले और उन्हें कॉफी टेबल पर फैला दिया। "अपनी पसंद का गेम चुन लो," उसने लूसी और जेसन से कहा। उनके जवाब देने से पहले ही, एलिसन मेरी तरफ मुड़ी। "क्या हुआ?" उसने मेरे उदास चेहरे को देखकर पूछा। मैंने निराशा से सिर हिलाया। "कुछ नहीं। मैं स्क्रैबल के लिए वोट करता हूँ।"
एलिसन ने स्क्रैबल का डिब्बा उठाया और कॉफी टेबल पर बोर्ड लगाने लगी। लूसी डिब्बे में रखी छोटी-छोटी अक्षर वाली टाइलों को उल्टा करने लगी क्योंकि जिस थैली में उन्हें रखना था वह बहुत पहले ही खो गई थी।
"मैक्स यहाँ है," जेसन ने मैक्स के दरवाजे पर दस्तक देने से ठीक पहले कहा।

मैं दरवाजे तक गया और उसे अंदर आने दिया। मैंने पूछा, "क्या तुम्हें कुछ मिला?"
मैक्स ने सिर हिलाया। “डैन हर जगह गया है। उसने अपनी गंध हर जगह फैला दी है। मुझे उसका कोई पक्का सुराग नहीं मिल रहा है।”
जेसन ने बीच में कहा, "मुझे यही उम्मीद थी। वह छुपकर मौके की तलाश में है।" “उम,” मैक्स ने कहना शुरू किया, “मुझे कुछ और मिला है।”
हम सभी उम्मीद भरी निगाहों से मैक्स की ओर देख रहे थे।
“अन्य गंधें। शहर में और भी भेड़िये हैं।”
मैंने पूछा, "क्या ये डैन का पुराना गिरोह हो सकता है, जो उसे ढूंढने की कोशिश कर रहा हो?"
“मुझे नहीं लगता,” जेसन ने जवाब दिया। “झुंड ज़्यादा यात्रा नहीं करते। वे दूसरे झुंड के इलाके में घुसने का जोखिम नहीं उठाना चाहते। इसीलिए उन्होंने मुझे काम पर रखा है।” वह एक पल के लिए सोचने के लिए रुका। “क्या आप बता सकते हैं कि कितने हैं?”
“डैन के अलावा दो,” मैक्स ने जवाब दिया। “कम से कम, मुझे तो इतनी ही गंध महसूस हुई।”
मैंने पूछा, “हम क्या करें?”
“हम अपनी तरफ से पूरी कोशिश करेंगे,” जेसन ने जवाब दिया। “इंतजार करो।”
तो ऐसा लग रहा था कि हमें डैन और शायद दूसरों के हमारे पास आने का इंतज़ार करना पड़ेगा। घात लगाकर बैठना अच्छा लगता है... या नहीं।
मैंने मैक्स के पीछे दरवाजा बंद करना शुरू किया, तभी मैंने देखा कि ब्रायन हमारी तरफ आ रहा है। कसम से, वो कुत्ते के बच्चे से भी ज्यादा बदतमीज था। मैं बाहर गई और दरवाजा बंद कर लिया। मुझे महसूस हो रहा था कि जल्द ही हमारा उससे झगड़ा होने वाला है। ब्रायन गुस्से में मेरी तरफ बढ़ा। उसने सफेद टी- शर्ट और जींस पहन रखी थी।
वह मेरे ठीक सामने आकर रुक गया, हाथ बांधे हुए। “ज़ोई, मैं तुम्हारी कहानी के बारे में सोच रहा था, और सच कहूँ तो, मुझे उस पर ज़रा भी यकीन नहीं है। हम बहुत पुराने दोस्त हैं, और अगर तुम किसी मुसीबत में हो, तो मुझे जानने का हक है। मैं तुम्हारी मदद कर सकता हूँ।” उसने मुझे थोड़ी विनती भरी नज़र से देखा, जो कुछ ही पलों में उसके गुस्से में बदल गई।

मुझे समझ नहीं आ रहा था कि वो इतना गुस्सा क्यों था। मतलब, उसे नज़रअंदाज़ किए जाने पर थोड़ी जलन तो समझ में आती थी, लेकिन इतना गुस्सा करना बिल्कुल बेवजह था। मर्द हमेशा कहते हैं कि औरतों को समझना कितना मुश्किल होता है, पर उन्होंने मेरी ज़िंदगी के मर्दों से मुलाकात नहीं की थी, वो तो किसी भी औरत को टक्कर दे सकते हैं।
मैंने उसे खाली निगाहों से देखा, अपने जवाब पर विचार किया, फिर अचानक मेरे मुंह से शब्द निकल गए। "मुसीबत खत्म हो गई। डैन शहर छोड़कर चला गया, जेसन और मैक्स बस घूमने आए थे।"
ब्रायन को यकीन नहीं हुआ, लेकिन मुझे उससे ऐसी उम्मीद भी नहीं थी। उसने झुंझलाहट भरे अंदाज़ में अपने बालों में हाथ फेरा, जिससे उसके छोटे घुंघराले बाल और भी फूल गए। उसने ठंडे लहजे में कहा, "ज़ोई, तुम हमेशा से ही बहुत बुरी झूठी रही हो।"
उसकी आंखों में आंखें डालकर, मैंने भी उतनी ही ठंडेपन से जवाब दिया, "आप मुझसे क्या कहना चाहते हैं?"
ब्रायन ने सिर हिलाया और मुझे पीछे छोड़ते हुए दरवाजे की ओर बढ़ गया। मेरा अपराधबोध तुरंत गुस्से में बदल गया। मुझे उसे कोई स्पष्टीकरण देने की ज़रूरत नहीं थी! उसकी हिम्मत कैसे हुई! मैं उसके पीछे भागा और जैसे ही वह दरवाज़े का हैंडल पकड़ने वाला था, मैंने उसे पकड़ लिया।
मैंने हाथ बढ़ाकर उसका हाथ पकड़ लिया, इससे पहले कि वह दरवाज़े का हैंडल घुमा पाता। सब कुछ धीमी गति में होने लगा। दर्द से चीखते हुए वह मुझसे दूर हट गया। मैं उसकी प्रतिक्रिया से हैरान होकर उसे देखता रहा। फिर मेरी नज़र उसकी बांह पर पड़ी। उसकी कलाई पर मेरे हाथ के आकार का एक फफोला था। मैं उसे हैरानी से देखता रहा। मेरी नज़र धुंधली होने लगी। आखिरी चीज़ जो मैंने देखी, वह ब्रायन के चेहरे पर खौफ था। मुझसे डरा हुआ। फिर ज़मीन मेरे सामने आ गिरी।
मेरी नींद खुली तो ऊपर गहरी नीली आँखें थीं। रुको, क्या ऐसा पहले भी हो चुका था? आँखें एक पल के लिए गायब हो गईं, फिर मैंने महसूस किया कि जेसन मुझे अपनी गोद में खींच रहा है। उसने मुझे अपनी छाती से टिका लिया ताकि मैं सीधा बैठ सकूँ। मेरे हाथ-पैर फ्लू जैसी कमजोरी से दर्द कर रहे थे। मैं हिल नहीं पा रही थी। मेरी नज़र धुंधली पड़ रही थी। जेसन ने अपने हाथों को मेरी बाहों पर ऊपर-नीचे फेरा, जैसे किसी को गर्म करने के लिए किया जाता है।

हम मेरे घर के सामने खड़े थे। लूसी, एलिसन और मैक्स भी बाहर आ गए थे। ब्रायन थोड़ी दूरी पर खड़ा अपनी कलाई पकड़े हुए था।
“हमें उसे कुछ बातें बतानी थीं,” एलिसन ने ब्रायन की ओर इशारा करते हुए कहा। एलिसन असहज लग रही थी। वह स्थिति के बहुत करीब जाने से डरी हुई प्रतीत हो रही थी। मैंने ब्रायन के चेहरे की ओर देखा। उसके चेहरे पर गुस्से की लकीरें थीं, लेकिन उसकी आँखों में स्पष्ट भय झलक रहा था।
ब्रायन ने मेरी ओर घूरकर देखा, हालांकि वह अपने चेहरे पर कोई भाव नहीं आने दे रहा था, लेकिन मैं समझ गया कि वह यही दिखाने की कोशिश कर रहा था। "मैं जाने से पहले बस यह सुनिश्चित करना चाहता था कि तुम ठीक हो। मैं इस सब में शामिल नहीं होना चाहता। चाहे यह कुछ भी हो। मैं समझ गया। अब से मैं तुम्हें अकेला छोड़ दूंगा। तुम्हें मुझे इस तरह जलाने की ज़रूरत नहीं थी।"
मेरा मुंह खुला रह गया। मैंने बोलने की कोशिश की, लेकिन मेरी आवाज लड़खड़ा गई। मैंने दोबारा कोशिश की, और इस बार थोड़ी सफलता मिली, “मैं-मैं जानबूझकर नहीं बोल रही थी। मुझे नहीं पता क्या हुआ।”
ब्रायन ने कोई जवाब नहीं दिया। वह बस मुड़ा और अपने घर की ओर चल पड़ा। जेसन खड़ा हुआ, उसने मुझे अपनी बाहों में उठाया और अंदर ले गया। उसने मुझे धीरे से सोफे पर लिटा दिया और तभी मुझे दूसरों के पीछे आने की आहट सुनाई दी।
एलिसन और लूसी मेरे पास आकर खड़ी हो गईं। मुझे लगा कि शायद मैक्स ने दरवाजा बंद करके ताला लगा दिया है। मैक्स चलकर जेसन के बगल में खड़ा हो गया। एलिसन ने उनकी तरफ देखा। "क्या हमें थोड़ी निजता मिल सकती है?"
सिर हिलाते और असहजता से कुछ बुदबुदाते हुए, लड़कों ने फिर से दरवाजा खोला और बाहर चले गए। उनके जाने की आवाज़ें - उनकी धीमी आवाज़, उनके कदमों की आहट, दरवाजे के बंद होने की आवाज़ - सब कुछ मुझे एक दूर के सपने जैसा लग रहा था। एलिसन ने मुझे थोड़ा ऊपर उठाया ताकि वह बैठ सके और मेरा सिर अपनी गोद में रख सके। उसने मुझे दिलासा देने की कोशिश करते हुए मेरे बालों को सहलाना शुरू कर दिया।
“क्या हुआ ज़ोए?” उसने पूछा।
लूसी ज़मीन पर बैठ गई और मेरा हाथ पकड़ लिया। मेरी आँखों में गर्म आँसू चुभने लगे। मैंने उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन वे तेज़ी से बहने लगे।
आखिर हुआ क्या था?

“मैंने ब्रायन को चोट पहुँचाई। मुझे नहीं पता कैसे, लेकिन मैंने पहुँचाई।” मेरी आँखों में उलझन और डर के भाव घुले हुए थे। “वह मेरे सबसे पुराने दोस्तों में से एक है और... और...” मेरे शब्द गले में अटक गए। “वह मुझसे डरता है!” आँसू सिसकियों में बदल गए। मैं हिचकी लेते हुए साँस लेने की कोशिश कर रही थी, लेकिन नाकाम रही।
यह सब असहनीय था। अब तक जो कुछ भी हुआ था, मैंने खुद को शांत रखा था, लेकिन यह तो हद से ज़्यादा था। मेरे दोस्तों ने मुझे सहारा दिया, एलिसन ने मेरा सिर अपनी गोद में रखा और लूसी ने मेरा हाथ थामे रखा, जब मैं अपनी निराशा और डर को रोकर व्यक्त कर रही थी। निराशा और डर के नीचे एक गहरा दुख छिपा था। यह दुख इस बात का था कि मेरी जानी-पहचानी ज़िंदगी हमेशा के लिए बदल गई थी। मुझे हमेशा से इस बात का पक्का एहसास था कि मैं कौन हूँ... मैं क्या हूँ। अब सब कुछ दलदल जैसा लग रहा था। मैं एक नई दुनिया में, एक नए इंसान में खिंची जा रही थी।
जब मेरे आंसू थम गए, तो जेसन और मैक्स अंदर आ गए। उन्होंने शायद अपनी अलौकिक शक्तियों से सब कुछ सुन लिया था, लेकिन फिर भी मुझे उनके दिए गए एकांत के भ्रम के लिए शुक्रगुजार थी। मैंने लाल और सूजी हुई आँखों से उनकी तरफ देखा और पूछा, "मेरे साथ क्या हो रहा है?"
जेसन लूसी के बगल में घुटनों के बल बैठ गया। "मुझे लगता है कि तुम अपनी शक्तियों को पहचान रही हो। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ?"
मैंने अपना सिर हिलाया।
उन्होंने आगे कहा, “अगर यह अभी शुरू हो रहा है, तो हम और अधिक शक्तियों के प्रकट होने या इस शक्ति के और अधिक शक्तिशाली होने की उम्मीद कर सकते हैं।” जेसन ने अपनी नज़रें फेर लीं।
मैं तब तक उसे घूरता रहा जब तक कि उसने हार मानकर मेरी आँखों में आँखें नहीं मिलाईं। "तुम मुझसे क्या छुपा रहे हो?"
जेसन की निगाहें मेरी निगाहों पर टिकी हुई थीं। "इस तरह की शक्ति आमतौर पर... राक्षसों से जुड़ी होती है।"
मेरी आँखें चौड़ी हो गईं। भले ही मैं अपने दोस्तों के वेयरवोल्फ और वैम्पायर होने की बात समझ सकती थी, लेकिन दानव होने की बात मेरे लिए समझ से परे थी। जेसन ने मुझे बताया था कि ऐसा हो सकता है, लेकिन मैंने इस बारे में ज़्यादा सोचने की कोशिश नहीं की थी।

मैंने कांपती हुई आवाज में कहा, "विस्तार से बताएं।"
“खैर,” उसने कहना शुरू किया, “हमारे तीन विकल्पों में से, दानव ही एकमात्र ऐसे प्राणी हैं जिनके पास इस प्रकार की विनाशकारी शक्ति होती है। जलमानवों में थोड़ी बहुत जादू-टोना करने की क्षमता होती है, और राक्षस तो बस बलवान होते हैं। दानवों की शक्तियाँ आमतौर पर अधिक. . . स्पष्ट होती हैं।”
मेरे मन में एक भयानक विचार आया। "तो... क्या मैं सच में बुरी हूँ?" मैंने पूछा, मुझे खुद भी नहीं पता था कि मैं यह जानना चाहती हूँ या नहीं। मैंने देखा कि लूसी ने चिंता भरी नज़र से एलिसन की तरफ देखा।
जेसन ने उत्तर दिया, “नहीं, जहाँ तक मुझे पता है, आपके आनुवंशिक गुणों का प्रकटीकरण अक्सर आपके पालन-पोषण पर निर्भर करता है। राक्षसों में हिंसा और क्रोध की जन्मजात प्रवृत्ति होती है, लेकिन उन्हें अपनी भावनाओं पर अमल करना ज़रूरी नहीं है। आपका पालन-पोषण एक इंसान की तरह हुआ है, इसलिए आप एक इंसान की तरह सोचते हैं... आपको बस अपने गुस्से पर काबू रखने की ज़रूरत है।” मैंने उससे सवालिया निगाह से देखा।
उन्होंने आगे कहा, “राक्षसों की पहचान उनके क्रोध से होती है। मेरा मानना है कि आपकी शक्तियां इसी से जुड़ी हैं। आपने ब्रायन को इसलिए जलाया क्योंकि आप क्रोधित थे।”
कमरा घूम रहा था। मुझे ध्यान केंद्रित करना था। मैं एकदम स्थिर रहा, गहरी सांसें लेता रहा, और सारी बातें समझ आने तक खुद को शांत रखने की कोशिश करता रहा। "और कौन-कौन सी 'शक्तियां'?" मैंने घबराकर पूछा।
“मुझे पक्का पता नहीं है। राक्षस कई प्रकार के होते हैं। उनकी शक्तियां अलग-अलग होती हैं। चूंकि आपने सबसे पहले किसी को जलाया था, इसलिए आपकी क्षमताएं संभवतः आग से जुड़ी होंगी।”
आग? इससे सपनों का कारण समझ में आ सकता है। मैंने अपना हाथ ऊपर उठाकर अपनी नाक के ऊपरी हिस्से को दबाया। मेरी आँखों के पीछे तेज़ सिरदर्द हो रहा था। "तुम्हें यह सब कैसे पता?"
उसने एक पल के लिए नज़रें नीचे झुकाईं, फिर मेरी आँखों में देखा। “मुझे शुरू से ही शक था कि तुम शायद आधे दानव हो। मैंने कुछ शोध किया, कुछ ऐसे दोस्तों से बात की जो इस तरह की चीजों के बारे में थोड़ा ज़्यादा जानते हैं। आधे दानव सबसे आम मानव संकर हैं, जलमानवों और राक्षसों से भी

ज़्यादा। मनुष्यों के साथ प्रजनन करने वाली अन्य कोई भी जाति या तो बहुत दुर्लभ है या पूरी तरह से विलुप्त हो चुकी है।”
कमरा अब भी घूम रहा था। मैंने चक्कर कम करने के लिए अपनी आँखें बंद कर लीं। "क्या आपके जानकार दोस्तों ने आपको कोई और जानकारी दी?"
जेसन ने हल्के से अपना हाथ उस कंधे पर रखा जिस पर मैं लेटी नहीं थी। "मुझे माफ करना ज़ोई, मैंने तुम्हें वह सब बता दिया है जो मुझे पता है।"
इतनी कम जानकारी होने के बावजूद मैं पूरी तरह से घबरा गया था। "अब हम क्या करें?" मैंने अपनी आखिरी उम्मीद को थामे हुए पूछा। शायद यह इतनी बड़ी बात न हो। शायद ये "शक्तियां" यहीं रुक जाएं। शायद वे बस चले जाएं। और शायद चांद पनीर का बना हो ताकि उन छोटे हरे आदमियों को खिलाया जा सके।
जेसन ने जवाब दिया, "हम ज्यादा कुछ नहीं कर सकते। जैसे-जैसे तुम्हारी शक्तियां आएंगी, अगर आएंगी, तो तुम उन्हें नियंत्रित करना सीख जाओगे।" मुझे तो यह सब कुछ आज़माइश और गलतियों से भरा लग रहा था। मैं पहले ही एक दोस्त को दुख पहुँचा चुका था। हालात पर काबू पाने से पहले, अगर मैं काबू पा भी लेता, तो उससे पहले मैं कितना नुकसान कर सकता था, यह सोचकर ही मुझे डर लग रहा था। यह एक बहुत बड़ा सवाल था।
“क्या मुझे कुछ और जानना चाहिए?” मैंने पूछा, हालांकि मुझे खुद नहीं पता था कि मैं क्या पूछ रही हूँ, क्योंकि जेसन पहले ही सब कुछ बता चुका था। घबराहट फिर से लौट रही थी। मैंने अपनी आँखें बंद कर लीं और अपनी साँसों को धीमा करने की कोशिश की, मुझे डर था कि कहीं मैं फिर से बेहोश न हो जाऊँ। जेसन ने जवाब दिया, "शायद, लेकिन जैसा कि मैंने कहा, मैंने आपको वह सब बता दिया है जो मुझे पता है।"
गुस्से और निराशा से मैंने जवाब दिया, "ठीक है, तो मुझे लगता है कि हमें डैन और इस मामले पर ही ध्यान देना चाहिए।"
मेरी बातों की तीखीपन पर किसी ने आपत्ति नहीं जताई। हर किसी ने सहमति में सिर हिलाया। मुझे पता था कि मैं हाल ही में मिली भयानक खबर के अलावा किसी और चीज़ पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाऊँगी, लेकिन मुझे इस विषय से छुटकारा पाना ज़रूरी था। मुझे बहुत कुछ समझना था और समय बिल्कुल नहीं था। लड़कियों की मुसीबतें कभी खत्म नहीं होतीं।

अध्याय पंद्रह
हमने दोपहर का बाकी समय स्क्रैबल खेलते हुए, पिज्जा खाते हुए और मेरे बारे में जो पता चला था उसे नज़रअंदाज़ करने की कोशिश करते हुए बिताया। मैं आमतौर पर स्क्रैबल में काफी अच्छा हूँ, लेकिन आज मैं बोर्ड को तीन अक्षरों वाले शब्दों से भर रहा था। पिज्जा वाला बहुत देर से आया, जो शायद अच्छा ही हुआ, यह देखते हुए कि वह क्या देख सकता था। साथ ही, हमें ऑर्डर मुफ्त में मिल गया। मेरा पहला टुकड़ा अभी भी मेरे बगल में एक कागज़ की प्लेट पर पड़ा था। जब हम स्क्रैबल से ऊब गए, तो हमने फिल्म देखना शुरू कर दिया।
मैं टीवी स्क्रीन पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रही थी। मैंने अपने लिविंग रूम और उसमें मौजूद लोगों पर नज़र डाली। जेसन, मैक्स और एलिसन उस बड़े गहरे नीले सोफे पर बैठे थे जिस पर मैं अपने मानसिक आघात के समय लेटी थी। जेसन और एलिसन अपने-अपने कोनों पर बैठे थे जबकि मैक्स बीच में आराम कर रहा था। मैं लालच से उस बेमेल बैंगनी रंग के सोफे पर कब्ज़ा जमाए बैठी थी। मुझे मानसिक और शारीरिक रूप से कुछ दूरी चाहिए थी ताकि जो कुछ हुआ था उसे समझ सकूँ। लूसी लिविंग रूम के फर्श पर बिछे बैंगनी, नीले और हरे रंग के पैचवर्क वाले कालीन पर पेट के बल लेटी थी और एक तकिए का सहारा लिए हुए थी। मेरी माँ ने हमारे दोनों सोफों के रंगों को मिलाने की कोशिश में वह कालीन खरीदा था, कोशिश शब्द पर ज़ोर देना ज़रूरी है।
मैंने एक हरे रंग के तकिये को गले लगाया और उसे अपने पेट से सटा लिया। पिछले कुछ घंटों से मेरा शरीर इस बात पर विचार कर रहा था कि मैं बेहोश हो जाऊंगी, उल्टी कर दूंगी या चीख दूंगी। शायद थोड़ा-थोड़ा सब कुछ, उम्मीद है कि एक साथ नहीं। मेरी चिंता ने मेरे पेट में एक ठोस गांठ बना दी थी। डर और चिंता की जो भावना एक छोटी सी गेंद के समान शुरू हुई थी, वह अब एक बड़े गोले के समान विशाल हो गई थी। जितना ज्यादा मैं हर बात के बारे में सोचती, उतना ही वह बेतुकी लगती।
कुछ और बेहतर न सूझने पर, मैंने अपनी माँ का नेशनल ज्योग्राफिक का सबसे नया अंक उठाया और डाइनिंग रूम में चला गया। मैंने एक कुर्सी खींची, बैठ गया और पत्रिका के पन्ने पलटने लगा, हालांकि मैं उन्हें ध्यान से नहीं देख रहा था।

मेरे आने के कुछ ही देर बाद लूसी डाइनिंग रूम में आई और मेज से मेल खाती हुई ऊँची पीठ वाली मेपल की कुर्सियों में से एक पर बैठ गई। वह घबराकर पीले रंग के बुने हुए प्लेसमैट से खेलने लगी।
उसने मेरी तरफ देखकर हल्की सी मुस्कान दी। "माफ़ करना ज़ोई, लेकिन... मुझे थोड़ी खुशी है कि तुम आधी दानव हो।"
मैंने उसे ‘मजाक कर रही हो’ वाली नज़र से देखा। वो... खुश थी?
उसने आगे कहा, "ऐसा नहीं है कि तुम कोई राक्षस हो, बस अच्छा लग रहा है कि मैं अकेली ऐसी नहीं हूँ जो हाल ही में अमानवीय बनी हूँ। मैं काफी अकेलापन महसूस कर रही थी।"
"खैर, अगर आप इस तरह से कहें तो मुझे खुशी है कि आप एक वेयरवोल्फ हैं," मैंने जवाब दिया।
लूसी मुस्कुराई, इस बार उसकी मुस्कान थोड़ी और गहरी थी। "ज़ो, हर चीज़ के लिए धन्यवाद। मैं सच कह रही हूँ। अगर तुम न होतीं तो मैं अभी एक कोने में दुबक कर रो रही होती... या शायद इससे भी बुरी हालत में होती।"
आप सोचेंगे कि ऐसे समय में लूसी मुझे गले लगा लेगी, मेरा हाथ पकड़ लेगी, या कम से कम मेरे कंधे पर थपथपा देगी, बस... कुछ तो करेगी। लेकिन लूसी मुझसे दूरी बनाए रखी, उसके हाथ मेज पर करीने से मुड़े हुए थे। मुझे लगा कि वह उतनी सहज नहीं थी जितना वह दिखाने की कोशिश कर रही थी। ऐसा हर दिन नहीं होता कि आपको पता चले कि आपकी सबसे अच्छी दोस्त का संबंध शैतानी शक्तियों से है।
मैंने उसे बनावटी मुस्कान दी। "आपकी मदद करके खुशी हुई।" मेरी सबसे अच्छी दोस्त मुझसे डरती थी। वह एक वेयरवोल्फ थी, और वह मुझसे डरती थी।
हम एक-दूसरे को देखकर हल्की सी मुस्कान बिखेर रहे थे, तभी एलिसन डाइनिंग रूम में आकर हमारे साथ शामिल हो गई। उसने शिकायत भरे लहजे में कहा, "क्या आप दोनों को एहसास है कि अब मैं ही अकेली बची हुई तुच्छ इंसान हूँ? यह कितना अन्याय है। आप सबको इतनी सारी शानदार महाशक्तियाँ मिल गई हैं और मैं अभी भी वैसी ही हूँ जैसी पहले थी।"
लूसी और मैं ज़ोर से हंस पड़े, जिससे कुछ तनाव कम हो गया। एलिसन ने हाथ बांध लिए और मुंह फुलाकर लूसी के बगल वाली कुर्सी पर बैठ गई। वह इसे भूल जाएगी। मुझे यकीन नहीं था कि मैं भूल पाऊंगी।

मैंने डाइनिंग रूम की चौड़ी खिड़की से बाहर झाँका। सूरज ढल रहा था और अंधेरा छा रहा था। बादलों ने बची-खुची रोशनी को भी लगभग पूरी तरह ढक लिया था।
लूसी खड़ी हो गई। "मुझे लगता है कि मुझे अपने माता-पिता को फोन करना चाहिए।"
“तुम्हें क्या लगता है कि वे तुम्हें यहाँ रुकने देंगे?” एलिसन ने पूछा।
लूसी ने उदास भाव से सिर हिलाया और फोन लेने के लिए रसोई में चली गई। एलिसन और मैं चुपचाप इंतजार करते रहे ताकि लूसी की संक्षिप्त बातचीत सुन सकें।
लूसी ने फोन रखा और हमारी ओर मुड़ गई।
“नहीं?” मैंने पूछा, जबकि मुझे जवाब पहले से ही पता था।
लूसी ने अपना सिर हिलाया।
“जेसन!” मैंने पुकारा।
जेसन दौड़ता हुआ डाइनिंग रूम में आया और मैक्स को लिविंग रूम में अकेला छोड़ दिया। "जी?"
मैंने आह भरी। “लूसी यहाँ नहीं रुक सकती। अब हम क्या करें?”
जेसन, लूसी की खाली कुर्सी पर मेरे सामने बैठ गया। “पूरी संभावना है कि डैन हमसे साथ रहने की उम्मीद करेगा। वह सबसे पहले यहीं देखेगा, क्योंकि हमने अपना ज़्यादातर समय यहीं बिताया है। मैं डैन का यहीं इंतज़ार करूँगा। ज़ो, तुम और एलिसन अभी निकलकर मेरे होटल में छिप जाओ। लूसी अपने घर वापस जाएगी, ताकि उसके माता-पिता सो जाएँ, फिर मैक्स उसे चुपके से बाहर निकलने में मदद करेगा ताकि वे भी मेरे होटल जा सकें। जब तुम सब एक साथ हो जाओ, तो गाड़ी चलाना। मैं चाहता हूँ कि तुम तब तक चलती रहो जब तक मैं तुम्हें मैक्स के मोबाइल फ़ोन पर कॉल न करूँ।”
मैंने जेसन की तरफ आंखें घुमाईं। "यह अब तक की सबसे बेवकूफी भरी योजना है जो मैंने सुनी है।"
जेसन ने मेरी तरफ हैरानी से देखा।
मैंने आगे कहा, “हम तुम्हें डैन से लड़ने के लिए यहाँ अकेला नहीं छोड़ रहे हैं। हम पहले ही यह पता लगा चुके हैं कि उसके साथ और भी भेड़िये हो सकते हैं। तुम खुद को मरवा लोगे और फिर हम वहीं पहुँच जाएँगे जहाँ से शुरू किया था, बस फर्क इतना होगा कि हम सबको ज़िंदा रखने में मदद करने वाला एक व्यक्ति कम हो जाएगा।”

जेसन ने मुझे घूरकर देखा। "मैं अपना ख्याल खुद रख सकता हूँ, मैं तुम्हें... तुममें से किसी को भी खतरे में नहीं डालूंगा।"
मैंने घमंडी मुस्कान के साथ कहा, "खैर, चूंकि यह मेरा घर है, तो आप मुझे बाहर नहीं निकाल सकते। मैं यहीं रहूंगा और आपके पास कोई विकल्प नहीं है।" मैक्स ने बीच में कहा, "मैं इंसान नहीं हूँ। मैं मदद कर सकता हूँ।"
जेसन ने एलिसन की ओर मुड़कर पूछा, "और इस सब के बारे में तुम्हारा क्या ख्याल है?"
एलिसन ने नाक ऊपर उठाकर इशारा किया कि कोई बहस नहीं होगी। “मैं ज़ोई या लूसी में से किसी एक के साथ रहूंगी, हो सके तो दोनों के साथ। मैं कहीं छिपने वाली नहीं हूँ।”
हम सबने लूसी की तरफ देखा। मैंने पूछा, "क्या तुम्हें लगता है कि तुम चुपके से बाहर निकल पाओगी?"
लूसी ने नीचे देखा और सिर हिलाया, फिर जबरदस्ती मेरी आँखों में देखा। "तुम जानती हो मेरे माता-पिता कैसे हैं। वे रात भर मेरा हालचाल पूछते रहते हैं। मुझे नहीं पता अगर मैं गायब हो जाऊं तो वे क्या करेंगे, शायद पुलिस को बुला लेंगे।"
जेसन थोड़ा गुस्से से खड़ा हो गया। "तो आप सब छिपने से इनकार करते हैं?" “ठीक है,” एलिसन ने जवाब दिया।
जेसन ने अपनी बाहें मोड़ीं और मुझे घूरने लगा। मैंने आत्मविश्वास से भरी मीठी मुस्कान के साथ जवाब दिया। आखिरकार, जेसन ने सहमति में एक हल्की सी सिर हिलाई। "ठीक है, नई योजना। डैन शायद पहले यहीं जाँच करेगा, इसलिए मैं यहीं इंतज़ार करूँगा। हम पहले ही तय कर चुके हैं कि लूसी को अपने घर पर ही रहना है, इसलिए मैक्स चुपके से अंदर जाकर उसके साथ इंतज़ार करेगा।" उसने एक बार फिर एलिसन और मेरी तरफ देखा। "जहाँ तक तुम दोनों की बात है, क्योंकि तुम खुद को और खतरे में डालना चाहती हो, तो तुम दोनों में से किसी भी घर में रह सकती हो, लेकिन मैं चाहूँगा कि तुम मेरे साथ रहो। मैक्स को लूसी की सुरक्षा पर ध्यान देना होगा और मुझे तुम्हारी रक्षा करने का बेहतर मौका मिलेगा।"
मुझे स्पष्ट खामी की ओर इशारा करना पड़ा। "क्या होगा अगर डैन पहले लूसी के पास चला जाए?"

"अगर मैक्स को डैन की भनक भी लग गई, तो वह अपने मोबाइल फोन से हमें यहां कॉल करेगा।"
जेसन ने मैक्स की ओर देखा और मैक्स ने सहमति में सिर हिलाया।
यह एक ऐसी योजना थी जिसे मैं स्वीकार कर सकता था, और उम्मीद है कि मैं ऐसा ही करूंगा। मैंने ताली बजाते हुए नाटकीय अंदाज़ में कहा, "तो फिर यह एक योजना है, चलो दोस्तों, समय बहुत कम बचा है!"
हम सब जेसन की कार में बैठकर लूसी और मैक्स को उसके घर तक छोड़ने गए। मैंने लूसी को उसके घर के दरवाजे से अंदर जाते देखा और मेरे मन में यही ख्याल आया कि शायद ये आखिरी बार हो जब मैं उसे देखूँ। आखिर क्या होगा, कौन कह सकता है? उस दिन दूसरी बार मेरी आँखों में आँसू आ गए। अपने घर वापस आते समय, मेरे मन में कुछ गंभीर शंकाएँ उठने लगीं। कम से कम, उन हजारों शंकाओं से तो कहीं ज़्यादा गंभीर जो पहले से ही थीं।
मैंने जेसन से पूछा, "क्या तुम्हें यकीन है कि तुम डैन का सामना कर सकते हो? मेरा मतलब है, शायद हमें भी लूसी और मैक्स जैसी ही योजना बनानी चाहिए। अगर तुम्हें उसके आने की आहट सुनाई दे, तो मैक्स को मदद के लिए बुला लेना।" “हम लूसी को अकेला छोड़ने का जोखिम नहीं उठा सकते,” जेसन ने जवाब दिया। “डैन मैक्स से ज़्यादा ताकतवर है, लेकिन मैक्स का वहाँ होना बाकी विकल्पों से बेहतर है।”
एक और बात थी जो पूरी रात मेरे दिमाग में खटक रही थी। जब मैंने पहले इस बारे में बात की थी, तो जेसन ने बस सरसरी तौर पर ही बताया था। "मैक्स ने जिन दूसरे भेड़ियों की गंध महसूस की थी, उनका क्या? क्या पता वे डैन के साथ हों?"
जेसन खुश नहीं दिख रहा था। “हम इसके बारे में कुछ नहीं कर सकते। हमें बस अच्छे की उम्मीद करनी होगी।”
तसल्ली देने वाला, बहुत तसल्ली देने वाला। "मुझे लगता है कि यह एक बहुत बुरा विचार है।"
जेसन ने आह भरी और अपनी नज़र सड़क पर टिकाए रखी। "मैं भी।"
मैं क्या कह सकता हूँ?
घर लौटकर हम तीनों अंदर गए और यह सुनिश्चित करने के लिए घर का मुआयना किया कि सभी दरवाजे और खिड़कियाँ बंद हैं। फिर हम इंतज़ार करने के लिए लिविंग रूम में बैठ गए। एलिसन और मैं सोफे पर सिमटकर बैठ गए, जबकि जेसन हमारे सबसे

पास वाले सोफे के कोने पर बैठ गया। हमारी योजना असल में कोई योजना थी ही नहीं। हम सब कुछ किस्मत के भरोसे छोड़ रहे थे, और सफलता की संभावना बहुत कम थी।
मैंने जेसन से पूछा, "क्या हमें हथियार रखने चाहिए?"
जेसन ने जवाब दिया, "मैं बिना हथियारों के ज्यादा कुशल हूं, लेकिन मुझे लगता है कि आपके और एलिसन के पास हथियार होने से कोई नुकसान नहीं होगा।" एलिसन कॉफी टेबल पर झुककर अपने पर्स में कुछ ढूंढने लगी। उसने काली मिर्च स्प्रे का एक कनस्तर निकाला और जेसन की सहमति के लिए उसे ऊपर उठाया।
उसने कंधे उचकाते हुए कहा, "कुछ न होने से तो बेहतर है।"
मैं उठा और चिमनी के औजारों के सेट में से पोकर (जलाशय खोलने वाली छड़ी) उठाई और उसे अपनी गोद में रखकर वापस बैठ गया। जेसन और एलिसन दोनों ने मेरी तरफ भौंहें चढ़ाईं। मैंने कंधे उचका दिए। कुछ नहीं से तो बेहतर है।
लगभग तीस मिनट तक अल और मैं हर आवाज़ पर चौंकते रहे, फिर जेसन ने कहा कि हमें सो जाना चाहिए। आख़िरकार, हमें यह भी नहीं पता था कि डैन आएगा या नहीं। हम तीनों मेरे कमरे में चले गए। एलिसन और मैं अपने बिस्तर पर आराम से लेट गए, जबकि जेसन मेरी डेस्क की कुर्सी पर बैठकर पहरा देता रहा। मैंने अपनी आँखें बंद कर लीं और सोने की कोशिश की, मेरे हाथों में चिमनी का पोकर कसकर पकड़ा हुआ था। इसे डर कह लो। मैंने इसे ज़िंदा रहने की कोशिश कहा।

अध्याय सोलह
मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं अभी-अभी सोई ही थी कि नीचे से एक ज़ोरदार धमाके की आवाज़ से मेरी नींद खुल गई। हम सब उछल पड़े और अपने "हथियारों" के साथ दौड़ते हुए नीचे लिविंग रूम में पहुँचे, जहाँ डैन हमारा इंतज़ार कर रहा था... और वह अपने साथ एक दोस्त को भी लाया था। डैन के दाहिनी ओर लंबे, काले, चमकदार बालों वाली एक दुबली-पतली महिला खड़ी थी। उसके चेहरे की बनावट और गहरी जैतून जैसी त्वचा अनोखी थी, हालाँकि मैं यह ठीक से नहीं बता पा रही थी कि वह किस देश की है। उसने टाइट काली जींस और उसी रंग की कमीज़ पहनी हुई थी। डैन की हल्की नीली आँखों में द्वेष झलक रहा था। वह महिला बेचैन लग रही थी। डैन ने भी उसी तरह के कपड़े पहने थे: काली जींस और टी- शर्ट। एक ही रंग के कपड़ों में सजे ये दोनों लोग मिलने आए थे।
मेरे घर के सामने वाले दरवाजे के बगल वाली खिड़की को डैन ने तोड़ दिया था, जिसके बाद ज़मीन पर कांच के टुकड़े बिखरे पड़े थे। कांच के बड़े-बड़े टुकड़े अभी भी शीशे में फंसे हुए थे। उसे बस इतना छेद चाहिए था कि वह उसमें से हाथ डालकर दरवाजा खोल सके। मुझे हैरानी हुई कि उसने सामने से ही खिड़की तोड़ने का फैसला क्यों किया। या तो वह बहुत साहसी था या बहुत बेवकूफ, या शायद उसे परवाह ही नहीं थी। मेरा मानना है कि यही बात सच है।
अगर वो औरत भेड़िया थी, जैसा कि मुझे लग रहा था, तो हम उससे कहीं ज़्यादा ताकतवर थे, कम से कम मुझे तो यही लग रहा था। सच कहूँ तो, मुझे बिलकुल समझ नहीं आ रहा था कि दो वेयरवुल्फ, जिनमें से एक की शक्ति अज्ञात थी और दूसरी काफी शक्तिशाली लग रही थी, एक वैम्पायर, एक इंसान और एक आधी दानव औरत, जिसने अभी-अभी अपनी शक्तियाँ हासिल की थीं, का मुकाबला कैसे कर पाएँगे। हमें जल्द ही पता चल जाएगा।
जेसन ने डैन की ओर झपट्टा मारा, उसके पहल करने का इंतज़ार भी नहीं किया। वे नीले सोफे के पीछे लुढ़क गए, आंशिक रूप से नज़रों से ओझल हो गए, और एलिसन और मुझे उस महिला से निपटने के लिए छोड़ दिया।
वह हमारी ओर दौड़ी, उसके लंबे बाल हवा में लहरा रहे थे। एलिसन ने झट से अपना हाथ उठाया, जिसमें पेपर स्प्रे था। उसने उस महिला के चेहरे पर स्प्रे किया, लेकिन दर्द से आंखें बंद करने के अलावा उस पर कोई असर नहीं हुआ। उसकी रफ्तार भी धीमी नहीं हुई। वह दौड़ती रही, एलिसन को पकड़कर सीढ़ियों के पास,

मैंने तुरंत होश संभाला और जेसन से मुंह मोड़कर एलिसन की ओर दौड़ी। मैंने उसे धीरे से पीठ के बल लिटाया और उसकी आंखें खुल गईं। मैंने राहत की सांस ली, मुझे पता ही नहीं था कि मैं कब से सांस रोके हुए थी।
जेसन पास आया और हमारे बगल में बैठ गया। उसने एलिसन के पीले पड़े चेहरे को एक नज़र देखा, फिर मेरी ओर एक अर्थपूर्ण नज़र से देखते हुए बोला, "उसे अस्पताल ले जाना होगा।"
“न-नहीं,” एलिसन ने धीमी आवाज़ में कहा। “मैं ठीक हूँ।”
मेरी नज़रें जेसन की चिंतित आँखों से मिलीं और मैं बार-बार उसकी छाती पर नज़र डालने से खुद को रोक नहीं पाई। खरोंचें लगभग भर चुकी थीं, उनकी जगह हल्के गुलाबी रंग के निशान रह गए थे जो धीरे-धीरे मिटने लगे थे। मैंने उससे कहा, "लूसी और मैक्स को जाकर देख लो, मैं एलिसन का ख्याल रख लूंगी।"
जेसन की निगाहें बेहोश पड़ी महिला पर टिक गईं।
मैं उसके बारे में भूल ही गया था। मैंने उससे कहा, "कोई बात नहीं। मुझे अपनी कार की चाबियां दे दो, मैं ट्रंक से वो हथकड़ी निकाल लाऊंगा जो हमने लूसी पर इस्तेमाल की थी।"
जेसन ने सिर हिलाया और अपनी जेब से चाबियाँ निकालकर मुझे दे दीं, फिर पलक झपकते ही वह गायब हो गया। मैंने एलिसन को सोफे तक पहुँचाया और फिर हमलावर के जागने से पहले हथकड़ी लेने के लिए जेसन की कार की ओर भागी। मैं रुकी और लूसी के घर की तरफ देखा, उम्मीद कर रही थी कि शायद कुछ दिख जाए... कुछ तो हो। वह ठीक ही होगी।
मैंने गहरी सांस ली और अपना ध्यान वापस जेसन की कार पर केंद्रित किया। मैंने चाबी के गुच्छे से लटक रहे छोटे से काले इलेक्ट्रॉनिक चौकोर हिस्से को गौर से देखा और डिग्गी खोलने के लिए बटन दबाया। हथकड़ियां और लूसी पर इस्तेमाल की गई जंजीरें साफ दिखाई दे रही थीं। मैंने देखा कि लालटेनें गायब थीं और सोचा कि क्या हमने उन्हें गोदाम में ही छोड़ दिया था। मैंने अपने विचारों को शांत करने की कोशिश करते हुए अपना सिर हिलाया। शायद सदमे में जाने का यही अनुभव होता है। मैंने एक और गहरी सांस ली, फिर जल्दी से हथकड़ियां उठाईं और अंदर की ओर भागी।
जब मैं बैठक कक्ष में पहुँचा तो महिला अभी भी बेहोश थी। मैंने उसे पेट के बल लिटाया और उसके हाथ पीछे की ओर हथकड़ी से बांध दिए।

एलिसन मुझे ऐसे देख रही थी जैसे उसने मुझे पहले कभी देखा ही न हो। "क्या तुमने ऐसा किया?" उसने पूछा। "मेरा मतलब है, उसे बेहोश कर दिया?"
“हाँ।” मैं अब भी सुन्न महसूस कर रहा था, जैसे मैं सब कुछ बाहर से देख रहा हूँ, किसी भी चीज़ में शामिल नहीं हूँ। मैंने महिला के सिर के एक तरफ खून देखा। वह उसके लंबे काले बालों में रिसकर जम गया था। मैंने करीब से देखा और महसूस किया कि मैंने उसकी खोपड़ी तोड़ दी है। मैंने गहरी साँस लेते हुए अपना सिर झटक दिया। मैंने धीरे से उसकी नब्ज़ जाँचने के लिए हाथ बढ़ाया, उसकी चोट पर नज़र नहीं डाली, लेकिन जैसे ही मुझे उसकी साँसें दिखाई दीं, मैंने अपना हाथ झटक कर पीछे खींच लिया। मुझे नहीं पता था कि यह अच्छी बात थी या नहीं।
जैसन सामने के दरवाजे से अंदर घुस आया, उसके पीछे मैक्स भी था। "लूसी गायब है!"

अध्याय सत्रह
“तुम्हारा क्या मतलब है कि वह चली गई! वह जा ही नहीं सकती!” मैं लगभग चीखते हुए मैक्स और जेसन की तरफ दौड़ी। मैं उन दोनों को बारी-बारी से देख रही थी, मानो कोई जवाब मिल जाए। वह जा ही नहीं सकती। आखिरकार, जेसन ने बोलना शुरू किया और मेरी नज़र उस पर टिक गई।
“मैंने मैक्स को बाहर पाया। वह बेहोश था। हर जगह भेड़िये की गंध थी, लेकिन वह डैन की गंध नहीं थी,” जेसन ने बताया। “मैं लूसी की खिड़की के पास गया। वह खुली थी और लूसी वहां नहीं थी।”
“हम तो बस ध्यान भटकाने के लिए थे,” मैंने सुन्न होकर कहा, यह समझते हुए कि डैन ने लूसी को अगवा किए जाने के दौरान हमें व्यस्त रखने के लिए ही हमला किया था। “हम उसे कैसे ढूंढेंगे?” मैंने बड़ी मुश्किल से शब्द निकालते हुए पूछा।
जब जेसन ने मुझे कोई जवाब नहीं दिया, तो मैंने एलिसन की तरफ देखा कि वह इस पूरी स्थिति को कैसे संभाल रही है। वह सोफे पर घुटनों को सीने से लगाकर बैठी थी, मानो कहीं देख ही नहीं रही हो। मैक्स उसके बगल में जाकर बैठ गया। जेसन ने मेरे कंधे पर हाथ रखकर मेरा ध्यान वापस अपनी ओर खींचा। "हम उसे ढूंढ लेंगे," उसने कहा। "मैं वादा करता हूँ।"
“तुम वादा कैसे कर सकते हो!” मैंने अनजाने में ही चीख मारी। फिर थोड़ा शांत होकर बोली, “तुम्हें नहीं पता कि हम उसे ढूंढ पाएंगे या नहीं। डैन तो हमेशा से हमसे एक कदम आगे रहा है। हम उसका खेल खेल रहे हैं और उसके कोई नियम नहीं हैं।”
“वह उसे नहीं मारेगा,” जेसन ने भरोसा दिलाया, “और जब तक हम उसे वापस नहीं ले आते, मैं नहीं रुकूंगा।” मुझे उसका यह कहना पसंद नहीं आया कि डैन उसे नहीं मारेगा, न कि उसे चोट नहीं पहुंचाएगा। हम उसे चोट पहुंचाने से नहीं रोक सकते थे। हमें कार्रवाई करनी थी। हम और समय बर्बाद नहीं कर सकते थे। मैंने जेसन को घूर कर देखा और उसने बिना पूछे ही मेरे सवाल का जवाब दे दिया। उसने शांत भाव से कहा, "कम से कम हमारे पास शुरुआत करने के लिए एक जगह तो है," और फिर उसने अपना सिर गिरी हुई महिला की ओर घुमाते हुए कहा, "अगर वह बात करने को तैयार हो जाए तो।"

मैंने उस औरत पर एक नज़र डाली, फिर जेसन की तरफ देखा, उसकी नीली आँखों में शांति से नज़रें मिलाईं, जैसे आँखें मिलाई हों। "वो बोल ही देगी।" मुझे नहीं पता था कि मैं उसे कैसे बुलवाऊँगी, पर मैं लूसी को वापस लाकर रखूँगी... चाहे जैसे भी हो। मैंने अपने विचारों पर सिर हिलाया। एक दिन मैं जेसन को उसके अतीत में हत्यारा होने के लिए कोस रही थी, और अब मैं उसे यातना देने के बारे में सोच रही थी। ओह, बड़े-बड़े लोग कैसे गिर जाते हैं!
जेसन अब भी मुझे देख रहा था, मेरे विचारों को समझने का इंतज़ार कर रहा था। मैंने झट से उसकी नज़रों से नज़रें हटाईं और एलिसन की तरफ मुड़ गई। "एलिसन?" मैंने पूछा, मुझे अपनी आवाज़ का कमज़ोर लहजा पसंद नहीं आया। उसने कोई जवाब नहीं दिया। मैं सोफे के पास गई और उसके सामने बैठ गई। "अल? तुम अंदर हो?"
“उसे अस्पताल ले जाने की जरूरत है,” जेसन ने दोहराया।
मैंने पीछे मुड़कर देखा तो वह बेहोश महिला के पास घुटनों के बल बैठा हुआ था।
“मुझे बस कुछ मिनट चाहिए,” एलिसन ने आखिरकार कहा, “फिर हम लूसी को वापस ले आएंगे।” मैंने एलिसन के हाथों को प्यार से थामते हुए, मानो मुझमें इतना भरोसा न हो, फिर उसे छोड़कर जेसन के पास घुटनों के बल बैठ गई।
“वह जाग क्यों नहीं रही?” मैंने पूछा। मेरे मन में यही ख्याल आया, हे भगवान, मैंने उसे मारा तो नहीं।
जेसन ने मेरी ओर देखे बिना उत्तर दिया, "वह शायद नई भेड़िया है। वह घावों को भर रही है, लेकिन धीरे-धीरे।"
जेसन उस औरत के बगल से उठा और मेरे सामने आ गया। उसने अपने हाथ मेरे चेहरे के दोनों ओर रखे। उसके घाव गायब हो चुके थे, खून से लथपथ उसकी कमीज़ और पैंट ही इस बात का एकमात्र सबूत थे कि कभी वहाँ घाव थे। मैं उसकी छाती को घूरता रहा, अपने विचारों को व्यवस्थित नहीं कर पा रहा था। मेरी दुनिया अभी भी धुंधली थी। मुझे ठंड लग रही थी।
“ज़ोई,” जेसन ने मेरी नज़रें ऊपर उठाते हुए कहा। “मुझे लगता है कि तुम सदमे में जा रही हो।”
मैं उसके चेहरे को देखती रही, उसकी बातें समझ नहीं पा रही थी। उसने मुझे अपनी छाती से लगा लिया और बाहों में भर लिया। मेरा पूरा शरीर बुरी तरह कांपने लगा। जेसन ने हमें नीचे ज़मीन पर उतारा और मुझे अपनी गोद में बिठा

लिया। मैंने वेनिला और पेड़ों की खुशबू को महसूस किया, और उसमें मिली खून की गंध से सिहर उठी। जैसे-जैसे मेरा शरीर गर्म होता गया, मेरा कांपना कम होता गया। मुझे सुरक्षित महसूस हुआ। मैं जानती थी कि यह एक भ्रम था, लेकिन मैं इसके लिए आभारी थी।
मैंने मैक्स को कहते सुना, "वह होश में आ रही है।"
जेसन और मैंने एक साथ उसकी ओर देखा, फिर उसकी नजरें मेरे कमरे के उस कमरे में लेटी महिला पर पड़ीं। वह अपनी जंजीरों से छूटने के लिए छटपटाने लगी। नए वेयरवोल्फ भी ज्यादा देर तक बेहोश नहीं रहते थे। इससे काफी समय बच गया। जैसे ही महिला को होश आया, वह हमसे दूर भागने की कोशिश करने लगी। मुझे लगा था कि वह विरोध करेगी, लेकिन इसके बजाय वह डर के मारे सहम गई।
“मैं… मैं बताऊंगी,” महिला हकलाते हुए बोली। “मैं आपको बता सकती हूँ कि वे कहाँ हैं। मुझे चोट मत पहुँचाना।”
वाह, यह तो आसान था।
एक बार जब लेला नाम की महिला ने बोलना शुरू किया, तो उसे चुप कराना मुश्किल हो गया। ज़ाहिर है, डैन यात्रा करते हुए अपने झुंड के सदस्यों को इकट्ठा करने की कोशिश कर रहा था। वह एक कस्बे से दूसरे कस्बे जाता, मैक्स जैसे भेड़ियों की तलाश में, ऐसे दुर्लभ भेड़िये जो बिना झुंड के जीवित रह पाए थे। मुझे लगता है कि वे उतने दुर्लभ नहीं थे जितना हमने सोचा था। वह लेला समेत केवल तीन झुंड के सदस्यों को ही इकट्ठा कर पाया था। लूसी, डैन का किसी को अपने झुंड में शामिल करने का, या यूँ कहें कि अपनी साथी बनाने का पहला प्रयास था।
जब भी डैन को कोई नया भेड़िया मिलता, वह उसे अपने झुंड में शामिल कर लेता। लीला का कहना था कि उनके पास ज़्यादा विकल्प नहीं था। छोटे भेड़ियों के लिए अल्फा का विरोध करना मुश्किल था, और डैन अल्फा ही था। इसीलिए ज़्यादातर भेड़िये स्वेच्छा से झुंड में शामिल होते थे; उनके अल्फा उन्हें ऐसी स्थितियों से बचाते थे। डैन मूल रूप से मैक्स को अपने झुंड में शामिल करने के लिए शेल्बी हाई आया था, लेकिन लूसी को देखकर सब कुछ बदल गया। मैंने संदेह भरी निगाहों से लीला की ओर देखा। "हम तुम्हारी बात पर क्यों विश्वास करें?"
उसकी आँखें और भी चौड़ी हो गईं, जो कुछ पल पहले तक असंभव लग रहा था। “मैं... मैं डैन के साथ नहीं जाना चाहती थी। मेरे पास कोई चारा नहीं था, वह मुझे

मार डालता। मैंने उसे पहले कभी नहीं देखा, वह अपनी क्षमता से कहीं अधिक ताकतवर और फुर्तीला है। मैं आपको बता सकती हूँ कि वह कहाँ छिपा है, वह आपके दोस्त को कहाँ ले जाएगा।”
मैं उसके बगल में नीचे बैठ गया। "आगे बोलो।"
लीला ने हमें बताया कि डैन पुराने रेंजर स्टेशन पर छिपा हुआ है, जो मेरे घर से लगभग दस मील दूर है। राज्य द्वारा कुछ मील पूर्व में एक नया स्टेशन बनाए जाने के बाद, लगभग चार साल पहले, इसे छोड़ दिया गया था। तो अब हमें बस वहाँ जाना था, डैन और उसके बाकी साथियों को पार करना था, और लूसी को बाहर निकालना था। ठीक है।
जेसन, एलिसन, मैक्स और मैं लीला से दूर जाकर कुछ बातों पर चर्चा करने के लिए कमरे से बाहर चले गए।
"रुको," लीला ने कहा, "कुछ और भी है।"
हमने उम्मीद भरी निगाहों से उसकी ओर देखा।
वह ज़ोई को चाहता है।
क्या? मैंने कहा, "मुझे लगा कि मैं महत्वपूर्ण नहीं हूँ, क्योंकि मुझे बदला नहीं जा सकता।"
“वह तुम्हें अपने वश में नहीं करना चाहता, वह तुम्हारा इस्तेमाल करना चाहता है। वह इस बात को लेकर जुनूनी है। उसे लगता है कि अगर वह तुम्हें नियंत्रित करने का कोई तरीका ढूंढ ले, तो वह तुम्हारा इस्तेमाल करके अपनी तथाकथित शक्ति को मजबूत कर सकता है। वह पूरी तरह से होश में नहीं है।” मैंने शांत दिखने की कोशिश करते हुए कहा, "हमें कुछ ऐसा बताओ जो हम नहीं जानते।" अंदर ही अंदर मैं एक छोटी बच्ची की तरह कांप रहा था।
हमने लीला को वहीं छोड़ दिया और सर्द रात में बाहर निकल गए।
“तो योजना क्या है?” मैंने जेसन से पूछा, जब हम सब मेरे घर से थोड़ी दूर चल रहे थे। हम नरम चाँदनी में घिरे खड़े थे, जिससे चारों ओर डरावनी परछाइयाँ बन रही थीं। मैं उन परछाइयों में से झाँकने की कोशिश किए बिना नहीं रह सकी, कहीं कोई भेड़िया हमारी बातें तो नहीं सुन रहा?
जेसन के जवाब देने से पहले ही एलिसन ने अचानक कहा, "क्या हम पुलिस को फोन नहीं कर सकते?"

“और उन्हें क्या बताएँ?” जेसन ने जवाब दिया। “कि उन्हें बाज़ूका लेकर जाना होगा? अगर वे ऐसा करते भी हैं, तो उनकी प्रतिक्रिया इतनी तेज़ नहीं होगी। हम उन्हें मौत के मुंह में भेज रहे होंगे।”
“ठीक है,” मैंने कहा, “वे तीन हैं: डैन, और झुंड के बाकी दो सदस्य। लूसी को मिलाकर हम चार हैं।”
“पांच,” एलिसन ने बीच में कहा।
"माफ़ करना अल, तुम्हारी कोई गिनती नहीं है।"
उसने मुंह फुलाया, इसलिए मैंने उसकी बात मान ली। “हम पांच लोग हैं, जिनमें लूसी भी शामिल है। तो, हमें बस लूसी तक पहुंचना है, और फिर हमें वापस बाहर निकलने में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए, पांच के मुकाबले तीन।”
“यह बहुत खतरनाक है,” जेसन ने जवाब दिया। “मैं डैन के पुराने गिरोह को फोन करूंगा। वे इसके लिए आएंगे। इस बीच मैं डैन को रोकने की कोशिश करूंगा, और मैं अकेला चला जाऊंगा।”
“अरे नहीं,” मैंने जवाब दिया। “तुम हमारे साथ कोई वीरतापूर्ण अभिनय नहीं करोगे। मैं तो इस बचाव कार्य से बाहर रहने को बिल्कुल भी तैयार नहीं हूँ।” “मैं भी,” एलिसन ने कहा।
“मैं भी,” मैक्स ने कहा।
“तो फिर बात पक्की हो गई,” मैंने जेसन की ओर मुड़ते हुए कहा। “हम साथ में अंदर जाएंगे।”
जेसन ने सिर हिलाया। “तुम सब मारे जा सकते हो। वह लूसी को तो नहीं मारेगा, लेकिन मुझे नहीं लगता कि वह हममें से किसी के प्रति इतना दयालु रहेगा। यह बहुत जोखिम भरा है।”
मैंने जवाब दिया, "सिर्फ तुम्हारे जाने से तो और भी खतरा है। कम से कम हम सब मिलकर जाएंगे तो सफलता की कुछ उम्मीद तो रहेगी। डैन के पुराने साथियों को यहां आने में कितना समय लगेगा?"
जेसन ने मेरी आँखों में देखा और मुझे घूरने की कोशिश की। मैंने धीरे से अपनी बाहें मोड़ीं और अपना सिर एक तरफ झुकाकर उसे घूरने लगी। एलिसन और मैक्स मेरे दोनों ओर आकर खड़े हो गए और मेरी नकल करने लगे। जेसन ने धीरे से सहमति में सिर हिलाया, लेकिन वह खुश नहीं लग रहा था। अफसोस, उसके पास कोई विकल्प नहीं था।
जेसन ने आह भरी। "ठीक है, ये रही योजना..."

योजना यह थी कि हम लीला को हथकड़ी लगाकर ले जाएंगे, सौदे के बहाने। हम जानते थे कि डैन कभी सौदे के लिए तैयार नहीं होगा, लेकिन अगर हम उसे बातचीत में उलझा सकें, तो शायद हममें से कोई लूसी के पास पहुँचकर उसे हथकड़ियों से मुक्त कर सके। हमारा विचार था कि चाहे कुछ भी हो जाए, लूसी के पास भी भागने का उतना ही मौका होगा जितना हम सबके पास।
मैं इस संभावना के बारे में न सोचने की पूरी कोशिश कर रहा था कि शायद हम सब बच न पाएं। इस बीच, अगर हम असफल हो जाते हैं, तो उम्मीद है कि डैन का दल हम सबको बचाने के लिए आ जाएगा। वे यूटा में तैनात थे, इसलिए उन्हें हवाई जहाज से आना होगा। अगर उन्हें तुरंत उड़ान मिल जाती है, तो भी उनके पहुंचने से पहले हमारे पास दो से तीन घंटे का समय होगा।
हम अंदर वापस गए और जेसन डैन के पुराने पैक के अल्फा को फोन करने के लिए रसोई में चला गया। मैंने जेसन की बातचीत सुनी जिसमें उसने सारी घटना का ब्यौरा दिया। कुछ मिनट बाद, मुझे फोन के स्टैंड में रखे जाने की आवाज़ सुनाई दी।
जेसन लिविंग रूम में वापस आया। "वे आ रहे हैं।"
मैक्स ने गला साफ किया, जिससे सबकी निगाहें उसकी ओर मुड़ गईं। "मेरा और लूसी का क्या होगा? क्या वे हमें भी अपने साथ ले जाएंगे?"
जेसन ने कोई जवाब नहीं दिया, बल्कि उसने कहा, "मैक्स, तुम्हें रेंजर स्टेशन चलने की ज़रूरत नहीं है। तुम अभी घर जा सकते हो।"
मैक्स ने अपनी कलाइयों को आपस में जोड़कर फिर उन्हें बगल में कर लिया, जैसे कोई अंपायर किसी को आउट घोषित कर रहा हो। "बिल्कुल नहीं। मैं आ रहा हूँ। जब समय आएगा तब हम बाकी लोगों के बारे में सोच लेंगे।"
बात तय हो गई। हमने लीला को उठाया और सब गंभीर और उदास चेहरों के साथ सामने के दरवाजे से बाहर निकल पड़े: एक पिशाच, एक इंसान, एक किशोर भेड़िया, एक और भेड़िया जो हम बाकी लोगों से भी ज़्यादा डरा हुआ था, और एक आधा दानव जिसे कुछ भी पता नहीं था। बुरे लोग सावधान हो जाओ।

अध्याय अठारह
पुराने रेंजर स्टेशन तक जाने वाली पहाड़ी सड़क ऊबड़-खाबड़ थी। हम सब जेसन की कार में ठसाठस भरे हुए थे और धीरे-धीरे आगे बढ़ते हुए कार उछल रही थी। मैं आगे वाली यात्री सीट पर बैठी थी और मेरी गोद में मेरा भरोसेमंद चिमनी का पोकर रखा था। लीला पीछे मैक्स और एलिसन के बीच में बैठी थी। एलिसन ने अपने बेअसर पेपर स्प्रे की जगह मेरे गैराज में मिला एक बेसबॉल बैट ले लिया था, हालाँकि शायद उससे भी उसे कोई खास फायदा नहीं होता।
मुझे बार-बार खुद को सांस लेने की याद दिलानी पड़ रही थी। लूसी के लिए मेरा प्यार ही एकमात्र सहारा था जिससे मेरी रगों में हिम्मत बनी हुई थी। जैसे- जैसे हम अपनी मंज़िल के करीब आते गए, बचाव कार्य को अंजाम देने की हमारी क्षमता पर मेरा भरोसा कम होता गया। जेसन के आश्वासनों के बावजूद, मुझे यकीन नहीं था कि वह डैन को अकेले मुकाबले में हरा पाएगा।
जेसन का दावा था कि पिशाच, वेयरवोल्फ से कहीं ज़्यादा शक्तिशाली होते हैं, हालाँकि उसने यह भी माना कि डैन अब तक मिले किसी भी वेयरवोल्फ से ज़्यादा शक्तिशाली था, जिससे लीला के दावे की पुष्टि हुई। डैन को खतरनाक बनाने वाली बात सिर्फ़ उसकी लड़ने की क्षमता ही नहीं थी। डैन के पास किसी भी वेयरवोल्फ की तुलना में कहीं ज़्यादा शारीरिक शक्ति और गति थी।
मैक्स की बात करें तो, मुझे और भी ज्यादा चिंता थी। हमारे लिए अनजान उस साथी ने लूसी के घर के बाहर उसे बड़ी आसानी से हरा दिया था। मैक्स का दावा था कि उसका प्रतिद्वंदी हवा के विपरीत दिशा से आया और उस पर छुपकर हमला किया, लेकिन इस तथ्य से ही मुझे लगा कि मैक्स उसका मुकाबला नहीं कर सकता। मैं इस स्थिति में अनिश्चित था। मुझे मिलाकर हम तीन के मुकाबले दो थे, क्योंकि हम लीला पर लड़ाई में शामिल होने के लिए भरोसा नहीं कर सकते थे और एलिसन से भी कोई खास मदद नहीं मिलने वाली थी। मैं पहले से ज़्यादा ताकतवर हो गया था, लेकिन कितना, यह मुझे पक्का नहीं पता था। मुझे नहीं लगता था कि आने वाली लड़ाई में मैं अपनी इस नई ताकत पर भरोसा कर पाऊँगा। मैंने यह साबित कर दिया था कि मैं वार कर सकता हूँ, लेकिन वार सहना... खैर... मैं यह जानने के लिए बिल्कुल भी उत्सुक नहीं था कि इसका क्या नतीजा होगा।
"कृपया मुझे वापस मत दो," लीला ने चुप्पी तोड़ते हुए और मेरे विचारों की श्रृंखला को भंग करते हुए विनती की। "मैं उसके पास वापस नहीं जा सकती।"

मैंने कहा, "हम तुम्हें वापस नहीं देंगे। तुम तो बस अंदर आने का एक बहाना हो।"
लेकिन अगर तुम हार गई तो? वो मुझे वापस ले जाएगा! मैं वापस नहीं जा सकती! मेरा सब्र टूट गया था। मैंने अपनी सीट बेल्ट खोली और पीछे की सीट पर झुककर लीला के चेहरे के सामने खड़ी हो गई। "तुमने डैन को हम पर हमला करने में मदद की। जहाँ तक मेरा सवाल है, लूसी को उसके पास ले जाने की वजह तुम ही हो। अब तुम उसे वापस लाने में हमारी मदद करोगी, और बस इस बात से खुश रहो कि तुम अभी तक ज़िंदा हो।"
लीला सहम गई और जितना हो सके खुद को अपनी सीट से सटा लिया, अपने लंबे, काले बालों के पीछे छिप गई, मुझसे दूरी बनाने की व्यर्थ कोशिश कर रही थी।
“शांत हो जाओ ज़ोई,” जेसन ने शांत करने के इरादे से कहा। उसने अपनी फटी हुई कमीज़ की जगह अपनी कार के ट्रंक से गहरे हरे रंग की सूती टी-शर्ट पहन ली थी। मैक्स और एलिसन अपनी जगह पर जम गए थे, दोनों मुझसे जितना हो सके दूर हट गए थे।
मैंने गुस्से से जेसन की ओर पलटकर देखा, मेरे चेहरे पर घृणा का भाव था। उसने धीरे से कहा, "याद है पिछली बार जब तुमने अपना आपा खोया था तब क्या हुआ था?"
मैं कुछ सोच नहीं पा रहा था। बस भयंकर क्रोध उमड़ रहा था। ऐसा लग रहा था जैसे जलते अंगारे मुझे अंदर से खा रहे हों। आमतौर पर गुस्से में मेरे साथ ऐसा नहीं होता था। यह बिल्कुल नया अनुभव था।
“ब्रायन के साथ जो हुआ था, याद है?” जेसन ने उतनी ही शांति से पूछा। ब्रायन के डरे हुए चेहरे की याद मेरे मन में कौंध गई, जिससे मैं गंभीर हो गया और मेरा गुस्सा काफी हद तक शांत हो गया। मेरा गुस्सा इतना भयानक पहले कभी नहीं हुआ था, बिलकुल भी नहीं। यह मेरे... वंश की एक कड़वी सच्चाई की याद दिला रहा था। मैं अपनी सीट पर वापस बैठ गया और शर्मिंदा होकर अपनी बाहें मोड़ लीं।
गाड़ी की गति धीमी होने पर उसका उछलना कम हो गया। जेसन ने संकरी सड़क के किनारे गाड़ी रोक दी और रेंजर स्टेशन की नज़र से ओझल कर दी। अगर कोई बड़ा ट्रक वहाँ से गुज़रता, तो गाड़ी निकल नहीं पाती। सौभाग्य से, अब उस रास्ते से कोई नहीं गुज़रता था।

जेसन अपनी सीट पर घूमकर एलिसन की ओर देखने लगा। "तुम गाड़ी में, ड्राइवर की सीट पर इंतज़ार करोगी, ताकि ज़रूरत पड़ने पर हम तेज़ी से भाग सकें।" “बिल्कुल नहीं!” एलिसन ने बहस की। “तुम लोग मेरे बिना अंदर नहीं जा सकते!” मैंने उसे शांत करने की कोशिश करते हुए कहा, "अल, यह बात समझ में आती है," क्योंकि मैं जेसन से सहमत था, "तुम यहाँ रहकर हमारा ज़्यादा भला करोगे।" अगर ऐलिसन बाहर ही रहती तो सबके लिए बेहतर होता। वो खतरे से दूर रहती, कम से कम हम सब से तो काफी दूर रहती, और हमें अपनी सुरक्षा करते हुए उसकी सुरक्षा की चिंता भी नहीं करनी पड़ती। मुझे याद आया कि मुझे अपनी सुरक्षा करनी है, और मेरी धड़कन थोड़ी तेज़ हो गई।
एलिसन का चेहरा गुस्से से सिकुड़ गया। "ठीक है।" वह खुश नहीं थी, लेकिन मैं उसे मरा हुआ देखने के बजाय नाराज़ देखना पसंद करूंगी।
हम कार से बाहर निकले, मैक्स ने लीला की हथकड़ी पकड़ रखी थी और मैंने अपने चिमनी के पोकर को कसकर पकड़ रखा था। जैसे ही हम छिपने की जगह की ओर चलने लगे, असामान्य रूप से गर्म हवा से मेरी त्वचा में झनझनाहट होने लगी। लीला के सामने मेरा पहले वाला साहस अब खत्म हो चुका था। मैं अब पूरी तरह घबराया हुआ था। मैं चलना बंद कर दिया। "उम्म, मुझे फिर से याद दिलाओ कि योजना क्या है?"
जेसन मेरे बगल में रुका और मेरा हाथ पकड़ते हुए बोला, "ज़ोई, तुम्हें अंदर जाने की ज़रूरत नहीं है। असल में," उसने हल्की सी मुस्कान के साथ कहा, "मुझे अच्छा लगेगा अगर तुम अंदर न जाओ।"
मैंने गहरी सांस ली। “मैं ठीक हूँ। चलो चलते हैं।” मैं बिल्कुल भी ठीक नहीं थी। मैं क्या सोच रही थी? मुझे लड़ना नहीं आता था। आज रात से पहले, मैंने कभी किसी इंसान से शारीरिक लड़ाई भी नहीं लड़ी थी, और अब मुझसे उम्मीद की जा रही थी कि मैं चिमनी के लोहे के डंडे से वेयरवुल्फ से लड़ूँ? मैंने आसमान की ओर देखा, खुद को घबराहट से बचाने की कोशिश करते हुए। अंधेरे के बीचोंबीच चाँद चमक रहा था, लगभग पूरा। ऊँचे-ऊँचे चीड़ के पेड़ों की डरावनी छायाएँ सुनसान रेंजर स्टेशन की ओर जाने वाली कच्ची सड़क पर पड़ रही थीं। एक और गर्म हवा का झोंका मेरे बालों को मेरे चेहरे से हटाकर पीछे कर गया। मेरे माथे पर पसीने की बूँदें थीं।
जेसन की लंबी, देहनुमा आकृति उस सुनसान इमारत की ओर आगे-आगे चल रही थी। मैं उसके पीछे था, और मैक्स कुछ कदम पीछे-पीछे लीला को घसीटता हुआ आ रहा था।

मैं लीला को धीमी आवाज़ में "नहीं, नहीं, नहीं..." कहते हुए सुन सकता था। मुझे मानना पड़ेगा, मुझे उस पर तरस आ रहा था।
हम लकड़ी के केबिन जैसी दिखने वाली छोटी सी इमारत के पास पहुँचे। वह अँधेरी और खाली लग रही थी। क्या लीला ने हमें गुमराह किया था? मैंने मैक्स की ओर देखा। उसने सिर हिलाकर पुष्टि की कि डैन की गंध आसपास मौजूद है। जेसन ने हमें रुकने का इशारा किया।
जेसन लकड़ी के दरवाजे की ओर धीरे-धीरे बढ़ा। वह कुछ महसूस करते हुए रुका, फिर अचानक उसने अपना कंधा दरवाजे पर ज़ोर से मारा। दरवाजा अंदर की ओर खुल गया और अंदर की दीवार से टकरा गया। चारों ओर सन्नाटा छा गया। जेसन इमारत के अंधेरे अंदरूनी हिस्से में दाखिल हुआ। जहाँ मैं खड़ा था, वहाँ से वह खाली लग रहा था। मेरे रोंगटे खड़े हो गए। मुझे लगा जैसे यह कोई जाल हो।
जेसन हमारी ओर तेज़ी से मुड़ा। "मैक्स!" उसने चिल्लाया।
मैंने पीछे मुड़कर मैक्स और लीला की तरफ देखा, तभी एक काली आकृति मैक्स पर टूट पड़ी। मैक्स, लीला और हमलावर सड़क के किनारे झाड़ियों में जा गिरे और चार फुट गहरी खाई में ओझल हो गए। मैं उस जगह की ओर दौड़ने लगा जहाँ वे झाड़ियों में गायब हो गए थे, लेकिन तभी पुरुषों के हंसने की आवाज़ सुनकर मैं रुक गया।
मैं रेंजर स्टेशन की ओर मुड़ गया, तभी एक छोटा, गठीला आदमी इमारत के किनारे से टहलता हुआ आया। उसके छायादार चेहरे पर घनी दाढ़ी और बिल्कुल गंजा सिर दिखाई दे रहा था। उसकी छोटी, चमकीली आँखें उभरी हुई भौंहों में समाई हुई थीं, जो बालों की कमी से और भी ज़्यादा उभरी हुई लग रही थीं।
"वाह, मुझे उम्मीद नहीं थी कि तुम लोग इतने बेवकूफ होगे," उस आदमी ने कर्कश, खुरदरी आवाज में घमंड से मजाक उड़ाया।
मैंने झूठी बहादुरी दिखाते हुए पूछा, "क्या आपको उम्मीद थी कि आपकी संख्या कम होगी?"
“तुम दोनों से?” आदमी हँसते हुए बोला, “माफ़ करना, कोई मुकाबला नहीं।” वह आगे बढ़ने लगा। “तुम्हें लगता है कि तुम मुझे डरा सकते हो?” वह मन ही मन हँसा।
जेसन उसके रास्ते में आ गया। जेसन ने मुझसे भावहीन स्वर में कहा, "लूसी को ढूंढो।" उसकी निगाहें अपने प्रतिद्वंदी से हटी ही नहीं। "जाओ!" उसने चिल्लाया, ठीक उसी समय वह आदमी उसकी ओर दौड़ा।

मैं गया। मैं रेंजर स्टेशन में भागा और हड़बड़ी में खोजने लगा, हाथ में चिमनी खोलने वाला डंडा लिए हुए। कमरा लगभग खाली था और एकदम शांत था। मुझे एक कोने में कुछ काली आकृतियाँ दिखाई दीं और मैं सबसे बड़ी आकृति की ओर भागा, मुझे लगा कि वह लूसी है। मेरा दिल बैठ गया जब मैंने देखा कि वे आकृतियाँ कुछ इकट्ठे तिरपाल और आधे खाली गैस के डिब्बे थे। मैंने काउंटर के पीछे और छोटे से बाथरूम में भी देखा। सब खाली था।
मैं मुख्य कमरे में वापस गया और फर्श का मुआयना किया। लकड़ी के फ्रेम वाली बड़ी खिड़कियों से आती चांदनी की रोशनी में मुझे धूल भरे कई पदचिह्न दिखाई दिए। एक पदचिह्न पीछे के दरवाजे की ओर जा रहा था। मैं रुककर सुनने लगा। बाहर से आ रही संघर्ष की आवाजें अब सुनाई नहीं दे रही थीं। मैं वापस सामने के दरवाजे की ओर भागने लगा, लेकिन खुद को अपनी योजना पर टिके रहने के लिए मजबूर किया। हमारे हमलावर का मकसद शायद हमें भटकाना था ताकि डैन लूसी को लेकर भाग सके। मैं यह जोखिम नहीं उठा सकता था। इसलिए मैं मुड़ा और पीछे की ओर भाग गया।
मैं लड़खड़ाते हुए पिछले दरवाजे से निकलकर जंगल में आ गया। “लूसी!” मैंने चिल्लाया। मैं रेंजर स्टेशन से दूर जाने वाले रास्ते पर दौड़ने लगा। दौड़ते हुए भी मैं लूसी को पुकारता रहा। ध्यान अपनी ओर खींचना शायद सबसे अच्छा तरीका नहीं था, लेकिन मुझे उसे ढूंढने का कोई और तरीका सूझ नहीं रहा था।
पेड़ों की छायाओं ने मुझे धोखा दिया, हर कोण से मुझे छिपे हुए हमलावर दिखाई दे रहे थे। क्या पता लीला ने झूठ बोला हो? कौन जानता था कि डैन ने वास्तव में कितने भेड़िये इकट्ठा किए थे? अचानक, मैं ज़मीन पर गिर गया। मेरे हाथ से लेकर पूरे शरीर में दर्द की एक लहर दौड़ गई। मैंने अपने दूसरे हाथ को कमज़ोर बचाव के तौर पर उठाया और अपने अनदेखे हमलावर के अगले वार का इंतज़ार किया, लेकिन वार हुआ ही नहीं। मैं उठने की कोशिश करने लगा, यह देखने के लिए कि मुझे किसने गिराया था। रास्ते के बीचोंबीच एक टेढ़ी-मेढ़ी पेड़ की जड़ निकली हुई थी। हमारे आस-पास बहुत सारे बदमाश थे, और मैं एक पेड़ की जड़ से गिर गया। मुझे अपने हाथ को देखने से डर लग रहा था। मुझे लग रहा था कि वह टूट गया है।
मेरे बाईं ओर पेड़ों के बीच से एक आवाज़ आई। मैं ज़मीन पर बैठी रही और अपनी तेज़ साँसों को शांत करने की कोशिश की। मैंने उस दिशा में छाया में झाँका

जहाँ से आवाज़ आई थी। "लूसी?" मैंने दाँत भींचते हुए धीमी, कर्कश आवाज़ में कहा।
मुझे फिर से वही आवाज़ सुनाई दी, एक धीमी सी सिसकी। मैंने दर्द से दांत भींचते हुए धीरे से अपना हाथ सीने से लगा लिया। मैं लड़खड़ाते हुए उठा और सिसकी की आवाज़ का पीछा किया, मेरा पोकर वहीं ज़मीन पर गिर गया था। मैंने नीचे देखा तो पाया कि पगडंडी के एक तरफ झाड़ियाँ रौंदी हुई थीं। मैं पैदल रास्ते से थोड़ा और दूर, रौंदे हुए रास्ते पर चलने लगा। मैं झाड़ियों के बीच लड़खड़ाता हुआ चल रहा था, हर बार जब कोई छिपी हुई जड़ या पत्थर मेरे हाथ से टकराता तो मैं दर्द से कराह उठता, तभी मेरी नज़र ज़मीन पर दुबके एक काले से आकृति पर पड़ी।
मैं लड़खड़ाते हुए उस आकृति की ओर दौड़ा, अपने घायल हाथ को दूसरे सही हाथ से सीने से दबाए हुए। लूसी बंधी हुई थी और उसके मुंह पर पट्टी बंधी थी। उसे केवल रस्सियों से बांधा गया था, चांदी की जंजीरों से नहीं। मैं उसके बगल में घुटनों के बल बैठ गया और वह फिर से सिसकने लगी, उसकी आँखें कसकर बंद थीं। उसने अभी भी वही जींस और टेनिस शूज़ पहने हुए थे जो उसने उस रात पहले पहने थे। समझदारी से उसने सोने के कपड़े नहीं पहने थे, वरना वह यहाँ बिना जूतों और पजामे में होती।
“लूसी, लूसी, मैं हूँ,” मैंने फुसफुसाते हुए कहा।
"ओए?" उसने अपने मुंह पर लगी कपड़े की पट्टी के बावजूद पूछा।
"कोई बात नहीं लूसी, तुम सुरक्षित हो।"
मैं लूसी के बगल में घुटनों के बल बैठ गया और अपने घायल हाथ को सीने पर टिकाए रखने के लिए अपने घुटनों का सहारा लिया ताकि मैं अपने दूसरे हाथ से उसके हाथ खोल सकूँ। मैंने कई मिनट तक रस्सियों से जूझने के बाद आखिरकार उसके हाथ छुड़ाने में कामयाबी हासिल कर ली। लूसी लुढ़क कर बैठ गई और अपने मुंह पर बंधी पट्टी फाड़ दी। उसने अपने टखनों के चारों ओर बंधी रस्सी को खोलना शुरू कर दिया।
“सब लोग कहाँ हैं? डैन कहाँ है?” वह घबराकर फुसफुसाई। “हमें यहाँ से निकलना होगा!”
मैंने फुसफुसाते हुए जवाब दिया, "मुझे पता है। हमें चुप रहना होगा, ठीक है? क्या तुम चल सकते हो?"

“हाँ, मुझे लगता है। मुझे नहीं लगता कि मुझे चोट लगी है।” लूसी धीरे-धीरे उठी। मैं भी सावधानी से उठी और अपने चोटिल हाथ को अपने पेट पर टिकाकर, सही हाथ से सहारा लेते हुए खड़ी हो गई।
“तुम्हारे हाथ को क्या हुआ?” लूसी ने हांफते हुए पूछा।
“मैं गिर गई। क्या आप इसे बांधने में मेरी मदद कर सकते हैं?” मैंने लूसी को बांधने वाली रस्सी पर नज़र डाली।
उसने सिर हिलाया और अपनी हुडी उतार दी। उसने रस्सी उठाई और किसी तरह जुगाड़ से मेरे हाथ के लिए एक अस्थायी स्लिंग बना ली। मैंने अपनी आँखें बंद कर लीं और दाँत भींच लिए जैसे ही उसने मेरे कंधों पर वह स्लिंग डाली। मुझे नीचे बैठना पड़ा ताकि वह मेरी गर्दन के पीछे पहुँचकर धीरे से रस्सी बाँध सके। जब उसकी कलाइयाँ मेरे चेहरे के पास से गुजरीं, तो मैंने उन पर रस्सी के जलने के निशान देखे। डैन पर गुस्सा मेरे पेट में उठ उठा। मैंने गहरी साँस ली और खुद को काबू में रखा, क्योंकि मैं दोबारा अपना आपा खोना नहीं चाहता था।
“क्या यह ठीक है?” लूसी ने पूछा, और इससे पहले कि मैं जवाब दे पाती, उसने आगे कहा, “डैन कहाँ है?”
मैंने अपने चेहरे पर सारी चिंता जाहिर कर दी। "मुझे उम्मीद थी कि आप इसका जवाब दे सकेंगी। मुझे लगा था कि वह आपके साथ होगा।"
लूसी ने सिर हिलाया। “मुझे लाने वाले दोनों लड़के मुझे सीधे यहीं ले आए। मैंने डैन को देखा तक नहीं है।”
मैंने सिर हिलाया। लूसी जिन दो लोगों की बात कर रही थी, वे ही हम पर हमला करने वाले थे; एक जिसने मैक्स और लीला को गिराया था, और दूसरा गंजा आदमी। इससे डैन का कोई पता नहीं चल पाया। "हमें जाना होगा।"
मैं धीरे-धीरे रेंजर स्टेशन की ओर वापस चलने लगा और लूसी मेरे पीछे-पीछे आ रही थी। मैंने यथासंभव कम से कम आवाज़ करने की कोशिश की, लेकिन मुझे चक्कर आ रहे थे और दर्द के कारण मैं लड़खड़ा रहा था। हम उस अंधेरी इमारत से थोड़ी दूरी पर रुक गए।
मैंने लूसी की ओर मुड़कर कहा, “एलिसन जेसन की कार में सड़क के किनारे इंतजार कर रही है। तुम भी उसके साथ जाकर इंतजार करो।”
"आप क्या करने जा रहे हैं?"
मुझे मैक्स और जेसन को ढूंढना होगा।

मैं तुम्हारे साथ आ रहा हूँ।
मैंने उसे चिंता भरी नज़रों से देखा, लेकिन मैं उसके जबड़े की दृढ़ता को पहचान गई थी। यह एक ऐसी नज़र थी जो उसमें, एलिसन में और जेसन और मैक्स में भी समान थी। यह आश्चर्य की बात थी कि हमारा समूह किसी तरह चल पा रहा था। उम्मीद है कि हम सब जीवित रहें और अपना काम जारी रख सकें।
लूसी आ रही थी, और मुझे मानना पड़ेगा कि मुझे उसका साथ पाकर खुशी हुई। हम स्टेशन के किनारे से होते हुए सामने वाले दरवाजे तक दबे पांव गए, जहाँ मैंने जेसन को उस गंजे आदमी का सामना करने के लिए छोड़ा था। चाँद की रोशनी चारों ओर सन्नाटे में छाई हुई थी। मेरी रीढ़ में सिहरन दौड़ गई। कुछ बहुत गलत हो गया था। मुझे उन्हें अकेले लड़ने के लिए कभी नहीं छोड़ना चाहिए था। मैं दबे पांव उस जगह गया जहाँ मैक्स झाड़ियों में गिरा था। खाली। बस रेंजर का स्टेशन ही बचा था।
मुझे पल भर के लिए मन हुआ कि मैं वापस कार में जाऊं, एलिसन को लेकर गाड़ी चलाऊं और सब कुछ भुला दूं, जैसे कुछ हुआ ही न हो। लेकिन जेसन और मैक्स यहीं कहीं थे, घायल, या शायद और भी बुरी हालत में। मैंने गले में अटकी गांठ को निगलने की कोशिश की। प्लीज़, ऐसा न हो कि हालत और खराब हो। वे हमारी वजह से यहां थे। वे लूसी को बचाने, एलिसन और मुझे बचाने आए थे। हम उन्हें अकेला नहीं छोड़ सकते थे।
एक गहरी सांस लेकर मैं धीरे-धीरे लूसी और रेंजर स्टेशन की ओर वापस बढ़ा। मेरा इरादा भांपते हुए, वह मुझसे पहले इमारत में जाने के लिए मुड़ी। मैंने दरवाजे के दूसरी तरफ हलचल देखी। "नहीं!" मैं चिल्लाया, तभी बाहों ने बढ़कर लूसी को अंदर खींच लिया। उसने एक छोटी सी चीख मारी जो अंधेरे में गायब होते ही दब गई।
ये बिल्कुल हॉरर फिल्मों में मारे जाने वाले बेवकूफ लोगों जैसा था। हर पल, आप स्क्रीन पर चिल्लाते रहते हैं, उन्हें भागने और पुलिस को बुलाने के लिए कहते रहते हैं। चाहे कुछ भी हो जाए, आपको उस डरावनी अंधेरी इमारत में दोबारा कभी नहीं जाना चाहिए। खैर, मैं पूरी रफ्तार से अंदर जा रहा था। मैं इमारत में फिसलते हुए घुसा और रुक गया। जैसे ही मेरे पीछे दरवाजा ज़ोर से बंद हुआ, मैं घूम गया। मेरे सामने कुछ ऐसे चेहरे थे जिन्हें मैं नहीं जानता था। डैन के गिरोह का तीसरा सदस्य।

वह आदमी लंबा और सांवला था। उसने लगभग काली आँखों से मुझे घूरते हुए, लूसी को अपने सीने से कसकर पकड़ रखा था और एक हाथ से उसका मुँह दबा रखा था। उसे लूसी के छटपटाने और लात मारने का एहसास भी नहीं हो रहा था। उसने मेरी तरफ देखकर मुस्कुराया, जिससे उसके बड़े-बड़े चौकोर दाँत दिखाई दिए। तभी पीछे से डैन की आवाज़ ने मेरा ध्यान कमरे की ओर वापस खींचा।
मैक्स पीछे बाईं ओर के कोने में तिरपाल और गैस के डिब्बों के पास लेटा हुआ था, जिन्हें मैंने पहले गलती से लूसी समझ लिया था। वह एकदम शांत लेटा था। मैक्स का चेहरा जितना दिख रहा था, उस पर बैंगनी और काले रंग के निशान थे, उसका मुंह सूजा हुआ और खून से लथपथ था। जेसन कमरे के ठीक सामने वाले कोने में पीठ करके लेटा था। मुझे लगा कि लीला की हथकड़ियां अब उसकी कलाई पर थीं। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि उन्होंने उन्हें कैसे खोला होगा, क्योंकि चाबी हम घर पर ही छोड़ आए थे। जेसन भी मैक्स की तरह ही शांत लेटा था। मैंने कमरे में लीला को ढूंढा और देखा कि एक भेड़िया काउंटर के पीछे से झांक रहा है। यह लीला ही होनी चाहिए। मुझे उम्मीद थी कि यह लीला ही हो, गंजा आदमी नहीं। खैर, एक व्यक्ति तो गायब था। भेड़िया बहुत डरा हुआ लग रहा था, अगर कोई भेड़िया इतना डरा हुआ दिख सकता है।
मैंने डैन की ओर देखा, जो अभी भी अपने काले कपड़ों में था। "तुम क्या चाहते हो?"
“ठीक है,” उसने जवाब दिया। “मैं तो बस लूसी को लेकर अपने रास्ते जाना चाहता था। मेरा तुम्हें या तुम्हारे साथियों को नुकसान पहुँचाने का कोई इरादा नहीं था, लेकिन तुमने मुझे मजबूर कर दिया। अब, तुमने और तुम्हारे साथियों ने मुझे जो मुसीबतें दी हैं, उनकी वजह से मुझे और चाहिए। तुम्हारे पिशाच ने डेविड को मार डाला, और तुमने मेरे एक साथी को मेरे खिलाफ भड़का दिया। जब हमने हमला किया, तो लीला ने अपना रूप बदलकर ब्रेंट से लड़ाई की। उसे लगा था कि तुम और तुम्हारे साथी उसे बचा लोगे। मुझे उसे दिखाना ही था कि वह कितनी बड़ी गलती कर रही थी।”
मैंने अंदाज़ा लगाया कि ब्रेंट ही लूसी को पकड़े हुए था, और डेविड ही गंजा आदमी रहा होगा। डैन अपनी बाहों को पीठ के पीछे बांधकर इधर-उधर घूमने लगा और खुद ही हंसने लगा, जैसे किसी हॉरर फिल्म का पागल वैज्ञानिक हो। वह पूरी तरह से अपना आपा खो बैठा था। उसने मुझसे पूछा, "क्या तुम मेरी नई योजना सुनना चाहोगे?"

मैंने उसे घूरकर देखा।
“मैं अब सिर्फ अपनी प्यारी लूसी को लेकर तुम सबको अकेला नहीं छोड़ूंगा। मैं उसे तो ले ही जाऊंगा, लेकिन अब तुम्हें भी ले जाऊंगा। तुममें जितना तुमने हमें बताया है, उससे कहीं ज़्यादा कुछ छिपा है। मैंने खुद कुछ अंदाज़ा लगा लिया है, लेकिन शहर से निकलते ही हमारे पास अपने सिद्धांतों को सही या गलत साबित करने का काफी समय होगा। तुम्हारे बाकी साथियों को मरना होगा। और छोटी लीला? क्या तुम सोच रहे हो कि वह अभी भी भेड़िया के रूप में क्यों है? हमें किसी तरह लाशों को ठिकाने लगाना होगा।” डैन मेरे करीब आया और मेरे चेहरे के सामने खड़ा हो गया। उसके माथे पर पसीना आ गया था और उसके पागलपन भरे चेहरे पर टपकने लगा था।
मैंने नाक सिकोड़ी और गर्व भरी निगाहों से उसे घूर कर देखा।
“आह,” डैन ने कहा। “मुझे लगता है मैंने तुम्हें गुस्सा दिला दिया है। जब तक मैं तुम्हें काबू में नहीं कर लेता, तब तक ऐसा नहीं करना चाहता। क्या तुम्हें आश्चर्य है कि मुझे पता है? यह पता लगाना इतना मुश्किल नहीं था।” मैंने ठंडे स्वर में कहा, "मुझे नहीं पता कि तुम किस बारे में बात कर रहे हो।"
“त्स्क, त्स्क,” डैन ने आगे कहा। “अब और नासमझ बनने का नाटक मत करो, ज़ोई। मैंने पता लगा लिया है, वो रहस्यमयी गंध, तुम शैतान जैसी महक रही हो।”
"और आपको कैसे पता चलेगा?" मैंने डर से भरी आवाज में पूछा।
“ओह, मुझे राक्षसों के बारे में सब पता है, उनसे निपटने के बारे में भी। शेल्बी की एक खासियत उसका कब्रिस्तान है, जो राक्षसों को बुलाने के लिए एकदम सही जगह है। देखो, किसी कब्रिस्तान का आकार ही उसे जादू के लिए उपयुक्त नहीं बनाता, बल्कि उसकी उम्र भी मायने रखती है। शेल्बी के कब्रिस्तान का आकार और उम्र दोनों ही अद्भुत हैं, लेकिन यह कहानी हम बाद में सुनाएंगे। इसके लिए हमारे पास काफी समय होगा। अगर तुम अच्छी बच्ची बनोगी, तो मैं तुम्हारे सारे सवालों के जवाब दे दूंगी।”
मुझे उसे बातों में उलझाए रखना था। मुझे कुछ समय चाहिए था। डैन का झुंड जल्द ही यहाँ आने वाला था। मैंने बातचीत के लहजे में पूछा, "लेकिन कब्रिस्तान तो बुरे नहीं होते, है ना? फिर तो वे राक्षसों को बुलाने के लिए अच्छी जगह क्यों हैं?"

डैन मुस्कुराया। “ये कई कामों के लिए अच्छे होते हैं। कब्रिस्तानों में जादू इकट्ठा होता है। कच्ची शक्ति। मुझे ठीक-ठीक कारण और तरीका तो नहीं पता, लेकिन कब्रिस्तान जितना पुराना और बड़ा होता है, उतनी ही ज़्यादा शक्ति वहाँ जमा होती है।” डैन फिर से अपने हाथ पीठ पीछे बांधकर इधर-उधर घूमने लगा। “राक्षस को बुलाने के लिए जिस अनुष्ठान की ज़रूरत होती है, उसमें काफ़ी शक्ति लगती है, और मुझमें कोई जादुई क्षमता नहीं है, इसलिए मुझे कब्रिस्तानों पर ही निर्भर रहना पड़ता है।”
मैंने सिर हिलाया। "लेकिन तुम किसी दानव को क्यों बुलाना चाहोगे?" मैंने देखा कि मैक्स थोड़ा सा हिलकर होश में आ रहा है। मैंने अपनी नज़रें डैन पर टिकाए रखीं और उसे आगे बोलने के लिए प्रोत्साहित किया।
डैन एक शिक्षक की तरह मुस्कुराया, मानो उसे गर्व हो कि उसके शिष्य ने अच्छा सवाल पूछा है। “राक्षसों से निपटने में बहुत कुछ हासिल होता है: ताकत, धन, ज्ञान, लेकिन बहुत कुछ खोना भी पड़ता है। अब तक तो मैंने काफी अच्छा किया है। शायद किसी समय मेरी मुलाकात तुम्हारे पिता से भी हुई थी। मुझे लगता है कि वही तुम्हारे राक्षस माता-पिता हैं। तुम्हारी माँ से वैसी गंध नहीं आती। हम आखिरकार पता लगा ही लेंगे कि वह कौन है। मैं तो बस कल्पना ही कर सकता हूँ कि वह तुम्हारे बदले क्या-क्या दे सकता है।”
मैंने कड़वी मुस्कान के साथ कहा, "जब मैं पैदा हुई थी तब वह मुझे छोड़कर चला गया था। जाहिर है, वह मुझे नहीं चाहता।"
डैन फिर हँस पड़ा। “खैर, ज़ाहिर है कि तब वो तुम्हें नहीं चाहता था, तुम किसी काम की नहीं थी। लेकिन मुझे लगता है कि लीला के साथ तुमने जो किया, उसके बाद अब तुम्हें अपनी शक्तियों का एहसास होने लगा होगा। इससे तुम और भी आकर्षक हो गई हो। वो सौदा कर लेगा, और तुम अपने प्यारे पापा से फिर मिल जाओगी।”
वह प्रस्ताव कितना भी लुभावना क्यों न हो, मेरा अपने पिता से मिलने का कोई इरादा नहीं था। डैन इधर-उधर टहलते हुए मैक्स के करीब पहुँच गया था, और उसकी पीठ मेरी तरफ थी। मुझे कुछ करना था, पर मैं क्या कर सकती थी? अचानक, दरवाजा ज़ोर से खुला और मेरे पीछे एक ज़ोरदार आवाज़ गूंजी। मैं घूमी तो देखा कि लूसी और ब्रेंट नाम का आदमी मेरे सामने खड़े थे। ब्रेंट ने लूसी को ज़मीन पर गिरा दिया था, जहाँ वह हैरान होकर दुबकी हुई थी। एलिसन ब्रेंट की चौड़ी पीठ के पीछे खड़ी थी, अपने बेसबॉल बैट को फिर से मारने के लिए तैयार।

ब्रेंट मुड़ा और एलिसन को पकड़ने की कोशिश की, और लूसी उसकी पीठ पर कूद गई। तीनों लुढ़कते हुए दरवाजे से बाहर निकल गए।
किसी ने मुझे बाहों में जकड़ लिया और फिर से दीवार पर पटक दिया। जैसे ही मैं ज़मीन पर गिरा, मेरे हाथ में दर्द की एक नई लहर दौड़ गई। मेरी आँखों के सामने धुंधली रोशनी छा गई और मैंने साँस लेने की कोशिश की। मैंने आँखें खोलीं तो देखा कि डैन का लाल, घृणा से भरा चेहरा मेरे चेहरे से कुछ ही इंच की दूरी पर था।
उसने गुस्से में मेरे चेहरे पर शब्द थूक दिए। “मैं तुम्हारे सारे छोटे दोस्तों को तुम्हारी आँखों के सामने मार डालूँगा। यहाँ तक कि मेरी प्यारी लूसी को भी। मैं उसकी हरकतों से तंग आ चुका हूँ। और तुम्हारा पिशाच? उसकी मौत खास होगी। आराम से, धीरे-धीरे। हो सकता है मैं तुम्हें उसमें मदद करने के लिए भी मजबूर करूँ। लेकिन मैं तुम्हें नहीं मारूँगा। हो सकता है मैं तुम्हें जाने भी दूँ। मैं तुम्हें अपने दोस्तों को मरते देखने की याद के साथ अपनी दयनीय छोटी सी ज़िंदगी जीने दूँगा। मैं तुम्हें इस ज्ञान के साथ जीने दूँगा कि तुमने मुझे रोकने के लिए कुछ नहीं किया। तुम शक्तिहीन हो। एक बेकार... छोटा... कुछ भी नहीं।” उसके गुस्से ने उसके दिमाग में एक स्विच ऑन कर दिया था। ऐसा लग रहा था जैसे उसके दो अलग-अलग व्यक्तित्व हों... मानो स्थिति इससे भी बदतर हो सकती हो।
ब्रेंट लंगड़ाते हुए वापस आया और लूसी को अपनी बाहों में पकड़े हुए था। मुझे उनके साथ एलिसन नहीं दिखी। मैंने बैठने की कोशिश की, लेकिन मेरा शरीर दर्द से चीख रहा था। मेरी बांह आग की तरह जल रही थी। अच्छी बात यह थी कि दीवार से इतनी ज़ोर से टकराने के बावजूद मैं बेहोश नहीं हुई। वाह, मेरी ताकत तो बेमिसाल है!
डैन कमरे के दूसरे कोने में गया और जेसन को उसकी हथकड़ी से पकड़ लिया। उसने जेसन को फर्श पर घसीटा और मेरे बगल में फेंक दिया। जेसन को होश आ गया था। उसने हताश नीली आँखों से मेरी ओर देखा। "मुझे बहुत अफ़सोस है ज़ोई," उसने फुसफुसाते हुए कहा।
“चुप रहो!” डैन चिल्लाया। वह जेसन के पास गया और उसके पेट में लात मारी।
जेसन ने जवाब में हल्की सी भी आवाज नहीं निकाली। उसने अपनी निगाहें मेरी निगाहों पर टिकाए रखीं।

बदबूदार धुएं से भरने लगा। दरवाजे पर हलचल ने मेरा ध्यान खींचा। लूसी, एलिसन को सहारा देकर खड़ी थी, चांदनी में उसकी परछाईं धुंधली सी दिख रही थी और धुएं से उसका चेहरा ढका हुआ था, एलिसन का हाथ उसके कंधों पर था। मैंने अपना ध्यान वापस जलते हुए शरीर पर लगाया। डैन ने चीखना बंद कर दिया था। मुझे डरना चाहिए था। मुझे भयभीत होना चाहिए था।
मैंने सुन्न होकर आग की लपटों के पार अपने दोस्तों के चेहरों को देखा और अपने बगल में शांति से बैठे भेड़िये के फर को सहलाया। लूसी और एलिसन भयभीत दिख रही थीं। जेसन ने सावधानी से मेरी नज़रें बचाईं। मुझे एहसास हुआ कि मैं मुस्कुरा रही थी। मैंने एक आदमी को आग लगा दी थी। मैं डरी नहीं थी, मैं भयभीत नहीं थी। मैं खुश थी। उसने मेरे दोस्तों को चोट पहुँचाई थी। जल जा, जल जा।

अध्याय उन्नीस
मैक्स गायब हो गया था। मैंने अपने दोस्तों के अविश्वास भरे चेहरों से नज़रें हटाकर पीछे के दरवाज़े की ओर देखा, यह सोचते हुए कि वह कहाँ चला गया। वह छोटे से बाथरूम से लंगड़ाते हुए बाहर आया, उसके हाथ में एक अग्निशामक यंत्र था जिसे मैंने पहले नहीं देखा था। वह जलते हुए उस ढेर के पास पहुँचा जिसे पहले डैन के नाम से जाना जाता था। उसने अग्निशामक यंत्र से उस पर छिड़काव किया और आग की आखिरी लपटों को बुझा दिया।
लूसी और एलिसन लड़खड़ाते हुए मेरे पास से गुज़रीं और मेरे पीछे आकर खड़ी हो गईं। मैंने उनकी नज़रों का पीछा करते हुए रेंजर स्टेशन के सामने वाले दरवाज़े की ओर देखा, जहाँ चाँद की रोशनी में एक लंबा, सांवला आदमी दिखाई दिया। एक पल के लिए मुझे लगा कि यह ब्रेंट है, लेकिन फिर वह आदमी आगे बढ़ा और उसके मज़बूत हिस्पैनिक चेहरे के हाव-भाव, कंधों से भी लंबे काले, सीधे बालों से घिरे हुए, साफ़ नज़र आए। वह ज़रूर डैन का पुराना सरदार होगा। “एबेल,” जेसन ने अभिवादन करते हुए कहा।
एबेल नाम के उस व्यक्ति ने सहमति में सिर हिलाया। उसकी आवाज़ भारी और गड़गड़ाती हुई थी। "मुझे लगता है कि हमें थोड़ी देर हो गई है।"
मैंने धीरे से कहा, "तुम इसे दोबारा कह सकते हो," मुझे लगा कि वह मुझे नहीं सुनेगा।
उसने मेरी ओर सिर घुमाया। "माफ़ कीजिए?"
मेरी आँखें आश्चर्य से चौड़ी हो गईं। मेरी उस अलौकिक श्रवण शक्ति को धिक्कार है! मुझे बोलने में एक पल लगा। "कुछ नहीं, उम... सर।"
उसने सिर हिलाया और जेसन की ओर मुड़ गया। “आपकी परेशानी के लिए मुझे खेद है। आपको उचित मुआवजा दिया जाएगा। एक एहसान के तौर पर, मैं इस कमरे में मौजूद उन तीन भेड़ियों को नज़रअंदाज़ कर रहा हूँ जो किसी झुंड के सदस्य नहीं हैं। लेकिन उन्हें चेतावनी दी जानी चाहिए कि तीन भेड़िये अपने आप में एक झुंड बनाते हैं। अगर वे सभी शेल्बी में रहना चाहते हैं, तो उन्हें उचित फॉर्म भरने होंगे।”
मैंने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। मैंने तो वेयरवोल्फ समूह के गठन को एक रहस्यमय प्रक्रिया और ढेर सारे रीति-रिवाजों और परंपराओं से भरा हुआ समझा था। औपचारिक फॉर्म भरना तो मुझे बहुत ही नीरस लगा।

एबेल ने आगे कहा, “अब मेरा सुझाव है कि आप सभी इस स्थान को छोड़ दें। हम मृतक के अवशेषों का अंतिम संस्कार कर देंगे।”
“धन्यवाद,” जेसन ने सरलता से उत्तर दिया। उसकी नाक से खून बहना बंद हो गया था। वह मैक्स के हथकड़ी की चाबियाँ लेकर आने का इंतज़ार करता रहा। मुझे नहीं पता था कि डैन को ये चाबियाँ कहाँ से मिली थीं, लेकिन ये वाकई सुविधाजनक था। मैक्स ने जेसन के हाथ खोल दिए, फिर जेसन खड़ा हुआ और धीरे से मुझे अपनी बाहों में उठा लिया।
लूसी और एलिसन हमारे बगल में आकर खड़ी हो गईं। हम धीरे-धीरे बाहर की ओर बढ़े, मैक्स और लूसी एबेल से नज़रें मिलाने से बचने की पूरी कोशिश कर रहे थे। लीला अभी भी भेड़िये के रूप में मेरे पीछे-पीछे चल रही थी।
रेंजर स्टेशन के धुएँ से भरे अंदरूनी हिस्से में रहने के बाद, रात की ठंडी हवा ताजगी भरी थी। मैंने जेसन से कहा, "मैं खड़ा रह सकता हूँ।"
उसने धीरे से मुझे अपनी बाहों से नीचे उतारा, लेकिन मेरी कमर को पकड़े रखा ताकि मैं गिर न जाऊं। हमारे दोनों ओर के जंगल डैन के पुराने झुंड के अन्य भेड़ियों की हलचल से गुलजार थे। मैंने अपने बालों से राख के कण झाड़ते हुए चांद की ओर देखा, और यह सोचने की जहमत नहीं उठाई कि राख कहाँ से आई थी।
हम लड़खड़ाते हुए वापस कार तक पहुँचे और अपनी चोटों का जायज़ा लिया। चमत्कारिक रूप से, मेरी ही हड्डी टूटी थी, हालाँकि बाकी सभी को मुझसे कहीं ज़्यादा चोटें और खरोंचें आई थीं। जेसन, मैक्स और लूसी के घाव भरने शुरू हो गए थे, हालाँकि लूसी के घाव धीरे-धीरे भर रहे थे। मैक्स और जेसन के चेहरों पर आई चोटें धीरे-धीरे पीले किनारों वाले हल्के भूरे रंग में बदल रही थीं। एलिसन इतनी भाग्यशाली नहीं थी। उसकी पूरी पीठ सूजी हुई और बैंगनी रंग की थी और उसकी बाहों पर कई गहरे घाव थे। ज़ाहिर है, ब्रेंट ने उसे झाड़ियों में फेंक दिया था और लड़ाई खत्म मान ली थी।
लीला, जो अभी भी भेड़िये के रूप में थी, कार तक पहुँचने तक मेरे साथ-साथ चलती रही, यह सुनिश्चित करते हुए कि मैं गिर न जाऊँ। जब हमने यह सुनिश्चित कर लिया कि हम सब सुरक्षित हैं, तो मैं आराम से आगे वाली यात्री सीट पर बैठ गया, फिर उसकी ओर मुड़ा। उसने मेरे उस हाथ को चाटा जो मेरी सही सलामत बांह से जुड़ा था। मैंने उसके सिर पर थपथपाया, इससे पहले कि वह मुड़कर जंगल के अंधेरे में गायब हो गई।

सबको गाड़ी में बिठाने के बाद, अब मेरे अस्पताल जाने का समय हो गया था ताकि मैं अपने हाथ की जाँच करवा सकूँ। मेरी चोट जितनी जल्दी ठीक होनी चाहिए थी, उससे कहीं ज़्यादा तेज़ी से ठीक हो रही थी, और जेसन को चिंता थी कि कहीं डॉक्टर के ठीक करने से पहले ही मेरी टूटी हुई हड्डी अपने आप जुड़ न जाए। मैं एलिसन को भी जाँच करवाने के लिए मनाने में कामयाब रही। आख़िरकार, वो भी इंसान ही थी।
हम धुएं की बदबू से लथपथ होकर पहाड़ से नीचे उतरे। किसी को समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहें। अपहरण, अलौकिक लड़ाई और एक-दो हत्याओं के बाद भला कोई क्या कहे?
“मुझे गैस की गंध आ रही थी, लेकिन तुम लोगों ने डैन को आग कैसे लगाई?” एलिसन ने पूछा।
कोई जवाब नहीं दे रहा था। मैंने आह भरी। "गलती मेरी ही थी।"
"तुम्हारा मतलब है । । । "
“हाँ, मेरी राक्षसी शक्तियाँ फिर से हावी हो गईं,” मैंने कड़वाहट से कहा। "ज़ोई, तुमने उसे नहीं मारा," मैक्स ने बीच में ही टोकते हुए कहा।
मैंने उसे आग लगा दी और वह जलकर मर गया। हाँ, मैं कहूँगा कि मैंने ही उसे मारा था।
“मैंने उसे पेट्रोल से मारा,” मैक्स ने समझाया। “खुद को दोष मत दो।”
मैंने कोई जवाब नहीं दिया। मैक्स के इस साहसी प्रयास की मैं सराहना करती हूँ, जिसने सारा दोष अपने ऊपर लेने की कोशिश की, लेकिन मैं जानती थी कि ऐसा नहीं था। मेरी ही आग ने उसे मारा था, भले ही मैक्स के पेट्रोल ने इसमें कुछ मदद की हो। मुझे सच में कोई अपराधबोध नहीं था। डैन को जो मिलना ही था, वो तो होना ही था। मुझे ज़्यादा परेशान कर रहा था अपराधबोध की कमी का। मैं पहले से ही अपनी विरासत के बारे में जानकर अपनी इंसानियत खोने से जूझ रही थी। अब मैं पहले से भी ज़्यादा अमानवीय महसूस कर रही थी।
हम रात के 2:00 बजे के कुछ देर बाद अस्पताल की पार्किंग में पहुँचे। हमारी बड़ी चालाकी भरी कहानी यह थी कि एलिसन और मैं घर की सीढ़ियों से गिर गए थे। चलो कोई बात नहीं... ये काम कर जाएगी। अगर कोई हमारी बदबू के बारे में पूछता, तो हम अनजान बनने का नाटक करते। एलिसन और मैं कार से उतरे और अस्पताल की ओर चल दिए। जेसन लूसी को घर वापस लाने वाला था। अगर उसके अपहरण

से उसके माता-पिता जाग गए होते, तो हमें बहुत कुछ समझाना पड़ता। हमें बस यही उम्मीद करनी थी कि सब ठीक हो।
एलिसन और मैंने आपातकालीन प्रतीक्षा कक्ष के फ्रंट डेस्क पर अपना नाम दर्ज कराया। चूंकि हम दोनों नाबालिग थे, इसलिए उन्होंने हमारे माता-पिता को फोन करने पर जोर दिया। हमारी माताएँ रास्ते में थीं, हालांकि मेरी माँ को वाशिंगटन से आने में कई घंटे लग जाते। डॉक्टर ने मुझे पहले बुलाया, क्योंकि उन्हें मेरी चोट अधिक गंभीर लगी। दरअसल, मेरी बांह की हड्डी टूट गई थी, सटीक कहें तो मेरी कोहनी की हड्डी। उस अद्भुत डॉक्टर ने मुझे दर्द निवारक दवा दी और मेरी बांह को ठीक करने और मेरी बांह और पीठ पर लगे विभिन्न खरोंचों को साफ करने का काम शुरू किया।
आखिरकार मैं अपने हाथ पर ताज़ा प्लास्टर लगाए प्रतीक्षाकक्ष में वापस गया, जहाँ मुझे एलिसन और उसकी माँ इंतज़ार करती मिलीं। उसकी माँ ने अपनी शहद जैसी भूरी आँखों से मुझे तिरस्कार भरी निगाहों से देखा। मेरी माँ अभी भी वहाँ नहीं थीं।
मैंने एलिसन से पूछा, "तुम्हारी स्थिति कैसी है?" मैं उसकी माँ की नाराज़गी भरी नज़रों को नज़रअंदाज़ करने की कोशिश कर रही थी।
“काफी गहरी चोटें आई हैं, कुछ टांके भी लगे हैं। इसके अलावा, मुझे ज्यादा तकलीफ नहीं हुई। डॉक्टर ने दर्द की दवाइयां दी हैं।” एलिसन ऐसे बर्ताव कर रही थी जैसे कुछ हुआ ही न हो, लेकिन जिस तरह से उसने मुझसे नज़रें मिलाने से परहेज किया, उससे उसकी असलियत सामने आ गई।
इतना कहकर, एलिसन की माँ खड़ी हो गईं और एलिसन की हूबहू नकल करते हुए अपने सुनहरे बालों को झटका दिया, या शायद एलिसन अपनी माँ की नकल कर रही थी, और वे मुझे प्रतीक्षालय में अकेला छोड़कर चले गए।
अस्पताल ने फैसला कर लिया था कि जब तक मेरी माँ मुझे लेने नहीं आ जाती, तब तक वे मुझे छुट्टी नहीं देंगे। बहुत खूब। मैं एक असुविधाजनक प्लास्टिक की कुर्सी पर बैठ गया और इंतज़ार करने के लिए तैयार हो गया।
कई घंटों बाद, मेरी माँ ने मुझे धीरे से जगाया। एक सलाह, कभी भी प्लास्टिक की कुर्सियों पर मत सोना। मेरे पूरे शरीर में दर्द हो रहा था। ज़ाहिर है, यह दर्द शायद मार-पिटाई की वजह से ही था। वह मुझे जल्दी से अपनी कार में ले गईं जहाँ मैं तुरंत सो गई। अगली बात जो मुझे याद है, वह यह कि मैं अपने बिस्तर पर थी। मुझे घर आने का कोई पता नहीं था। मेरे बगल वाली कुर्सी पर एक

काली आकृति बैठी थी। मुझे जागते हुए देखकर, वह आकृति मेरे ऊपर झुक गई। जेसन का चेहरा साफ़ दिखाई देने लगा।
“लूसी?” मैंने धीरे से कहा।
“हम उसे सुरक्षित घर ले आए। उसके माता-पिता तो जागे ही नहीं। लगता है हमारी किस्मत अच्छी थी।”
मैंने सिर हिलाने की कोशिश की, लेकिन दर्द के कारण रुक गई। "क्या यह सब खत्म हो गया?" मैंने पूछा।
“हाँ,” उसने मेरे बगल में बिस्तर पर बैठते हुए कहा। “मैं अब शहर छोड़ सकता हूँ और तुम्हें अपनी ज़िंदगी में वापस लौटने दे सकता हूँ। मैक्स लूसी की मदद के लिए यहीं रहेगा। लेकिन... अगर तुम चाहो कि मैं रुकूँ, तो मैं रुक सकता हूँ, कम से कम अभी के लिए।”
"रुको," मैंने बुदबुदाते हुए कहा, और फिर अंधेरे में समा गया।

अध्याय बीस
खिड़की से आती धूप की रोशनी से मेरी नींद खुली। जेसन अभी भी अपनी कुर्सी पर बैठा था। मुझे चमत्कारिक रूप से बेहतर महसूस हुआ। शायद आधा दानव होना इतना बुरा भी नहीं है। अतिरिक्त उपचार शक्ति वाकई बहुत अच्छी थी।
मैंने जेसन की ओर सिर घुमाते हुए कहा, "सुप्रभात।"
"सुबह।"
मैंने अपनी त्वचा पर जमी गंदगी को देखा। मैंने नाक सिकोड़ी। "मैं नहाने जा रही हूँ।"
जेसन मुस्कुराया। "मैं भी यही सुझाव देने वाला था।"
मैंने जेसन को गुस्से से देखा, फिर बाथरूम में जाकर दरवाजा बंद कर लिया। मेरी माँ ने नहाते समय प्लास्टर पर लगाने के लिए सिंक के पास प्लास्टिक की थैलियों का एक गुच्छा और मास्किंग टेप का एक रोल रखा था। मैंने पानी चालू किया ताकि गर्म हो जाए और मैं अपने हाथ पर पट्टी बाँध सकूँ। जब पट्टी पूरी तरह से बंध गई और मैं तैयार हो गई, तो मैंने रात के कपड़े उतार दिए और गर्म पानी की धार के नीचे खड़ी हो गई।
नाली की ओर बहता पानी गंदगी से सना हुआ था। छी! मुझे आज अपनी चादरें धोनी पड़ेंगी। मैंने एक हाथ से अपने बालों में शैम्पू लगाना शुरू किया और अपने विचारों से पीछा छुड़ाना मुश्किल हो गया। लूसी एक वेयरवोल्फ थी। मेरे बेडरूम में एक वैम्पायर इंतज़ार कर रहा था। मैं आधा दानव थी। मैंने किसी को मार डाला था।
मैंने अपने चेहरे पर पानी की धारा बहने दी ताकि मेरे चुपचाप बहते आंसू धुल जाएं। मुझे नहीं पता था कि मैं क्यों रो रही थी। मैं सुन्न महसूस कर रही थी। अब हम सब सुरक्षित थे। हम सब ज़िंदा बच निकले थे। यही सबसे ज़रूरी था। मैंने इसी सोच को थामे रखा ताकि बाकी सब कुछ भुला सकूँ।
मैंने अपने शरीर से सारी गंदगी साफ कर ली, पानी बंद किया और फिर अपने मुलायम बैंगनी तौलिए को अपने चारों ओर लपेटकर शॉवर से बाहर निकली। मैं अपने शीशे के पास गई और चेहरे पर जमी भाप को साफ किया। मुझे उम्मीद थी कि मैं पीली और कमजोर दिखूंगी, जैसा कि हाल ही में कई सुबह दिखती थी। हालांकि मेरी आंखों के नीचे गहरे काले घेरे थे, लेकिन मैं कमजोर नहीं दिख रही थी। मैं मजबूत दिख रही थी और महसूस कर रही थी। हम जीत गए थे।

आईने में खुद को निहारते हुए, मैंने बाथरूम की ओर मुड़कर देखा और महसूस किया कि मैं कपड़े बदलना भूल गई थी। मैंने तौलिये को अपने चारों ओर कसकर लपेटा और अपने बेडरूम का दरवाजा खोला। जब मैं अलमारी में कपड़े ढूंढ रही थी, तब जेसन ने बड़ी सावधानी से मेरी ओर देखने से परहेज किया। मुझे इस बात की परवाह नहीं थी कि वह मुझे तौलिये में देखे, लेकिन फिर भी मुझे उसकी भावना अच्छी लगी। मैंने एलिसन द्वारा मेरे लिए चुनी गई गहरे लाल रंग की लंबी बाजू की कमीज और अलमारी में मौजूद कुछ बिना फटी जींस में से एक निकाली, अंडरवियर लेने के लिए अपनी ड्रेसर की ओर गई और फिर कपड़े बदलने के लिए वापस बाथरूम में चली गई।
मुझे अपनी प्लास्टर लगी बांह को कमीज़ की आस्तीन में डालने में थोड़ी दिक्कत हुई, लेकिन आखिरकार मैंने किसी तरह डाल ही लिया। मैंने आस्तीन को कोहनी तक, प्लास्टर के ऊपर ही समेटकर छोड़ दिया और अपने कमरे में वापस चला गया। जेसन खिड़की के पास खड़ा बाहर देख रहा था।
मैंने कहा, "मुझे अपनी माँ से बात करनी चाहिए।"
"क्या आप चाहते हैं कि मैं चला जाऊं?" उसने खिड़की से अपनी निगाहें हटाए बिना पूछा।
“नहीं, मैं अभी आती हूँ।” मैंने अपने कमरे से बाहर निकलकर धीरे से दरवाजा बंद किया और फिर नीचे जाकर आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हो गई।
मुझे उम्मीद थी कि अस्पताल से मुझे छुड़ाने के लिए अपनी यात्रा बीच में ही रोकनी पड़ी, इसलिए मेरी माँ मुझसे नाराज़ होंगी, लेकिन उन्होंने तो बस सहानुभूति दिखाई। दरअसल, मेरे जागने का इंतज़ार करते हुए उन्होंने ब्लूबेरी मफिन भी बना लिए थे। जैसे ही मैं सीढ़ियों से नीचे आई, वह दौड़कर आईं और मुझे गले लगा लिया, फिर मुझे जल्दी से मेज़ पर ले गईं। जब वह मफिन और कॉफी पॉट लेने रसोई में गईं, तो वहाँ मेरे लिए पहले से ही एक कॉफी मग रखा हुआ था। उन्होंने पॉट को मेरे कप के पास रखा और मेरे सामने नीली सिरेमिक प्लेट में तीन बड़े-बड़े मफिन परोस दिए।
"उम्म, क्या मुझसे ये सब खाने की उम्मीद की जाती है?" मैंने व्यंग्यपूर्वक पूछा और अपने अच्छे हाथ से अपने मग में कॉफी भर ली।
मेरी माँ ने मेरे सवाल को अनसुना करते हुए मेरे सामने बैठ गईं। "तो, मैं सोच रही थी, शायद मुझे अब इतनी बार शहर से बाहर नहीं जाना चाहिए?"

मैंने मुंह में मफिन भरे हुए पूछा, "क्यों?"
“तुम्हारा हाथ टूट गया और मैं यहाँ नहीं थी!” वह चिल्लाई, फिर अपनी प्रतिक्रिया पर आश्चर्य से अपना मुंह ढक लिया।
“वाह!” मैंने अपने सही हाथ को हिलाते हुए शांति का भाव दिखाते हुए कहा। “यह कोई बड़ी बात नहीं है।” मैंने अपना प्लास्टर लगा हाथ ऊपर उठाया। “यह कुछ ही समय में बिल्कुल ठीक हो जाएगा।”
"और ऐसा कैसे हुआ कि जेसन सुबह दो बजे आपको और एलिसन को अस्पताल ले जाने के लिए वहीं मौजूद था?"
“उम, हमने उसे फोन किया था? अरे हाँ।”
“हाँ, ऐसा ही लगता है,” मेरी माँ ने मुस्कुराते हुए कहा। “अगर लड़के आसपास मंडराते रहेंगे, तो हमें कुछ नियम बनाने होंगे।”
नियमों का जिक्र सुनते ही मैंने झुंझलाहट भरी आवाज निकाली।
“पहली बात,” उसने कहना शुरू किया, “जब भी आप स्कूल के बाहर किसी लड़के के साथ समय बिताएंगे, मुझे सूचित किया जाएगा। दूसरी बात, जब भी वह लड़का शामिल होगा, तो रात 9:00 बजे कर्फ्यू लागू होगा।”
इससे मेरे मुंह से एक और आह निकल गई।
और अंत में,” उसने आगे कहा, “जान लो कि लड़कों से संबंधित या किसी भी अन्य विषय पर तुम मुझसे कभी भी बात कर सकते हो। अब अपने मफिन खाओ।”
मुस्कुराए बिना मैं रुक नहीं पाई और मैंने एक और बड़ा सा टुकड़ा खा लिया। वाह, मफिन! बढ़िया, सामान्य, साधारण से मफिन।
नाश्ते के बाद, मैं जेसन से बात करने के लिए अपने कमरे में वापस चला गया। जैसे ही मैं कमरे में पहुँचा, मैंने देखा कि वह मेरी डेस्क की कुर्सी पर वापस बैठ गया था। उसने जैक केरोएक की किताब 'ऑन द रोड' से नज़रें उठाकर देखा। मैं अपने बिस्तर पर गया और बैठ गया। जेसन ने उम्मीद भरी निगाहों से मेरी ओर देखा।
“तो,” मैंने शुरू किया, “कल रात से हमें लूसी या अल से कोई खबर नहीं मिली है?”
“मैंने नहीं किया,” उसने जवाब दिया। “शायद आपको उन्हें फोन करके देखना चाहिए?”
“नहीं। मुझे नहीं पता, मुझे लगता है कि मुझे डर है कि वे जवाब नहीं देंगे।” जेसन का चेहरा असमंजस से सिकुड़ गया।

मैंने विस्तार से बताया, “अस्पताल में पूरे समय एलिसन ने मेरी आँखों में नहीं देखा, और डैन के साथ जो हुआ उसके बाद लूसी ने तो मुझसे बात ही नहीं की। ऐसा लगा जैसे... जैसे वे मुझसे डर रही हों।” मुझे लगा जैसे मेरी आँखों में फिर से आँसू उमड़ रहे हों। मैंने अपनी आँखें चौड़ी करके उन्हें गिरने से रोकने की कोशिश की। मैं अब और रोना नहीं चाहती थी। आपको लगेगा कि अब तक मेरे आँसू सूख जाने चाहिए थे।
जेसन उठकर बिस्तर पर बैठ गया और उसने मुझे अपनी बाहों में भर लिया। मेरा आखिरी संयम भी टूट गया और गर्म आँसू मेरी आँखों से बहने लगे। जेसन ने मुझे थामे रखा, और मैंने उम्मीद की कि इस स्थिति में मेरे आखिरी आँसू बहे। हम दोनों मेरे बिस्तर पर, गंदी चादरों के साथ, एक-दूसरे के सामने लेट गए। जेसन की लंबाई ज़्यादा होने के कारण उसका सिर मेरे सिर से थोड़ा ऊपर था। मेरे आँसू आखिरकार सूख गए थे। उसने धीरे से मेरे अभी भी गीले बालों को सहलाया, और मैंने खुद को संभाला। उससे अच्छी खुशबू आ रही थी। उसने नहाया तो था, लेकिन मुझे याद नहीं कब। मैंने सोचा कि जेसन ने मेरे और मेरे दोस्तों के लिए क्या-क्या किया था। उसने हमारे लिए अपनी जान जोखिम में डाली थी। कहीं न कहीं मैं इस बात को भूल चुकी थी कि वह एक पिशाच था और उसने अतीत में लोगों को मारा था। आखिर, अब मैं भी एक हत्यारा थी।
तो मैंने वैम्पायर-श्मपार्पर वाली बात को नज़रअंदाज़ कर दिया। मैंने उसकी गहरी नीली आँखों में देखा, उसके करीब गई और पूरे दिल से उसे चूम लिया। चुंबन की शुरुआत कोमल थी, वह थोड़ा झिझका। मैंने अपने अच्छे हाथ की उंगलियाँ उसके बालों में फंसाईं और उसे अपनी ओर खींच लिया, जिससे वह उस पल में खो गया। उसने अपनी बाहें मेरी कमर के चारों ओर लपेट लीं और मुझे अपनी ओर खींचकर ऐसे चूमा जैसे वह सच में ऐसा करना चाहता हो। जब वह धीरे से मुझसे अलग हुआ तो मैं स्तब्ध और बेदम रह गई। उसने हल्की सी मुस्कान दी और मेरे चेहरे को सहलाया।
“तुम्हारे कुछ मेहमान आए हैं,” उसने कहा। उसने धीरे से मेरे माथे पर चुंबन किया और फिर पलक झपकते ही खिड़की से बाहर निकल गया। एक पल बाद मेरे बेडरूम के दरवाजे पर दस्तक हुई।
मैंने पुकारा, "अंदर आ जाओ।"
दरवाजा खुला और वहां लूसी और एलिसन खड़ी थीं।

एलिसन लंगड़ाते हुए मेरे कमरे में आई और धीरे से मेरे बगल में मेरे बिस्तर पर चढ़ गई, जाहिर तौर पर उसे पिछली रात के दर्द से अभी भी तकलीफ हो रही थी। मुस्कुराते हुए उसने मुझसे कहा, "सुप्रभात, मेरी प्यारी। तुम्हें बेहतर देखकर खुशी हुई। अमानवीय उपचार कितना अन्यायपूर्ण है।"
लूसी झुकी नज़रों से मेरे बिस्तर के पास आई और मेरे बगल में बैठ गई। जब उसने आखिरकार मेरी आँखों में देखा, तो उसकी बादाम जैसी आँखों में आँसू थे।
मैं उसके फैसले का इंतज़ार कर रही थी, इस इंतज़ार में कि वह मुझे हत्यारा, राक्षस कहेगी।
“धन्यवाद,” उसने कहा।
मैंने उससे सवालिया निगाह से देखा।
"ज़ोई, तुमने मुझे बचाया, तुम सबने मुझे बचाया, लेकिन सबसे ज़्यादा तुमने। अगर तुम न होतीं तो हममें से कोई भी यहाँ नहीं होता।"
मैंने अपना खुला मुंह बंद किया और लूसी को गले लगा लिया। मैंने अनिच्छा से उसे छोड़ा। एलिसन दीवार के पास खिसक गई और मैं बिस्तर के बीच में खिसक गई, जिससे लूसी को मेरे दूसरी तरफ लेटने की जगह मिल गई। हम सब छत को देखते हुए लेटे रहे।
"तो," एलिसन ने शुरू किया, "अब जब तुम पूरी तरह से आधे दानव बन चुके हो, तो क्या तुम आखिरकार जेसन के अतीत के बारे में अपनी उलझन से उबर पाओगे?" मैंने नाक सिकोड़ ली। मैंने अकड़ भरे लहजे में कहा, "मुझे नहीं पता कि तुम किस बारे में बात कर रहे हो।" मुझे पता था कि आखिरकार मुझे उन्हें जेसन और मेरे बारे में बताना ही पड़ेगा, लेकिन अभी के लिए, मुझे जेसन का नाम सुनते ही उनके लड़कियों जैसी आवाज़ें निकालने और चुंबन वाले चेहरे बनाने की ज़रूरत नहीं थी।
"अरे ज़ोई, वह तुमसे बहुत प्यार करता है।"
“जानती हो अल?” मैंने उसकी बात को अनसुना करते हुए जवाब दिया। “मुझे लगता है शायद तुम ही शैतान हो।”
यह सुनकर हम सब खिलखिलाकर हंस पड़े, और कुछ पल के लिए हम यह भूल गए कि हमारी जिंदगी पूरी तरह से उलट-पुलट हो गई थी।

अध्याय इक्कीस
जेसन को कुछ दिनों के लिए शहर से बाहर जाना पड़ा ताकि वह डैन के ग्रुप को रिपोर्ट कर सके और अपना बकाया पैसा ले सके, साथ ही कुछ औपचारिकताएं भी पूरी कर सके। मैंने उससे यह नहीं पूछा कि उसे कितना पैसा मिल रहा है। उसे जितना भी पैसा मिला, वह काफी नहीं था। वह अब शेल्बी लौट आया है और फिलहाल यहीं रह रहा है। उसने अपने लिए एक बढ़िया अपार्टमेंट ले लिया है। मैं इस बात से बहुत खुश हूँ, हालाँकि मैं यह बात कभी खुलकर नहीं कहूँगी। डेटिंग मेरे लिए बिल्कुल नई चीज़ है, लेकिन लगता है मैं ठीक-ठाक कर रही हूँ। आखिरकार मुझे लूसी और एलिसन को बताना ही पड़ा। उन्हें कभी न कभी पता चल ही जाता। वे लगातार मेरा मज़ाक उड़ा रही हैं।
ब्रायन अब भी मुझसे बात नहीं कर रहा है। मुझे डर है कि वो कभी बात नहीं करेगा। उसे इसमें शामिल न होने के लिए मैं सच में दोष नहीं दे सकती। मुझे ब्रायन की वजह से दुख है, लेकिन कम से कम मेरे पास लूसी और अल तो हैं... और जेसन भी। मैक्स अब भी आसपास घूमता रहता है। वो अल के पीछे-पीछे ऐसे घूमता है जैसे कोई खोया हुआ छोटा पिल्ला हो, मेरा मतलब कोई मज़ाक नहीं है। अल ऐसा दिखावा करती है जैसे उसे पता ही नहीं चल रहा हो।
मैं अभी भी अपनी शक्तियों को नियंत्रित करना सीख रही हूँ। मैंने गलती से कुछ चीजों में आग लगा दी है, लेकिन सौभाग्य से किसी जीवित चीज को नुकसान नहीं पहुँचा। उम्मीद है कि मेरा भाग्य साथ देता रहेगा, न केवल मेरी शक्तियों के मामले में, बल्कि बाकी सब चीजों में भी। आशा करती हूँ कि सब ठीक रहेगा।

आकस्मिक राख

□□□□□□ □□

अध्याय एक
मैं अपने लिविंग रूम में हरे रंग के सोफे पर आराम से बैठी थी। जेसन मेरे बगल में बैठा था और उसने अपना हाथ मेरे कंधों पर रखा हुआ था। मैंने संतुष्टि से अपने पैर उसकी गोद में सटा लिए, फिर मेरी नज़र उस बड़े नीले सोफे पर पड़ी जहाँ लूसी, एलिसन और मैक्स बैठे थे।
उससे मिलने के कुछ ही महीनों में, मैक्स ने हम सभी को फुटबॉल देखने का आदी बना दिया था, जिसे हम सभी अब देख रहे थे।
अचानक, मैक्स अपनी सीट से उछल पड़ा और पॉपकॉर्न कालीन पर बिखर गया। "जाओ! जाओ!" वह चिल्लाया।
विश्व कप का समय था और मैच अमेरिका और मैक्सिको के बीच था। अमेरिका के एक खिलाड़ी के पास गेंद थी और वह विपक्षी टीम के सभी खिलाड़ियों से आगे निकलकर गोल की ओर दौड़ रहा था। उस समय मुझे नियमों की पूरी समझ नहीं थी, लेकिन मैं समझ गया था कि यह एक अच्छी बात है। हम सब अपनी सीटों से उछल पड़े और मैक्स के साथ मिलकर उस खिलाड़ी का हौसला बढ़ाने लगे। मैक्सिको का एक खिलाड़ी उसके करीब आ रहा था।
“भागो!” मैक्स दर्द से कराहते हुए अपने घने, सुनहरे बालों पर उंगलियां गड़ाकर चिल्लाया। मैक्स फुटबॉल को लेकर बेहद उत्साहित था, यह कहना भी कम होगा। जब आप किसी ऐसे समर्पित खिलाड़ी के आसपास होते हैं, तो आप भी उत्साह में बह जाते हैं।
मैं टीवी स्क्रीन पर बिना पलक झपकाए देख रहा था जब मैक्सिको का खिलाड़ी अमेरिका के खिलाड़ी को पछाड़ते हुए आगे निकल गया। अचानक दोनों टकरा गए और गिर पड़े। एक रेफरी दौड़ता हुआ गिरे हुए खिलाड़ियों के पास आया, सीटी बजाई और अमेरिका के खिलाड़ी पर कुछ चिल्लाया। अमेरिका का खिलाड़ी उठा और पलटकर चिल्लाने लगा। ओह-ओह! रेफरी ने लाल कार्ड निकाला और अमेरिका के खिलाड़ी को मैदान से बाहर कर दिया।
“क्या!” मैक्स चिल्लाया और अपने हाथ हवा में लहरा दिए। “वो रेफरी पागल है…” मैक्स गुस्से से भड़क उठा और बड़बड़ाने लगा, उसकी पीली हरी आँखें गुस्से से सिकुड़ी हुई थीं।

मैं उस क्षण में भावनाओं में बह गया और मैक्स के साथ टीवी पर चिल्लाने लगा, मैक्स द्वारा अनुचित माने जाने वाले फैसले पर अचानक गुस्से का अनुभव करते हुए।
फिर टीवी फट गया। धिक्कार है। क्या मैंने आपको बताया था कि मैं आधा दानव हूँ?
पिछले कुछ महीने काफी उतार-चढ़ाव भरे रहे। डैन नाम का एक अजनबी शहर में आया था। वह एक वेयरवोल्फ (भेड़िया मानव) निकला। उसकी वजह से मेरी सबसे अच्छी दोस्त लूसी भी अब वेयरवोल्फ बन गई है। मैक्स (जो खुद भी वेयरवोल्फ है) और जेसन (पिशाच) की मदद से हमने डैन से छुटकारा पा लिया। मैं उससे छुटकारा पाने के खौफनाक किस्से विस्तार से नहीं बताऊंगी। बस इतना कहूँगी कि इस घटना ने मेरे नैतिक मूल्यों पर सवाल खड़े कर दिए।
इस सारी अफरा-तफरी के बीच, मुझे पता चला कि मेरे पिता, जिनसे मैं कभी नहीं मिली, एक दानव हैं, जिससे मैं आधी दानव बन जाती हूँ। दानव बुरे नहीं होते। खैर, सभी दानव बुरे नहीं होते। कम से कम, जेसन तो यही कहता है। मुझे थोड़ा सा शक है कि वह सिर्फ मुझे तसल्ली देने के लिए ऐसा कह रहा है। फिर भी, चूंकि मैं अकेली दानव हूँ जिसे मैं जानती हूँ, मुझे उसकी बात माननी ही पड़ेगी। धमाके की आवाज सुनते ही मेरे सारे दोस्त एकदम चुप हो गए, फिर धीरे-धीरे मेरी तरफ देखने लगे। मैंने टीवी की तरफ देखा। स्क्रीन पूरी तरह चकनाचूर हो चुकी थी और फ्रेम जलकर राख हो गया था। उसके अंदर से काला धुआं निकलकर मेरे लिविंग रूम को तीखी बदबू से भर रहा था।
उनकी निगाहों के दबाव में मैं बस कुछ देर ही खड़ी रही, फिर तुरंत मुड़कर अपने लिविंग रूम से भाग निकली। मैं सीधे अपने सामने वाले दरवाजे से बाहर निकली और उसे ज़ोर से बंद कर दिया। जैसे ही मैं अपने घर के चारों ओर लगे ऊंचे चीड़ के पेड़ों की ओर भागी, मुझे दरवाजे के खुलने और फिर बंद होने की आवाज़ सुनाई दी। चीड़ की खुशबू और ताज़ी हवा ने मुझे छू लिया और तुरंत मेरी इंद्रियों को तरोताज़ा कर दिया। हालांकि, मुझे यकीन नहीं था कि उस समय मैं अपनी इंद्रियों को तरोताज़ा करना चाहती थी या नहीं।
आजकल मेरे साथ ये सब बहुत हो रहा था, अचानक से चीज़ें फट जाती थीं। जब मेरी आधी दानव वाली शक्तियां पहली बार प्रकट हुईं, तो मैंने अपने दोस्त ब्रायन को सिर्फ छूकर जला दिया था। तब से, मैं चीज़ों को उड़ाने या उनमें आग लगाने लगा था। मेरी शक्तियां मेरे गुस्से से जुड़ी थीं, और इन दिनों उस गुस्से को

काबू करना बहुत मुश्किल हो गया था। छोटी-छोटी बातें भी मुझे इतना गुस्सा दिला देती थीं कि मैं कुछ बड़ा नुकसान कर देता था। मैं अपने गुस्से पर काबू नहीं रख पाता था, और जो हो सकता था उसका डर मुझ पर लगातार मंडराता रहता था। मैं अंधेरे, सन्नाटे भरे पेड़ों के बीच कांपती हुई खड़ी थी, अपने हाथों को कसकर लपेटे हुए। मैं रोऊंगी नहीं। उस बेवकूफ टीवी के लिए नहीं रोऊंगी। मेरे चेहरे से जो नमी टपक रही थी, वो बस एक बारिश की बूंद थी। हाँ, एक बारिश की बूंद, बस इतना ही। मुझे अपने पीछे कदमों की आहट सुनाई दी, फिर किसी ने धीरे से मुझे बाहों में भर लिया।
मैं जेसन की छाती से टिककर बैठ गई और उसकी मौजूदगी में सुकून पाने की कोशिश की। मैंने अपनी बाहें खोलीं और उसके हाथों पर लिपटी नीली फलालैन की कमीज़ पर हाथ फेरा। मुझे अपने शरीर से थोड़ा तनाव कम होता महसूस हुआ, लेकिन पूरी तरह से नहीं।
“तुम्हें इतना परेशान होने की ज़रूरत नहीं है,” उसने धीमी आवाज़ में कहा। “हम सब समझते हैं।” जेसन की बोलने की शैली थोड़ी अटपटी है, शायद इसलिए क्योंकि उसका जन्म 1883 में हुआ था। आधुनिक भाषा के विकास को देखने के कारण उसने आधुनिक भाषा की कई बारीकियों को समझ लिया था, लेकिन उसने अपना अधिकांश जीवन अकेले पिशाच के रूप में बिताया था, इसलिए कुछ शब्द उसे ठीक से समझ नहीं आते थे।
“मुझे पता है कि आप सभी को अब इसकी आदत हो गई है,” मैंने सिसकते हुए कहा। “मुझे बस इस बात से नफरत है कि मैं इसे नियंत्रित नहीं कर सकती। अगली बार अगर आप में से किसी के साथ ऐसा हुआ तो?”
जेसन ने मुझे थोड़ा और कसकर गले लगा लिया, जिससे मुझे गर्माहट महसूस हुई, जबकि दिसंबर के महीने में ओरेगन में मैंने सिर्फ एक ग्रे सूती टी-शर्ट और जींस पहनी हुई थी। उसने अपने होंठ मेरे गाल पर हल्के से छुए। माहौल को हल्का करने की कोशिश करते हुए उसने कहा, "हमें बस इतना ध्यान रखना होगा कि हम तुम्हें नाराज़ न करें, हालांकि आजकल यह थोड़ा मुश्किल काम है।"
मैं उसकी बाहों से छूटकर मुड़ी और उसके मुस्कुराते चेहरे की ओर उंगली करके बोली, "यह मजाक करने का समय नहीं है।"
उसने नकली आत्मसमर्पण करते हुए अपने हाथ ऊपर उठा लिए। "अरे नहीं! मुझे मत जलाओ!"

मैंने मुंह फुलाते हुए अपना हाथ वापस अपनी कमर पर रख लिया। "मैं कर सकती हूँ, तुम्हें पता है। मैं तुम्हें, या लूसी को, या अल को, या मैक्स को चोट पहुँचा सकती हूँ।"
जेसन ने अपने हाथ नीचे कर लिए और गंभीर स्वर में बोला, “तुम हमें नुकसान नहीं पहुँचा सकते। तुम्हारे पास जितना तुम सोचते हो उससे कहीं अधिक नियंत्रण है। वरना, तुम मुझे हज़ार बार उड़ा चुके होते।”
मैंने अपनी बाहें मोड़ लीं और ऐसा दिखावा किया जैसे मैं उसकी कही बात पर विचार कर रही हूँ। मैंने सिर हिलाया। "सच है, बिलकुल सच है।"
जेसन मुस्कुराया। "चलो अब मेरे नन्हे शैतान, अंदर वापस चलते हैं।"
मैंने अपने स्नीकर पहने हुए पैर को कठोर, नम मिट्टी पर पटका। "आधा दानव," मैंने तीखे स्वर में कहा।
“बेशक,” उसने मान लिया। इससे पहले कि मैं कुछ प्रतिक्रिया दे पाती, उसने मुझे उठाया और अपने कंधे पर लादकर अंदर ले जाने लगा।
मैंने नकली संघर्ष किया और चिल्लाते हुए कहा, "मैं तुम्हें जला दूंगा! मुझे उकसाओ मत!"
जेसन रुका और मुझे उठाकर अपने हाथ में और मजबूती से पकड़ लिया। "मैं सचमुच बहुत डरा हुआ हूँ।" उसने एक हाथ से मुझे आसानी से पकड़े रखा और सामने का दरवाजा खोलकर हमें अंदर ले गया।
जब तक जेसन ने मुझे वापस सोफे पर बिठाया, तब तक लूसी ने टीवी के सारे टुकड़े समेट लिए थे और रसोई में डस्टपैन खाली कर रही थी। जेसन मुझे छोड़कर मैक्स के साथ टीवी के फ्रेम के बचे हुए हिस्से को बाहर ले जाने के लिए चला गया, जहाँ उसे कचरे के ढेर में फेंक दिया जाएगा। बेचारा टीवी। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं अपनी माँ को यह कैसे समझाऊँगी। मतलब, घरेलू उपकरण कितनी बार आग पकड़ते हैं? टोस्टर और वॉशिंग मशीन तो पहले ही आग की चपेट में आ चुके थे।
जेसन सोफे पर मेरे बगल में आकर बैठ गया और उसने फिर से अपना हाथ मेरे कंधों पर रख दिया। एलिसन मेरे सामने आकर खड़ी हो गई और उसने अपना नकली फर वाला कोट पहन लिया। उसने अपने लंबे, सुनहरे बालों को कानों के पीछे किया, फिर झुककर मेरे गाल पर चुंबन किया। “हम जा रहे हैं, ज़ो। मुझे कल फोन करना।” मैंने उसे हल्के से हाथ हिलाकर अलविदा कहा। लूसी सोफे के पीछे झुककर मुझे गले लगाने लगी, अपनी छोटी-छोटी बाहों और लंबे, सीधे काले बालों में मुझे

समेट लिया। जैसे ही लूसी पीछे हटी, मैक्स ने मेरे कंधे को हल्के से दबाया और जल्द ही मैं जेसन के साथ अकेली रह गई। बस थोड़ी देर के लिए ही सही। मेरी माँ क्रिसमस की खरीदारी करके जल्द ही घर आ जाएँगी।
मैं जेसन की चौड़ी, गठीली छाती से लिपट गई (ज़्यादा गठीली नहीं, मुझे तो दुबले-पतले मर्द पसंद हैं)। उसका हाथ उठा और उसने मेरे सुनहरे बालों को सहलाया। मेरे बाल इतने लंबे हो गए थे कि कंधों तक पहुँच रहे थे। मुझे बाल कटवाने की ज़रूरत थी।
मैंने अपना सिर घुमाया ताकि मैं जेसन की गहरी नीली आँखों में देख सकूँ, और मेरा मतलब सचमुच गहरी नीली आँखों से है, जैसे आसमान का रंग जो काला होने से ठीक पहले होता है। उससे मिलने से पहले मैंने कभी ऐसी आँखें नहीं देखी थीं जो इतनी गहरी हों और फिर भी नीली दिखें। "माफ़ करना, मैं अभी बहुत परेशान हूँ," मैंने धीरे से कहा। "मुझे इन सब शैतानी चीज़ों की आदत नहीं पड़ पा रही है।"
जेसन ने मेरी ओर देखकर गर्मजोशी से मुस्कुराते हुए कहा, "यह सब समझना थोड़ा मुश्किल है। इन परिस्थितियों में आप अच्छा कर रहे हैं।"
मैंने अपनी गोद की ओर देखा, उसकी प्रोत्साहन भरी बातों के बावजूद मुझे असफलता का अहसास हो रहा था।
जेसन मुझे देखता रहा, मानो वह जरूरत से ज्यादा ध्यान से देख रहा हो। "क्या हुआ ज़ोई? मुझे लग रहा है कि तुम कुछ कहना चाहती हो।"
मैंने कुछ पल तक सोचा कि उसे बताऊं या नहीं। मैंने आह भरी। चलो देखते हैं क्या होता है। "सपने फिर से आने लगे।"
कुछ महीने पहले, जब मेरी ज़िंदगी पूरी तरह से बर्बाद नहीं हुई थी, तब मुझे ये सपने आने लगे थे और मैं हमेशा बुखार के साथ जागता था। मैंने आग का सपना देखा, फिर मुझे पता चला कि मैं आधा दानव हूँ। मेरे एक सपने में एक भेड़िया था और मेरा सबसे अच्छा दोस्त वेयरवोल्फ में बदल गया।
हालात शांत होने के बाद, मैंने आखिरकार जेसन को अपने सपनों के बारे में बताया। मेरे अलावा सिर्फ मेरी माँ और लूसी को ही इसके बारे में पता था। जेसन तुरंत इस नतीजे पर पहुँच गया कि मुझमें पूर्वाभास की थोड़ी सी क्षमता है, और यह मेरे सपनों में प्रकट हुई थी।
जेसन की बाहें मेरे चारों ओर थोड़ी और कस गईं। "मुझे बताओ।"

“खैर,” मैंने कहना शुरू किया, “सबसे पहले तो आग फिर से भड़क उठी है, लेकिन इस बार मेरे कोई दोस्त या परिवार वाले वहां नहीं हैं।” मैंने अपने पिछले सपनों में अपनी माँ और दोस्तों को आग की लपटों में जलते देखा था। “पहले तो मुझे लगा कि मैं अकेली हूँ, फिर मुझे अपने पास किसी की मौजूदगी का एहसास हुआ। मैंने पलकें झपकाईं, और जब मैंने आँखें खोलीं, तो आग की लपटों के बीच एक आदमी की परछाई दिखाई दी। मैं उसे देख नहीं पा रही थी, लेकिन किसी तरह मैं उसे पहचान रही थी। फिर, वह मुझसे मुँह मोड़कर आग में कूद गया।”
जेसन कुछ पल चुप रहा। वह मेरे और करीब आ गया, मानो ऐसा मुमकिन हो। "क्या तुम्हें इसका मतलब समझ में आया है?" उसने आखिर में पूछा।
मैंने उदास भाव से सिर हिलाया। "बिल्कुल भी अंदाजा नहीं, लेकिन मुझे यह पसंद नहीं है।"
“मुझे भी नहीं,” उसने धीमी आवाज़ में जवाब दिया। “क्या तुमने किसी और को बताया है?”
मैंने सिर हिलाया। "नहीं। दूसरों को परेशान करने का कोई मतलब नहीं है। हो सकता है कुछ भी न हो।"
उन्होंने मुझे बड़ी समझदारी भरी मुस्कान दी। "या फिर कुछ और भी हो सकता है। सबको सतर्क रखना कोई बुरी बात नहीं है।"
लेकिन किस बात से सावधान रहना है? हमें तो यह भी नहीं पता कि सपने में दिखने वाला आदमी कौन है।
उन्होंने जवाब दिया, "इसलिए किसी भी स्थिति के लिए तैयार रहना और भी जरूरी है।"
मैंने होंठ सिकोड़कर मुंह बनाया। "तो, दूसरे शब्दों में, आप मुझे इसे अनदेखा करने की छूट नहीं देंगे, इस उम्मीद में कि यह अपने आप दूर हो जाएगा?"
उसने मेरी तरफ देखकर मुस्कुराते हुए कहा, "जैसे तुमने मेरे साथ किया था?" मैंने शरारत भरे अंदाज़ में उसे धक्का देकर दूर कर दिया। "मैंने ऐसा नहीं किया।"
“हां, बिल्कुल,” उसने जवाब दिया। “जब तक हम लगभग मौत के मुंह से नहीं बच गए, तब तक तुमने मेरे लिए अपनी भावनाओं को स्वीकार करने से पूरी तरह इनकार कर दिया था।”

मैंने शरमाते हुए अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। "कौन कहता है कि मेरे मन में तुम्हारे लिए भावनाएं हैं?"
उसने मुझे पकड़ लिया और फिर से अपनी ओर खींच लिया। "मैं एक पिशाच हूँ," उसने नाटकीय अंदाज़ में जवाब दिया। "हम इन चीजों को महसूस कर सकते हैं।" हमारी हंसी-मजाक दरवाज़े में चाबी की आवाज़ से रुक गई। कुछ ही सेकंड बाद, मेरी माँ खरीदारी के थैलों से भरे हाथों के साथ अंदर आईं। उन्होंने अपने थैले ज़मीन पर फेंक दिए और अपना खाकी, घुटने तक लंबा ट्रेंचकोट उतार दिया, जिससे गहरे रंग की जींस और गहरे भूरे रंग का केबल-निट स्वेटर दिखाई दिया। उनके नए कंधे तक लंबे, गहरे भूरे रंग के लहराते बाल स्वेटर में इस तरह घुलमिल गए थे कि यह बताना मुश्किल था कि एक कहाँ खत्म होता है और दूसरा कहाँ शुरू होता है। वह हमारी ओर बढ़ीं और अपना कोट सोफे के पीछे फेंक दिया। "अरे तुम दोनों, क्या कर रहे हो... टीवी कहाँ है?"
मैंने घबराहट भरी मुस्कान दी।
“फिर से?” मेरी माँ ने अपनी भारी, कर्कश आवाज़ में गहरी आह भरी। मैं खुद से झूठ बोलकर यह दिखावा करना पसंद करती हूँ कि मेरी आवाज़ उनकी जैसी है, लेकिन असल में मेरी आवाज़ उनसे एक सप्तक ऊँची है। हालाँकि हमारी आवाज़ों का अंतर तो बस शुरुआत है। मेरी गोरी त्वचा और हरी आँखों के गुण स्पष्ट रूप से मेरी माँ की तरफ से मुझमें नहीं आए हैं। हमारी शक्लें रंग के मामले में बिल्कुल विपरीत हैं।
मैंने घबराहट भरी मुस्कान को काबू में रखने की कोशिश करते हुए सिर हिलाया। "मुझे लगता है, शायद, हमें बिजली की कोई समस्या है या कुछ और?"
मेरी माँ ने कमर पर हाथ रखकर पूछा, "क्या बिजली की कोई ऐसी समस्या है जिसके कारण घरेलू उपकरण स्वतः ही जल उठते हैं?"
जेसन और मैंने दोनों ने कंधे उचका दिए।
मेरी माँ ने हमें संदेह भरी निगाहों से देखा, फिर अपने शॉपिंग बैग समेटने के लिए मुड़ गईं। मैं कल्पना भी नहीं कर सकती थी कि विस्फोट होते उपकरणों के बारे में वह वास्तव में क्या सोच रही होंगी। अब तक तो उन्होंने बड़ी सहजता दिखाई थी, लेकिन उनका धैर्य भी एक सीमा तक ही टिक सकता था।
मेरी माँ अपने बेडरूम में जाने से पहले एक बार फिर हमारी तरफ रुकीं। “मैं कल इलेक्ट्रीशियन को बुलाऊँगी।” फिर, ऊपर पहुँचकर वह चिल्लाईं, “और 9 बज गए हैं!”

रात 9:00 बजे मेरा बॉयफ्रेंड से मिलने का कर्फ्यू था, वीकेंड पर 11:00 बजे। उसके बाद या तो जेसन को घर जाना पड़ता था, या अगर हम बाहर होते तो मुझे घर आना पड़ता था। जेसन ने हाथ बढ़ाकर मेरा चेहरा छुआ और धीरे से मुझे अपनी ओर खींचा। वह आगे झुका और मेरे होंठों को एक पवित्र चुंबन से छुआ। उसके होंठ मेरे होंठों पर गर्म और मुलायम थे। मैंने अपनी बाहें उठाकर उसकी गर्दन के पीछे लपेट लीं और अपनी उंगलियों को उसके बिखरे हुए गहरे भूरे बालों में फंसा लिया। चुंबन थोड़ा कम पवित्र हो गया। इससे पहले कि मुझे पता चलता, मैं जेसन की गोद में बैठ गई थी। उसकी बाहों ने मेरी कमर को घेर लिया और मुझे अपनी ओर खींच लिया। मैं उसकी गर्माहट में डूब गई, मानो मेरी सारी परेशानियां दूर हो रही हों।
किसी की बाहों में पूरी तरह सुरक्षित महसूस करना मेरे लिए एक नया अनुभव था। मेरे पिताजी कभी मेरे आस-पास नहीं रहे थे, और मेरी माँ ने चाहे कितनी भी कोशिश की हो, वो एक मजबूत रक्षक की भूमिका निभाने में पूरी तरह सक्षम नहीं थीं। अब तक, मुझे हमेशा यही लगता था कि मुझे खुद ही अपनी रक्षा करनी होगी। यह कोई बुरी भावना नहीं थी, लेकिन इससे अकेलापन महसूस हो सकता था। दूसरे शब्दों में, यह सुरक्षा की ज़रूरत की बात नहीं थी, बस मुझे यह विकल्प पाकर खुशी हो रही थी। हमारा यह छोटा सा सत्र कुछ देर और चला, जब तक कि मैं अनिच्छा से पीछे नहीं हट गई।
मेरी नज़रें फिर से उसकी गहरी नीली आँखों से मिलीं और मैं लगभग दोबारा उसके करीब जाने ही वाली थी। लेकिन अफसोस, मैंने खुद को रोक लिया। "कल मिलते हैं?"
उसने मुझे एक और कोमल चुंबन दिया। "तुम मुझे रोक नहीं सकीं।"
वह पाँच सेकंड में उठकर दरवाजे से बाहर निकल गया। उसकी फुर्ती देखकर मैं अब भी घबरा जाता हूँ। लूसी के ऐसा करने पर तो और भी ज्यादा घबराहट होती है, हालाँकि वह जेसन जितनी तेज़ नहीं थी। मैं बिल्कुल भी तेज़ नहीं था, और ऐसा कोशिश न करने की वजह से नहीं था। हर समय वेयरवुल्फ और एक वैम्पायर के साथ रहने से मैं इस नतीजे पर पहुँचा था कि मैं सबसे बेकार आधा दानव हूँ। मैं उनसे मुकाबला नहीं कर सकता था।
अपनी सोच में डूबी हुई मैंने यह सुनिश्चित करने के लिए जाँच की कि जेसन ने अपने पीछे सामने का दरवाजा बंद कर दिया है या नहीं, जो उसने हमेशा की तरह किया था। फिर मैं ऊपर अपने बेडरूम में चली गई। बगल के बैंगनी रंग के बाथरूम

में मैंने सोने की तैयारी की, फिर हरे रंग के फलालैन के पजामा और डेविड बॉवी की एक बड़ी टी-शर्ट पहन ली। मैं अपने गहरे हरे रंग के कंबल पर बैठ गई और पीले कवर वाले तकिए को सीने से लगा लिया। मैं सोने के लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं थी।
मैंने अपने कंप्यूटर डेस्क पर नज़र डाली, जिसके पीछे पुराने ज़माने की हॉरर फिल्मों के पोस्टर लगे थे, और कुछ देर इंटरनेट पर सर्फिंग करने के बारे में सोचा। आखिरकार, मैंने बिस्तर पर आराम से लेटकर स्टीफन किंग की किताब 'डेस्पिरेशन' पढ़ने का फैसला किया, जो जेसन ने हाल ही में मेरे लिए खरीदी थी। उस किताब में मेरे सपनों से ज़्यादा डरावनी कोई चीज़ नहीं थी। जब मैंने आखिरकार बत्तियाँ बंद कीं, तो मैंने दुआ की कि मैं कभी आग से भरी किसी अंधेरी जगह पर न जाऊँ। लेकिन ऐसा होने की संभावना बहुत कम थी।

अध्याय दो
मेरे चारों ओर आग ही आग थी। मैं सपने की दुनिया में और असल दुनिया में भी आग का आदी हो चुका था। मैं ठंडे पत्थर के फर्श पर पालथी मारकर बैठा था और अपने चारों ओर अंधेरे में लपटों की परछाइयों को नाचते हुए देख रहा था। मुझे डर नहीं लग रहा था, बल्कि... शांति का अनुभव हो रहा था, जो एक सुखद बदलाव था।
मैंने बगल में देखा तो पाया कि मेरे पिछले सपने वाला आदमी मेरे बगल में उसी पालथी मारकर बैठा था। मैं उसका चेहरा तो नहीं देख पा रही थी, लेकिन फिर से ऐसा लगा जैसे मैं उसे जानती हूँ। उसने एक हाथ ऊपर उठाया और उंगलियां चटकाईं। उसके अंगूठे और तर्जनी के बीच एक छोटी सी लौ दिखाई दी, मानो उसने लाइटर जलाया हो, जबकि वहाँ कोई लाइटर नहीं था। जैसे ही उसके होंठ मुस्कुराए, लौ की रोशनी उसके दांतों से टकराकर चमक उठी। उसके चेहरे का बाकी हिस्सा छाया में छिपा रहा।
मैंने धीरे से अपना हाथ उठाया और उसकी नकल करते हुए अपने लिए एक छोटी सी लौ पैदा की। मैंने अपने हाथ को देखा और मुस्कुराया, अपनी उपलब्धि से खुश था, हालांकि आम तौर पर मेरी शक्तियां मुझे बिल्कुल भी खुश नहीं करती थीं। ऐसा लग रहा था कि यह एक ऐसी शक्ति थी जिस पर मेरा कुछ हद तक नियंत्रण था।
जब मैंने उस आदमी को देखकर मुस्कुराने के लिए पीछे मुड़ा, तो वह जा चुका था, और मेरे आस-पास की आग भी गायब हो गई थी। जैसे ही मुझे एहसास हुआ कि मैं ठंडे, पथरीले अंधेरे में अकेला रह गया हूँ, मेरे चेहरे से मुस्कान गायब हो गई।
मैं सुबह 8:10 बजे उठी। मंगलवार का दिन था, लेकिन साथ ही सर्दियों की छुट्टियां भी थीं, इसलिए स्कूल बंद था। शुक्र है! मुझे याद आया कि मेरी बिना सपने वाली रात की इच्छा पूरी नहीं हुई थी, तो मुझे बहुत बुरा लगा। बुखार के कारण मेरे पजामे पसीने से भीग चुके थे।
मैं घिसटते हुए बिस्तर से उठी और नंगे पैर नाश्ते के लिए नीचे गई। मेरी माँ काम पर जा चुकी थीं और मेरे लिए आधी बनी कॉफ़ी छोड़ गई थीं, भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। आधी नींद में ही मेरी खुशमिजाज रसोई की ठंडी टाइलें मुझे चौंका गईं। मैंने मेपल के रंग की अलमारियों में से एक से नीले रंग का सिरेमिक मग उठाया और उसमें क्रीम डाले बिना उसे पूरा भर लिया। मैं कुछ

मिनटों तक अपनी धूप से चमकती पीली रसोई में खड़ी रही, कॉफ़ी का आनंद लेती रही और रसोई की खिड़की से बाहर हरी-भरी हरियाली को देखती रही। यह मेरी सर्दियों की छुट्टियों की सुबह की दिनचर्या बन गई थी।
मेरी नज़र उस पर पड़ी, तभी ब्रायन अपने घर के सामने वाले दरवाज़े से बाहर भागा। उसने हल्के भूरे रंग का ट्रैक सूट पहना हुआ था और उसके छोटे घुंघराले भूरे बाल नींद से अभी भी बिखरे हुए थे। वह रुका और मेरी तरफ देखा। मैं चौंक गई और खिड़की से नज़रें हटाते हुए एक तरफ हट गई, जिससे गर्म कॉफी मेरे हाथ पर गिर गई। मैं मन ही मन बड़बड़ाती रही और ब्रायन के जाने का इंतज़ार करती रही।
ब्रायन मेरा सबसे अच्छा दोस्त था, जब तक कि मैंने गलती से अपनी नई मिली राक्षसी शक्तियों से उसे जला नहीं दिया। उसके तुरंत बाद मैं बेहोश हो गया। जब मैं बेहोश था, लूसी और एलिसन ने ब्रायन को सब कुछ बता दिया: राक्षस, वेयरवुल्फ और बाकी सब कुछ। ब्रायन को यह बात अच्छी नहीं लगी। उसने तब से मुझसे बात नहीं की। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या मैं उसे दोष दे सकता हूँ।
उसे चोट पहुँचाने की याद आते ही मेरे गले में एक गाँठ सी बन गई। मैंने गहरी साँस ली और खुद को समझाया कि अब मैं उस घटना पर रोना बंद कर चुकी हूँ। मैंने खिड़की से बाहर एक नज़र डाली और देखा कि ब्रायन सुबह की दौड़ के लिए सड़क पर मुझसे दूर जा रहा है। मैंने एक कागज़ का तौलिया उठाया और अपने हाथ और ज़मीन पर गिरी ठंडी कॉफी को पोंछ लिया। हाथ पोंछते हुए मुझे एहसास हुआ कि कॉफी से कोई जलन नहीं हुई थी। असल में, मेरा हाथ ज़रा सा भी लाल नहीं था। क्या यह भी कोई दानव शक्ति है? शायद यही बात है। मैं दूसरों को जला सकती थी बिना खुद जले। शायद मैं कभी जल ही नहीं सकती थी। क्या मुझे सच में कोई ऐसी शक्ति मिल गई थी जिसका कोई नुकसान नहीं था? मैं मुस्कुराई और थोड़ी ज़्यादा फुर्ती के साथ नहाने के लिए ऊपर चली गई। शायद मैं पानी को थोड़ा ज़्यादा गर्म कर लूँगी, बस इसलिए क्योंकि मैं ऐसा कर सकती थी।
पिछले एक साल में मेरे बाथरूम में ज़्यादा बदलाव नहीं आया था: बैंगनी रंग का कालीन और तौलिए, संगमरमर की टाइलों वाला शॉवर, बड़े गोल दर्पण के नीचे एक चबूतरा वाला सिंक। मैंने शॉवर चालू किया और पानी के गर्म होने का इंतज़ार किया, फिर अपने पजामा उतारकर अंदर चली गई। गर्म पानी से मेरे कंधों का तनाव कम हो गया, जिसका मुझे एहसास भी नहीं था। मैंने अपने नए

लेमनग्रास की खुशबू वाले शैम्पू से बाल धोना शुरू किया, साथ ही मन ही मन उन कामों की सूची दोहराती रही जो मुझे उस दिन करने थे।
सबसे पहले, मुझे क्रिसमस की खरीदारी करनी थी। मैंने इसके लिए अपने पॉकेट मनी में से अस्सी डॉलर बचा लिए थे, क्योंकि मेरे पास नौकरी नहीं है। उम्मीद है जेसन मुझे क्रिसमस की खरीदारी के लिए छोड़ने में कोई आपत्ति नहीं करेगा, क्योंकि मेरे पास कार नहीं है। मैंने अपनी माँ से वादा किया था कि मैं उनके द्वारा IKEA से खरीदी गई किताबों की अलमारी को जोड़ दूँगी। मेरी माँ को दिशा-निर्देशों का बिल्कुल भी ज्ञान नहीं है, इसलिए ऐसे काम अक्सर मुझे ही करने पड़ते हैं। ये सब हो जाने के बाद, मुझे लूसी के घर जाकर उसके परिवार के साथ कुकीज़ बनानी थीं। हम हर साल ऐसा करते थे।
पूरी तरह से साफ होने के बाद, मैं शॉवर से बाहर निकली और अपने मुलायम बैंगनी तौलिए को अपने चारों ओर लपेट लिया। मैंने अपने बालों को ब्लो- ड्रायर से सुखाया, जो मेरी दिनचर्या का एक हिस्सा बन गया था जिसे मैंने एलिसन के बार-बार कहने पर अनिच्छा से स्वीकार किया था। और नहीं, मैंने यह जेसन को प्रभावित करने के लिए नहीं किया था। मैं बस अपने लिए अच्छी दिखना चाहती थी, बस।
मैंने गहरे लाल रंग का स्वेटर और पुरानी जींस पहनी, फिर अपने फीके भूरे रंग के स्नीकर्स पहन लिए। मैं अपने कमरे से निकला और नीचे आते ही अपने दरवाजे पर दस्तक सुनी। मैं दौड़कर ऊपर गया और दरवाजा खोला तो देखा कि जेसन बाहर इंतजार कर रहा था, उसने गहरे लाल रंग की ऊनी स्वेटशर्ट (ओरेगॉन के लोग ऊनी कपड़े बहुत पसंद करते हैं) और जींस पहनी हुई थी। उसके हाथ में लिफाफों का एक बंडल और कुछ कैटलॉग थे।
"तुम्हारा मेल मिल गया," उसने कहा और मेल का ढेर मुझे सौंप दिया।
मैंने पत्रों को सीने से चिपकाए हुए वापस अपने लिविंग रूम में जाने के लिए मुड़ा और जेसन के लिए दरवाज़ा खुला छोड़ दिया ताकि वह मेरे पीछे आ सके। मैं डाइनिंग रूम में गया और पत्रों को अपनी आयताकार, हल्के रंग की लकड़ी की डाइनिंग टेबल पर बिखेर दिया। मैं पत्रों के ढेर में से अपने नाम के पत्र ढूंढने लगा, तभी जेसन मेरे पीछे कमरे में आया। उसने टेबल जैसी ही हल्के रंग की लकड़ी की एक कुर्सी खींची, जिस पर पीले रंग का एक चमकदार कुशन था जो टेबल के मैट से मेल खाता था। वह चुपचाप मुझे देखता रहा, जैसा कि वह अक्सर करता है। पहले मुझे इससे असहजता होती थी, लेकिन अब मुझे इसकी आदत हो गई है।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

भेड़ियों के एक स्थानीय झुंड वाले क्षेत्र में न पहुँच जाए, ताकि वे डैन को मार सकें क्योंकि उसने एक इंसान को मारकर वेयरवोल्फ के एक कठोर कानून का उल्लंघन किया था। जब हालात बिगड़ गए और डैन राख के ढेर में तब्दील हो गया, तो एबेल और उसके भेड़िये उस गड़बड़ी को ठीक करने के लिए आए।
मैंने काउंटर पर रखे नोट उठाए। गिनना शुरू किया और हर नोट को गिनते हुए वापस मेज पर रख दिया। जैसे-जैसे मेज पर नोटों का ढेर बढ़ता गया, मेरा अविश्वास भी बढ़ता गया। मैंने आखिरी नोट ढेर पर रखा और उसे घूरता रह गया, सांस लेना तो दूर, बोलना भी मुश्किल हो रहा था।
“कितने?” जेसन ने पूछा।
मैंने जवाब नहीं दिया।
“ज़ोई? कितने पैसे?”
मैं अचानक अपने ख्यालों के धुंध से बाहर आया। "दस हजार डॉलर।"
जेसन ने बस सिर हिलाया। "मुझे लगभग यही उम्मीद थी।"
मैं जेसन को हैरानी से घूरने लगा। "आखिर कौन डाक से दस हजार डॉलर नकद भेजता है?"
जेसन ने बेझिझक जवाब दिया, “इनाम के लालच में लोग सिर्फ नकद में ही लेन-देन करते हैं। मुझे लगता है कि अगर मुमकिन होता तो वो खुद आकर ही देता। वो बहुत व्यस्त आदमी है।”
मैं डाइनिंग रूम की एक कुर्सी पर बैठ गया। "अब मैं इसका क्या करूँ?"
जेसन ने एक बार फिर अपना सिर झुकाया, मानो उसे मेरा सवाल समझ नहीं आया हो। मैंने स्पष्ट किया, “दस हजार डॉलर नकद का मैं क्या करूँ? मैं इससे बैंक खाता तो नहीं खोल सकती। मैं तो सिर्फ सोलह साल की हूँ। मैं अकेले बैंक खाता नहीं खोल सकती।”
मेरी दुविधा को समझते हुए जेसन ने सिर हिलाया। "अगर आप चाहें, तो मैं आपकी इच्छानुसार राशि अपने बचत खाते में जमा कर दूंगा। मैं आपके लिए एक कार्ड भी बनवा दूंगा ताकि आप अपनी इच्छानुसार राशि निकाल सकें।"
मैंने सिर हिलाया, अभी भी अपने विचारों को एक सुसंगत इकाई में समेटने में असमर्थ थी। "खैर, कम से कम अब मैं अपनी सारी क्रिसमस की खरीदारी कर पाऊंगी।"
जेसन मुस्कुराया। "क्या आपने नाश्ता कर लिया है? अगर आप चाहें तो बैंक जाने के बाद हम कहीं रुक सकते हैं।"

मैंने सिर हिलाया और खड़ी हो गई। जेसन अपनी सीट से उठ गया और मेरे द्वारा इकट्ठा किए गए भारी भरकम पैसों का इंतज़ार करने लगा, फिर हम सामने के दरवाज़े की ओर चल पड़े। हम चुपचाप बाहर निकले, तभी जेसन की शानदार गहरे भूरे रंग की कार में बैठते हुए मेरे मन में एक ख्याल आया। "अगर मुझे सिर्फ़ आखिरी काम करने के लिए दस हज़ार मिले, तो तुम्हें कितने मिले?"
जेसन मुस्कुराया और कार को ड्राइव मोड में डाल दिया। "इनाम के लिए शिकार करना बहुत ही लाभदायक व्यवसाय है।"

अध्याय तीन
जब हम बैंक पहुँचे, तो मैं कार में ही इंतज़ार करती रही जबकि जेसन मेरे पैसे जमा करने अंदर गया। मैंने उसमें से एक हज़ार डॉलर अलग रख लिए थे, ये सोचकर कि क्रिसमस के तोहफ़े खरीदूँगी। साथ ही, मैंने कहीं सुना था कि अगर आप बैंक खाते में दस हज़ार डॉलर या उससे ज़्यादा जमा करते हैं, तो बैंक को इसकी जानकारी आयकर विभाग को देनी पड़ती है। मुझे इस विषय में बस इतना ही पता था, और जेसन को शायद मुझसे ज़्यादा पता था, लेकिन सावधानी बरतने में क्या हर्ज़ है। मुझे लगता है कि सबसे ज़्यादा मैं इस बात से बचने की कोशिश कर रही थी कि मुझे पैसों को लेकर कितना अपराधबोध हो रहा था। ये सब खून के पैसे जैसा लग रहा था। डैन को तो ये होना ही था, लेकिन फिर भी मुझे एक हत्यारे जैसा महसूस हो रहा था। शायद अपने प्रियजनों के लिए बड़े-बड़े तोहफ़े खरीदने से मेरे ज़मीर का बोझ थोड़ा कम हो जाए। शायद।
जेसन बैंक से निकलकर कार की ओर वापस चलने लगा। बादलों से घिरे आसमान से सूरज की एक किरण छनकर उसके चश्मे पर पड़ी। और नहीं, मेरा वैम्पायर चमकता नहीं है। जेसन ड्राइवर की सीट पर वापस बैठ गया और सीट बेल्ट लगा ली। “आपका कार्ड कुछ दिनों में डाक से आ जाएगा, और आप फोन से अपना पिन नंबर सेट कर सकते हैं। अगर आपको इससे पहले पैसे चाहिए, तो मुझे बता दीजिएगा।”
मैंने मुस्कुराते हुए कहा, "अच्छा लगा, धन्यवाद। नाश्ता कहाँ करना चाहोगे?"
“आईहॉप?” उसने मुस्कुराते हुए पूछा।
जेसन को आईहॉप बहुत पसंद था। मुझसे मिलने से पहले उसने कभी वहां खाना भी नहीं खाया था। और हां, मुझे पता है आप क्या सोच रहे हैं। लेकिन क्या वह पिशाच नहीं है? हां, वह है, लेकिन प्रचलित कहानियों के बावजूद, वह इंसानों का खाना खाता है, दिन में जागता है, और उसे लहसुन बहुत पसंद है।
मैंने बनावटी झुंझलाहट दिखाते हुए ज़ोर से आह भरी। "ठीक है।"
जेसन ने मुस्कुराते हुए अपना हाथ मेरे पैर पर रखा और पार्किंग से गाड़ी तेज़ी से निकालकर पागलों की तरह आईहॉप की ओर चला गया। वहाँ पहुँचते ही हमें तुरंत बैठने की जगह मिल गई। खिड़की के पास एक कोने वाले बूथ में बैठते ही हम दोनों ने कॉफ़ी और ब्लिंट्ज़ ऑर्डर किए।

“तो,” मैंने तब कहना शुरू किया जब वेटर हमारे कप भर रहा था। “एबेल ने तुम्हें कितना दिया?”
जेसन ने नज़रें नीचे कर लीं। अगर मुझे कुछ और पता न होता तो मैं समझ जाता कि वह शर्मिंदा था। "पाँच हज़ार," उसने आख़िरकार जवाब दिया।
मुझे हंसी आ गई, लेकिन मैंने उसे रोक लिया... ज़्यादातर। "आखिर तुम्हें मुझसे कम नंबर क्यों मिले?"
उसने मुंह बनाया। "एबेल मेरे काम से बिल्कुल भी खुश नहीं था।"
मेरी मुस्कान और चौड़ी हो गई। "सच में?"
जेसन ने गहरी सांस ली, यह देखकर कि मैं इस बात को यूं ही नहीं जाने दूंगा। "मेरा काम डैन पर नज़र रखना और यह सुनिश्चित करना था कि वह कोई शरारत न करे, जब तक कि कोई समूह उसे हिरासत में न ले ले।"
डैन की शरारतों का ज़िक्र सुनकर मैंने भौंहें चढ़ा लीं। हाँ, शरारत कहना तो ठीक नहीं था। इसके बजाय तबाही, विनाश, उपद्रव जैसे शब्द ज़्यादा सही होते... बात समझ में आई?
वेटर ने हमारी ब्लिंट्ज़ (मेरे लिए स्ट्रॉबेरी और जेसन के लिए ब्लूबेरी) टेबल पर रख दीं, तो मैंने धन्यवाद कहा और फिर अपनी बातचीत में वापस लग गई। "तो, क्या तुम मुझसे ज़्यादा पैसे कमाने वाली लड़की के साथ रह पाओगे?" मैंने मज़ाक उड़ाते हुए कहा।
वह शरारती मुस्कान के साथ बोला, "बिल्कुल कर सकता हूँ, बस आपको एक बात समझनी होगी।"
"और वो क्या है?" जब उसने आगे कुछ नहीं कहा तो मैंने उससे पूछा।
उसने बड़े गर्व से अपने ब्लिंट्ज़ का एक टुकड़ा खाया और संतुष्टि भरी मुस्कान के साथ निगल लिया। "रिश्ते में कमाने वाले को ही नाश्ते का भुगतान करना पड़ता है।"
मैंने मुंह बनाया। "जानते हो क्या?"
"क्या?" उसने अपने मुंह में और ब्लिंट्ज़ ठूंसने से पहले पूछा।
"घर की बागडोर अपने हाथ में लेना बिल्कुल बेकार है।"
उन्होंने सहानुभूति जताते हुए मेरे हाथ पर थपथपाया। "तुम्हें इसकी आदत पड़ जाएगी।"
मैंने भौंहें चढ़ा लीं। "संदेहजनक, बहुत ही संदिग्ध।"

कुछ मिनट चुपचाप खाना खाने के बाद, मुझे पता चल गया कि अब जेसन को हमारे अगले पड़ाव के लिए मनाने का समय आ गया है। "तो..." मैंने होठों पर शरारती मुस्कान के साथ कहना शुरू किया।
जेसन ने अपना सिर झुकाया और मुस्कुराया, वह अच्छी तरह जानता था कि उस मुस्कान का क्या मतलब है। "अब हम आगे कहाँ जा रहे हैं?" उसने झुंझलाहट का नाटक करते हुए पूछा।
मैंने मीठी आवाज़ में कहा, "मुझे क्रिसमस की खरीदारी करनी है।"
“क्या मैं आपको छोड़ दूं?” उसने उम्मीद से पूछा।
मैं हांफने लगी और अपने हाथों को अपनी छाती पर रख लिया। "क्या तुम मुझे, एक नन्ही सी बच्ची को, अपने हाल पर छोड़ दोगे?"
उन्होंने कॉफी का आखिरी घूंट लिया, फिर खाली मग को मेज पर पटक दिया और मेरी तरफ देखकर मुस्कुराए। "लाखों सालों में भी नहीं।"
जब हम जाने के लिए उठे तो मैं हँस पड़ी, इस बात से खुश थी कि मेरी बात मान ली गई थी। उसने खाने का बिल भी चुका दिया, तो ज़ाहिर है कि पैसों की बात से उसके स्वाभिमान को ज़्यादा ठेस नहीं पहुँची थी। जब तक हम कार तक पहुँचे, मुझे लगा कि डाक से इतनी बड़ी रकम मिलने के अनुभव से मैं पूरी तरह उबर चुकी थी और कुछ पैसे खर्च करने के लिए तैयार थी।
मॉल जाने का सबसे छोटा रास्ता शेल्बी के कब्रिस्तान के ठीक बगल से होकर गुजरता है। हालाँकि कब्रिस्तान मुझे बहुत डरावना लगता है, लेकिन स्वाभिमान मुझे दूसरा रास्ता सुझाने की इजाज़त नहीं देता। कब्रिस्तान हमेशा से मुझे डरावना लगता था, लेकिन डैन की घटना के बाद से मेरा डर और भी बढ़ गया था। डैन ने शेल्बी से गुजरने का फैसला सिर्फ इसलिए किया था क्योंकि वहाँ एक बड़ा, पुराना कब्रिस्तान था, या कम से कम उसने यही कहा था। उसने कुछ राक्षसों से सौदे किए थे ताकि वह एक सामान्य वेयरवोल्फ से कहीं अधिक शक्तिशाली बन सके। मैं हमेशा कब्रिस्तानों में होने वाली अपनी इस अजीब सी बेचैनी को अंधविश्वास मानकर टालता रहा था, लेकिन डैन ने मुझे बताया कि ऐसा नहीं था।
कब्रिस्तान जादू से भरे होते हैं; कब्रिस्तान जितना पुराना और बड़ा होता है, उतना ही अच्छा। जब कभी-कभार मुझे कब्रिस्तान जाना पड़ता था, तो मुझे ऐसा लगता था जैसे मृतकों की आत्माएं मुझ पर दबाव डाल रही हों, जिससे वातावरण बहुत ही भयावह और भारी हो जाता था। जाहिर तौर पर यह सारा

अप्रयुक्त जादू ही था जिसके कारण मुझे घुटन महसूस होती थी। डैन उस जादू का इस्तेमाल उन राक्षसों को बुलाने के लिए करता था जिनसे वह निपटता था। कब्रिस्तान के पास से गुजरते हुए मैंने अपनी आँखें बंद कर लीं और गहरी साँस ली। तभी मुझे जेसन के हाथ का हल्का सा स्पर्श महसूस हुआ, जिसने मेरे पैर को हल्के से दबाया। उसने मेरी बेचैनी को भांप लिया होगा। "क्या तुम ठीक हो?" उसने पूछा।
मैंने सिर हिलाकर सहमति जताई, लेकिन अपनी आंखें बंद रखीं।
जेसन ने इस विषय को वहीं छोड़ दिया। समझदार आदमी।
जब मुझे यकीन हो गया कि हम सभी कब्रों को पार कर चुके हैं, तब मैंने अपनी आँखें खोलीं। शेल्बी के छोटे से मॉल तक पहुँचने में हमें बस एक मिनट और लगा। जेसन ने पार्किंग में गाड़ी मोड़ी और एक बड़े डिपार्टमेंट स्टोर के पास पार्क कर दी। मैं कार में ही बैठी रही जबकि वह मेरे लिए दरवाजा खोलने गया। हाँ, मुझे पता है, थोड़ा पुराना तरीका है, और मैं खुद ही दरवाजा खोलना ज़्यादा पसंद करती, लेकिन जेसन को ऐसा करने में खुशी हुई, इसलिए मैं एक सभ्य युवती की तरह कार में बैठी रही। कौन कहता है कि मैं समझौता नहीं कर सकती?
हम पार्किंग से होते हुए मॉल में दाखिल हुए, जेसन ने एक बार फिर मेरे लिए दरवाज़ा खोल रखा था। दुकानों की पहली पंक्ति में प्रवेश करते ही लोगों की भीड़ और तेज़ चमकती फ्लोरोसेंट लाइट देखकर मैं थोड़ा अचंभित रह गई। खरीदारों की आवाज़ों के शोर के बीच क्रिसमस का बेसुध सा संगीत बज रहा था। यह लगभग कब्रिस्तान जैसा ही था... लगभग।
जेसन ने मेरी तरफ देखा। "क्या आप अकेले खरीदारी करना चाहेंगी, या मैं आपके साथ रहूँ?"
"अकेले। मेरा इरादा आज ही अपने सारे उपहारों की खरीदारी पूरी करने का है, और इसमें तुम्हारे लिए भी एक उपहार शामिल है।"
भीड़ का अकेले सामना करने की तैयारी करते हुए मैंने जेसन का हाथ आखिरी बार हल्के से दबाया। जैसे ही हमारे हाथ अलग हुए, वह एक पल के लिए पीछे हट गया, मेरी तरफ मुस्कुराया, फिर मुड़कर फूड कोर्ट की तरफ चल दिया। मुझे एहसास हुआ कि मैं उसे जाते हुए घूर रही थी, तो मैंने खुद को झकझोर कर देखा। चलो ज़ो, अपने काम पर ध्यान दो।

उसका मतलब मज़ाकिया था, लेकिन मैंने जवाब में उसे घूरकर देखा। कुछ देर तक अजीब सी खामोशी छाई रही, फिर आखिरकार वह मेरी जर्सी लेने चला गया। जब सेल्समैन व्यस्त था, मैंने मैक्स के लिए मैनचेस्टर यूनाइटेड की जर्सी चुन ली। वह वापस आया, जाहिर है अब वह मुझसे फ्लर्ट करने की कोशिश नहीं कर रहा था। उसने चुपचाप मेरा बिल बनाया और मुझे मेरी खरीदी हुई चीज़ें दे दीं। अगर मैं एलिसन होती, तो मैं भी उससे फ्लर्ट करती और डिस्काउंट ले लेती। लेकिन मैं एलिसन नहीं थी, और मुझे किसी डिस्काउंट की ज़रूरत नहीं थी। मैंने अपना बैग उठाया और जाने के लिए मुड़ गई, बैग में रखने से पहले मैंने रसीद चेक की। ब्लोंडी ने उस पर अपना फ़ोन नंबर लिख रखा था। उसकी लगन की मैं तारीफ़ करती हूँ।
मैंने पीछे मुड़े बिना दुकान छोड़ दी और अपना ध्यान ज़्यादा ज़रूरी कामों पर लगाया। अब मुझे सिर्फ़ जेसन के लिए ही कुछ खरीदना था, और मुझे समझ नहीं आ रहा था कि उसे क्या दूं। मैं मॉल के गलियारे में चलने लगी, मेरा दिमाग़ जेसन को पसंद आने वाली कोई चीज़ ढूंढने में लगा हुआ था।
जब मैं उपहारों के विकल्पों के बारे में सोच रही थी, तभी कोई मेरे पीछे आया और मेरी कलाई पकड़ ली। मैंने सोचा कि यह जेसन है, और मुड़कर देखा तो सामने चमकीली हरी आँखें थीं, बिल्कुल मेरी आँखों के रंग जैसी। मैं चौंक गई और मेरे शॉपिंग बैग नीचे गिर गए, जिससे मॉल में मौजूद लोगों का एक समूह इधर-उधर हट गया और मुझसे दूर हो गया। मैंने गिरे हुए बैगों से नज़रें उठाकर उस अजनबी को देखा जिसने अभी भी मेरी कलाई पकड़ रखी थी। वह लंबा था, शायद 6 फुट 3 इंच का, और उसके सीधे सुनहरे बाल थे, जो कलात्मक तरीके से उसके चेहरे से पीछे की ओर लगभग उसके कंधों तक पहुँच रहे थे। उसने हल्के हरे रंग का, महंगा दिखने वाला स्वेटर पहना था जो उसकी आँखों के मुकाबले फीका लग रहा था, साथ ही गहरे भूरे रंग की पैंट भी पहनी थी।
मेरा मुंह सूख गया, वह बिल्कुल मेरे जैसा दिखता था। उसकी पतली नाक से लेकर उसके थोड़े भरे हुए होंठ, जो उसके कोणीय चेहरे पर बेमेल से लग रहे थे, वह मेरा ही पुरुष रूप था।
उन्होंने मेरी कलाई पकड़े हुए मुस्कुराते हुए कहा, "तुम्हें देखकर बहुत अच्छा लगा, एलेक्सोंड्रा।"
मैंने मुस्कुराकर जवाब नहीं दिया। "दुर्भाग्यवश, मैं ऐसा नहीं कह सकता।"

उनकी मुस्कान जरा भी नहीं डगमगाई। "क्या अपने पिता से बात करने का यह कोई तरीका है?"
मेरा दिल ज़ोर से धड़कने लगा। उसने वही बात पक्की कर दी जो मैं पहले ही समझ चुकी थी। अचानक उमड़े गुस्से को काबू करने की कोशिश में मैं कांपने लगी। मैंने दांत पीसते हुए धीरे से कहा, "मुझे... छोड़... दो।"
उसने ऐसा नहीं किया। मैं बुरी तरह कांपने लगी। सालों से मैंने जो दर्द और गुस्सा दबा रखा था, वो सब वापस उमड़ आया। उसने मुझे छोड़ दिया था। मेरी माँ ने तो मुझे उसका नाम तक नहीं बताया था।
जैसे कि उसने मेरे मन की बात पढ़ ली हो, उसने कहा, "मैं मान लेता हूँ कि तुम मुझे पापा कहना पसंद नहीं करोगे, इसलिए तुम मुझे एलेक्जेंड्रे कह सकते हो।"
अब मुझे पता चल गया था कि मेरा नाम कहाँ से आया, हालाँकि मैं यह समझ नहीं पा रही थी कि मेरी माँ ने मेरा नाम उस व्यक्ति के नाम पर क्यों रखा जिसने उसे भी त्याग दिया था। मैंने गहरी साँस ली। "तुम यहाँ क्यों हो?"
“तुम लगभग सत्रह साल के हो। मैं यहाँ तुम्हारी शक्तियों को पहचानने में तुम्हारी मदद करने आया हूँ... या फिर अगर तुमने उन्हें पहले ही पहचान लिया है तो?”
मैंने कड़वी मुस्कान के साथ कहा, "हाँ, इस मामले में आप थोड़ी देर से आए हैं। मैंने यह सब खुद ही पता लगा लिया।"
उसने अपनी भौंहें इस तरह सिकोड़ीं मानो उसे वाकई देर होने का अफसोस हो। "मुझे कितनी देर हो गई है?"
मैंने झुंझलाहट में आंखें घुमाईं। "सत्रह साल।"
“मेरा मतलब है कि मुझे शक्तियां प्राप्त करने में कितनी देर हो गई है? वैसे, मुझे जलाने की कोशिश करना बंद करो। यह काम नहीं करेगा।”
मेरी आँखें आश्चर्य से चौड़ी हो गईं। मुझे पता था कि मैं इतना गुस्से में थी कि ऐसा कर सकती थी, लेकिन मुझे यह एहसास नहीं था कि मैं उसे जलाने की कोशिश कर रही थी... हालाँकि कोशिश करने पर मुझे कोई पछतावा नहीं था।
"क्या यह इतना बुरा है?" उसने मेरी नियंत्रणहीनता का जिक्र करते हुए पूछा। “तो फिर तुम क्या उम्मीद कर रहे थे?” मैंने गुस्से से कहा। “मुझे तो पता ही नहीं था कि मैं दूसरों से अलग हूँ, जब तक कि एक वेयरवोल्फ ने मुझे सूंघ

नहीं लिया। मुझे अपने एक दोस्त को जलाकर यह पता लगाना था कि मैं क्या कर सकता हूँ!”
एक दंपत्ति अपने छोटे बच्चे के साथ चल रहे थे, वे मेरे पास से गुज़रते हुए थोड़ा दूर हट गए और बच्चे के और करीब आ गए। महिला ने मुझे ऐसे देखा जैसे मैं पागल हूँ। ज़ाहिर है, मैं एक भीड़ भरे मॉल के बीचोंबीच बेतुकी बातें चिल्ला रहा था, तो शायद वह सही ही थी।
अचानक ही जेसन मेरे बगल में प्रकट हुआ और एलेक्सोंड्रे की कलाई पकड़ ली, क्योंकि एलेक्सोंड्रे अभी भी मेरी कलाई पकड़े हुए था। एलेक्सोंड्रे ने जेसन को ऐसी घूरती निगाहों से देखा कि मुझे आश्चर्य हुआ कि जेसन वहीं पत्थर का क्यों नहीं बन गया।
एलेक्सोंड्रे की मेरी कलाई पर पकड़ पहले की तरह ही मजबूत थी। उसने अपनी नज़रें मेरी तरफ घुमाईं। "क्या तुम इस पिशाच को जानते हो?"
मैंने अपनी भौहें ऊपर उठाईं और 'अरे हाँ, यह तो सबको पता था' वाले अंदाज़ में सिर हिलाया।
एलेक्जेंड्रे ने धीरे-धीरे मेरी कलाई छोड़ दी, और जेसन ने भी धीरे-धीरे अपनी कलाई छोड़ दी। वे एक-दूसरे को घूरते हुए खड़े रहे, दोनों ही एक-दूसरे से आगे निकलने की कोशिश कर रहे थे, हालांकि उनकी लंबाई लगभग बराबर थी, इसलिए किसी को भी ज़्यादा सफलता नहीं मिली।
मेरी ओर देखे बिना, एलेक्सोंड्रे बोली, "हमें बात करनी होगी एलेक्सोंड्रा। तुमने अपनी शक्तियों की शुरुआत में भले ही खुद को बचा लिया हो, लेकिन तुम्हें एक गुरु की ज़रूरत होगी।"
“हां, मैं करता हूं,” मैंने स्पष्ट स्वर में कहा, “लेकिन यह आप नहीं होंगे।” मैंने एक हाथ से जेसन की बांह पकड़ी और दूसरे हाथ से अपने बैग उठाए, फिर दरवाजे की ओर तेजी से भागी। एलेक्जेंड्रे ने हमें जाते हुए देखा, लेकिन वह हमारे पीछे नहीं आई।
जैसे ही हम दोनों जेसन की कार में सीट बेल्ट लगाकर बैठ गए, उसने मेरी तरफ मुड़कर कहा, "वह सही कह रहा है।"
“क्या?” मैंने संदेहपूर्वक पूछा।
जेसन ने मेरी ओर देखने से परहेज किया। "तुम्हें एक शिक्षक की ज़रूरत है।" मैंने अपनी निगाहें लगातार सामने वाली खिड़की से बाहर टिकाए रखीं। "वो नहीं।"

"□□□□□□ □ □ □ "

“□□ □□□□□□”

□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□, □□□□□□□ □□□□□□

चौथा अध्याय
घर लौटते समय हम चुपचाप ही रहे। मैं नहीं चाहती थी कि जेसन सोचे कि मैं उससे नाराज़ हूँ, लेकिन मेरा दिमाग इतना उथल-पुथल में था कि बातचीत जारी रखने के बारे में सोचना भी मुश्किल था। मैंने कभी अपने पिताजी से बात करने की उम्मीद नहीं की थी, मॉल में उनसे मिलने की तो बिल्कुल भी नहीं। लेकिन वो वहाँ थे, साक्षात... या जो भी उनका रूप था।
घर पहुँचते ही मैं गुस्से में घर में घुस गई और सीधे अपने बेडरूम में चली गई। जेसन मेरे कुछ ही सेकंड बाद अंदर आया और मुझे बिस्तर पर बैठी हुई पाया, मैं पहले से ही गहरी उदासी में डूब रही थी। वह चुपचाप मेरे पास आया और मेरे बगल में बैठ गया, फिर उसने अपना हाथ मेरी कमर के निचले हिस्से पर रख दिया। उसके दिलासे से मेरा गुस्सा धीरे-धीरे दुख और उलझन में बदल गया। मैंने अपने हाथों की ओर देखा, जेसन की आँखों में देखना नहीं चाहती थी। "उसने मेरा नाम उसके नाम पर रखा है।"
“उसका नाम एलेक्सोंड्रा है?” जेसन ने हैरानी से पूछा।
मैंने अपना सिर हिलाया और अचानक एक ऐसी हंसी हंसी जो रोने जैसी लग रही थी। मैंने जेसन का हाथ पकड़ा जो मेरी कमर पर टिका हुआ था और उसे आगे खींचकर अपने पेट के चारों ओर लपेट लिया, और उसे अपने करीब ले आई। "एलेक्जेंड्रे। उसका नाम एलेक्जेंड्रे है, लेकिन ठीक है।"
जेसन ने मेरे गाल पर हल्के से चुंबन किया और मेरे बोलने का इंतजार करने लगा। जब मैंने कुछ नहीं कहा, तो उसने कहा, "कृपया इस पर विचार करें।"
आह। फिर से वही बात, एलेक्जेंड्रे का मेरा शिक्षक होना। मैंने धीरे से सिर हिलाया, यह जानते हुए कि वह सही कह रहा था। "मैं कोशिश करूँगा।" हाँ, मैं उतनी ही मेहनत करूँगा जितनी गणित की क्लास में करता हूँ। क्या मैंने बताया कि मैं फेल हो रहा हूँ?
उसने मेरी बात पर विश्वास कर लिया, या फिर वह बस इस विषय को टाल रहा था। "तुम्हें लूसी के घर किस समय पहुंचना है?"
मैंने अपनी जैक स्केलिंगटन वाली दीवार घड़ी पर नज़र डाली। उसका चेहरा ही घड़ी का मुख्य भाग था, और उसका छोटा सा प्लास्टिक का शरीर पेंडुलम की जगह आगे-पीछे झूल रहा था। लगभग 3:15 बज चुके थे। "लगभग पंद्रह मिनट पहले।" जेसन ने मुझे आखिरी बार गले लगाया। "मैं तुम्हें छोड़ दूंगा।"

हम नीचे जाकर मेरे सारे बैग उठाने लगे जो मैंने अंदर आते समय फर्श पर फेंक दिए थे। सारा सामान वापस अपने कमरे में लाने के बाद, जेसन मुझे थोड़ी दूर लूसी के घर तक गाड़ी से ले गया।
जेसन ने लूसी के दो मंजिला घर के सामने गोलाकार, बजरी वाली सड़क पर गाड़ी खड़ी की। मैंने उसे जल्दी से अलविदा कहते हुए एक चुंबन दिया और गाड़ी से उतरकर सामने के दरवाजे की ओर चल पड़ी। लकड़ी के दरवाज़े पर दस्तक देने के बाद, मैं शामियाने की छाँव में किसी के अंदर आने का इंतज़ार करने लगी। लूसी की माँ ने यह देखने के लिए दरवाज़ा थोड़ा सा खोला कि बाहर कौन है, और जब उन्होंने मुझे देखा तो पूरा दरवाज़ा खोल दिया।
लूसी की माँ लूसी से भी छोटी हैं, लगभग 4 फुट 11 इंच। मैं बचपन में उनसे बहुत डरती थी। वह बहुत ही गंभीर स्वभाव की महिला हैं, जिनका मुंह हमेशा एक सख्त, अटल रेखा में बंद रहता है। उनकी आँखें, जो लूसी की तरह बादाम के आकार की हैं, मुझे बड़े ध्यान से देखती रहीं, फिर मुड़कर रसोई की ओर चल पड़ीं, मानो मुझसे उनके पीछे आने की उम्मीद कर रही हों।
“तुम्हें देखकर भी अच्छा लगा,” मैंने दहलीज पार करते हुए खाली हवा में बुदबुदाया। मैंने जेसन को अलविदा कहा और दरवाजा बंद करके अपने जूते उतार दिए। मैंने उन्हें दरवाजे के सामने टाइल के छोटे से चौकोर टुकड़े पर रखा और फिर रसोई की ओर चल दी।
जैसे ही मैं उस चमकदार फ्लोरोसेंट कमरे में दाखिल हुई, मेरा सामना एक चीखती हुई सात साल की बच्ची से हुआ। "ज़ो!" लूसी की छोटी बहन लिज़ी चिल्लाई और मेरी तरफ झपटी। मैंने उसे बगल से उठाकर तेज़ी से गोल घुमाया, जिससे उसकी लंबी आस्तीन वाली पीली ड्रेस फैल गई। लिज़ी बिल्कुल छोटी लूसी जैसी दिखती है: लंबे, काले, सीधे बाल, सांवली त्वचा और बादाम जैसी आंखें, लेकिन लूसी के छोटे, कामदेव के धनुष जैसे होंठों की जगह, उसका मुंह चौड़ा है जो हमेशा मुस्कान में लिपटा रहता है और उसके चेहरे को दो हिस्सों में बांट देता है। चूंकि एलिसन और मैं इकलौती संतान हैं, इसलिए हम दोनों को लूसी की बहन के साथ रहना बहुत अच्छा लगता है।
रसोई के प्रवेश द्वार के पास रखी छोटी सी ओक की मेज पर बैठी लूसी ने मेरी ओर मुस्कुराया। उसने अपने गहरे बैंगनी रंग के वी-नेक स्वेटर और खाकी पैंट के ऊपर सफेद एप्रन पहना हुआ था ताकि आटे और कुकी फ्रॉस्टिंग से उनके हाथ गंदे न हों। लूसी की माँ चुपचाप रसोई के काउंटर पर खड़ी थीं और मोम के कागज

पोल खोल देगी। लूसी ने भौंहें चढ़ाकर मेरी ओर देखा, मानो मुझसे माफ़ी माँगने का इंतज़ार कर रही हो।
मैंने कंधे उचकाए और लिज़ी की ओर इशारा किया, जो आज्ञाकारी भाव से अपनी कुकीज़ खाने में वापस लग गई थी। मैंने फिर से मुद्दे पर आते हुए पूछा, "वह क्या चाहती थी?"
लूसी अभी भी थोड़ी चिड़चिड़ी लग रही थी, लेकिन उसने जवाब दिया, "वह कहती है कि वह तुमसे, मुझसे और मैक्स से बात करना चाहती है। उसने हम तीनों से एक साथ बात करने तक कुछ भी कहने से इनकार कर दिया है।"
मैंने उलझन में पूछा, "मैं ही क्यों?"
"तुम्हारा मतलब क्या है, तुम क्यों?"
मैंने समझाया, "ठीक है, मैं समझ सकता हूँ कि वह तुमसे और मैक्स से बात करना चाहती है, क्योंकि तुम दोनों वेयरवोल्फ हो, लेकिन वह मुझसे बात क्यों करना चाहेगी?"
लूसी ने एक पल सोचा। "मुझे नहीं पता, लेकिन मैंने उससे कहा कि हम आज रात 7:00 बजे तुम्हारे घर पर मिलेंगे। मैंने मैक्स को पहले ही फोन कर दिया है।" मैंने किसी तरह अपना खुला हुआ जबड़ा बंद करते हुए कहा, "अरे वाह, मुझे इतनी जानकारी देने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।"
लूसी ने मेरे व्यंग्य को नजरअंदाज करते हुए सिर हिलाया। "क्या खबर है तुम्हारी?"
मैंने कहना शुरू किया, "लेला ही अकेली नहीं है जो शहर में आई है।"
जब उसकी माँ चुपचाप लिज़ी की कारीगरी की तारीफ़ करने के लिए रसोई में गई, तो लूसी ने मुझसे मुंह फेर लिया। माँ के जाने के बाद, लूसी ने उम्मीद भरी निगाहों से मेरी ओर देखा।
मैंने बताया, “जेसन और मैं आज मॉल गए थे। वहाँ हमारी मुलाकात मेरे पिताजी से हुई।”
अब तो लूसी का नाजुक जबड़ा हैरानी से खुला रह गया। "तुम्हारे पापा? क्या तुम पक्का कह रही हो? तुम्हें कैसे पता चला कि वो वही थे?"
मैंने नज़रें नीचे कर लीं, अब मैं लूसी की आँखों में आँखें नहीं मिला पा रही थी। "वही था, इसमें कोई शक नहीं। हमारी बातचीत काफी अप्रिय रही।"
लूसी ने अविश्वास से अपना सिर हिलाया। "चलो तुम्हारे घर चलते हैं," उसने लिज़ी की ओर देखते हुए कहा, "ताकि कोई हमें सुन न सके।"

मैंने सिर हिलाया और लिज़ी के पास चली गई, जो अभी भी खुशी-खुशी कुकीज़ सजा रही थी। लूसी भी थोड़ी देर में मेरे पीछे आ गई। काम करने के थोड़े से समय में ही लिज़ी ने हर कुकी को रंग-बिरंगी फ्रॉस्टिंग से ढक दिया था और अब उन पर स्प्रिंकल्स की मोटी परत चढ़ा रही थी। लिज़ी ने मेरी तरफ मुस्कुराते हुए देखा, जिससे पता चला कि लगभग आधी फ्रॉस्टिंग उसके मुंह पर लग गई थी। लूसी ने आह भरी और गंदगी साफ करने लगी।
काम खत्म होने के बाद, लूसी और मैं अपने घर की ओर थोड़ी दूर पैदल चलने लगे। लूसी ने चुप्पी को ज्यादा देर तक कायम नहीं रहने दिया। "तो तुम्हारे पापा ने क्या कहा?"
जब हम अपनी गली के फीके डामर पर चल रहे थे, तो मैंने अपने स्नीकर्स को देखा। "वह मुझे सिखाना चाहता है।"
“तुम्हें क्या सिखाऊं?” लूसी ने अचानक बीच में टोकते हुए कहा।
"एक दानव होने के बारे में, और अपनी शक्तियों को नियंत्रित करना सीखने के बारे में।"
“ओह,” लूसी ने जवाब दिया।
‘ओह’ कहना सही था। मैं अब भी इस स्थिति को लेकर अपनी भावनाओं को पूरी तरह से समझ नहीं पाई थी। मैं चाहे जितना भी उदासीन होने का दिखावा कर सकती थी, लेकिन असल में मैं अपने पिता से बहुत नाराज़ थी। मुझे नहीं लगता था कि मैं उनके साथ इतना समय बिता पाऊँगी कि उन्हें मेरी माँ और मुझे छोड़कर जाने के लिए कभी माफ़ कर सकूँ। फिर भी, हालाँकि मैं यह स्वीकार करना नहीं चाहती थी, मेरे मन के एक कोने में हमेशा यह उम्मीद थी कि वे वापस आएँगे, और हो सके तो मेरे बचपन के अधिकांश समय तक अनुपस्थित रहने का कोई अच्छा बहाना लेकर आएँगे।
ठंडी हवा से बचने के लिए मैं सिकुड़कर बैठ गई, काश मैंने अपने गहरे लाल रंग के स्वेटर के ऊपर जैकेट पहनी होती, और चारों ओर फैली हरी-भरी हरियाली को निहारने लगी। शेल्बी में ज़्यादातर पेड़ सदाबहार हैं, जिसकी वजह से पतझड़ और सर्दी के मौसम में यहाँ अन्य क्षेत्रों की तुलना में ज़्यादा हरियाली रहती है। मैंने खामोशी को तब तक जारी रहने दिया जब तक हम मेरे घर नहीं पहुँच गए। मेरी माँ की कार वहाँ नहीं थी, इसलिए या तो वह देर तक काम कर रही थीं या क्रिसमस की खरीदारी करने गई थीं।

मैं और लूसी सामने के दरवाजे से अंदर आकर मेरे रंगीन लिविंग रूम में दाखिल हुए। गहरे हरे रंग के सोफे पर क्रिसमस थीम वाले रैपिंग पेपर और रिबन के रोल रखे थे जो मेरी माँ ने पिछले साल से संभाल कर रखे थे, इसलिए लूसी गहरे नीले रंग के सोफे पर बैठ गई। मेरे पेट से गुड़गुड़ाहट की आवाज़ आई जिससे मुझे याद आया कि मैंने नाश्ते के बाद से कुछ नहीं खाया था, इसलिए मैंने उसे वहीं बैठा रहने दिया और रसोई में जाकर दो फ्रोजन पिज्जा ओवन में डाल दिए।
जब मैं वापस लिविंग रूम में आकर लूसी के पास बैठी, तो उसने मुझे गंभीरता से देखा, ठंड से उसके चेहरे पर अभी भी लालिमा छाई हुई थी। "तो तुम अपने पापा के बारे में क्या करने वाली हो?"
मैंने आह भरी, इस विषय पर दोबारा बात करने से मुझे खुशी नहीं हो रही थी। "कुछ नहीं, शायद। मैंने जेसन से वादा किया था कि मैं कम से कम एलेक्जेंड्रे को मुझे सिखाने देने पर विचार करूंगी, लेकिन..."
लूसी ने अपना सिर थोड़ा झुकाया। "उसका नाम एलेक्सोंड्रे है?"
मैंने सिर हिलाया और उसकी प्रतिक्रिया का इंतजार करने लगा।
लेकिन... तुम्हारी माँ ने तुम्हें उसका नाम इतना मिलता-जुलता क्यों रखा? तुम्हें तो लगता होगा कि जब वह उसे अकेला और गर्भवती छोड़कर चला गया था, तो वह उसकी कोई भी याद नहीं रखना चाहेगी।
मैंने कंधे उचका दिए। “आपका अनुमान उतना ही सही है जितना मेरा। मैंने अभी तक यह तय नहीं किया है कि मैं अपनी माँ को बताऊँ या नहीं कि वह वापस आ गया है, लेकिन अगर मुझे उनसे अपना नाम पूछना है, तो मुझे उन्हें बताना होगा कि मैं उनसे मिली थी।”
लूसी ने धीरे से अपना सिर हिलाया। "बहुत अजीब है।"
“बताओ ज़रा। अब लीला के लिए क्या योजना है?” मैंने टीवी की जगह पर टंगी दादाजी के ज़माने की दीवार घड़ी पर नज़र डाली। टीवी के नष्ट होने के बाद भी यह घड़ी सौभाग्य से मामूली जलने के निशान के साथ बच गई थी। 6:30 बज चुके थे।
लूसी की निगाहें मेरी निगाहों का पीछा करते हुए घड़ी पर गईं। "मुझे नहीं पता। शायद उसकी बात सुन लो। मैक्स जल्द ही यहाँ आ जाएगा। वह लीला से पहले यहाँ आना चाहता था।"
मेरे घर के दरवाजे पर तेज़ और अप्रिय दस्तक सुनाई दी। शैतान का नाम लिया और शैतान हाज़िर!

मैंने पुकारा, "अंदर आओ!"
मैक्स ने दरवाजा खोला और अंदर आ गया, फिर धीरे से दरवाजा बंद कर दिया। उसने अपनी हल्के नीले रंग की ऊनी जैकेट उतारी, जिसके नीचे उसने फीकी जींस के ऊपर नारंगी और पीले रंग की चेकदार शर्ट पहनी हुई थी। मैक्स की लंबाई लगभग 5 फुट 4 इंच है, और उसके सुनहरे बाल और हल्की हरी आँखें उसकी त्वचा पर खूब सारे धब्बेदार निशानों के साथ मेल खाती हैं, अगर वह किसी धूप वाले इलाके में रहता। वह सोफे पर लूसी और मेरे बीच आकर बैठ गया, फिर लूसी की ओर मुड़ा। "तो ये सब क्या है? फोन पर तो तुम बहुत ही रहस्यमयी बातें कर रही थी।"
लूसी ने कंधे उचकाते हुए कहा, "मैंने तुम्हें वो सब बता दिया जो मुझे पता था। कुछ भी कहने से पहले वो चाहती थी कि हम दोनों साथ रहें।"
मैक्स का चेहरा उदास लग रहा था। वह अक्सर मुझे एक चिड़चिड़े बौने की याद दिलाता था, हालाँकि मैं उसके सामने कभी ऐसा नहीं कहता। वह लूसी और मेरी तरफ बारी-बारी से देख रहा था। "मुझे यह पसंद नहीं है। मुझे समझ नहीं आता कि वह अभी भी शहर में क्यों है।"
मैक्स को मनाने का मुझे ज़रा भी समय नहीं था, क्योंकि दरवाज़े पर फिर दस्तक हुई। इस बार मैं दरवाज़ा खोलने के लिए उठ खड़ी हुई। मैं तेज़ी से सामने वाले दरवाज़े तक गई और आत्मविश्वास दिखाने की कोशिश करते हुए उसे खोला। लीला गहरे रंग की जींस और लैवेंडर रंग के केबल निट स्वेटर में बाहर खड़ी थी, दरवाज़े से कुछ कदम पीछे, मानो उसे डर हो कि मैं उस पर हमला कर दूँगी। हमारे अतीत को देखते हुए, उसके बचने की संभावना पचास-पचास थी।
लेला के बाल लूसी की तरह लंबे और काले हैं, लेकिन लेला के बाल ज़्यादा घने और हल्के घुंघराले हैं। मैं अब भी उसकी जाति का ठीक से अंदाज़ा नहीं लगा पाई, लेकिन उसकी गहरी सांवली त्वचा और अनोखी आँखें बेहद खूबसूरत थीं, और मुझे यकीन है कि वह जहाँ भी जाती, सभी महिलाओं में ईर्ष्या पैदा करती। फिर भी, वह मेरी तरह लंबी और पतली थी, इसलिए मैं उससे पूरी तरह नफरत नहीं कर सकती थी। हम दुबली-पतली लड़कियाँ तो एक-दूसरे का साथ देती हैं।
उसके पीछे एक अनजान आदमी खड़ा था, जो लीला से थोड़ा ज़्यादा आत्मविश्वास से भरा लग रहा था। उसके बाल भूरे रंग के थे, सिर से सटे हुए, जो उसकी सांवली त्वचा में घुलमिल गए थे, जो बालों से बस कुछ ही शेड हल्की थी। मैंने उसकी उम्र लीला के आस-पास, लगभग 22 या 23 साल आंकी। पिछली बार जब मैंने उसे देखा

था, तब वह भेड़िया रूप में थी, इसलिए मुझे उससे पूछने का मौका ही नहीं मिला था।
अजनबी ने वही आम बदमाश वाली पोशाक पहन रखी थी: सफेद टी-शर्ट के ऊपर काली चमड़े की जैकेट और फीकी जींस के ऊपर काले चमड़े के जूते। उसने मेरी तरफ एक टेढ़ी-मेढ़ी शरारती मुस्कान बिखेरी। मुझे उस पर तुरंत शक हो गया।
मैं दरवाजे से थोड़ा पीछे हट गई और उन्हें अंदर आने का इशारा किया, लीला की थोड़ी हिचकिचाहट के बाद वे अंदर आ गए। मैंने दरवाजा बंद कर दिया और लीला और उस अनजान आदमी को वहीं खड़ा छोड़ दिया, जबकि मैंने सोफे से रैपिंग पेपर और रिबन हटाए। मैंने उन्हें अपने लिविंग रूम के फर्श पर बिछे बहुरंगी पैचवर्क कालीन पर ढेर कर दिया। लीला धीरे-धीरे आगे बढ़ी।
मैं मैक्स और लूसी के साथ सोफे पर वापस बैठ गया और सोफे की ओर इशारा करते हुए कहा, "बैठ जाइए।"
लेला सोफे के दूसरी तरफ जाकर बैठ गई और अपनी कोमल हथेलियों को गोद में रख लिया। फिर वह अपनी हथेलियों को निहारने लगी और एक शब्द भी नहीं बोली। वह आदमी भी आराम से लेला के बगल में आकर बैठ गया और अपनी कुर्सी पर ऐसे धंस गया मानो उसे दुनिया की कोई परवाह ही न हो।
मैंने उलझन भरी निगाहों से लीला की ओर देखा। "तो?"
लीला ने आखिरकार मेरी आंखों में देखा। "मेरे पास आप तीनों के लिए एक प्रस्ताव है।"
एक प्रस्ताव? मुझे पहले से ही लग रहा था कि मुझे यह पसंद नहीं आएगा। वह फिर से चुप हो गई थी, इसलिए मैंने हाथ हिलाकर 'आगे बढ़ो' का इशारा किया।
लेला ने गहरी सांस ली और उसे छोड़ते हुए, उसके भरे हुए होंठ हल्के से कांप रहे थे। "मुझे लगता है कि हमें एक समूह बनाना चाहिए।"
“सच में?” मैक्स ने पूछा, उसी समय लूसी ने कहा, “क्या?”
मैं इतना अचंभित था कि बोल नहीं पा रहा था।
लेला ने विस्तार से बताया, “अगर हमारा एक समूह है, तो हम सुरक्षित रहेंगे। अगर डैन जैसा कोई दूसरा बदमाश भेड़िया आकर हमें परेशान करने की कोशिश करता है, तो हम मदद के लिए पैक कोएलिशन को बुला सकते हैं।”
“पैक कोएलिशन?” लूसी ने उसी समय पूछा जब मैंने पूछा, “हम?”
जैसे-जैसे लीला बोलती गई, उसका आत्मविश्वास बढ़ता गया। “तुम्हें याद है एबेल, डैन का पुराना पैक लीडर? वही वेस्टर्न पैक कोएलिशन का भी लीडर है। हर

पैक का लीडर या अल्फा साल में तीन बार कोएलिशन की मीटिंग में शामिल होता है। वे सब मिलकर खबरों या समस्याओं पर चर्चा करते हैं, पैक का आकार तय करते हैं और नए पैक सदस्यों के लिए ज़रूरी कागज़ात भरते हैं।”
मैंने पूछा, "तुम्हें यह सब कैसे पता है?"
लीला ने अपनी निगाहें मुझ पर टिका दीं। “डैन की घटना के कुछ ही समय बाद, मैं एबेल से बात करने के लिए यूटा गई थी। आपसे संपर्क करने से पहले मैं तथ्यों की पूरी जानकारी जुटाना चाहती थी।”
मैक्स ने सोच-विचार करते हुए आंखें सिकोड़ीं। "तो, आपका कहना यह है कि अगर हम एक समूह बनाते हैं, तो हम इस गठबंधन जैसी चीज़ से सुरक्षित रहेंगे?" लेला ने उत्साह से सिर हिलाया। “लगभग। मेरा मतलब है, हमें भी अपना फर्ज निभाना होगा। हम भी अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं, और अगर कोई भेड़िया हमारे इलाके में आता है और उसे मदद की जरूरत होती है, तो हमें उसकी मदद करनी होगी, ठीक वैसे ही जैसे अगर हम उनके इलाके में होते तो उन्हें हमारी मदद करनी पड़ती, और इसी बात से मुझे निक की याद आती है।” उसने अपने बगल में खड़े मुस्कुराते हुए आदमी की ओर इशारा किया, जिसने बदले में मुझे व्यंग्यपूर्ण ढंग से हाथ हिलाकर अभिवादन किया।
"कुछ हफ़्ते पहले कैलिफ़ोर्निया में मेरी उससे मुलाक़ात हुई थी, जब मैं यहाँ वापस आ रही थी," लीला ने आगे कहा। "वह भी हम सब की तरह ही मुश्किल में है: उसका कोई झुंड नहीं है, और किसी भी आवारा भेड़िये के लिए उसे अपना साथी बनाना आसान है।"
“यह सब बहुत अच्छा लग रहा है,” लूसी ने मुस्कुराते हुए कहा, जिससे मैं हैरान हो गया। “डैन वाली घटना के बाद से, मैं लगातार सतर्क रहती हूँ कि कहीं कोई दूसरा बदमाश भेड़िया आकर मैक्स और मुझे अगवा न कर ले जाए।” मैक्स उत्साह से सिर हिला रहा था। "मैं सहमत हूँ। मैं तैयार हूँ।"
मैंने मैक्स और लूसी को ऐसे देखा जैसे उनके दो सिर उग आए हों। "क्या तुम सचमुच उस पर यूं ही भरोसा करने वाले हो?"
मैक्स के जवाब देते समय लूसी थोड़ी शर्मिंदा दिखी। उसने कहा, "उसने पहले हमारी मदद की थी, जबकि वह भाग सकती थी, और वह भी हम सब की तरह ही पीड़ित थी।" मैंने निक की तरफ देखा, काश मुझे उसके सामने बोलना न पड़ता, लेकिन मैं तब तक इंतज़ार नहीं करना चाहती थी जब तक लूसी और मैक्स किसी ऐसी बात पर सहमत न हो जाएँ जिसका उन्हें बाद में पछतावा हो। "उसके बारे में क्या?" मैंने

पूछा। "तुम उसे जानती भी नहीं हो। वह भी कोई डैन हो सकता है जो मौका मिलते ही हमला करने के लिए तैयार बैठा हो।"
मैक्स ने मुड़कर निक को घूरते हुए कहा, "यह सच है... लेकिन हम तीन हैं और वह अकेला है।"
मैंने अपना सिर हिलाया और बातचीत से पीछे हट गया। यह वास्तव में मेरा फैसला नहीं था।
मेरी हार भांपते हुए लीला के चेहरे पर बड़ी सी मुस्कान आ गई। फिर भी, कुछ ऐसा था जो मुझे समझ नहीं आ रहा था। मुझे अंदर से लग रहा था कि मैं जवाब जानना नहीं चाहता, लेकिन मैं खुद को यह पूछने से रोक नहीं पाया, "तो फिर तुम मुझसे बात क्यों करना चाहती थी?"
लीला की मुस्कान थोड़ी फीकी पड़ गई। "अच्छा... हमें एक अल्फा की ज़रूरत है।"
मैंने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। "और?"
“और हमें तुम्हारी ज़रूरत है कि तुम वो अगुआ बनो,” उसने जल्दी से कहा, अभी भी मेरी प्रतिक्रिया से डरते हुए। किसी के सिर पर एक बार चिमनी के लोहे के डंडे से मार दो, वो उसे कभी नहीं भूल पाते।
मैंने निराशा में अपनी आँखें बंद कर लीं। मुझे पहले से ही कई समस्याओं से निपटना था, शैतानी और अन्य तरह की। मुझे भेड़ियों वाली समस्याओं की ज़रूरत नहीं थी। "तुममें से कोई एक अल्फा क्यों नहीं बन सकता? इससे मेरा कोई लेना- देना नहीं है।"
लीला के जवाब देने से पहले ही ओवन का टाइमर बज गया। मैंने उंगली उठाकर उसके जवाब में और देरी करने का इशारा किया ताकि मैं उठकर ओवन से पिज्जा निकाल सकूँ। मैंने पिज्जा चूल्हे के ऊपर रख दिए और वापस लिविंग रूम में जाकर बैठ गई। बैठते ही मैंने अपना हाथ घुमाकर हथेली ऊपर की ओर लीला की तरफ कर दी, मानो व्यंग्यपूर्वक उसे मेरे सवाल का जवाब देने का संकेत दे रही हो।
लेला थोड़ी शर्मिंदा होकर अपनी सीट पर थोड़ी हिली। "हम अल्फा कहलाने के लायक नहीं हैं। हममें से कोई भी इतना मजबूत नहीं है।"
मैं उलझन में गहरी सांस छोड़ते हुए बोली, "और मैं? मैं तो भेड़िया भी नहीं हूँ!" मुझे पता भी नहीं चला और मैं उठकर लीला के सामने खड़ी हो गई। मैंने खुद को रोका और गहरी सांस ली ताकि मैं अपना आपा न खो दूं। मेरा गुस्सा हद

से ज्यादा बढ़ रहा था। एक और अच्छी बात जिसके लिए मैं अपने पिताजी को धन्यवाद दे सकती थी।
लीला ने मुझे शांत होने के लिए कुछ पल का इंतज़ार किया, फिर उसने अपनी बात जारी रखी, जो पागलों से बात करने के लिए एकदम सही होती है। आजकल मैं उसकी यह आवाज़ बहुत सुन रहा था। "तुमने डैन को मार डाला," उसने कहना शुरू किया, "जो तकनीकी रूप से झुंड का नेता था, भले ही वह बागी था। इससे तुम दोषी साबित होते हो।"
“मैक्स ने मदद की,” मैंने कमजोर आवाज में कहा और सोफे पर वापस बैठ गई। मैक्स ने डैन पर पेट्रोल का एक डिब्बा फेंक दिया था ताकि मैंने जो आग लगाई थी वह बुझ न सके।
लेला ने सिर हिलाया। “एबेल हत्या का सारा दोष तुम पर डालता है। हमारे अल्फा को मंजूरी देने वाला वही है। उसने तुम्हें ही मंजूरी दी है, और सिर्फ तुम्हें ही।”
मैंने व्यंग्य भरे लहजे में पूछा, "निक का क्या हुआ?" जिससे उसकी चिड़चिड़ी मुस्कान फीकी पड़ गई।
“योग्य नहीं,” लीला ने निक के नाराज़ चेहरे को नज़रअंदाज़ करते हुए बेझिझक जवाब दिया। मुझे लगा कि निक को यह स्वीकार करना अच्छा नहीं लग रहा था कि कोई लड़की उससे ज़्यादा शक्तिशाली हो सकती है।
लूसी और मैक्स ने उम्मीद भरी निगाहों से मेरी ओर देखा।
मुझे यह बात पसंद नहीं आई कि एबेल चाहता था कि मैं पैक का सदस्य बन जाऊं। डाक से आया पैसा भी काफी अजीब था। ऐसा लगने लगा था कि उसके कुछ छिपे हुए इरादे हैं, हालांकि मुझे पता नहीं था कि वे क्या हो सकते हैं। मैंने गहरी सांस ली। इस बारे में ज्यादा सोचना ठीक नहीं है। इससे मैं अपना इरादा बदल ही लूंगी। अगर मैक्स और लूसी को सच में लगता है कि इससे वे सुरक्षित रहेंगे, तो मैं यह चाहती हूं। "मैं यह करूंगी।"
लेला खुशी से चिल्लाई और सोफे से कूदकर मुझे अजीब तरह से गले लगा लिया। "धन्यवाद," उसने फुसफुसाते हुए कहा, और मुझे एहसास हुआ कि वह रोने लगी थी।
मैं उसे दोष नहीं दे सकती थी; उसका पूरा साल बहुत मुश्किलों भरा रहा था।
मैंने असहजता से उसकी पीठ थपथपाई, मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या करूं।
आखिरकार, उसने खुद को संभाला और मेरे ऊपर से उतर गई। वह धीरे-धीरे खड़ी हुई

और अपने स्वेटर की बैंगनी आस्तीन से अपनी आँखों को पोंछने लगी। "क्या मैं आपका बाथरूम इस्तेमाल कर सकती हूँ?"
मैंने जबरदस्ती मुस्कुराने की कोशिश की, जो शायद एक तरह की उपहास थी। "ज़रूर। गलियारे में आगे, बाईं ओर पहला दरवाज़ा।" मैंने उसे रास्ता दिखाने के लिए इशारा किया।
जैसे ही लीला बाथरूम की ओर बढ़ने लगी, लूसी ने मैक्स की गोद में झुककर मुझे गले लगा लिया, जिससे मैक्स भी लगभग मजबूर होकर गले लगाने में शामिल हो गया। लूसी ने गले मिलना बंद किया और अपनी सीट पर वापस बैठते हुए मुस्कुराई। "मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। अब कोई चिंता नहीं।" लूसी एक मिनट के लिए रुकी, फिर बोली, "और ज़ो, धन्यवाद। मुझे पता है कि तुम यह नहीं करना चाहती।" मेरे होंठों से बनावटी मुस्कान गायब हो गई। नहीं, मैं ऐसा नहीं करना चाहती थी। "अभी ज़्यादा उत्साहित मत होइए। हमें अभी यह पता लगाना बाकी है कि एक समूह बनाने का असल मतलब क्या होता है।"
निक चुपचाप बैठा रहा, चेहरे पर हल्की सी हैरानी भरी मुस्कान लिए सब कुछ सुन रहा था। जाहिर है, वह मुझे अच्छी तरह से नहीं जानता था, तभी तो वह इतना सहज था। मैंने भी मुस्कुराते हुए उसकी मुस्कान का जवाब दिया। "आजकल मैं लोगों पर भरोसा नहीं करता," मैंने कहना शुरू किया। "साफ-साफ कह दूं, अगर तुमने मुझे या मेरे दोस्तों को धोखा दिया, तो मैं तुम्हें जान से मार दूंगा।"
तो वो धमकी तो खोखली थी, लेकिन उसके चेहरे से वो मुस्कान गायब होते देख मेरा मूड काफी अच्छा हो गया। और सच में कौन जानता था कि वो मुस्कान कितनी खोखली थी? आजकल मुझे किसी भी बात का यकीन नहीं होता, खासकर खुद से जुड़ी बातों में।
जब मैं निक को मीठी मुस्कान दे रही थी, तभी लीला बाथरूम से बाहर आई। वह सोफे पर वापस बैठ गई। निक के बीमार चेहरे को देखकर वह धीरे से मेरी ओर मुड़ी। "मेरे पास, उम, हमारे लिए भरने के लिए सारे कागज़ात हैं। फिर हमें बस अगली गठबंधन बैठक में जाना है। आम तौर पर केवल ज़ोई को ही जाना होता है, लेकिन एबेल चाहता है कि हम सब पहली बार वहाँ मौजूद रहें।"
मुझे गठबंधन की बैठकों के बारे में सोचने का मौका ही नहीं मिला था। "बैठकें कहाँ होती हैं?"

लेला ने कंधे उचकाते हुए कहा, “गठबंधन हर बैठक के लिए एक अलग राज्य चुनता है, ताकि कुछ समूह नेताओं को दूसरों की तुलना में अधिक यात्रा न करनी पड़े। अगली बैठक यूटा में एबेल के समूह के साथ होगी।”
मुझे असहज महसूस हुआ। "तो मुझे साल में तीन बार इन बैठकों में शामिल होने के लिए यात्रा करनी पड़ेगी?"
लीला ने सिर हिलाया। “आप अपने समूह के किसी सदस्य को इनमें से दो बैठकों में प्रतिनिधि के रूप में भेज सकते हैं। आपको साल में सिर्फ एक बैठक में शारीरिक रूप से उपस्थित होना अनिवार्य है। बाकी बैठकों में मैं खुद जाने में खुशी महसूस करूंगी।”
मैंने बहस करते हुए कहा, "लेकिन मैं अठारह साल की नहीं हूँ। क्या मैं हवाई जहाज का टिकट भी खरीद सकती हूँ?"
मैंने नौकरी ढूंढना शुरू कर दिया है। यात्रा और सामान पैक करने का खर्च मैं उठाने को तैयार हूं। मैं आपके लिए टिकट खरीद दूंगा। मेरे लिए यह फ़ायदेमंद है।
यह जानकर अच्छा लगा, हालाँकि मुझे पैसों की चिंता नहीं थी। मुझे अपनी माँ को मनाना बहुत मुश्किल होने वाला था कि वह मुझे उनके बिना कहीं जाने दें। "यूटा में मीटिंग कब है?"
जनवरी के अंत में। मुझे सटीक तारीख याद नहीं है।
मैंने आह भरी। यह तो जल्द ही होने वाला था। मेरे पास एबेल के भुगतान से यात्रा के पैसे थे, लेकिन मैं उन्हें अभी अपने पास ही रखूंगी। मैं इस सब में जितना हो सके कम शामिल होना चाहती थी। साथ ही, पैक मीटिंग में जाना वैसे भी काफी बुरा था, ऊपर से इसके लिए पैसे भी देने पड़ते। एकमात्र समस्या यह थी कि मैं अपनी माँ को क्या बताऊँ ताकि वह मुझे जाने दे। लूसी को तो मुझसे भी ज़्यादा परेशानी होगी। मैंने मुड़कर उसकी ओर भौंहें उठाईं। उसकी आँखों में चिंता झलक रही थी। "मैं इसका हल निकाल लूंगी," उसने मेरे मौन प्रश्न को समझते हुए कहा।
मैंने इस बात को वहीं छोड़ दिया। मुझे नहीं लगता था कि वह इसे समझ पाएगी, लेकिन मैं उसे कोशिश करने से रोक भी नहीं सकती थी। तभी दरवाजे पर एक और दस्तक से मेरे विचार टूट गए।
मैंने गहरी साँस ली और दरवाज़ा खोलने के लिए उठी, सोच रही थी कि अब कौन हो सकता है। मैंने दरवाज़ा खोला, फिर ज़ोर से बंद कर दिया। मेरे पिताजी बाहर

थे। दरवाज़े पर फिर से तेज़ और ज़ोरदार दस्तक हुई। मैंने सोचा कि बस चली जाऊँ, लेकिन अनिच्छा से दरवाज़ा फिर से खोल दिया। मैंने अपने पिताजी को दिन में और अपने जीवन में दूसरी बार देखा, जो अपने हल्के हरे स्वेटर और गहरे भूरे रंग की पैंट में धैर्यपूर्वक इंतज़ार कर रहे थे। अँधेरा हो चुका था, और बाहर की ठंड के हिसाब से स्वेटर थोड़ा पतला था, लेकिन उन्हें इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ा। मैंने सवालिया अंदाज़ में अपनी भौंहें उठाईं और उनके आने का कारण जानने का इंतज़ार किया।
उन्होंने सीधे-सादे शब्दों में कहा, "हमें बात करनी होगी।"
मैंने गहरी सांस ली, ताकि वह मेरी झुंझलाहट को समझ सके। "अभी थोड़ा व्यस्त हूँ..."
“इसमें देरी नहीं की जा सकती,” उसने तीखे स्वर में उत्तर दिया और घबराहट में अपने सुनहरे बालों की एक लट को चेहरे से हटाया। “आप खतरे में हो सकते हैं।”
मैंने रक्षात्मक मुद्रा में उसका सामना करने के लिए अपने शरीर को सीधा किया। "क्या तुम मुझे धमकी दे रहे हो?"
उसने आह भरी, और उसकी आह मेरी आह से इतनी मिलती-जुलती थी कि मेरे रोंगटे खड़े हो गए। "बिल्कुल नहीं, लेकिन हमें बात करनी है। अभी।"
मुझे पता था कि मुझे इसका पछतावा होगा, लेकिन मैं एक तरफ हट गई और उसे अंदर आने का इशारा किया। उसने चौंककर सिर हिलाया, मानो उसे निमंत्रण की उम्मीद ही न हो, फिर मेरे घर में कदम रखा और दरवाज़ा खुला छोड़ दिया। उसने मेरे बैठक कक्ष में चारों ओर देखा, मानो हर छोटी से छोटी चीज़ को गौर से देख रहा हो। उसकी नज़र लूसी, मैक्स, निक और लीला पर रुक गई। "क्या ये तुम्हारे संभावित भेड़िये हैं?" उसने पूछा।
मेरी आंखें चौड़ी हो गईं। "आपको कैसे पता चला?"
उसने कंधे उचकाते हुए बस इतना कहा, "एबेल मेरा दोस्त है। उसने मुझे अपनी योजनाओं के बारे में बताया है कि वह तुम्हें अपनी दुनिया में शामिल करना चाहता है।"
मैं एबेल से बहुत तंग आ चुका था। मेरे बैठक कक्ष में बैठे भेड़िये वहीं बैठे रहे और एक जैसे भावों के साथ प्रतीक्षा करते रहे: हल्की जिज्ञासा, और संभावित खतरे के प्रति थोड़ी सी घबराहट। लूसी को उस हालत में देखना अब भी मुझे डरा देता था।

मैंने अपने पिताजी की ओर मुड़कर पूछा, "मेरे खतरे में होने का क्या मतलब था?" वाह, यह तो अच्छा और स्थिर लगा। ज़ो, बड़ी और ज़िम्मेदार।
“आज सुबह जब एबेल ने मुझसे संपर्क करके आपको पैक लीडर बनने की संभावना के बारे में बताया,” उसने बात शुरू की, “तो उसने मुझे यह भी बताया कि कैलिफ़ोर्निया में कई भेड़िये लापता हो गए हैं। एक मृत पाया गया है। मैंने कुछ छानबीन की और तीन अन्य लापता व्यक्तियों के मामले पाए, दो कैलिफ़ोर्निया में और एक ओरेगन में। आगे की जांच करने पर मुझे पता चला कि तीनों कथित अलौकिक शक्तियों से जुड़े थे: दो चुड़ैलें और एक जलपरी।” मैंने व्यंग्यपूर्वक कहा, "अरे वाह, तुम तो बिलकुल नैन्सी ड्रू हो!" “एलेक्जेंड्रा, ध्यान दो,” उसने तीखे स्वर में जवाब दिया, उसकी आवाज़ में एक अभिभावक की झलक साफ झलक रही थी, जबकि उसने खुद कभी ऐसी भूमिका नहीं निभाई थी। “हमें नहीं पता कि ये सब कौन कर रहा है।”
मैंने सिर झुकाकर सोचा, लेकिन मेरा दिमाग मुझे कुछ भी समझने नहीं दे रहा था। "इसका मुझसे क्या लेना-देना है?"
मेरे पिताजी ने आंखें घुमाईं। “कोई अलौकिक प्राणियों का अपहरण कर रहा है, और संभवतः उनकी हत्या भी कर रहा है। वे कैलिफोर्निया में ऊपर की ओर बढ़ते गए, और अब ओरेगन पहुंच गए हैं।”
"और आपको नहीं पता कि यह कौन कर रहा है?" मैंने सोचने के लिए कुछ समय लेने की कोशिश करते हुए पूछा।
उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, "अगर मुझे पता होता, तो उन्हें पहले ही रोक दिया गया होता।"
इससे पहले कि मैं समझ पाता कि उन्हें 'रोकने' का क्या मतलब है, दरवाजे पर हलचल देखकर मेरा ध्यान भटक गया। "एलेक्स?" एक धीमी सी आवाज़ ने पूछा।
मैं और मेरे पिताजी दोनों आवाज की दिशा में मुड़े। मेरी माँ दरवाजे पर खड़ी थीं, उन्होंने खाकी रंग का ट्रेंच कोट और गहरे भूरे रंग के कम हील वाले बूट पहने हुए थे। जैसे ही पिताजी ने उनकी ओर देखा, उन्होंने अपना पर्स और शॉपिंग बैग जमीन पर गिरा दिए और अवाक होकर मुँह खुला रह गया।
"हैलो लिब्बी," मेरे पिताजी ने शांत भाव से कहा, अभिवादन के रूप में उन्होंने अपना सिर थोड़ा झुकाया।
मेरी माँ गुस्से में लिविंग रूम में घुस आई। “बाहर निकलो! बाहर निकलो! बाहर निकलो! बाहर निकलो!”

मेरे पिताजी एक पल के लिए वहीं खड़े रहे, फिर बिना अपना धैर्य खोए सीधे सामने के दरवाजे से बाहर निकल गए। उन्होंने धीरे से दरवाजा बंद कर दिया। मेरी माँ दरवाजे को देखती रह गईं, स्तब्ध। लूसी, मैक्स, निक और लीला अपनी सीटों पर जमे बैठे थे, डरे हुए मेमनों की तरह लग रहे थे, न कि खूंखार भेड़ियों की तरह।
मेरी माँ ने भयभीत निगाहों से मेरी ओर देखा। "ज़ोई, वह यहाँ क्या कर रहा था?"
मैंने जवाब दिया, "मैं अभी समझाता हूँ। क्या आप कृपया ऊपर मेरा इंतज़ार करेंगी?"
मेरी माँ ने सिर हिलाया, माँ से ज़्यादा बच्चे की तरह बर्ताव किया, ज़रा भी बहस नहीं की। वो ज़रूर बहुत घबराई हुई होंगी। जैसे ही उनकी बूटों की आवाज़ सीढ़ियों पर तेज़ी से सुनाई दी, मैं दूसरी तरफ मुड़ गई। चारों भेड़िये खड़े हो गए। लूसी आगे आई और मुझे जल्दी से गले लगा लिया। “हमें चलना चाहिए। हम बाद में सब बातों पर चर्चा करेंगे।”
मैंने बेसुध होकर सिर हिलाया। "मैं तुम्हें बाहर तक छोड़ दूंगा।"
जैसे ही हम घर से बाहर निकले, मैंने देखा कि मेरे पिताजी अभी भी बाहर इंतज़ार कर रहे थे, मेरे बरामदे की रोशनी उनके चेहरे पर पड़ रही थी। उनकी पीली त्वचा और बालों पर रोशनी पड़ रही थी, जिससे वे किसी गंभीर देवदूत जैसे लग रहे थे, लेकिन मैं यह बात अच्छी तरह जानती थी। बाहर सिर्फ़ मेरी माँ की कार खड़ी थी, इसलिए लेला, निक और मैक्स तीनों शायद पैदल ही मेरे घर आए थे, या हो सकता है मैक्स को किसी ने लिफ्ट दी हो, क्योंकि वह कई मील दूर रहता था। खैर, जो भी हो। वे चारों साथ-साथ सड़क पर लूसी के घर की तरफ चल पड़े, हालाँकि मैक्स और निक कहाँ जाएँगे, यह मुझे नहीं पता था। मुझे एहसास हुआ कि मुझे यह भी नहीं पता कि लेला कहाँ रह रही है, फिर मुझे एहसास हुआ कि इस समय मुझे इसकी परवाह नहीं है। मेरे सामने और भी बड़ी समस्याएँ थीं।
जब मैं बाकी सबको जाते हुए देख रही थी, तब मेरे पापा मेरे पास आकर खड़े हो गए। उनकी मौजूदगी इतनी नज़दीक महसूस करके मुझे हल्की सी सिहरन हुई। एक बार फिर, बाहर सिर्फ़ मेरी मम्मी की कार थी, तो शायद पापा भी पैदल ही आए थे। या हो सकता है कि वो अचानक से मेरे दरवाज़े पर आ गए हों। मुझे तो यही लग रहा था। मैं उन्हें अपने शांत मोहल्ले की गली में टहलते हुए सोच भी नहीं सकती

थी। और वैसे भी, उनके महंगे जूते लंबी सैर के लिए तो बिल्कुल भी ठीक नहीं थे।
मेरे दोस्तों के नज़र से ओझल होते ही, उसने मेरी ओर मुड़कर देखा। "तुम्हें सुरक्षा की ज़रूरत है।"
मैंने अपनी निगाहें अब खाली, अंधेरी सड़क पर टिकाए रखीं। "तुम्हें कब से परवाह होने लगी?" मैंने थके हुए स्वर में पूछा।
मेरे सवाल को अनसुना करते हुए उसने फिर कहा, “तुम्हें झुंड के नेता का पद ठुकरा देना चाहिए। तुम्हें नहीं पता कि भेड़िये कैसे होते हैं, उनकी बैठकें कैसी होती हैं। यह एक बहुत ही अलग तरह का समाज है।”
मैंने जवाब में कंधे उचका दिए, क्योंकि मुझे इस विषय पर उसकी राय जानने में कोई दिलचस्पी नहीं थी।
वह कुछ मिनट तक चुप रहा। “मैं किसी को तुम्हारी निगरानी के लिए भेज रहा हूँ।” इतना कहकर वह सड़क की ओर कुछ कदम बढ़ा। उसने मेरी ओर देखे बिना कहा, “मैंने अपनी मर्जी से नहीं छोड़ा, तुम्हें पता है।”
फिर वो सचमुच 'पूफ' की तरह गायब हो गया, खैर, वो एक सरसराहट जैसी आवाज़ थी, अपने पीछे धुएं का बादल छोड़ते हुए। मुझे ज़रा भी हैरानी नहीं हुई। इससे आपको पता चल जाएगा कि पिछले कुछ महीने मेरे लिए कितने अजीब रहे थे।

अध्याय पाँच
मुझे आगे क्या करना है, इसका बिल्कुल भी मन नहीं था, लेकिन मेरी माँ ऊपर मेरा बेसब्री से इंतज़ार कर रही थीं। मैं अपने घर के सामने अकेले खड़ी थी और सोच रही थी कि क्या मैं लूसी, मैक्स, निक और लीला की तरह उनके पीछे-पीछे चली जाऊँ। एक गहरी साँस लेकर, मैं तुरंत मुड़ी और अपने घर में वापस चली गई, और दरवाज़ा बंद कर लिया। मैंने अपनी गति बनाए रखी और सीधे ऊपर चढ़कर हॉल से होते हुए अपनी माँ के कमरे में पहुँच गई।
मैं खड़ी हुई और गहरी सांस ली, फिर मैंने उसके बेडरूम का दरवाजा खोला और गहरे लाल और बैंगनी रंग से सजे कमरे में कदम रखा। वह अपनी बरगंडी रंग की चादर पर मेरी तरफ पीठ करके लेटी हुई थी, उसने अभी भी अपना बेज रंग का ट्रेंच कोट पहना हुआ था। उसका चेहरा उसके भूरे बालों की लटों से ढका हुआ था। मैं उसके बगल में बिस्तर पर बैठ गई और उसके बोलने का इंतजार करने लगी। "क्या हो रहा है ज़ोई?" उसने मेरी तरफ देखे बिना पूछा।
बोलने से पहले मैं थोड़ी देर रुका। मुझे लग रहा था कि उसे सब कुछ बता देना एक गलती होगी, लेकिन इससे ज़िंदगी थोड़ी आसान भी हो जाएगी। "कुछ बातें हैं जो तुम्हें जाननी ज़रूरी हैं, लेकिन उससे पहले मेरा एक सवाल है।"
मेरी माँ दूसरी तरफ लुढ़क गईं और रोने से सूजी हुई अपनी शहद जैसी भूरी आँखों से मेरी तरफ देखने लगीं। उन्होंने सवाल का इंतज़ार किया, कुछ नहीं कहा।
सुनो, सवाल यह है: “मेरा नाम उनके नाम पर क्यों रखा गया? अगर पापा मेरे जन्म से पहले ही चले गए थे, तो आपने मुझे ऐसा नाम क्यों दिया जो उनसे इतना मिलता- जुलता है?”
मेरी माँ ने अपने बिस्तर की ओर देखा और अपनी रजाई पर की गई बारीक कढ़ाई पर उंगली फेरने लगीं। एक पल के लिए मुझे लगा कि वह जवाब नहीं देंगी, फिर आखिरकार उन्होंने कहा, "मैं तुम्हें सच बताऊंगी, फिर तुम मुझे सब कुछ बताओगे?"
मैंने सिर हिलाया, फिर महसूस किया कि मेरी माँ अपने बिस्तर की चादर में इतनी मग्न थीं कि उन्होंने ध्यान ही नहीं दिया। "हाँ," मैंने जवाब दिया और उनके बगल में बिस्तर पर बैठ गई।

मेरी माँ ने गहरी साँस ली और उसे छोड़ दिया। "तुम्हारे पापा तुम्हारे पहले जन्मदिन के कुछ समय बाद तक ही गए थे।"
मेरा मुंह खुला का खुला रह गया, उसने हमेशा मुझे बताया था कि जब उसे पता चला कि वह गर्भवती है तो वह उसे छोड़कर चला गया। "क्या?"
मेरी माँ ने आखिरकार मेरी आँखों में देखा। "और यह पूरी तरह से उसकी पसंद नहीं थी।"
मैंने अपनी बाहें मोड़ लीं और उसके विस्तार से बताने का इंतजार करने लगी। उसने मेरा हाथ पकड़कर ज़बरदस्ती मेरी बगल में दबा दिया। “बसंत की शुरुआत में,” उसने कहना शुरू किया। “मैं तुम्हें पार्क ले गई थी, और तुम्हारे पापा वहीं हमसे मिलने वाले थे। हम पिकनिक मनाने वाले थे। बाहर काफ़ी ठंड थी, इसलिए वहाँ सिर्फ़ हम ही थे। मैंने तुम्हें स्ट्रोलर में बिठा रखा था और हम पार्किंग के पास तुम्हारे पापा के आने का इंतज़ार कर रहे थे। तभी एक आदमी आया और वो... वो मेरे पीछे से दौड़ा और मेरा पर्स छीन लिया।” वो रुक गई, उसकी आँखें ऐसे टकटकी लगाए देख रही थीं जैसे वो सब कुछ अपनी आँखों के सामने घट रहा हो। “मुझे उसे पर्स ले जाने देना चाहिए था,” उसने जल्दी से कहा। “लेकिन... पता नहीं क्यों, मैंने पर्स पकड़े रखा। उसने मेरा ध्यान भटकाने के लिए तुम्हारा स्ट्रोलर धक्का देकर गिरा दिया।”
जब उसने बोलना बंद किया तो मैंने उसका हाथ थोड़ा और कसकर पकड़ लिया और उसके बोलने का इंतजार किया।
एक गहरी साँस लेने के बाद, उसने आगे कहा, “अचानक से तुम्हारे पापा आ गए। वो अपनी कार से नहीं आए थे, बस वहीं थे। उन्होंने स्ट्रोलर को सीधा किया और देखा कि तुम ठीक हो। स्ट्रोलर के पलटते ही तुम रोने लगी थीं। लेकिन पापा के आते ही, स्ट्रोलर उठाने से पहले ही, तुम चुप हो गईं। जन्म से ही तुम्हारा अपने पापा से ऐसा ही रिश्ता था। तुम उनके सामने कभी नहीं रोती थीं।” "पिताजी के आने के बाद क्या हुआ?" मैंने उससे पूछा, क्योंकि मुझे उसकी कहानी खत्म करने की हल्की सी कोशिश नज़र आ रही थी।
मेरी माँ कुछ पल चुप रहीं, उनके चेहरे पर कोई भाव नहीं था। फिर उन्होंने बोलना शुरू किया, “वह हमलावर के पीछे भागे। वह आदमी बस तुम्हारे पिताजी को घूरता रहा, शायद सोच रहा था कि वह कहाँ से आए हैं। जब हमलावर को तुम्हारे पिताजी का इरादा समझ आया, तो वह भागने लगा, लेकिन तुम्हारे पिताजी ने उसे नीचे गिरा दिया और अचानक उस पर टूट पड़े। मैं बस देखती रही। मुझे समझ नहीं

आ रहा था कि क्या करूँ। तुम्हारे पिताजी ने उस आदमी का गला पकड़ लिया। मुझे जलने की भयानक बदबू आ रही थी।”
उसकी आवाज़ इतनी धीमी हो गई थी कि मैं उसे मुश्किल से सुन पा रहा था। मुझे अपना सिर उसके चेहरे के बिल्कुल पास ले जाकर सुनना पड़ा कि उसने आगे क्या कहा। “कुछ ही सेकंड बाद तुम्हारे पिताजी खड़े हुए और मेरी तरफ मुड़े। उन्होंने मुझे देखने से मना किया, लेकिन... उस आदमी की गर्दन गायब हो गई थी, राख में बदल गई थी।”
“ऐश?” मैंने पूछा।
“हाँ,” उसने धीरे से कहा। “मुझे पता है यह अजीब लगता है, लेकिन मैंने यही देखा था। मैंने खुद को समझाने की कोशिश की कि मेरा दिमाग मुझे धोखा दे रहा है, लेकिन मैं उस याद को कभी मिटा नहीं पाई।”
मैंने पूछा, “आगे क्या हुआ?”
“मैंने तुम्हें स्ट्रोलर से उठाया और भाग गई। ये मेरी बेवकूफी थी, पर मैंने तुम्हें कार सीट पर भी नहीं बिठाया। घर तक गाड़ी चलाते हुए मैंने तुम्हें अपनी गोद में बिठाए रखा, फिर अंदर जाकर सारे दरवाजे बंद कर दिए, तभी मुझे एहसास हुआ कि तुम्हारे पापा पहले से ही घर के अंदर थे। वो किसी तरह मुझसे पहले ही वहाँ पहुँच गए थे। मैंने उनसे बाहर जाने को कहा, कि मैं उन्हें फिर कभी नहीं देखना चाहती। उन्होंने एक आदमी को मार डाला था। तुम्हारे पापा चले गए, पर उन्होंने कहा कि जब मैं शांत हो जाऊंगी तो वो वापस आ जाएँगे। उनके जाते ही, मैंने कुछ सामान पैक किया, तुम्हें लिया और निकल गई।” उसने एक और गहरी साँस ली। “उस दिन के बाद आज पहली बार मैंने उन्हें देखा है।”
"तो तुमने उसे इसलिए छोड़ दिया क्योंकि उसने एक आदमी को मार डाला?" मैंने पूछा।
उसने गहरी सांस ली और खुद को मानसिक रूप से संभालते हुए अपनी बात समझाई। “यह तो बस एक हिस्सा था। मेरा मतलब है, मैं उस बात से बेशक बहुत डर गई थी, लेकिन मुझे तुम्हारे पिता के कृत्यों के परिणामों का भी डर था। अगर कोई जांच शुरू हो गई तो क्या होगा? पार्क में एक मृत व्यक्ति, जिसका गला जला हुआ हो, देखकर कई लोगों की भौंहें तन जाएंगी। साथ ही, मुझे यह भी सोचना था कि तुम्हारे पिता ने और क्या-क्या किया होगा जिसके बारे में मुझे पता नहीं था। शायद अगर मैं अकेली होती तो मैं पता लगाने के लिए वहीं रुक जाती, लेकिन

मुझे लगा कि मैं तुम्हारी रक्षा कर रही हूँ। मुझे नहीं पता था कि वह और क्या-क्या कर सकता है, या वह इंसान भी है या नहीं।”
ठीक है, मुझे पूछना ही था। "पुलिस ने क्या सोचा... जब उन्हें शव मिला?" मेरी माँ ने कंधे उचकाए और उनकी आँखों से कुछ और आँसू बहने लगे। “मैंने महीनों तक कागज़ात खंगाले। शव कभी नहीं मिला। बस इसी तथ्य ने मुझे अपने फैसले पर अडिग रहने में मदद की।”
मैंने प्रश्नवाचक भाव से अपनी भौहें ऊपर उठाईं।
“तुम्हारे पिता ने लाश को ठिकाने लगा दिया होगा,” उसने समझाया। “वह और भी बहुत सी बातें छुपा सकते थे। मुझे यकीन नहीं है कि मैं उन्हें कभी ठीक से जानती भी थी।”
डैन वाली घटना के बारे में सोचकर मुझे थोड़ी घबराहट हुई, और मुझे समझ आया कि मेरे पिताजी ने जो किया था, उससे मैं कितना जुड़ाव महसूस कर सकता था। किसी हत्या को छिपाने में शामिल होने के लिए मैं किसी पर पत्थर नहीं फेंक सकता था।
मेरी तल्लीनता को अनसुना करते हुए, मेरी माँ ने अपनी बात समाप्त की। “और बस यही कारण है कि तुम अपने पिता को कभी नहीं जान पाए। समय बीतने के साथ, मैंने उनके बारे में सोचना कम कर दिया। मैंने अपना सारा ध्यान तुम पर केंद्रित कर दिया।”
यह सब समझना थोड़ा मुश्किल था, लेकिन बात समझ में आ गई। मुझे आखिरकार पता चल गया कि मेरे पिताजी हमें छोड़कर क्यों चले गए थे, या शायद हमने उन्हें क्यों छोड़ दिया था। "क्या आप दोनों शादीशुदा थे?"
“नहीं। हमने इसकी योजना बना रखी थी। हमने तारीख भी तय कर ली थी और सब कुछ हो चुका था।”
“ओह,” मैंने जवाब दिया। तो मेरी माँ ने जब उसे अपनी गर्भावस्था की खबर सुनाई तो वह डरकर भागा नहीं था। उसने तो रुकने का ही इरादा किया था।
मेरी माँ उठकर बैठ गईं और अपनी पीठ को बिस्तर के तख़्ते से टिका लिया, फिर उन्होंने अपना हाथ मेरे कंधों पर रखा और मुझे खींचकर अपने बगल में बिठा लिया। उन्होंने अपने शरीर को झटका दिया और आराम से बैठ गईं, मानो अपने अतीत के अनुभवों के बोझ को मिटा रही हों। काश मैं भी ऐसा कर पाती।
“अब,” मेरी माँ ने कहा, “तुम्हारी बारी है।”

“ठीक है,” मैंने कहना शुरू किया, “मुझे सच में नहीं पता कि शुरुआत कहाँ से करूं।”
“शुरुआत इस बात से करो कि तुम्हारे पिताजी यहाँ क्यों थे। वो तो चले गए, है ना?”
मैं हँस पड़ा। "हाँ, वह अभी के लिए चला गया है।"
मेरी माँ ने घबराकर हल्की सी हंसी हंसी। "अच्छा। अब समझाओ।"
मैंने अपनी माँ की ओर मुड़कर उनसे सीधे आँखें मिलाईं, ताकि उन्हें पता चले कि मैं गंभीर हूँ। "पापा एक शैतान हैं।"
मेरी माँ ने उलझन में आँखें सिकोड़ लीं। “मैं मानती हूँ कि उस आदमी में कुछ कमियाँ हैं, लेकिन उसे शैतान कहना थोड़ा कठोर है। मैंने यह बात स्वीकार कर ली है कि उसने उस आदमी के साथ जो किया, वह हमारी रक्षा के लिए किया। भले ही मैं उसके किए को पूरी तरह स्वीकार न कर पाऊँ, या यह भी न समझ पाऊँ कि उसने ऐसा क्यों किया, लेकिन मैं जानती हूँ कि उसने ऐसा क्यों किया।”
मैंने आह भरी। “नहीं। मेरा मतलब है कि वह वास्तव में एक दानव है, एक जादुई... प्राणी। तुमने खुद ही कहा था कि तुम्हें शक था कि वह इंसान भी है या नहीं।” मेरी माँ ने संदेह भरी नज़रों से मेरी ओर देखा, लेकिन उनकी आँखों में अनिश्चितता थी। उनके चेहरे पर धीरे-धीरे चिंता की लकीरें उभर आईं। "ज्वलनशील उपकरण?"
मैंने सिर हिलाया और अपनी छाती की ओर उंगली से इशारा किया। "आधा दानव।" “मुझे समझ नहीं आ रहा,” उसने जवाब दिया। “मतलब, मुझे समझ आ रहा है,” उसने आगे कहा। “उस दिन से ही मुझे तुम्हारे पिताजी पर शक था। लेकिन एक दानव? जैसे नरक से आया हुआ?”
मैंने अपना सिर हिलाया। "मुझे राक्षसों के मूल स्थान के बारे में सटीक जानकारी नहीं है, लेकिन स्वर्ग और नरक की तरह सोचने के बजाय, उन्हें किंवदंतियों और राक्षसों की तरह समझें।"
मेरी माँ ने अपनी आँखों पर हाथ रखा और सिर हिलाया। “यह सब बकवास है। तुम्हारे पापा कोई शैतान नहीं हैं। उन्होंने साफ़ तौर पर तुम्हारे दिमाग में बेबुनियाद बातें भर दी हैं।”
मैंने बहस करते हुए कहा, "मैं एक शैतान माँ हूँ। अगर मैं सचमुच इसे नियंत्रित कर पाती, तो मैं अभी किसी चीज़ में आग लगा देती।"

वह अचानक गुस्से में आ गई। "बस करो, ज़ोई। उसने तुम्हें चाहे जो भी कहा हो, तुम दानव नहीं हो।"
“मैं हूँ!” मैंने उसकी अचानक आई क्रोध का फायदा उठाते हुए चिल्लाकर कहा। मेरे पीछे ज़ोरदार धमाके की आवाज़ आई, उसके बाद आग की लपटें उठीं। मेरी माँ चीख पड़ीं और मैं उठकर देखने लगी कि उनकी मेज़ पर रखा लैंप चकनाचूर हो गया था और उसके टुकड़े किसी तरह आग की लपटों में घिरे हुए थे। मैंने उनके बिस्तर से एक तकिया उठाया और आग बुझा दी, फिर साँस लेने की कोशिश करते हुए अपनी माँ की तरफ मुड़ गई।
वह विस्मय से मेरी ओर देखती रही।
मैंने रूखेपन से कहा, "मैंने तुमसे कहा था।"
वह फिर से रोने लगी। "मैं पागल हो रही हूँ," उसने बुदबुदाते हुए कहा।
मैं वापस बिस्तर पर बैठ गया और हिचकिचाते हुए उसके कंधे को छुआ।
मेरे स्पर्श से वह एकदम ढीली पड़ गई और मानो मेरी आँखों में देखने में असमर्थ थी। अंत में उसने कहा, "मुझे इसे समझने के लिए कुछ समय चाहिए।"
मैं लगभग बात यहीं खत्म करने ही वाला था, लेकिन मैंने सोचा कि अभी सब कुछ बता देना बेहतर होगा... कम से कम मेरे लिए तो यही बेहतर है। मैंने उसका एक हाथ अपने हाथ में लिया। "अभी और भी है।"
मेरी माँ ने अचानक मेरी ओर मुड़कर देखा। "और?" उसने घबराकर पूछा।
ठीक है, बस सब कुछ कहना था, फिर निकल जाना था। वो इस जानकारी को जैसे चाहे वैसे ले सकती थी। उसे बस इसे स्वीकार करना होगा... ठीक है। "लूसी और मैक्स वेयरवुल्फ हैं," मैंने जल्दी से कहा। "और जेसन एक वैम्पायर है। ठीक है, बाय।" मैं दरवाजे की तरफ भागने के लिए उठी, तभी मुझे एहसास हुआ कि मेरी माँ ने मेरा हाथ नहीं छोड़ा था।
उसने मुझे खींचकर वापस बिस्तर पर लिटा दिया। "तुमने क्या कहा?"
मैंने घबराकर मुस्कुराया और अपना हाथ छुड़ाने की व्यर्थ कोशिश की।
मेरी माँ ने भयभीत निगाहों से मेरी ओर देखा। "क्या वे... खतरनाक हैं?" “नहीं,” मैंने तुरंत जवाब दिया, यह देखकर राहत महसूस हुई कि इस बार वह आसानी से मेरी बात मान रही है, फिर मैंने खुद को सुधारते हुए कहा, “ठीक है, वास्तव में नहीं। मुझसे ज़्यादा खतरनाक तो बिल्कुल नहीं।”
“अब,” वह हकलाते हुए बोली, “जब आप कहते हैं, उम, पिशाच, तो आपका क्या मतलब है?”

मैंने कंधे उचका दिए, मेरा मन कर रहा था कि बस कमरे से बाहर भाग जाऊं। "मतलब, मेरा मतलब असल में पिशाच से है। ड्रैकुला जैसा, बस थोड़ा-बहुत बदलाव हो।"
मेरी माँ ने अपना खाली हाथ उठाकर अपनी आँखों पर फिर से रख लिया। “मुझे नहीं लगता कि यह संभव है। मतलब, तुम और तुम्हारे... पिता, ठीक है, वो तो एक बात है, लेकिन एक पिशाच? मैंने उसे धूप में देखा है, और वो मरा हुआ नहीं लगता। मैंने उसे खाना खाते हुए भी देखा है।”
यह सुनकर मुझे थोड़ी बेचैनी हुई। मैं जेसन को मृत व्यक्ति के रूप में सोचना पसंद नहीं करती थी। क्या मैं संवेदनशील हूँ? बिलकुल नहीं। "ठीक है, वह एक तरह से मर तो गया है," मैंने समझाया, "लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वह सचमुच मर गया है, और उसे धूप में रहने में कोई दिक्कत नहीं है।"
मेरी माँ ने अचानक अपनी आँखों से हाथ हटाया और मेरी ओर मुड़कर बोली, "कृपया मुझे यह मत बताना कि वह तुम्हारा खून पीता है।"
मुझे घिन आ गई, जेसन के बारे में एक और बात जो मैं सोचना नहीं चाहती थी। "असल में जानवरों का खून," मैंने सुधार किया। मैंने यह बात छोड़ दी कि वह कभी-कभी ब्लड बैंक से खून पीता है।
मेरी माँ मेरी तरफ देख रही थी, लेकिन ऐसा लग रहा था जैसे वह मुझे घूर रही हो। "अच्छा, यह तो तसल्ली की बात है। क्या तुमने उसे कभी इसे पीते देखा है?" मैंने असमंजस में सिर हिलाया। "मैं ऐसा नहीं करना चाहूँगा।"
"तो फिर आपको कैसे पता कि वह पिशाच है?" उसने मेरी आंखों में दोबारा देखते हुए पलटवार किया।
ओह। मैंने आह भरी। वह इनकार के दूसरे चरण में थी: मानो किसी भी तरह से सच्चाई को स्वीकारने की कोशिश कर रही हो। "हाँ, वह है," मैंने पुष्टि की। मेरी माँ के चेहरे पर फिर से चिंता की लकीरें उभर आईं। "और... वेयरवोल्फ? छोटी लूसी वेयरवोल्फ कैसे हो सकती है?"
मैंने सहज भाव से जवाब दिया, "उसे खरोंच आ गई है।"
"किसके द्वारा, मतलब, किसने?" उसने संदेह भरे लहजे में पूछा।
मैंने झट से कहा, "यह महत्वपूर्ण नहीं है। वह अब चला गया है।"
“‘चले गए’ का मतलब बताओ,” मेरी माँ ने आदेश दिया।
मैंने अर्थपूर्ण ढंग से कहा, "वह चला गया है।"

मेरी माँ ने झट से सिर हिलाया। “छोड़ो कोई बात नहीं। मैं जानना नहीं चाहती। क्या बस इतना ही है?”
मैंने राहत की सांस ली। "हाँ, बस इतना ही। तो क्या आप मुझ पर विश्वास करते हैं?"
कुछ सेकंड तक चुप रहने के बाद उसने जवाब दिया, “मुझे यकीन है कि आप जो मुझे बता रहे हैं उस पर आपको विश्वास है, और मुझे यह भी यकीन है कि आपने ही मेरे दीपक में आग लगाई है, लेकिन मैं इसके अलावा किसी और बात पर विश्वास नहीं कर सकती। मैं बिल्कुल नहीं कर सकती।”
उसने मेरा हाथ छोड़ दिया और कहीं दूर देखने लगी। "तुम्हारे पास जो कुछ भी है, उसके बारे में मुझे और भी सवाल पूछने हैं, लेकिन अभी के लिए बस इतना ही काफी है," उसने बेजान स्वर में कहा। "हम बाद में और बात करेंगे।"
मैं हारी हुई सी महसूस कर रही थी, लेकिन इस बात से राहत भी थी कि कम से कम मैंने उसे बताने की कोशिश तो की। मैं दरवाजे पर रुकी और फिर अपनी माँ की तरफ मुड़ी। “मेरे पास, उम्म, अभी भी कुछ दर्द निवारक दवाइयाँ हैं जो मैंने अपनी बांह टूटने पर ली थीं। मैंने उन्हें लिया तो नहीं, लेकिन कहा जाता है कि उनसे अच्छी खासी नींद आ जाती है...”
मेरी माँ ने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं, जिससे उनके भावहीन चेहरे में एक भाव आ गया। "तुमने उन्हें क्यों नहीं लिया?"
“उम,” मैंने कहना शुरू किया, मुझे ठीक से समझ नहीं आ रहा था कि कैसे समझाऊं। “मैं जितना बता रहा था उससे थोड़ा जल्दी ठीक हो गया।”
मेरी माँ के मुँह ने समझदारी का एक छोटा सा 'ओ' आकार ले लिया।
“तो, क्या आप उन्हें लेना चाहते हैं?” मैंने दोबारा पूछा।
उसने अपनी निगाहें सीधे आगे की ओर रखीं और जवाब दिया, "जी हाँ, कृपया।"

अध्याय छह
मेरी मां के निधन के तुरंत बाद, मैं पूरी तरह से थका हुआ अपने कमरे में चला गया। क्या दिन था!
मैंने अपने बेडरूम का दरवाजा खोला तो देखा कि जेसन धैर्यपूर्वक मेरे बिस्तर पर मेरा इंतजार कर रहा था। शायद वह खिड़की से अंदर आया होगा। मैं अंदर गई, दरवाजा बंद किया और फिर अपने गहरे हरे रंग के कंबल पर उसके बगल में बैठ गई। बैठते ही मैंने अपनी पीठ बिस्तर पर टिका दी और एक लंबी आह भरते हुए अपने हाथ सिर के ऊपर घुमाए। जेसन ने भी ऐसा ही किया।
हम चुपचाप लेटे रहे, हमारे पैर बिस्तर से नीचे लटके हुए थे, और मेरे 5'8" और जेसन के 6'2" होने के कारण हमारे पैर काफी लंबे लग रहे थे। अचानक जेसन बोला, "मैंने ब्रायन को बाहर देखा।"
“और?” मैंने पूछा। ब्रायन तो मेरा पड़ोसी था, उसे देखना कोई असामान्य बात नहीं थी, और जेसन जानता था कि मुझे उसके बारे में बात करना पसंद नहीं था। उसने कहा कि तुम किसी ऐसे आदमी के साथ थी जो अचानक गायब हो गया।
मैंने जवाब दिया, "वो मेरे पिताजी थे। तो ब्रायन ने सच में आपसे बात की?" “हां,” उन्होंने सीधे-सादे शब्दों में उत्तर दिया, लेकिन आगे कुछ नहीं कहा।
“तो?” मैंने पूछा। “उसने और क्या कहा?”
जेसन ने असहज होकर गला साफ किया। "उसने कहा था कि उन अजीबोगरीब चीजों को बंद दरवाजों के पीछे ही रखना।"
“वह छोटी सी बच्ची...” मैंने कहना शुरू किया।
"जब मैंने तुम्हें लूसी के घर छोड़ा था, तब से और क्या-क्या हुआ है?" जेसन ने बीच में ही टोकते हुए पूछा।
उसका बीच में टोकना सही था। मुझे फिलहाल गुस्सा होने से बचना था... लेकिन एक बार जब मैं अपनी शक्तियों पर काबू पा लूँगी, तो ब्रायन को कुछ सबक सीखने को मिलेंगे। मैंने ब्रायन को एक तरफ रख दिया और जेसन को समझाने के लिए अपने विचारों को इकट्ठा किया।
मैंने गहरी सांस ली। यह भाषण लंबा होने वाला था। “खैर, लीला अभी भी शहर में है, साथ में एक और वेयरवोल्फ भी है, जिसकी वजह से मैं वेयरवोल्फ के झुंड का नेता बन गया हूँ। जैसा कि आप जानते हैं, मेरे पिताजी मेरे घर के दरवाजे पर

आए, और थोड़ी देर बाद मेरी माँ भी आ गईं, जो ज़ाहिर तौर पर थोड़ी हैरान थीं। मेरे पिताजी कहते हैं कि हम सब खतरे में हैं, क्योंकि कोई अलौकिक प्राणियों का अपहरण करके उन्हें मार रहा है। आखिरकार मुझे अपनी माँ को सब कुछ बताना पड़ा। खैर, अपहरण की संभावना को छोड़कर। उनके पास पहले से ही चिंता करने के लिए बहुत कुछ है।”
जेसन ने मेरी ओर सिर घुमाया और अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। "तुमने उसे सब कुछ बता दिया?"
मैं लेटी हुई ही सिर हिलाती रही, जिससे मेरे बाल चादर से रगड़ खाकर थोड़े झनझना उठे। "हाँ, ये सब मेरे वेयरवोल्फ पैक, वैम्पायर बॉयफ्रेंड और दानव पिता के बारे में है।"
जेसन सिहर उठा। "क्या अब वह मुझसे नफरत करती है?"
मैंने कंधे उचका दिए, उस समय मुझे ज्यादा परवाह नहीं थी। "मुझे लगता है कि वह सदमे में थी, और मुझे नहीं लगता कि उसने मेरी बातों पर यकीन किया होगा। मैंने गलती से उसका लैंप फोड़ दिया था, इसलिए उसे कम से कम मेरी शक्तियों पर तो यकीन करना ही पड़ा। समय ही बताएगा कि वह इस सब पर कैसी प्रतिक्रिया देगी।"
जेसन ने सिर हिलाया, फिर मेरा हाथ पकड़कर कसकर दबाया। "और उसे कभी पता ही नहीं चला कि तुम्हारे पिताजी कौन थे?"
“खैर, उसे कुछ शक था, और इससे मुझे अपनी दूसरी खबर याद आ गई। मेरी माँ हमेशा कहती थी कि मेरे पिता मेरे जन्म से पहले ही चले गए थे। पता चला कि वह मेरे पहले जन्मदिन के बाद तक रुके रहे, और उन्होंने खुद जाने का फैसला नहीं किया था। मेरी माँ और मैंने उन्हें छोड़ दिया था। बेशक, मैं अब भी उनसे नफरत करती हूँ। वह कम से कम हमें ढूंढने की कोशिश तो कर सकते थे, बजाय इसके कि मेरी माँ के फैसले को मान लें।” मैं हिचकिचाई और जेसन की तरफ देखा जब मुझे एहसास हुआ कि मैं बड़बड़ा रही हूँ।
मैं खिसक कर जेसन की छाती पर सिर रखकर लेट गई और उसने भी सहर्ष अपना हाथ मेरे चारों ओर लपेट लिया। "आज का दिन काफी व्यस्त रहा है," उसने धीरे से कहा।
मैंने आह भरी। "मुझे भी यही बताओ।"
जेसन धीरे से हँसा और मेरे बालों को सहलाने लगा। "अब बताओ, आखिर तुम भेड़ियों के झुंड की नेता कैसे बन गई?"

मैंने उस उलझी हुई व्याख्या को शुरू किया, जिसमें निक के अस्तित्व पर एक संक्षिप्त चर्चा भी शामिल थी। हमने कई घंटों तक इस बारे में बात की, फिर कुछ देर बाद मुझे नींद आ गई। मैं अपने कंबल के नीचे, पीले तकिए पर सिर रखकर उठी। मुझे अपनी पीठ पर जेसन के शरीर का स्पर्श महसूस हो रहा था। "सुप्रभात," उसने कहा, क्योंकि उसे महसूस हो गया था कि मैं जाग गया हूँ। जेसन सोता नहीं है। ये तो पिशाचों की आदत है। वो अक्सर मेरे घर पर ही रुकता है (मेरी माँ को पता नहीं), और अक्सर पूरी रात मेरे साथ सोता है। एक बार मैंने उससे पूछा कि क्या उसे कभी बोरियत होती है, तो उसने माना कि मैं नींद में बहुत बातें करती हूँ। मैंने बात वहीं खत्म कर दी, इससे पहले कि वो मुझे मेरी कही हुई सारी शर्मनाक बातें बता पाता।
मैं उसकी ओर मुड़ गया। "मुझे अपनी माँ को देखना चाहिए।"
उसने सिर हिलाया। “मैं अपने अपार्टमेंट जा रहा हूँ। क्या आप चाहते हैं कि मैं बाद में वापस आऊँ?”
“अरे हाँ, बिल्कुल।” मैंने जवाब दिया।
इससे पहले कि मैं कुछ समझ पाती, उसने मेरे गाल पर चुंबन किया और खिड़की से बाहर निकल गया। मुझे एहसास हुआ कि मैं अभी भी अपने बरगंडी रंग के स्वेटर और जींस में थी, और मेरे बाल सिर के एक तरफ चिपके हुए थे। मैंने अपनी माँ का सामना करने से पहले जल्दी से नहाने का फैसला किया।
बाल सुखाने और संवारने के बाद, मैंने काली जींस और गहरे नीले रंग की लंबी आस्तीन वाली वी-नेक शर्ट पहनी, जो लगभग जींस से मेल खाती थी। मेरे कपड़े मेरे मूड को बखूबी दर्शाते थे।
मैं अपने कमरे से बाहर निकला और गलियारे से होते हुए अपनी माँ के दरवाजे तक गया। मैंने एक बार दस्तक दी।
कोई जवाब नहीं।
“माँ?” मैंने पुकारा।
अब भी कोई उत्तर नहीं।
मैंने थोड़ी देर और इंतज़ार किया, फिर दरवाज़े का हैंडल घुमाकर अंदर चला गया। मेरी माँ का बिस्तर लगा हुआ था और वो कहीं नज़र नहीं आ रही थीं। मैं उनके कमरे से निकलकर बाकी घर देखने के लिए नीचे गया। सब खाली था। उनकी कार भी ड्राइववे से गायब थी।

रसोई में मेरे लिए आधी पॉट कॉफी रखी थी। मैंने कृतज्ञतापूर्वक एक कप भरा और एक घूंट लिया। उसका स्वाद जला हुआ था, जिससे मुझे पता चला कि वह घंटों पहले बनी थी। मैं हल्के रंग की लकड़ी की डाइनिंग टेबल पर बैठा रहा और अपनी जली हुई कॉफी पीता रहा, यह तय नहीं कर पा रहा था कि मुझे चिंता करनी चाहिए या नहीं। वह अपनी कार से गई थी, इसलिए उम्मीद थी कि कोई उसे अगवा नहीं करेगा। तभी मुझे अचानक याद आया। अरे, वह तो काम पर गई थी। मैं इस बात की चिंता में इतना डूबा हुआ था कि आज वह कैसा व्यवहार करेगी, कि मैं यह पूरी तरह भूल ही गया था कि वह काम पर होगी।
अपनी बेवकूफी पर हंसते हुए, मैं उठी और मक्खन और संतरे के मुरब्बे के साथ टोस्ट बनाया, फिर जेसन का इंतज़ार करने के लिए वापस बैठ गई। कुछ मिनट बाद, मुझे अपने ड्राइववे की बजरी पर टायरों की चरमराहट सुनाई दी, और मैं उठकर जेसन को अंदर आने देने के लिए गई। जैसे ही मैंने दरवाजा खोला, मैंने उसे फीकी जींस, हरी फलालैन शर्ट और हाइकिंग बूट पहने हुए वहाँ खड़ा देखा और मुस्कुरा उठी। ज़रूरत पड़ने पर वह अच्छे कपड़े पहन सकता था, लेकिन आम तौर पर वह कैज़ुअल कपड़े ही पहनता था। मैंने उसे जल्दी से एक चुंबन दिया और फिर उसे डाइनिंग टेबल पर वापस ले गई ताकि मैं अपना टोस्ट खत्म कर सकूं।
"क्या आप कुछ खाना चाहेंगे?" मैंने बैठते हुए पूछा।
उसने सिर हिलाया। "मैंने अपने अपार्टमेंट में खाना खा लिया, धन्यवाद।" मैंने एक पल के लिए सोचा कि उसने क्या खाया होगा। मुझे पता था कि जीवित रहने के लिए उसे कभी-कभी जानवरों का खून पीना पड़ता है, लेकिन मैंने उससे इस बारे में कभी विस्तार से बात नहीं की थी। मुझे इस परेशान करने वाली बात की जानकारी न होने से कोई आपत्ति नहीं थी।
“तुम्हारी माँ कहाँ है?” उसने पूछा।
मैंने लापरवाही से जवाब दिया, "काम," मानो मुझे यह बात पहले से ही पता थी। उसे अचानक कुछ याद आया और उसका मुंह 'ओ' की तरह खुल गया। जाहिर है, वह भी भूल गया था। उसने जल्दी से अपने चेहरे के भावों को संभाला और अपनी भूल को छुपाने के लिए गला साफ किया। "आज हमारे कार्यक्रम में क्या है?"
“खैर,” मैंने टोस्ट खाते हुए कहना शुरू किया। “मुझे लगता है कि लीला आज किसी समय ज़रूरी कागज़ात लेकर वापस आ जाएगी। वह काम शुरू करने के लिए काफ़ी उत्सुक लग रही थी। मुझे यकीन है कि मेरे पिताजी और/या उनके प्रतिनिधि भी किसी समय आ जाएँगे।”

जेसन ने सवालिया निगाह से अपनी भौहें उठाईं। "प्रतिनिधि?"
मैंने सिर हिलाया, फिर टोस्ट का एक और टुकड़ा खाते हुए बोला, "हाँ, उसने कहा कि वह मेरी निगरानी के लिए किसी को भेजेगा।" मैंने बनावटी डरावने अंदाज़ में अपनी उंगलियाँ हिलाईं।
जेसन ने मुझे अपनी टेढ़ी-मेढ़ी आधी मुस्कान दी। "यह अशुभ लग रहा है।" मैंने कड़वी कॉफी की एक घूंट लेते हुए सिर हिलाया। "इसके बारे में बताओ।" वह अपनी कुर्सी पर बैठ गया। "तो हमें बस इंतजार करना है?"
“या फिर,” मैंने शरारती मुस्कान के साथ कहा। “हम पैदल यात्रा पर जा सकते हैं और आने वाले खतरे को पूरी तरह से नजरअंदाज कर सकते हैं।”
जेसन ने मुझसे हाथ मिलाने के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाया। "आपका सौदा पक्का हो गया है।"
मैंने उससे हाथ मिलाया और फिर अपनी प्लेट और खाली कॉफी मग लेकर किचन के सिंक में चली गई। मैंने फोन के पास अपनी माँ के लिए एक नोट छोड़ दिया, ताकि अगर वो दोपहर के खाने के लिए घर आएँ तो उसे पता चल जाए। फिर मैं पिछले दरवाजे के पास जाकर बैठ गई और अपने स्नीकर्स की जगह अपने पुराने, गहरे भूरे रंग के हाइकिंग बूट्स पहन लिए। बूट्स के फीते बांधते हुए मुझे जेसन की आवाज़ सुनाई दी जो मेरे किचन में कुछ स्नैक्स ढूंढ रहा था और मैं मुस्कुरा दी। ज़िम्मेदारी से बचना तब और भी मज़ेदार हो जाता है जब आपके साथ कोई हो। उम्मीद है कि हम इसे पूरे दिन की हाइकिंग बना लेंगे।
जैसे ही मैं जूते बांधकर उठी, जेसन मेरी तरफ बढ़ा, उसके हाथों और बांहों में ढेर सारे स्नैक्स और पानी की बोतलें थीं। मैंने दीवार पर टंगे अपने गहरे हरे रंग के हाइकिंग बैग को उतारा और उसे खोलकर उसे सब कुछ उसमें डालने के लिए कहा। बैग में पहले से ही प्राथमिक चिकित्सा का सामान और पेपर स्प्रे था, इसलिए हम जाने के लिए तैयार थे। मुझे लगता है कि अगर कोई दुश्मन एक पिशाच और आधे दानव से लड़ने को तैयार हो, तो शायद पेपर स्प्रे देखकर हिचकिचाएगा भी नहीं, लेकिन फिर भी मुझे सुरक्षित महसूस हुआ। अजीब है, पर सच है।
जेसन ने मुझसे बैग लिया और उसे अपने कंधे पर टांग लिया, फिर हम पीछे के दरवाजे से बाहर निकल गए। मैंने दरवाजा बंद कर दिया, फिर जेसन को वहीं खड़ा रहने को कहा ताकि मैं अपनी चाबियां बैग में रख सकूं।

हम उस पगडंडी पर चल पड़े जो मेरे घर के पिछवाड़े के ठीक बाद शुरू होती है, और मुझे तुरंत अच्छा महसूस हुआ। मानो जादू से जंगल ने मेरी सारी परेशानियों का बोझ अपने ऊपर ले लिया हो। दुख की बात है कि जब मैं वापस लौटूँगा तो वे परेशानियाँ मेरा इंतज़ार कर रही होंगी।
जैसे ही हम रास्ते पर चलने लगे, जेसन मेरी ओर मुड़ा। "तुम कौन सा रास्ता लेना चाहते हो?"
शेल्बी में पैदल यात्रा के लिए कई रास्ते हैं, जिनमें से तीन तो मेरे घर के पिछवाड़े से ही शुरू होते हैं, हालांकि आप उन तक दूसरे रास्तों से भी पहुँच सकते हैं। "झरने?" मैंने पूछा।
जेसन ने खुशी से सिर हिलाया और बाईं ओर जाने वाले रास्ते पर चल पड़ा। यह मेरा पसंदीदा रास्ता था। यह झरनों की एक श्रृंखला तक जाता था। बड़े-बड़े वर्षावन वाले झरने नहीं, बल्कि कलकल बहती छोटी नदियों के किनारे पाए जाने वाले झरने। ये झरने कई पुराने, मिट्टी के फर्श वाले घरों के पत्थर के अवशेषों के पास हैं। अब वे बस आंशिक दीवारें ही रह गई हैं, छतें तो बहुत पहले ही टूट-फूट चुकी हैं।
हम सुकून भरी खामोशी में चलते रहे, पक्षियों का चहचहाना और दूर बहते पानी की हल्की आवाज़ ही हमारे कदमों के साथ सुनाई दे रही थी। जैसे-जैसे हम ऊपर की ओर बढ़ते गए, रास्ता संकरा होता गया और पेड़ घने होते गए। झरने तक जाने वाला यह रास्ता ज़्यादा इस्तेमाल नहीं होता, मुझसे मत पूछो क्यों। शायद लोगों को इसके बारे में पता ही नहीं था।
पुराने मकानों में से पहले मकान तक पहुँचने में हमें लगभग एक घंटा लग गया। यह झरनों और बाकी कम जर्जर इमारतों से लगभग एक मील नीचे था। जेसन एक टूटी- फूटी दीवार पर जाकर बैठ गया, जो कुछ पत्थरों के ढेर से ज़्यादा कुछ नहीं थी, और मुझे भी अपने पास बैठने का इशारा किया। जैसे ही मैं बैठा, उसने अपने कंधे से बैग नीचे लटकाया और पानी की बोतलें निकालीं। उसने चेहरे पर बनावटी मुस्कान लिए मेरी तरफ देखा और मैं तुरंत समझ गया कि कुछ गड़बड़ है। मेरी तरफ देखते हुए उसकी नज़रें चारों ओर घूम रही थीं।
"अभी मत देखो," उसने लगभग धीमी आवाज़ में कहा, "लेकिन कोई हमें देख रहा है।" मैंने तुरंत अपना सिर घुमाकर उस अज्ञात व्यक्ति को खोजना शुरू किया। मेरी नज़र कोने में किसी हलचल पर पड़ी, जब कोई हमारे बैठने की जगह से लगभग तीस

घने जंगल में कुछ और मिनटों तक लड़खड़ाते हुए चलने के बाद, मैं पहाड़ से नीचे जाने वाले संकरे रास्ते पर पहुँच गया। फेफड़ों में बढ़ती जलन के बावजूद, मैंने खुद को आगे की ओर धकेल दिया। मैं लगभग दस मिनट तक उस रास्ते पर दौड़ता रहा, हालांकि शायद यह केवल तीन मिनट ही थे, जब तक कि मुझे रुककर सांस लेने की ज़रूरत नहीं पड़ी। मैं घुटनों पर हाथ रखकर झुक गया और पर्याप्त हवा अंदर लेने की कोशिश की। मेरे दिल की धड़कन इतनी तेज़ थी कि मुझे कुछ सुनाई नहीं दे रहा था।
मैं नीचे झुककर इंतज़ार करने लगा। जेसन जिस रास्ते पर गया था, उससे अलग रास्ता अपनाना मेरी मूर्खता थी। अब वह कहीं भी हो सकता था, हमारे उस अज्ञात रक्षक से अकेले ही लड़ रहा था। मैं उठा और दाहिनी ओर जंगल से होकर जाने का फैसला किया, फिर वापस उस जगह जाने का सोचा जहाँ मैंने अपना बैग छोड़ा था। पेड़ों से बचते हुए चलना बहुत धीमा था, इसलिए अगर किस्मत अच्छी रही और वे मुझे पार नहीं कर पाए, तो शायद ऊपर जाते समय उनसे मुलाकात हो जाए।
मैं झाड़ियों के बीच से लड़खड़ाते हुए आगे बढ़ा, और वापस जाने के अपने फैसले को लेकर मेरा संदेह बढ़ता जा रहा था। घर जाकर पुलिस को बुलाना शायद ज़्यादा समझदारी भरा कदम होता, लेकिन अगर हमारा पीछा करने वाला कोई अलौकिक शक्ति थी, तो उन्हें इसमें शामिल न करना ही बेहतर था।
अलौकिक प्राणियों के लिए एक अलिखित नियम है। इस पर मुख्य रूप से वेयरवुल्फ्स का शासन है क्योंकि वे सबसे संगठित हैं। नियम यह कहता है कि अलौकिक मामलों को अलौकिक समुदाय के भीतर ही निपटाया जाना चाहिए। कभी-कभार कुछ चूक हो जाती हैं जिनसे सनसनीखेज खबरें बन जाती हैं, लेकिन ज्यादातर मामलों में हम चीजों को गुप्त रखते हैं।
दौड़ने की वजह से मेरे पैरों में अभी भी जलन हो रही थी और पेड़ों के बीच से रास्ता बनाते हुए मेरी गति धीमी पड़ने लगी। चारों ओर शांत, नम वनस्पति और गीली मिट्टी ही दिखाई दे रही थी, जहाँ सूरज की रोशनी पेड़ों को भेद नहीं पा रही थी। मैंने देखा कि मेरे हाइकिंग बूट का फीता खुला हुआ था। मैं उसे बाँधने के लिए एक घुटने के बल गीली मिट्टी में बैठ गया। मैं फीतों तक पहुँचने ही वाला था कि तभी तेज़ कदमों की आहट सुनकर रुक गया। मैंने ठीक समय पर मुड़कर देखा तो हमारा अनाम पहरेदार दौड़ते हुए अपने कंधे के ऊपर से पीछे देख रहा था।

मैंने खड़े होकर रास्ते से हटने की कोशिश की, लेकिन मेरी प्रतिक्रिया बहुत धीमी थी, और वह सीधे मुझसे टकरा गया। हम दोनों एक-दूसरे में उलझकर ढलान पर गिर पड़े। हम कुछ देर तक लुढ़कते रहे, एक-दूसरे को पकड़ने की कोशिश करते रहे। मुझे लाख कोशिश करने पर भी याद नहीं आ रहा था कि उसे कैसे जलाना है। मैंने इससे पहले सिर्फ एक बार किसी को जलाया था, और वह भी एक दुर्घटना थी। जिसे मैंने आग लगाई थी, वह पूरी तरह से दुर्घटना नहीं थी, लेकिन फिर भी मुझे नहीं पता था कि मैंने ऐसा कैसे किया।
पतझड़ के दौरान मेरा पेपर स्प्रे कहीं खो गया था और मैं अपनी बदकिस्मती को कोस रहा था। मैं कीचड़ और पत्तों में अपने पहरेदार से जूझ रहा था, और यह देखकर भयभीत हो गया कि वह मुझ पर हावी हो रहा है। उसका अधिक वजन उसके लिए फायदेमंद साबित हो रहा था, और आखिरकार उसने मेरी बाहों को ज़मीन पर दबा दिया और मेरे ऊपर चढ़कर मेरे शरीर को जकड़ लिया। वह स्पष्ट रूप से इंसान नहीं था, वरना मैं उससे और ज़्यादा लड़ पाता।
खुद को छुड़ाने की कोशिश करते हुए मुझे पहली बार उसका चेहरा ठीक से देखने का मौका मिला। उसके बाल हल्के घुंघराले और लगभग काले थे। वे उसकी आँखों के सामने गिरे हुए थे, जो उस समय गहरे भूरे रंग की लग रही थीं क्योंकि उसने मेरी कलाई पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली थी। उसकी उभरी हुई, मजबूत नाक, उसकी हल्की जैतून जैसी त्वचा, पतले लेकिन बहुत पतले नहीं होंठ और कोणीय जबड़े की बनावट को खूबसूरती से निखार रही थी।
उसने गुस्से से मेरी तरफ देखा। "संघर्ष करना बंद करो," उसने एक ऐसे लहजे में कहा जिसे मैं समझ नहीं पाई। "मैं तुम्हें चोट पहुंचाने नहीं आया हूँ।" मैंने हालात का जायज़ा लिया, फिर मैं ढीला पड़ गया और मुस्कुराया, क्योंकि मुझे कुछ याद आ गया था जो वह शायद भूल गया था। उस आदमी ने मुझे हैरानी से देखा, उसे आश्चर्य हुआ कि मैंने इतनी आसानी से हार मान ली, तभी जेसन अचानक कहीं से आया और उस आदमी को मुझसे दूर धकेल दिया। जब वे दोनों गिरे तो मुझे पेट में घुटने से चोट लगी। जेसन और वह आदमी आपस में लड़ने लगे, कीचड़ और पत्ते उछालते हुए, ठीक उसी तरह जैसे मैंने अभी-अभी देखा था। इस बीच, मैं ज़मीन पर सिकुड़कर बैठा रहा और गहरी साँस लेने की कोशिश करता रहा। आखिरकार मैं खड़ा हो पाया और मैंने तुरंत अपना ध्यान चल रहे संघर्ष पर केंद्रित किया। "रुक जाओ!" मैंने चिल्लाया।

दोनों आदमी एक जैसे भावों से मेरी ओर मुड़े: गुस्से से भरे और थोड़े भ्रमित, क्योंकि वे शायद मुझे भूल गए थे। जेसन ने हमारे पहरेदार को बुरी तरह से जकड़ रखा था। दोनों कीचड़ और सूखे पत्तों से सने हुए थे। मैंने नीचे देखा और महसूस किया कि मैं भी उन्हीं से सना हुआ था।
मैंने जल्दी से अपने कपड़े झाड़े और फिर उस आदमी की गहरी भूरी आँखों में देखा। "तुम क्या चाहते हो?"
उसने एक बार फिर जेसन की गर्दन पर पकड़ छुड़ाने की कोशिश की, फिर आह भरकर हार मान ली और मेरी तरफ देखा। "मुझे तो बस आपके पीछे आना था। मुझे उम्मीद नहीं थी कि आप मेरा पीछा करेंगे।"
मैंने अपनी बाहें मोड़ लीं और उसे अधीरता भरी नज़र से देखा। "और तुम मेरा पीछा क्यों कर रहे थे?"
“तुम्हारे पिताजी ने मुझसे ऐसा करने को कहा था,” उसने गुस्से से जवाब दिया।
मुझे पहले ही समझ जाना चाहिए था। वह बस चैन से नहीं बैठ सकता था। मैंने जेसन की तरफ ध्यान दिया। "उसे जाने दें?"
जेसन ने वैसा ही किया जैसा मैंने कहा था। वह आदमी खड़ा हुआ और उसने अपनी जींस और हरे रंग की मिलिट्री जैकेट से धूल झाड़ी। उसके बाद जेसन खड़ा हुआ, जाहिर तौर पर वह अपने दाहिने पैर पर ज़्यादा ज़ोर दे रहा था। मुझे यह सोचकर चिंता हुई कि कहीं उसे चोट न लग गई हो, लेकिन फिर मैंने मन ही मन खुद को संभाला। जेसन को टखने में मोच की कोई परवाह नहीं होगी, आखिर वह एक पिशाच था।
जेसन ने उस आदमी को प्रतिशोध भरी नजरों से देखा और पूछा, "तुम कौन हो?"
उस आदमी ने जेसन को नजरअंदाज किया और मेरी ओर बढ़ते हुए अपना हाथ बढ़ाया। "मेरा नाम चेज़ है।"
मैंने उसके द्वारा बढ़ाए गए हाथ को अनदेखा कर दिया। "उसने यह नहीं पूछा कि तुम कौन हो। उसने पूछा कि तुम क्या हो।"
उस आदमी, चेज़ ने मेरी तरफ मुस्कुराते हुए कहा, "मैं क्या हूँ, इससे उसका कोई लेना-देना नहीं है।"
मैंने आह भरी। मैं इससे थक चुकी थी। "तो मेरे पिताजी ने अपहरणों की वजह से मुझ पर नज़र रखने के लिए तुम्हें भेजा है?"
चेज़ ने सिर हिलाया, लेकिन आगे कुछ नहीं कहा।

मैं थक चुकी थी। मेरे पैरों में दर्द हो रहा था। मेरे शरीर पर कई नए घाव और खरोंचें थीं, और ऊपर से मेरे कपड़े भी पूरी तरह से खराब हो चुके थे। मैं इस सब से तंग आ चुकी थी। मैंने अपना पेपर स्प्रे उठाया जो मुझे हमारी अजीब सी बातचीत के दौरान दिखाई दिया था, जेसन के पास गई और उसका हाथ पकड़कर पगडंडी की ओर चल पड़ी। चेज़ मेरे पीछे-पीछे चलने लगा, कम से कम पेड़ों से बचते हुए जितना हो सकता था। मैंने उसे नज़रअंदाज़ कर दिया।
मेरी परिस्थिति को देखते हुए, जीवन आखिरकार सामान्य हो गया था, जितना सामान्य हो सकता था। अब एक ही दिन में, मैं वेयरवोल्फ पैक का नेता बन गया था, और अचानक मुझे फिर से एक पिता मिल गया था, एक ऐसा पिता जो मेरी पसंद से कहीं ज्यादा दखलअंदाजी कर रहा था।
हम रास्ते पर पहुँच गए और मैंने अपने घर की ओर बड़ी उम्मीद से देखा। शायद नए समूह के नेता की ज़िम्मेदारियों से बचने का यही नतीजा था। मैंने अपना बैग वहीं छोड़ने का फैसला किया और उम्मीद की कि कल तक वो वहीं मिलेगा। मैं बस घर जाना चाहता था।
मेरे घर तक पूरे रास्ते किसी ने कुछ नहीं बोला। हम मेरे आंगन से होते हुए मेरे पिछले दरवाजे तक पहुँचे और मैं थोड़ा परेशान हो गया, तभी मुझे याद आया कि मैंने अपनी चाबियाँ अपने बैग में ही छोड़ दी थीं। मैं झुककर हमारे लॉन में लगे कई बौनों में से एक के नीचे से चाबी निकालने लगा। अब जब चेज़ को पता चल गया था कि चाबी कहाँ है, तो मुझे उसे कहीं और छिपाना पड़ेगा। या शायद मैं उसे अपने पास ही रख लूँ। मैंने अपने बाईं ओर धैर्य से खड़े आदमी को देखा। वह लगभग 6 फुट लंबा था, जेसन से थोड़ा छोटा। उसने अपने हाथ जेब में डाले हुए थे और एक छोटे बच्चे की तरह अपनी एड़ियों पर आगे-पीछे हिल रहा था। हाँ, अब चाबी को वापस अपने आंगन में रखने का कोई सवाल ही नहीं था। बिना कुछ कहे, मैंने दरवाजा खोला, जेसन को मुझसे पहले अंदर जाने दिया, और अंदर जाते ही दरवाजा बंद कर दिया, चेज़ को बाहर ही छोड़ दिया। उसे ज़रा भी हैरानी नहीं हुई।
घर में अंधेरा और सन्नाटा था, जिससे मुझे पता चल गया कि मेरी माँ अभी तक घर नहीं आई हैं। मैं रसोई के प्रवेश द्वार के पास, लिविंग रूम में रखी छोटी सी गहरे रंग की लकड़ी की मेज पर गई और आंसरिंग मशीन चेक की। छोटी सी लाल बत्ती जल-बुझ रही थी, इसलिए मैंने प्ले बटन दबा दिया। जैसे ही लूसी की आवाज़

सुनाई दी, जेसन मेरे पास से गुज़रते हुए रसोई में चला गया, और चलते हुए उसने अपना हाथ मेरी पीठ पर फेर दिया।
लूसी की आवाज़ में उसने बताया कि वह और मैक्स आज रात इरविन के पिज़्ज़ा पार्लर में लीला और निक से कागज़ात पूरे करने के लिए मिल रहे हैं, और मैं उसे बाद में कॉल करके बता दूँ कि क्या मैं आ सकता हूँ। जैसे ही जेसन रसोई से बाहर आया, मैंने लूसी का संदेश मिटाने के लिए बटन दबा दिया।
मैंने उसकी गुस्से से भरी, सिकुड़ी हुई भौंहों की ओर प्रश्नवाचक दृष्टि से देखा।
जेसन ने मेरी रसोई की खिड़की की ओर देखा, फिर मेरी ओर। "वह तुम्हारे बरामदे के झूले पर बैठा है। वह गुनगुना रहा है।"
मैंने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। "गुनगुनाना?"
जेसन ने सिर हिलाया। "यह बीथोवेन की पांचवीं सिम्फनी जैसा लगता है।"
जेसन मेरे सोफे की ओर बढ़ा और मैं उसके पीछे-पीछे गया, यह सोचते हुए कि बीथोवेन की पांचवीं सिम्फनी गुनगुनाना एक अजीब बात है। जेसन और मैं दोनों ही उस आरामदायक सीट पर बैठ गए। मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैंने मैराथन दौड़ लगाई हो। मैंने अपना सिर सोफे के कुशन पर टिकाया और छत की ओर देखा।
जेसन ने मेरी तरफ देखे बिना कहा, "उसकी गंध बिल्कुल तुम्हारी जैसी है।" "तो चेज़ एक दानव है?" मैंने बिना सिर हिलाए पूछा।
“कम से कम आधा,” उसने जवाब दिया। “शायद उससे भी ज्यादा। उसमें तुमसे कम मानवीय गंध है।”
मैं आगे झुकी और सिर हिलाया, मैं चेज़ के बारे में और बात नहीं करना चाहती थी। "मैंने अपनी चाबियाँ बैग में ही छोड़ दी थीं।"
जेसन ने मेरी तरफ देखा, फिर अपना सिर तकिए पर टिका लिया। "मैं जाकर ले आता हूँ।" वह फिर आगे झुका और जाने के लिए खड़ा हो गया।
मैंने हाथ उठाकर उसे रोक दिया। "लूसी आज रात इरविन के यहाँ मिलना चाहती है।"
जेसन ने मेरी तरफ देखे बिना सिर हिलाया। वह मेरी ही तरह थका हुआ लग रहा था। "मैं बैग ले आता हूँ, फिर मैं तुम्हारे साथ चलूँगा।"
जेसन के जाने के लिए मुड़ते ही मैंने सिर हिला दिया। मैं इरविन के यहाँ नहीं जाना चाहती थी। मैं वो कागज़ात नहीं भरना चाहती थी जिनसे मैं झुंड की नेता बन जाती। मैं बाहर जाकर चेज़ से निपटना नहीं चाहती थी।

अगर मैंने एक बात सीखी है, तो वह यह है कि आपको हमेशा वह नहीं मिल सकता जो आप चाहते हैं।

अध्याय सात
जब जेसन चला गया, तो मैंने अपने गंदे कपड़े बदल लिए। अच्छा हुआ कि मैंने गहरे रंग के कपड़े पहने थे। शायद मिट्टी के दाग दिखेंगे ही नहीं। मैंने गहरे रंग की जींस और गहरे बैंगनी रंग का टर्टलनेक पहना, फिर लूसी को फोन करने के लिए नीचे चली गई।
फोन की घंटी एक बार ही बजी थी कि एक तीखी आवाज ने जवाब दिया, "हेलो?"
मैंने जवाब दिया, "यह ज़ोई है। क्या लूसी घर पर है?"
दूसरी तरफ सन्नाटा छाया रहा। एक मिनट बाद लूसी ने फोन उठाया।
मैंने अपनी झुंझलाहट दिखाने के लिए ज़ोर से आह भरी। "कितने बजे हैं?" “तीस मिनट में। क्या आपको लिफ्ट चाहिए? लीला मुझे और एलिसन को लेने आ रही है।”
"जेसन मुझे ले जा रहा है, इसलिए मैं तुमसे वहीं मिलूंगा।"
"ज़ोई, आपका फिर से बहुत-बहुत धन्यवाद, मैं सच में दिल से धन्यवाद कह रही हूँ।"
“हां, हां,” मैंने व्यंग्यपूर्वक कहा और फिर फोन काट दिया।
फोन के लॉक होने की आवाज आते ही मुझे समझ आ गया कि एलिसन के वहां होने का कोई कारण नहीं था। शायद वो वेयरवोल्फ के झुंड में शामिल होने की कोशिश कर रही थी। उसे अलग-थलग रहना बिल्कुल पसंद नहीं। लगता है तीस मिनट में पता चल ही जाएगा।
कुछ ही देर बाद जेसन पिछले दरवाजे से अंदर आ गया। उसकी फुर्ती देखकर मैं अब भी हैरान रह गया। माना जाता है कि मैं भी इतनी ही तेज़ी से चल सकता था, लेकिन उसकी अलौकिक गति मेरी समझ से परे थी। मैंने सुना कि वह मेरे बैग में चाबियाँ ढूँढ रहा था। वह लिविंग रूम में आया और चाबियाँ मेरी तरफ फेंक दीं।
“जाने के लिए तैयार हो?” उसने पूछा। “मुझे अभी अपने अपार्टमेंट जाकर कपड़े बदलने हैं।”
मेरा मूड खराब होने के बावजूद मैं मुस्कुराई। जेसन हमेशा मुझे हंसा देता था, चाहे वो कितना भी उदास और मुंह फुलाए हो। जो बात किसी और से सुनकर चिढ़ जाती, वो जेसन से सुनकर मुझे प्यारी लगती थी। ज़ोई, बड़ी शैतान आधी दानव, अब नरम पड़ गई। "हमें तीस मिनट में उनसे मिलना है।"

वह मेरे पास आया और उसने अपना हाथ मेरे कंधों पर रख दिया। "चलो चलते हैं और तुम्हारे उस छोटे शैतान... मतलब दोस्त का सामना करते हैं।"
मैंने एक उंगली उठाई। "सुधार, चलिए चलते हैं और मेरे छोटे दोस्त को नजरअंदाज करते हैं।"
जेसन मुस्कुराया और मुझे सामने के दरवाजे तक ले गया। हम दोनों बाहर गए, दरवाजा बंद किया और सीधे जेसन की गहरे भूरे रंग की कार की ओर चल पड़े। चेज़ मेरे बरामदे में झूले पर बैठा हमें देख रहा था, फिर उठा और हमारे पीछे दौड़ने लगा।
“तुम कहाँ जा रहे हो?” उसने पुकारा।
मैंने उसे नजरअंदाज करना जारी रखा और जेसन के ड्राइवर की तरफ जाकर दरवाजे खोलने का इंतजार किया।
चेज़ मेरे पास आकर खड़ा हो गया। "अगर तुम मुझे नहीं बताओगी, तो मुझे तुम्हारे पिताजी को फोन करना पड़ेगा।"
मुझे अब भी उसकी बोली समझ नहीं आ रही थी, शायद ग्रीक? "सच में?" मैंने पूछा। उसने सिर हिलाया और जब उसे एहसास हुआ कि उसने मुझे पकड़ लिया है, तो उसके चेहरे पर बड़ी सी मुस्कान आ गई। यार, वह कितना परेशान करने वाला था!
मैंने आह भरी और पीछे की सीट की ओर इशारा किया। "अंदर आ जाओ।"
जेसन ने अपनी कार की छत के ऊपर से मुझे हैरानी भरी नजरों से देखा।
मैंने कंधे उचका दिए। "मैं अपने पिता से निपटने के बजाय उससे निपटना पसंद करूंगा।"
जेसन अभी भी संशय में दिख रहा था जब उसने दरवाजे खोले और गाड़ी में बैठ गया। मैं सामने वाली यात्री सीट पर बैठ गई और सीट बेल्ट बांध ली, फिर चमड़े की चरमराहट के साथ पीछे मुड़कर चेज़ की तरफ देखा जब जेसन मेरी ड्राइववे से गाड़ी निकाल रहा था। "तो क्या हुआ, उसने बस तुमसे कहा कि मेरे साथ रहो और यह सुनिश्चित करो कि मेरा अपहरण न हो जाए?"
चेज़ ने सिर हिलाया। वह अब भी अपनी कीचड़ से सनी जींस और हरी जैकेट में था, जिसे उसने खोलकर अंदर पहनी हुई काली टी-शर्ट दिखाई।
"और आप मेरे पिताजी को कैसे जानते हैं?" मैंने पूछा जब उन्होंने आगे कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया।
उसने जेसन की तरफ देखा, फिर मेरी तरफ। "हम इस बारे में बाद में बात कर सकते हैं।"

मैंने बारी-बारी से जेसन की ओर देखा, जो हमारी बातचीत को अनदेखा करने का नाटक कर रहा था, फिर मैंने अपनी नज़रें चेज़ की ओर घुमाईं। "तुम्हें पता है, मैं उसे बाद में बता दूँगी।"
चेज़ ने झुंझलाहट से नाक सिकोड़ी। "यह तुम्हारी मर्ज़ी है, लेकिन सच तो यह है कि इससे उसका कोई लेना-देना नहीं है।" वह एक पल के लिए चुप रहा, और मैं आगे की ओर मुड़ने ही वाला था कि उसने पूछा, "तो हम कहाँ जा रहे हैं?"
मैंने अपनी बारी रोककर उसे मीठी मुस्कान दी और नकल करते हुए कहा, "यह बिल्कुल भी आपका काम नहीं है।"
मैं मुस्कुराते हुए आगे की ओर मुड़ी। मैंने तिरछी निगाहों से देखा कि जेसन के चेहरे पर भी मेरी तरह हल्की सी मुस्कान फैल गई।
कुछ मिनट बाद, हम जेसन के अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स की पार्किंग में पहुँचे और कई खाली जगहों में से एक में गाड़ी खड़ी कर दी। शेल्बी में यह अच्छे अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्सों में से एक था (हालांकि यह कोई बड़ी बात नहीं है, क्योंकि ऐसे केवल तीन ही हैं)। डैन को ढूंढने और उसके "ठिकाने" में मदद करने से उसने जो पैसे कमाए थे, उससे वह इसे खरीद सकता था, लेकिन मुझे पता था कि उसे जल्द ही कोई और नौकरी करनी पड़ेगी। यह पैसा हमेशा के लिए नहीं चल सकता था, खासकर अब जब मुझे पता चल गया था कि उसे मेरी कमाई का आधा ही मिलता है। मैंने खुद को समेट लिया और इस बारे में न सोचने की पूरी कोशिश की। जेसन ने इग्निशन बंद किया और मेरी तरफ देखा, जाहिर है वह मुझे चेज़ के साथ कार में अकेला नहीं छोड़ना चाहता था। मैंने उसे हल्के से सिर हिलाकर यह जता दिया कि मैं सब संभाल लूंगी, और वह अनिच्छा से कार से बाहर निकला और कंक्रीट की सीढ़ियों से चढ़कर अपने अपार्टमेंट में चला गया।
कार का हीटर बंद होने के कारण, टर्टलनेक पहने होने के बावजूद मुझे ठंड लगने लगी। आम तौर पर जेसन मेरे लिए कार स्टार्ट करके छोड़ देता, लेकिन उसकी व्यस्तता के लिए मैं उसे दोष नहीं दे सकती थी। मैंने बाहर ठंडी, उदास सड़कों पर भारी विंटर कोट पहने एक जोड़े को चलते देखा। ठीक है, शायद मैं उसे थोड़ा-बहुत दोष दे सकती थी।
चेज़ ने अपना सिर मेरे कंधे के पास उठाया। "क्या तुम्हें मेरी जैकेट चाहिए? यह थोड़ी गंदी है..."
मैंने सिर हिलाया और झट से जवाब दिया, "मैं ठीक हूँ।" काश मैं जैकेट ले आती! “क्या आप निश्चित हैं?” चेज़ ने ज़ोर देकर पूछा।

मैंने सिर हिलाया, क्योंकि मैं सिद्धांत के आधार पर उसकी जैकेट नहीं लेना चाहता था।
“जैसी तुम्हारी मर्जी,” उसने जवाब दिया और अपनी सीट पर पीछे झुककर गुनगुनाना शुरू कर दिया। इस बार उसकी आवाज़ डेपेचे मोड के गाने 'एंजॉय द साइलेंस' जैसी लग रही थी।
जेसन आखिरकार जींस और नेवी स्वेटर पहने हुए सीढ़ियों से नीचे दौड़ता हुआ मुझे बचाने आया। वह ड्राइवर की सीट पर वापस बैठ गया और जल्दी से कार स्टार्ट करके हीटर चालू कर दिया। उसने शर्मिंदा मुस्कान के साथ मेरी तरफ देखा।
“माफ़ कीजिए,” उसने माफी मांगी।
“कोई बात नहीं,” मैंने बड़बड़ाते हुए कहा जब हम इरविन के घर की ओर जाने के लिए निकले।
इरविन का पिज़्ज़ा पार्लर शहर के कुछ औसत दर्जे के पिज़्ज़ा पार्लरों में से एक है। एक-दो अच्छे पिज़्ज़ा पार्लर भी हैं, लेकिन हम हमेशा इरविन के ही पिज़्ज़ा पार्लर जाते थे, मुझसे मत पूछो क्यों। गाड़ी पार्क करने के बाद, हम ठंड से बचने के लिए सीधे जगमगाते पिज़्ज़ा पार्लर में चले गए।
इरविन का रेस्टोरेंट पुराने ज़माने के ढाबे जैसा सजा हुआ था, जिसमें ज्यूकबॉक्स और लाल विनाइल के बूथ और स्टूल लगे थे। लूसी और बाकी लोग कहीं नज़र नहीं आ रहे थे, इसलिए हम इंतज़ार करने के लिए कोने के एक बड़े बूथ में बैठ गए। जेसन मेरे बगल में आकर बैठ गया, जबकि चेज़ बूथ के दूसरे छोर पर जाकर मेरे बगल में बैठ गया। मैं अजीब तरह से गोद में हाथ रखकर बैठी रही और रात के जल्दी खत्म होने का इंतज़ार करती रही।
इंतज़ार करते हुए हमने दो एक्स्ट्रा-लार्ज पिज़्ज़ा और सोडा के कुछ जग मंगवाए। आखिरकार लीला दरवाज़े से अंदर आई, लंबी और दुबली-पतली, पूरे काले कपड़ों में, सीने से कागज़ों का एक गट्ठा चिपकाए हुए। उसके कुछ ही देर बाद लूसी, मैक्स और एलिसन भी अंदर आए, सभी भारी सर्दियों के कोट पहने हुए थे। लीला ने हमें तुरंत पहचान लिया और अपनी ऊँची एड़ी वाली काली बूटों की आवाज़ करते हुए पास आ गई। वह चेज़ के बगल में बैठ गई, उसकी मौजूदगी पर ज़रा भी सवाल नहीं उठाया। लूसी और मैक्स भी उसके पीछे-पीछे अंदर आ गए।
एलिसन मेज के सामने रुक गई और चेज़ को एक unfriendly नज़र से देखा। "तुम कौन हो?"

चेज़ ने उसे भावहीन भाव से देखा और पलटकर घूरने लगी।
मैंने थके हुए स्वर में उत्तर दिया, "यह चेज़ है।"
एलिसन जेसन के बगल में आकर बैठ गई, अपने लंबे सुनहरे बालों को चिड़चिड़ाते हुए झटकते हुए और "अशिष्ट, ढोंगी, घटिया आदमी" या इसी तरह की किसी बात को लेकर बड़बड़ाने लगी।
एलिसन के रवैये पर मुझे हैरानी हुई। वह आमतौर पर किसी भी नए प्यारे लड़के से मिलने का मौका नहीं छोड़ती थी। मुझे लगा कि इसका कुछ संबंध हाल ही में उसके अकेलेपन की भावना से था। वह समूह में बची एकमात्र इंसान थी, और अब एक और लड़का आ गया था जो संभवतः उसके दोस्तों के साथ बिताए समय का ज़्यादा हिस्सा ले सकता था। और किसने कहा कि मैं समझदार नहीं हूँ?
मैंने पूछा, "निक कहाँ है?"
“किसे परवाह है?” एलिसन ने बुदबुदाते हुए कहा।
"उसने कहा था कि वह हमसे यहीं मिलेगा," लीला ने उसकी बात काटते हुए जवाब दिया।
वेट्रेस रसोई से दोनों हाथों में एक-एक पिज्जा पकड़े हुए निकली। उसने पिज्जा हमारी मेज पर रख दिए और प्लेटें लेकर तुरंत वापस आने का वादा किया।
पिज्जा से पनीर और मशरूम की खुशबू फैलते ही मेरे अंदर का तनाव कम हो गया। लीला ने वेट्रेस के प्लेट लाने का इंतज़ार किया, फिर तुरंत काम पर लग गई। उसने लूसी और मैक्स को उनके फॉर्म दिए और जब मैंने देखा कि वे सिर्फ़ कुछ पन्नों के थे, तो मुझे राहत मिली। फिर उसने मुझे मेरे फॉर्म दिए। मेरे हाथों में कागज़ों का ढेर देखकर मैं दंग रह गई। ये तो पूरी किताब थी!
मैं अचरज से मुंह खुला रखकर लीला की ओर मुड़ी। "सच में?" मैंने अविश्वास से पूछा।
उसने शर्मिंदगी भरी नज़र से देखा और कहा, "माफ़ करना ज़ो, गठबंधन को असल में सिर्फ़ समूह के नेता की जानकारी में ही दिलचस्पी है।"
मैंने आह भरी और पैकेट को मेज पर रख दिया, फिर लीला से मिली कलम ले ली। मैंने अपने बाएं हाथ से पिज्जा का पहला टुकड़ा उठाया और दाएं हाथ से अपनी बुनियादी जानकारी भरने लगी। चेज़ को सब कुछ सहजता से लग रहा था, इसलिए मैंने मान लिया कि मेरे पिताजी ने उसे सब कुछ बता दिया होगा। वह आराम से बैठा पिज्जा का पहला टुकड़ा खा रहा था और किसी को भी नज़रअंदाज़ कर रहा था।

जेसन मुझसे ज़रूरत से ज़्यादा पास बैठा था, और मुझे थोड़ा असहज महसूस होने लगा था।
पिज्जा के कुछ मिनट बाद निक आया और उसे मेज के उस कोने पर कुर्सी खींचकर बैठना पड़ा जो बूथ से घिरा हुआ नहीं था। लीला मुस्कुराई और उसे कागजों का एक बंडल थमा दिया। मैं अपने काम में वापस जाने लगी, लेकिन लीला की मुस्कान ने मुझे दोबारा देखने पर मजबूर कर दिया। निक ने अपने काम में नीचे देख लिया था, लेकिन लीला उसे देखकर बड़ी-बड़ी आँखों से मुस्कुराती रही। ओह, लगता है वो उसे बहुत पसंद करती है। इससे मेरा उस पर भरोसा और भी कम हो गया। इसलिए नहीं कि वो उसे पसंद करती है, बल्कि शायद उसके मन में उसके बारे में जो राय थी वो सही नहीं थी, और उसी राय के आधार पर हम उस पर भरोसा कर रहे थे। मैं फिर से अपने काम में नीचे देखने लगी, और मुझे और भी बेचैनी होने लगी, अगर ऐसा होना मुमकिन भी था तो।
जब तक मैंने अपना दूसरा टुकड़ा पूरा किया, लूसी, मैक्स और निक अपने फॉर्म भरकर लीला को वापस दे चुके थे। मैं अभी भी अपना फॉर्म भर रहा था, और जैसे- जैसे मैं आगे बढ़ता गया, सवाल और भी अजीब होते जा रहे थे। क्या सच में उन्हें मेरा ब्लड ग्रुप जानना ज़रूरी था? साथ ही, मुझे यह भी समझ नहीं आ रहा था कि 'पसंदीदा शिकारगाह' वाले सेक्शन में क्या लिखूँ।
जब मैंने एलिसन की तरफ देखा तो उसने गला साफ किया और मुझे एक अर्थपूर्ण नज़र से देखा। वह और लूसी दोनों बाथरूम जाने के लिए बहाना बनाकर चली गईं। यह समझकर मैं भी उठ गई और उनके पीछे-पीछे चली गई। तो यह बिल्कुल स्पष्ट था कि हम आपस में बात करना चाहते थे, भला कौन हमें दोष दे सकता है? हम तीनों बाथरूम में गए और दरवाज़ा कसकर बंद कर लिया।
सभी स्टॉल खाली होने की पुष्टि करने के बाद, एलिसन मेरी ओर मुड़ी और पूछा, "वह दूसरा आदमी कौन है और वह यहाँ क्यों है?"
मैंने लूसी की ओर मुड़कर कहा, "मुझे लगता है कि तुमने उसे मेरे पिताजी के बारे में सब कुछ बता दिया होगा?"
लूसी ने सिर हिलाया और मैं एलिसन की ओर मुड़ गई। "चेज़ मेरे पिताजी की नज़र में एक बॉडीगार्ड है।"
“क्या अपहरणों की वजह से?” लूसी ने पूछा।
मैंने सिर हिलाया। "हाँ, जेसन और मैंने उसे जंगल में हमें देखते हुए पकड़ लिया था।"

एलिसन ने भौंहें चढ़ा लीं। "वह अभी भी तुम्हारे साथ क्यों है?"
मेरी बात समझकर लूसी ने जवाब दिया, "वो या तुम्हारे पापा?"
मैंने दरवाजा खोलने के लिए मुड़ते हुए फिर से सिर हिलाया। "हाँ, दो बुराइयों में से कम बुरी यही है।"
एलिसन ने अपने होंठ सिकोड़ लिए। "मुझे यह पसंद नहीं है।"
मैं बीच में ही रुक गया और फीकी सी मुस्कान के साथ बोला, "मैं भी नहीं, लेकिन चेज़ अभी हमारी सबसे छोटी चिंता है।"
एलिसन ने सहमति में सिर हिलाया। "मुझे भी नहीं लगता कि झुंड में रहने वाली बात अच्छी सोच है।"
मुझे इसकी उम्मीद नहीं थी। मैं पूरी तरह से उसकी ओर मुड़ी और अपना सिर एक तरफ झुकाकर उसकी बात सुनने लगी।
“बस…” उसने कहना शुरू किया, फिर अपने शब्दों पर विचार करने के लिए कुछ पल रुकी। मैंने लूसी के चेहरे पर निराशा का भाव देखा और समझ गई कि वे इस बारे में पहले ही बात कर चुकी हैं। “यह एक बड़ी ज़िम्मेदारी लगती है,” एलिसन ने आगे कहा। “आपको ये सारे फॉर्म भरने होंगे, और उन सभी अनजान लोगों से मिलने का वादा करना होगा, और फिर निक भी है। हम उस पर भरोसा कैसे कर सकते हैं? वह तो अचानक से कहीं से आ गया।”
मैंने कंधे उचका दिए। "हम और क्या कर सकते हैं?"
“बस यही तो बात है,” एलिसन ने आगे कहा। “ऐसा लगता है कि किसी भी चीज़ में कोई विकल्प नहीं होता। आपके पास चेज़ नाम के उस आदमी को अपने आसपास मंडराने देने के अलावा कोई चारा नहीं होता, आपके पास एक समूह बनाने के अलावा कोई चारा नहीं होता। विकल्प होने चाहिए।”
मुझे सिरदर्द हो रहा था। जब मैंने जवाब दिया, "मैं सहमत हूँ, लेकिन ऐसा नहीं है," तो मेरी नज़र लूसी के थके हुए चेहरे पर पड़ी, जो बिल्कुल मेरे चेहरे जैसा था।
एलिसन ने अपना पैर पटककर सबका ध्यान अपनी ओर खींचने की कोशिश की। "तुम दोनों हर बात पर इतने शांत कैसे रह सकते हो!"
आखिरकार गुस्सा होकर मैंने ऊंची आवाज में कहा, “बस करो अल! मैं जो हूं या मेरे पिता जो हैं, उसमें मेरा कोई बस नहीं चलता, और डैन द्वारा खरोंच लगने में लूसी का भी कोई बस नहीं चलता। हम बस अपनी परिस्थितियों को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहे हैं।”

“मुझे पता है!” एलिसन चिल्लाई, उसका चेहरा और भी लाल हो गया। “लेकिन तुम्हें इस बात पर गुस्सा होना चाहिए!”
मैंने भी पलटकर चिल्लाना शुरू कर दिया, लेकिन खुद को रोक लिया। सार्वजनिक स्थान पर गुस्सा करना बिल्कुल भी अच्छा विचार नहीं था। मुझे पता था कि मुझे एलिसन की नाराज़गी को समझना चाहिए, लेकिन मेरी सहनशक्ति की भी एक सीमा थी। असल में, एलिसन इसलिए नाराज़ थी क्योंकि लूसी और मेरे बीच कुछ समस्याएँ थीं, लेकिन असल में उन समस्याओं से निपटना तो हमें ही था। अगर उनसे निपटने का मतलब चीज़ों को स्वीकार करना था, तो ठीक है।
लूसी ने एलिसन को शांत करने के लिए उसकी ओर हाथ बढ़ाया, तभी लीला ने बाथरूम में झाँकते हुए पूछा, "सब ठीक है?"
“बहुत बढ़िया,” एलिसन ने झल्लाकर कहा और लीला के पास से गुज़रते हुए बाथरूम से बाहर निकल गई। मैंने लूसी को उदास मुस्कान दी और हम दोनों उसके पीछे-पीछे बाहर चले गए।
जब हम वापस खाने की मेज पर बैठे, तो किसी को भी भूख नहीं लग रही थी। जब मैंने बचा हुआ खाना घर ले जाने की पेशकश की, तो किसी ने कोई आपत्ति नहीं जताई, इसलिए मैंने उसे पैक कर लिया, फिर हम सबने मिलकर बिल का भुगतान किया और चले गए। घर जाते समय मैंने फॉर्मों का अपना बड़ा सा पैकेट जेसन की कार के फर्श पर फेंक दिया, अपना टेकआउट बॉक्स अपनी गोद में रखा और रेडियो की आवाज़ तेज़ कर दी, क्योंकि अब और कोई बातचीत नहीं करनी थी।
घर पहुँचते ही माँ की कार को ड्राइववे में देखकर मुझे राहत मिली। मैं कार से उतरी और सीधे अपने दरवाजे की ओर बढ़ी। मैं बरामदे में दरवाजा खोलकर जेसन के अंदर जाने का इंतज़ार करने लगी, लेकिन उसने साफ इशारा कर दिया कि वह चाहता है कि मैं पहले अंदर जाऊँ।
चेज़ बेसब्री से इंतज़ार कर रहा था, मानो वो भी अंदर आने वाला हो। मैंने उसे देखा और कहा, “तुम अंदर नहीं आ सकते। जाओ और मेरे पापा को बुला लो। वो बाहर तुम्हारा साथ दे सकते हैं।” इतना कहकर मैं अंदर चला गया और जेसन को चेज़ के चेहरे पर दरवाज़ा बंद करने का मौका दे दिया।
लिविंग रूम में रुककर चारों ओर देखते ही मेरी संतुष्टि का भाव तुरंत गायब हो गया और मैं पूरी तरह से दंग रह गई। सोफा, लवसीट और आसपास का फर्श ढेर सारे शॉपिंग बैग से भरा पड़ा था। जाहिर है, मेरी माँ ने कुछ खरीदारी करके अपना मन बहलाया था। मैं उस अव्यवस्था के बीच से रास्ता बनाते हुए दौड़कर

ऊपर उनके कमरे में गई और बिना दरवाजा खटखटाए अंदर चली गई। वह अपने बिस्तर पर सो रही थीं, उनके जूते और ट्रेंच कोट अभी भी उनके शरीर पर थे।
मुझे राहत की सांस आई, यह जानकर खुशी हुई कि वह घर पर थी और... हालात संभाल रही थी। मैंने उसके सादे भूरे जूते उतारे और उसके बिस्तर के नीचे से शाही बैंगनी रंग का कंबल उसके ऊपर डाल दिया। मैंने धीरे से दरवाजा बंद किया और उसके कमरे से बाहर निकल गई, हालांकि मुझे शक था कि तेज हॉर्न के अलावा कोई भी चीज उसे जगा नहीं पाएगी।
मैं नीचे गई तो देखा कि जेसन रसोई में खड़ा है। उसका ध्यान खिड़की पर था, या यूँ कहें कि खिड़की से चेज़ को देख पाने की कोशिश कर रहा था। वह मेरे बरामदे के झूले पर फिर से बैठ गया था और अपने पैरों से उसे धीरे-धीरे आगे- पीछे झुला रहा था। जेसन चेज़ को अपनी इच्छाशक्ति से गायब करने की इतनी कोशिश में लगा हुआ था कि मुझे नहीं लगता कि उसने मुझे आते हुए सुना भी होगा।
मैंने अपनी बाहें मोड़कर ठीक उसके सामने कदम रखा और जोर से अपना गला साफ किया।
उसने मेरी तरफ देखा, उसकी भौंहें अभी भी सिकुड़ी हुई थीं। "मुझे वह पसंद नहीं है," उसने चेज़ के बारे में कहा।
मैंने कंधे उचका दिए। "सच कहूं तो मैं आपको दोष नहीं दे सकता।"
जेसन और मैंने अपना ध्यान वापस खिड़की की ओर लगाया। जैसे ही झूला आगे बढ़ा और चेज़ पूरी तरह से हमारे सामने आ गया, चेज़ ने हमें व्यंग्यपूर्ण अभिवादन किया, जिससे जेसन का चेहरा गुस्से से लाल हो गया। उसका इतनी आसानी से आपा खोना उसकी आदत नहीं थी (यह काम आमतौर पर मेरा होता था), और मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या कोई और बात थी जिसने उसे परेशान कर रखा था।
मैंने उसका हाथ पकड़ा और उसे खिड़की से दूर खींच लिया, फिर अपनी बाहों को उसकी कमर के चारों ओर हल्के से लपेटकर उसे गले लगा लिया। मैं तब तक उसे देखती रही जब तक उसने मेरी आँखों में नहीं देखा। "बताओ क्या हुआ है?" मैंने आदेश दिया।
जेसन ने मुझे अपनी हमेशा वाली टेढ़ी मुस्कान दिखाई। "तुम बहुत ज्यादा समझदार हो," उसने स्वीकार किया।
मैंने भी मुस्कुराते हुए जवाब दिया, "बताओ।"
“मुझे नौकरी का प्रस्ताव मिला है,” उसने धीमी आवाज़ में कहा।

मैंने सवालिया निगाह से सिर झुकाया। "तो...?"
उसने घबराहट में अपने होंठ चाटे। "तो, मुझे तुरंत निकलना होगा।"
मैंने नज़रें हटाईं और ज़मीन की ओर देखा। "ओह।"
“मैं इस बारे में सोचूंगा भी नहीं,” उसने जल्दी से कहा, फिर धीरे-धीरे बोला, “लेकिन नौकरियां बहुत कम मिलती हैं। मैं इसे ठुकरा सकता हूं, लेकिन यह कहना मुश्किल है कि अगला प्रस्ताव कब आएगा।”
मैंने झट से कहा, "तुम्हें इसे ले लेना चाहिए," यह जानते हुए कि अगर मैंने इस बारे में सोचने में थोड़ा भी समय लिया, तो मैं उससे जाने से मना कर दूंगी।
“मुझे पता है कि यह सही समय नहीं है…”, उन्होंने कहना शुरू किया।
“क्या आप लंबे समय तक बाहर रहेंगे?” मैंने बीच में ही टोकते हुए कहा, जितना मैंने सोचा था उससे थोड़ा ज्यादा चिड़चिड़ेपन से।
“बस कुछ ही दिन,” उसने जवाब दिया, यह जानकर उसे साफ़ तौर पर राहत मिली कि मैं उसके जाने को लेकर कोई बड़ा मुद्दा नहीं बनाने वाली थी। “मैं क्रिसमस से पहले घर आ जाऊँगा, और तुम्हारे जन्मदिन तक तो पक्का आ ही जाऊँगा।”
मेरा जन्मदिन 31 तारीख को था, इसलिए इसका मतलब था कि वह लगभग 10 दिन के लिए बाहर जा सकता है। मैंने अपनी भावनाओं के बावजूद सिर हिलाया। "आप सुबह निकल रहे हैं?"
उसने मुझे और करीब खींच लिया और अपनी बाहों में कसकर लपेट लिया। "हाँ," उसने जवाब दिया, उसके होंठ मेरे कान के बिल्कुल पास थे। "मुझे आज रात की तैयारी के लिए घर जाना होगा, लेकिन जाने से पहले मैं आपसे मिलने आऊंगा।" मैंने फिर सिर हिलाया और उसकी कंधे पर सिर रखकर आँखें बंद कर लीं, समझ नहीं आ रहा था कि और क्या कहूँ। मैंने उसकी जंगल जैसी, वेनिला की हल्की सी खुशबू को महसूस किया, और उस खुशबू से एक दिन के लिए भी दूर रहने का ख्याल मुझे अच्छा नहीं लग रहा था।
मुझे महसूस हुआ कि उसने फिर से खिड़की की ओर देखा। "अगर वह तुम्हें कोई परेशानी दे, तो मैं चाहूंगा कि तुम मुझे तुरंत फोन करो।"
मैंने धीरे से कहा, "मैं इसे संभाल सकती हूँ।"
“मुझे पता है,” उसने मेरे बालों में फुसफुसाते हुए कहा, “लेकिन फिर भी मुझे फोन करना।”

और बस यूं ही वो चुपचाप दरवाज़ा बंद करके चला गया। मैं कुछ मिनटों तक रसोई में खड़ी रही, अपने हाथों को कसकर पकड़े हुए। आखिरकार मैं लिविंग रूम में गई और अपनी माँ के बैग ज़मीन पर फेंक दिए ताकि सोफे पर आराम से बैठ सकूँ। मैं तकियों पर धंस गई और खुद पर तरस खाने लगी। मैं इंतज़ार करती रही, उम्मीद करती रही कि जेसन वापस आएगा और अपना इरादा बदलेगा, या फिर वो आकर कहेगा, "पकड़ लिया! मज़ाक कर रही थी।"
जब कुछ नहीं हुआ, तो मैं ऊपर अपने कमरे में चली गई। आधी रात होने वाली थी। मुझे पता ही नहीं चला कि समय कहाँ चला गया। मैं नीचे कई घंटों तक बैठी रही। सोने की तैयारी के लिए मैं अपने आरामदायक बैंगनी रंग के बाथरूम में गई। मैंने अपने दांत ब्रश किए और चेहरा रगड़कर साफ किया, और खुद को सुस्ती से जगाने के लिए कई बार ठंडे पानी के छींटे मारे। मैंने एक मुलायम बैंगनी तौलिए से खुद को सुखाया, फिर हिम्मत जुटाकर शीशे में देखा।
मैं बेहद दुखी लग रही थी। मेरा दिल टूट रहा था क्योंकि जिस समय मुझे उसकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत थी, उसी समय मेरा बॉयफ्रेंड शहर छोड़कर जा रहा था। इसमें उसकी कोई गलती नहीं थी, लेकिन फिर भी मुझे थोड़ा बुरा लग रहा था। सच में, मैं बहुत दयनीय लग रही थी।
मैंने अपना हाथ सिंक पर ज़ोर से पटका, जिससे मेरी कलाई में हल्की-सी दर्द की लहर दौड़ गई। मैं एक लड़के की वजह से टूट नहीं सकती थी। ज़िंदगी ने चाहे जो भी मुसीबत खड़ी की हो, मैंने हमेशा खुद को संभाला है, और सच कहूँ तो, मैं अपनी स्थिति को खुद ही संभाल सकती थी। मैं मुस्कुराई, इस बात पर गर्व महसूस करते हुए कि मैंने इतनी जल्दी खुद को संभाल लिया था।
मैं दानव हूँ, मेरी दहाड़ सुनो।

अध्याय आठ
इस बार आग नहीं थी। मैं एक बार फिर ठंडे, पत्थर के फर्श पर था, लेकिन इस बार मैं लेटा हुआ था और मेरा गाल पत्थर से सटा हुआ था। मैंने उठकर अपने आसपास देखने की कोशिश की, लेकिन मैं हिल नहीं सका। मुझे कदमों की आहट सुनाई दी। कोई मेरे सामने आकर खड़ा हो गया, लेकिन मुझे सिर्फ उनके जूते पहने हुए पैर ही दिखाई दिए। पैरों का आकार और रंग लगातार बदल रहा था, जिससे मैं यह नहीं बता पा रहा था कि वे कैसे दिखते हैं। एक पल वे महिलाओं की ऊँची एड़ी के जूते थे, अगले ही पल, लड़ाकू बूट। फिर वह व्यक्ति मेरे बगल में घुटनों के बल बैठ गया, और मुझे अचानक यकीन हो गया कि मैं मरने वाला हूँ।
अगली सुबह करीब 9 बजे जब मैं उठी, तो मुझे धुंधला-सा याद था कि जेसन सुबह-सुबह मेरी खिड़की से अंदर आया था, अलविदा कहने के लिए, जाने से पहले। मेरे सपने ने मुझे सचमुच डरा दिया था। आग के सपने हमेशा से ही डरावने होते थे, लेकिन इस सपने ने मुझे पेट में डर की एक ठंडी गांठ के साथ जगा दिया। मैं अपने गहरे हरे रंग के बेडशीट के नीचे से लुढ़की, हर चीज़ से नफरत करते हुए अपने डर को दूर करने की कोशिश कर रही थी। मैंने अपने बड़े बेडरूम की खिड़की से बाहर देखा तो पाया कि उदास मौसम मेरे मूड से मेल खा रहा था। गहरे भूरे और नीले रंग खतरनाक ढंग से घूम रहे थे, बर्फ गिरने का संकेत दे रहे थे। यह एक सफेद क्रिसमस होने वाला था... वाह!
मैंने नहाया और गहरे लाल रंग का केबल-निट स्वेटर और फटी हुई, फीकी जींस पहनी, जिसे मैंने गहरे भूरे रंग के कम हील वाले ढीले-ढाले बूट्स में ठूँस लिया (एलिसन की सालाना अलमारी की सफाई की देन)। बालों को संवारने की ज़हमत भी नहीं उठाई और कॉफी की तलाश में लड़खड़ाते हुए नीचे चली गई।
मैंने अपनी माँ को डाइनिंग रूम की मेज पर शाही नीले रंग की स्वेटर ड्रेस और काले बूट पहने बैठे देखा। वह कॉफी पीते हुए खुशनुमा बातचीत कर रही थीं। मेरा दिन अचानक तब और भी खराब हो गया जब मैं कोने से मुड़ी और देखा कि वह चेज़ से बात कर रही थीं, जो गहरे हरे रंग के स्वेटर और जींस में काफी सहज लग रहा था। वह मेरे रोज़ाना इस्तेमाल होने वाले कॉफी मग में कॉफी पी रहा था। वह मग बड़ा था और उसके एक तरफ उदास दिख रहे एडगर एलन पो की तस्वीर बनी हुई थी। वह मेरा सबसे पसंदीदा मग था।

मैं रसोई में गई तो देखा कि कॉफी पॉट बिल्कुल खाली था। मैंने कुछ कॉफी बीन्स पीसते हुए और एक नया पॉट तैयार करते हुए मन ही मन बड़बड़ाया। मैंने दुकान से खरीदा हुआ ब्लूबेरी मफिन उठाया और वापस डाइनिंग रूम में चली गई, और मेज के दूसरी तरफ, अपनी माँ और चेज़ से दूर जाकर बैठ गई। उन्होंने अपनी बातचीत रोककर मेरी तरफ ध्यान दिया।
मैंने चेज़ की मौजूदगी को नज़रअंदाज़ करते हुए अपनी माँ की ओर देखा। "आज कोई काम नहीं है?"
“नहीं,” उसने अपने चेहरे पर एक बड़ी, बनावटी मुस्कान लिए जवाब दिया। “मुझे थोड़ी थकान महसूस हो रही है,” उसने आगे कहा, उसकी मुस्कान किनारों से फीकी पड़ रही थी।
मैंने सिर हिलाकर सहमति दी, यह समझते हुए कि वह अभी भी आगे की चर्चा करने के लिए तैयार नहीं थी। बदले में उसने मुझे एक छोटी सी, लेकिन सच्ची मुस्कान दी।
“तो,” मेरी माँ ने थोड़ी झिझक के साथ कहना शुरू किया, “मैंने तुम्हारे दोस्त को बरामदे में पाया और उसे अंदर आकर तुम्हारा इंतज़ार करने के लिए कहा।” उन्होंने चेज़ को देखकर गर्मजोशी से मुस्कुराया, लेकिन मैं उनकी अंदरूनी चिंता को महसूस कर सकती थी। “मुझे नहीं पता कि वह बाहर ठंड से कैसे नहीं जम गया।”
चेज़ के लिए मेरी मुस्कान असल में एक गुस्से भरी मुस्कान थी। "वह मेरा दोस्त नहीं है," मैंने चेज़ से नज़रें मिलाते हुए उसे सुधारा।
“ओह,” मेरी माँ हिचकिचाई। “अच्छा, मुझे बहुत सारे उपहार लपेटने हैं, इसलिए मैं आप दोनों को अकेला छोड़ देती हूँ।”
वह खड़ी हुई और जल्दी से भोजन कक्ष से बाहर निकल गई। मैंने देखा कि सीढ़ियों पर चढ़ने से पहले उसने माँ जैसी चिंता से हमारी तरफ एक नज़र डाली। मुझे आभास हो गया था कि मेरी माँ के ताक-झांक करने के दिन अब समाप्त हो गए थे। वह कभी भी निश्चित नहीं हो सकती थी कि वह किस तरह की जानकारी हासिल कर लेगी।
मैंने अपना ध्यान चेज़ की ओर मोड़ा। "क्या तुम्हारे पास कार है?"
मेरी पहले की बदतमीज़ी के बावजूद उन्होंने मुस्कुराते हुए मेरी तरफ देखा। उन्होंने सीधे-सादे शब्दों में जवाब दिया, "मैं एक ला सकता हूँ।"

मैंने सिर हिलाया और अपने लिए एक कप कॉफ़ी लेने के लिए खड़ी हो गई। चेज़ भी खड़ा हुआ और तुरंत सामने के दरवाज़े से बाहर निकल गया, शायद कार लेने के लिए। मुझे उसे यह बताने की ज़रूरत नहीं लगी कि मैं बस चाहती थी कि वह मुझे मॉल ले जाए ताकि मैं अपनी क्रिसमस की खरीदारी पूरी कर सकूँ। शायद उसे यह बात इतनी ज़रूरी न लगी हो।
मैं गरमा गरम कॉफ़ी और मफ़िन लेकर वापस मेज़ पर बैठ गई और मेरे चेहरे पर शरारती मुस्कान आ गई। चेज़ को चिढ़ाने से मुझे बहुत अच्छा महसूस हुआ था। मुझे ऐसा करना जारी रखना होगा। मेरे विचार जेसन की ओर गए, लेकिन मैंने तुरंत उन्हें दूसरी तरफ मोड़ दिया। क्रिसमस के लिए मुझे और क्या खरीदना था... अरे, मैं खुद को ही क्यों बेवकूफ बना रही थी? मैंने अपनी कॉफ़ी के कप में देखा और उदास हो गई।
जब तक चेज़ लौटा, मैं अपनी कॉफ़ी और मफ़िन खत्म कर चुकी थी और इंतज़ार करते हुए एक कैटलॉग के पन्ने पलट रही थी। मैंने अपनी चाबियाँ और बटुआ उठाया और हाल ही में खरीदे अपने सादे कपड़े के पर्स में डालकर उससे मिलने बाहर चली गई। बादलों से घिरे आसमान को देखकर मुझे लगा था कि मौसम खराब होगा, लेकिन हवा ठंडी और शांत थी। मुझे अब भी बर्फ़बारी की उम्मीद थी, लेकिन शायद यह वैसी सुहावनी, हल्की बर्फ़बारी होगी जो हॉलमार्क के विज्ञापनों में दिखाई जाती है, न कि वैसी तेज़, तूफ़ानी बर्फ़बारी जो अक्सर हकीकत होती है। चेज़ एक पुरानी, जंग लगी भूरे रंग की पिकअप ट्रक से टेक लगाकर खड़ा था। मुझे तो इस बात पर भी संदेह था कि वह ट्रक मॉल तक पहुँच पाएगी या नहीं। वह ट्रक से थोड़ा दूर हटा और किसी गेम शो के मॉडल की तरह पोज़ देने के लिए अपनी बाहें फैला दीं।
उन्होंने नाटकीय अंदाज में कहा, "तुम्हारा रथ इंतजार कर रहा है।"
मैंने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। "बहुत बढ़िया," मैंने व्यंग्यपूर्वक उत्तर दिया।
चेज़ मुस्कुराया और ड्राइवर की सीट पर बैठने चला गया। मैंने यात्री का दरवाज़ा ज़ोर से खोला और उस पुरानी सीट पर चढ़ गया। चेज़ ने अपना दरवाज़ा बंद किया और गाड़ी स्टार्ट की। मैं छटपटाता रहा और ऐसी जगह ढूंढने की कोशिश करता रहा जहाँ सीट की स्प्रिंगें सीट की चपटी गद्दी से चुभें नहीं।
आखिरकार, मैं नाराज़गी भरे चेहरे के साथ बैठ गया।

चेज़ ने मेरी नापसंदगी के भाव को गलत समझते हुए पूछा, "क्या आप गाड़ी चलाना चाहते हैं या कुछ और?"
मैं एक पल असमंजस में रुक गया, फिर मौका देखकर झट से अपनी नाक ऊपर उठा ली, मानो मुझे इस बात से ठेस पहुंची हो कि उसने मुझसे बिना पूछे ड्राइवर की भूमिका निभा ली थी। "हां, हां, मैं करता हूं।"
उसने ज़रा भी बहस नहीं की। वह बस गाड़ी से उतरा और यात्री सीट की तरफ चला गया, जबकि मैं बीच वाली छोटी सी सीट से खिसककर ड्राइवर की सीट पर बैठ गई। मुझे बहुत खुशी हुई। मेरी ड्राइविंग से मेरी माँ को बहुत डर लगता है, इसलिए मेरे पास अपनी गाड़ी न होने के कारण मुझे ज़्यादा गाड़ी चलाने का मौका नहीं मिलता था। जब चेज़ ने यात्री सीट पर सीट बेल्ट लगाई, तब तक मैं खुशी से उछल-कूद रही थी।
मेरी उन्मादी खुशी को देखकर उसने घबराकर मेरी तरफ देखा। "मुझे अंदर से लग रहा है कि मुझे इसका पछतावा होगा।"
मैंने उसे एक हल्की सी मुस्कान दी, फिर गाड़ी की एक्सीलरेटर पर पैर रख दिया।
ट्रक मेरे घर के सामने से तेज़ी से निकला और पीछे से कंकड़ उड़ाता चला गया। उस खटारा ट्रक में मेरी माँ की छोटी कार से कहीं ज़्यादा ताकत थी। जैसे ही हम अपने मोहल्ले से होते हुए हाईवे की ओर बढ़े, मैंने धीरे से एक्सीलरेटर से पैर हटा लिया।
मैंने चेज़ पर एक सरसरी नज़र डाली। "क्या हम लंबे रास्ते से जा सकते हैं?" “ज़रूर,” उसने कमज़ोर आवाज़ में कहा।
मैं कस्बे के बीचोंबीच से गुजरने वाले छोटे राजमार्ग पर थोड़ी दूर तक गाड़ी चलाकर एक ऐसी गली में मुड़ गया जो मुझे भीतरी सड़कों पर ले जाती थी। मैं मुख्य रूप से कब्रिस्तान से बचने के लिए इस रास्ते से जा रहा था, लेकिन मैंने चेज़ को यह यकीन दिला दिया था कि मैं बस लंबी, घुमावदार भीतरी सड़कों पर ट्रक चलाने का मौका चाहता हूँ। सच कहूँ तो, उसका ऐसा मानना कुछ हद तक सही भी था।
शेल्बी के बाहरी इलाके में जंगल की ओर मुड़ने वाली संकरी सड़क के शुरू होते ही, मैंने एक्सीलरेटर पर पैर रख दिया। चेज़ थोड़ा ज़्यादा आराम महसूस करने लगा था, इसलिए मैंने खिड़की नीचे की और एक्सीलरेटर को थोड़ा और दबा दिया। खिड़की से आती तेज़ हवा ने मुझे ज़ोर से झटका दिया, जिससे मेरे बाल

उड़ने लगे। वैसे भी, मैंने उस सुबह अपने बालों के साथ कुछ नहीं किया था, इसलिए मुझे इसकी चिंता करने की ज़रूरत नहीं थी।
चेज़ ने पुराने रेडियो की आवाज़ तेज़ की और फिर शेल्बी में मिलने वाले कुछ स्टेशनों को बदलने लगा। उसने एक स्टेशन पर रुककर 'द किंक्स' का गाना 'लिविंग ऑन अ थिन लाइन' देखना शुरू किया और फिर अपनी सीट पर पीछे की ओर झुक गया।
जैसे ही हम सुनसान सड़क पर आगे बढ़े, जो आसपास के पेड़ों की छाया से थोड़ी ढकी हुई थी, मैंने धीरे से एक्सीलरेटर से पैर हटा लिया। कई दिनों में पहली बार, मुझे सुकून और संतुष्टि का एहसास हुआ। उस पुराने ट्रक को चलाते हुए, मुझे लग रहा था कि मैं सब कुछ अपने नियंत्रण में कर रहा हूँ। चेज़ शायद मेरी पहली पसंद का साथी नहीं था, लेकिन हवा का झोंका मेरे बालों को छू रहा था और हमें किसी के हमले या किसी भी चीज़ से सामना होने का कोई खतरा नहीं था। मेरे विचार जेसन की ओर चले गए, और इस बात की ओर कि मुझे यह भी नहीं पता था कि वह कहाँ जा रहा है या उसका "काम" क्या है। मैंने अपने अंदर उठ रही झुंझलाहट को तुरंत दबा लिया, क्योंकि मैं उस पल की शांति को भंग नहीं करना चाहता था।
मुझे लगा कि बात करने का यही सही समय है, इसलिए मैंने रेडियो की आवाज़ कम कर दी और खिड़की थोड़ी ऊपर कर ली ताकि मैं चेज़ से बात कर सकूँ। मैं थोड़ी देर तक खामोशी में इंतज़ार करता रहा कि वह खिड़की से ध्यान हटाकर मेरी तरफ देखे। जब उसने ध्यान नहीं दिया तो मैंने अपना गला साफ किया।
वह चौंककर अपने विचारों से बाहर आया और मेरी ओर मुड़ा।
सड़क पर ध्यान केंद्रित रखते हुए, मैंने पूछा, "अब जब हम अकेले हैं, तो क्या आप मुझे यह समझाने के लिए तैयार हैं कि आप मेरे पिता को कैसे जानते हैं, और उन्होंने मेरी रक्षा के लिए आपको क्यों चुना?"
वह एक पल के लिए चुप रहा, फिर धीरे से बोला, "मैं तुम्हारे पिताजी का ऋणी हूँ, सचमुच, मैं उनका जीवन भर ऋणी रहा हूँ।"
मैंने यह सुनकर अपनी भौंहें ऊपर उठाईं और चेज़ पर एक नज़र डाली ताकि मुझे यकीन हो जाए कि वह मुझसे मज़ाक नहीं कर रहा है। "सच में?"
"हाँ।"
"और । । ।?"
उन्होंने गला साफ किया। “और… बस इतना ही।”

मैंने बातचीत का वो विषय वहीं छोड़ दिया, ऐसा नहीं था कि मैं उससे पूरी तरह से ऊब चुकी थी, बल्कि मैं उसे तब तक के लिए टालना चाहती थी जब तक वो थोड़ा और खुलकर बात करने को तैयार न हो जाए। “तो…” मैंने शुरू किया, “जेसन ने कहा कि तुम्हारी गंध मेरे जैसी है, किसी दानव जैसी।”
“हां,” उन्होंने जवाब दिया, लेकिन आगे कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया।
मैंने झुंझलाहट में अपने होंठ दबा लिए। "क्या बात है? तुमने कहा था कि अकेले में तुम मुझे सब कुछ समझा दोगे।"
उसने गहरी साँस ली। “हाँ, मैं भी एक दानव हूँ। मेरी माँ पूरी तरह से दानव थी, और मेरे पिता आधे दानव थे।”
“तो तुम मुझसे भी ज्यादा शैतानी हो?” मैंने बीच में ही टोकते हुए कहा।
वह मुस्कुराया। “एक मामूली से अर्थ में। राक्षसों की वंश-परंपराएँ अलग-अलग होती हैं। वंश-परंपरा जितनी शक्तिशाली होती है, राक्षस उतना ही शक्तिशाली होता है। राक्षस जितना शक्तिशाली होता है, उतने ही अधिक गुण वह अपनी संतान को देता है। तुम्हारे पिता एक बहुत शक्तिशाली वंश-परंपरा से आते हैं। मेरे माता-पिता दोनों मिश्रित वंश-परंपराओं से थे।”
“तो…” मैंने पूछा।
“तो,” उसने आगे कहा, “हालांकि मुझमें तुमसे ज्यादा दानव का खून है, लेकिन तुम मुझसे थोड़े ज्यादा ‘दानव जैसे’ हो।”
मैंने जोर देकर पूछा, “तुम कितने शैतानी हो? तुम क्या कर सकते हो?” उन्होंने हमारी बातचीत के विषय में खुद को ढाल लिया और समझाना शुरू किया, "मुझे बताया गया है कि मेरे पिता एक नेक्रो-डेमन थे, वे मृतकों से बात कर सकते थे और ज़ॉम्बी बना सकते थे, और मेरी माँ एक नाग थी।"
मैं एक मिनट के लिए अचंभित होकर होंठ सिकोड़ता रहा। और मैं तो सोच रहा था कि अब मुझे कोई भी बात चौंका नहीं सकती। "ठीक है, पहला, नेक्रो-डेमन? और दूसरा, नाग आखिर होता क्या है? और आप 'मुझे बताया गया है' क्यों कहते हैं?" उसने कड़वी मुस्कान के साथ कहा, “पहली बात, हाँ, नेक्रो-डेमन। दूसरी बात, नाग को सरल शब्दों में सर्प-मानव कहते हैं। तीसरी बात, मैं ‘मुझे बताया गया है’ इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि मेरे पिता ने मुझे बचपन में ही छोड़ दिया था। मेरी माँ ने मेरा पालन-पोषण किया।” उसने ये सब बातें ऐसे कही जैसे ये बिल्कुल सामान्य बात हो, बिना किसी भावना के।

मैंने सोचा कि शायद मैं उसे इतना अच्छी तरह से नहीं जानता कि उससे परित्याग के बारे में और सवाल कर सकूँ। यह एक संवेदनशील विषय हो सकता है। मुझे पता होना चाहिए। "तो आप क्या कर सकते हैं?"
ऐसा लग रहा था कि मेरी पूछताछ इस दिशा में जाने से उसे राहत मिली थी। उसने कहना शुरू किया, "खैर, मृतकों के साथ काम करना मेरे बस की बात नहीं है। कभी- कभी मुझे भूत-प्रेतों की झलक दिख जाती है, बस इतना ही। मुझमें आम दानवों के गुण हैं: अतिरिक्त शक्ति, तेज इंद्रियां, बेहतर उपचार क्षमता। शायद इन मामलों में मैं तुमसे ज़्यादा शक्तिशाली हूँ, सिर्फ़ इसलिए क्योंकि मुझमें दानवों का खून ज़्यादा है। असल शक्तियों की कमी मुझमें है। साथ ही, मेरी माँ की तरफ से, मैं ज़हरीला भी हूँ।"
ओह, छी! मैंने पूछा, "किस तरह से?"
वह मेरी ओर मुड़ा और दांत दिखाते हुए मुस्कुराया। उसके मसूड़ों के पास दो छोटे-छोटे नुकीले दांत दिखाई दिए और धीरे-धीरे उसके कैनाइन दांतों तक फैल गए। उन्हें देखकर मैं लगभग गाड़ी सड़क से उतारने ही वाला था।
वह हँसा और फिर कार की विंडशील्ड से बाहर देखने लगा। "उस तरफ," उसने जवाब दिया।
“ओह,” मैंने घबराहट से भरते हुए जवाब दिया। बस बहुत हो गया इस विषय पर। “और तुम मेरे पिताजी के जीवन के लिए उनके ऋणी क्यों हो?”
वह थोड़ा असहज हुआ, फिर घबराकर मेरी तरफ देखा। "फिर कभी?" उसने पूछा। “ज़रूर,” मैंने मान लिया, “फिर कभी।”
वह अपनी सीट पर धंस गया, मानो मुझे यह सारी जानकारी देने में उसे बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ी हो। कौन जानता है? शायद ऐसा ही हो।
जब हम आखिरकार मॉल पहुँचे, तब तक मैं पूरी तरह से आराम की स्थिति में पहुँच चुकी थी। मुझे पता है कि यह थोड़ा अजीब था कि मैं आखिरकार एक अजनबी की मौजूदगी में ही आराम कर पाई, एक ऐसा व्यक्ति जिसके सामने मुझे आराम महसूस नहीं करना चाहिए था, लेकिन फिर भी ऐसा ही था। जिम्मेदारियों और अपेक्षाओं से दूर रहना अच्छा लगा।
मैंने हाथ से खिड़की ऊपर की और चेज़ और मैं दोनों उस खस्ताहाल ट्रक से बाहर निकल आए। मुझे अपना दरवाज़ा दो बार ज़ोर से बंद करना पड़ा, फिर हम दोनों मॉल की ओर चल पड़े। चेज़ आराम से मेरे बगल में चल रहा था, मेरे लिए दरवाज़ा खोलकर, उसके चेहरे पर हल्की सी व्यंग्यात्मक मुस्कान थी। मैं भी बेपरवाही

से अंदर चली गई, अंदर से दरवाज़ा पकड़कर उसके लिए खुला रखने की ज़हमत भी नहीं उठाई। क्रिसमस से एक हफ़्ते पहले ही शॉपिंग सेंटर की अफरा-तफरी ने मुझे झकझोर दिया। मैंने गुस्से में अपने पिताजी के बारे में सोचा और उन्हें इस बात के लिए दोषी ठहराया कि मुझे एक ही हफ़्ते में दो बार मॉल आना पड़ा।
अब मुझे सिर्फ जेसन के लिए ही कुछ खरीदना बाकी था, और मुझे अभी भी समझ नहीं आ रहा था कि उसे क्या दूं। मैंने सोचा कि बार्न्स एंड नोबल से शुरुआत करना ठीक रहेगा, और मैं चेज़ के साथ तुरंत दुकान की ओर चल पड़ा। दुकान में पहुँचकर, मैंने अलमारियों को देखना शुरू किया, यह सोचकर कि मैं उसके लिए ढेर सारी किताबें खरीद लूँ, और उम्मीद है कि वह मेरे लिए जो भी तोहफा लाए, उससे बेहतर तो नहीं, लेकिन उसके बराबर तो हो ही जाए।
चेज़ मेरे कंधे पर झुक गया, उसका चेहरा मेरे चेहरे के बेहद करीब आ गया। उसके शैम्पू से संतरे की खुशबू आ रही थी। उसने गाते हुए लहजे में पूछा, "किसके लिए शॉपिंग कर रही हो?"
मैंने हमारे बीच थोड़ी दूरी बनाने के लिए एक तरफ हटकर कहा, "तुम्हारा इससे कोई लेना-देना नहीं है।"
चेज़ ने गले से 'हम्म्फ़' की आवाज़ निकाली, फिर जैसे उसे कोई ज्ञानोदय हुआ हो, उसने एक उंगली ऊपर उठाई। "आह, वैम्पायर के लिए खरीदारी कर रहे हो क्या?" मैंने उसे घूरकर देखा। "हाँ, अगर आपको जानना ही है तो। मेरे पिताजी ने उस दिन मेरी खरीदारी में दखल दिया था। जेसन का उपहार ही एकमात्र ऐसा उपहार था जो मुझे नहीं मिला।"
चेज़ ने बस सिर हिलाया और आराम से हाथ पीठ पीछे बांधे किताबों के दूसरे शेल्फ की ओर चला गया। मेरी सारी चिंताएँ दूर हो गईं और मैंने अपना ध्यान वापस अपने काम पर लगाया। मुझे लगने लगा था कि किताबों की दुकान में जाना बेकार है, क्योंकि मुझे पक्का पता नहीं था कि जेसन ने कौन सी किताबें पढ़ी हैं और कौन सी नहीं। तभी मेरी नज़र एक कोने में रखे संग्रह पर पड़ी। मैं पास जाकर देखने लगा और पाया कि वह पंद्रह क्लासिक किताबों का एक बॉक्स सेट था। वाह! मैंने बिना कीमत देखे ही बॉक्स उठा लिया और बिल काउंटर की ओर चल पड़ा।
भुगतान करने के बाद, मैं चेज़ को ढूंढने लगा, जो कहीं नज़र नहीं आ रहा था। मुझे लगा कि वह दुकान में कहीं नहीं है, इसलिए मैं उसे ढूंढने के लिए

भीड़भाड़ वाले गलियारे में निकल गया। वह जगह पूरी तरह से पागलखाने जैसी थी, और मैंने मान लिया कि उसे ढूंढने में थोड़ा समय लग सकता है, और शायद मैंने गलती से उसे ट्रक की चाबियां दे दी थीं। ऐसा नहीं था कि मैं उसे मॉल में अकेला छोड़ देता। बिलकुल नहीं... कभी नहीं।
जैसे ही मैं बैठने के लिए बेंच पर बैठने ही वाला था कि चेज़ दोनों हाथों में कॉफी का कप लिए मेरी तरफ बढ़ा। पास आते ही उसने एक कप मेरी ओर बढ़ाया और मुस्कुराते हुए कहा, "समझौते का प्रस्ताव?"
मैंने अपना शॉपिंग बैग बाएं हाथ में लिया और घूरते हुए पेश की गई कॉफी ले ली। "तुम्हें नापसंद करना बहुत मुश्किल है।"
चेज़ की मुस्कान और चौड़ी हो गई और वह अपनी एड़ियों पर आगे-पीछे हिलने लगा। "तो मेरा सुझाव है कि तुम कोशिश करना बंद कर दो।"
मैंने उसकी तरफ देखकर मुस्कुराया, फिर सबसे नज़दीकी निकास की ओर वापस चलने लगा।
चेज़ मेरे पास आकर कंधे से कंधा मिलाकर चलने लगा। "तुम्हारा काम इतनी जल्दी खत्म हो गया?"
मैंने सिर हिलाया। बाहर निकलने का रास्ता नज़र आ रहा था। लक्ष्य पर नज़र, लक्ष्य पर नज़र। मैं जल्द ही इस भीड़-भाड़ से दूर हो जाऊंगा।
"क्या तुमने अपने पिताजी के लिए कुछ खरीदा?"
मैं रुका और चेज़ की ओर मुड़ा। "क्या तुम मज़ाक कर रहे हो?"
मेरी प्रतिक्रिया देखकर चेज़ ने अपनी गहरी भौहें ऊपर उठाईं। "मैं मज़ाक क्यों कर रहा हूँ? उसने तो तुम्हें तुम्हारा अपना बॉडीगार्ड मुहैया कराया है," उसने अपनी बाहें फैलाते हुए और खुद को ऊपर से नीचे तक देखते हुए कहा। मैंने गहरी साँस ली। "और इससे मेरे पूरे जीवन भर मेरे साथ न रहने की भरपाई हो जाएगी?"
"नहीं," चेज़ ने उदासीनता से कहा, "लेकिन यह एक शुरुआत है।"
मैं बस उसे देखता रह गया, मेरे पास कहने के लिए शब्द नहीं थे।
उन्होंने अपने खाली हाथ से शांत करने का इशारा किया। “माफ़ कीजिए, माफ़ कीजिए। मैं आपकी बात मान लेता हूँ। अब अपनी कॉफ़ी पीजिए।”
मैंने एक घूंट लिया, अपनी घबराहट छिपाने के लिए ही सही। मलाईदार और स्वादिष्ट पेय मेरे गले से नीचे उतर गया। प्रसन्न होकर मैंने पूछा, "आखिर ये अद्भुत मिश्रण क्या है?"

"□□□□□□," □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□□ "□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□, □□□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□ □□□-□□□-□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□ □□□"
□□□□□ □□□□□□□□□□ □□□ □□□, “□□□□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□□”
□□ □□□

अध्याय नौ
जब हम घर लौटे तो दोपहर के 3 बज चुके थे। माँ की कार फिर से ड्राइववे से गायब थी। मैं अनिच्छा से चेज़ को अंदर बुलाते हुए अंदर गया और माँ के नोट से पता चला कि वह शॉपिंग में मग्न थीं। शायद जब हम मॉल में थे तब वह भी वहीं थीं, लेकिन वहाँ इतनी भीड़ थी कि मुझे आश्चर्य नहीं हुआ कि हम उनसे नहीं मिले।
मैं मशीन के पास गई और चमकती लाल बत्ती के नीचे वाला बटन दबाया। पहला संदेश मेरी माँ की एक सहकर्मी का था, जिसे मैंने कुछ सेकंड बाद छोड़ दिया। फिर मशीन से लूसी की आवाज़ आई। “ज़ो, मैं लूसी बोल रही हूँ। हमें लीला नहीं मिल रही है। उसे कुछ घंटे पहले मुझसे और मैक्स से मिलना था। मुझे बाद में कॉल करना।”
लूसी का संदेश खत्म होते ही मैं चौंक गई जब मेरे पिताजी की आवाज़ सुनाई दी। “एलेक्जेंड्रा, चेज़ के पास रहना। हमें बात करनी है।” क्लिक। अशुभ, बहुत अशुभ।
मैंने चेज़ की ओर देखा, जो मेरे कंधे के ऊपर से सुन रहा था। यह मेरी किस्मत थी कि मुझे वे संदेश मेरी माँ से पहले मिल गए। मुझे सच में एक मोबाइल फोन की ज़रूरत थी।
मैंने पूछा, "क्या तुम्हें पता है कि वह क्या चाहता है?"
चेज़ ने कंधे उचकाते हुए कहा, "बिल्कुल नहीं। लीला उन वेयरवुल्फ में से एक थी जिनसे हम पिज्जा पार्लर में मिले थे, है ना?"
मुझे पेट में अजीब सी बेचैनी महसूस हुई और मैंने सिर हिलाकर हां कह दी। कुछ तो बहुत गलत था। मेरी त्वचा में बिजली सी दौड़ गई। थोड़ी देर बाद दरवाजे पर दस्तक हुई।
"ये तुम्हारे पापा हैं," चेज़ ने कहा।
मैंने दरवाजा खोलने के लिए कदम बढ़ाया, मुझे लगा कि शायद मुझे अपने पिताजी की अनोखी टेलीपोर्टेशन की क्षमता का एहसास हो गया था। शायद मैं भी यह सीख सकूँ। काश ऐसा हो पाता!
जैसे ही मैंने दरवाजा खोला, मेरे पिताजी अंदर आ गए। काले रंग की पैंट और गहरे नीले रंग के कश्मीरी स्वेटर में वे बेहद आकर्षक लग रहे थे। उन्होंने गुस्से से भरे शब्दों में कहा, "बेयर क्रीक में एक चुड़ैल का अपहरण हो गया

है।" बेयर क्रीक शेल्बी से एक घंटे की दूरी पर स्थित एक और छोटा सा कस्बा था।
"वे करीब आ रहे हैं," चेज़ ने कहा।
“अरे हाँ,” मैंने कहा। फिर अपने पिताजी की ओर मुड़कर मैंने पूछा, “तो क्या हमें चिंता करनी चाहिए?”
उसने सिर हिलाया, जिससे उसके सुनहरे बाल कानों के पीछे से आगे की ओर आ गए। "मैं तुम्हारी रक्षा करूँगा।"
मैंने बचाव करते हुए जवाब दिया, "मुझे आपकी सुरक्षा नहीं चाहिए।"
लेकिन आपको इसकी जरूरत तो पड़ेगी ही।
मैंने अपने पिता के आखिरी शब्द मुश्किल से ही सुने। मेरे मन में एक भयानक विचार आया। "लीला लापता है।"
मेरे पिताजी ने मेरी ओर देखा, उनके चेहरे पर स्पष्ट आश्चर्य झलक रहा था। "तुम्हारे भेड़ियों में से एक?"
मेंने सिर हिलाया।
मेरे पिताजी ने गंभीर भाव से सिर हिलाया। "तो वे यहीं हैं।"
घबराहट से मेरी हथेलियों में पसीना आने लगा। अचानक मुझे बिलकुल भी सुरक्षित महसूस नहीं हुआ। "अब हम क्या करें?"
चेज़ ने मेरे कंधे पर हाथ रखा। "कोई तुम्हें नहीं ले जाएगा।"
मैंने उसका हाथ झटक दिया और उसकी ओर मुड़कर कहा, "मैं यह नहीं पूछ रही थी! हम लीला को कैसे ढूंढें?"
“शांत हो जाओ एलेक्जेंड्रा,” मेरे पिताजी ने सपाट स्वर में कहा। “तुम चेज़ के साथ यहीं रहोगी। मैं तुम्हारे भेड़िये को ढूंढ लूंगा।”
इससे पहले कि मैं कुछ कह पाती, मेरे पिताजी सीधे सामने के दरवाजे से बाहर निकल गए और दरवाजा बंद कर दिया। मैं दौड़कर दरवाजे तक गई और उसे खोल दिया, लेकिन वहाँ बस धुएं का एक हल्का सा गुबार और बजरी पर जलने का एक निशान था। पिताजी से बहस करने में असमर्थ, मैंने दरवाजा जोर से बंद कर दिया और फोन की ओर भागी। मैंने फोन उठाया और जल्दी से लूसी का नंबर डायल किया।
उसने पहली घंटी बजते ही फोन उठा लिया। "ज़ोई?" लूसी की आवाज़ में सवालिया निशान था।
मैंने झट से कहा, "हमें लगता है कि लीला को अगवा कर लिया गया है। तुम और मैक्स मेरे घर आओ।"

“संख्या में सुरक्षा होती है?” लूसी ने पूछा।
“कुछ ऐसा ही,” मैंने बुदबुदाया।
“मैं मैक्स को फोन करूंगी। जल्द ही मिलते हैं।” उसने फोन काट दिया।
सुन्न महसूस करते हुए, मैंने धीरे से फोन को वापस स्टैंड पर रख दिया। चेज़ कमरे के दूसरी तरफ से मुझे देख रहा था, वहीं खड़ा था जहाँ मैंने उसे छोड़ा था। "हम उसे ढूंढने नहीं जा सकते," उसने लीला की ओर इशारा करते हुए कहा। मैंने झुंझलाहट में अपना सिर हिलाया। "किसने कहा था कि मैं उसे ढूंढने जा रहा हूँ?"
चेज़ ने मेरी ओर प्रश्नवाचक भाव से अपनी भौंहें उठाईं, लेकिन कुछ नहीं कहा।
“ठीक है, ठीक है।” मैंने हार मानते हुए हाथ ऊपर उठा लिए। “तो यह विचार मेरे मन में आया था, लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा कि कहाँ से शुरू करूँ।”
चेज़ ने लंबी सांस ली। "उसे आखिरी बार कहाँ देखा गया था?"
मैंने मुस्कुराते हुए कहा, "तो आप मदद करेंगे?"
उसने मुंह बनाया, फिर धीरे से सिर हिलाया। "बस मुझे इसका पछतावा मत होने देना।"
मेरी मुस्कान और चौड़ी हो गई। “हमें लूसी और मैक्स का इंतजार करना होगा। उन्हें पता होगा कि वह कहाँ थी।”
चेज़ ने सिर हिलाया। "हम सब साथ चलेंगे। मुझे शक है कि हमें कोई सुराग मिलेगा, लेकिन कम से कम मैक्स और लूसी को शायद कोई गंध मिल जाए।"
मैंने सिर हिलाया, कम से कम एक योजना का हल्का-फुल्का रूप देखकर मुझे राहत महसूस हुई। "अच्छा है।" फिर मेरे पेट से एक ज़ोरदार गड़गड़ाहट की आवाज़ आई और मैंने पूछा, "क्या तुम्हें भूख लगी है?"
चेज़ ने आखिरकार मुस्कुराया, हालांकि उसकी मुस्कान थोड़ी कमजोर थी। "भूखा था।"
मैं रसोई में कुछ ढूंढने गई। जब मैं फ्रिज में रखी कुछ चीज़ों को टटोल रही थी, तभी चेज़ भी रसोई में आ गया। मैंने चाइनीज़ खाने का एक गत्ते का डिब्बा निकाला और उसे खोलकर उसकी खुशबू ली। संतुष्ट होकर मैंने डिब्बा चेज़ को दे दिया और बाकी डिब्बे निकालने लगी। हमने उन सबको माइक्रोवेव में गरमा-गरम किया। फिर कांटे लेकर हम खाने की मेज पर चले गए।

हम बैठ गए, और चेज़ के खुद लेने से पहले ही मैंने मंगोलियन बीफ़ का डिब्बा छीन लिया। उसने भौंहें चढ़ाईं, फिर मीठा-खट्टा चिकन उठाया। मैंने खाने का पहला निवाला लिया और उसे देखकर मुस्कुरा दी।
“तो,” मैंने मुंह में ब्रोकली भरे हुए ही कहना शुरू किया, “क्या हमें इस बात का कोई अंदाजा है कि किस तरह के जीव इन अपहरणों के पीछे हैं?”
चेज़ ने अपना सिर हिलाया, खाने से नज़रें नहीं हटाईं। "ज़ाहिर है कोई बहुत शक्तिशाली व्यक्ति या चीज़ होगी, क्योंकि वे चुड़ैलों और वेयरवुल्फ का अपहरण करने में सक्षम थे।"
मैंने आगे कहा, "और जलमानव भी।"
“हाँ, लेकिन जलपरी आम इंसानों से ज़्यादा ताकतवर नहीं होतीं। वे बस ज़्यादा तेज़ी से तैरती हैं।”
मैंने सिर हिलाया। "हर दिन कुछ नया सीखो।"
दरवाजे पर दस्तक हुई। चेज़ ने चिकन का डिब्बा नीचे रखा और दरवाजा खोलने के लिए उठा। मैंने दरवाजा खुलने की आवाज़ सुनी, फिर लूसी और मैक्स के अंदर आने की आवाज़ आई।
लूसी सबसे पहले डाइनिंग रूम में दाखिल हुई, नीले चेकदार फलालैन शर्ट और जींस में वह बिखरी हुई लग रही थी, उसके नाज़ुक चेहरे के चारों ओर उसके बाल उलझे हुए थे। उसने मेरे सामने वाली कुर्सी पर बैठ गई जिस पर चेज़ बैठा था और मानो थकी हुई सी बैठी हो। उसने चाइनीज़ खाने के डिब्बों को संदेह भरी नज़रों से देखा, फिर मेरी उठी हुई भौंहों को देखकर मुझे सारी बातें बताने लगी। “हम सबको मैक्स के घर पर मिलना था,” उसने शुरू किया। “हमें पता था कि लीला का आज सुबह जॉब इंटरव्यू है, इसलिए जब वह देर से आई तो हमने पहले तो चिंता नहीं की। लेकिन फिर एक घंटा बीत गया, और हमें उससे कोई खबर नहीं मिली। मैंने उसके मोबाइल पर कॉल किया तो एक अजनबी ने जवाब दिया। उसने कहा कि उसे अभी-अभी उसका फोन फुटपाथ के बीच में पड़ा मिला है।”
चेज़ ने लूसी के बगल वाली कुर्सी खींच ली, जबकि मैक्स मेरे बाईं ओर वाली सीट पर बैठ गया। मैक्स ने चमकीले पीले रंग का स्वेटर और अपनी हमेशा वाली खाकी कार्गो पैंट पहन रखी थी।
चेज़ ने लूसी की ओर मुड़कर पूछा, "क्या उसने बताया कि जब उसे यह मिला तो वह कहाँ था?"

लूसी ने सिर हिलाया। “फोन ब्लू मून कॉफी शॉप के बाहर था। उसने हमें बताया था कि वह इसे कैशियर के पास अंदर छोड़ देगा। ब्लू मून उस बैंक के ठीक सामने है जहाँ लीला का इंटरव्यू होना था।”
मैंने अपना अधूरा मंगोलियाई बीफ़ एक तरफ धकेल दिया। "ठीक है, मुझे लगता है कि हम यहीं से शुरुआत करेंगे।"
“उस दूसरे आदमी का क्या हुआ?” चेज़ ने पूछा। “वही जो पिज्जा लेने में देर से आया था।”
“निक?” लूसी ने जवाब दिया। “हमने उसे कल से नहीं देखा है। हमें यह भी नहीं पता कि उससे संपर्क कैसे करें।”
मैंने आह भरी। "बहुत बढ़िया, बस बहुत बढ़िया।"
हम सब मेज पर बचा हुआ चाइनीज खाना वहीं छोड़कर जाने के लिए खड़े हो गए। जैसे ही हम दरवाजे से बाहर निकले, मैंने अपना कपड़े का पर्स और चमकदार गहरे भूरे रंग की चमड़े की जैकेट उठा ली। चेज़ ने हमारे पीछे दरवाजा बंद कर दिया, फिर अपनी जेब में ट्रक की चाबियां ढूंढीं और मुझे फेंक दीं। मैंने उन्हें एक हाथ से पकड़ लिया, फिर उसके हाथ में चाइनीज खाने का डिब्बा देखा। यह मेरा फेंका हुआ मंगोलियन बीफ़ था।
मेरी नज़र पड़ते ही उसने अपनी पिछली जेब से एक कांटा निकाला। उसने गोमांस और ब्रोकली का एक टुकड़ा अपने मुंह में डाला और चेहरे पर संतुष्टि भरी मुस्कान लिए धीरे-धीरे चबाने लगा। हमारी दयनीय स्थिति के बावजूद मैं हंस पड़ी। मैं खुद को रोक नहीं पाई।
हम सभी उस पुरानी ट्रक में सवार हो गए, लूसी चेज़ और मेरे बीच सामने वाली सीट के मध्य में ठसाठस बैठ गई, जबकि मैक्स उन बेकार सी छोटी फोल्ड-डाउन सीटों में से एक में घुस गया जो कुछ पिक-अप ट्रकों में सामने वाली सीट के पीछे होती हैं।
"यह ट्रक किसका है?" जैसे ही हम ड्राइववे से निकलकर सड़क पर आए, लूसी ने पूछा।
मैंने जवाब दिया, "चेज़ का।"
चेज़ ने अपना गला साफ़ किया। "तकनीकी रूप से, यह ज़ोई के पापा का ट्रक है। उन्होंने इसे खरीदा था।"
मैं लगभग सड़क से उतरते-उतरते उसकी ओर मुड़ा। "तो जब तुम गए थे, तो तुमने मेरे पिताजी से ट्रक खरीदवाया था?"

चेज़ ने शर्मिंदगी का भाव दिखाते हुए कहा, "नहीं। मैंने इसे खरीदा है, लेकिन मैंने इसे उस खर्च खाते से खरीदा है जो तुम्हारे पिताजी ने मुझे तुम्हारी देखभाल करते समय दिया था।"
मैंने कोई बहस नहीं की। पिताजी से इतनी मदद लेनी पड़ रही थी, यह बात मुझे बहुत खटक रही थी, लेकिन मैंने मुंह नहीं बनाया। जब ज़िंदगी में मुश्किलें आ जाएं... तो आप समझ ही गए होंगे।
चेज़ अभी भी मेरी प्रतिक्रिया का इंतज़ार कर रहा था। मैंने अपने चेहरे पर एक प्यारी सी मुस्कान ला दी। "अच्छा, अब जब मुझे यह पता चल गया है, तो मुझे यह भी पता है कि अब से चीज़ों का भुगतान कौन करेगा।"
चेज़ ने शरारती मुस्कान के साथ जवाब दिया और अपनी जेब से बटुआ निकालकर उसमें से एक नीला क्रेडिट कार्ड निकालकर दिखाया। "आपका सौदा पक्का हो गया।"
जैसे ही मैं हाईवे पर निकली, मैंने रियरव्यू मिरर में मैक्स पर एक नज़र डाली। उसके चेहरे पर हैरानी के भाव साफ दिख रहे थे। लूसी का चेहरा ऐसा लग रहा था जैसे उसने कुछ खट्टा खा लिया हो। मुझे एहसास हुआ कि एक ही दिन में चेज़ और मेरे बीच बहुत कुछ बदल गया था। एक ऐसा साथी पाकर अच्छा लग रहा था जो मुझसे कुछ नहीं मांगता था, बस इतना चाहता था कि वह मेरे साथ रहे। मेरे विचार जेसन की ओर चले गए, मैं सोचने लगी कि वह कहाँ है और क्या कर रहा है। मुझे उसे फोन करके कुछ जवाब पता करने ही होंगे।
हम उस निकास द्वार के पास पहुँच रहे थे जो हमें शेल्बी के पैदल यात्री क्षेत्र की ओर ले जाता। उस क्षेत्र में मौजूद कुछ सड़कों पर कॉफी शॉप, किताबों की दुकानें, बार, रेस्तरां और कुछ चुनिंदा अनोखी चीज़ों की दुकानें थीं। वहाँ एक बड़ा पार्किंग स्थल था, और बाकी कुछ जगहों पर समानांतर पार्किंग की व्यवस्था थी, इसलिए ज़्यादातर लोग पार्किंग स्थल में गाड़ी खड़ी करके अपनी मंज़िल तक पैदल जाते थे।
मैंने एग्जिट लिया और फिर पार्किंग तक पहुँचने में बस एक मिनट का ही समय लगा। मैंने कई मोटरसाइकिलों के बगल में जो पहली खाली जगह मिली, वहीं गाड़ी खड़ी कर दी। हम सब ट्रक से उतरे और ब्लू मून कैफे तक तीन गली के ब्लॉक पैदल चलने लगे। हालाँकि शाम के लगभग 5:00 ही बजे थे, लेकिन ओरेगन में दिसंबर का महीना था, इसलिए सूरज धीरे-धीरे पहाड़ों के पीछे डूब रहा था। ज़्यादा लोग

बाहर नहीं थे। कॉफी शॉप में बैठे ज़्यादातर लोग घर जा चुके थे, और बार और रेस्टोरेंट में बैठे लोग अभी तक निकले नहीं थे।
पहले हम उस बैंक गए जहाँ लीला का इंटरव्यू होना था, लेकिन वह बंद हो चुका था, इसलिए हम सड़क के उस पार एक कॉफी शॉप में गए जो रात 9 बजे तक खुली रहती थी। ब्लू मून शेल्बी की कुछ बेहतरीन कॉफी शॉप्स में से एक है, लेकिन वे 1.50 डॉलर की साधारण कॉफी के किसी भी अनुरोध को ठुकरा देते हैं, इसलिए मैं वहाँ लगभग कभी नहीं जाता।
जैसे ही हम कांच के दोहरे दरवाजों से अंदर दाखिल हुए, गर्मजोशी भरे माहौल और वेनिला व कॉफी की खुशबू ने मुझे तुरंत सुकून दिया। ऊपरी दीवारें और छत गहरे नीले रंग में रंगी हुई थीं, जिन पर जगह-जगह फाइबर-ऑप्टिक लाइट की छोटी-छोटी किरणें बिखरी हुई थीं, और निचली दीवारें दूधिया सफेद रंग की थीं। ब्लू मून की कीमत थोड़ी ज़्यादा हो सकती है, लेकिन सजावट के मामले में तो उनकी तारीफ करनी ही पड़ेगी।
मैं एक कप कॉफ़ी ऑर्डर करने और कुछ सवाल पूछने के लिए गहरे नीले रंग के काउंटरटॉप तक गई। लूसी और मैक्स खिड़की के पास एक मेज पर बैठे थे, जबकि चेज़ काउंटर पर मेरे बगल में आकर खड़ा हो गया। घने घुंघराले लाल बालों, गोरी, झाइयों वाली त्वचा और हल्के हरे रंग की आँखों वाली एक लंबी युवती रजिस्टर की ओर बढ़ी। उसने एक काली पोलो शर्ट और चाँद-तारों वाले काले एप्रन पहन रखे थे, जो ब्लू मून के कर्मचारियों के लिए मानक पोशाक थी। उसके नेमटैग पर "मेगन" लिखा था। मैंने उसे वहाँ पहले काम करते हुए नहीं देखा था, हालाँकि जैसा कि मैंने कहा, मैं वहाँ अक्सर नहीं जाती थी।
उसने मेरी तरफ कुछ ज्यादा ही प्यारी मुस्कान के साथ देखा, जिससे उसके एकदम सीधे सफेद दांत दिखाई दिए। "मैं आपके लिए क्या कर सकती हूँ?" उसने बहुत ही चंचल स्वर में पूछा।
मुझे याद नहीं आ रहा था कि चेज़ ने मॉल से हमारे लिए क्या खरीदा था, इसलिए मैंने उससे ऑर्डर देने के लिए कहा। चेज़ ने अजीब सी हैरानी से मेरी तरफ देखा, मानो वह मुझे कुछ बताने की कोशिश कर रहा हो। फिर वह उस महिला की तरफ मुड़ा और उसे एक प्यारी सी मुस्कान दी। "चार टॉल ब्रेव्स (एक तरह का बड़ा गिलास) दीजिए।"
“बस इतना ही?” महिला ने मधुर स्वर में पूछा।

“हाँ, ऐसा ही होगा,” मैंने जवाब दिया। “वैसे, क्या आप यहाँ नए हैं? मैंने आपको पहले कभी नहीं देखा।”
महिला की मुस्कान थोड़ी फीकी पड़ गई। "हां, हां मैं हूं।"
मैं लीला के मोबाइल फोन के बारे में पूछने ही वाली थी कि चेज़ ने मुझे चेतावनी देते हुए मेरे पैर पर लात मार दी। मैंने उसे गुस्से से देखा, लेकिन उससे बहस नहीं की क्योंकि उसने महिला को हमारी कॉफ़ी का बिल चुकाने के लिए अपना कार्ड दे दिया। मैंने उसे रसीद पर हस्ताक्षर करने के लिए काउंटर पर ही छोड़ दिया और मैक्स और लूसी के साथ टेबल पर बैठ गई।
जब तक महिला ने हमारी कॉफ़ी बनाई, चेज़ काउंटर पर इंतज़ार करता रहा, फिर दो बार टेक-अवे कप लेकर हमारी टेबल पर आया और मेरे बगल में बैठ गया। दूसरी बार कॉफ़ी टेबल पर रखने के बाद, वह मेरी ओर झुका और अजीब तरह से अंतरंग भाव से अपने होंठ मेरे कान के पास ले आया। मैं पीछे हटने लगी, लेकिन फिर समझ गई कि वह मुझे कुछ बताने की कोशिश कर रहा है।
“वह इंसान नहीं है,” उसने धीमी आवाज़ में कहा।
मैं पीछे हट गई और खिलखिलाकर हंस पड़ी, मानो उसने कोई बेहद मजेदार बात कह दी हो। अगर वह भेड़िया होती, तो हमारी सामान्य बातचीत भी सुन लेती। मैंने शरारती अंदाज़ में उसके कान के पास झुककर फुसफुसाया, "वह क्या है?"
उसने अपना हाथ मेरे कंधे पर रखा और मेरा कान फिर से अपने पास खींच लिया। "मुझे नहीं पता," उसने फुसफुसाते हुए कहा। "मैक्स या लूसी शायद बता सकें अगर उन्होंने पहले कभी इस गंध का अनुभव किया हो।"
मैक्स और लूसी हमें अनदेखा करने का नाटक कर रहे थे, लेकिन पास होने और भेड़िया जैसी सुनने की शक्ति के कारण उन्होंने शायद हर शब्द सुन लिया था, यहाँ तक कि फुसफुसाहट भी। मैक्स ने जब उठकर कैशियर के पास गया तो मेरी शंका की पुष्टि हो गई। कुछ ही सेकंड में वह दालचीनी से भरा एक छोटा सा डिब्बा लेकर वापस आया। मैक्स ने कंधे उचकाते हुए कहा, "उसे वह खुशबू पहचान में नहीं आई थी, जिसका मतलब था कि वह भेड़िया, पिशाच या दानव नहीं थी।"
लूसी की नज़र मुझ पर पड़ी, फिर उसने काउंटर की तरफ देखा। वह महिला हमारी बातचीत के दौरान हमें देख रही थी। जैसे ही मैंने उसकी तरफ देखा, वह झट से मुड़कर एस्प्रेसो मशीन पर काम करने लगी। मैंने अपने साथियों की तरफ देखा, जिन्होंने सिर हिलाकर सहमति जताई। हम अपनी कॉफ़ी लेकर खड़े हुए और कॉफ़ी

शॉप से बाहर निकल गए। जैसे ही दरवाज़े हमारे पीछे बंद हुए, मैंने अंदर एक आखिरी नज़र डाली। वह महिला मोबाइल फ़ोन पर कुछ टाइप कर रही थी।
आसमान लगभग पूरी तरह से अंधेरा हो चुका था। चाँद नहीं था, जिससे स्ट्रीटलाइटों के ऊपर का अंधेरा और भी भयावह लग रहा था। मैं अपनी जैकेट में सिमट गया, अचानक मुझे ठंड इतनी ज़्यादा लगने लगी जितनी मौसम के कारण भी नहीं लग रही थी। चेज़ ने हम सबको आगे बढ़ने के लिए कहा।
“हमें जाना होगा,” उसने धीमी आवाज़ में कहा।
मुझे महसूस हुआ कि कोई मुझे घूर रहा है। मैंने सड़क के उस पार देखा तो एक हल्के रंग का आदमी, जिसके बाल छोटे-छोटे कटे हुए थे, गहरे रंग का सूट पहने खड़ा था। वह पास की स्ट्रीटलाइट की पहुँच से लगभग दूर एक कोने में खड़ा होकर हमें देख रहा था। मैं सिहर उठी।
"मुझे दोबारा बताने की जरूरत नहीं है," मैंने बुदबुदाते हुए कहा जब हम पार्किंग स्थल की ओर एक गली के कोने से मुड़े।
मोड़ मुड़ते ही मैं एकदम से रुक गया, ठीक उसी समय जब हम अपने पड़ोसी ब्रायन के सामने आ गए। मैंने जल्दी से अपना खुला मुंह बंद किया और संभला। फिर मैं बिना उसे देखे ही उसके बगल से निकल गया।
"सच में ज़ोई?" उसने हमारे पीछे से आवाज़ लगाई।
मैंने रुककर उसकी ओर मुड़कर कहा, "माफ़ कीजिएगा, मुझे नहीं पता था कि आपसे बात करना अजीब लगेगा।" मैंने अपने हाथ उठाकर आसपास की सड़कों की ओर इशारा किया। "और ज़ाहिर है, हम बंद दरवाजों के पीछे नहीं हैं।"
ब्रायन के हैरान चेहरे को देखकर मुझे बहुत संतुष्टि मिली, मैं पीछे मुड़ी और हम ऐसे चलने लगे जैसे कुछ हुआ ही न हो। खैर, मैंने ऐसा दिखाया जैसे कुछ हुआ ही न हो। लूसी और मैक्स के चेहरे पर बड़ी मुस्कान थी। काश मैं भी मुस्कुरा पाती, लेकिन तभी मेरी नज़र सड़क के उस पार एक छोटे बालों वाले आदमी पर पड़ी।
हम बाकी का रास्ता बिना किसी के रोके ट्रक तक पैदल चले। मैंने चेज़ को चाबियाँ सौंप दीं, क्योंकि मैं गाड़ी चलाने के लिए बहुत घबराया हुआ था। हम सब ट्रक में बैठ गए और जैसे ही ट्रक स्टार्ट हुआ और हम पार्किंग से निकले, हमने राहत की साँस ली। लूसी ने आगे की सीट के बीच में बैठने के बजाय पीछे की दूसरी सीट पर बैठना बेहतर समझा।
"क्या आपको कोई दिखाई दे रहा है?" चेज़ ने पूछा।

जैसे ही हम उस सड़क पर मुड़े जो हमें वापस राजमार्ग की ओर ले जाने वाली थी, हम सबने खिड़कियों से बाहर देखा। बार में आने वाले लोग धीरे-धीरे उमड़ने लगे थे, लेकिन किसी ने भी हमारी तरफ ध्यान नहीं दिया।
मैंने जवाब दिया, "मुझे नहीं पता। क्या आपने सड़क के कोने पर खड़े उस आदमी को देखा? मुझे लगता है कि वह हमारे पीछे-पीछे गली में आया था।"
चेज़ ने सिर हिलाया। लूसी और मैक्स चुप रहे। जैसे ही हम हाईवे पर पहुंचे, मेरे कंधे हल्के हो गए।
आगे की सीट पर बैठे हम लोगों के बीच मैक्स ने अपना सिर ऊपर उठाया। "मुझे यह गंध पहचान में नहीं आई। उससे ओजोन और खून जैसी गंध आ रही थी।"
“खून?” लूसी ने घबराकर पूछा।
“हां,” मैक्स ने आगे कहा, “और कुछ और भी था जिसे मैं ठीक से बता नहीं पा रहा था, दालचीनी जैसा कुछ।”
मैंने पूछा, "अब हम क्या करें?"
चेज़ ने मेरी तरफ एक सरसरी नज़र डाली। "हमें तुम्हारे पिताजी को फोन करना चाहिए, कम से कम उन्हें बता दें कि हमें क्या मिला है।"
मैंने मन ही मन सिर हिलाया। "ठीक है, हम उसे बता देंगे। लेकिन उसके बाद हम क्या करेंगे?"
हम अपने मोहल्ले के निकास द्वार के पास पहुँच रहे थे। चेज़ चुप था। उसने एक नज़र रियरव्यू मिरर में डाली और फिर तेज़ी से निकास द्वार से आगे निकल गया।
“उम्म…” मैंने कहना शुरू किया।
चेज़ ने अपनी रफ्तार बढ़ा दी। "कोई हमारा पीछा कर रहा है।"
मैंने पीछे की विंडशील्ड से बाहर देखने के लिए मुड़ा, लूसी और मैक्स ने भी ऐसा ही किया। हम हाईवे पर थे, और हालांकि शेल्बी का हाईवे अपेक्षाकृत छोटा है, फिर भी हमारे पीछे वाली लेन में कई कारें थीं। "कौन सी?" मैंने पूछा। चेज़ ने शीशे में देखा। "गहरे नीले रंग की मिनीवैन।"
मैंने चेज़ की ओर मुड़कर कहा, "सच में? एक मिनीवैन हमारा पीछा कर रही है?" चेज़ ने सिर हिलाया, फिर उस निकास से बाहर निकला जो हमें सुनसान औद्योगिक क्षेत्र की ओर ले जाता था। मुझे औद्योगिक क्षेत्र से नफ़रत थी। यह वही जगह थी जहाँ लूसी पहली बार वेयरवोल्फ बनी थी। मुझे इससे लगभग उतनी ही नफ़रत थी जितनी कब्रिस्तान से... लगभग। मिनीवैन हमारे ठीक पीछे निकल गई।

हम औद्योगिक क्षेत्र की दो लेन वाली सड़क पर पहुँचे और खस्ताहाल सड़क पर तेज़ी से आगे बढ़ने लगे। मुझे एक पल के लिए आश्चर्य हुआ कि चेज़ ने सभी निकासों में से यातायात-विहीन औद्योगिक क्षेत्र को ही क्यों चुना, तभी ट्रक ने तेज़ी से यू-टर्न लिया और टायर ज़ोरदार आवाज़ के साथ रुक गए। कुछ ही सेकंड बाद मिनीवैन तेज़ी से हमारे बगल से गुज़र गई। वे इतनी तेज़ी से जा रहे थे कि अगर हमने उनके सामने ब्रेक लगा दिया होता तो वे हमें टक्कर मार देते। मिनीवैन के मुड़ने के लिए गति धीमी करने से पहले ही, चेज़ तेज़ी से वापस सड़क पर आया और गलत दिशा में एग्जिट रैंप पर चढ़ गया।
“तुम क्या कर रहे हो!” मैं चीख पड़ी और घबराकर अपनी सीट के किनारों को पकड़ लिया।
चेज़ ने मेरी बात अनसुनी कर दी, उसका पूरा ध्यान सड़क पर था। जैसे ही हम हाईवे और सामने से आ रहे वाहनों के पास पहुँचे, उसने और भी तेज़ रफ़्तार पकड़ ली। मैंने मन ही मन खुद को कोसा। हम मरने वाले थे। मिनीवैन ने फिर से हमारी बराबरी कर ली थी और हमारे ठीक पीछे चल रही थी।
चेज़ ने ट्रक को हाईवे पर तेज़ी से निकाला, ठीक एक लाल स्पोर्ट्स कार के सामने, जिसका ड्राइवर तब तक हॉर्न बजाता रहा जब तक हम हाईवे के उस तरफ से हट नहीं गए। चेज़ ने ट्रक को धीरे से ट्रैफिक में शामिल किया और उसी रास्ते पर वापस चल पड़ा जिससे हम अभी आए थे।
मैंने धीरे से अपनी उंगलियां सीट कुशन से हटाईं और मैक्स और लूसी की ओर मुड़कर देखा। उनके चेहरे का रंग उड़ गया था और दोनों के चेहरे पर एक जैसी, भयभीत करने वाली भाव-भंगिमाएं थीं। मैंने अपना ध्यान वापस चेज़ की ओर मोड़ा, जो तनाव भरी निगाहों से पीछे देखने वाले शीशे में देख रहा था। मैंने पूछा, "क्या तुम पूरी तरह से पागल हो?"
उसने तुरंत जवाब नहीं दिया। मैंने पीछे मुड़कर जल्दी से देखा। मिनीवैन कहीं नज़र नहीं आ रही थी। चेज़ ने संतुष्टि से सिर हिलाया। "मुझे लगता है हमने उन्हें चकमा दे दिया है।"
मैंने अविश्वास से नाक सिकोड़ी। "हाँ, और हम बाल-बाल अपनी जान भी गंवा बैठे थे।"
चेज़ ने मेरी टिप्पणी को अनसुना कर दिया। "मेरा अनुमान है कि हम कुख्यात अपहरणकर्ताओं से बाल-बाल बच गए।"
मैंने पूछा, "वे हमारा पीछा क्यों कर रहे थे?"

इरविन के पिज्जा की दुकान वाले शेल्बी के बड़े हिस्से की ओर जाने वाले रास्ते से निकलने से पहले चेज़ ने मेरी तरफ एक नज़र डाली। "खैर, उन्होंने चुड़ैलों, वेयरवुल्फ और जलमानवों का अपहरण किया है, इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि उन्हें अलौकिक शक्तियों की पहचान करने का तरीका पता है। वे उन्हें एक-एक करके मार रहे हैं। अब उन्होंने हम चारों को एक साथ पकड़ लिया है।"
“हम कहाँ जा रहे हैं?” लूसी ने बीच में कहा।
चेज़ ने बाएँ मुड़ा, फिर गति बढ़ाई और तुरंत दाएँ मुड़ गया। "ज़ोई के घर वापस जाने से पहले मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूँ कि कोई हमारा पीछा तो नहीं कर रहा है।"
“तो फिर हम क्या करें?” मैंने पूछा।
चेज़ ने फिर से बाएँ मुड़ा, जिससे हम राजमार्ग से और दूर चले गए। "हम तुम्हारे पिताजी को फोन करते हैं।"
“और?” मैंने जोर देकर पूछा।
चेज़ ने निराशा में अपने होंठ सिकोड़ लिए। "बस, बात यहीं खत्म होती है," उसने जवाब दिया। "मैंने तुम्हें पहले ही काफी खतरे में डाल दिया है। हमें यहां नहीं आना चाहिए था।"
मैंने जवाब दिया, "हमें आना ही पड़ा। लीला उनके पास है। कौन जाने वे उसके साथ क्या कर रहे हैं? हमें तो यह भी नहीं पता कि वह ज़िंदा है या नहीं।" मेरी रूह कांप उठी। लीला के मरने की प्रबल संभावना थी। मुझे अपने पिताजी की बात मान लेनी चाहिए थी। अपहरण की घटनाओं का पता चलते ही हमें साथ रहने की योजना बना लेनी चाहिए थी।
मैंने सुझाव दिया, "हमें वापस कॉफी शॉप चलना चाहिए। हम उस लड़की के जाने का इंतजार कर सकते हैं, फिर हम उसके पीछे जा सकते हैं।"
चेज़ ने आह भरी, फिर सीट से उठकर अपनी पैंट की जेब में हाथ डाला। उसने एक पतला सा काला मोबाइल फोन निकाला और मुझे थमा दिया। “अपने पापा को फोन करो। उनका नंबर कॉन्टैक्ट लिस्ट में है।”
मैंने फ़ोन खोलने से पहले एक मिनट तक उसे घूरा। लूसी और मैक्स पीछे की सीट पर बिल्कुल चुप थे। कॉन्टैक्ट लिस्ट में सबसे पहला नाम एलेक्सोंड्रे का था। मैंने बिना सोचे-समझे उसका नाम चुना और कॉल बटन दबा दिया।

उसने पहली घंटी बजते ही फोन उठा लिया। “तुम कहाँ हो? मैं तुम्हें ढूंढने की कोशिश कर रहा हूँ, लेकिन तुम अपनी जगह बदलते जा रहे हो।”
“क्या?” मैंने हैरानी से पूछा। “आपको कैसे पता चला कि हम घर बदल रहे हैं?” “एलेक्जेंड्रा?” उसने पूछा। फिर इससे पहले कि मैं जवाब दे पाती, वह बोला, “तुम्हें घर पर रहना था। तुम कहाँ हो?”
मैंने झल्लाकर कहा, "हम गाड़ी चला रहे हैं। हमने अपहरणकर्ताओं को ब्लू मून कॉफी शॉप में ढूंढ लिया है। हम उनका पीछा करने वापस जा रहे हैं।"
“बिल्कुल नहीं,” उसने झट से जवाब दिया। “चेज़ कहाँ है? मुझे उससे बात करने दो।”
मैंने फोन चेज़ की ओर बढ़ाया, जिसने मुझे घूरते हुए फोन ले लिया। हम कस्बे के आखिरी छोर पर पहुँच रहे थे और एक समृद्ध आवासीय क्षेत्र में प्रवेश कर रहे थे। सजे-धजे लॉन और सफेद बाड़ें वहाँ के माहौल से बिल्कुल मेल नहीं खा रही थीं।
“क्या तुम चाहते हो कि मैं उसे अकेले जाने देता?” चेज़ ने फ़ोन से बहस की। वह थोड़ी देर रुका, फिर खुद से सिर हिलाया। “हमारे साथ दो और भेड़िये हैं।” उसने एक मिनट और फ़ोन सुना, फिर मुझे वापस दे दिया।
मैंने फोन कान से लगाते हुए पूछा, "क्या?"
मेरे पिताजी ने मेरी बदतमीज़ी पर नाराज़गी जताते हुए कहा, "अब तुम सब अपने- अपने घर लौट जाओ। मैं कॉफी शॉप जा रहा हूँ।"
“तो हम आपसे वहीं मिलेंगे,” मैंने तर्क दिया।
“नहीं,” यही उनका एकमात्र जवाब था।
“हम मदद कर सकते हैं!” मैंने लगभग चिल्लाते हुए कहा।
“एलेक्जेंड्रा के बारे में सोचो,” उसने शांत भाव से जवाब दिया। “वे तुम्हें पहचानते हैं। उन्होंने मुझे अभी तक नहीं देखा है। मैं उनका पीछा कर पाऊंगा।”
मैंने झुंझलाहट भरी सांस ली। वह सही था, और यह बात मुझे बहुत बुरी लगी। "ठीक है," मैंने बड़बड़ाते हुए कहा। "और मुझे एलेक्जेंड्रा मत बुलाओ," मैंने आगे कहा, लेकिन तब तक उसने फोन काट दिया था।
चेज़ रिहायशी इलाके से होते हुए मॉल तक पहुंचा। मॉल की पार्किंग में घुसते ही मैंने हैरानी से उसकी तरफ देखा। मुझे मॉल तक पहुंचने के इस घुमावदार

रास्ते के बारे में पता ही नहीं था। मेरी इस हरकत को देखकर उसने कंधे उचका दिए। ज़ाहिर है, उसे भी इसके बारे में पता नहीं था।
“हम मॉल क्यों जा रहे हैं?” मैक्स ने अचानक पूछा, जिससे मैं चौंक गई। मैं भूल ही गई थी कि लूसी और वह वहीं पीछे थे।
“हम नहीं जा रहे,” चेज़ ने जवाब दिया। “हम ज़ोई के घर जाने के लिए पीछे वाले रास्ते से जाएंगे। मैं हाईवे पर देखे जाने का जोखिम नहीं लेना चाहता।”
हम सीधे मॉल की पार्किंग से होते हुए पीछे वाले निकास से बाहर निकल गए, जो उसी जंगल वाली सड़क की ओर जाता था जिससे हम पहले गए थे। एक सवाल मेरे मन में फिर से आया। "मेरे पिताजी हमें कैसे ढूंढने की योजना बना रहे थे? उन्हें कैसे पता चला कि हम घर बदल रहे हैं?"
चेज़ ने कंधे उचकाते हुए कहा, "यह शैतानी चीज़ है। हम एक-दूसरे को महसूस कर सकते हैं।"
“क्या तुम मुझे इस हालत में ढूंढ पाओगे?” मैंने पूछा।
“शायद,” उसने जवाब दिया। “जितना ज़्यादा समय से मैं तुम्हें जानता हूँ, तुम्हें महसूस करना उतना ही आसान होता जाता है, लेकिन केवल तब जब तुम जाग रहे होते हो। इसका संबंध मस्तिष्क तरंगों से है।”
यह तो वाकई डरावना था। मुझे यह विचार बिल्कुल पसंद नहीं आया कि मेरे पापा और चेज़ मुझे हर जगह ढूंढ लेंगे, हालांकि शायद मेरे पास कोई विकल्प नहीं था।
लूसी आगे झुककर अपनी ठुड्डी को सामने वाली सीट के पीछे टिकाते हुए बोली, "क्या आप हममें से किसी एक को ढूंढ सकते हैं? कोई ऐसा जो आधा दानव न हो?" मुझे पता था कि वह लीला के बारे में सोच रही थी। चेज़ ने माफी मांगते हुए सिर हिलाया। "नहीं।"
मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि हम कितनी शांति से बातें कर रहे थे। मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि मैं कितना शांत और निडर महसूस कर रहा था। मेरे कभी सामान्य दोस्त और मैं एक बिल्कुल नए जीवन में ढल चुके थे, एक ऐसा जीवन जहाँ अपहरण और तेज़ रफ़्तार पीछा करना कोई बड़ी बात नहीं थी। अरे हाँ, एलिसन भी ढल चुकी थी, और वह भी इंसान ही थी।
मैंने लूसी की ओर मुड़कर एक समझदारी भरी नज़र से देखा। हमें बस इलेक्ट्रा वुमन और डायना गर्ल कहो।

अध्याय दस
जब हम घर पहुँचे तब तक घना अंधेरा हो चुका था, और पिताजी का अभी तक फोन नहीं आया था। मैंने देखा कि जब हमने अपनी कार को ड्राइववे में पार्क किया तो मेरी माँ की कार अपनी सामान्य जगह पर वापस आ गई थी। क्रिसमस के संगीत की धुन पर चलते हुए हम अपने मंद रोशनी वाले घर में दाखिल हुए।
जब मुझे एहसास हुआ कि मंद रोशनी मोमबत्ती की थी, और हमारे रंग-बिरंगे ढंग से सजाए गए कृत्रिम पेड़ पर जगमगाहट थी, तो मैंने आह भरी। हवा में पके हुए पकवानों की खुशबू फैली हुई थी, और मैं समझ गई कि कुछ गड़बड़ है। मेरी माँ लगभग कभी बेकिंग नहीं करती थीं। उन्होंने आखिरी बार डैन वाली घटना के अगले दिन सुबह बेकिंग की थी। मेरा हाथ टूट गया था और मेरी माँ को वाशिंगटन की व्यावसायिक यात्रा से घर आकर मुझे अस्पताल से छुड़ाना पड़ा था।
मेरी माँ लाल और हरे रंग के एप्रन और मैचिंग पॉट होल्डर पहने रसोई से बाहर निकलीं, उनके हाथों में चॉकलेट चिप कुकीज़ से भरा एक पैन था। "कुकीज़?" उन्होंने मुस्कुराते हुए पूछा। अब जब उन्हें पता चल गया था कि हम क्या हैं, तो मेरे दोस्तों और मुझे इस तरह आमने-सामने देखकर उन्हें बहुत हैरानी हुई होगी। खैर, उन्हें यह तो नहीं पता था कि चेज़ क्या है, लेकिन मुझे यकीन है कि उन्हें कुछ शक ज़रूर था।
मैंने खुद को मुस्कुराने के लिए मजबूर किया। "उम, ज़रूर।"
मेरी माँ ने इसे पर्याप्त उत्तर मान लिया और रसोई में वापस जाने के लिए मुड़ गईं। लूसी और मैं उनके पीछे-पीछे अंदर चले गए जबकि चेज़ और मैक्स बैठक कक्ष में जाकर बैठ गए। मेरी माँ ने कुकीज़ का पैन चूल्हे पर रखा, फिर पीछे मुड़कर देखा तो लूसी और मुझे देखकर चौंक गईं।
मेरी माँ ने खाना पकाने के बर्तनों वाले सिलेंडर से एक चम्मच निकाला और बिस्कुटों को एक बड़ी लाल प्लेट पर रखने लगीं। उन्होंने पूछा, "क्या सबको दूध चाहिए? मैंने दालचीनी के रोल भी बनाए हैं। और हाँ, हम कॉफ़ी भी पी सकते हैं..."
“ठीक है माँ,” मैंने बीच में ही टोकते हुए कहा। “क्यों न आप लूसी और मुझे इसे संभालने दें? आप जाकर मैक्स और चेज़ से बात कर लें।”
उसने सिर हिलाया। "अच्छा, ठीक है।" उसने फिर से खुद को सिर हिलाकर सहमति दी और रसोई से बाहर निकल गई।

लूसी की निगाहें चिंता से भरी हुई उसका पीछा करती रहीं। लूसी ने अपनी बादामनुमा भूरी आँखों से मेरी ओर देखा। "तुम्हारी माँ बहुत अजीब व्यवहार कर रही है... और जेसन कहाँ है?"
“उसे सब कुछ पता है,” मैंने कहना शुरू किया। मैंने लूसी के खुले हुए जबड़े को नज़रअंदाज़ करते हुए आगे कहा, “और जेसन के पास नौकरी है। उसे शहर छोड़ना पड़ा।”
“रुको, क्या?” लूसी हकलाते हुए बोली। “तुमने उसे बता दिया? और जेसन कैसे जा सकता है? हमें उसकी यहाँ ज़रूरत है।” उसने नाटकीय अंदाज़ में ज़मीन की ओर उंगली उठाई।
मैंने बची हुई कुकीज़ प्लेट में डालनी शुरू कीं, लेकिन फिर रुककर पास के काउंटर पर जाकर कॉफी बनाने लगी। लूसी मेरे पीछे-पीछे आई, अभी भी स्पष्टीकरण का इंतज़ार कर रही थी। कॉफी ग्राइंडर में बीन्स डालते हुए मैंने उसे थकी हुई नज़र से देखा। “उसे जाना ही था। कौन जाने कब दूसरी नौकरी मिलेगी? उसे जो मिल रहा है, वही लेना पड़ेगा।”
लूसी ने कमर पर हाथ रखा और संदेह भरी नजरों से मेरी ओर देखा। "ऐसा नहीं लगता कि तुम सच में ऐसा मानते हो।"
मैंने अपना सिर हिलाया। "मुझे इस पर विश्वास है। मुझे पता है कि उसे जाना ही था, लेकिन इससे मुझे कोई बेहतर महसूस नहीं होता।"
“क्या आपने उसे फोन करके बताया है कि क्या हो रहा है?” उसने पूछा।
मैंने अपना सिर हिलाया।
“ज़ोए!” वह चीखी। वह सिहर उठी और अपनी आवाज़ धीमी कर ली। “तुम्हें उसे फ़ोन करना होगा। जब उसे पता चलेगा कि तुम खतरे में थी और तुमने उसे नहीं बताया, तो वह बहुत गुस्सा होगा।”
मैंने बर्तन में पानी भरते हुए और स्टार्ट बटन दबाते हुए कहा, "मुझे पता है। लेकिन मैं अपना ख्याल खुद रख सकती हूँ।"
"और आपको उसे थोड़ा गुस्सा दिलाने में कोई आपत्ति नहीं होगी?" लूसी ने आगे कहा।
मैंने एक पल सोचा। मुझे बहुत गुस्सा आ रहा था कि मेरे पिताजी के आते ही वो चला गया। मुझे मानना पड़ेगा, जेसन को गुस्सा दिलाने का ख्याल मुझे काफी अच्छा लग रहा था। मैं एक कर्कश हंसी हंसी जो हंसी जैसी बिल्कुल नहीं लग रही थी। "हाँ, वो भी।"

लूसी ने झुंझलाहट में अपना सिर हिलाया, लेकिन बात वहीं खत्म कर दी। "तुमने अपनी माँ को ठीक-ठीक क्या बताया?"
मैं वापस कुकीज़ खाने लगी, और लूसी एक बार फिर मेरे पीछे आ गई। "लगभग सब कुछ," मैंने जवाब दिया। "सिवाय डैन के साथ जो हुआ उसके।"
लूसी ने मुझे एक तरफ कर दिया ताकि वह ओवन खोलकर मेरी माँ के ओवन मिट्स में से एक की मदद से सिनेमन रोल्स निकाल सके। उसने उन्हें खाली कुकी पैन पर रख दिया। मैंने अलमारियों में तब तक खोजा जब तक मुझे उन्हें रखने के लिए एक बड़ी प्लास्टिक की प्लेट नहीं मिल गई। जैसे ही लूसी ने सिनेमन रोल्स को पैन से उठाया, मैंने सबके लिए कॉफी या दूध के मग निकाल लिए।
मग लेकर लिविंग रूम में जाने से पहले ही लूसी ने मुझे रोक लिया। उसने फुसफुसाते हुए पूछा, "क्या इसीलिए वो बेकिंग कर रही है?"
मैंने सिर हिलाया। "जब वह किसी समस्या से निपटने की कोशिश कर रही होती है, तो उसे व्यस्त रहना अच्छा लगता है।"
मैंने कागज़ की प्लेटों का एक ढेर उठाया और उसे बगल में दबा लिया, फिर मग लेकर लिविंग रूम में गई और सबको दे दिए, आखिरी दो मग लूसी और मेरे लिए कॉफी टेबल पर रख दिए। चेज़ और मैक्स बड़े नीले सोफे पर बैठे थे, असहज लग रहे थे क्योंकि मेरी माँ छोटे हरे सोफे पर बैठकर उनसे बातें कर रही थीं। थोड़ी देर बाद लूसी रसोई से कुकीज़ की ट्रे और दूध का जग लेकर निकली। मैंने माँ को प्लेटें दीं, फिर ट्रे लूसी के लिए कॉफी टेबल पर रख दी। मैं दालचीनी रोल और कॉफी लेने के लिए अकेले रसोई में वापस चली गई।
मैं लिविंग रूम में वापस गई और सिनेमन रोल्स को कुकीज़ के बगल में कॉफी टेबल पर रख दिया, लेकिन कॉफी पॉट को हमारी इकलौती साइड टेबल पर ही छोड़ना पड़ा। सबने अपने मग में दूध भर लिया था, और कॉफी का पूरा पॉट मेरे लिए खाली हो गया था। मैंने पहले ही थोड़ी ज़्यादा कॉफी पी ली थी, लेकिन चलो कोई बात नहीं, इससे मुझे थोड़ी राहत मिली। कुछ लोग बेकिंग करते हैं, कुछ लोग कॉफी पीते हैं।
लूसी मेरी माँ के बगल वाली सीट पर बैठ गई थी, इसलिए मैं सोफे पर मैक्स के बगल में बैठ गया। मेरी माँ ने हम सभी को देखकर मुस्कुराया, उनके चेहरे पर हमेशा की तरह वही स्नेह झलक रहा था। "एलिसन कहाँ है?" उन्होंने पूछा। मैंने लूसी की ओर मुड़कर पूछा, "एलिसन कहाँ है?"

मेरी माँ ने उसे जो प्लेट दी थी, उसमें दालचीनी का रोल रखने के लिए लूसी ने अपना सिर थोड़ा टेढ़ा किया और बोली, "जानती हो क्या? मुझे उससे पूरे दिन कोई खबर नहीं मिली।"
“मैं उसे फोन करता हूँ,” मैक्स ने हमारी चिंता को भांपते हुए कहा। वैसे भी, वह एलिसन को फोन करने के लिए हमेशा तैयार रहता था। मुझे उसके मन में उसके लिए आकर्षण महसूस हुआ, लेकिन उसने कभी खुलकर यह बात नहीं मानी। वह फोन लेने के लिए उठा और मैं अपनी प्लेट में कई कुकीज़ और एक दालचीनी रोल रखने में व्यस्त हो गई। मैक्स फोन लेकर रसोई में चला गया।
मेरी माँ ने अपना ध्यान लूसी की ओर मोड़ा। "तो तुम एक वेयरवोल्फ हो?"
लूसी दालचीनी रोल का एक टुकड़ा खाते हुए अटक गई, फिर उसने उसे निगलने के लिए दूध का एक बड़ा घूंट पिया। उसने अपनी प्लेट गोद में रखी और घबराकर अपने सीधे काले बालों की एक लट को कान के पीछे किया। "उम... हाँ, हाँ मैं हूँ।" मेरी माँ ने घबराहट से लगभग पागलों जैसी शक्ल बनाते हुए फिर से मुस्कुराया। "और मैक्स भी?"
मैक्स फोन लेकर कमरे में वापस आया और बेसुध होकर मेरी माँ को जवाब दिया। "हाँ, मैं भी।" उसने मेरी तरफ देखा। "एलिसन लीला के साथ उसके जॉब इंटरव्यू के लिए गई है।"
मेरी माँ मेरी ओर मुड़ी। “लीला? क्या यह वही महिला है जो पहले यहाँ आई थी?” मैंने सिर हिलाकर जवाब दिया और उठने लगी। मेरी माँ ने भी मेरी नकल की, लेकिन तभी चेज़ बीच में आ गया और उनसे उनके काम के बारे में पूछने लगा, जिससे उन्हें शिष्टाचारवश बैठक में ही रुकना पड़ा। मैंने मैक्स को पकड़ा और उसे खींचकर वापस रसोई में ले गई।
“क्या वो घर नहीं लौटी?” मैंने धीमी, कर्कश आवाज़ में पूछा। मेरा दिल एड्रेनालाईन से तेज़ी से धड़क रहा था। मुझे पहले से ही जवाब पता था। मैक्स ने सिर हिलाया। “नहीं। उसके माता-पिता अभी चिंतित नहीं हैं। उन्हें लगता है कि वह अभी भी लीला के साथ ही है। मैंने उन्हें कुछ और नहीं बताया, लेकिन मुझे लगता है कि अगर वह अगले कुछ घंटों में घर नहीं लौटी तो वे पुलिस को बुला लेंगे।”
मैंने अपने आंसू रोकने की कोशिश की। "अब हम क्या करेंगे?" मैंने धीमी आवाज़ में पूछा।

मैक्स की पीली हरी आँखों में भी अनसुने आँसू चमक रहे थे। ऐसा लग रहा था जैसे एलिसन मर चुकी हो। हे भगवान, ऐसा न हो कि वह मर गई हो।
“गठबंधन का क्या होगा?” मैक्स ने फुसफुसाते हुए पूछा।
"अगर वे समय पर यहां पहुंच भी जाएं, तो भी मुझे नहीं पता कि उनसे संपर्क कैसे किया जाए।"
“जेसन कहाँ है?” उसने पूछा, मानो उसे अभी-अभी एहसास हुआ हो कि इस स्थिति में क्या कमी है। मैं उसे दोष नहीं दे सकता था, क्योंकि हाल ही में हमें रुककर सोचने का ज़्यादा समय नहीं मिला था।
"वह किसी काम पर है," मैंने उदास स्वर में उत्तर दिया और मेरी आंखों से एक आंसू निकल आया।
“अंदर सब ठीक है ना?” मेरी माँ ने पुकारा।
“ठीक है माँ!” मैंने चिल्लाकर जवाब दिया।
मैंने सुना कि चेज़ ने मेरी माँ का ध्यान भटकाने के लिए अगला सवाल पूछते हुए अपनी आवाज़ तेज़ कर दी।
मैक्स ने मेरा ध्यान अपनी ओर खींचने के लिए मेरे चेहरे के सामने हाथ हिलाया। "उसे बुलाओ," उसने आदेश दिया।
मैंने तर्क दिया, "इससे कोई फायदा नहीं होगा।"
"उसे फोन करो," मैक्स ने फिर से स्वर में कहा, इस बार उसने पोर्टेबल फोन मेरे हाथ की हथेली पर थमा दिया।
एक कांपती हुई आह के साथ, मैंने मैक्स की तरफ पीठ फेर ली और वह सेलफोन नंबर डायल किया जो मुझे मुंह जुबानी याद था।
दूसरी घंटी बजते ही उसने फोन उठाया। "ज़ोई?"
“हां,” मैंने धीमी आवाज़ में कहा। “मैं ही हूँ।”
“क्या हुआ?” उसने पूछा। “कुछ तो गड़बड़ है। तुम्हारी आवाज़ से मुझे पता चल रहा है।”
मैंने जवाब दिया, "लेला और एलिसन दोनों लापता हैं। हमें पूरा यकीन है कि उनका अपहरण कर लिया गया है।"
“मैं घर आ रहा हूँ,” उसने गंभीरता से कहा, बिना रुके। “मैं न्यूयॉर्क में हूँ। वहाँ पहुँचने में मुझे एक-दो दिन लगेंगे।”
“कोई बात नहीं,” मैंने जवाब दिया, मेरी आँखों से लगातार आंसू बह रहे थे। “हमें बस एबेल का नंबर चाहिए।”

“क्या आपके पास पेन है?” उसने पूछा।
मैंने लिविंग रूम के कोने से झाँककर देखा और फ़ोन स्टैंड के बगल से एक पेन और कागज़ उठा लिया। मैंने सिर हिलाया, फिर यह महसूस करते हुए कि वह इसे देख नहीं सकता, जवाब दिया, "हाँ, मेरे पास एक है।"
उसने मुझे झटपट संख्या बताई और फिर पूछा, "लूसी और मैक्स कहाँ हैं? आप सबको साथ रहना चाहिए।"
मैंने जवाब दिया, "वे यहाँ हैं," फिर थोड़ी देर हिचकिचाने के बाद मैंने कहा, "चेज़ भी यहाँ है।"
दूसरी तरफ से सन्नाटा छाया हुआ था।
“जेसन?” मैंने पूछा।
“हां,” उसने धीमी आवाज़ में कहा। “हां, मैं अभी भी यहीं हूं। अच्छा है कि वह यहां है। आप सबको अपने घर में साथ रहना होगा। कहीं मत जाना। एबेल को फोन कर देना, मैं जितनी जल्दी हो सके वहां पहुंच जाऊंगा।”
मैंने झुंझलाहट में अपनी नाक सिकोड़ ली। जैसे कि मैं यह सब खुद नहीं समझ सकती थी।
“ज़ोई?” जेसन ने पूछा।
"हाँ?"
"मुझे तुमसे प्यार है।"
अगर मुमकिन होता तो मेरा दिल और भी तेज़ी से धड़कने लगता। उसने मुझे पहले कभी नहीं कहा था कि वह मुझसे प्यार करता है। बोलने से पहले मुझे अपना गला साफ़ करना पड़ा। "मैं, उम, मैं भी तुमसे प्यार करती हूँ।"
“जल्द ही मिलते हैं,” उसने कहा। फोन कट गया।
मैं काउंटरटॉप पर पीछे की ओर लुढ़क गई, ऐसा लग रहा था जैसे मैंने अभी-अभी मैराथन दौड़ पूरी की हो। मैक्स मुझे घूर रहा था। "क्या?" मैंने गुस्से से कहा।
उसने झुंझलाहट में अपना सिर हिलाया। "क्या तुम एबेल को फोन करने वाले हो या नहीं?"
मैंने मैक्स को गुस्से से घूरा, हालांकि आंसुओं ने शायद इसका असर कम कर दिया। लड़के कितने बेपरवाह हो सकते हैं! मैंने अपने हाथ में पड़े भूले हुए कागज़ पर नज़र डाली। फिर मैंने मैक्स को घूरा और नंबर डायल किए। पहली घंटी बजते ही मशीन ने फ़ोन उठा लिया। रिसीवर से एक सभ्य महिला की आवाज़ आई,

"कृपया अपना नाम, नंबर और एक छोटा सा संदेश छोड़ दें।" बस इतना ही, यह नहीं बताया गया कि मैंने किसकी मशीन पर कॉल किया है। मुझे बस यही भरोसा करना था कि मैंने सही नंबर डायल किया है।
“उम, मैं ज़ो मेयर्स बोल रही हूँ,” मैंने मशीन में धीमी आवाज़ में कहा। “मैं एबेल से बात करने की कोशिश कर रही हूँ। मुझे नहीं पता मेरे पिताजी ने पहले ही फ़ोन किया है या नहीं, लेकिन हमें शेल्बी में कुछ परेशानी हो रही है, ऐसी परेशानी जिसमें मुझे लगता है कि तकनीकी रूप से आपको हमारी मदद करनी चाहिए।” मैंने मशीन को मैक्स का मोबाइल नंबर दिया और फ़ोन काट दिया। मैंने खुद को संभालने के लिए एक गहरी आह भरी, फिर मैक्स की तरफ देखा। "हम एलिसन के माता-पिता के बारे में क्या करेंगे? हमें इस तरह के मामलों में पुलिस को शामिल नहीं करना चाहिए।"
मैक्स ने कंधे उचकाते हुए कहा, "शायद पुलिस को शामिल करना इतना बुरा नहीं होगा। वे शायद मदद कर सकें।"
मैंने अपना सिर हिलाया। अगर हम इसे पुलिस पर छोड़ देते तो बहुत आसान होता, लेकिन हम ऐसा नहीं कर सकते थे। इंसानों को इसमें शामिल न करना अलौकिक शक्तियों का पहला नियम था। साथ ही, अगर पुलिस को बुलाया जाता तो हमें गठबंधन की मदद नहीं मिलती, और वेयरवुल्फ्स के पास एलिसन और लीला को ज़िंदा ढूंढने का कहीं बेहतर मौका होता।
“हम ऐसा नहीं कर सकते,” मैंने सीधे-सादे शब्दों में जवाब दिया, मैं इतना थका हुआ था कि अपनी पूरी सोच प्रक्रिया को समझा नहीं पा रहा था।
मेरे जवाब पर मैक्स ने भौंहें चढ़ा लीं। "तो फिर हम उसके माता-पिता को क्या बताएंगे?"
मैंने हताशा में अपनी नाक के ऊपरी हिस्से को दबाया। "अगर हमने उन्हें कुछ भी बता दिया, और हम..." मेरे शब्द गले में अटक गए, भावनाएं फिर से उमड़ आईं, "और हम उसे नहीं ढूंढ पाए," मैंने फुसफुसाते हुए कहा, "तो पुलिस हमारे दरवाजे पर दस्तक देगी।"
मैक्स ने फर्श की ओर देखते हुए ऊपर देखा। उसने कहा, "हम उसके माता-पिता को कुछ नहीं बता सकते। अगर वे पुलिस को बुलाते हैं, तो यह बस इंसानों द्वारा इंसानों को बुलाने जैसा होगा, और मुझे अब भी लगता है कि उन्हें शामिल करने में कोई बुराई नहीं है।"

रही थी। मैं अपने लाल स्वेटर में सिमट गई, हालाँकि मेरे कमरे में ठंड नहीं थी। चेज़ ने फ़ोन बंद किया और मैंने अपना ध्यान वापस उसकी ओर लगाया। “तुम्हारे पापा ने कॉफी शॉप से उस औरत का पीछा किया, लेकिन वो उसके बाद एक बार में चली गई। उन्होंने एक दूसरे आदमी को उसे घूरते हुए देखा, जो उन्हें इंसान नहीं लगता, लेकिन वो आदमी भी उसके पीछे बार तक गया और अब सड़क के दूसरी तरफ इंतजार कर रहा है। तुम्हारे पापा को लगता है कि हमारे भाग जाने के बाद से वे सावधान हो गए हैं। उन्हें पता है कि हम उनका पीछा कर रहे हैं।” मैंने चिंता और असमंजस में अपनी भौहें सिकोड़ लीं। "यह अच्छा है या बुरा?" चेज़ ने मुंह बनाया। “यह इस मायने में अच्छा हो सकता है कि वे शायद डरे हुए हैं, जिसका मतलब है कि वे शायद उतने शक्तिशाली नहीं हैं जितना हम सोचते हैं। लेकिन यह इस मायने में बुरा है कि भेद खुलने के डर से वे जल्दबाजी कर सकते हैं। अगर एलिसन और लीला ज़िंदा हैं, तो शायद वे ज़्यादा समय तक ज़िंदा न रहें।”
मुझे चक्कर आने लगे और मैं बिस्तर पर गिर पड़ी। ऐसा नहीं हो सकता, दोबारा नहीं। जब डैन लूसी को ले गया था, तब मुझे लगा था कि दुनिया खत्म हो जाएगी, लेकिन कम से कम तब उम्मीद तो थी। लीला हमें लूसी तक ले जाने वाली थी। हम जानते थे कि हम किससे निपट रहे हैं।
मैंने सुन्न होकर कहा, "हमें जाना होगा।"
चेज़ ने सिर हिलाया। "हम नहीं कर सकते। हमें पता ही नहीं कि वे कहाँ हैं।" मैंने जवाब दिया, "हमें उस महिला को पकड़ना ही होगा। वही हमारी इकलौती उम्मीद है।"
"अपहरणकर्ता का अपहरण करें?" चेज़ ने संदेहपूर्वक पूछा।
मैंने उसे घूरकर देखा। "क्या तुम्हारे पास इससे बेहतर कोई उपाय है?"
उसने सिर हिलाया। “हम तुम्हारे पिताजी को मना नहीं पाएंगे। हमें उन्हें मदद के लिए राजी करना होगा।”
मैं मुस्कुराया। "अगर मैं खुद उस महिला के पीछे जाऊं, तो उसके पास सच में कोई विकल्प नहीं बचेगा।"
चेज़ खड़ा हुआ और मुझे बिस्तर से उठने के लिए हाथ बढ़ाया। मैंने कृतज्ञतापूर्वक उसका हाथ थाम लिया, इस बात की परवाह किए बिना कि उसे पता था कि मेरे घुटने कितनी बुरी तरह कांप रहे थे। आख़िरकार, हम शेर की मांद में जा रहे थे।

उम्मीद है कि हमें किसी ने काटा नहीं होगा।

अध्याय ग्यारह
मैं अपने कमरे से निकली और जितना हो सके दबे पांव सीढ़ियों से नीचे उतरी। मेरी माँ अभी भी लिविंग रूम में लूसी और मैक्स से बात कर रही थीं, इसलिए हम सब चुपके से बाहर निकल सकते थे। लगभग नौ बज रहे थे, और मुझे पता था कि मेरी माँ हमें इतनी देर रात बाहर नहीं जाने देंगी। मेरे पास बस एक ही रास्ता था कि मैक्स और चेज़ को घर जाने का बहाना बनाऊं, फिर लूसी और मैं चुपके से निकल जाएं। मैं लूसी को भी घर जाने का नाटक करने को कह सकती थी, लेकिन यह ज़्यादा सही था कि मेरी माँ को लगे कि वह रात हमारे घर पर बिता रही है, ताकि अगर लूसी के माता-पिता फोन करें तो हमारे पास बहाना हो।
“लूसी, क्या तुम आज रात यहीं रुकना चाहती हो?” मैंने कमरे में घुसते हुए पूछा। चेज़ मेरे ठीक पीछे कमरे में आ गया। मुझे तो पता भी नहीं चला कि वह सीढ़ियों पर मेरे पीछे खड़ा था।
लूसी के चेहरे पर थोड़ी उलझन छा गई, फिर उसे बात समझ आ गई। "ज़रूर ज़ोई।" वह मेरी माँ की ओर मुड़ी। "अगर आपको कोई आपत्ति न हो तो।"
“बिल्कुल!” मेरी माँ ने मुस्कुराते हुए कहा। “आपका हमेशा स्वागत है। आपको पता है कि पूछने की ज़रूरत नहीं है।”
लूसी की मुस्कान थोड़ी बनावटी थी। "मैं अपनी माँ को फोन करूँगी।"
चेज़ मुझे पीछे छोड़ते हुए मेरी माँ की ओर मुड़ा। "मैक्स और मुझे अब चलना चाहिए," उसने कहना शुरू किया। "कुकीज़ के लिए धन्यवाद।"
मेरी माँ ने अपनी खिलखिलाती मुस्कान चेज़ की ओर घुमाई। ऐसा लग रहा था मानो वह अपने सहज स्वभाव में लौट आई हों, मानो हम सब सामान्य इंसान हों। चेज़ दरवाज़े की ओर बढ़ा, फिर मैक्स के मेरी माँ को अलविदा कहने और बाहर जाने तक वहीं रुका रहा। मेरी माँ ने सफ़ाई में मदद करने के हमारे प्रस्ताव को ठुकरा दिया, इसलिए लूसी और मैं अपने कमरे में चले गए।
जैसे ही मैंने अपना दरवाजा बंद किया, लूसी ने पूछा, "क्या हो रहा है?" “मेरे पिताजी ने उस महिला का पीछा कॉफी शॉप से एक बार तक किया। हम उससे आमना-सामना करने जा रहे हैं, और संभवतः उसका अपहरण भी कर लेंगे।”
लूसी का मुंह खुला रह गया। "क्या?"

"चेज़ को लगता है कि हमने अपहरणकर्ताओं को डराकर कार्रवाई करने पर मजबूर कर दिया होगा। एलिसन और लीला के साथ वे जो भी करने की योजना बना रहे हैं, अब वे शायद उसे जल्दबाज़ी में अंजाम देंगे।"
"तो उनके पास एलिसन है?"
मैंने गंभीर भाव से सिर हिलाया। "मुझे ऐसा ही लगता है।"
"लेकिन वह भी इंसान है," लूसी ने तर्क दिया।
मैंने जवाब दिया, "मुझे पता है। मुझे नहीं पता कि वे उसे भी क्यों ले गए। शायद वह रास्ते में आ गई थी।"
तो हम चुपके से निकल रहे हैं?
मैंने सिर हिलाया। "जैसे ही मेरी माँ सो जाएगी।"
हमने सोने की तैयारी की रस्में निभाईं। मैंने लूसी को कुछ पजामा उधार दिए, और जब तक मेरी माँ ने शुभ रात्रि कहने के लिए अंदर झाँका, तब तक हम सब बिस्तर में लिपटे हुए थे और सोने के लिए तैयार थे।
हमने बीस मिनट और इंतज़ार किया ताकि यह पक्का हो जाए कि मेरी माँ बिस्तर पर हैं, फिर लाइट बंद करके उठे और चुपचाप अपने कपड़े बदले। मैंने अपने ढीले- ढाले बूट वापस पहने, फिर ठंड से बचने के लिए एक गर्म, वाटरप्रूफ काली जैकेट पहन ली। मैंने लूसी को एक और विंटर कोट दिया और हम जाने के लिए तैयार थे। अब मुश्किल काम शुरू होता है।
मैक्स और जेसन आमतौर पर मेरे कमरे से चुपके से बाहर निकलने के लिए मेरी दूसरी मंजिल की खिड़की से कूद जाते थे, लेकिन लूसी और मैं उस तरकीब में पूरी तरह से माहिर नहीं हो पाए थे, इस तथ्य के बावजूद कि हम शारीरिक रूप से ऐसा करने में सक्षम माने जाते थे।
मैंने यह सुनिश्चित करने के लिए अपने बेडरूम के दरवाजे से झाँका कि हम सब सुरक्षित हैं, फिर जल्दी से अपना सिर अंदर खींच लिया और जितना हो सके चुपचाप दरवाजा बंद कर दिया। मैं लूसी की ओर मुड़ी और लगभग दबी आवाज़ में फुसफुसाया, यह जानते हुए कि वह सुन पाएगी, "वह अभी भी जाग रही है। उसका दरवाजा खुला है और उसकी लाइट जल रही है।"
लूसी चिंतित लग रही थी। "अब हम क्या करें?" उसने मुझसे भी तेज़ आवाज़ में फुसफुसाते हुए पूछा। मेरी सुनने की शक्ति अच्छी थी, लेकिन वेयरवोल्फ की सुनने की शक्ति के मुकाबले कहीं नहीं थी। सूंघने की क्षमता में भी वे मुझसे कहीं बेहतर थे।

मैंने अपनी खिड़की की ओर देखा और प्रश्नवाचक भाव से अपनी भौहें ऊपर उठाईं। "बिल्कुल नहीं," लूसी ने होंठों से कहा।
मैंने फिर से खिड़की की तरफ देखा, होंठ सिकोड़े और सिर हिलाया। हम ये करने ही वाले थे। लूसी के विरोध को नज़रअंदाज़ करते हुए, मैंने अपनी रजाई के नीचे कुछ तकिए रख दिए ताकि अगर मेरी माँ मेरे कमरे में झाँके तो उन्हें कुछ दिखाई न दे, और धीरे से खिड़की खोल दी।
लूसी मेरे बगल में आकर खड़ी हो गई, और उसने वह लाल सर्दियों का कोट पहन लिया जो मैंने उसे दिया था। "बिल्कुल नहीं, ज़ोई। हम नहीं जा सकते।"
मैंने उसकी बात अनसुनी कर दी और खिड़की से अपने पैर बाहर निकालकर चौखट पर बैठने के लिए तैयार हो गई। मैंने लूसी के चेहरे के भावों पर एक नज़र डाली और उसे दिखाने के लिए अपनी उंगलियां क्रॉस कर लीं। मैंने गहरी सांस ली और घर की दीवार से धक्का दिया। मैं कुछ पल के लिए हवा में थी, ठंड से कांपती हुई, फिर मेरे पैर ज़मीन पर पड़े। मेरी गति के कारण मैं ताज़ी बर्फ में कुछ फीट लुढ़कती हुई एक तरफ ढेर हो गई। मैंने कुछ पल रुककर अपने शरीर का हाल देखा और यह जानकर मुस्कुरा उठी कि मुझे कोई चोट नहीं आई है।
मैं खड़ा हुआ और अपनी जींस से बर्फ झाड़ी, फिर खिड़की की तरफ देखा। लूसी अभी भी पूरी तरह अंदर थी, उसके चेहरे पर हैरानी के भाव थे। मैंने हल्का सा 'ता-दाह' का इशारा किया, लूसी की तरफ उंगली दिखाई, फिर अपने बगल में ज़मीन की तरफ इशारा किया।
उसने अपना सिर हिलाया और खिड़की से पीछे हट गई। उसने हाथ उठाकर 'नहीं, धन्यवाद' का इशारा किया। मैंने बिना किसी कारण के खिड़की से छलांग नहीं लगाई थी। मैंने गुस्से में पैर पटका और एक बार फिर लूसी की ओर, फिर अपने बगल की ज़मीन की ओर इशारा किया।
कुछ मिनटों तक चुपचाप बहस करने के बाद, लूसी ने आखिरकार अपने पैर खिड़की से बाहर निकाले और मेरी तरह चौखट पर बैठ गई। उसने पीछे हाथ बढ़ाकर खिड़की को जितना हो सके बंद कर दिया, इस तरह कि उसके नितंब चौखट पर टिके रहें।
अंत में, उसने अपनी आँखें बंद कर लीं और मैं उसके चेहरे को देखता रहा, यह जानते हुए कि वह तीन तक गिनती कर रही थी। फिर उसने खुद को घर से दूर फेंक दिया। वह सीधे नीचे गिरी, उसके लंबे बाल उसके सिर के ऊपर लहरा रहे थे, और वह हल्के से अपने पैरों पर उतरी, पैरों पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिए थोड़ा झुक गई। मैंने ज़ोर से गाली दी, यह बिल्कुल भी उचित नहीं था।

मैं मुंह फुलाकर लूसी के आने और मेरे बगल में खड़े होने का इंतज़ार कर रही थी, फिर हम उस सड़क की ओर चल पड़े जहाँ हमें मैक्स और चेज़ से मिलना था। मेरे मन में तरह-तरह के विचार उमड़ रहे थे कि हम क्या करने वाले हैं। मैं चाहती थी कि काश जेसन भी हमारे साथ होता, भले ही मुझे ऐसा लग रहा था।
जब हम सड़क पर पहुँचे, तब तक चेज़ का पुराना, खस्ताहाल ट्रक हमारा इंतज़ार कर रहा था। मैंने यात्री का दरवाज़ा खोला तो गर्म हवा का झोंका अंदर आया, फिर मैंने लूसी के मेरे आगे चढ़ने का इंतज़ार किया। उसने मैक्स के साथ पीछे की सीटों पर बैठने के बजाय, फिर से आगे की सीट के बीच में बैठना चुना। जब चेज़ ने ट्रक को स्टार्ट किया और शहर की ओर चल पड़ा, तो हम सब चुप हो गए। मैं बेचैनी से इधर-उधर हिलता रहा, जब तक कि मैं चुप नहीं रह सका।
“ठीक है,” मैंने कहना शुरू किया, “तो मैं ये सोच रहा हूँ। मैं अंदर जाकर उस लाल बालों वाली लड़की से बात करूँगा और उसे मुझे जहाँ चाहे वहाँ ले जाने दूँगा। तुम लोग नज़रों से दूर रहना, फिर हमारे पीछे आना।”
“तो तुम… चारा बनोगे?” लूसी ने चीखते हुए कहा।
“नहीं,” मैक्स ने बीच में ही टोकते हुए कहा। “मैं करूँगा।”
मैं मुड़कर उसकी डरी हुई आँखों में देखने लगा। “तुम्हें ऐसा क्यों करना चाहिए? आखिर मैं तुम्हारा झुंड का मुखिया हूँ। मुझे तुम्हारी रक्षा करनी चाहिए।”
मैक्स ने आह भरी। “ज़ोई, तुम नाम की ही हमारी सेनापति हो। हम तुमसे हमारी रक्षा करने की उम्मीद नहीं करते। और वैसे भी, उन्होंने अब तक सिर्फ़ चुड़ैलों, वेयरवुल्फ और जलपरियों को ही पकड़ा है। हो सकता है कि वे तुम्हें चाहें भी न।”
"वह सही कह रहा है," चेज़ ने आगे कहा। "अगर मैक्स अंदर जाता है तो योजना के सफल होने की संभावना अधिक है।"
मुंह फुलाकर, मैं अपनी सीट पर झुक गई और हाईवे पर निकलते ही सामने वाली खिड़की से बाहर घूरने लगी। लूसी ने अपना गला साफ किया और मैं उसकी तरफ मुड़ी।
"क्या हम कुछ भूल तो नहीं रहे हैं?" लूसी ने व्यंग्यात्मक लहजे में पूछा। मैंने हैरानी से अपना सिर झुकाया, उसी समय मैक्स ने पूछा, "क्या?"
“वह महिला एक बार में है,” उसने हमें याद दिलाया। “हममें से कोई भी बार में नहीं जा सकता।”

“मैं कर सकता हूँ,” चेज़ ने जवाब दिया।
मैंने हैरानी से उसकी ओर मुड़कर पूछा, "वैसे तुम्हारी उम्र कितनी है?" “बाईस,” उसने सरलता से उत्तर दिया।
लूसी ने फिर से अपना गला साफ किया। "यह हमें फिर से उसी समस्या पर ले आता है कि कहीं कोई दानव अंदर न घुस जाए।"
"मैं किसी भी घटिया बार में घुस सकता हूँ," मैक्स ने चिड़चिड़ाते हुए बुदबुदाया।
मैंने मैक्स की ओर मुड़कर पूछा, "क्या तुम कोशिश करने को तैयार हो?"
उसने मेरी आँखों में देखा, और उसकी आँखों में साफ तौर पर डर झलक रहा था। "हाँ," उसने सहमति जताई।
चेज़ ने अविश्वास से अपना सिर हिलाया। "ठीक है," उसने स्वीकार किया। "हम कोशिश करेंगे।"
बाकी का सफर छोटा था। हमें नहीं पता था कि वो लाल बालों वाली लड़की किस बार में है, इसलिए हमने पहले वाली पार्किंग में ही गाड़ी खड़ी की और अपने पिताजी को ढूंढने लगे।
पार्किंग स्थल पर पहुँचते ही हमने देखा कि वहाँ काफी भीड़भाड़ थी। हमें जगह ढूंढने में काफी देर लग गई। जगह मिलते ही चेज़ ने गाड़ी को पीछे की ओर पार्क किया, शायद जल्दी से निकलने के लिए, और इंजन बंद कर दिया। ठंडी हवा लगने से ठीक पहले मैंने दरवाजा खोला और गाड़ी से बाहर कूद गई। हल्की-हल्की बर्फ गिरने लगी थी, और मेरा मन कर रहा था कि मैं अपने घर में होती, अपनी माँ के साथ बिस्कुट और कॉफी पी रही होती।
मैंने अपने विंटर कोट की ज़िपर को गले तक कसकर बंद कर लिया और लूसी के मेरे पीछे उतरने का इंतज़ार करने लगी। चेज़ और मैक्स हमें लेने के लिए ट्रक के पीछे से आए।
"हम साथ रहेंगे," चेज़ ने आदेश दिया। "एलेक्जेंड्रे को ढूंढने में हमें थोड़ा ज़्यादा समय लग सकता है, लेकिन हम अपने में से किसी और के अपहरण का जोखिम नहीं उठा सकते।"
मैंने कंधे उचका दिए। "तुम उसे महसूस क्यों नहीं कर पाते?"
चेज़ शर्मिंदा लग रहा था। "वह मुझे रोक सकता है।"
मेरे मन में आशा की एक धुंधली सी लहर दौड़ गई, जो मेरी वर्तमान, अधिक गंभीर चिंताओं से दूषित थी। "तो सैद्धांतिक रूप से मैं उसे रोक सकता हूँ?"

कंधे उचकाते हुए चेज़ ने जवाब दिया, "सैद्धांतिक रूप से शायद, लेकिन ऐसा करने के लिए एक बहुत शक्तिशाली दानव की आवश्यकता होती है। मैंने केवल शुद्ध रक्त वाले दानवों के बारे में ही सुना है जिनके पास यह क्षमता होती है।"
“क्या हम उसे फोन नहीं कर सकते?” मैक्स ने बीच में ही टोकते हुए कहा, वह जल्दी से काम शुरू करना चाहता था। “बाहर बहुत ठंड है।”
चेज़ के कुछ कहने से पहले ही मैंने जवाब दे दिया, "वह हमें यह नहीं बताएगा कि वह कहाँ है। वह नहीं चाहता था कि हम आएं।"
मैक्स ने सिर हिलाया और हम सब फुटपाथ की ओर चलने लगे। बिना कुछ बोले, हम ब्लू मून की ओर सड़क पर टहलते हुए आगे बढ़े, मानो किसी का ध्यान अपनी ओर न खींच रहे हों। सड़कें बार में जाने वालों और कुछ कॉफी शॉप के ग्राहकों से भरी हुई थीं, जिनके हाथों में लैपटॉप या किताबें थीं। जो लोग आम तौर पर मुझे सीधे-सादे लगते थे, अचानक उन सबके मन में कुछ बुरे इरादे नज़र आने लगे। क्या वो काली मखमली कोट वाली औरत मुझे अजीब नज़रों से देख रही थी? मैं लूसी के थोड़ा और करीब चली गई, ताकि समूह में होने का सुकून महसूस कर सकूँ। हम कॉफी शॉप से बस एक ब्लॉक दूर ही थे कि चेज़ ने अचानक दाईं ओर मुड़कर हम सबको एटीएम वाले एक कोने में इकट्ठा होने का इशारा किया। हम सब उसमें धंस गए और उत्सुकता से उसे देखने लगे। उसने सिर हिलाकर उस गली की ओर इशारा किया जिस पर हम अभी-अभी मुड़े थे।
मैंने कोने से झाँककर देखा तो मेरे पिताजी कुछ इमारतों के बाद एक दीवार से टिके हुए थे। मेरी नज़र उन पर पड़ी, उन्होंने अपने काले लिनेन के ट्रेंच कोट से एक मोबाइल फोन निकाला और एक नंबर डायल किया। एक पल बाद, चेज़ का फोन बजने लगा।
चेज़ थोड़ा असहज हुआ और अपनी पिछली जेब में हाथ डालकर मुझे अपना सेलफोन पकड़ा दिया। मैंने उसे खोलकर कान से लगा लिया। "मैंने तुमसे कहा था कि घर पर रहो, एलेक्सोंड्रा," मेरे पिताजी की आवाज़ ने मुझे डांटा।
मैंने फोन बंद किया और चेज़ को वापस दे दिया। मैंने अपने सिर पर हुडी डाली और उस कोने से निकलकर सीधे अपने पिताजी की ओर चल पड़ी, तो वह मुझे हैरानी से देखता रहा। जब मैं सड़क पर चलकर उनसे मिलने गई, तो उन्होंने ऐसा दिखाया जैसे उन्होंने मुझे देखा ही न हो।

मैं रुक गई और उससे कुछ फीट दूर दीवार से टिक गई। "मैक्स अंदर जा रहा है," मैंने फुसफुसाते हुए कहा। अगर आस-पास कोई वेयरवुल्फ होता, तो शायद वो मुझे सुन लेता, लेकिन मैं इससे बेहतर कुछ नहीं कर सकती थी।
मेरे पिताजी ने सिर हिलाकर बस हल्का सा जवाब दिया। उन्होंने फुसफुसाते हुए कहा, "तुम यहीं मेरे साथ रहोगे।"
अब मेरी बारी थी सिर हिलाने की। मैंने पीछे मुड़कर आले की तरफ देखा तो मैक्स बाहर आ रहा था। अच्छा, वे योजना पर अमल कर रहे थे। मैंने लापरवाही से अपनी हुड को माथे पर थोड़ा और नीचे खींच लिया, ताकि अपहरणकर्ताओं में से कोई मुझे पहचान न ले, इसलिए मैंने अपने सुनहरे बालों को छुपाने की कोशिश की।
दरवाजे पर किसी ने पहचान पत्र नहीं देखा, और मैक्स सीधे अंदर चला गया। मैं इंतजार करता रहा, मुझे लगा कि मैक्स को किसी भी पल बाहर निकाल दिया जाएगा, लेकिन कुछ नहीं हुआ। पांच मिनट और बीत गए। फिर भी कुछ नहीं हुआ।
मैंने इधर-उधर देखा कि कहीं कोई और बार को तो नहीं देख रहा है, और तभी मेरी नज़र चेज़ पर पड़ी जो सड़क पार कर रहा था। उसने कहीं से एक काली सर्दियों की टोपी निकाली और उसे थोड़ा और नीचे अपने कानों पर खींच लिया। फिर वह एक पार्क की बेंच पर बैठ गया और अपने फोन पर मैसेज करने का नाटक करने लगा। या कौन जाने? शायद वह मैसेज कर ही रहा था।
मुझे मेरा जवाब तब मिला जब मेरे पिताजी के ट्रेंच कोट के अंदर कहीं से उनके फोन की घंटी बजी। उन्होंने फोन निकाला और झट से संदेश पढ़ा। फोन को वापस जेब में रखते हुए वे मेरे करीब आ गए। मैंने उनकी बात अनसुनी कर दी, जब तक कि उन्होंने मुझे अपने साथ चलने के लिए मेरे कंधे पर हाथ रखकर इशारा नहीं किया।
“क्या हो रहा है?” मैंने फुसफुसाते हुए पूछा।
मेरे पिताजी ने मुझे आगे धकेलते हुए हमारी गति बढ़ाने को कहा, "मैक्स और वह महिला बार के पीछे हैं।"
“अभी से?” मैंने कर्कश स्वर में फुसफुसाया।
“जैसे ही वह अंदर आया होगा, वह सीधे उसके पीछे बाहर चला गया होगा,” मेरे पिताजी ने समझाया। “यह एक जाल था।”

मैंने पार्क की बेंच की तरफ देखा जहाँ चेज़ बैठा था, लेकिन वह गायब हो चुका था। उसकी जगह वही छोटे बालों वाला आदमी खड़ा था जो पहले हमारा पीछा कर रहा था। उसने सड़क पार करते हुए मेरे पिताजी और मुझे देखा। धिक्कार है!
मैं अचानक डिवाइडर पर रुककर अपने जूते के फीते बांधने लगा और मेरे पिताजी भी एकदम से फिसलते हुए रुक गए। मैंने ऊपर देखा और उनकी आँखों से मेरी आँखें मिलीं, जो बिल्कुल मेरी आँखों से मिलती-जुलती थीं। "वह उन्हीं में से एक है, जो बेंच के पास खड़ा है।"
मेरे पिताजी ने उस आदमी पर एक नज़र डाली, फिर मुझे उठाकर सड़क के बाकी रास्ते पर थोड़ा धीरे-धीरे चलने के लिए कहा। हम बार के बगल वाली एक छोटी सी गली में पहुँचे। मैंने पीछे मुड़कर उस छोटे बालों वाले आदमी को देखा। वह सीधे हमारी तरफ आ रहा था। ओह माय गॉड!
मेरे पिताजी ने मुझे धक्का देकर अपने आगे वाली गली में धकेल दिया, फिर वहीं खड़े रह गए। मैंने उन्हें हैरानी से देखा।
“जाओ,” उसने आदेश दिया। “चेज़ को ढूंढो।” फिर वह मुड़ा और सीधे उस छोटे बालों वाले आदमी से जा भिड़ा।
मैं चला गया। मैं बस यही उम्मीद कर सकता था कि वह क्रू-कट वाला आदमी सार्वजनिक रूप से कुछ ज्यादा ही खतरनाक हरकत करने की कोशिश न करे।
मैं पूरी रफ्तार से गली में दौड़ता हुआ बार के पीछे वाले पार्किंग एरिया तक पहुंचा। मुझे अपनी गर्दन के पिछले हिस्से में झुनझुनी महसूस हुई। मैं झट से मुड़ा और गली में पीछे की ओर देखा। मेरे पिताजी कहीं नज़र नहीं आ रहे थे। मैं फिर से मुड़ा और गहरी भूरी आँखें अपने चेहरे से कुछ ही इंच दूर देखकर चौंक गया।
मैं एकदम जम गई, मेरा दिल ज़ोर-ज़ोर से धड़क रहा था। फिर मुझे एहसास हुआ कि मेरे सामने निक खड़ा है। "तुमने मुझे डरा दिया!" मैंने हैरानी से कहा।
वह वहीं खड़ा रहा और धीरे-धीरे उसके चेहरे पर मुस्कान फैल गई।
तभी मुझे एहसास हुआ कि हमने निक को यह नहीं बताया था कि हम कहाँ जा रहे हैं। मैं पीछे हटने लगी, लेकिन मेरे हर कदम पीछे हटने पर वह एक कदम आगे बढ़ जाता था। "तुम भी उन्हीं में से एक हो," मैंने उस पर आरोप लगाया।
जैसे-जैसे वह आगे बढ़ता गया, उसकी मुस्कान और चौड़ी होती गई।
मैं भागने के लिए मुड़ा और तभी मुझे अपने पीछे किसी विशालकाय व्यक्ति की झलक दिखाई दी। फिर चारों ओर अंधेरा छा गया।

अध्याय बारह
मुझे इंजन की हल्की आवाज़ सुनाई दे रही थी, मानो मुझे फिर से नींद दिलाने की कोशिश कर रही हो, लेकिन मेरे सिर में हल्का दर्द था जो मुझे जगा रहा था। मैंने आँखें खोलीं, लेकिन अपना सिर ज़मीन से नहीं उठा पा रहा था। नींद में ही मैंने अपने आस-पास के धातु के ढांचे को देखा और महसूस किया कि मैं एक वैन के पीछे बैठा हूँ। अरे, मैं वैन के पीछे क्या कर रहा था?
अचानक निक का चेहरा एक बार फिर मेरे सामने आ गया और मुझे सब कुछ याद आ गया। गद्दार! मैंने बोलने की कोशिश की, लेकिन ऐसा लगा जैसे मेरा मुंह रुई से भरा हो।
निक का चेहरा गायब हो गया। थोड़ी देर बाद मैंने उसे बोलते सुना। "वह होश में आ रही है।"
एक महिला की आवाज ने जवाब दिया, "यह आखिर है क्या? इसके मेटाबॉलिज्म ने इतनी बेहोश करने वाली गोलियां खा ली हैं कि तीन वेयरवुल्फ को बेहोश कर सकती हैं।"
बेहोश करने वाली दवाइयाँ? यह बहुत बुरा था, बेहद बुरा। मैंने छटपटाना शुरू किया, लेकिन मेरे हाथ-पैर रबर जैसे लग रहे थे, और किसी चीज़ से मेरे हाथ पीछे की ओर बंधे हुए थे। मैंने किसी को लात मारने के लिए अपना पैर हिलाने की कोशिश की, तभी किसी ने मेरे पैर पकड़ लिए। मैंने चीखने की कोशिश में एक गहरी साँस ली, फिर मेरी बांह में हल्का सा दर्द हुआ। मेरी नज़र धुंधली होने लगी। मैंने पलकें झपकाईं। मुझे जागते रहना था। फिर मैं बेहोश हो गया।
जब मैं अगली बार जागा, तो मैं किसी कोठरी में था। मेरे नीचे की ज़मीन ठंडी, नम पत्थर की थी। मैंने आँखें खोलीं तो देखा कि कोई मेरे ऊपर झुका हुआ है।
मैंने पूरी ताकत से अपना पैर ऊपर उठाया और उसे लात मारने की कोशिश की।
लेकिन मेरा घुटना पैर से टकराया, पैर से नहीं, और वह व्यक्ति चीखते हुए गिर पड़ा।
“क्या बात है?” एक महिला की आवाज ने पूछा।
“एलिसन?” मैंने पूछा।
“अरे हाँ,” व्यंग्यपूर्ण जवाब आया। “इस बार मुझे लात मारने की कोशिश मत करना।”

वह मेरे ऊपर झुक गई और मुझे बिठाने के लिए मेरे हाथों के नीचे हाथ डाल दिए। उसने मुझे पत्थर की दीवार से टिका दिया, फिर मेरे सामने बैठ गई। मुझे गर्मी का एहसास हुआ और मैंने देखा कि कमरे के कोने में, दरवाजे के पास एक छोटा सा प्रोपेन हीटर रखा था, जिसे मैं सचमुच दरवाजा नहीं कह सकती थी। वह चमकदार, नई स्टील की छड़ों से बना था। बाहरी कमरे में किसी तरह की रोशनी थी, लेकिन कोठरी में एकमात्र अतिरिक्त रोशनी उस हीटर की हल्की रोशनी थी।
मैंने अपनी नज़रें वापस एलिसन पर डालीं, जिसने एक गंदी, लंबी आस्तीन वाली टी-शर्ट पहनी हुई थी जो कभी हल्के नीले रंग की रही होगी, और फटी हुई जींस पहनी हुई थी जिस पर उसके पैर के किसी घाव या कट से निकला खून लगा हुआ था। एलिसन को इस हालत में देखकर मुझे बहुत दुख हुआ। वह हमेशा अपने कपड़ों पर बहुत ध्यान देती थी।
मैंने उसकी खून से लथपथ टांग को फिर से देखा। "क्या हुआ?"
एलिसन ने अपने होंठ दबाए और अपनी टांग पर नज़र डाली। "मैं अभी-अभी उठी हूँ और मुझे यह लग रहा है। किसी तरह का छेद वाला घाव है, लेकिन ज़्यादा गहरा नहीं है।"
मैंने अपनी निगाहें ऊपर उठाकर उसके धूल से सने चेहरे पर केंद्रित कीं और एक और सवाल पूछा। "हम कहाँ हैं?"
“हमें नहीं पता। हम अभी-अभी यहाँ जागे हैं।”
मैं पूछने ही वाली थी कि "हम" कौन हैं, लेकिन तभी मेरी नज़र लीला पर पड़ी। वह एक कोने में दुबकी बैठी थी और अपने घुटनों को बाहों में लपेटे बैठी थी।
उसका सिर आगे की ओर झुका हुआ था, जिससे उसके लंबे काले बाल उसके चारों ओर एक लबादे की तरह फैले हुए थे।
“लेला?” मैंने पूछा।
"हाय ज़ोई," लीला ने घबराई हुई सी आवाज़ में फुसफुसाते हुए जवाब दिया।
मैंने एलिसन की तरफ देखा। "उन्होंने उसके साथ क्या किया?" मैंने फुसफुसाते हुए पूछा, हालांकि मुझे पता था कि लीला सुन लेगी।
एलिसन ने सिर हिलाया। "उसे बंद जगहों से डर लगता है। हमें लगता है कि हम ज़मीन के नीचे हैं।"
अब सोचें तो, हवा की थोड़ी कमी ज़रूर महसूस हो रही थी। इतनी नहीं कि हमें कोई नुकसान हो, लेकिन फिर भी असहज ज़रूर थी। मेरे दिमाग के पिछले हिस्से में एक जानी-पहचानी सी झनझनाहट सी उठी। हवा भारी लग रही थी, जैसे कोई चीज़

मुझ पर दबाव डाल रही हो। तभी मुझे याद आया कि मैंने यह एहसास पहले कहाँ महसूस किया था। लूसी की दादी के अंतिम संस्कार में।
“हम कब्रिस्तान में हैं... कब्रिस्तान के नीचे।”
एलिसन की शहद जैसे भूरी आँखें चौड़ी हो गईं। "हम कहाँ हैं?"
मैंने घबराहट में अपने होंठ चाटे। "मैं... मुझे लगता है कि हम किसी तहखाने में हैं।"
“बहुत बढ़िया, बस बहुत बढ़िया,” एक और आवाज ने व्यंग्यपूर्वक कहा।
रुको, मैं उस आवाज़ को जानता था। "ब्रायन?" मैंने पूछा।
ब्रायन रेंगते हुए मेरी नज़र के सामने आया और मेरे सामने बैठ गया। उसकी ग्रे रंग की हुडी फटी हुई थी और उसके बाल बिखरे हुए थे, लेकिन इसके अलावा वह बिल्कुल ठीक-ठाक लग रहा था। "तो हम एक कब्र में हैं, है ना?"
मुझे उसकी आवाज़ से असहजता हुई, फिर मैंने सहमति में सिर हिलाया। "तुम यहाँ क्या कर रहे हो?"
ब्रायन ने कंधे उचकाए, उसके चेहरे पर अप्रिय और चिड़चिड़ा भाव था। "पहले तो मेरी मुलाकात सड़क पर तुमसे हुई, फिर जैसे ही तुम वहां से चली गईं, एक आदमी मुझे खींचकर एक गली में ले गया। उसके बाद मुझे होश आया... मैं एक कब्र में था।"
लेला ने हल्की सी सिसकी भरी। मेरे अंगों में झुनझुनी होने लगी क्योंकि उनमें संवेदना वापस आ गई थी। दुर्भाग्य से, मेरे सिर में भी संवेदना वापस आ रही थी। मैंने पीछे हाथ बढ़ाकर अपनी खोपड़ी पर उभरी कोमल गांठ को महसूस किया।
एलिसन और ब्रायन दोनों मुझे घूर रहे थे।
मैंने पूछा, "क्या आप दोनों में से किसी ने जागने के बाद से किसी को देखा है?"
एलिसन ने सबसे पहले जवाब दिया। “हाँ, निक। उस छोटे कीड़े ने हमें बताया था कि अगर हमने कोई जादू इस्तेमाल किया, तो उन्हें पता चल जाएगा। लगता है किसी ने उसे यह बताना ज़रूरी नहीं समझा कि मैं इंसान हूँ, इसलिए उसने कुछ और ही समझ लिया।” उसने कमरे में मौजूद सभी लोगों को घूरकर देखा और फिर बोली, “उन्हें यह भी नहीं पता कि तुम क्या हो, ज़ोई।”
"आपको लगता होगा कि उसने तब पूछ लिया होता, जब हम उसे बता सकते थे।"
एलिसन ने सिर हिलाया। "हाँ, वह उतनी समझदार नहीं है।"

“उसने पूछा था,” लीला ने अपने कोने से बीच में टोकते हुए कहा। “मैंने उससे कहा कि यह तुम्हारी मर्जी है कि तुम उसे कब और कैसे बताना चाहते हो।”
मुझे लीला की निक के लिए दीवानी निगाहें याद आ गईं। निक के लिए अपनी भावनाओं के बावजूद उसने मेरा राज़ छुपाए रखा, जिससे लीला मेरी दोस्त बनने के और करीब आ गई। अगर हम इस मुश्किल से निकल जाते, तो मुझे पता था कि मैं उस पर भरोसा कर सकती हूँ।
मैंने लीला को एक ऐसी मुस्कान दी जो उसे दिखाई नहीं दी, फिर एलिसन की ओर मुड़ गई। "मैं समझ सकती हूँ कि वे मेरी गंध को नहीं पहचानते, लेकिन क्या वे यह नहीं जानते कि तुम्हारी गंध इंसानों जैसी है?"
"चुड़ैलों की गंध इंसानों जैसी होती है, जब तक कि उन्होंने बहुत सारा जादू न किया हो।" लीला ने धीरे से कहा।
ब्रायन हमारे बीच की बातचीत को हैरानी और उलझन भरे चेहरे से सुन रहा था। मैंने उसे एक हल्की सी मुस्कान दी, फिर लीला की तरफ मुड़कर देखा। "क्या तुम्हें उनमें से किसी की गंध समझ आई?"
“निक तो पक्का भेड़िया है,” लीला ने उदास होकर कहा। “दूसरे भेड़िये की जो गंध मुझे आई, वो जानी-पहचानी सी थी। बारिश से ठीक पहले आने वाली गंध में खून की मिली-जुली सी गंध थी।”
“शायद ओजोन जैसी?” मैंने पूछा। “मैक्स ने कहा था कि उनमें से एक की गंध ऐसी ही थी।”
लेला ने हल्के से सिर हिलाकर जवाब दिया। "दान से भी राक्षसों को बुलाने के बाद ऐसी ही गंध आ रही थी। उसने कहा कि यह जादू की वजह से था।"
“बहुत बढ़िया, बस बहुत बढ़िया,” मैंने जवाब दिया। “तो क्या हमें कुछ पता है कि वे हमारे साथ क्या करने की योजना बना रहे हैं?”
"शायद हमें मार डालेंगे," लीला ने धीरे से कहा।
ब्रायन ने अपना सिर अपने हाथों में रख लिया, लेकिन कुछ नहीं बोला।
मैं बहस करना चाहता था, लेकिन लीला सही थी। अपहरण किए गए बाकी लोगों में से एक को छोड़कर बाकी सभी का अभी तक पता नहीं चल पाया था, और जिसका पता चला था वह मृत था।
एलिसन ने दरवाजे की तरफ देखा, फिर मेरी तरफ। "क्या तुम इसे उड़ा नहीं सकते?"

मैंने नाक के ऊपरी हिस्से को दबाने के लिए हाथ उठाया। मुझे असहनीय सिरदर्द हो रहा था। "पता नहीं कैसे," मैंने कराहते हुए कहा। "मैंने तो सिर्फ़ घरेलू उपकरण ही उड़ाए हैं, इसलिए मुझे लगता है कि इसका बिजली से कुछ लेना-देना है। स्टील की छड़ें तो आसानी से ज्वलनशील नहीं होतीं।"
"स्पेस हीटर का क्या होगा?" लीला ने थोड़ी सी हिम्मत जुटाकर पूछा।
मैंने हीटर को दोबारा देखा। यह बिजली से चलने वाला नहीं था, लेकिन ज्वलनशील था। "शायद इसमें कुछ गड़बड़ है।"
मैं लड़खड़ाते हुए खड़ी हुई और एलिसन मेरी मदद के लिए आगे बढ़ी। “तुम्हें बेहोशी की दवा का असर इतनी जल्दी कैसे दूर हो गया? लीला को हिलने-डुलने में एक घंटे से ज़्यादा समय लग गया। उसके बाद मैं दो घंटे और ज़मीन पर पड़ी रही। ब्रायन ने तो तुम्हें यहाँ लाने से ठीक पहले ही हिलना-डुलना शुरू किया था।”
मैंने पूछा, "मुझे किसने इसमें फेंका?"
एलिसन ने कंधे उचकाते हुए कहा, "कोई बड़ा-सा आदमी था। मैंने उसे पहले कभी नहीं देखा था।"
ब्रायन ने अपने हाथों से अपना सिर उठाया और दरवाजे के पास अजीब तरह से खड़े मुझे देखा। "तुम क्या करने वाले हो?"
मैंने सिर हिलाया और फिर से हीटर की तरफ देखा। "मुझे नहीं पता। क्या आप में से कोई मेरी मदद कर सकता है कि मैं हीटर को सलाखों के पास ले जाऊं?"
एलिसन मुझे दीवार के सहारे खड़ा छोड़कर हीटर को हटाने चली गई। वह दिखने में जितना भारी लग रहा था, उससे कहीं ज़्यादा भारी था, इसलिए उसे उठाने के बजाय धीरे-धीरे घसीटना पड़ा। दरवाज़े तक ले जाते समय उससे भयानक रगड़ की आवाज़ आ रही थी।
शोर सुनकर, बर्फीली नीली आँखों और लगभग सफ़ेद सुनहरे बालों वाला एक लंबा आदमी, सलाखों वाले दरवाजे से कोने से बाहर आया। वह अब तक का सबसे विशालकाय आदमी था जिसे मैंने देखा था। जब उसने बात की, तो उसकी आवाज़ गहरी गड़गड़ाहट जैसी थी। "वह कैसी आवाज़ थी?" उसने जर्मन लहजे में पूछा।
मैंने पलटकर पूछा, "कैसी आवाज?"
"वह खरोंच।"

“ओह,” मैंने बहाना सोचने की कोशिश करते हुए कहा। “हम, उम... हम हीटर को हटाना चाहते थे। हमने सोचा कि अगर हम इसे दरवाजे के सामने रख दें, तो कम गर्मी बाहर निकलेगी। मेरे पिताजी कहाँ हैं?”
मेरी बातों को समझने में उसे थोड़ा समय लगा। वह कद में बड़ा था, और बहुत बुद्धिमान नहीं था।
इससे पहले कि वह जवाब दे पाता, मैंने पूछा, "मेरे बाकी दोस्तों का क्या होगा?"
“तुम चारों ही हो,” उसने जवाब दिया। वह मुड़कर जाने लगा।
मैंने आग्रह किया, "ज़रा रुकिए। हम यहाँ क्यों हैं?"
वह बीच में ही रुक गया और मेरी ओर मुड़ गया। "मुझे तुम्हें यह नहीं बताना चाहिए।"
“मेरे पैर को क्या हुआ?” एलिसन ने तुरंत पूछा।
उस विशालकाय व्यक्ति ने शर्मिंदगी का भाव दिखाते हुए कहा, "मैंने तुम्हें गिरा दिया। ज़मीन पर कांच का एक नुकीला टुकड़ा पड़ा था।"
लीला धीरे-धीरे रोने लगी।
उस बड़े आदमी ने उसकी ओर इशारा करते हुए कहा, "उसमें क्या खराबी है?"
मुझे उसे न बताने का कोई कारण समझ नहीं आया, और मैं उसे बात करते रहने देना चाहता था, इसलिए मैंने ईमानदारी से जवाब दिया। "उसे बंद जगहों से डर लगता है।"
“क्लॉड!” बाहरी कमरे से किसी ने चिल्लाकर कहा।
क्लॉड थोड़ा सहम गया, उसने मुझे एक आश्चर्यजनक रूप से सहानुभूति भरी नज़र से देखा और चला गया।
फिर से स्पेस हीटर वाले विचार पर आते हैं। मैंने एलिसन और ब्रायन को लीला के साथ पीछे हटने का इशारा किया, फिर लड़खड़ाते हुए स्पेस हीटर के ठीक सामने कुछ फीट की दूरी पर बैठ गया। मैंने चमकते हुए लाल पैनल को घूरकर देखा, अपनी रहस्यमयी शक्तियों को समझने की कोशिश की, और मुझे... कुछ भी महसूस नहीं हुआ।
मैं लगातार ध्यान केंद्रित किए रहा, कुछ होने का इंतजार करता रहा।
“क्या हुआ?” एलिसन ने फुसफुसाते हुए पूछा।
मैंने जवाब दिया, "मुझे नहीं पता। मुझे नहीं पता कि इसे कैसे करना है।" “क्या आपको गुस्सा करने की ज़रूरत नहीं है?” उसने पूछा।

मैंने कंधे उचका दिए। "शायद ऐसा ही है, लेकिन अभी मुझे इतना गुस्सा नहीं आ रहा है। मैं तो बुरी तरह डरा हुआ हूँ।"
"किसी ऐसी चीज के बारे में सोचो जो तुम्हें गुस्सा दिलाती हो," एलिसन ने आग्रह किया।
मैंने फुसफुसाते हुए कहा, "मैं कोशिश कर रहा हूँ।"
“और ज़्यादा कोशिश करो!” वह चिल्लाई।
मैंने अपना सिर घुमाकर उसे घूरकर देखा।
उसने आत्मसमर्पण करते हुए अपने हाथ ऊपर उठा लिए। "माफ़ कीजिए, मैं बस आपको गुस्सा दिलाने की कोशिश कर रही थी।"
मैंने मुंह फुला लिया, यह महसूस करते हुए कि जब मैंने सब कुछ बिगाड़ दिया था, तब वह लगभग मुझे पा ही चुकी थी।
“ज़ोई?” ब्रायन ने डर भरी आवाज़ में पूछा। “तुम क्या करने की कोशिश कर रही हो?”
मैंने पीछे मुड़कर उसकी ओर देखे बिना ही झट से जवाब दिया, "कुछ नहीं।" “क्या तुम निक पर विश्वास कर सकती हो?” एलिसन ने बीच में ही टोकते हुए कहा। “उसने हम सबको बेवकूफ बना दिया था।”
“हां, वही धूर्त,” मैंने चिड़चिड़ाते हुए जवाब दिया।
“उसने तो इस पर शेखी भी मारी,” उसने आगे कहा। “उसने कहा कि उसे विश्वास नहीं हो रहा था कि हमने उसे इतनी आसानी से अंदर आने दिया। कि हम भोले और मूर्ख थे जो उस पर इस तरह भरोसा कर बैठे।”
मैंने गहरी आह भरी, उदास होकर। "हम थे।"
"तो इस पर गुस्सा करो," एलिसन ने आग्रह किया।
"मैं अपनी असफलता पर गुस्सा हो सकता हूं, लेकिन यह ऐसी चीज नहीं है जिसके लिए मैं अपना आपा खो दूंगा।"
“तुम क्या करने की कोशिश कर रहे हो?” ब्रायन चिल्लाया।
मैंने घूमकर उसका डरा हुआ, गुस्से वाला चेहरा देखा। "कुछ नहीं!" मैंने फिर से झल्लाकर कहा।
“ओह, और उसने एक और बात कही,” एलिसन ने आगे बताया। “उसने मुझसे कहा कि वह तुम्हें दोनों हाथ पीछे बांधकर भी हरा सकता है।”
“बस करो एलिसन!” ब्रायन चिल्लाया। “तुम लोग क्या करने की कोशिश कर रहे हो?” “चुप रहो!” मैंने चिल्लाकर कहा।

मुझे जिस चिंगारी की ज़रूरत थी, वही मिल गई। मेरे शरीर में बिजली सी दौड़ गई और अचानक हीटर फट गया। यह फटा... कुछ ज़्यादा ही ज़ोर से। भयंकर आग की लपटें मुझे चारों ओर से घेर लिया, और पल भर में गायब हो गईं।
मैंने दर्द शुरू होने का इंतज़ार किया, और मुझे कुछ भी महसूस नहीं हुआ।
मैंने अपने हाथों की तरफ देखा, मुझे पूरा यकीन था कि मैं जल गई हूँ, लेकिन वे हमेशा की तरह चिकने और सफेद थे।
"बहुत दर्द हुआ," एलिसन ने मेरे पीछे से कहा।
ओह! मैं सुन्न होकर उठा और उस कोने की ओर भागा जहाँ मेरे दोस्त शरण लिए हुए थे। मैंने नुकसान का जायजा लेने के लिए उनके सामने झुककर बैठ गया।
"मुझे बहुत खेद है!" मैंने उन्हें देखकर कहा।
एलिसन की आंखें सदमे से चौड़ी हो गईं। उसने अपने हाथ अपने चेहरे पर रखे, लेकिन अपनी त्वचा को नहीं छुआ। "क्या यह बुरा है?"
“नहीं, उम्म, कुछ ज़्यादा बुरा नहीं,” मैंने जवाब दिया। “तुम बस थोड़ी सी… गुलाबी दिख रही हो।”
“मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मेरी त्वचा धूप से झुलस गई हो,” ब्रायन ने आगे कहा।
मुझे बाहरी कमरे से चिल्लाने की आवाज़ सुनाई दी। मैंने कहा, "अरे दोस्तों, हमें चलना होगा।"
एलिसन दीवार का सहारा लेकर धीरे-धीरे खड़ी हुई। मुझे लीला का हाथ पकड़कर उसे ऊपर खींचना पड़ा ताकि वह हिल सके।
"हम क्या करें?" लीला चिल्लाई, अब जाकर उसे होश आया था।
चीखने की आवाजें करीब आती जा रही थीं।
मैंने झटपट सोचकर जवाब दिया, "हमें एलिसन या ब्रायन के निकलने के लिए रास्ता बनाना होगा। अगर हम सब नहीं भाग पाए, तो वे दूसरों को बता देंगे कि हम कहाँ हैं।"
इतना कहकर मैं मुड़ा और कोठरी के दरवाजे की ओर भागा। हीटर से ज़्यादा नुकसान तो नहीं हुआ था, लेकिन ताला और कुंडी टूट गई थी, और नीचे का एक कब्ज़ा भी टूट गया था। जैसे ही मैंने दरवाजा खोला, उसका कोना पत्थर के फर्श से ज़ोर से रगड़ा। धातु छूने पर गर्म लग रही थी, लेकिन जली नहीं, शायद इसलिए कि वह ठंडी हो गई थी, या शायद इसलिए कि मैं एक दानव था। उस पल मुझे इसकी परवाह नहीं थी।

मैं बड़े पत्थर के कमरे में दाखिल हुआ। यह लगभग उतना ही वीरान था जितना हमारा कोठरी था। खाली जगह में सिर्फ एक सोफा, एक छोटा फ्रिज और एक हीटर था, साथ ही हमारे बगल में एक और अस्थायी कोठरी बनी हुई थी। और हां, क्लाउड भी था। वह शायद चीख-पुकार की जांच करने आया था और धमाके के बहुत करीब आ गया था। उसका बड़ा शरीर दर्द से कराहते हुए जमीन पर पड़ा था, लेकिन ऐसा लग रहा था कि वह बच जाएगा। मैंने उसके झुलसे हुए चेहरे की एक झलक देखी, फिर अपराधबोध को दबाकर अपना ध्यान एक छोटी सी पत्थर की सीढ़ी से नीचे आती कदमों की आहट पर केंद्रित किया।
हमारे अपहरणकर्ताओं में से सबसे पहले कमरे में निक दाखिल हुआ। मेरे चेहरे पर मुस्कान फैल गई। हमें बाहर निकलने का रास्ता ढूंढना था, और अगर इसके लिए मुझे किसी से होकर गुजरना ही था, तो मुझे खुशी थी कि वह निक था।
वह सीढ़ियों पर खड़ा था, हम चारों को अपनी कोठरी से बाहर देखकर वह दंग रह गया। जल्दी ही उसने खुद को संभाला और पेशेवर लड़ाकू मुद्रा में बैठ गया। मैं घबराकर याद करने की कोशिश कर रहा था कि मैंने हीटर कैसे उड़ाया था, लेकिन इससे पहले कि मैं कुछ कर पाता, लीला गुस्से से चीखते हुए निक पर कूद पड़ी। वे दोनों सीढ़ियों से लुढ़कते हुए पत्थर के फर्श पर ढेर हो गए। लेला हावी हो गई। मैं भयभीत होकर हँसते हुए देख रहा था कि उसने अपनी एक छोटी सी मुट्ठी पीछे खींची और फिर पलक झपकते ही निक पर मुक्के बरसाने लगी। शेक्सपियर सही ही थे। अपमानित स्त्री के क्रोध जैसा कोई क्रोध नहीं होता। यह सोचकर कि लीला निक को संभाल सकती है, मैंने एलिसन को पकड़ा और उसे अपने आगे सीढ़ियों से ऊपर धकेल दिया, फिर ब्रायन को भी अपने पीछे खींच लिया। हम एक छोटे से कमरे में पहुँचे जो सौभाग्य से ज़मीन के ऊपर था। वहाँ कोई दरवाज़ा नहीं था, बस एक बड़ा सा ढाँचा था जो चाँदनी रात में बाहर की ओर खुलता था। हम आज़ादी के बहुत करीब थे।
तभी, छोटे बालों वाला आदमी दरवाजे पर आ खड़ा हुआ और अपने चौड़े कंधों से पूरा रास्ता रोक दिया। लीला दौड़ती हुई सीढ़ियों से ऊपर आई और मेरे ठीक पीछे आकर खड़ी हो गई।
मैंने छोटे बालों वाले आदमी से कहा, "यह चार के मुकाबले एक का मामला है। मेरा सुझाव है कि आप यहाँ से चले जाएँ, वरना आपका हाल भी आपके दोस्तों जैसा ही होगा।"

"मुझे ऐसा नहीं लगता," छोटे बालों वाले आदमी के पीछे से एक आवाज़ आई। वह लंबा-चौड़ा आदमी दरवाज़े से अंदर आया और सामने एक छोटी सी सुनहरे बालों वाली महिला खड़ी थी। एक छोटी सी सुनहरे बालों वाली महिला जिसके हाथ में बंदूक थी।
उसने अपने कंधे तक लंबे बालों को चेहरे से हटाया, फिर अपनी बंदूक से इशारा किया कि हमें सीढ़ियों से नीचे वापस चलना चाहिए।
“वो यहीं ऊपर रहेगी,” उस बड़े आदमी ने एलिसन की ओर इशारा करते हुए कहा।
उस गोरी महिला ने उसे गुस्से भरी नजरों से देखा, फिर एक बार फिर इशारा किया कि हमें नीचे जाना चाहिए।
उन्होंने तर्क दिया, "उनके पास मेगन है।"
"जब तुमने मेरा पैसा लिया था, तब तुम्हें जोखिमों का पता था," गोरी लड़की ने तीखे स्वर में जवाब दिया।
“किशोरों का अपहरण करना सौदे का हिस्सा नहीं था। मैं मेगन को वापस लाऊंगा, फिर हम गायब हो जाएंगे।”
"एक सौदा?" गोरी लड़की ने उसकी ओर देखे बिना पूछा।
उस आदमी ने सिर हिलाया और एलिसन की ओर चलने लगा।
"वे इसके लिए कभी राजी नहीं होंगे," गोरी लड़की ने ताना मारा। "वे सिर्फ एक के बदले सौदा नहीं करेंगे और हमें बाकी रखने नहीं देंगे।"
“मुझे कोशिश करनी ही होगी,” उस बड़े आदमी ने गुस्से से कहा।
“ठीक है, कोशिश करो,” उसने झल्लाकर कहा। “लेकिन अभी नहीं। उसे कहीं ले जाओ, फिर सुबह जाकर उन्हें सौदे का प्रस्ताव देना। बस यह सुनिश्चित कर लेना कि उन्हें वह कल रात के बाद ही वापस मिले।” वह लीला, ब्रायन और मेरी तरफ मुड़ी। “तुम तीनों नीचे जाओ।”
हम और क्या कर सकते थे? लीला शायद दो-चार गोलियों से बच जाए, शायद मैं भी। मैं सच में यह जानना नहीं चाहता था, लेकिन लगता है लीला बच गई। उसने उस औरत पर झपट्टा मारा, अपनी छाती पर तनी बंदूक को पूरी तरह से अनदेखा करते हुए। वह औरत बहुत देर तक जमी रही और उसे गोली चलाने का मौका ही नहीं मिला। दोनों दरवाजे से बाहर गिर पड़ीं।
एलिसन ने मौका पाकर उस हट्टे-कट्टे आदमी की पकड़ से छूटकर दरवाजे की ओर भागने की कोशिश की। वह उसके पीछे जाने के लिए मुड़ा और मैं उसकी पीठ पर कूद पड़ी, ताकि एलिसन को कुछ मिनटों का समय मिल सके। उसने मुझे पकड़ने के लिए

अपनी मजबूत बाहों को पीछे की ओर ले जाने की कोशिश की, फिर अंत में अपनी पीठ दीवार पर पटक दी, जिससे मेरी सांस रुक गई। मैं उसकी पीठ से फिसलकर नीचे गिरी और शायद मेरी पसली टूट गई थी, जिससे मुझे दर्द हुआ।
जब मैं सांस लेना दोबारा सीखने की कोशिश कर रहा था, तभी ब्रायन उस बड़े आदमी के पीछे आ गया। उसने कहीं से मिली एक टूटी हुई लकड़ी उठाई और उसे बेसबॉल बैट की तरह घुमाकर उस आदमी के सिर के पिछले हिस्से पर मारा। आदमी को ज़रा भी फर्क नहीं पड़ा, फिर वह ब्रायन की तरफ मुड़ा और उसे ऐसे पटका जैसे वह कोई परेशान करने वाला कीड़ा हो। ब्रायन उड़कर दरवाजे से बाहर जा गिरा। यह आदमी साफ तौर पर इंसान नहीं था।
ज़मीन पर लेटे-लेटे मैंने झपट्टा मारा और उस आदमी का टखना पकड़ लिया। मैं उस समय बहुत गुस्से में था और मेरी शक्तियाँ सहजता से मुझमें प्रवाहित हो रही थीं। जलते हुए मांस की गंध मेरी नाक तक पहुँची, तभी वह आदमी चीखा और मुझसे दूर गिर पड़ा। जैसे ही उसने अपने पैर मोड़े और घुटनों के बल बैठ गया, मैंने उसके टखने पर से अपनी पकड़ खो दी।
ब्रायन लंगड़ाते हुए वापस नज़र आया। "भागो!" मैं चिल्लाई।
मैंने अपना ध्यान फिर से उस छोटे बालों वाले आदमी पर केंद्रित किया। उसकी आँखों में क्रोध झलक रहा था, और वह फिर से मुझ पर झपटा। मैं किसी तरह उसकी पकड़ से बच निकली और दरवाजे की ओर भागी। मैंने दूर से लीला और एलिसन को भागते हुए देखा, ब्रायन भी उनके पीछे भागने के लिए दरवाजे से बाहर कूद गया। मैं उन्हें मुझे छोड़ने के लिए दोष नहीं दे सकती थी। अगर हममें से कम से कम एक बच जाए, तो वे उस दूसरे के लिए मदद ला सकते हैं जो नहीं बच पाया।
जैसे ही ठंडी रात की हवा ने मुझे घेर लिया, मुझे लगने लगा कि शायद हम चारों बच निकलेंगे। तभी मेरी नज़र के किनारे पर एक गोरी महिला लंगड़ाती हुई दिखाई दी, जिसके चेहरे से खून बह रहा था। एक भयानक मुस्कान के साथ, उसने अपने हाथ में पकड़े पत्थर को उठाया। मुझे प्रतिक्रिया करने का समय ही नहीं मिला।
उस रात दूसरी बार मैं गहरी नींद में सो गया।

अध्याय तेरह
मैं बेहोशी की दवाइयों के जाने-पहचाने असर से जूझते हुए होश में आया। इस बार मैं किसी होटल के कमरे में था। मुझे अपने हाथों के नीचे खुरदुरा सिंथेटिक कंबल महसूस हो रहा था। बस इतना ही मैं देख पाया था कि तभी गोरी महिला का खरोंचों से भरा और चोटिल चेहरा मेरे सामने आ गया।
“मुझे नहीं लगता,” उसने फुसफुसाते हुए कहा। मुझे अपनी बांह में एक और चुभन महसूस हुई। पलकें बंद होने से पहले मेरे मन में आखिरी ख्याल यही आया कि मैं मरने वाली हूँ।
जब मुझे होश आया, तो फिर से रात हो चुकी थी। काश मुझे पता होता कि कौन सी रात थी। मेरा पहला ख्याल यही आया कि मुझे बहुत ठंड लग रही थी। मैं अपने हाथों के सहारे किसी बड़े पेड़ से लटकी हुई थी। मेरा विंटर कोट गायब था और खुद को छुड़ाने की कोशिश में पेड़ की खुरदरी छाल मेरी पीठ से रगड़ खा रही थी। मैंने जितना हो सके नीचे देखा तो पाया कि मेरे पैर ज़मीन से लगभग दो फीट ऊपर थे।
हवा में धुएं की तेज़ गंध फैली हुई थी, जिसमें दालचीनी और सौंफ जैसी महक थी। उस तीखी गंध से नाक सिकोड़ते हुए मैंने अपना मुंह बंद कर लिया। मुझे सौंफ बिल्कुल पसंद नहीं है। जैसे-जैसे मेरी चेतना वापस लौटी, मैंने अपने आसपास का जायज़ा लेना शुरू किया। एक बड़ा, टूटा हुआ पत्थर का टुकड़ा मेरे लटके होने की जगह से कुछ ही फीट दूर था। जब मुझे एहसास हुआ कि वह क्या है... एक कब्र का पत्थर, तो गले में अटकी गांठ को निगलना मेरे लिए मुश्किल हो गया।
घबराकर, मैं अपनी जंजीरों से और ज़्यादा जूझने लगा, जो मानो धातु की बनी हों। कब्रिस्तान वह आखिरी जगह थी जहाँ मैं जागना चाहता था। खैर, एक असली कब्र के अलावा, यह आखिरी जगह थी। मैंने मन ही मन शेल्बी कब्रिस्तान का नक्शा बनाया, यह समझने की कोशिश करते हुए कि मैं किस इलाके में हूँ। लेकिन वहाँ बहुत सारे पेड़ थे। कब्रिस्तान में पेड़ तो थे, लेकिन वे उन पेड़ों से ज़्यादा दूरी पर थे जिनसे मैं अभी घिरा हुआ था।
मुझे जंगल में कहीं होना चाहिए था। जंगल में पुराने, वीरान घर थे। यह स्वाभाविक ही था कि वहाँ रहने वालों का एक कब्रिस्तान रहा होगा। एक बहुत पुराना कब्रिस्तान। यह बहुत ही बुरा था।

मैंने अपने हाथों पर बंधी जंजीरों को छुड़ाने की और कोशिश की, लेकिन केवल कलाई पर खरोंचें आईं और शायद खून भी निकल आया। मेरे शरीर का भार उठाने से मेरे हाथ और कंधे दुख रहे थे। मैंने चीखने की कोशिश में गहरी सांस ली। मुझे चीखने का मन हुआ, लेकिन तभी अचानक अंधेरे से कोई मेरे सामने आ गया और मेरी चीख दब गई। वह मनोरोगी, बंदूकधारी गोरी लड़की थी। तो, मैं आखिरकार उस जगह पर थी जहाँ मैं बिल्कुल नहीं होना चाहती थी, और उस व्यक्ति को घूर रही थी जिसे मैं देखना बिल्कुल नहीं चाहती थी। सच कहूँ तो, मैं निक को भी उससे बेहतर मानती।
“नमस्कार,” उसने प्रसन्नतापूर्वक कहा।
मैंने चुपचाप उसे घूरकर देखा। उसकी एक आंख पर चोट लगी थी और चेहरे के एक तरफ गहरे खरोंच के निशान थे।
“बात नहीं करना चाहते?” उसने पूछा। उसने एक बेहद शरारती मुस्कान दी। “कोई बात नहीं,” उसने आगे कहा। “तुम्हें बात करने की ज़रूरत नहीं है। हमें बस तुम्हारा खून चाहिए।”
मेरा खून? छी, छी, छी, छी, छी। मैंने अपना पैर आगे बढ़ाया और उसके घमंडी से चेहरे पर लात मारने की कोशिश की, लेकिन वह आसानी से एक तरफ हट गई और मेरी पहुँच से बाहर हो गई। वह एक भयानक, कर्कश सी हंसी हंसी जिसे मैं हमेशा याद रखूंगा (चाहे वह हमेशा कितना भी लंबा क्यों न हो) और चली गई।
मुझे ज़्यादा देर अकेले इंतज़ार नहीं करना पड़ा। निक अकड़ते हुए सामने आया और मुझसे कुछ ही फ़ीट दूर खड़ा हो गया। लीला की वजह से उसके चेहरे पर जो चोटें आई थीं, उनसे उसका घमंड थोड़ा कम हो गया था। दुर्भाग्य से, उसके वेयरवोल्फ खून ने उन चोटों को बदसूरत पीले रंग में बदल दिया था।
“बहुत करीब जाने से डरते हो?” मैंने उपहास उड़ाया।
“डरता नहीं,” उसने जवाब दिया। “बस होशियार हूँ।”
मैंने बुदबुदाते हुए कहा, "यह बहस का विषय है।"
“आखिर तुम हो कौन?” उसने पूछा। “मैंने देखा तुमने क्लाउड और माइकल के साथ क्या किया।”
शायद क्रू-कट वाले आदमी का नाम माइकल था। मैंने कहा, "मैं तुम्हें बता दूँगा कि मैं कौन हूँ, अगर तुम मुझे यह बताओ कि तुम मेरे साथ क्या करने वाले हो।"

"हम तुम्हारा गला काटकर तुम्हारी शक्तियां छीनने की योजना बना रहे हैं," उसने शांत भाव से कहा।
उसके शब्दों ने मुझे बुरी तरह से झकझोर दिया। मतलब, मुझे पता था कि वे मुझे मारने की योजना बना रहे हैं, लेकिन इतनी बेरहमी से यह सुनकर मेरे रोंगटे खड़े हो गए। "क्या तुमने उन लोगों की शक्तियां चुराईं जिनका तुमने अपहरण किया था?" मैंने कमजोर आवाज में पूछा।
“हाँ,” उसने खुशी से जवाब दिया। “मतलब, मैं पहले से ही वेयरवोल्फ था, लेकिन जेमी ने मुझसे वादा किया था कि अगर मैं उसकी शक्तियाँ हासिल करने में मदद करूँ तो वह मुझे और शक्तियाँ देगी। उसने मुझे तुम्हारी शक्तियाँ देने का वादा किया था, और अब जब मैंने देख लिया है कि तुम क्या कर सकते हो, तो मुझे बहुत खुशी है कि उसने ऐसा किया।”
ठीक है, मैंने सोचा, उसे बोलने दो, थोड़ा और समय मिल जाएगा। "जैमी?" मैंने पूछा। "क्या वो गोरी लड़की है? वो ये कैसे करती है? मेरा मतलब है, शक्तियां कैसे चुराती है?"
वह अनमने ढंग से अपने जूते के अगले हिस्से को मिट्टी में घुमा रहा था। "मुझे नहीं पता," उसने जवाब दिया। "वह अजीब सी गंध वाली आग जलाती है और किसी चीज़ को पुकारती है... जहाँ तक मुझे समझ आता है, वह कोई आत्मा या कुछ और है। तुम देखोगे। वह आग में प्रकट होती है। फिर वह हमारे बंदी का गला काट देती है। वह तुम होगे," उसने घृणा से मेरी ओर उंगली उठाई। "फिर वह तुम्हारा खून एक बड़े कटोरे में डालती है और उसे उस आत्मा के लिए आग में डाल देती है। जहाँ तक मुझे समझ आता है, आत्मा खून से शक्तियाँ लेती है और उन्हें उसे या जिसे वह कहती है, उसे दे देती है।"
मुझे चक्कर आने लगे थे। गले में उमड़ रही कड़वाहट को मैंने बड़ी मुश्किल से निगलते हुए पूछा, “अगर आपको सिर्फ खून चाहिए, तो क्या आप उसे किसी ऐसी जगह से नहीं ले सकते जहाँ जान को खतरा न हो? आप मेरी शक्तियाँ ले सकते हैं,” मैंने गिड़गिड़ाते हुए कहा। “मुझे उनकी ज़रूरत नहीं है।”
“नहीं,” उसने मुस्कुराते हुए कहा। “आत्मा कहती है कि बंदी की शक्तियां छीनने से पहले उसकी मृत्यु होनी चाहिए। उसे उसकी आत्मा से अलग करना होगा। अब इतना स्पष्टीकरण काफी है। मुझे बताओ कि तुम क्या हो।”
मैंने धमकी देते हुए कहा, "मैं वो व्यक्ति हूं जिससे पंगा लेना बिल्कुल मत चाहो।"

यह सुनकर वह हँस पड़ा। "माफ़ करना जान। जब तुम पेड़ से बंधी हो तो धमकियाँ काम नहीं आतीं।"
मैंने खुद को मुस्कुराने के लिए मजबूर किया, लेकिन वह बस दांत दिखाना जैसा था। "याद है जब हम मिले थे?" मैंने पूछा। "और मैंने तुमसे कहा था कि अगर तुमने मुझे धोखा दिया तो मैं तुम्हें मार डालूँगी?"
उसने सिर हिलाया। "हाँ। इससे यह स्थिति और भी अधिक संतोषजनक हो जाती है।" उसके डर की कमी को नजरअंदाज करते हुए मैं आगे बढ़ा। "ठीक है," मैंने कहना शुरू किया, "हो सकता है मैं तुम्हें खुद न मार सकूँ, लेकिन तुम्हारा अंत भी उतना ही बुरा होगा।"
“और वो कैसा है?” उसने मुस्कुराते हुए पूछा।
मैंने उत्तर दिया, "क्योंकि मैं जो हूँ, उसी के कारण। मैं एक दानव हूँ, जो शायद अपने आप में आपको डरा न पाए, लेकिन दानव एक साथ रहते हैं, और आप नहीं चाहेंगे कि दानव आपके पीछे पड़ें।"
“अरे यार, यहाँ से चले जाओ,” उसने हँसते हुए कहा। “एक दानव? तुम्हारी शक्तियाँ तो अब तक की सबसे शानदार शक्तियों जैसी होंगी।”
मैंने उम्मीद खोते हुए बुदबुदाया, "तुम तो बिलकुल बेवकूफ हो।"
“देखते हैं,” उसने कहा और फिर अंधेरे में गायब हो गया।
“देखते हैं,” उसके जाते ही मैंने मन ही मन कहा। हथकड़ियों से मेरी कलाइयाँ बुरी तरह धंस रही थीं। मुझे वहाँ से निकलना ही था। मैंने आँखें बंद कीं और ध्यान केंद्रित किया, कुछ करने के लिए थोड़ी सी भी हिम्मत जुटाने की कोशिश की। अगर मैं घरेलू उपकरणों को उड़ा सकती थी, तो शायद इन धातु की हथकड़ियों को पिघला सकती थी। या शायद जिस पेड़ की डाल से मैं लटकी थी, उसमें आग लगा सकती थी?
मैंने इस बात पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश की कि मुझे इस पूरी स्थिति पर, निक द्वारा मेरी मृत्यु के बारे में लापरवाही से की गई बातचीत पर कितना गुस्सा आना चाहिए, लेकिन मैं केवल थका हुआ और डरा हुआ महसूस कर रहा था। मुझे अपने पीछे से मंत्रोच्चार की आवाज़ सुनाई दी, जहाँ से मुझे आग की आवाज़ आ रही थी। समय कम होता जा रहा था। भला किस तरह की आत्मा शक्तियाँ चुराकर फिर उन्हें किसी नश्वर प्राणी को वापस दे देती है? क्या उसे मृत्यु ही चाहिए थी? यह तो किसी आत्मा की आवाज़ नहीं लग रही थी। जहाँ तक मुझे पता था, आत्माओं के पास इस तरह की शक्तियाँ नहीं होतीं, न ही उन्हें इसकी परवाह

होती है। नहीं, यह मामला तो किसी दानव जैसा लग रहा था। वैसे, सारे दानव अच्छे नहीं होते।
एक ज़ोरदार आवाज़ हुई और अचानक बिजली के झटके से मैं कांप उठा। दानव आ चुका था।
“यह कहाँ है?” मैंने निक की आवाज सुनी।
“मुझे नहीं पता,” जैमे ने तीखे स्वर में उत्तर दिया। “बस चुप रहो।”
क्या वो राक्षस यहाँ नहीं था? पर मुझे उसका एहसास हुआ था...
"शायद वह डर के मारे भाग गया हो," एक और आवाज सुनाई दी।
जब मुझे एहसास हुआ कि ये मेरे पापा की आवाज़ है, तो मेरे अंदर उम्मीद की एक लहर दौड़ गई। वो सरसराहट उन्हीं की थी! मैं खुशी से मुस्कुरा उठा और फिर से अपनी जंजीरों से छूटने की कोशिश करने लगा। तभी चीख-पुकार शुरू हो गई। सबसे पहले जैमी चीखी, उसके तुरंत बाद निक भी चीखा। मैं विस्मय से देखता रहा कि आग की लपटों से चमकती परछाइयाँ मेरे सामने जंगल को सजा रही थीं। चीखना ज़्यादा देर तक नहीं चला। कुछ ही पलों बाद, मेरे पिताजी मेरे पेड़ के चारों ओर घूमकर मेरे सामने आकर खड़े हो गए।
“हेलो एलेक्सोंड्रा!” उसने प्रसन्नता से कहा। वह आराम से अपनी पैंट की जेबों में हाथ डाले खड़ा था, दो लोगों को मारने के बावजूद उसके चेहरे पर तनाव का कोई निशान नहीं था।
“हाय पापा,” मैंने जवाब दिया, फिर यह एहसास होने पर शर्मिंदगी महसूस हुई कि मैंने उन्हें पापा कह दिया। मैं मन ही मन इतना कुछ दोहरा रही थी कि मुंह से निकल ही गया।
उसने मेरी गलती को अनसुना करने का नाटक किया और जिस पेड़ से मैं लटक रही थी, उसकी जांच करने लगा। जाहिर तौर पर कोई और रास्ता न देखकर, उसने पेड़ की निचली शाखाओं को पकड़कर खुद को ऊपर खींच लिया। मैं बेसब्री से इंतजार करती रही जब तक कि उसके पैर पत्तियों में गायब नहीं हो गए।
“तैयार हो?” उसने पूछा।
मैंने बुदबुदाते हुए कहा, "बस कर दो।"
एक ज़ोरदार आवाज़ के साथ, जिस डाल से मैं लटका हुआ था वह टूट गई और मैं धड़ाम से ज़मीन पर गिर पड़ा। मेरे पिताजी ने डाल को एक तरफ धकेल दिया ताकि वह मुझ पर न गिरे।

मैं जहां गिरा था वहीं जमीन पर पड़ा रहा, हिलने की बिल्कुल भी इच्छा नहीं थी। मेरे पिताजी के पैर मेरे सिर के ठीक बगल में पड़े, फिर उन्होंने मुझे कंधों के नीचे से हाथों से उठाकर ऊपर उठाया। अब जब मैं नीचे आ गया था, तो उन्होंने मेरी हथकड़ियों को गौर से देखा। "यहीं रुको," उन्होंने आदेश दिया, और फिर पेड़ के पीछे गायब हो गए।
मैं उसके पीछे लड़खड़ाते हुए चला, मानो मुझे किसी तरह उस भयावह दृश्य को देखना ही था, कम से कम यह यकीन करने के लिए कि सब कुछ सचमुच खत्म हो गया है। मुझे एक भयानक दृश्य की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा नहीं था। क्या दो जले हुए शवों को 'इतना बुरा नहीं' मानना एक बुरा संकेत था?
इसका जवाब मत देना।
मेरे पिताजी ने जले हुए शवों में से छोटे वाले को लात मारी, जिससे उसके कुछ हिस्से राख में बदल गए। वे शव से कुछ कदम दूर चले गए, मानो उन्हें वह मिल गया हो जिसकी उन्हें तलाश थी, फिर उनके हाथ में एक पर्स था। जैमी का पर्स। सौभाग्य से, जब यह घटना हुई, तब जैमी के हाथ में नहीं था।
उसने पर्स में से चाबियों का एक गुच्छा निकाला। वापस मेरे पास आते हुए उसने पर्स को जैमी की आग में फेंक दिया। उसने चाबियों के गुच्छे में से हथकड़ी की चाबी अलग की।
उसने चाबी मेरी हथकड़ी में फंसा दी और वे खुशी-खुशी मेरे हाथों से गिर गईं, पहले एक कलाई से, फिर दूसरी से।
मैंने पूछा, "तुम्हें इतनी देर क्यों लगी?" उसने कहा, "मुझे लगा कि तुम मुझे महसूस कर सकते हो।"
उसने झुंझलाहट से अपनी भौंहें सिकोड़ीं। "जब तुम जमीन के नीचे या बेहोश होते हो, तो मैं तुम्हें महसूस नहीं कर पाता। आज रात पहली बार तुम इतनी देर तक जागे रहे कि मैं तुम पर कोई निशान लगा सका।"
मैंने जेमी की आग पर एक नजर डाली। "दूसरे दानव का क्या हुआ?"
मेरे पिताजी हँस पड़े। “पता चला कि मैं उस खास राक्षस को जानता हूँ। वह मायाजाल रचने में माहिर है और उन्हें यह विश्वास दिला रहा था कि उसने उन्हें शक्तियाँ दी हैं। यह उसका एक खेल है।”
“तो क्या हुआ?” मैंने पूछा। “वह बिना किसी कारण के लोगों को मरवा रहा था, ताकि निक और बाकी लोग यह सोचें कि उन्हें नई शक्तियां मिल रही हैं?”
मेरे पिताजी ने सिर हिलाया।

“लेकिन क्यों?” मैंने पूछा।
मेरे पिताजी ने कंधे उचकाते हुए कहा, "क्यों नहीं? उसे इसमें मज़ा आता है। लोगों को अलौकिक शक्तियों वाले प्राणियों को मारने के लिए मनाना। और जब उसका मज़ा पूरा हो जाता है, तो वह उन लोगों को मार डालता है जिनके साथ उसने पहले सौदा किया था।"
मेरी आंखें फटी रह गईं। मैं एक मज़ाक की वजह से लगभग मर ही गया था? "मज़ाक कर रहे हो? सब कुछ बेकार गया? ये तो सरासर. . . घिनौना है।"
वह कहावत के अनुसार मगरमच्छ की तरह मुस्कुराया। "तुम्हें पता है, सभी राक्षस अच्छे नहीं होते।"
मैंने इस बात को नज़रअंदाज़ कर दिया कि उसने बिल्कुल मेरे ही विचारों को दोहराया था। उसने मेरा बायां हाथ पकड़ा और उसे अपने कंधे पर रख लिया, और मैंने उसे ऐसा करने दिया, क्योंकि मेरे घुटने किसी भी पल जवाब दे सकते थे। "तुम्हें पता है, मैं अब भी तुमसे नफरत करती हूँ," मैंने खुद को इस बात का आश्वासन देने के लिए कहा।
"हां एलेक्सोंड्रा, मुझे पता है," उसने अपने लहजे में हल्की सी व्यंग्यात्मकता के साथ उत्तर दिया।
मैंने निक के शव की ओर देखा। मैंने उससे बुदबुदाते हुए कहा, "मैंने तुमसे कहा था।"
“क्या?” मेरे पिताजी ने पूछा।
“कुछ नहीं,” मैंने उत्तर दिया। “क्या मैं कभी ऐसा कर पाऊँगा?” मैंने अवशेषों की ओर इशारा करते हुए पूछा।
“जी हां, एलेक्सोंड्रा। मुझे तुमसे बहुत उम्मीदें हैं,” उन्होंने जवाब दिया।
अब वो छोटी सी मजेदार बात तो निश्चित रूप से बहुत बुरी थी। सचमुच बहुत ही बुरी बात थी।

अध्याय चौदह
मुझे पता चला कि मेरे पिताजी मुझे भी अपने साथ टेलीपोर्ट कर सकते हैं, हालांकि वे टेलीपोर्टेशन शब्द का उपहास करते थे। वे इसे केवल यात्रा करना कहते थे।
चाहे जो भी नाम हो, मैं जल्द ही जंगल से बाहर निकल आई। मुझे लगा कि हम मेरे घर जा रहे होंगे, लेकिन पलक झपकते ही हम जेसन के अपार्टमेंट की पार्किंग में पहुँच गए। मेरे पिताजी ने मुझे लगभग गोद में उठाकर सीढ़ियाँ चढ़वाईं, हालाँकि मैंने जितना हो सके चलने का नाटक किया। जेसन ने हमारे दस्तक देने से पहले ही अपना दरवाजा खोल दिया।
उन्होंने मेरे पिता के कंधे से मेरा हाथ उठाया और मुझे कसकर गले लगा लिया। “मैं जितनी जल्दी हो सका, यहाँ आ गया,” उन्होंने मेरे बालों में फुसफुसाते हुए कहा। “मुझे बहुत अफ़सोस है। मुझे कभी नहीं जाना चाहिए था।”
“नहीं, तुम्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था,” मैंने धीरे से कहा। मैंने अपनी चोटिल पसलियों के दर्द को अनसुना कर दिया और जेसन को मुझे कुचलते रहने दिया।
मुझे अपने गाल पर गीलापन महसूस हुआ और मुझे एहसास हुआ कि वह रो रहा है। उसने मुझे अपने अपार्टमेंट के अंदर खींच लिया और मेरे पिताजी के आने के लिए दरवाजा खुला छोड़ दिया। जेसन ने मुझे अपने साधारण से सोफे पर बिठाया और फिर मेरे बगल में बैठ गया।
मैंने अपने पिता की ओर सवालिया निगाहों से देखा, जो हमारे ऊपर अजीब तरह से मंडरा रहे थे। उन्होंने जेसन की ओर इशारा करते हुए कहा, "उसने मुझसे वादा करवाया है कि मैं तुम्हें सीधे यहीं लाऊंगा।"
मैंने जेसन की तरफ देखने के लिए अपना सिर एक तरफ घुमाया। "उसने मुझे आने नहीं दिया," उसने थोड़ी चिड़चिड़ी आवाज़ में बताया।
मेरे पिताजी ने गहरी सांस ली। “मैंने उसे यह भी बताया कि यात्रा के दौरान मैं केवल एक ही व्यक्ति को ले जा सकता हूँ, मुझे एलेक्जेंड्रा को वापस ले जाने में सक्षम होना चाहिए।”
“और मैंने उससे कहा…” जेसन ने कहना शुरू किया।
मैंने हाथ उठाकर उसकी बात काट दी। मुझे लग रहा था कि मेरे पिताजी एक ही व्यक्ति को उठा पाने की बात झूठ बोल रहे थे, लेकिन मैंने इस बात को ज़ाहिर

नहीं किया। जैसे ही मेरी कलाई पर मेरी पहली नज़र पड़ी, मैं जो कुछ भी कहने वाली थी, भूल गई। घाव आंशिक रूप से भर चुके थे, लेकिन फिर भी उनका रंग भद्दा हरा-भूरा था, और हथकड़ियों के कारण जहाँ त्वचा छिल गई थी, वहाँ बदसूरत पपड़ी जमी हुई थी।
उसी क्षण चेज़, लूसी, एलिसन, मैक्स, लीला और यहाँ तक कि ब्रायन भी जेसन के अपार्टमेंट में घुस आए। मेरे चौंके हुए चेहरे को देखकर जेसन ने समझाया, "जब तुम्हारे पापा तुम्हें लेने गए थे, तब मैंने उन्हें फोन किया था।" लूसी और एलिसन ने सबसे पहले मुझे गले लगाया। "तुमसे बदबू आ रही है," एलिसन ने धीरे-धीरे मुझसे दूर हटते हुए कहा।
उसकी बात सुनकर मुझे हल्की हंसी आ गई। फिर वो हल्की हंसी ठहाकों में बदल गई, पेट में गुदगुदी सी होने लगी। मेरे दोस्त मुझे ऐसे घूर रहे थे मानो मैंने भगवद्गीता सुना दी हो, और मैं और भी ज़ोर से हंसने लगी। शायद मैं सदमे और थकावट से बेहाल थी, और मुझे ज़रा भी परवाह नहीं थी। हम एक बार फिर ज़िंदा बच निकले थे।
मेरी हंसी जितनी अचानक शुरू हुई थी, उतनी ही अचानक खत्म भी हो गई, क्योंकि मेरे मन में एक बेहद डरावना ख्याल आया। "तुम लोगों ने मेरी माँ को क्या बताया?"
मुझे किसी ने जवाब नहीं दिया।
“तो?” मैंने पूछा।
“उन्होंने उसे नशीली दवा दी,” ब्रायन ने जवाब दिया।
ब्रायन की गंभीर भूरी आँखों को देखकर मैं दंग रह गई। मैंने एलिसन की ओर देखा, क्योंकि वही अकेली थी जिसने मेरी आँखों में आँखें मिलाईं। "क्या तुमने मेरी माँ को नशीली दवा दी?" मैंने संदेह से पूछा।
एलिसन असहज हो गई। "उम, तुम्हारे पापा ने किया था।"
मैंने अपना ध्यान उस राक्षस की ओर मोड़ा। "क्या आप समझाना चाहेंगे?" “मैंने उसे कोई नशीली दवा नहीं दी,” उसने जवाब दिया, उसकी आवाज़ में ज़रा भी अपराधबोध नहीं झलक रहा था। “मैंने उसे कुछ ऐसा दिया जिससे उसे नींद आ जाए और उसकी याददाश्त थोड़ी धुंधली हो जाए।”
“तुमने मेरी माँ को नशीली दवा दी!” मैंने चिल्लाकर कहा।

मेरे पिताजी ने अपना सिर एक तरफ झुकाया और मुझे ऐसी नज़र से देखा जैसे मैं बहुत ही मूर्खतापूर्ण व्यवहार कर रहा हूँ। "तुम क्या चाहते थे कि मैं क्या करता?"
मैं एक बार फिर मूर्ख की तरह अवाक रह गया। "मुझे नहीं पता, लेकिन तुम्हें उसे नशीली दवा नहीं देनी चाहिए थी।"
मेरे पिताजी ने कंधे उचकाए और जेसन के अपार्टमेंट में बेफिक्री से छानबीन करने लगे। मैंने उस बहस को छोड़ दिया और अपना सिर हाथों में थाम लिया। "हमारे बाकी अपहरणकर्ताओं का क्या हुआ?" मैंने पूछा। मुझे क्लाउड का झुलसा हुआ चेहरा बार-बार याद आ रहा था। वह एक अपहरणकर्ता के लिए अच्छा लग रहा था... बाकी के लिए तो मुझे कोई परवाह नहीं।
“लाल बालों वाली महिला से निपटा जाएगा,” मेरे पिताजी ने जवाब दिया। “बाकी सब गायब हो गए हैं।”
“निक?” लीला ने उदास होकर पूछा।
मैंने उत्तर दिया, "जलाने की लकड़ी।"
उसने सिर हिलाया और मेरे बगल में सोफे पर बैठ गई।
मैंने अपने पिता की ओर ध्यान वापस मोड़ते हुए पूछा, "अब, जब आप कहते हैं कि उससे निपटा जाएगा, तो इसका वास्तव में क्या मतलब है?"
मेरे पिताजी के जवाब देने से पहले ही चेज़ ने पूछा, "क्या तुम्हें सच में परवाह है?"
मैंने उसे गुस्से से देखा। "हाँ, मुझे परवाह है।" अपने पिताजी की ओर मुड़कर मैंने कहा, "बस उसे मार मत डालना, ठीक है?"
मेरे पिताजी ने सिर हिलाकर सहमति जताई। "ठीक है।"
अब जब यह मामला सुलझ गया, तो अगली आपात स्थिति की ओर बढ़ते हैं... मुझसे बहुत बदबू आ रही थी। "क्या अब हम घर जा सकते हैं?" मैंने गिड़गिड़ाते हुए कहा। "मुझे नहाने की सख्त जरूरत है।"
जेसन ने मुझे खड़े होने में मदद करने के लिए मेरा हाथ पकड़ा। मैं अभी भी कांप रही थी, इसलिए मैंने उसे ऐसा करने दिया। कई दिनों तक उसकी यादों को दबाने के बाद, उसके पास फिर से होना बहुत अच्छा लगा।
हम चुपचाप जेसन के अपार्टमेंट से निकले और मैं लड़खड़ाते हुए सीढ़ियों से उतरकर पार्किंग लॉट की ओर बढ़ा। रेलिंग को कसकर पकड़े रहने के कारण मैं जेसन की ज़्यादा मदद के बिना ही वहाँ पहुँच गया। पार्किंग लॉट में मुझे

चेज़ की गाड़ी के अलावा कोई और गाड़ी नज़र नहीं आई और मैं सोचने लगा कि हम सब जेसन के घर कैसे पहुँचे।
मेरे सवाल के जवाब में, लीला मेरे बगल में आकर खड़ी हो गई। उसने पूछा, "क्या मैं आपके और जेसन के साथ चल सकती हूँ? उस खस्ताहाल ट्रक में सफ़र बिल्कुल भी आरामदायक नहीं था।"
“ज़रूर,” मैंने धीरे से कहा और जेसन की कार के यात्री सीट की ओर बढ़ गई। जेसन ने दरवाज़े खोल दिए जबकि मेरे बाकी दोस्त चेज़ के ट्रक में बैठ गए। मेरे पिताजी मेरे बगल में आकर खड़े हो गए, और मुझे कार की सुरक्षा में भागने से रोक दिया।
“तुम्हें मुझे एलेक्जेंड्रा सिखाने देना चाहिए,” उसने सीधे-सादे शब्दों में कहा। जेसन और लीला पहले ही कार में बैठ चुके थे, इसलिए मेरे पास बीच में टोकने के लिए कोई नहीं था।
मैंने अपने पिता के भावहीन चेहरे की ओर घूरकर देखा। मुझे एहसास हुआ कि उनकी नाक मेरी नाक से थोड़ी नुकीली थी, हमारे बाकी चेहरों की तरह एक जैसी नहीं थी, और मैंने कुछ पल इस बात का आनंद लिया।
मैंने आखिरकार कहा, "तुम मुझसे पूछकर देख सकते हो। और मेरा नाम ज़ोई है।" मुझे उम्मीद थी कि वह मेरी तरफ आंखें घुमाएगा, लेकिन उसने गंभीरता से मेरी आंखों में देखा। "कृपया मुझे तुम्हें सिखाने दो... ज़ोई।"
मैंने अपनी आँखें बंद कर लीं और ठंडी रात की हवा में सांस ली। यह उसे अपने जीवन में शामिल करने का आखिरी कदम होगा। "ठीक है," मैंने धीरे से कहा।
वह मुस्कुराया, और उसकी मुस्कान सच्ची थी। "तो फिर जल्द ही मिलते हैं।" मैंने कार का दरवाजा खोला, फिर उसके गायब होने से पहले उसे रोकने के लिए मुड़ा। "हे," मैंने कहना शुरू किया, "मुझे एक सवाल पूछना है।"
इसके जवाब में उसने मेरी तरफ एक भौंह उठाई।
मैंने बताया, "जब उन्होंने मेरा अपहरण किया, तो उन्होंने मुझे ढेर सारी नींद की गोलियां दीं, लेकिन मैं उनसे बहुत जल्दी उबर गई, लीला से भी जल्दी।"
मेरे पिताजी ने जवाब देने से पहले मन ही मन मुस्कुराते हुए कहा, "तुम्हारे पास तो बिना कुछ किए भी आग पैदा करने की ताकत है। तेज़ चयापचय तो तुम्हारी ऊर्जा का ही हिस्सा है।"

"ऊम्फ" शब्द सुनकर मेरी मुस्कान रुक नहीं पाई। मुझे यह "राक्षसी शक्ति" से कहीं ज़्यादा पसंद आया। "ऊम्फ?" मैंने पूछा। "मुझे लगता है कि मैं थोड़ी ऊम्फ बर्दाश्त कर सकती हूँ," मैंने मान लिया।
जैसे ही मेरे पिताजी धुएं के गुबार में गायब हुए, मैं चुपके से कार में बैठ गया। जाहिर है, उन्हें इस बात की परवाह नहीं थी कि कोई उन्हें देख रहा है या नहीं। काश हम सब इतने सुरक्षित होते।

अध्याय पंद्रह
जब हम घर वापस आए, तो चेज़ की गाड़ी पहले से ही सामने खड़ी थी। मैं जेसन के साथ अकेले रहना चाहती थी, लेकिन मेरे दोस्त मेरे बारे में चिंतित थे, और मैं उन्हें यह आश्वस्त करने के लिए कुछ मिनट देना चाहती थी कि सब कुछ ठीक है।
जेसन, लीला और मैं घर के अंदर गए तो देखा कि मैक्स, लूसी और चेज़ लिविंग रूम में हमारा इंतज़ार कर रहे थे। मैं सोफे के पास जाकर खड़ा हो गया और जेसन परछाई की तरह मेरे पीछे-पीछे आया। किसी ने कुछ नहीं कहा।
मैं कुछ देर तक असहज होकर खड़ी रही। मैं इसके लिए बहुत थकी हुई थी। "मैं, उम्म, नहाने जा रही हूँ," मैंने सीढ़ियों की ओर बेमन से उंगली करते हुए कहा। मैं लिविंग रूम से निकलकर अपने कमरे की ओर भागी, और जेसन पूरे रास्ते मेरे पीछे-पीछे दो कदम से ज़्यादा दूर नहीं था।
जब हम अकेले हुए, तो मैं जेसन की बाहों में गिर पड़ी। मैंने यह भी नहीं देखा था कि मेरी माँ जाग रही है या नहीं। मुझे अब भी समझ नहीं आ रहा था कि मैं उनसे क्या कहूँगी। "माफ़ करना, लेकिन पापा ने तुम्हें दवा दी?" मुझे नहीं लगता कि यह बात उन्हें अच्छी लगेगी। शायद मैं उन्हें समझा पाऊँ कि उनके सिर पर चोट लगी थी और अब उन्हें मामूली सी भूलने की बीमारी हो गई है, जो नुकसानदायक नहीं है।
जेसन बिस्तर पर बैठ गया, और मैं अजीब तरह से उसकी गोद में सिमट गई। मेरे पैर थोड़े लंबे थे, लेकिन उस पल मुझे उसके जितना हो सके करीब रहने की ज़रूरत थी। उसका गहरा भूरा स्वेटर थोड़ा खुरदुरा था और मैं कुछ पल के लिए सोचने लगी कि खुरदुरे स्वेटर होते ही क्यों हैं। जब मुलायम स्वेटर मौजूद हैं तो खुरदुरे स्वेटर कौन खरीदता है? ज़ाहिर है, जेसन। खैर, मैं अभी भी थोड़ी बेहोशी में थी। मैं ऊपर किसलिए आई थी?
मानो मेरे मन की बात पढ़ ली हो, जेसन ने धीरे से पूछा, "क्या तुम नहाने जा रहे हो?"
“ओह, उम, हाँ,” मैंने धीरे से जवाब दिया।
जब मैं नहीं हिली, तो उसने मुझे आसानी से उठा लिया ताकि वह खड़ा हो सके, फिर मुझे धीरे से वापस बिस्तर पर लिटा दिया। वह मेरे सिर के पास झुका और मेरे

माथे पर चुंबन किया। "मैं लूसी को तुम्हारी मदद के लिए बुलाता हूँ," उसने फुसफुसाते हुए कहा।
“नहीं,” मैंने धीमी आवाज़ में कहा, “एलिसन को बुलाओ।” लूसी घबराकर मेरी देखभाल करती। एलिसन सब कुछ सहजता से संभाल लेती और मुझे नहाने में मदद मांगने पर शर्मिंदा नहीं करती। मैं खुद नहाना चाहती थी, लेकिन अब जब मैं सुरक्षित थी, तो मेरा शरीर हिल भी नहीं पा रहा था।
जब मैं अपने उलझे हुए विचारों को सुलझाने की कोशिश कर ही रही थी, तभी जेसन चला गया और देखते ही देखते एलिसन मुझे खड़ा करने की पूरी कोशिश करने लगी ताकि वह मुझे बाथरूम तक ले जा सके। मैंने उसकी ज़्यादा मदद नहीं की। सच कहूँ तो, मुझे लगता है कि मैं थोड़ी बेहोश सी हो गई थी, क्योंकि अगली ही पल मुझे याद है कि मैं एक गर्म पानी के टब में गिर पड़ी थी। वाह, क्या मज़ा आया!
एलिसन बंद शौचालय पर बैठी थी। मुझे खुशी थी कि वह वहाँ थी। अगर मैं इतने सारे खतरों से बचकर भी बेहोश होकर टब में डूब जाती, तो यह बहुत बुरा होता। एलिसन ने थकी हुई सी अपना सिर हाथों में थाम लिया। उसने हल्के गुलाबी रंग का कार्डिगन और फीकी जींस पहनी हुई थी, जो उसे मेरे गहरे बैंगनी रंग के घर की सजावट के बीच नाजुक और बेमेल दिखा रही थी। "मुझे तुम्हें छोड़कर नहीं जाना चाहिए था, ज़ोई," उसने आँसुओं से भरी आवाज़ में कहा। "मुझे बहुत अफ़सोस है।"
मैं गर्म पानी में थोड़ा और डूब गया। एलिसन ने मेरे लिए एक तौलिया लपेटकर रखा था जिस पर मैं अपना सिर टिका सकूँ, और मेरे हिलने-डुलने से वह भीग गया। मुझे परवाह नहीं थी, मैं तब तक नीचे डूबता रहा जब तक पानी मेरी ठुड्डी तक नहीं आ गया।
मैंने बुदबुदाते हुए कहा, "मैंने तुमसे जाने को कहा था, अल।"
“लेकिन हमने ऐसा इसलिए किया ताकि हमें मदद मिल सके,” उसने तर्क दिया। “जब तक हम कब्रगाह में वापस पहुंचे, तुम जा चुके थे। हमने तुम्हें बिल्कुल अकेला छोड़ दिया था और इससे कोई फायदा नहीं हुआ।”
मैंने थकी हुई आवाज़ में कहा, "तुमने सही किया। बस इसे जाने दो।"
एलिसन ने खुद से सहमति में सिर हिलाया, फिर बात बदल दी। “जेसन शेल्बी के पास तब तक नहीं लौटा जब तक लीला, ब्रायन और मैं भाग नहीं गए। जब उसे पता चला कि तुम्हें अगवा कर लिया गया है, तो वह पागल हो गया। मैक्स, चेज़ और

तुम्हारे पापा को उसे संभालना पड़ा ताकि वह अकेले ही तुम्हें ढूंढने न निकल जाए।”
जब मैंने कोई जवाब नहीं दिया, तो उसने मुझे आगे की जानकारी देना जारी रखा। "और यह सब तब हुआ जब मैक्स, लूसी और तुम्हारे पिताजी को चेज़ को वापस ट्रक में ले जाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी, क्योंकि तुम कॉफी शॉप में खो गए थे।"
यह सुनकर मैंने भौंहें चढ़ाकर सवालिया अंदाज़ में कहा, लेकिन अपनी आँखें बंद रखीं। "तुम्हें पता है ना, अब जब खतरा टल गया है, तो वह कहीं नहीं जा रहा है?"
“कौन?” मैंने पूछा, क्योंकि मैं उसकी बात समझ नहीं पा रहा था।
“चेज़,” उसने जवाब दिया। “वह तुम्हारे पापा को परिवार का हिस्सा मानता है। अब तुम्हारे प्रति उसका एक अजीब सा सुरक्षात्मक भाव है।”
“ज़रूर मज़ाक कर रहे हो,” मैंने बुदबुदाते हुए कहा और मन ही मन मुस्कुरा दिया। हाँ, मैं सचमुच बेहोशी की हालत में था।
एलिसन ने मेरी बात को गंभीरता से लिया। “तुम्हें ढूंढते समय मुझे उसके और तुम्हारे पापा के साथ पूरे 24 घंटे बिताने पड़े। यकीन मानो, उनमें से कोई भी कहीं नहीं जा रहा है।”
मैंने उसे देखने के लिए अपनी आँखें थोड़ी सी खोलीं। सोचने पर पता चला कि वह वाकई थोड़ी थकी हुई लग रही थी। "तुम लोग सोए नहीं हो?" मैंने पूछा। "बिल्कुल नहीं!" वह नाराज़गी जताते हुए चीखी।
ठीक है, मुझे एहसास ही नहीं हुआ कि मैं सबको इंतज़ार करवा रही हूँ जबकि वे सब पिछली रात बिल्कुल नहीं सोए थे। "तौलिया दे दीजिए," मैंने पूछा।
मुझे थोड़ा बेहतर महसूस हो रहा था, और मैं अपने पैरों पर खड़ी हो गई जबकि एलिसन ने मेरे लिए तौलिया खोल रखा था। मैंने खुद को उसकी कोमल मुलायमियत में लपेट लिया और अपने बैंगनी रंग के कालीन पर कदम रखा, इस बात की परवाह किए बिना कि मेरे पैरों से अभी भी पानी टपक रहा था। एलिसन ने मेरे बाथटब का पानी निकालने के लिए छोटा सा स्विच दबाया, फिर मेरे पीछे मेरे बेडरूम में आ गई। मैं अपने बिस्तर पर बैठ गई जबकि वह मेरी दराजों में कुछ ढूंढ रही थी। उसने मुझे मेरी गहरे हरे रंग की ट्रैकसूट और लंबी आस्तीन वाली काली बॉहॉस टी-शर्ट फेंक दी।

कपड़े पहनते ही एलिसन ने मुझे मेरे कमरे से बाहर निकलने और नीचे जाने में मदद की। हम लिविंग रूम में पहुँचे तो देखा कि लूसी, लीला और मैक्स तीनों बेहोश पड़े थे। लीला और लूसी सोफे पर सो रही थीं, इसलिए मैक्स ने एक तकिया लिया और फर्श पर ही सो गया। रसोई से एक मनमोहक खुशबू आ रही थी।
एलिसन मैक्स के पास फर्श पर लेट गई, और मैं रसोई की ओर चली गई। मैंने देखा कि जेसन और चेज़ रसोई के काउंटर से टिके हुए थे, दोनों एक-एक मग कॉफी पी रहे थे। मुझे देखकर जेसन डाइनिंग रूम में गया और मेरे लिए एक कुर्सी लेकर वापस आया। मैं आराम से उस पर बैठ गई और चेज़ द्वारा मेरे लिए डाली गई कॉफी का मग लेने के लिए हाथ बढ़ाया।
जेसन ने मुझे बताया, "हमने दो फ्रोजन पिज्जा भी मंगवा लिए थे, हालांकि मुझे लगता है कि अब हम तीनों ही खाना खा रहे हैं।"
मैंने सिर हिलाया। "क्या मेरी माँ अभी भी सो रही है?" मैंने अपने मग से नज़रें उठाए बिना पूछा।
“हां,” चेज़ ने जवाब दिया। “वह सुबह तक बाहर रहेगी।”
मैंने मुंह बनाया, मुझे अभी भी अपनी माँ को नशीली दवा दिए जाने का विचार पसंद नहीं आ रहा था, हालाँकि मुझे यह मानना पड़ा कि यह काफी सुविधाजनक था। पिज्जा बनकर तैयार हो जाने पर हम तीनों डाइनिंग रूम में चुपचाप बैठ कर खाने लगे। खाना खत्म होते ही चेज़ खड़ा हो गया। उसने कहा, "अगर आप चाहें तो मैं मैक्स को घर छोड़ सकता हूँ।"
मैंने सिर हिलाया, कुछ नहीं कहा। मैंने देखा कि जेसन उस भेड़िये को जगाने गया, लेकिन वह गहरी नींद में सो रहा था, इसलिए जेसन ने उसे उठाया और बाहर ले गया।
जब हम अकेले हो गए तो चेज़ ने मेरी तरफ नीचे देखा। "मुझे लगता है, एक घिसी- पिटी बात कहूँ तो, यह अलविदा है।"
मैंने एलिसन की उसके बारे में कही बातों के बारे में सोचा, और इस बात पर भी कि चेज़ का कोई परिवार नहीं था। “मेरी माँ और मैं क्रिसमस की पूर्व संध्या पर हमेशा एक बड़ा डिनर बनाते हैं। यह साल के उन कुछ दिनों में से एक है जब हम सच में खाना बनाते हैं। तुम्हें आना चाहिए।”
चेज़ के जवाब देने से पहले ही जेसन कमरे में वापस आ गया, इसलिए चेज़ ने बस मुस्कुराया, फिर मुड़कर डाइनिंग रूम से बाहर चला गया। दरवाज़ा बंद होते ही जेसन फिर से मेरे बगल में बैठ गया।

“क्या आपने उन्हें क्रिसमस की पूर्व संध्या पर डिनर के लिए आमंत्रित किया था?” उन्होंने पूछा।
मैंने अपनी बाहें मोड़ीं और अपना सिर मेज पर झुका लिया। "हमें समूह को पूरा करने के लिए एक और राक्षस की ज़रूरत थी," मैंने बुदबुदाया।
"क्या मुझे पता होना चाहिए कि इसका क्या मतलब है?" जेसन ने अपनी आवाज में हल्की हंसी के साथ पूछा।
मैंने अपना सिर हिलाया, अपना चेहरा बाहों में छिपाए रखा और थकावट के बावजूद हंस पड़ी। "इसका मतलब है कि सोने का समय हो गया है," मैंने जवाब दिया।
कुछ देर बाद, जेसन ने मुझे अपनी बाहों में उठाया और ऊपर ले जाने लगा। मैंने लूसी, एलिसन और लीला को वहीं छोड़ दिया। अगर उन्हें ठंड लगती, तो लूसी और एलिसन जानती थीं कि अतिरिक्त कंबल कहाँ रखे हैं। जेसन मुझे मेरे कमरे में ले गया और बिस्तर पर लिटा दिया।
मैंने तब तक इंतज़ार किया जब तक उसने मेरे बेडरूम का दरवाज़ा बंद नहीं कर दिया, फिर मैंने महसूस किया कि वह मेरे बगल में आकर लेट गया। बिस्तर से उतरे बिना ही हम दोनों ने एक-दूसरे पर कंबल ओढ़ने की थोड़ी कोशिश की। फिर हम लेट गए और मैं सोने लगी।
आह, स्वर्ग।

अध्याय सोलह
मैं सुबह 6:00 बजे उठी, जो मेरे लिए असामान्य रूप से जल्दी था, खासकर मेरी थकान को देखते हुए। मैंने नींद में ही अपने कमरे में जेसन को ढूंढा, लेकिन वह वहां नहीं था। मैं बिस्तर से उठी और नंगे पैर बाथरूम में चली गई। पिछली रात नहाने के कारण मेरे टब के चारों ओर एक भद्दा सा निशान था। मैंने फर्श पर रखे सिंक के नीचे रखा झाग वाला बाथरूम क्लीनर उठाया और टब को अच्छी तरह से स्प्रे किया और बस इतना ही किया।
मैंने अपने बालों को पोनीटेल में बांधा, चेहरा धोया और दांत साफ किए, फिर अपनी माँ को ढूंढने निकल पड़ी। मैंने उन्हें अपने कमरे में इधर-उधर घूमते हुए पाया, वे स्तब्ध और भ्रमित लग रही थीं। उन्होंने मुझे दरवाजे से देखते हुए देखा तक नहीं।
“अभी-अभी उठी हो?” मैंने उससे पूछा।
मेरी आवाज़ सुनकर वो लगभग डर के मारे उछल पड़ी। उसने मुड़कर देखा तो पाया कि मैं ही हूँ, और राहत की साँस लेते हुए अपना हाथ अपने दिल पर रख लिया।
"तुमने मुझे बहुत डरा दिया, हनी," उसने धीमी आवाज़ में कहा, फिर उलझन में अपना चेहरा सिकोड़ लिया।
“क्या आप ठीक महसूस कर रहे हैं…?” मैंने हिचकिचाते हुए पूछा।
उसने सिर हिलाया और बिस्तर पर बैठ गई। "यह बहुत अजीब बात है," उसने बताया। "मुझे कल का कुछ भी याद नहीं है, और न ही पिछली रात का। मुझे बस इतना याद है कि मैं तुम्हारे और तुम्हारे दोस्तों के साथ कुकीज़ और सिनेमन रोल खा रही थी।"
बहुत-बहुत धन्यवाद, पिताजी। मैंने पूछा, "क्या आपके सिर पर चोट लगी है?" जवाब सोचने की कोशिश करते हुए उसने अपना सिर एक तरफ झुकाया। "मुझे याद नहीं कि मैंने उसे मारा था, लेकिन अगर उसी वजह से मेरी याददाश्त गई होती, तो शायद मुझे याद भी नहीं होता। मुझे बहुत तेज सिरदर्द हो रहा है।"
मैंने दुआ करते हुए पूछा, "क्या आप अस्पताल जाना चाहते हैं?" मुझे उम्मीद थी कि जवाब ना होगा। पता नहीं उन्हें क्या पता चलेगा।
उसने सिर हिलाया और फिर जवाब दिया, "मुझे लगता है मैं ठीक हूँ। मतलब, सिरदर्द के अलावा, मेरे सिर में कहीं भी दर्द नहीं है। अगर मैंने इसे इतनी

जोर से मारा होता कि कोई गंभीर चोट लगती, तो मुझे यकीन है कि वहाँ एक गांठ होती।"
“हाँ,” मैंने सहमति जताते हुए कहा, “मुझे पूरा यकीन है कि तुम ठीक हो।” अगर सच में उसके सिर पर चोट लगी होती, तो मैं उसे अस्पताल ले जाने पर ज़ोर देता, लेकिन खैर, तुम जानती ही हो। इससे पहले कि मेरी माँ ज़्यादा सोच पातीं, मैंने बात बदल दी। “क्रिसमस की पूर्व संध्या मुबारक हो?” मैंने सवाल की तरह कहा।
मेरी माँ ने अपना हाथ माथे पर मारा। “मैं तो बिल्कुल भूल ही गई थी! क्रिसमस की पूर्व संध्या की शुभकामनाएँ, ज़ोई। हमें खाना बनाना शुरू कर देना चाहिए।”
मैंने व्यंग्यपूर्वक आह भरी। "अगर ज़रूरी हो तो।"
हम हमेशा क्रिसमस की पूर्व संध्या पर पजामा पहनकर खाना बनाते थे, फिर मेहमानों के आने से पहले नहाते और कपड़े बदलते थे। मैंने अपनी माँ की बैंगनी पोलो शर्ट और जींस देखकर भौंहें चढ़ाईं। मैंने कहा, "आप तो पजामा में नहीं हैं!"
उसने नीचे देखा, मानो उसे अपने पहनावे का एहसास हो रहा हो। "ओह!" वह हांफते हुए बोली। "लगता है कल रात मैं बहुत ज्यादा नशे में थी।"
मैंने अपनी भौंहें और ऊपर उठा लीं और बनावटी अधीरता दिखाते हुए अपना पैर पटका।
मेरी माँ ने मेरी तरफ आँखें घुमाईं। "तुम कॉफ़ी बनाना शुरू करो। मैं कपड़े बदल लेती हूँ।"
मैंने सिर हिलाया और अपनी माँ के कमरे से बाहर निकल गई। सीढ़ियाँ उतरते ही मुझे किसी के दस्तक देने की आवाज़ सुनाई दी, इसलिए मैं बाकी का रास्ता जल्दी-जल्दी पार कर गई और आखिरी तीन सीढ़ियाँ तो मैंने छलांग लगाकर पार कीं। मैं एकदम तरोताज़ा महसूस कर रही थी। वाह, शैतान होने का क्या ही मज़ा है!
मैं दरवाजे तक पहुंचा और झाँक कर देखा (मुझे पता था कि अब दरवाजा खोलना ठीक नहीं है)। जेसन बाहर एक छोटे से गत्ते के डिब्बे में तीन कॉफी और एक थैला लिए खड़ा था, जिसमें मुझे पूरी उम्मीद थी कि डेनिश पेस्ट्री होंगी।

मैंने दरवाजा खोला और नाश्ता पहुंचाने वाले को अंदर आते देखा। उसने बर्फ के पुतलों और हंसते हुए छोटे-छोटे बौनों की आकृति वाला एक भद्दा क्रिसमस स्वेटर और एकदम नई जींस पहनी हुई थी।
मैंने कहना शुरू किया, "मैं कॉफी ले लूंगी, लेकिन मुझे नहीं लगता कि मैं उस स्वेटर को अपने घर में आने दे सकती हूं।"
“थोड़ा क्रिसमस का उत्साह दिखाइए,” उन्होंने मजाक में कहा। “मैं डेनिश पेस्ट्री लेकर आया हूँ।”
“तो फिर,” मैंने नाटकीय अंदाज़ में दरवाज़ा खोलते हुए कहा, “मेरे इस साधारण से घर में आपका स्वागत है।”
उन्होंने मुझे एक सौम्य मुस्कान दी। "आप बहुत दयालु हैं।"
हम दोनों ने मुड़कर देखा तो मेरी माँ नीले रंग के, बर्फ के टुकड़ों से सजे हुए, पूरी तरह से फुटबॉल वाले पजामे में सीढ़ियों से नीचे आ रही थीं। वह बहुत दुखद दिन था जब मैं हरे रंग के ट्रैकसूट और अपनी पुरानी, फटी हुई बॉहॉस टी-शर्ट में सबसे अच्छे कपड़े पहने हुए थी।
“जेसन, तुम अभी वापस मुड़ जाओ,” मेरी माँ ने हमें देखते ही कहा। “जिस दिन ज़ो और मैं खाना बनाते हैं, वह दिन बहुत डरावना होता है।”
“उसे डराओ मत माँ!” मैंने चिल्लाकर जवाब दिया। “वह खाने-पीने का सामान लेकर आया है!”
मेरी माँ जेसन के सामने आकर खड़ी हो गईं। “तो फिर आपका स्वागत है, टर्की तैयार करने में आप कैसे हैं?”
जेसन ने हताशा भरी आह भरी और मुझे कॉफी और डेनिश पेस्ट्री थमा दीं। उसने एक कॉफी होल्डर से निकाली और रसोई में चला गया। मैं मन ही मन मुस्कुराई, यह जानकर अच्छा लगा कि वह यहाँ था।
"क्या एलिसन आ रही है?" जैसे ही हम अकेले हुए, मेरी माँ ने पूछा।
क्रिसमस की पूर्व संध्या पर लूसी के परिवार को उसका घर पर रहना ज़रूरी था, लेकिन एलिसन हमेशा हमारे डिनर पर आती थी। "हाँ," मैंने जवाब दिया। "ओह, और चेज़ भी।"
मेरी माँ ने सिर हिलाया। “ब्रायन का क्या? मुझे पता है कि तुम दोनों अब पहले की तरह करीब नहीं हो।”

ब्रायन की बात करें तो, मेरे पास अभी भी उसका क्रिसमस का तोहफा था। जेसन के अपार्टमेंट में हमारी मुलाकात के बाद वह घर चला गया था। मुझे लगा कि अब वह मुझसे पहले से भी कम बात करना चाहेगा।
मैंने जवाब दिया, "मैं तुम्हें एक मिनट में बताता हूँ," और फिर ऊपर की ओर भागने के लिए मुड़ गया।
मैं अपने कमरे में गई और अलमारी से ब्रायन की जर्सी निकाली। मुझे कुछ भी लपेटने का मौका नहीं मिला था, लेकिन चूंकि शायद उसे मुझसे कोई उपहार चाहिए ही नहीं था, इसलिए मुझे नहीं लगता कि उसे इस बात से कोई फर्क पड़ेगा कि जर्सी लपेटी हुई है या नहीं।
मैं जर्सी हाथ में लिए हुए वापस नीचे भागा, रास्ते में रुककर सर्दियों के जूते पहने और फिर सामने के दरवाजे से बाहर निकल गया। ब्रायन के घर की ओर दौड़ते हुए मैंने जर्सी पर नजर डाली, फिर अचानक रुक गया और ब्रायन मेरी ओर दौड़ता हुआ आया और मैं उससे टकराते-टकराते बचा।
हम एक पल के लिए एक-दूसरे को देखते रहे, फिर मैंने जर्सी आगे बढ़ा दी। उसने एक हाथ से जर्सी पकड़ी और दूसरा हाथ अपनी जेब में डाल लिया। जब उसका हाथ बाहर आया तो उसके साथ कुछ चमकदार चीज़ भी निकली। उसने एक सुंदर चांदी का कंगन निकाला, जिसके कुंडी पर दिल के आकार का लॉकेट लगा हुआ था। ध्यान से देखने पर मैंने पाया कि लॉकेट पर मेरा नाम खुदा हुआ था।
मैंने हिचकिचाते हुए उसके बढ़े हुए हाथ से कंगन ले लिया। "तुम मुझे गहने कब से देने लगे?" मैंने मुस्कुराते हुए पूछा।
जवाब देते समय ब्रायन ने जमीन की ओर देखा। "जब से सब कुछ बदल गया है।" मेरी मुस्कान फीकी पड़ गई। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या कहना चाह रहा है। मैं चुपचाप उसके जवाब का इंतज़ार करती रही।
“ज़ोई, मैं तुम्हारा दोस्त बनने की और ज़्यादा कोशिश करूँगा,” उसने आख़िरकार मेरी आँखों में देखते हुए कहा। “मैंने तुम्हें इसलिए छोड़ दिया क्योंकि मैं तुम्हारे जीवन में आए बदलावों को संभाल नहीं पाया… जबकि मुझे वहाँ रहकर तुम्हारी मदद करनी चाहिए थी।”
मेरे मन में आशा की एक किरण जगी। अफसोस, मुझे उसे कुचलना पड़ा। "ब्रायन, मेरा दोस्त होना तुम्हारे लिए खतरा है। इस फैसले के बारे में तुम्हें अच्छी तरह सोचना होगा। अगर तुम कहते हो कि हम दोस्त नहीं रह सकते, तो मैं समझ जाऊंगी। मुझे बस किसी भी तरह से इस मामले का अंत चाहिए।"

[illegible] [illegible] [illegible] [

केंद्र से एक तेज रोशनी निकली। मैं आश्चर्य से पलकें झपकाईं और फिर से पत्थर को देखा। जहाँ तक मैं समझ पाई, यह एक बार फिर एक साधारण पत्थर था।
मुझे अपने पहले औपचारिक पाठ में पिताजी से इसके बारे में पूछना होगा। मैंने डिब्बा और रिबन उठाया और अपने घर की गर्माहट में चली गई।
अगले कुछ घंटों तक मैंने अपनी माँ को बेकिंग, मैशिंग और सॉस लगाने में मदद की, जबकि जेसन और ब्रायन शतरंज खेलते हुए सौहार्दपूर्ण व्यवहार करने की कोशिश कर रहे थे। जब तक मैक्स और एलिसन आए, तब तक मेरी माँ और मैं दोनों नहा चुके थे, और लड़कों ने बेमेल प्लेटों और कटलरी से मेज सजा दी थी।
मुझे लगने लगा था कि चेज़ शायद नहीं आएगा, तभी दरवाजे की घंटी बजी। मैंने दरवाजा खोला तो देखा कि वह गहरे लाल रंग की बटन वाली कमीज़ और नए जैसे दिखने वाले गहरे भूरे रंग के ट्राउज़र पहने खड़ा था।
मैंने उसकी ओर भौंहें चढ़ाते हुए कहा, "तुम्हें पता है ना कि यह एक अनौपचारिक कार्यक्रम है?"
चेज़ ने कंधे उचकाते हुए कहा, "मैं इससे पहले कभी क्रिसमस की पूर्व संध्या पर डिनर के लिए नहीं गया हूँ।"
मेरा मुंह खुला रह गया। "कभी नहीं?"
चेज़ ने शर्मिंदा होते हुए फिर से कंधे उचका दिए। मैंने बात बदलने के लिए उसे अंदर ले जाने की कोशिश की, लेकिन इसके बजाय उसने मेरा हाथ पकड़ लिया और मुझे बरामदे में ले गया, और हमारे पीछे दरवाजा बंद कर दिया।
“मुझे समझ नहीं आ रहा था कि तुम्हारे लिए कुछ लूँ या नहीं…” उसने अपनी जेब में हाथ डालते हुए एक छोटा सा भूरे रंग का डिब्बा निकाला और बोलना शुरू किया। उसने डिब्बा मुझे थमा दिया और फिर उत्सुकता से देखने लगा कि मैं उसे खोलूँ।
मैंने ढक्कन खोला तो अंदर एक कुंडली मारे हुए सांप के आकार का लॉकेट मिला, जिसकी आंखें छोटे-छोटे हरे रत्नों से सजी थीं। "वाह!" मैंने कहा, "पूरी जिंदगी मुझे किसी ने गहने नहीं दिए, और एक ही दिन में सब कुछ मिल गया।" “अगर आपको यह पसंद नहीं है…” चेज़ ने कहना शुरू किया।
“अरे नहीं,” मैंने उसकी बात काटते हुए कहा। “यह एकदम सही है।” मैंने ब्रायन के ब्रेसलेट वाली अपनी कलाई ऊपर उठाई और उसमें लगे लॉकेट के लूप को दिल के आकार वाले क्लैस्प पर घुमाकर लगा दिया।

चेज़ मुस्कुराया और मेरी आँखों में देखा, और अचानक ही माहौल बेहद अंतरंग हो गया। मैं शरमा गई और उसे अंदर ले जाने के लिए उसका हाथ पकड़ लिया। जैसे ही हम सामने के दरवाजे से अंदर आए, हमारी मुलाकात जेसन से हुई, जो शायद मेरा हालचाल पूछने आया था। चेज़ ने मेरा हाथ छोड़ दिया और हम तीनों असहजता से चलते हुए मेज पर बैठे बाकी लोगों के साथ जा बैठे।
खाना दिलचस्प तो था ही। मसले हुए आलू सूप जैसे लग रहे थे, और मीठे शकरकंद का रंग शायद भूरा नहीं होना चाहिए था, लेकिन कम से कम टर्की तो एकदम बढ़िया बनी थी। शायद इसका कारण यह था कि उसे जेसन ने पकाया था, लेकिन यह छोटी सी बात किसी को जानने की ज़रूरत नहीं थी।
हम सबने खुद ही परोसा, और मुझे बहुत बुरा लगा कि सबने शकरकंद नहीं खाया। चिढ़कर मैंने खड़ा होकर कटोरी उठाई और सबके प्लेटों में एक-एक चम्मच भरकर शकरकंद डाल दिया। लूसी ने सबसे पहले हिम्मत दिखाते हुए एक छोटा सा टुकड़ा अपने मुंह में डाला। हम सबने उसके चबाने का इंतज़ार किया, फिर हंस पड़े जब वह रसोई में भागकर शकरकंद थूकने लगी।
मेयर परिवार में सब कुछ फिर से ठीक लग रहा था। हमने रात का खाना खाया और साथ में पुरानी क्ले एनिमेशन क्रिसमस फिल्में देखीं। आधी रात तक जेसन और मेरे अलावा सब सो गए थे। एलिसन और मैक्स हाथ पकड़कर सो गए। भला किसने सोचा होगा ऐसा?
मैं और जेसन चुपके से ऊपर मेरे कमरे में गए, जहाँ हम दोनों कंबल ओढ़कर आराम से लेट गए। मैंने बिस्तर के किनारे से हाथ बढ़ाकर जेसन के लिए लाई किताबें निकालीं। मैंने उन्हें लपेटा नहीं था, लेकिन सोचा कि जेसन को बुरा नहीं लगेगा। उसने किताबों को बड़ी उत्सुकता से लिया, और मुझे उम्मीद है कि उसकी उत्सुकता बनावटी नहीं थी।
वह खड़ा हुआ और उसने मेरे माथे पर जल्दी से एक चुंबन दिया। "मैं अभी वापस आता हूँ, तुम्हारा उपहार मेरी कार में है।"
पलक झपकते ही वो मेरी खिड़की से कूद गया। मैं अपने बिस्तर पर अकेली बैठी सोचती रही। साल की शुरुआत में मेरी ज़िंदगी सामान्य थी। अब मेरे पास एक बॉयफ्रेंड, एक पिता, वेयरवुल्फ का एक झुंड और चेज़ था। मैं चेज़ के लिए अपने मायने जानने में ज़्यादा दिलचस्पी नहीं रखती थी। क्या इसे नज़रअंदाज़ कर दूँगी तो ये अपने आप चला जाएगा? मुझे शक है, बहुत शक है।

ज़्यादा परेशान करने वाला सवाल ये था कि क्या मैं सच में चाहती थी कि वो चला जाए। एक और दानव का आस-पास होना एक तरह से अच्छा भी था।
जेसन खिड़की से मेरे कमरे में वापस आ गया और मेरे विचारों में खलल डाला।
उसने मुझे एक आयताकार डिब्बा दिया जो चमकीले, बारहसिंगे के डिज़ाइन वाले रैपिंग पेपर में लिपटा हुआ था और उस पर एक बड़ा लाल रिबन लगा हुआ था। मैंने व्यंग्यपूर्वक कहा, "मुझे बताओ कि यह गहने नहीं हैं।"
मेरी बात न समझ पाने के कारण जेसन ने हैरानी से अपना सिर झुका लिया। मैंने सिर हिलाया। "छोड़ो।"
मैंने रैपर फाड़कर खोला और उसे फर्श पर गिरने दिया, जिससे एक सुंदर लैपटॉप कंप्यूटर वाला डिब्बा दिखाई दिया। मैंने डिब्बे को अपने कान के पास हिलाया। "क्या ये... जूते हैं?"
“नहीं,” जेसन हँसते हुए बोला।
“एक पिल्ला?” मैंने पूछा।
जेसन मुस्कुराया और मुझसे डिब्बा लेकर उसे खोला और उसमें से कंप्यूटर निकाला। उसने उसे मेरी गोद में रख दिया ताकि मैं उसे देख सकूँ। मैंने अपने पुराने डेस्कटॉप कंप्यूटर को देखा, फिर वापस अपने लैपटॉप को देखा। मैं मुस्कुराया। "मुझे पता था कि मुझे तुम्हारे लिए किताबों से बेहतर कुछ खरीदना चाहिए था।"

अध्याय सत्रह
अगला दिन मेरे लिए पूरे सप्ताह का सबसे कम घटनापूर्ण दिन था। एबेल स्वयं आकर शेल्बी की मदद के लिए समय पर न पहुँच पाने के लिए क्षमा याचना करने आया था। उसने मुझे क्रिसमस की शुभकामनाएँ दीं, फिर एक समझदारी भरी मुस्कान और 'जल्द मिलेंगे' कहते हुए चला गया।
कुछ हफ़्तों में स्कूल फिर से शुरू हो जाएगा, और साथ ही मेरी दानव बनने की पढ़ाई भी। उससे भी ज़्यादा मुश्किल थी वेयरवुल्फ कोएलिशन की आगामी बैठक। मुझे अभी भी नहीं पता था कि मैं अपनी माँ को मुझे जाने देने के लिए कैसे मनाऊँगा।
वो सारी चिंताएँ कल के लिए थीं। क्रिसमस के लिए मैंने अपनी सारी परेशानियाँ भुला दीं। मैं स्लेजिंग करने गई और अपनी माँ और जेसन के साथ और भी क्रिसमस फिल्में देखीं। मैं किसी तरह अपनी इस नई अजीब सी ज़िंदगी से खुश थी, और यही अपने आप में काफी चिंताजनक था।

[illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible]

अध्याय एक
एयरपोर्ट पर लाइन में खड़े थे। आखिरकार बात यहीं आकर रुक गई थी। जेसन मेरे बाईं ओर और चेज़ दाईं ओर खड़ा था। उनकी लंबाई को छोड़कर बाकी सब कुछ बिल्कुल अलग था। जेसन 6'2" लंबा था, जो चेज़ के 6' से थोड़ा ज्यादा था, लेकिन समानता यहीं खत्म हो जाती है। जेसन के भूरे बाल, नीली आंखें और गोरा रंग था, जबकि चेज़ के काले बाल, गहरे भूरे रंग की आंखें और सांवला रंग था। अपने सुनहरे बालों, हरी आंखों और एकदम सफेद रंग के साथ मैं उन दोनों के सामने बिल्कुल फीका सा लग रहा था।
अपहरण की घटना के बाद से जेसन और चेज़ मेरे निजी अंगरक्षकों की तरह हो गए थे... बेहद परेशान करने वाले, लेकिन काफी प्यारे अंगरक्षक। मुझे चेज़ के गुनगुनाने की हल्की आवाज़ सुनाई दे रही थी। मैं उसके इस गुनगुनाने से तंग आ चुकी थी। यह कभी सामान्य नहीं था। आज तो यह हैरी पॉटर के संगीत जैसा लग रहा था।
लगभग एक महीने पहले, कुछ खुद को अलौकिक शक्तियों का जनक समझने वाले लोगों ने मेरी शक्तियां चुराने के इरादे से मेरा अपहरण कर लिया था। जब मैं उन्हें अलौकिक शक्तियों का जनक कहती हूँ, तो मेरा मतलब है कि वे दूसरे अलौकिक शक्तियों के जनक बनना चाहते थे, इसलिए वे उनकी शक्तियां चुराने के प्रयास में उन्हें मार रहे थे। वैसे, मैं आधा दानव हूँ, और मेरे दाहिनी ओर खड़ा लड़का भी आधा दानव है, खैर, वह आधे से थोड़ा ज़्यादा है। दूसरा लड़का पिशाच है। और हमारे पीछे कतार में खड़े वेयरवुल्फ को भी नहीं भूलना चाहिए। उन्हीं की वजह से मैं पोर्टलैंड, ओरेगन हवाई अड्डे पर दक्षिण की ओर मोआब, यूटा जाने के लिए उड़ान भरने की तैयारी कर रही थी।
देखो, अपहरणों, नए "दोस्तों" और मेरे लंबे समय से बिछड़े पिता के पुन: प्रकट होने की अफरा-तफरी के बीच, मैं एक बेमेल वेयरवोल्फ समूह का नेता, या "अल्फा" बनने में कामयाब हो गया था।
अब हम सब वेयरवुल्फ गठबंधन से मिलने जा रहे थे। जी हाँ, वेयरवुल्फ्स का भी एक शासी निकाय है, हर वेयरवुल्फ के लिए एक जगह है, और हर वेयरवुल्फ को अपनी जगह पर रहना होता है। अगर हमें भी अपनी जगह बनानी थी, तो हमें खुद को साबित करना था। मैं इस बारे में ज्यादा सोचने की कोशिश नहीं कर रहा था कि खुद को साबित करने में क्या-क्या शामिल होगा।

मेरे पास जेसन और चेज़ के टिकट के साथ-साथ मेरा टिकट भी था। जब हम लाइन के आगे पहुँचे, तो महिला सुरक्षा गार्ड ने मुस्कुराते हुए और भौंहें चढ़ाते हुए टिकट ले लिए। मैंने उसे गुस्से से देखा और चेज़ को आगे धकेल दिया ताकि वह मेटल डिटेक्टर से पहले गुज़र जाए।
“थैंक्स डार्लिंग,” चेज़ ने मज़ाक में कहा, उसके लहजे में थोड़ी सी खामोशी झलक रही थी जिसे मैं अभी तक समझ नहीं पाई थी। मुझे लगता है मैं उससे पूछ सकती थी कि क्या बात है, लेकिन चेज़ अपने अतीत के बारे में बात करना पसंद नहीं करता था।
जेसन मुस्कुराया और आगे बढ़ गया। सुरक्षा गार्ड चाहे जितना अनुमान लगा ले, उसे हमारे बारे में सबसे दिलचस्प बातें तो पता ही नहीं थीं।
पिछले महीने जेसन और चेज़ के बीच दोस्ती तो नहीं हो पाई, लेकिन अब कम से कम वो उसे बर्दाश्त तो कर लेता है। लगता है उन दोनों के बीच कुछ समझ बन गई है। चेज़ मेरा ख्याल रखता है क्योंकि मेरे पापा ने उसे ऐसा करने को कहा है, और जेसन इसलिए क्योंकि वो मेरा बॉयफ्रेंड है। अगर वे समझदार होते, तो उन्हें समझ आता कि दोनों का मकसद एक ही है और फिर वे आगे बढ़ते, लेकिन लड़के आखिर कब समझदार होते हैं?
हम मुड़कर लूसी और मैक्स के डिटेक्टर से गुजरने का इंतजार करने लगे। लीला और एलिसन हमसे कुछ दिन पहले ही यूटा चली गई थीं ताकि कागजी कार्रवाई पूरी कर सकें और स्थानीय होटलों में से किसी एक में हमारे लिए कमरे बुक करा सकें।
प्रश्न: जब एलिसन का वेयरवोल्फ मामलों से कोई लेना-देना नहीं था, तो हमें वहां उसकी क्या आवश्यकता थी?
उत्तर: हमने नहीं किया।
हम सब इस बात पर सहमत थे कि अगर वह न आए तो बेहतर होगा। वह भी इंसान है, और उसे खुद को खतरे में डालने की कोई ज़रूरत नहीं थी। हमारे इस फैसले के बावजूद, एलिसन ने लीला से बात की और उसे बताया कि उसे उसके साथ जाना है। हमें तब पता चला जब लीला ने फोन करके हालचाल पूछा और एलिसन का ज़िक्र किया।
अब लीला को पता नहीं क्यों यह पक्का यकीन है कि मैं यूटा पहुँचकर उसकी पिटाई करने वाला हूँ। मेरा ऐसा कोई इरादा नहीं है... शायद। मुझे गुस्सा तो आया था, लेकिन मामूली सी बात पर कोई वेयरवुल्फ से हाथापाई नहीं करता।

अध्याय दो
सौभाग्य से उड़ान बिना किसी परेशानी के पूरी हुई। जब हम पहुँचे, तो लीला एक बड़ी, काली एसयूवी लेकर छोटे से हवाई अड्डे पर हमारा इंतज़ार कर रही थी। पीछे की तरफ दो कतारों में सीटें थीं ताकि हम सब एक ही बार में बैठ सकें। एसयूवी के पीछे सामान रखते समय लीला ने मुझसे नज़रें नहीं मिलाईं। मुझे यह देखकर थोड़ी संतुष्टि हुई कि एक लंबी, आकर्षक और खूबसूरत लड़की मुझसे डर रही है। छोटी सोच, मैं?
हम बिना कुछ भी ढेर किए अपना सारा सामान कार की डिक्की में आसानी से रख पाए। यह डिक्की की पर्याप्त जगह का प्रमाण था, न कि हमारे कम सामान का, क्योंकि हमारा सामान बिल्कुल भी कम नहीं था। हमने हर तरह की स्थिति के लिए तैयारी कर रखी थी, क्योंकि हमें पता ही नहीं था कि दूसरे भेड़ियों से मिलने के लिए किस तरह के कपड़े उपयुक्त रहेंगे।
मैंने कहा, "ठीक है, आगे की सीट पर कौन बैठना चाहता है?"
"तुम्हें इसे स्वीकार करना होगा," लीला ने बीच में टोकते हुए कहा और आखिरकार अपने लंबे काले बालों को चेहरे से हटाया। "तुम अल्फा हो। तुम पीछे नहीं बैठ सकते।"
ओह, और भी वेयरवोल्फ शिष्टाचार; वाह! पहले से कहीं ज्यादा चिड़चिड़ा महसूस करते हुए, मैंने पूछा, "अगर एक ही कार में दो से ज्यादा अल्फा हों तो क्या होगा?"
लीला ने सामने का दरवाजा खोला और मेरी तरफ अर्थपूर्ण ढंग से देखा। "वे लड़ते हैं।"
मैंने जोर देकर कहा, "अगर मैं पीछे बैठूं तो किसे पता चलेगा?"
लीला ने मुझे बहुत गंभीरता से देखा। "उन्हें पता चल जाएगा। उन्हें हमेशा पता चल जाता है।"
मैं बिना कुछ बोले गाड़ी में बैठ गया। यह तो बिल्कुल भी मेरी छुट्टी की कल्पना नहीं थी। बाकी सब लोग भी गाड़ी में बैठ गए, पहले से कहीं ज्यादा गंभीर। लीला ड्राइवर सीट पर बैठी और इंजन स्टार्ट किया। हम पार्किंग से निकलकर एक संकरे राजमार्ग पर आ गए।
मोआब में अभी भी ऊंचे पेड़ हैं, लेकिन ओरेगन में पले-बढ़े होने के कारण, यहाँ का रंग संयोजन मेरे लिए बिल्कुल अपरिचित था। लाल, नारंगी और भूरे रंग

के विभिन्न शेड्स वाली छिद्रयुक्त चट्टानों से बनी खड़ी चट्टानें अनियमित अंतरालों पर परिदृश्य को सुशोभित करती थीं।
जहां तक मेरी नज़र गई, ज़्यादातर पेड़ ओक के थे, लेकिन ओरेगन में भी ओक के पेड़ थे, बस फर्क इतना था कि हमारे ओक के पेड़ों के चारों ओर बहुत सारे चीड़ के पेड़ थे। नज़ारा इतना खूबसूरत था कि मंज़िल तक की पूरी यात्रा के दौरान मैं बस उस दृश्य को निहारने में ही मग्न रहा। इतने सारे विचारों को समेटना मेरे लिए वाकई एक बड़ी उपलब्धि थी।
हमारा होटल एक छोटा सा आकर्षक सराय था, जिस पर नारंगी और लाल चट्टानों से मेल खाने के लिए लाल रंग किया गया था। हम एसयूवी से उतरे और सड़क पर चल दिए। करीने से सजे लॉन में कई लोग एक मेज के सामने खड़े होकर पहचान पत्र बनवाने का इंतज़ार कर रहे थे।
मेरी दिलचस्पी को भांपते हुए, लीला ने अपने बड़े चमड़े के पर्स में हाथ डाला और हमारे नाम लिखे हुए कुछ डोरी के हार निकाले।
“मैं यहाँ जल्दी इसलिए आई हूँ,” उसने बताया। “हम सबने अपना नाम दर्ज करा लिया है और हम तैयार हैं। साथ ही, देर से आने वालों को दूसरे होटल में कमरे लेने पड़े क्योंकि होटल भर गया था। इस तरह हमें किसी भी मीटिंग में जाने के लिए गाड़ी नहीं चलानी पड़ेगी।”
“सारी बैठकें सराय में हैं?” लूसी ने हमारे पीछे आते हुए पूछा और जल्दी से लीला से सबके लैनयार्ड ले लिए। ये है हमारी लूसी, हमेशा काम की बात करती है।
“नहीं,” लीला ने अपने भरे होंठों पर हल्की मुस्कान लाते हुए जवाब दिया। उसने सराय के पीछे जंगल वाले इलाके की ओर इशारा करते हुए हाथ हिलाया, “वे वहाँ पर आयोजित होते हैं।”
खैर, यह बिल्कुल भी अशुभ संकेत नहीं था। मैंने अपने कंधों पर हाथ महसूस किए और जेसन की छाती से टिक गई। उसे हमेशा पता चल जाता है कि मैं कब तनाव में हूँ। जेसन ने अपना एक हाथ मेरे कंधों पर रखा और मुझे सराय की ओर ले गया। मैं एक लड़की के हिसाब से लंबी हूँ, लेकिन जेसन एक लड़के के हिसाब से लंबा है, इसलिए वह आराम से अपना हाथ मेरे कंधों पर रख सकता है।
मेरे पैर हिलना ही नहीं चाहते थे। एक पल के लिए मैंने अपने फटे-पुराने भूरे स्नीकर्स को ज़मीन पर जमाए रखा, फिर मेरे पास भेड़ियों के झुंड के साथ उनके मांद में जाने के अलावा कोई चारा नहीं बचा।

पर भरोसा किया। मेरे पिता एक शैतान हैं। उनसे किया वादा तोड़ना शायद बुरा ही होता। फिर भी मुझे ज़रा भी सुरक्षित महसूस नहीं हुआ।
मैंने बड़बड़ाते हुए जवाब दिया, "मेरा नाम ज़ो है। और उम्मीद है कि तुम अपने वादे निभाने में माहिर हो।"
वह मुस्कुराया। “मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि मैं ठीक हूँ। मुझे उम्मीद है कि आपकी उड़ान अच्छी रही होगी।”
“ज़रूर,” मैंने तीखे लहजे में जवाब दिया। “क्या आपको और मेहमानों का स्वागत नहीं करना है?”
वैसे तो मैं आमतौर पर इतनी बदतमीज़ नहीं होती, लेकिन उस दिन मैं बचाव की मुद्रा में थी। मैं एक ऐसी नई जगह पर थी जहाँ मैं रहना नहीं चाहती थी, और जल्द ही मुझे ऐसे नए लोगों से घिरना था जिनसे मैं नहीं घिरना चाहती थी। मेरा सबसे कारगर तरीका था चिड़चिड़ापन दिखाना। जो भी मेरे रास्ते में आता, मैं उस पर अपने चिड़चिड़ेपन की मूसलाधार बारिश बरसा देती।
एबेल हँस पड़ा। "यह दिलचस्प होना चाहिए।"
उस रहस्यमयी टिप्पणी के साथ, एबेल मुड़ गया और धीरे-धीरे डोरी रखने वाली मेज की ओर चल पड़ा। उसकी काली जींस उसकी बनियान की तरह ही एकदम फिट थी। पुरुषों को इतनी टाइट पैंट नहीं पहननी चाहिए। उसके काले जूते उसकी जींस में इस तरह घुल-मिल गए थे कि दूर से देखने पर पता ही नहीं चलता था कि एक कहाँ से शुरू होता है और दूसरा कहाँ खत्म होता है।
"तुम घूर रहे हो," चेज़ ने मेरे कान में फुसफुसाया।
धत् तेरे की, शायद ऐसा लगा होगा कि मैं एबेल के नितंबों को घूर रही थी। शायद घूर ही रही थी। लेकिन प्रशंसा के भाव से नहीं। मैंने मन में ठान लिया कि जब भी मैं सोच में डूबी रहूँ, तो हमेशा अपनी नज़रें ज़मीन पर रखूँगी, और शर्म से लाल हो रही अपनी शरम को छुपाने की कोशिश करते हुए सराय के दरवाज़े की ओर चल पड़ी।
चेज़ मुस्कुराया और मेरे लिए दरवाज़ा खोलने के लिए आगे बढ़ गया। जैसे ही मैं दरवाज़े से अंदर गया, उसने मुझे हल्का सा अभिवादन किया। क्या मैंने बताया था कि यह सफ़र लंबा होने वाला है? खैर, मेरा मतलब था कि यह बहुत-बहुत लंबा सफ़र होने वाला है।
लॉबी में भीड़ को धकेलते हुए जब हम अपने कमरों तक पहुँचे, तब तक शाम के 5 बज चुके थे। हमारे पास दो कमरे थे, एक में दो बिस्तर और एक पालना था, और दूसरे

में सिर्फ दो बिस्तर थे। लूसी और एलिसन छोटे कमरे में एक ही बिस्तर पर सोने वाली थीं। मेरे पास दो विकल्प थे: या तो लड़कियों के कमरे में लीला के साथ सोऊं, या लड़कों के कमरे में जेसन के साथ सोऊं। आखिरकार मुझे लड़कों का कमरा मिला।
टेराकोटा के गमलों और घोड़ों के साथ रेगिस्तानी दृश्यों की पेंटिंग से सजे उस देहाती कमरे का जायज़ा लेने के बाद, मैं जेसन और अपने छोटे से बिस्तर पर दक्षिण-पश्चिमी शैली के कंबल पर लेट गया। चेज़ उदास चेहरे के साथ पलंग पर बैठ गया। वह रॉक, पेपर, सिज़र्स के खेल में मैक्स से हार गया था। दोनों एक ही बिस्तर पर सोना नहीं चाहते थे। लड़कों की नादानी का एक और उदाहरण।
चेज़ अपनी चारपाई पर थोड़ा आगे-पीछे उछल रहा था, उसकी गहरी भूरी आँखों में साफ़ तौर पर अरुचि झलक रही थी। उसके लगभग काले बाल थोड़े बिखरे हुए से लगने लगे थे, जबकि कुछ लड़कों के बाल सलीके से बिखरे हुए होते हैं। उसे इससे कोई खास फ़र्क नहीं पड़ता था।
मैं सोचते-सोचते अपनी उंगलियों को अपने बिखरे बालों के सिरों में फंसा रही थी। मुझे अभी तक बाल कटवाने का समय नहीं मिला था। पापा के साथ राक्षसों से जुड़े मेरे सबक मेरा बहुत सारा समय ले लेते थे, जो मुझे बिल्कुल पसंद नहीं था। मैं उनसे थोड़ी छुट्टी का बेसब्री से इंतजार कर रही थी।
अपने पिता को न जानने से लेकर, सप्ताह में कई बार उनसे मिलने तक का सफर मेरे लिए बेहद उतार-चढ़ाव भरा था। पहले तो मैंने उन्हें ही दोषी ठहराया कि वे मेरी जिंदगी में क्यों नहीं थे, लेकिन फिर मुझे एहसास हुआ कि मेरी माँ ने मुझे उनसे दूर रखने की पूरी कोशिश की थी। मैं उस दर्द से उबर चुकी थी... लगभग। अब वे इसकी भरपाई करने की कोशिश कर रहे थे, वो भी बेहद परेशान करने वाले तरीके से।
लेकिन सब कुछ बुरा नहीं था। सबक का वाकई फायदा हुआ। अब मैं अपनी हथेली में छोटी सी लौ पैदा कर सकता था और गलती से नहीं, बल्कि अपनी मर्जी से चीजों को जला सकता था। मेरे पिताजी जो कर सकते थे, उसके मुकाबले तो यह कुछ भी नहीं था, लेकिन मैं बस खुश था कि आखिरकार मुझे कुछ हद तक नियंत्रण मिल गया था। अब मैं यूं ही उपकरणों को नहीं फोड़ता, लेकिन पता नहीं क्यों अब मैं जानबूझकर भी ऐसा नहीं कर सकता।

मैंने अपने पिता द्वारा क्रिसमस पर दी गई अंगूठी पर नज़र डाली, जो शायद पारिवारिक धरोहर थी। हमें नहीं पता था कि इसका क्या काम है, लेकिन मैंने कभी-कभी इसके गहरे लाल पत्थर से रोशनी की चमक देखी थी। कभी-कभी अंगूठी की पट्टी बनाने वाली चांदी की लताएँ भी हिलती हुई लगती थीं, लेकिन जब भी मैंने किसी को दिखाने की कोशिश की, वे रुक गईं। सच कहूँ तो, अंगूठी से मुझे बहुत डर लगता था, लेकिन मेरे पिता चाहते थे कि मैं इसे पहनूँ। मैंने उनसे पूछने की कोशिश ही छोड़ दी थी।
जब भी मेरे अंदर किशोरावस्था की बगावत जाग उठती, मैं अंगूठी उतार देती, लेकिन कुछ घंटों बाद फिर पहन लेती। अगर अंगूठी न पहनने की वजह से कुछ बुरा हो जाए तो ये बहुत बड़ी बेवकूफी होगी। और हाँ, अगर किसी बुरी घटना के डर से अंगूठी पहनने की वजह से कुछ बुरा हो जाए तो ये और भी बड़ी बेवकूफी होगी। इसका जवाब मत देना। फिलहाल तो मैं अंगूठी पहने रहूंगी।
पास वाले दरवाजे पर हल्की सी दस्तक के बाद एलिसन अंदर आई। मैं अब भी उससे नाराज़ थी क्योंकि वह हमारे साथ यात्रा पर आने के लिए छल-कपट कर रही थी। मैं पहले से ही बहुत से लोगों की ज़िम्मेदारी संभाल रही थी। मुझे उसकी भी चिंता करने की ज़रूरत नहीं थी।
एलिसन के लंबे, सुनहरे बाल कसकर पोनीटेल में बंधे हुए थे, जिससे उसका चेहरा पूरी तरह से खुला हुआ था। यह उसका नया लुक था, और इससे उसकी हल्की भूरी आँखें बड़ी और मासूम लग रही थीं। लेकिन उसने मुझे जो मुस्कान दी, वह बिल्कुल भी मासूम नहीं थी। उसे इस बात का आनंद आ रहा था कि उसने हमें बेवकूफ बना दिया था। क्या वह बहुत गुस्से में थी?
वह डिजाइनर जींस और चारकोल रंग के वी-नेक स्वेटर में मेरे बगल में बैठ गई और नीचे आते समय मेरी काली स्पैगेटी स्ट्रैप शर्ट की स्ट्रैप को झटक दिया। “क्या तुम्हें ठंड नहीं लग रही?” उसने भौंहें चढ़ाते हुए पूछा।
मैंने आह भरते हुए जवाब दिया, "आजकल मुझे हमेशा गर्मी लगती है। ऐसा लगता है जैसे मैं चलता-फिरता हीटर हूँ।"
एलिसन ने अपना हाथ मेरी गर्दन के किनारे पर रखा। उसकी हथेली ठंडी और सूखी महसूस हुई।
"आपको उतनी गर्मी महसूस नहीं होती। मेरा मतलब है, हाँ, आपको ऐसा लगता है जैसे आप एक चलता-फिरता हीटिंग पैड हैं, लेकिन असहज रूप से नहीं," उसने संशयपूर्ण लहजे में कहा।

मैंने उसे घूरकर देखा। "हाँ, मुझे किसी ठंडे स्वभाव वाले व्यक्ति के प्रति सुखद गर्माहट महसूस होती है, लेकिन ज़रा सोचिए कि चौबीसों घंटे धूप में खड़े रहने जैसा अनुभव कैसा होता है।"
"अरे, मैं सोच रहा था," मैक्स ने अपने बिस्तर पर बैठे-बैठे ज़ोर से कहा, "हम पहले से ही जानते हैं कि आग या गर्म सतहों से जलन नहीं होती, लेकिन क्या धूप से त्वचा जल सकती है?"
मुझे गर्म सतहों से जलन नहीं होती, यह बात मुझे हाल ही में पता चली थी। अब इसमें नयापन थोड़ा कम हो गया था। पहले तो मैं बिना दस्ताने पहने ओवन से गर्म पैन निकालकर चूल्हे में हाथ डालता था, लेकिन इससे मेरी माँ परेशान हो जाती थीं, इसलिए मैंने यह करना बंद कर दिया। खैर, मैंने यह तब करना बंद कर दिया जब वह देख रही होती थीं।
मैंने अभी तक यह सोचा ही नहीं था कि सूरज मुझे जला नहीं सकता। "अभी तक तो मैंने ऐसा नहीं किया है," मैंने उदास होकर जवाब दिया। "यह देखते हुए कि मेरी शक्तियां सक्रिय होने से पहले मैं लगभग दस मिनट में जल जाता था, मुझे लगता है कि अब मुझे सनस्क्रीन की ज़रूरत नहीं है।"
मुझे हर दिन खुद में इंसानियत की कमी महसूस हो रही थी। शायद मैं अब भी सनस्क्रीन लगाऊं, सिर्फ खुद को बेहतर महसूस कराने के लिए।
मैक्स कुछ और कहने के लिए मुंह खोलने ही वाला था कि इससे पहले कि वह कुछ कह पाता, एलिसन अचानक खड़ी हो गई और अपने कमरे में वापस चली गई। उसने अपने पीछे दरवाजा मजबूती से बंद कर लिया, मानो वह उससे एक भी शब्द सुनना बर्दाश्त नहीं कर सकती थी।
मैंने मैक्स की ओर संदेह भरी नजरों से देखा। "तुमने ऐसा क्या किया जिससे वह नाराज हो गई?"
मैक्स ने कंधे उचकाते हुए जवाब दिया, "मैंने उसे मना कर दिया।"
"जैसे कि डेट के लिए?" चेज़ ने संदेह भरे लहजे में बीच में टोकते हुए कहा। मैक्स की लंबाई 5 फुट 4 इंच है, उसके बाल सुनहरे, आंखें हल्के हरे रंग की और चेहरे पर झाइयां हैं। मैं उसे हमेशा एक नन्हे परी की तरह याद रखूंगी। वहीं दूसरी ओर, एलिसन की लंबाई 5 फुट 9 इंच है, उसके बाल सुनहरे हैं और वह सुडौल है।

"डेट के लिए नहीं," मैक्स ने थोड़ी सी कड़वाहट के साथ कहा, "हालांकि हम कुछ डेट्स पर जा चुके हैं। उसने मुझसे उसे भेड़िया बनाने के लिए कहा। मैंने उससे कहा कि वह बेवकूफी कर रही है और वह नाराज हो गई।"
“क्या!” मैं बिस्तर से उछलते हुए चिल्लाई। ओह, ये तो बिलकुल भी नहीं हो सकता था। मैंने अपने आखिरी इंसान दोस्त को इस तमाशे से बचाने के लिए बहुत मेहनत की थी।
मैक्स ने कंधे उचका दिए, मानो यह कोई बड़ी बात न हो। "वह इकलौती इंसान होने से थक चुकी है, लेकिन उसे समझ नहीं आ रहा कि वह क्या पूछ रही है। मैंने उसे समझाने की कोशिश की, लेकिन उसने नहीं सुना।"
ओह, वो अकेली इंसान होने से तंग आ चुकी थी, तो क्यों न वो वेयरवोल्फ ही बन जाए? मैं उसे समझाऊंगा कि क्यों नहीं। शायद वो मैक्स की बात न सुने, लेकिन मैं उसे अपनी बात मनवा लूंगा।
मैंने मैक्स से मुंह मोड़ा और बिना दरवाजा खटखटाए सीधे लड़कियों के कमरे में घुस गई। एलिसन खुशकिस्मत थी कि वहां सिर्फ वही अकेली थी। मैंने उसे खिड़की के पास खड़े जेसन से बात करते हुए पाया। मैं उसे धक्का देकर आगे बढ़ी और एलिसन को पास के ही बिस्तर पर गिरा दिया।
मैं उस पर कूद पड़ा और उसे नीचे दबा दिया, मेरी राक्षसी शक्ति ने उसकी जद्दोजहद को तुरंत खत्म कर दिया। गुस्से में मैं वेयरवोल्फ जितना ताकतवर हो जाता हूँ, दुर्भाग्य से शांत होने पर मुझमें सिर्फ इंसानी ताकत ही रह जाती है।
वेयरवोल्फ के पास हर समय अपनी ताकत होती है। वेयरवोल्फ बनने से किसी के शरीर की पूरी संरचना बदल जाती है। यह एक प्रकार का जादू है, लेकिन ज़्यादातर रासायनिक। मेरी ताकत पूरी तरह से जादू से ही मिलती थी, और क्योंकि मुझे अपने जादू पर ज़्यादा नियंत्रण नहीं है, इसलिए मेरी ताकत पर भी ज़्यादा नियंत्रण नहीं है।
मैंने पूछा, "तुम यहाँ क्यों हो?"
उसने जेसन से मदद की उम्मीद की, लेकिन उसने आत्मसमर्पण करते हुए हाथ ऊपर उठा लिए और पीछे हट गया। मैंने हमेशा कहा है कि वह बहुत बुद्धिमान व्यक्ति है।
एलिसन ने चुनौती भरी नज़रों से मेरी ओर देखा। मैंने हल्का-सा गौर किया कि हमारी पूरी टोली कमरे में आ चुकी थी और हर कोई हमसे जितना हो सके दूर दुबका

हुआ था। चेज़ को छोड़कर। वही इकलौता है जिसे मैं जला नहीं सकती, शायद उसकी शैतानी आभा के कारण। ऐसा नहीं है कि मैंने एक-दो बार कोशिश नहीं की। जब उसका मन करता है तो वह बहुत गुस्सा दिला सकता है। मैं चेज़ के आस-पास के कमरे में आग लगा सकती थी, लेकिन मैंने खुद को रोकने की कोशिश की।
मुझे एलिसन के आस-पास ज़्यादा सावधानी बरतनी चाहिए थी। चूंकि मैं अकेली इंसान थी, अगर मैं उसे जला देती, तो उसके ठीक होने में इंसानों जितना ही समय लगता। कमरे में बाकी सब लोग मार... मतलब, जलने को सह सकते थे। एलिसन नहीं सह सकती थी। बस यही सोचकर मेरा गुस्सा थोड़ा शांत हो गया।
मैंने अपना सारा ध्यान फिर से उस व्यक्ति पर केंद्रित किया। "क्यों?" मैंने दोबारा पूछा।
“मैं अब और इंसान नहीं रहना चाहती,” उसने जल्दी से बुदबुदाते हुए कहा। “मैक्स और जेसन दोनों ने मेरी मदद करने से इनकार कर दिया।”
मैंने अपनी निगाहें ऊपर उठाकर जेसन की ओर घुमाईं। "तुम्हें पता था?" मैंने हैरानी से पूछा।
“मैं उसे ऐसा करने से रोकने की कोशिश कर रहा हूँ,” उसने स्थिर स्वर में उत्तर दिया।
उनकी शांत छवि इस बात से ज़ाहिर होती थी कि वे बार-बार अपने गहरे भूरे बालों में हाथ फेर रहे थे। यही उनकी घबराहट का सबसे स्पष्ट संकेत था। आप सोचेंगे कि इतने सालों बाद तो उन्हें यह आदत छूट जानी चाहिए थी, लेकिन पुरानी आदतें आसानी से नहीं छूटतीं।
मैंने कमरे के बाकी हिस्से पर नज़र डाली, एलिसन लगभग मेरे नीचे दबी हुई थी। "और किसे पता था?"
कुछ क्षणों की चुप्पी के बाद, लीला ने अपना हाथ उठाया, लेकिन अपनी नज़र ज़मीन से नहीं हटाई। उसने चेज़, लूसी और मुझे छोड़कर हमारे समूह में सभी से मदद मांगी थी... केवल वही लोग जिनके बारे में वह जानती थी कि वे उसकी मदद नहीं कर सकते या नहीं करेंगे।
दानव होना वंशानुगत होता है। यह वेयरवोल्फ की तरह पीढ़ी दर पीढ़ी नहीं फैलता। किसी को पिशाच बनाना अधिक कठिन है, इस प्रक्रिया में अक्सर उनकी मृत्यु हो जाती है, लेकिन यह संभव है। उसने जेसन से उसे पिशाच बनाने के लिए कहा था, इसका मतलब था कि वह हताश थी। हताश और मूर्ख।

मैं धीरे-धीरे बिस्तर से उतरी और दूसरे कमरे में वापस जाने के बजाय गलियारे में चली गई। मैंने पीछे से दरवाजा बंद कर दिया ताकि कोई मेरा पीछा न करे, फिर सीढ़ियों से नीचे उतरकर बाहर आ गई। आजकल मुझे इस तरह बहुत गुस्सा आ रहा था। सबको पता था कि मुझे शांत होने देना चाहिए। नहीं तो लोगों के हाथों में छाले पड़ जाते थे।
मैदान अभी भी भेड़ियों से भरा हुआ था। मैं भेड़ियों को बिल्कुल नहीं देखना चाहता था। कहीं मैं उनमें से किसी एक को आग न लगा दूं। उनके बीच से गुजरने के बजाय, मैंने तुरंत बाईं ओर मुड़कर सीधे जंगल की ओर रुख किया, मुझे ठीक से पता नहीं था कि मैं कहाँ जा रहा हूँ। मुझे सोचने के लिए समय चाहिए था। लगभग दस मिनट तक बिना सोचे-समझे चलने के बाद, आखिरकार मैंने अपने आसपास के वातावरण पर ध्यान देना शुरू किया। इस क्षेत्र के पेड़ शेल्बी के पेड़ों से बिलकुल अलग थे। मोआब में सब कुछ सूखा और... कांटेदार था।
मैंने देखा था कि होटल के पास की नदी में ऊंचे-ऊंचे कॉटनवुड के पेड़ थे, लेकिन जैसे ही आप नमी से दूर जाते थे, वहां छोटे-छोटे, कांटेदार मेस्क्वाइट के पेड़ और अन्य कठोर वनस्पतियां दिखाई देने लगती थीं।
पास ही दिख रहे पहाड़ों पर वही ओक के पेड़ थे जो मैंने गाड़ी चलाते समय देखे थे। शायद आज रात उन्हीं पहाड़ों में होने वाले वेयरवोल्फ के "मिलन समारोह" में मुझे चीड़ के पेड़ भी दिख जाएं। आखिर एलिसन इसमें क्यों शामिल होना चाहेगी?
मतलब, मुझे पता है कि बाहर से शक्तियां, अतिरिक्त ताकत और गति होना अच्छा लगता है... ठीक है, यह वाकई अच्छा है, लेकिन इसके नुकसान इसके लायक नहीं हैं। जब से मुझे पता चला कि मैं एक दानव हूँ, मेरा अपहरण किया गया और मुझे पीटा गया। मुझसे झूठ बोला गया और मेरा इस्तेमाल किया गया। मैंने लोगों को चोट पहुँचाई। मैंने लोगों को मार डाला। मेरा जीवन हमेशा अस्त-व्यस्त रहा। मेरी माँ अब मेरे बारे में पूछने से भी डरती है।
हमेशा ऐसे लोग रहेंगे जो मेरा इस्तेमाल करना चाहेंगे या मुझे नुकसान पहुंचाना चाहेंगे। जिसने भी सबसे पहले कहा था कि सत्ता भ्रष्ट करती है, वह सही था, हालांकि शायद उनका मतलब यह नहीं था कि मैं इसका दुरुपयोग कर रहा हूं। सत्ता आपके जीवन को तब भ्रष्ट करती है जब वह आपके पास होती है और दूसरे लोग उसे पाना चाहते हैं।

एलिसन को सब कुछ पता था कि अलौकिक शक्तियों के कारण हमारी ज़िंदगी बदलने के बाद से लूसी और मैंने क्या-क्या झेला था। उसने सब कुछ अपनी आँखों से देखा था। हद तो यह है कि हमारे पास होने मात्र से उसे पीटा गया और उसका अपहरण भी किया गया। स्वेच्छा से उस दुनिया का हिस्सा बनना सरासर बेवकूफी थी। मैं उसे ऐसा नहीं करने दे सकती थी। अगर वह इतनी बेवकूफ थी कि खुद को हमारे जैसी स्थिति से नहीं बचा सकती थी, तो मैं उसके लिए यह कर दूंगी। वह वेयरवोल्फ नहीं बनने वाली थी। मुझे आज रात ही इसका इंतज़ाम करना होगा।

अध्याय तीन
बदला लेना बहुत बुरा होता है। मुझे धीरे-धीरे समझ आने लगा था कि जब कोई गैर-भेड़िया उन्हें मारता है तो भेड़ियों को अच्छा नहीं लगता। भले ही मैंने जिस भेड़िये को मारा था वह मनोरोगी था और मुझे मारने की कोशिश कर रहा था। यहाँ तक कि निक की मौत का इल्जाम भी मुझ पर लगाया जा रहा था, जबकि असल में यह मेरे पिताजी की करतूत थी। निक भी मुझे मारने की कोशिश कर रहा था। थोड़ी देर टहलकर जब मैं सराय के लॉन में पहुँचा, तभी एक बूढ़ी औरत, जो शायद वेयरवोल्फ थी, मेरे पास आई और मुझ पर थूकने की कोशिश की। उसका निशाना चूक गया, पर मेरा नहीं चूका। उसने यह नहीं सोचा था कि मेरी शक्तियाँ गुस्से से भरी हुई हैं। मैंने उसे एक ही मुक्के से बेहोश कर दिया। बड़ों का सम्मान भाड़ में जाए। मैंने उसकी गिरी हुई लाश के ऊपर से बिना देखे कदम बढ़ा दिया और चलता रहा।
जब मैं सराय के मुख्य द्वार की ओर बढ़ा, तो लॉन में मौजूद सभी लोग मुझे घूरने लगे। कुछ चेहरों पर डर या सम्मान के भाव थे, लेकिन अधिकतर लोगों के चेहरों पर केवल नफरत थी। भाड़ में जाए सब। मैं यहाँ लोकप्रियता हासिल करने नहीं आया था।
अपने कमरे में वापस जाते समय मेरी मुलाकात हॉल में लीला से हुई। मैंने सीधे-सीधे पूछा, "यहाँ इतनी दुश्मनी क्यों है?"
वह असहज होकर वहीं खड़ी रही, जाहिर तौर पर मेरे सवाल का जवाब नहीं देना चाहती थी। इसके बजाय, वह अपने काले स्वेटर को जींस के ऊपर खींचने में लगी रही, मानो वह उसे पहले से ही पूरी तरह फिट न हो।
मैंने उसकी ओर देखकर अपनी भौंहें उठाईं और वह बेचैन होना बंद कर दी।
“असल में,” उसने कहना शुरू किया, “कोई तुम्हें पसंद नहीं करता, क्योंकि तुम वेयरवोल्फ के मामलों में शामिल हो, लेकिन तुम खुद वेयरवोल्फ नहीं हो। हममें से बाकी लोगों को भी कोई पसंद नहीं करता, क्योंकि हम अपने ही किसी सदस्य के बजाय किसी दानव के नेतृत्व में रहना पसंद करते हैं।”
मैंने पूछा, "तो मैं यहाँ क्यों हूँ? मुझे लगा था कि यह हम सभी के भले के लिए है।"
लीला ने अब बेचैनी छोड़ दी थी। वह पूरी तरह से काम में मग्न थी। मुझे उसकी एक खासियत यह पसंद थी कि जब उसका कोई लक्ष्य होता था, तो वह उसे पूरा कर

लेती थी। और एक खासियत जो मुझे उसकी नापसंद थी, वह यह थी कि जब उसका कोई लक्ष्य नहीं होता था, तो वह बुरी तरह रोती-बिलखती रहती थी और किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश करती थी जो उसकी देखभाल कर सके।
सौभाग्य से, फिलहाल वह शांत थी। “यह हम सबके लिए अच्छा है। अगर यह कारगर रहा तो हम सबको काफी सुरक्षा मिलेगी, लेकिन सच्चाई यही है कि हमें एक समूह के रूप में रहने की अनुमति सिर्फ इसलिए मिली क्योंकि एबेल ने किसी कारणवश हमारे कागजी काम को आगे बढ़ा दिया।” उसने समझाया। “जब पूरे क्षेत्र का नेता आपके लिए दबाव डालता है... तो आप पर दबाव पड़ता ही है।”
मुझे अच्छी तरह पता था कि एबेल हमारे लिए कोशिश कर रहा था, लेकिन वजह मुझे ठीक से समझ नहीं आ रही थी। जहाँ तक मुझे लगता था, एबेल हमें पसंद करता था... और मुझे इस बात पर ज़रा भी भरोसा नहीं था। मैं इतना मिलनसार नहीं था। मैंने संदेह भरे स्वर में पूछा, "तुम्हें क्या लगता है उसने ऐसा क्यों किया?"
उसने कंधे उचकाते हुए कहा, "मुझे लगता है कि इसका कुछ लेना-देना तुम्हारे पिताजी से है। लगता है उनका बहुत पुराना रिश्ता है।" उसने हल्की सी मुस्कान के साथ कहा, "शायद वो बस ऊब रहे हों।"
मैं सत्रह साल का था, दूसरे राज्य से आया था और मेरी हैसियत से बिल्कुल बाहर था, और यह सब एक वेयरवोल्फ की बोरियत की वजह से हुआ... कितना सुकून देने वाला है।
मैंने समय देखने के लिए अपनी जेब से फोन निकाला। लगभग 6 बज रहे थे। अब तैयार होने और शाम को खत्म करने का समय हो गया था।
मैंने गहरी सांस ली और लीला की ओर मुड़ी। "ठीक है, मुझे आज शाम के बारे में बताओ। हमें क्या पहनना है और क्या करना है?"
लीला की निगाहें घबराहट से कमरे में इधर-उधर घूम रही थीं। “हमें ज़्यादा कुछ नहीं करना है... लेकिन, हमें थोड़ा सज-धज कर आना होगा। पूरे समूह की शाम की बैठकें औपचारिक होती हैं। अल्फा सदस्यों की सुबह की बैठकें ज़्यादातर अनौपचारिक होती हैं।”
मैंने सिर हिलाया और मुस्कुरा दिया। अगर औपचारिक कपड़े पहनना ही सबसे बुरी बात थी, तो मैं सह सकती थी। मुझे ये अंदरूनी शंका क्यों थी कि सजने- संवरने का नाटक तो बस शुरुआत थी?

चौथा अध्याय
एक घंटे के भीतर हम सभी अपने शाम के बेहतरीन कपड़ों में वापस नीचे आ गए, जो कि जंगल के बीच में स्थित बैठक स्थल की ओर बढ़ते हुए तेजी से अव्यवहारिक प्रतीत हो रहे थे।
मुझे ज़बरदस्ती एक गहरे लाल रंग की स्ट्रैपलेस ड्रेस खरीदने के लिए मजबूर किया गया था, जो उस अवसर की तैयारी में मेरे घुटनों से थोड़ा नीचे तक आती थी। यह ड्रेस दिखने में अच्छी और सादी थी, बस एक ही बात को छोड़कर कि यह रेशम की बनी थी। इसका ऊपरी हिस्सा फिटिंग वाला था, कुछ-कुछ कॉरसेट जैसा, लेकिन उस पर कोई और सजावट नहीं थी।
डैन वाली घटना के बाद मुझे जो मुआवज़ा मिला था, उसमें से एक बड़ी रकम उस ड्रेस पर खर्च हुई थी। अगर कोई उस पर थूकता तो मैं उसके बाल जला देती, भले ही मैं शायद उसे दोबारा कभी न पहनूँ।
लेला ने फिर से काले रंग के कपड़े पहने थे, जो बेहद स्टाइलिश और सिंपल थे। उसके बाल पीछे की ओर एक साधारण जूड़े में बंधे थे। लूसी की गहरे बैंगनी रंग की ड्रेस में पारदर्शी कैप स्लीव्स थीं जिन पर ढेर सारे स्पार्कल लगे थे जो ड्रेस पर नीचे तक फैले हुए थे। यह लूसी के सामान्य पहनावे से कहीं ज्यादा भड़कीली थी। उसकी हील्स चमकदार चांदी की थीं जिनके स्ट्रैप्स में भी छोटे-छोटे स्पार्कल जड़े हुए थे। उसके काले बाल लंबे और चिकने थे, बिल्कुल सीधे और चमकदार, बिना किसी स्टाइल के।
मैं अकेली लड़की थी जिसके पास कोट नहीं था। मैं अकेली लड़की थी जिसने हील्स नहीं पहनी थीं। मुझे ज़्यादा मनाने की ज़रूरत नहीं थी। मुझे इस बात की ज़रा भी परवाह नहीं थी कि मेरे स्नीकर्स कितने बेमेल लग रहे थे। मेरी अलमारी में कपड़ों के थैलों में चार और ड्रेस थीं। स्नीकर्स तो उन सभी के साथ पहने जा सकते थे। मेरे बाल हमेशा की तरह बिखरे हुए थे। मैंने कुछ समय के लिए उन्हें संवारा था, लेकिन जल्दी ही ऊब गई थी।
मेरे बगल में खड़ा जेसन चारकोल रंग की पैंट और गहरे बैंगनी रंग की शर्ट में काफी स्टाइलिश लग रहा था। किसी ने चेज़ को भी इसी तरह के कपड़े पहनाए थे, लेकिन उसकी पैंट काली और शर्ट गहरे हरे रंग की थी। ऐसा लग रहा था जैसे दोनों ने एक जैसे कपड़े पहने हों।

मेरे दो अंगरक्षकों के तौर पर, मुझे लगा कि यह ठीक ही था। शायद लीला ने ही सब कुछ तय किया था। हो सकता है उसने ही उनके लिए कपड़े भी खरीदे हों। जेसन कभी-कभार खरीदारी के लिए मान जाता था, लेकिन चेज़ को तो कपड़े आज़माने में पूरा दिन बिताने के बजाय अपने पैर के नाखून निकलवाना ज़्यादा पसंद था। मुझे उम्मीद थी कि चेज़ भी मेरी तरह असहज महसूस करेगा, लेकिन उसने अपने महंगे कपड़े बहुत अच्छे से पहने थे।
जेसन और चेज़ को घुल-मिल जाने की क्या ज़रूरत थी, और उन्हें मीटिंग में आने की इजाज़त ही क्यों दी गई थी? मेरे पिताजी ने ही यह सब तय किया था। मेरे पिताजी चाहते थे कि मेरे पास बॉडीगार्ड हों, और एबेल चाहता था कि मेरे पास वेयरवोल्फ का एक झुंड हो। इस तरह, कुछ जुगाड़ हुआ और हम सब अपनी पहली वेयरवोल्फ मीटिंग के लिए रवाना हो गए। एलिसन, अपने विरोध के बावजूद, कमरे में ही रुकी रही।
सराय से बाहर निकलते ही हमें एक बेहद अवास्तविक दृश्य दिखाई दिया। हर उम्र के वेयरवुल्फ शानदार ढंग से सजे-धजे थे और जंगल की ओर जा रहे थे। ऊँची एड़ी के जूते पहने कोई भी असहज नहीं लग रहा था। वे सभी एक रहस्यमय, सहज अंदाज में चल रहे थे। मैं तो असहज ही लगता।
उनकी उत्तम उपस्थिति में एकमात्र कमी उनके गले में लटकते हुए डोरी के टुकड़ों में थी, जिन पर प्रत्येक व्यक्ति की जानकारी लिखी हुई थी। मैंने अपनी डोरी गले में डालने के बजाय हाथ में पकड़ रखी थी। मुझे पक्का नहीं पता था कि मैं चाहती हूँ कि हर कोई मुझे देखते ही पहचान ले, और वैसे भी मुझे डोरी के टुकड़े बिल्कुल पसंद नहीं हैं।
जैसे ही हम भीड़ में शामिल हुए, मैंने कुछ तिरछी निगाहों से हमें घूरते हुए देखा। मैंने उन्हें नज़रअंदाज़ करने की पूरी कोशिश की। वेयरवुल्फ के बीच अपने पहले ही दिन फिर से किसी लड़ाई में पड़ना ठीक नहीं था। कुछ भेड़ियों को हमारे समूह के पास आते देख, जेसन और चेज़ मेरे दोनों ओर अपनी-अपनी जगह पर खड़े हो गए। एक युवा जोड़ा झिझका, फिर चला गया, लेकिन काले सूट में एक अकेला आदमी हमारी ओर बढ़ता रहा।
जंगल में प्रवेश कर रहे भेड़ियों के झुंड में बने रहने के लिए हमें सीधे उसकी ओर चलना पड़ा, और मैं उसके लिए रास्ता छोड़ने वाला नहीं था, इसलिए एक मिनट के भीतर ही हम आमने-सामने आ गए।

वह लंबा था, लेकिन जेसन और चेज़ से कुछ इंच छोटा था। मेरी राय में उसकी लंबाई लगभग 5’10” थी। उसके साफ़-सुथरे चेहरे पर एक सौम्य मुस्कान थी। उसका जबड़ा मज़बूत और होंठ भरे हुए थे, बिल्कुल GQ जैसा... या कम से कम जैसा मैं GQ को समझता हूँ। पीछे की ओर कंघी किए हुए सुनहरे बाल उसके सलीके से संवारे हुए रूप को पूरा कर रहे थे। इतने सलीके से तैयार होने के बावजूद वह युवा लग रहा था। मेरी राय में उसकी उम्र लगभग बीस साल थी। उसने मेरी ओर हाथ बढ़ाया।
मैंने उस हाथ को ऐसे घूरा जैसे वह सड़क पर मरा हुआ जानवर हो, लेकिन फिर, एक और दुश्मन न बनाने की चाह में, मैंने अपना हाथ उसके हाथ में रख दिया। उसने मेरा हाथ उठाकर अपने मुँह तक ले जाकर धीरे से चूमा। सच में? मैंने अपनी बेचैनी को चेहरे से छुपाने की पूरी कोशिश की, लेकिन नाकाम रही।
मैंने अपनी नापसंदगी छिपाने की कोशिश करते हुए अपना हाथ पीछे खींच लिया। चेहरे पर मुस्कान बरकरार रखते हुए उन्होंने अपना परिचय दिया। “मैं डेविन हूँ। मुझे लगता है आप एलेक्जेंड्रा हैं। मैंने आपके बारे में बहुत कुछ सुना है।”
मैं कहना तो चाहती थी, "हाय डेविन, मैंने तुम्हारे बारे में कुछ भी नहीं सुना। ठीक है, बाय।" लेकिन मेरे मुंह से जो निकला वह कहीं अधिक कूटनीतिक था। इतना कूटनीतिक कि मेरे दांत दुखने लगे।
“आपसे मिलकर अच्छा लगा डेविन। क्या आप थोड़ा टहलना और बात करना चाहेंगे? मैं पीछे नहीं छूटना चाहता।” मैंने दूर जाते हुए भीड़ के एक बड़े हिस्से की ओर इशारा किया।
“क्यों न अवश्य,” उन्होंने जवाब दिया और सूट पहने हुए अपना हाथ मेरी ओर बढ़ाया।
मेरे अनुभव में, उस स्तर की विनम्रता का मतलब या तो यह होता था कि कोई कुछ चाहता है, या फिर वह आपसे डरा हुआ है। डेविन डरा हुआ नहीं लग रहा था, तो सवाल यह था कि वह क्या चाहता था? खैर छोड़ो। मैंने कंधे उचकाते हुए अपना हाथ उसके हाथ में डाला और अपने समूह के बाकी सदस्यों के साथ बैठक स्थल की ओर चलने लगा। मुझे लगा कि मैं जेसन की बेचैनी को लगभग महसूस कर सकता हूँ, लेकिन शायद मैं बस ऐसा सोच रहा था।
“तुम गर्म हो,” डेविन ने टिप्पणी की। “क्या यह तुम्हारे अंदर मौजूद दानव रक्त के कारण है?”

मैं उसकी बातों पर लड़खड़ा गया, लेकिन जल्दी ही संभल गया और मुंह के बल गिरने से बच गया।
डेविन खिलखिलाकर हँसा। "अरे, एलेक्सोंड्रा। तुम जानती हो कि हम सब क्या हैं। इसलिए यह उचित ही है कि हम तुम्हारे बारे में भी थोड़ा जान लें।" मैंने सुधार करते हुए कहा, "मेरा नाम ज़ोई है," और फिर पूछा, "क्या आप अपने कोट के अंदर से मेरा तापमान महसूस कर सकती हैं?"
“हाँ,” उसने जवाब दिया जब हम पहाड़ों और बड़े पेड़ों की ओर मुड़े। “हम भेड़िये इंसानों से थोड़ा ज़्यादा गर्म होते हैं, लेकिन इतना नहीं कि आसानी से महसूस हो सके। तुम तो एक छोटे हीटर की तरह हो।”
मुझे 'छोटा' कहलाना पसंद नहीं था। हाँ, मैं थोड़ा दुबला-पतला ज़रूर हूँ, लेकिन लंबा भी हूँ। मुझे लगता है कि मैं असलियत से कहीं ज़्यादा प्रभावशाली हूँ। मैंने लगभग इस टिप्पणी का विरोध ही कर दिया था। फिर भी, मैं विनम्रता दिखाने की कोशिश कर रहा था, और मुझे उसे न बताने का कोई कारण समझ नहीं आया, इसलिए मैंने उसके सवाल का जवाब दे दिया।
“इसका संबंध उस विशेष राक्षस वंश से है जिससे मैं आता हूँ। हमारी चयापचय प्रक्रिया असाधारण रूप से तीव्र होती है। हालांकि, गर्मी हमारी शक्तियों को बढ़ाती है या उनका दुष्प्रभाव है, यह मैं निश्चित रूप से नहीं कह सकता।” “दिलचस्प,” डेविन ने जवाब दिया। “तो मुझे बताया गया है कि आप आग पैदा कर सकते हैं, आप और क्या कर सकते हैं?”
मुझे उसकी बात समझने में थोड़ा समय लगा। उसने मेरी सोच से कहीं अधिक जानकारी जुटा ली थी।
“अरे नहीं,” मैंने जवाब दिया। “बस इतना ही मिलेगा। एक लड़की को थोड़ा रहस्य बनाए रखना पड़ता है।”
मेरे जवाब पर डेविन मुस्कुराया और सिर हिलाया, फिर बिना किसी झिझक के अगले विषय पर चला गया। "क्या आपको बताया गया है कि इस बैठक से क्या उम्मीद करनी है?"
मैंने कंधे उचका दिए। "सच में नहीं, तुम वेयरवुल्फ थोड़े रहस्यमय हो सकते हो। मुझे बस इतना पता है कि औपचारिक पोशाक पहनना अनिवार्य है।"
डेविन के चेहरे पर मुस्कान लौट आई। "औपचारिक पोशाक तो तुम्हें अच्छे से आती है... सिवाय जूतों के, लेकिन कुछ और बातें हैं जो तुम्हें जाननी चाहिए।" “और वो चीजें क्या हैं?” मैंने अधीर होते हुए पूछा।

“आप एक समूह बनने के लिए याचिका दायर कर रहे हैं। हममें से कई लोग आपके दावों को चुनौती देंगे,” उन्होंने कहना शुरू किया।
अरे, मुझे कुछ ऐसा बताओ जो मुझे पता न हो। "क्या तुम चुनौती देने वालों में से एक हो?" मैंने पूछा। सूक्ष्मता मेरी खासियत नहीं है।
डेविन ने बड़े सलीके से कंधे उचकाए। मैं तो कभी इतने सलीके से कंधे उचकाना सीख ही नहीं पाया।
उन्होंने जवाब दिया, "इस मामले में मेरी दिलचस्पी कुछ खास नहीं है। हममें से कुछ लोगों ने इसके नतीजे पर शर्त लगाई है।"
मैंने अपना हाथ उससे छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन उसने मेरा हाथ थामे रखा। "चिंता मत करो ज़ोई," उसने मुझे दिलासा देते हुए कहा, "मैं तुम्हारे साथ हूँ। मुझे कोई कारण नहीं दिखता कि तुम झुंड का हिस्सा क्यों नहीं बन सकती। साथ ही, बहुत कम लोग तुम्हारी सफलता पर दांव लगा रहे हैं। मुझे इससे काफी पैसा मिलेगा।"
मैंने बड़बड़ाते हुए जवाब दिया, "बहुत बढ़िया।"
“ज़ोई, अब नाराज़ मत हो,” डेविन ने आगे कहा। “पैसे न होने पर भी मैं तुम्हारे साथ था। ये बैठकें बहुत उबाऊ हो सकती हैं। हमें थोड़ी मस्ती की ज़रूरत है।”
हम एक ऐसे खुले मैदान में पहुँच गए थे जो वेयरवुल्फ से भरा हुआ था। उनमें से एक बड़ा समूह मेरी तरफ घूरने लगा। जिस महिला ने मुझ पर थूकने की कोशिश की थी, वह उस समूह के सबसे आगे थी।
“मुझे खुशी होगी,” मैंने डेविन से कहा, जिससे वह मगरमच्छ की तरह मुस्कुरा उठा। मुझे ये ख्याल आया कि ऐसी मुस्कान अक्सर मुसीबत में पड़ जाती है।

अध्याय पाँच
भीड़ में एक खाली जगह थी, जो मुझे लगा कि हमारे लिए ही है। डेविन हमें उस जगह ले गया, फिर आखिरकार उसने मेरा हाथ छोड़ दिया। मुझे उम्मीद थी कि वह भीड़ में से रास्ता बनाते हुए अपने समूह को ढूंढेगा, लेकिन इसके बजाय वह खुले मैदान के बीच में एबेल के पास जाकर खड़ा हो गया। वे आपस में मिले हुए थे। मुझे पहले ही समझ जाना चाहिए था।
जेसन ने मेरा वो हाथ पकड़ा जो डेविन से छूट गया था और मुझे खुले मैदान के हमारे हिस्से में एक बड़ी चट्टान पर बैठा दिया। चारों ओर नज़र घुमाते हुए मैंने देखा कि कई बड़ी चट्टानें थीं जिन पर लोग बैठने लगे थे। कुछ लोग ज़मीन पर बैठ गए, लेकिन हम आगे बैठे लोगों को चट्टानें मिल गईं।
मैंने पीछे मुड़कर देखा तो पाया कि भीड़ का अधिकांश हिस्सा खुले मैदान में था ही नहीं। वे पेड़ों के बीच खड़े थे। अगर मुझे खुद वहां होने से इतनी नफरत न होती, तो शायद मुझे उनके न होने पर बुरा लगता। लेकिन असल में, मुझे उनसे ईर्ष्या हो रही थी।
मैंने अपना ध्यान वापस अपने समूह पर केंद्रित किया और पाया कि अब मेरे समूह में केवल चेज़, जेसन और मैं ही बचे थे। लीला मैक्स और लूसी को वापस पेड़ों की ओर धकेल रही थी। मैंने जेसन की ओर प्रश्नवाचक दृष्टि से देखा और उसने क्षमा मांगते हुए कंधे उचका दिए।
चेज़ मेरी दूसरी तरफ झुककर फुसफुसाया, "बीच के खुले मैदान में केवल झुंड के सरगना ही होते हैं।"
“तो फिर तुम और जेसन अभी भी यहाँ क्यों हो?” मैंने पूछा।
उसने कंधे उचकाते हुए कहा, "लीला कहती है।"
मैंने देखा कि आखिरी बचे कुछ भेड़िये धुएं की तरह दरारों से गायब होते हुए जंगल में चले गए। उनके चले जाने से चौदह अलग-अलग समूह रह गए। मुझे और अधिक अलग-अलग झुंडों की उम्मीद थी।
हर समूह में तीन से चार भेड़िये थे। उनके बैठने के तरीके से मैंने अंदाज़ा लगाया कि अल्फा, और कभी-कभी अल्फा की साथी, सबसे आगे बैठी होती थीं, और उनके ठीक पीछे दो अंगरक्षक जैसे लोग होते थे। मुझे एहसास हुआ कि चेज़ और जेसन के साथी मेरे ठीक पीछे थे। शायद जेसन मेरे "साथी" की श्रेणी में नहीं आता था।

मैंने अनुमान लगाया कि अब जंगल में लगभग 50 लोग खड़े होंगे। इसका मतलब होगा कि हर झुंड में 3-4 अतिरिक्त भेड़िये होंगे। मुझे याद आया कि लीला ने कहा था कि हर बार पूरी टोली का बैठक में आना ज़रूरी नहीं था, लेकिन याचिका देने के लिए हम सभी को वहाँ उपस्थित होना पड़ता था। मुझे आश्चर्य हुआ कि दूसरे झुंडों के कितने सदस्य बैठक में उपस्थित नहीं थे।
“स्वागत है,” एबेल ने ज़ोर से कहा, जिससे सबका ध्यान उसकी ओर आकर्षित हो गया। उसने अपनी टाइट पैंट तो पहनी हुई थी, लेकिन रेशमी शर्ट पहन ली थी, जिसका रंग बिल्कुल मेरी ड्रेस जैसा था। हम दोनों के कपड़े एक जैसे थे। उसने ऐसा जानबूझकर नहीं किया होगा, ऐसा हो ही नहीं सकता था। जब तक कि लीला ने उसे बताया न हो। उसकी मुस्कान से मुझे पता चल गया कि यह सब पहले से प्लान किया गया था। बहुत बढ़िया!
“चलिए सीधे मुद्दे पर आते हैं,” एबेल ने मुझसे नज़रें हटाते हुए कहा। “सबसे पहले अपडेट कौन करेगा?”
“हम करेंगे,” मुझ पर थूकने की कोशिश करने वाली महिला ने बीच में कहा। मेरी दी हुई काली आँख पहले से ही पीली पड़ रही थी और ठीक हो रही थी। मेरी नज़र पड़ते ही उसने अपने हल्के भूरे, गंदे सुनहरे बालों का एक हिस्सा अपनी आँख पर डाल लिया।
उसके बगल में बैठा आदमी उठ खड़ा हुआ। उसका शरीर गठीला और गठीला था, बाल सफ़ेद-काले रंग के थे और वह किसी तगड़े भालू जैसा दिखता था। उसने अपनी धारीदार कमीज़ को सीधा खींचा, मानो उसे सजने-संवरने की आदत न हो। "ग्रेटा का मतलब है," उसने बुदबुदाते हुए कहा, "कि मैं शुरू करूँगा।"
मुझे लगा कि वहाँ पति-पत्नी के बीच कुछ अनबन चल रही है। एबेल ने सिर हिलाया और भालू-आदमी को बोलने का इशारा किया। भालू-आदमी का भाषण शुरू हुए दो मिनट ही हुए थे कि मैं ऊब गया। वह झुंड के नियमों के उल्लंघन और दी गई सजाओं के बारे में लगातार बोलता रहा। अगले समूह के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। ऐसा लग रहा था कि एबेल सुन ही नहीं रहा था, क्योंकि वह मैदान के बीचोंबीच सबसे बड़ी चट्टान पर बैठा था।
जैसे ही तीसरे समूह ने अपनी "जानकारी" देना शुरू किया, डेविन मेरे पास आकर बैठ गया। वह मेरे बहुत करीब झुक गया। मैं उससे दूर हटने लगी, लेकिन मुझे एहसास हुआ कि वह मेरे कान में कुछ फुसफुसाने की कोशिश कर रहा था। वेयरवुल्फ के आसपास बहुत धीरे से फुसफुसाना पड़ता है। जेसन इतना करीब था

कि अपनी वैम्पायर जैसी सुनने की शक्ति से वह शायद डेविन की फुसफुसाहट सब सुन लेता।
मैं वहीं स्थिर खड़ी रही जब डेविन ने लगभग मेरे कान को चूमते हुए फुसफुसाया, "आप क्या अपडेट पेश करेंगी?"
मैंने कंधे उचका दिए। हम तो अभी आधिकारिक तौर पर एक समूह भी नहीं बने थे। हमें अपडेट कैसे मिलते?
मेरे जवाब पर डेविन थोड़ा चिंतित लग रहा था। जाहिर है, यह अपडेट वाली बात जितनी दिख रही थी उससे कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण थी। अचानक बातचीत बंद हो गई और सबका ध्यान मुझ पर केंद्रित हो गया।
“ज़ोए,” एबेल ने पूछा। “कृपया अपडेट दें?”
जब मैं नहीं हिला, तो डेविन ने मेरी टांग पर चुटकी काट ली। मैं झट से खड़ा हो गया और उसे गुस्से से घूर कर देखा।
“उम…” मैं हकलाया। “कोई नियम नहीं तोड़ा गया, कोई सजा नहीं दी गई।” "तुमने निक को मार डाला," ग्रेटा ने बीच में ही टोकते हुए कहा। "तुमने हममें से एक को मार डाला।"
“असल में ग्रेटा,” मैंने लगभग थूकते हुए उसका नाम लिया। “मैंने उसे नहीं मारा, लेकिन अगर मार भी देती, तो उसने अभी-अभी मुझे बताया था कि वह मेरा गला काटकर मुझे एक राक्षस को खिला देगा। ओह, क्या मैंने यह बताया कि उसने पहले मेरा अपहरण किया था और मुझे एक तहखाने में बंधक बनाकर रखा था?”
"तुम तो हममें से एक भी नहीं हो," ग्रेटा ने पलटवार किया। "तुम्हें यहां नहीं होना चाहिए।"
मैंने उपहास करते हुए कहा, "यह महिला तो बहुत ध्यान देने वाली है। कोई इसे इनाम दे दो।"
ग्रेटा खड़ी हुई और गुस्से से चेहरा बिगाड़े मेरी तरफ बढ़ने लगी। उसने किसी तरह उस भालू जैसे आदमी से खुद को बचा लिया, जिसने उसे पकड़ने की कोशिश की थी। जेसन और चेज़ दोनों मेरे सामने आ गए, लेकिन इसकी कोई ज़रूरत नहीं थी।
मेरी आंखों की पहुंच से भी तेज गति से एबेल ने ग्रेटा को रोका और उसे इतनी जोर से धक्का दिया कि वह उड़ गई। पास ही एक बलूत के पेड़ से टकराकर उसकी उड़ान रुक गई, जिससे पेड़ के टूटने की भयानक आवाज आई। वह जमीन पर गिरी और हिली-डुली नहीं।

भालू-आदमी बस उठा, चलकर गया, सिक गई ग्रेटा को उठाया और पेड़ों में गायब हो गया। बाकी सब लोग एकदम खामोशी से खड़े रहे।
एबेल बेफिक्री से मैदान के बीचोंबीच वापस चला गया। उसने ताली बजाई और अपने एकदम सफेद दांत दिखाते हुए एक ऐसी मुस्कान दी जो गुर्राहट जैसी लग रही थी। "अपडेट! अगला कौन है?"
डेविन मुस्कुराया और एबेल के पास जाने के लिए उठते हुए मेरे कंधे पर थपथपाया। अगले समूह का नेता खड़ा हुआ और छोटी-छोटी गलतियों और उनके दंडों के बारे में बताने लगा। जेसन की घबराहट भरी ऊर्जा से मेरे रोंगटे खड़े हो गए और चेज़ का चेहरा पीला पड़ गया। यह जानकर अच्छा लगा कि शायद मैं अकेली नहीं थी जिसे ऐसा लग रहा था कि मेरा पेट मेरे गले से बाहर निकल आएगा।

अध्याय छह
जब अपडेट्स आखिरकार खत्म हुए तो खाना मिला। और अच्छा हुआ, क्योंकि मुझे बहुत भूख लगी थी। वैसे भी, मुझे हमेशा भूख लगती थी। मैं अपनी शक्तियों पर जितना काम करता था, उतना ही मेरा मेटाबॉलिज्म बढ़ता जाता था। मुझे हर समय भूख लगती रहती थी।
ऐसा लग रहा था कि सामाजिक मेल-जोल/भोजन के समय, हमें अपने-अपने समूहों से अलग होकर एक-दूसरे को थोड़ा बेहतर तरीके से जानना था। जेसन को डेविन अपने साथ ले गया। पहले से ही तय था कि चेज़ या जेसन में से कोई एक मेरे साथ रहेगा, इसलिए जब भी कोई मुझे या चेज़ को एक-दूसरे से दूर ले जाने की कोशिश करता, चेज़ मेरा साथ छोड़ने से साफ इनकार कर देता था।
जब हम अकेले थे, तो मैंने उसे घूरते हुए कहा, "तुम्हें पता है, मैं अपना ख्याल खुद रख सकती हूँ।"
“बेशक,” चेज़ ने सहमति जताते हुए कहा। “चलिए कुछ खाना खाते हैं।”
“लेकिन-” मैंने बहस शुरू की। चेज़ ने मेरे कंधों पर हाथ रखा और मुझे खाने की मेज की ओर घुमाया, जिसे अपडेट के अंत में लाया गया था।
“ठीक है,” मैंने छोटे-छोटे सैंडविच, केक और तरह-तरह के स्वादिष्ट ऐपेटाइज़र देखकर हार मान ली। मैं चेज़ का हाथ छोड़कर सीधे टेबल की ओर चल पड़ी, और वह भी जल्दी से मेरे पीछे आ गया।
खाना इकट्ठा करते समय चेज़ पूरे समय मेरे पीछे-पीछे, लगभग मुझसे सटकर, चलता रहा। मैं उसकी शारीरिक बनावट को अपनी पीठ से लगभग एक इंच की दूरी पर महसूस कर सकता था।
मैंने पीछे मुड़कर उसकी ओर एक भौंह उठाई। "मैं गायब नहीं होने वाली हूँ, तुम्हें पता है ना।"
उसने सवालिया निगाहों से मेरी ओर देखा।
मैंने स्पष्ट किया, "क्या आपको इतना पास खड़ा होना जरूरी है?"
चेज़ ने शर्मिंदगी का भाव दिखाया। "माफ़ कीजिए," उसने धीरे से कहा और थोड़ा पीछे हट गया।
मैंने पूछा, "क्या आपको कुछ नहीं चाहिए?" "हमने उड़ान से पहले से कुछ नहीं खाया है।"
"क्या तुम अपनी प्लेट में कुछ सैंडविच डाल दोगी?" उसने पलटकर पूछा।

बिना किसी सवाल के, मैंने अपने चार मिनी-सैंडविच में चार और जोड़ लिए। यह अच्छा हुआ कि प्लेटें बड़ी थीं, सब कुछ एक के ऊपर एक रखने पर भी, मेरे द्वारा लिया गया सारा खाना एक सामान्य आकार की प्लेट में नहीं समाता। चेज़ ने हम दोनों के लिए पानी की एक-एक बोतल ली और हम भीड़ से दूर खुले मैदान के किनारे की ओर चल दिए। सामाजिक होने की परवाह ही क्या!
मैं इस तरह बैठ गया कि अपनी पीठ एक विशालकाय ओक के पेड़ से टिका सकूं। चेज़ मेरे सामने पालथी मारकर बैठ गया, और मैंने खाने की थाली हम दोनों के बीच ज़मीन पर रख दी।
चेज़ ने मेरी तरफ ऐसे देखा जैसे कुछ कहना चाहता हो, लेकिन चुप रहना चाहता हो। वह धीरे-धीरे गुनगुनाने लगा।
मैंने आह भरी। "बड़बड़ाना बंद करो और सच बोलो।"
चेज़ ने उदास मुस्कान के साथ कहा, "तुम वहाँ थोड़ा और कूटनीतिक हो सकते थे।"
मैंने चिढ़कर पूछा, "मैं ऐसा क्यों करूं? ऐसा तो है नहीं कि ग्रेटा बहुत ज्यादा कोशिश कर रही थी।"
"ग्रेटा वेयरवोल्फ का झुंड स्थापित करने की कोशिश नहीं कर रही है," चेज़ ने तर्क दिया।
मैंने भौंहें चढ़ा लीं। "मुझे लगा था कि तुम नहीं चाहते कि मेरे पास वेयरवोल्फ का झुंड हो। तुमने इसे 'अनावश्यक खतरा' कहा था।"
चेज़ ने भी भौंहें चढ़ाते हुए कहा, "मैं तो यही चाहता हूं कि तुम वेयरवोल्फ के मामलों में न पड़ो, लेकिन अब जब तुम पड़ ही गए हो, तो हालात बहुत बिगड़ सकते हैं।"
मैंने हमारे बचे हुए सैंडविच में से एक उठाया और एक टुकड़ा खाया। "और विस्तार से बनाओ," मैंने मुँह में टुकड़े भरे हुए ही कहा।
चेज़ ने एक सैंडविच उठाया, लेकिन खाया नहीं। “ज़ोई, तुम्हारे यहाँ बहुत सारे दुश्मन हैं। अगर झुंड बनाने की तुम्हारी याचिका खारिज हो जाती है, तो तुम्हें झुंड के कानूनों के तहत सुरक्षा नहीं मिलेगी।”
मैंने अपना सैंडविच वापस प्लेट पर रख दिया। मुझे यह बात याद क्यों नहीं आई? मैं तो ऐसे ही शान से अंदर आ गई थी जैसे मुझे कोई कुछ कर ही नहीं सकता। मुझे कोई उचित जवाब सूझा ही नहीं, इसलिए मैंने बस "ओह" कह दिया।

“हां ज़ोई। ओह,” चेज़ ने अपनी बात जारी रखी, उसके लहजे में 'ओह' पर ज़ोर था। “तुम्हें चीज़ों के बारे में थोड़ा बेहतर सोचना शुरू करना चाहिए।”
“क्या तुम उस आदमी की तरह हो जिसने अलौकिक शक्तियों वाले लोगों के एक बेमेल समूह से हाथ मिला लिया था?” मैंने पूछा। “सिर्फ इसलिए कि तुम मेरे दानव पिता के किसी एहसानमंद हो? मुझे यकीन है कि यह सब सोच-समझकर किया गया था। और यहाँ आना? क्या तुम्हारा यह एहसान कभी खत्म होगा?”
"मैं उसका ऋणी नहीं हूँ," चेज़ ने तीखे स्वर में उत्तर दिया। "उसने मेरी जान बचाई। तुम्हारी देखभाल करना मेरा न्यूनतम कर्तव्य है।"
मैंने तीखे स्वर में जवाब दिया, "मुझे तुम्हारी निगरानी की ज़रूरत नहीं है। मेरे पास निगरानी करने के लिए और भी बहुत लोग हैं। मुझे निगरानी की ज़रूरत ही नहीं है!"
“हाँ, तुम्हें करना पड़ेगा,” चेज़ बड़बड़ाया। “अगर तुम्हें कुछ हो गया, तो तुम्हारे पिताजी-”
“तो क्या यही एकमात्र कारण है कि तुम अभी भी यहाँ हो?” मैंने बीच में ही टोकते हुए कहा। “क्योंकि तुम्हें लगता है कि अगर तुम चले गए और मुझे कुछ हो गया तो मेरे पिताजी तुम्हें दोषी ठहराएंगे?”
“नहीं!” उसने झुंझलाहट में चिल्लाते हुए कहा, जिससे कुछ लोग उसे घूरने लगे। अपनी आवाज़ धीमी करते हुए उसने आगे कहा, “तुम जानती हो कि मैं यहाँ सिर्फ़ इसी वजह से नहीं हूँ, ज़ोई।”
मैंने पानी की बोतल कसकर पकड़ रखी थी, गुस्सा और दुख आपस में इस कदर घुल-मिल गए थे कि एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश ही नहीं कर रहे थे। मैं बस उसे घूरती रही, समझ नहीं आ रहा था कि माफी मांगूं या उस पर बोतल फेंक दूं।
उसी क्षण, मैक्स दौड़ता हुआ आया और मेरे बगल में आकर बैठ गया, और हमारी भूली हुई प्लेट से एक सैंडविच उठा लिया।
“यह तो वाकई काफी अच्छा है,” मैक्स ने तनाव को अनसुना करते हुए कहा। “पूरी तरह से अकेले रहने से लेकर, अपने जैसे इतने सारे लोगों को जानने और उनसे जान-पहचान बनाने तक का सफर कितना अजीब है।”
चेज़ और मैं दोनों चुपचाप ज़मीन की ओर देखते रहे।
“अरे बाप रे,” मैक्स ने गाते हुए लहजे में कहा। “मुझसे क्या चूक हो गई?” "कुछ नहीं," चेज़ ने खड़े होकर अपने कपड़े झाड़ते हुए बुदबुदाया।
मैक्स ने प्रश्नवाचक भाव से मेरी ओर देखा।

मैंने सहमति जताते हुए कहा, "कुछ नहीं," और अपना भूला हुआ सैंडविच उठा लिया।
चेज़ के चले जाने के बाद लूसी चलकर हमारे पास बैठ गई। उसने पूछा, "उसे क्या परेशानी है?"
मैंने दोहराया, "कुछ नहीं।"
"हाँ, तुम बार-बार यही कहते हो," मैक्स ने कहा, "लेकिन सभी संकेत किसी न किसी ओर इशारा करते हैं।"
लूसी ने भौंहें चढ़ा लीं। "ज़ोई, उसने तुमसे क्या कहा?"
मैंने गहरी सांस ली। "कुछ नहीं, ठीक है?"
मैं जाने के लिए खड़ी हुई... लेकिन फिर मैंने सोचा और वापस नीचे बैठ गई, खाने की प्लेट उठाई और पानी की बोतल बगल में दबा ली। "मुझे बस थोड़ी ताज़ी हवा चाहिए," मैंने कहा।
जब मैं वहां से जाने लगा तो मैंने मैक्स को कहते सुना, "लेकिन हम तो बाहर हैं..."
सिर हिलाते हुए मैं चलती रही, बिना किसी मंज़िल के। जेसन मुझसे नाराज़ होगा अकेले जाने पर, लेकिन छोड़ो। मैं अपना ख्याल खुद रख सकती हूँ। मैंने अपने सैंडविच चबाए, जो अब मेरे पास बहुत ज़्यादा हो गए थे, क्योंकि चेज़ ने अपना हिस्सा छोड़ दिया था।
आखिर उसमें ऐसी क्या बात थी? आधे समय तो वह एक खुशमिजाज दोस्त होता था, और बाकी आधे समय वह एकदम उदास रहता था। और हाँ, उदास रहना प्यारा तो लग सकता है, लेकिन बहुत परेशान करने वाला भी हो सकता है।
अचानक डेविन मेरे बगल में आ गया, जिससे मैं चौंक गया और मेरा सारा खाना इधर-उधर गिर गया। मेरे सारे प्यारे-प्यारे सैंडविच ज़मीन पर बिखर गए। मैंने चलते हुए अपनी खाली प्लेट उसे देते हुए कहा, "धन्यवाद।"
उसने बिना किसी झिझक के उसे ले लिया और मेरे बगल में चलने लगा। "ज़ोए, तुम्हें यहाँ अकेले नहीं घूमना चाहिए," उसने मुझे समझाते हुए कहा। "एबेल चाहता था कि मैं यह सुनिश्चित करूँ कि तुम किसी जानवर का शिकार न बन जाओ।" मैंने पलटकर जवाब दिया, "मेरी निगरानी करने वाले काफी लोग हैं। मुझ पर भरोसा करो।"
"तो तुम्हारा और उस दूसरे दानव का क्या मामला है?" डेविन ने मेरी बात को अनसुना करते हुए पूछा।

मैं चलते-चलते रुक गया और उसे बहुत गुस्से भरी नज़र से देखा। मैंने तीखे स्वर में कहा, "कोई सौदा नहीं हुआ। वह मेरे पिताजी के यहाँ काम करता है।" उसने आत्मसमर्पण करते हुए हाथ ऊपर उठा लिए। "बस जिज्ञासावश पूछा था, किसी को ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं था।"
मैंने सिर हिलाया और फिर से चलना शुरू कर दिया।
“तो…” उसने आगे कहा। “तुम पिशाच के साथ हो।”
मैंने आह भरी। "हाँ, मैं पिशाच के साथ हूँ।"
“क्योंकि ऐसा लग रहा था-” डेविन ने कहना शुरू किया, लेकिन मेरी घूरती हुई निगाहें देखकर वह रुक गया।
मैंने तीखे स्वर में पूछा, "तुम्हें इससे क्या फर्क पड़ता है?"
डेविन ने कंधे उचका दिए। मैं इन सभी पुरुषों के मेरे सामने इस तरह से कंधे उचकाने से तंग आ चुकी थी। एक सच्चा जवाब मिल जाए तो अच्छा होगा।
जैसे कि उसने मेरे मन की बात पढ़ ली हो, डेविन ने समझाया, "इस छोटे से सूक्ष्म जगत में मेरी जगह इसलिए बनी हुई है क्योंकि मुझे सही जानकारी है। अगर मैं इसे इकट्ठा करना जारी नहीं रखता तो मैं मूर्ख होता।"
मैं चलते-चलते रुक गई और उसे घूरने लगी। "और ज़रा बताइए तो सही," मैंने पूछा, "मेरी रिश्ते की स्थिति इतनी महत्वपूर्ण जानकारी क्यों है?" उन्होंने बात शुरू करते हुए कहा, “जो लोग आपको ठेस नहीं पहुंचाना चाहते, उनके लिए यह जानना कि आप किसके साथ हैं, उन्हें ऐसा करने से बचने में मदद करेगा। यह जानकारी उन लोगों के लिए और भी अधिक प्रासंगिक है जो मौका मिलते ही आपके पैरों तले रौंदने को तैयार हैं।”
मैंने उसे घूरकर देखा। "तो क्या हुआ, तुम मेरी कमजोरियों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हो, ताकि तुम उस जानकारी का सौदा कर सको?"
डेविन ने फिर कंधे उचका दिए। "या शायद, मैं बस यह सुनिश्चित करना चाहता हूँ कि मैं आपको नाराज़ न करूँ।"
मैंने नाक सिकोड़ी। "तुम तो कमाल का काम कर रहे हो, चैंपियन। मुझे लगता है कि मेरा एक पैर का नाखून निकल जाएगा।"
मैं आगे चलने के लिए मुड़ा, और मुझे बेहद निराशा हुई क्योंकि वह मेरे पीछे- पीछे आ गया।
मैंने कहा, "मैं यहाँ अकेले एक खास वजह से आया हूँ, क्योंकि मैं अकेला रहना चाहता था..."

“खैर, चूंकि तुम इरादों में इतनी दिलचस्पी रखते हो,” उसने जवाब दिया। “अब तुम मेरे इरादों को भी समझ सकते हो और यह निष्कर्ष निकाल सकते हो कि मैं चाहता हूं कि तुम्हारे बाकी साथी भी मुझे पसंद करें। इसलिए मैं तुम्हारी रक्षा कर रहा हूं, क्योंकि तुमने इतने खतरनाक माहौल में अपने अंगरक्षकों से लापरवाही से भाग निकले थे।”
“हाँ, तुम सही कह रहे हो,” मैंने जवाब दिया। “मुझे अपने अंगरक्षकों को ढूंढना चाहिए। मैं तुम्हारे साथ यहाँ घूमने की बजाय उस खतरनाक माहौल में रहना ज़्यादा पसंद करूँगा।”
मैं जिस दिशा से आया था उसी दिशा में वापस चलने के लिए मुड़ा, लेकिन जेसन को अपनी ओर तेजी से आते देख अचानक रुक गया।
जेसन हमारे पास पहुँचते ही मुझे गले लगा लिया, फिर मुझसे थोड़ी दूरी बनाकर मुझसे नज़रें मिलाईं। "मैं चेज़ को जान से मार सकता हूँ," उसने समझाया। "तुम्हें अकेले नहीं रहना चाहिए।"
“मैं नहीं,” मैंने जवाब दिया और अपना एक हाथ छुड़ाकर डेविन की छाती पर एक थप्पड़ मारा। “मेरा प्यारा डेविन मेरी रक्षा कर रहा है। सब मेरी रक्षा कर रहे हैं।”
जेसन ने मेरी नाराजगी देखकर अपनी भौंहें सिकोड़ लीं, वह असमंजस में था। "मैं तुम दोनों को यहीं छोड़ देता हूँ," डेविन ने जल्दी से वहाँ से निकलने से पहले घोषणा की।
जेसन की निगाहें मुझ पर टिकी हुई थीं, उसके चेहरे पर अब भी उलझन के भाव थे। "क्या हुआ? क्या बात है?"
मैंने आह भरी और सिर हिलाया। "काश लोग मुझसे ये सवाल पूछना बंद कर दें। मैं तो बस टहलने जाना चाहती थी।"
"ज़ोई, इस समय तुम्हारे लिए अकेले रहना बहुत खतरनाक है," जेसन ने उपदेश देते हुए कहा।
"क्या ऐसा हमेशा नहीं होता?" मैंने बुदबुदाते हुए कहा, तभी हमारे समूह के बाकी लोग दौड़ते हुए हमारी ओर आ गए।
"आज रात डांस है," लूसी ने गर्व से घोषणा की।
“सच में?” मैंने हैरानी से पूछा। “क्या ये जूनियर हाई स्कूल का समर कैंप जैसा कुछ है?”

लूसी ने भौंहें चढ़ाते हुए शरारती अंदाज़ में मेरे कंधे पर मारा। "चलो ज़ो, हम यहाँ हैं, क्यों न थोड़ा मज़ा कर लें।"
“और नाचना कब मजेदार हो गया?” मैंने पूछा।
लूसी ने आह भरी। “यह हमेशा से ही मजेदार रहा है।” मेरे कुछ कहने से पहले ही उसने हाथ बढ़ाकर मेरा हाथ पकड़ लिया। “चलो तैयार हो जाते हैं।”
मुझमें उससे लड़ने की हिम्मत नहीं थी। क्या हम पहले से ही सजे-धजे नहीं थे? क्या समूह की सभा के लिए सजना-संवरना और नृत्य के लिए सजना-संवरना में कोई फर्क था? क्या मुझे परवाह थी? खैर छोड़ो।
आज मुझे बहुत सी बातें समझ में आईं। चेज़ के पास भी बहुत कुछ था जो वह मुझे नहीं बता रहा था। हम एक वेयरवोल्फ समर कैंप में थे। लोग मुझे मारना चाहते थे। नाचना हमेशा से ही मजेदार रहा है।
इनमें से अधिकांश बातों पर तो मैं विश्वास कर सकता था, लेकिन नृत्य? बिलकुल नहीं।

अध्याय सात
मैं आ रहा हूँ, बात खत्म।
“नहीं, आप नहीं हैं,” मैंने आश्वस्त किया।
"ज़ोई, क्या तुम मुझे नाचने से मना करोगी? मैं तो इसी के लिए जीती हूँ।" मैंने तर्क दिया, "एलिसन, मेरा मतलब यह है कि मैं चाहता हूं कि तुम जीवित रहो।"
एलिसन ने आह भरी। "मैं मरना नहीं चाहती, ज़ोई। मैं बस एक वेयरवोल्फ बनना चाहती हूँ।"
मैंने उसे घूरकर देखा। “तुमने भी पिशाच बनने की कोशिश की थी। उस प्रक्रिया में तुम्हारी जान भी जा सकती थी। क्या इसके लिए मरना वाकई जायज़ है?” एलिसन ने भी गुस्से से पलटकर जवाब दिया, "यह मेरी जिंदगी है, ज़ो। यह मेरा फैसला है।"
मैंने कहा, "मैं तुमसे एक सौदा करता हूँ। तुम हमारे साथ डांस और बाकी मज़ेदार गतिविधियों में आ सकते हो, और मैं यहाँ 'मज़ेदार' शब्द का इस्तेमाल बहुत ही हल्के ढंग से कर रहा हूँ। तुम हमारे साथ तभी आ सकते हो जब तुम घर लौटने के बाद ही वेयरवोल्फ बनने का फैसला करने के लिए तैयार हो जाओ।"
"और घर पहुँचने के बाद मुझे कोई कैसे मिलेगा जो मुझे करवट दिलाएगा?" उसने सवाल किया।
मैंने आह भरी। “तुम्हें बाहर आकर बाकी सभी वेयरवुल्फ से मिलने का मौका मिलेगा। मुझे यकीन है कि तुम कुछ दोस्त बना लोगे। जो लोग तुम्हें ठीक से नहीं जानते, उन्हें तुम आकर्षक लग सकते हो।”
उसने बिना सोचे-समझे मेरी ओर हाथ बढ़ाया और कहा, "ठीक है।"
हमने इस बात पर सहमति जताई। नहीं, मैंने उसके वेयरवोल्फ बनने की बात को स्वीकार नहीं किया था। मैं बस घर पहुँचने तक इंतज़ार करूँगा, फिर उसे एक कोठरी में बंद कर दूँगा। हमेशा के लिए। ठीक है, शायद यह सबसे अच्छा प्लान नहीं था, लेकिन कम से कम इस तरह मुझे कुछ और सोचने का समय मिल जाएगा। शायद समय के साथ, उसे एहसास हो जाए कि वह कितनी बेवकूफी कर रही है। हाँ, और फिर हम सब अपने-अपने यूनिकॉर्न पर सवार होकर चले जाएँगे।
हमारी सहमति हो जाने के बाद, अब बारी थी तैयार होने की भयानक ज़िम्मेदारी की। मैं लूसी, एलिसन और लीला के साथ लड़कियों के कमरे में थी। लड़के दूसरे

कमरे में "तैयार हो रहे थे", जिसका मतलब था टीवी देखना और हमारे कमरे में रखे गए मुफ़्त उपहार की टोकरी में से सारा खाना चट कर जाना।
कमरे में वापस आते ही चेज़ ने मुझे ताज़े बने कुछ छोटे सैंडविच देकर थोड़ी राहत दी। हमारे अचानक हुए पिकनिक को खराब करने के बदले में यह एक छोटी सी सांत्वना थी, लेकिन मुझे अच्छी लगी। खाना ही मेरे दिल तक पहुँचने का सबसे आसान रास्ता था।
लूसी और लीला बाथरूम के शीशे का इस्तेमाल कर रही थीं, जिसकी वजह से मैं बिल्कुल अकेली रह गई और एलिसन के रहमो-करम पर थी। वह मेरे कपड़ों को टटोल रही थी, लेकिन उसे सिर्फ वही ड्रेस पसंद आई जो मैंने पहले वाले कार्यक्रम में पहनी थी। शायद मुझे बुरा लगना चाहिए था, लेकिन मुझे परवाह नहीं थी। स्टाइल के मामले में मैं उतनी अच्छी नहीं थी, और मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं थी।
मेरा सूटकेस पटकते हुए, वह अलमारी की ओर बढ़ गई। मैंने अंदर झाँका तो देखा कि उसने कपड़ों के थैलों की एक कतार टांग रखी थी और फर्श पर कई जोड़ी जूते रखे थे। उसने एक थैले की ज़िप खोली और सहमति में सिर हिलाया। बिना देखे, उसने उंगली से मुझे इशारा किया कि मैं अलमारी के पास आऊँ।
मैंने लगभग ऐसा नहीं किया था, लेकिन मैं चाहती थी कि एलिसन अपना वादा निभाए। मैं अभी अलमारी तक पहुंची भी नहीं थी कि उसने कपड़ों का थैला मेरी तरफ फेंक दिया और जूतों के चुनाव पर ध्यान केंद्रित कर लिया। मैंने थैले को पास के बिस्तर पर रख दिया और धीरे-धीरे ज़िप खोली, यह सोचकर डर रही थी कि अंदर क्या होगा।
गले पर बारीक मोतियों की कढ़ाई वाली मध्यम लंबाई की, गहरे हरे रंग की पोशाक मेरी ओर देख रही थी। मैंने उसे बैग से निकाला तो पाया कि पीठ को ढकने वाला हिस्सा उन्हीं पतले, चमकदार मोतियों की लड़ियों से बना था जिनसे सामने का हिस्सा सजा हुआ था। पोशाक का गला ऊंचा था, इसलिए कम से कम यह फिसलेगी तो नहीं।
मैंने ड्रेस को वापस बिस्तर पर फेंक दिया। "बिल्कुल नहीं, अल। बिलकुल नहीं।"
मेरी बात अनसुनी करते हुए, एलिसन चांदी की पट्टियों वाली सैंडल की एक जोड़ी हाथ में लिए बिस्तर की ओर चली गई। चांदी की पट्टियों वाली सैंडल, जिनमें चार इंच की हील थी।

मेरी अंतरात्मा मुझे भागने के लिए कह रही थी, लेकिन जूते पहनने के बाद मैं भाग नहीं सकती थी। मैंने अपने उन जूतों पर नज़र डाली। "क्या तुम्हें एहसास है कि तुम मुझे इन जूतों के साथ अपनी जान जोखिम में डालने के लिए कह रहे हो?"
एलिसन ने वही शरारती मुस्कान बिखेरी जो वह मुझे सजाते समय हमेशा देती है। "तुम ठीक रहोगी ज़ोई। तुम खुशकिस्मत हो कि तुम्हारे जूते का साइज़ मेरे जैसा ही है... इसका आनंद लो।"
उसने जूते मेरे हाथों में थमा दिए और बाथरूम की ओर चली गई, शायद लूसी के मेकअप को देखने और उसकी आलोचना करने के लिए। मैंने एक बार फिर ड्रेस पर नज़र डाली। चलो, अब इसे निपटा ही लेते हैं।
मैंने यह सुनिश्चित करने के लिए जाँच की कि लड़कों के कमरे से लगा हुआ दरवाज़ा बंद है और अपनी लाल रंग की पोशाक उतार दी। मुझे अब भी समझ नहीं आ रहा था कि जब मैंने दूसरी पोशाक सिर्फ़ कुछ घंटों के लिए पहनी थी, तो मुझे पूरी नई पोशाक क्यों पहननी पड़ रही थी। मैं नई पोशाक की पतली, बिना पट्टियों वाली कमरबंद से जूझ रही थी, इस बात का ध्यान रखते हुए कि उन्हें ज़्यादा ज़ोर से न खींचूँ। जब आखिरकार मैंने उसे ऊपर खींचकर ज़िप बंद कर ली, तो मैं कमरे की साधारण सी मेज के ऊपर लगे दर्पण के सामने जाकर एक चक्कर लगाया।
ड्रेस मुझ पर एकदम फिट बैठ रही थी और जितनी मैंने सोची थी उससे कहीं कम भद्दी लग रही थी। गले का कट इतना ऊंचा था कि पीछे का खुला हिस्सा भी ठीक लग रहा था। मुझे तुरंत पता चल गया कि एलिसन ने इसे मेरे लिए ही खरीदा है, क्योंकि यह मुझ पर इतनी टाइट थी कि उसके कर्व्स पर तो बिल्कुल फिट नहीं बैठती।
मैंने एक बार फिर घूमकर खुद को तसल्ली दी। ड्रेस तो ठीक लग रही थी। लेकिन जूतों को लेकर मेरा मन अब भी पूरी तरह संतुष्ट नहीं था। मैंने अनिच्छा से उन्हें पहना और कमरे में ऐसे घूमने लगी जैसे कोई नवजात घोड़ा हो।
एलिसन बाथरूम से बाहर निकली और मेरा हाथ पकड़कर मुझे वापस अंदर खींच लिया। मैं उसके पीछे-पीछे भागा और इस दौरान कई बार मेरा टखना लगभग मुड़ने से बच गया।
बाथरूम अंदर से काफी बड़ा था, खासकर होटल के बाकी हिस्से के आकार की तुलना में। एलिसन ने दो सिंकों के बीच सुनहरे रंग की संगमरमर की काउंटरटॉप पर

थपथपाया। मुंह बनाते हुए, मैं उसके सामने बैठने के लिए काउंटरटॉप पर चढ़ गई। मुझे यह देखकर खुशी हुई कि कम से कम मैं इस ड्रेस में आराम से बैठ तो सकती थी।
एलिसन ने काउंटर से अपना मेकअप बैग उठाया और एक कलाकार की तरह मेरे चेहरे को निहारने लगी, मानो वह किसी खाली कैनवास को देख रही हो। मुझे पता था कि मुझे कंसीलर के बिना ही काम चलाना पड़ेगा, क्योंकि एलिसन, लूसी और लीला तीनों मुझसे ज़्यादा सांवली हैं। मैं इस बात पर रोने वाली नहीं थी।
सबसे पहले उसने अपने तरकीबों के पिटारे से आईलाइनर निकाला, और मैं घबरा गई। खुद आईलाइनर लगाना ही काफी डरावना होता है, और किसी और का आपकी आंखों पर आईलाइनर लगाना तो और भी ज्यादा डरावना होता है। जब वह आईलाइनर लगाने की कोशिश कर रही थी, मैं इतनी बेचैन हो रही थी कि आखिर में उसे मुझे दीवार से पीठ और सिर सटाकर बिठाना पड़ा ताकि मैं उससे दूर न हट सकूं। आखिरकार उसने इतना आईलाइनर लगा दिया कि वह खुद संतुष्ट हो गई, फिर उसने मुझे मस्कारा लगाकर भी परेशान किया।
जब आखिरकार उसका काम खत्म हो गया, तो एलिसन ने मुझे आईने में देखने के लिए कहा। मुझे अच्छा लगा कि उसने हद से ज़्यादा मेकअप नहीं किया था। गहरा ग्रे आईलाइनर मेरी आदत से कहीं ज़्यादा था, खासकर इसलिए क्योंकि मुझे मेकअप न करने की आदत थी, लेकिन कुल मिलाकर मैं इसे बर्दाश्त कर सकती थी। जूते तो अभी भी बदलने ही थे।
बगल वाले दरवाजे पर दस्तक सुनाई दी। मैंने बाथरूम से बाहर निकलने का संकेत समझा और (चार इंच की हील वाली सैंडल पहनकर जितनी तेज़ी से दौड़ा जा सकता था) दरवाजा खोलने के लिए भागी।
वह जेसन था, और वह एकदम रुक गया। उसने मुझे ऊपर से नीचे तक देखा, जबकि मैं धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा कर रहा था। दूसरी बार जब उसने मुझे देखा तो मैंने पैर थपथपाना शुरू कर दिया।
“तो?” मैंने गुस्से से कहा।
मुझे बस यही जवाब मिला, "वाह!"
मैक्स जेसन के पास से गुज़रते हुए कमरे में दाखिल हुआ, फिर रुका और मेरी तरफ मुड़ा। "वाह!" उसने मुस्कुराते हुए कहा और फिर जेसन से हाई-फाइव किया।
मैं बाथरूम की ओर वापस चल पड़ा। "बस, अब मैं कपड़े बदल रहा हूँ।"

एलिसन ने बाथरूम के दरवाजे पर मुझसे मुलाकात की और मुझे जबरदस्ती बेडरूम में वापस धकेल दिया। "बिल्कुल नहीं ज़ोई। हमारे समझौते में यह भी शामिल है कि मैं तुम्हें कपड़े पहनाऊँगी।"
मैंने उसे धक्का देकर आगे निकलने की कोशिश की, लेकिन ऊँची एड़ी के जूतों में मुझे ज्यादा पकड़ नहीं मिल पा रही थी। "अरे नहीं, हमने इस बारे में कभी सहमति नहीं जताई थी।"
“यह तो पूरी तरह से स्पष्ट था!” उसने हैरानी से कहा।
अचानक मुझे उठाकर बेडरूम के बीचोंबीच ले जाया गया। जेसन ने मुझे नीचे उतारा और मेरी तरफ़ घुमा दिया। “ज़ोई, तुम बहुत प्यारी लग रही हो। हमारा इरादा तुम्हें शर्मिंदा करने का नहीं था।”
मैंने भौंहें उठाकर मैक्स की ओर देखा।
उसने मेरी तरफ देखकर मुस्कुराते हुए कहा, "मेरा इरादा तो तुम्हें शर्मिंदा करने का था, लेकिन अगर तुम्हें जानना ही है, तो तुम बहुत शानदार दिखती हो। लंबी हो, पर शानदार।"
चेज़ आखिरकार कमरे में आया यह देखने के लिए कि आखिर ये सब शोर-शराबा किस बात का है। उसने मुझसे कुछ नहीं कहा। उसने बस मुस्कुराया और मुझे ऊपर से नीचे तक घूरने से बचने की पूरी कोशिश की। कम से कम अब वो मेरी आँखों में आँखें डालकर देख रहा था।
एलिसन मेरे सामने आकर हाथ बांधकर खड़ी हो गई। उसने धीमी आवाज़ में 'त्स्क' की आवाज़ निकाली और बोली, "अब मैं तुम्हारे बालों का क्या करूँगी?"
मैंने कंधे उचका दिए। "इसे छोड़ दो?"
उसने उंगली उठाकर मुझे वहीं रुकने का इशारा किया और बाथरूम में चली गई। फिर वह हेयरस्प्रे, ब्रश और बॉबी पिन का एक छोटा सा पैकेट लेकर बाहर आई। धिक्कार है!
जब उसने काम खत्म किया, तो मेरे बाल ढीले से ऊपर की ओर बंधे हुए थे, जिसमें छोटी-छोटी चोटियाँ गुंथी हुई थीं और बालों की लटें रणनीतिक रूप से मेरे चेहरे के चारों ओर गिर रही थीं।
जब मैं आखिरकार उससे बच निकली, तो मैं मैक्स के बगल में बिस्तर पर जाकर बैठ गई और बाकी लड़कियों के तैयार होने का इंतज़ार करने लगी। चेज़ और जेसन दीवार से टिके खड़े थे और बेहद ऊबे हुए लग रहे थे। तीनों लड़के अभी भी अपने पुराने कपड़े पहने हुए थे। लड़की होना कितना अन्यायपूर्ण है!

"हमें एक सिग्नल मिलना चाहिए," मैक्स ने अचानक कहा।
मैंने मुड़कर उसे संदेह भरी निगाहों से देखा। "आगे बोलो," मैंने उसे कहा।
उन्होंने समझाया, “हमारे पास एक संकेत होना चाहिए, ताकि जब भी हमें नृत्य या बातचीत से बाहर निकलने की आवश्यकता हो, हम एक-दूसरे को सचेत कर सकें।
यहां कुछ लोग थोड़े भावुक हैं।”
चेज़ मुस्कुराया।
“ठीक है, क्या हुआ?” मैंने स्पष्टीकरण की तलाश में पूछा।
मैक्स का चेहरा लाल हो गया।
चेज़ थोड़ा और मुस्कुराया, अपने दांत दिखाते हुए। "मैक्स का एक... प्रशंसक है।"
मैं हँस पड़ा और मैक्स की ओर मुड़ गया। "बताओ, क्या वो खूबसूरत है?"
मैक्स का चेहरा पीला पड़ गया। "वह बारह साल की है।"
“क्या!” मैं चौंककर चिल्लाया। “क्या वह वेयरवोल्फ है?”
“जाहिर तौर पर,” मैक्स ने जवाब दिया, “भेड़िया बनने की बीमारी मां से बच्चे में फैल सकती है। मुझे लगता है कि यह बात समझ में आती है, क्योंकि यह खून में होती है।”
मेरा चेहरा पीला पड़ गया। "हे भगवान, एक नन्हा वेयरवोल्फ?"
मैक्स ने सिर हिलाया। "मैंने उसके बारे में पूछा था। वेयरवोल्फ बनने की प्रवृत्ति के साथ पैदा हुए बच्चे लगभग दस साल की उम्र तक पहली बार वेयरवोल्फ में नहीं बदलते हैं।"
“उह,” मैंने कहना शुरू किया। “दस साल का वेयरवोल्फ अभी भी काफी खतरनाक होता है।”
मैक्स ने सिर हिलाया। "इसीलिए उसका पालन-पोषण मुख्य रूप से अपने ही जैसे लोगों के बीच हुआ है। वह काफी सुरक्षित माहौल में पली-बढ़ी है।"
मैं फिर मुस्कुरा दी, खुद को रोक नहीं पाई। "तो एक बारह साल की, भोली-भाली वेयरवोल्फ को तुम पर क्रश है?"
इसके जवाब में मैक्स ने लंबी आह भरी।
यह पूरा विचार इतना भयावह था कि शब्दों में बयान करना मुश्किल था। किसी छोटी बच्ची का क्रश नहीं, बल्कि जिस तरह से उस बच्ची को जीने के लिए मजबूर किया गया था।

मैंने मैक्स के कंधे पर थपथपाते हुए कहा, "अगर तुम चाहो तो मैं तुम्हें उस छोटी भेड़िया-भेड़िया से बचाने की पूरी कोशिश करूंगा, या तुम बस उसके साथ अच्छा व्यवहार करो और नाच लो। अपनी उम्र के दोस्तों के बिना वह शायद बहुत अकेली महसूस कर रही होगी।"
मैक्स ने मेरी तरफ गुस्से से देखा। "क्या तुम यह नहीं कर सकते?"
मैंने सिर हिलाया। "माफ़ करना दोस्त, तुम्हारा चयन हो चुका है।"
जैसे ही बाथरूम का दरवाजा खुला और लड़कियाँ बाहर निकलीं, मैक्स ने अपना सिर हाथों में थाम लिया। एलिसन ने सफेद लेस वाली ड्रेस पहनी थी, जो मेरी तरह गले से काफी ऊपर तक कटी हुई थी, लेकिन टांगों से थोड़ी छोटी थी। उसकी सुडौल टांगें दस मील लंबी लग रही थीं, खासकर उन महंगे दिखने वाले काले स्टिलेटो एंकल बूट्स के साथ जो उसने पहने थे। कमर पर एक मोटी काली बेल्ट ने उसके लुक को पूरा किया।
लेला ने फिर से सादा काला रंग पहना था, लेकिन पहले वाली ड्रेस तो साधारण थी, पर अब वाली ड्रेस लेस और चमक से सजी हुई थी। बगल से ऊपर का पूरा हिस्सा पारदर्शी लेस का बना था। यह बेहद असहज लग रहा था, और मुझे अचानक अपनी ड्रेस पर बहुत खुशी हुई। लेला की काली हील्स मेरी या एलिसन की हील्स जितनी ऊंची नहीं थीं, लेकिन वैसे भी उसे अपने पैरों को लंबा दिखाने के लिए किसी मदद की ज़रूरत नहीं थी।
लूसी ने गहरे लाल रंग के कपड़े पहने थे, जिससे उसकी सांवली त्वचा बेहद खूबसूरत लग रही थी। उसकी पोशाक सादी थी, लेकिन उस पर बिल्कुल फिट बैठ रही थी और उसके छोटे कद को और भी निखार रही थी। उसके जूते बिल्कुल लीला के जूतों जैसे दिख रहे थे।
मैंने दरवाजे की ओर इशारा किया। "चलो, इसे जल्दी खत्म करते हैं।"
हम सब कमरे से बाहर निकले और सीढ़ियों की ओर चल पड़े। एलिसन सबसे आगे-आगे चल रही थी, मानो वह उस जगह की मालकिन हो।
जैसे ही वह मुझसे काफी आगे निकल गई, जेसन मेरे बगल में आकर खड़ा हो गया।
"एलिसन आ ही क्यों रही है?" उसने फुसफुसाते हुए कहा।
मैंने सीधे-सादे शब्दों में जवाब दिया, "हमने एक समझौता किया है।"
"लेकिन शायद यह अच्छा विचार नहीं है कि उसे ऐसे वेयरवुल्फ से मिलने दिया जाए जो संभावित रूप से उसे भी वेयरवुल्फ बना सकते हैं," उन्होंने आगे कहा।

"ठीक वैसे ही जैसे एलिसन की खुद को बदलने की इच्छा के बारे में मुझे अंधेरे में रखना शायद अच्छा विचार नहीं था।"
“मुझे लगा था कि मैंने उसे ऐसा करने से रोक दिया था,” उसने जवाब दिया। मैंने अपना सिर हिलाया। "अगर एलिसन के बारे में सीखने लायक एक महत्वपूर्ण बात है, तो वह यह है कि आप उसे कभी भी किसी भी बात से मना नहीं सकते।"
चेज़ मेरी तरफ आकर हमारी बातचीत में शामिल हो गया। "लगता है किसी और को जानता हूँ।"
जेसन हँस पड़ा। उसने मेरे पहनावे को ऊपर से नीचे तक देखा। "कम से कम उसे किसी बात के लिए मनाया तो जा सकता है।"
चेज़ ने हंसते हुए जवाब दिया, "अरे यार, ये सब मेरे खिलाफ एकजुट हो गए हैं। अब तो मैं कुछ भी हासिल नहीं कर पाऊंगा, और इन ऊँची हीलों के साथ तो मैं भाग भी नहीं सकता।"
दौड़ने के बजाय, मैं बाकी समूह के साथ चलने के लिए अपनी पूरी ताकत से चलने लगा। चेज़ और जेसन पीछे रह गए और मज़ाकिया बातें करते रहे जिन्हें मैंने अनसुना करना ही बेहतर समझा।
मैक्स और एलिसन समूह से अलग हुए बिना जितना हो सके एक-दूसरे से दूर चले गए। मैंने लूसी का हाथ थाम लिया और थोड़ा आगे चल पड़ी। मुझे इन दोनों के झगड़ों से निपटने की बिल्कुल ज़रूरत नहीं थी। हम सामने के दरवाज़े से बाहर निकले और आगे चलने लगे। डांस का आयोजन, ज़रा रुकिए... जंगल में हो रहा था। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है।
मैंने लूसी से बातचीत के दौरान कहा, "मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि तुम सच में इस कार्यक्रम में जाना चाहती हो।"
"हाँ, यह मज़ेदार हो सकता है," उसने मेरी आँखों में देखे बिना जवाब दिया। मैंने व्यंग्यपूर्वक कहा, "कृपया, कोई मुझे समझाए कि इसमें मज़ा कैसे आ सकता है?"
"ज़ोए, नाचना मज़ेदार हो सकता है। लोगों के साथ नाचना अच्छा लग सकता है," लूसी ने हिचकिचाते हुए जवाब दिया।
आह, सच सामने आ गया। "और ज़रा बताइए, किन लोगों के साथ नाचना मज़ेदार हो सकता है?" मैंने पूछा।
लूसी ने पीछे मुड़कर देखा कि बाकी लोग कितनी दूर गिर गए हैं। हमारे बीच काफी दूरी थी।

मैंने कहा, "रुको," फिर पूछा, "मैक्स?"
लूसी ने आह भरी। "नहीं, मैक्स नहीं।"
“ठीक है, मुझे पता है कि यह जेसन नहीं है,” मैंने पूछा।
लूसी ने ज़मीन की ओर देखा। "यह चेज़ है," उसने धीरे से कहा।
अरे, लूसी को चेज़ पसंद था? मैंने तो बिल्कुल भी उम्मीद नहीं की थी। मतलब, मुझे परवाह नहीं करनी चाहिए थी, पर कर रही थी। मुझे अपनी इस परवाह से नफ़रत थी। मैं जेसन से प्यार करती थी। मुझे पक्का पता था कि वो भी मुझसे प्यार करता है। मुझे इस बात से कोई फ़र्क नहीं पड़ना चाहिए था कि चेज़ किसके साथ डेट कर रहा है। धिक्कार है... मुझे तो बहुत फ़र्क पड़ रहा था।
उसकी बातों पर मैं लड़खड़ा गई, और चार इंच की हील वाली सैंडल में तो यह लड़खड़ाना काफी मुश्किल था। सौभाग्य से मेरा हाथ लूसी के हाथ में था, इसलिए मैं गिरने से बच गई। "तो... तुम्हें चेज़ पसंद है?" मैंने पुष्टि पाने के लिए पूछा।
लूसी ने मुझे तीखी नज़र से देखा। "ज़ोई, इतनी ज़ोर से मत बोलो!" उसने फुफकारते हुए कहा।
“ठीक है,” मैंने उसे दिलासा देते हुए कहा, “माफ़ करना। तुम उसे कब से पसंद करती हो?”
शर्म से चेहरा लाल हो जाने पर लूसी ने कंधे उचका दिए। "मुझे नहीं पता," उसने धीरे से कहा। "शायद कुछ समय के लिए। क्या आपको लगता है कि यह बुरा विचार है?"
क्या मुझे लगा कि यह एक बुरा विचार था? उसके सवाल का जवाब देने के कई अलग-अलग तरीके मेरे दिमाग में आए, लेकिन उनमें से कोई भी पर्याप्त अच्छा नहीं लगा। उनमें से कोई भी ईमानदार भी नहीं लगा।
"क्या आपको लगता है कि वह आपको पसंद करता है?" मैंने पूरी तरह से असमंजस में पड़कर जवाब में पूछा।
लूसी ने मुझे शक की निगाहों से देखा। "तुम इस बारे में इतना अजीब व्यवहार क्यों कर रही हो? क्या उसने तुमसे कुछ कहा?"
“नहीं,” मैंने झट से जवाब दिया। “तुमने मुझे चौंका दिया। मुझे पता ही नहीं था कि वो तुम्हारे टाइप का है।”
“मुझे किस तरह के लड़के पसंद होने लगे?” उसने पूछा।

मैंने सिर हिलाया और मुस्कुराया। "अच्छा सवाल है। मेरा मतलब शायद ये था," मैंने कहना शुरू किया, "खैर, मुझे ठीक से पता नहीं कि मेरा मतलब क्या था। आपने मुझे अचानक चौंका दिया।"
"तो क्या आपको लगता है कि यह एक बुरा विचार है?" उसने फिर पूछा।
मैंने गले में अटकी हुई बात को किसी तरह निगल लिया। "नहीं, मुझे लगता है कि यह एक बहुत अच्छा विचार है।"
लूसी मुस्कुराई। मुझे बेचैनी महसूस हुई। कभी-कभी सही जवाब हमेशा ईमानदार नहीं होता।

[redacted]

[redacted] "[redacted]?" [redacted]

"[redacted]," [redacted]

[redacted]

[redacted]

[

मैंने अपने आस-पास के लोगों की तरह सहजता से हिलने-डुलने की कोशिश की, लेकिन मैं कभी अच्छी डांसर नहीं रही। मेरा तालमेल ठीक-ठाक है... कम से कम खेल खेलने लायक तो है, लेकिन नाच की लय मेरे बस की बात ही नहीं। जेसन को ज़रा भी बुरा नहीं लगा, वह मुझे धीरे-धीरे घुमा रहा था, शायद उसे इस बात की खुशी थी कि मैंने उससे नाचने को लेकर कोई बहस नहीं की।
जैसे ही संगीत धीमा हुआ, उसने मुझे अपने करीब खींच लिया। "आज रात तुम बहुत तनाव में लग रही हो," उसने कहा।
मैंने गहरी सांस ली और तनाव को थोड़ा कम करने की कोशिश की। मैंने समझाया, "आज का दिन बहुत लंबा रहा है।"
वह नीचे झुका और मुझे धीरे से चूमा, मानो मैं टूट जाऊंगी। मुझे अपनी कोमलता का एहसास अच्छा नहीं लगा, इसलिए मैंने भी उसे उतनी ही शिद्दत से चूमा। एक छोटे से खूबसूरत पल के लिए, हमारे आसपास के सभी लोग गायब हो गए और बस हम दोनों ही रह गए।
जेसन के कंधे पर किसी के थपथपाने से हमारा चुंबन रुक गया। मैंने आँखें खोलीं तो देखा कि डेविन धैर्यपूर्वक हमारा ध्यान आकर्षित करने के लिए इंतज़ार कर रहा था। उसने फिर से काले कपड़े पहने थे, बस थोड़े ज़्यादा स्टाइलिश अंदाज़ में।
डेविन ने मेरी उपस्थिति को स्वीकार करते हुए अपना सिर झुकाया, फिर जेसन की ओर मुड़ा। "क्या मैं बीच में बोल सकता हूँ?" उसने धीमी आवाज़ में कहा। क्या उसने वाकई हमें टोकने के लिए वही समय चुना? क्या वह कुछ सेकंड और इंतजार नहीं कर सकता था? मैंने जेसन की तरफ देखा और मन ही मन बार-बार यही सोचती रही, ना कहो, ना कहो, ना कहो।
जेसन ने मुझे माफी मांगते हुए मुस्कुराकर जवाब दिया, "क्यों नहीं, बिल्कुल।"
धत् तेरे की! डेविन ने मेरी तरफ हाथ बढ़ाया और मैंने अनिच्छा से उसका हाथ थाम लिया। उसके हाथ मेरी उम्मीद से कहीं ज़्यादा खुरदुरे थे। मैंने डेविन को मेहनती तो नहीं समझा था, लेकिन उसके हाथों से लग रहा था कि उसने अतीत में, या शायद अभी भी, बिना दस्तानों के कड़ी मेहनत की है। मैं डेविन को फर्नीचर बनाते या टाइल लगाते हुए तो सोच भी नहीं सकता था। शायद वो बागवानी करता हो।

डेविन मुझे जेसन से दूर ले गया। उसने मेरा हाथ अपने हाथ में रखा, फिर अपना दूसरा हाथ हल्के से मेरी कमर पर रख दिया। वह मेरे जितना करीब खड़ा था, मुझे उतना पसंद नहीं था, लेकिन अगर वह और दूर खड़ा होता तो नाचना अजीब लगता। ऊँची एड़ी के जूते पहने होने के कारण मैं उससे एक-दो इंच लंबी थी।
"आपने हमारे छोटे से समुदाय पर काफी अच्छा प्रभाव छोड़ा है," उन्होंने समझाया जब हम डांस फ्लोर पर धीरे-धीरे झूम रहे थे।
“जानबूझकर नहीं,” मैंने धीरे से कहा। मैंने अपनी कमर पर उसके हाथ से हो रही बेचैनी को नज़रअंदाज़ करने की कोशिश की। नाच नापसंद करने का एक और कारण। बहुत से लोगों को आपको छूने का बहाना मिल जाता था।
मैंने भीड़ में किसी ऐसे व्यक्ति को ढूँढा जो मुझे बचा सके। जेसन गायब हो चुका था। मेरी नज़र चेज़ पर पड़ी, जो एक छोटी कद की, लाल बालों वाली वेयरवोल्फ के साथ नाच रहा था। उसने मेरी आँखों में देखा और तब तक देखता रहा जब तक डेविन ने मुझे घुमाकर दूसरी दिशा में नहीं मोड़ दिया।
मुझे वहां कोई और परिचित नहीं मिला, इसलिए मैंने सोचा कि क्यों न बातचीत शुरू कर ही दूं। "तो..." मैंने शुरू किया, "तुम्हारा पैक कौन सा है?"
"मेरे पास एक भी नहीं है," डेविन ने लगभग गर्व भरी मुस्कान के साथ उत्तर दिया।
मैंने पूछा, "क्या झुंड के बिना वेयरवोल्फ असुरक्षित नहीं होते?"
डेविन ने कंधे उचकाते हुए कहा, "अगर आपको मेरे नेतृत्व के लिए कोई समूह मिले, तो मुझे बता देना।"
मैंने अपनी भौंहें सिकोड़ीं। "आप ही इसका नेतृत्व क्यों करना चाहेंगे?" डेविन ने मुझे अपनी बाहों में उठाकर घुमाया। गिरने से पहले उसे मुझे पीछे से पकड़ना पड़ा। मेरी इस नादानी पर वह हँस पड़ा और उसने मुझे कुछ ज़्यादा ही कसकर पकड़ रखा था।
मैंने चेतावनी देते हुए कहा, "अगर तुमने दोबारा ऐसा किया, तो तुम्हें तीसरी डिग्री के जलने की चोटें लगेंगी।"
“माफ़ करना,” उसने स्वीकार किया, लेकिन अपनी पकड़ ढीली नहीं की। “अब और कोई बहाना नहीं। तुम्हारे सवाल का जवाब यह है कि मैं इतना ताकतवर हूँ कि कोई भी अल्फा मुझे चुनौती के डर से अपने समूह में शामिल नहीं करेगा। मुझे अपना खुद का समूह बनाना पड़ेगा। अभी के लिए मैं एबेल के साथ काम करने में ठीक हूँ। मुझे कूटनीतिक छूट प्राप्त है।”

मैं हँस पड़ा। "और तुम मुझ पर दांव लगा रहे थे? क्या आगामी चुनावों के नतीजों पर राजनेताओं द्वारा दांव लगाना नियमों के खिलाफ नहीं है?"
डेविन ने कंधे उचकाते हुए कहा, "मैंने कभी खुद को अच्छा राजनेता होने का दावा नहीं किया। असल में, मैं एक बहुत ही खराब राजनेता हूँ।"
मैंने जवाब दिया, "खैर, आपने आकर्षण को बखूबी समझ लिया है, उन लोगों के लिए जो इसे समझ नहीं पाते।"
“और मुझे लगा था कि मैंने तुम्हें बेवकूफ बना दिया है,” डेविन ने मजाक में कहा। “मैं जितना सोच रहा था उससे कहीं ज्यादा खराब प्रदर्शन कर रहा हूँ।” कुछ देर नाचने के बाद, उन्होंने फिर बात की। "मुझे सच में आश्चर्य है कि आप आज रात यहाँ आए हैं। यह कोई अनिवार्य कार्यक्रम नहीं है।"
मैंने उसे घूरकर देखा। मुझे बताया गया है कि मेरी घूरने की क्षमता काफी अच्छी है, लेकिन वह बस मुस्कुराता रहा।
मैंने समझाया, “लड़कियाँ आना चाहती थीं। मुझसे यह मत पूछो कि क्यों।” “तुम बहुत प्यारी लग रही हो,” उसने जवाब दिया। “मुझे तुम्हारे बंधे हुए बाल अच्छे लगते हैं।”
मैंने और भी गुस्से से घूरा। "अगर तुम मुझसे छेड़छाड़ करने की कोशिश कर रहे हो, तो तुम्हें पता होना चाहिए कि तुम गलत जगह पर चिल्ला रहे हो।" डेविन हँस पड़ा। "माफ़ कीजिए, यह मेरी प्रकृति है, मेरा आकर्षण और बाकी सब। मेरा इससे कोई गलत इरादा नहीं था।"
मैंने तेवर चढ़ाए, लेकिन कुछ नहीं कहा। मुझे ऐसा लग रहा था कि डेविन अपने हर छोटे-बड़े काम से कुछ न कुछ मतलब रखता है।
“अरे वाह, आप तो बड़े ही मुश्किल इंसान हैं,” उन्होंने सहजता से कहा। “सचमुच ज्यादातर लोग मुझे आकर्षक पाते हैं।”
मैंने भी उसे मीठी मुस्कान दी। "ज्यादातर लोग मूर्ख ही होते हैं।" “बिल्कुल सही कहा,” उसने जवाब दिया। “भले ही तुम एक दानव हो जो वेयरवोल्फ का झुंड बनाने की कोशिश कर रहे हो। कुछ लोग तुम्हारी बुद्धिमत्ता पर सवाल उठा सकते हैं।”
मैंने हैरानी से उसकी ओर भौंहें उठाईं, यह सोचकर कि आखिरकार उसने कुछ अपमानजनक कह ही दिया। "अच्छा हुआ कि मैं यहाँ अपनी बुद्धिमत्ता साबित करने नहीं आया हूँ।"

वह हँसा। "नहीं, तुम यहाँ अपनी शारीरिक शक्ति साबित करने आए हो। मुझे लगता है कि बुद्धि से काम चलाना तुम्हारे लिए ज़्यादा फ़ायदेमंद होगा।"
मैंने उसकी तरफ देखकर मुस्कुराते हुए कहा, "तुम्हें आश्चर्य होगा।" डेविन फिर हँसा। "मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है।"
संगीत की गति फिर बदल गई। दो गाने काफी थे। अब शायद मैं बच निकल सकता था। मैं पीछे हट गया।
"मुझे अपने बॉयफ्रेंड को ढूंढने जाना होगा," मैंने यह घोषणा की, ताकि एक बार फिर यह सुनिश्चित कर सकूं कि डेविन के मन में कोई गलत विचार तो नहीं आ रहे हैं।
मुझे नहीं लगा था कि वो ऐसा करेगा, लेकिन ऐसी चीजों में सावधानी बरतना जरूरी है। उसने पीछे हटकर मेरे हाथ को चूमा और मैंने उसे ऐसा करने दिया। अगर इसका मतलब ये था कि मुझे अब उसके साथ नाचना नहीं पड़ेगा, तो वो मेरी हथेली के पिछले हिस्से को जितना चाहे चूम सकता था।
मैंने अपना हाथ छुड़ाया और जेसन को ढूंढते हुए नाचते जोड़ों के बीच से रास्ता बनाते हुए आगे बढ़ी। मुझे चेज़ मिला। वह लीला के बगल में एक छोटी सी बेंच पर बैठा था और उसकी गोद में खाने की थाली थी।
किसी और के मुझे नाचने के लिए खींचने से पहले ही मैं जल्दी से उसके बगल वाली बेंच पर बैठ गई। हम कुछ मिनट चुपचाप बैठे रहे। एक और सुंदर वेयरवोल्फ आया और लीला को वापस डांस फ्लोर पर खींच ले गया। वह खुशी-खुशी चली गई। मैंने चेज़ के बिना छुए खाने पर नज़र डाली।
मैंने पूछा, "तुम खाना क्यों नहीं खा रहे हो?"
चेज़ ने कंधे उचकाते हुए कहा, "मुझे भूख नहीं है, लेकिन खाने की थाली देखकर लगता है कि ये उन लड़कियों को रोक रही है जो मुझे और नचाना चाहती हैं।" उसने बाईं ओर सिर हिलाया।
चार औरतें वहाँ खड़ी उसे देख रही थीं, उसके खाने के खत्म होने का इंतज़ार कर रही थीं। यह तो सच में बहुत डरावना था। मैं कभी किसी डांस पार्टी में नहीं गई थी, लेकिन मुझे पूरी उम्मीद थी कि मेरे स्कूल के दोस्त उतने... शिकारी स्वभाव के नहीं होंगे जितने कि वे वेयरवुल्फ लग रहे थे।
गहरे भूरे रंग का सूट पहने एक अनजान आदमी हमारी तरफ तेज़ी से बढ़ा। "धत् तेरे की," मैंने बुदबुदाया। "मुझे अपनी प्लेट दो।"

"बिल्कुल नहीं," चेज़ ने तर्क दिया। "जैसे ही मैं इसे नीचे रखूंगा, वे मुझ पर झपट पड़ेंगे।"
वो आदमी करीब आ रहा था। मैंने चेज़ की प्लेट का कोना पकड़ा और उसे उससे दूर खींचने की कोशिश की। उसने भी पलटकर खींच लिया। "मुझे नहीं लगता," उसने फुसफुसाते हुए कहा। "तीन अलग-अलग औरतों ने मुझे पहले ही गलत तरीके से छुआ है। तुमने तो अभी तक सिर्फ एक ही लड़के के साथ डांस किया है।"
मैंने और जोर से खींचा। "हाँ, लेकिन यह बहुत लंबा नृत्य था।"
चेज़ ने प्लेट को पीछे की ओर खींचा। कागज़ की प्लेट फट गई और खाना उड़कर ठीक हमारे सामने खड़े आदमी के पैरों के पास जा गिरा।
“क्या आप चाहेंगे-” उस व्यक्ति ने बात शुरू की।
मैंने प्लेट का अपना हिस्सा उस आदमी को दे दिया। "माफ़ कीजिए, बस किसी ने पूछा था," मैंने धीरे से कहा।
जैसे ही मैंने चेज़ को डांस फ्लोर पर खींचा, उसने अपनी आधी प्लेट पास के कूड़ेदान में फेंक दी। उसने हिचकिचाते हुए मुझे गले लगा लिया। "मुझे लगा था कि मकसद नाचना नहीं है।"
मैंने बुदबुदाते हुए कहा, "किसी अनजान आदमी के साथ रहने से बेहतर है तुम्हारे साथ रहना।"
चेज़ मुस्कुराया। "खैर, शायद मैं किसी अनजान लड़की के साथ नाचना ज़्यादा पसंद करूँगा।"
"तो फिर शायद आपको मुझे अपनी प्लेट ही दे देनी चाहिए थी," मैंने पलटकर जवाब दिया।
उसने लंबी सांस ली। "जब तक तुम मुझे गलत तरीके से छूने की कोशिश नहीं करोगे, तब तक मुझे लगता है कि मैं इसे बर्दाश्त कर सकता हूँ।"
मैं हंस पड़ी, मुझे खुशी थी कि डेविन ने मुझे गलत तरीके से छूने की कोशिश नहीं की थी।
"ये जूते आपको वाकई लंबा दिखाते हैं," चेज़ ने टिप्पणी की।
मैंने आगे कहा, "और ये बहुत ही अस्थिर है। इसलिए कृपया इसे बढ़ा-चढ़ाकर पेश न करें।"
उसने मेरी तरफ देखकर 'त्स्क' किया। "लो, तुमने मेरा सारा मज़ा किरकिरा कर दिया।"

मैंने देखा कि लूसी मैक्स के साथ नाच रही थी, और उसने मुझे उलझन भरी और थोड़ी नाराज़गी भरी नज़रों से देखा। वाह, अब लूसी मुझसे नाराज़ होने वाली थी क्योंकि मैंने उसका नाच छीन लिया था। मेरे पास सच में कोई चारा नहीं था... सच में। मैंने लूसी और मैक्स के पीछे देखा तो एक छोटी लड़की जिसके लंबे भूरे बाल थे, लूसी को ठीक वैसे ही देख रही थी जैसे लूसी ने मुझे देखा था।
यह सब बहुत असहज था। मैंने जेसन को चारों ओर देखा, शायद उसके साथ नाच रही किसी लड़की को देखकर दुखी और भ्रमित होने का भाव दिखाने की कोशिश की, लेकिन वह कहीं नहीं मिला।
"मुझे पहले हुई घटना के लिए फिर से खेद है," चेज़ ने कहा, जिससे मेरा ध्यान वापस उसकी ओर आकर्षित हो गया।
मैंने अपने निचले होंठ को काट लिया। "कोई बात नहीं," मैंने धीरे से जवाब दिया। "मैंने कुछ ज़्यादा ही प्रतिक्रिया दे दी। मैं आजकल थोड़ी... तनाव में हूँ।"
देखा? कौन कहता है कि मैं कूटनीतिक नहीं हो सकता?
चेज़ ने मेरी ठुड्डी ऊपर उठाई ताकि मैं उसकी आँखों में देख सकूँ। उसके लगभग आमने-सामने होना थोड़ा अजीब था। उसके इस अंतरंग हावभाव से मेरी धड़कन तेज़ हो गई।
“मैं तुम्हारे पापा के लिए यहाँ नहीं हूँ,” चेज़ ने कहा। “अब और नहीं। हमें इस बारे में और बात करने की ज़रूरत नहीं है। मैं बस इतना चाहता हूँ कि तुम जान लो। मैं यहाँ तुम्हारी देखभाल के लिए हूँ, मजबूरी में नहीं।”
अरे बाप रे! मैं इसके जवाब में क्या कहूँ? मैंने फिर से नीचे देखा। "उम... धन्यवाद।"
उसने सिर हिलाया, मानो 'उम धन्यवाद' कहना ही उसकी कही बात का पर्याप्त जवाब हो। मेरे पेट में अजीब सी बेचैनी हो रही थी, जैसे मुझे उल्टी आ जाए, बेहोश हो जाऊं या चीख निकल जाए। हालात हद से ज़्यादा पेचीदा होते जा रहे थे। मैंने फुसफुसाते हुए कहा, "काश हम घर पर होते।"
“मैं भी,” चेज़ ने जवाब दिया। वह कुछ पल चुप रहा, फिर बोला, “तो, घर की बात करें तो, वहाँ पहुँचने पर क्या होगा?”
मैंने थोड़ा पीछे हटकर उसकी आँखों में देखा। "तुम्हारा क्या मतलब है?"

चेज़ ने कंधे उचकाते हुए कहा, “जब से मैं तुमसे मिला हूँ, हम किसी न किसी समस्या से जूझते रहे हैं। यह आखिरी समस्या है। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो घर वापस जाकर हम क्या करेंगे?”
“अच्छा,” मैंने कहना शुरू किया, मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहूँ। “मुझे अभी स्कूल जाना है…”
चेज़ ने सिर हिलाया लेकिन कोई जवाब नहीं दिया और मुझे खुद पर बहुत बुरा लगने लगा। वो मुझसे पूछ रहा था कि क्या मैं चाहता हूँ कि वो शहर में ही रुके। मुझे उसे कह देना चाहिए था कि वो जो चाहे करे। मुझे उसे कह देना चाहिए था कि जाओ और किसी अच्छी दानव लड़की को डेट पर ले जाओ।
मैंने कहना शुरू किया, "मुझे अभी भी अपने पाठों में मदद की ज़रूरत होगी, इसलिए... आपको यहीं रुकना चाहिए।"
चेज़ ने सिर हिलाया और मुझे थोड़ा और कसकर पकड़ लिया। मैंने कोई विरोध नहीं किया। बुरी ज़ोई। बहुत-बहुत बुरी ज़ोई।
"और हाँ, अगर मैं चला गया तो तुम्हारी माँ बहुत निराश हो जाएगी," चेज़ ने माहौल को हल्का करने की कोशिश करते हुए मजाक में कहा।
मैं इतनी ज़ोर से हँसी कि मेरा दम घुटने लगा। “मुझे कभी समझ नहीं आएगा कि वो तुम्हें इतना क्यों पसंद करती है। अगर वापस लौटने पर वो तुम्हें हमारे साथ रहने के लिए बुला ले तो मुझे हैरानी नहीं होगी।”
चेज़ मुस्कुराया। "खैर, मुझे उससे ऐसी उम्मीद तो थी, लेकिन मुझे लगता है कि तुम्हारे पिताजी से मेरा संबंध उसे रोक सकता है।"
मैंने सिर हिलाया। “इसीलिए तो मुझे हैरानी होती है कि वो तुम्हें पसंद कैसे करती है। वो मेरे पापा से बिल्कुल भी कोई वास्ता नहीं रखना चाहती। जब भी मैं उनका ज़िक्र करती हूँ, वो एकदम चुप हो जाती है और उसका चेहरा पीला पड़ जाता है, इसलिए मैंने कोशिश करना ही छोड़ दिया है। घर पर पढ़ाई करना अच्छा होता, लेकिन मुझे लगता है कि मैं उसकी मजबूरी भी समझ सकती हूँ।” "हाँ, उसने उसे एक आदमी को मारते हुए देखा था," चेज़ ने आगे कहा।
“हाँ, बिल्कुल,” मैंने बहस करते हुए कहा, “लेकिन यह हमारी रक्षा में किया गया था। उस आदमी ने मेरी बेबी स्ट्रोलर को धक्का देकर गिरा दिया था।” "देखो तो ज़रा," चेज़ ने ताना मारा, "तुम सचमुच अपने पिता का बचाव कर रहे हो।"

“सिर्फ़ उस एक छोटी सी घटना की वजह से,” मैंने रूठते हुए कहा। “मैं अपने परित्याग को नहीं भूली हूँ।”
चेज़ ने मेरी तरफ गंभीरता से देखा। "तुम्हारे मिलने से पहले ही वह तुम्हारे बारे में बहुत बातें करता था।"
मैंने उसे सवालिया निगाहों से देखा। "उसे बात करने के लिए क्या होगा? वह तो मुझे जानता भी नहीं था।"
“उसने तुम्हारा हालचाल पूछा,” उसने जवाब दिया, “भले ही तुम्हें पता न हो।” "और आपको यह सब कैसे पता चला?" मैंने घबराते हुए पूछा।
यह सुनकर चेज़ थोड़ा शरमा गया। "हाँ, मैं कुछ बार उसके साथ गया था... जब वह तुम्हारा हालचाल पूछने आया था।"
“क्या!” मैंने हैरानी से कहा, जिससे आस-पास के कुछ नर्तकों ने मुझे सवालिया निगाहों से देखा। मैंने अपनी आवाज़ धीमी करते हुए कहा, “तुमने मेरी जासूसी की?”
“नहीं,” चेज़ ने शांत भाव से कहा। “मैंने तुम्हारे पिता के साथ मिलकर तुम्हारा हालचाल पूछा था। कभी-कभी जब वह नहीं आ पाते थे, तो मुझे अकेले ही तुम्हारा हालचाल पूछने भेज देते थे।”
“उम,” मैंने घबराते हुए कहना शुरू किया, “आपने कब से मेरी देखभाल करना शुरू किया?”
चेज़ के मुझे एक दुबली-पतली, किताबी कीड़ा जैसी किशोरी के रूप में देखने के ख्याल से ही मुझे कंपकंपी छूट जाती थी। और यह सोचकर तो और भी बुरा लगता था कि उसे पता चल जाए कि मैं रोज़ाना ऊँची पैंट पहनती थी, क्योंकि मुझे कभी भी अपने लिए सही लंबाई की जींस नहीं मिलती थी।
चेज़ मुस्कुराया। "सिर्फ़ पिछले दो सालों में।"
भगवान का शुक्र है... लेकिन फिर भी, यह बात मुझे खटक रही थी कि चेज़ मुझे पिछले दो सालों से एक तरह से जानता था, जबकि मैं उससे पहली बार लगभग एक महीने पहले ही मिला था।
मैंने जोर से कहा, "मुझे यह बिल्कुल भी पसंद नहीं है।"
चेज़ हँस पड़ा। "चिंता मत करो, मैं किसी को नहीं बताऊंगा कि तुम शकीरा के दीवाने थे।"
अरे यार!

अध्याय नौ
मुझे पता भी नहीं चला और कई गाने बज चुके थे। हमारे साथ आने वाले लोग कहीं नज़र नहीं आ रहे थे, इसलिए चेज़ और मैं अपने बाकी साथियों को ढूंढने निकल पड़े। हमें वहाँ आए हुए शायद 30 मिनट ही हुए थे, लेकिन अब अपने कमरों में वापस जाने का समय हो चुका था। हमने वहाँ अपनी मौजूदगी दर्ज करा दी थी, और बस इतना ही काफी था।
हम लूसी और मैक्स को जल्दी ही इकट्ठा करने में कामयाब हो गए। लीला और एलिसन को उन पर फिदा पुरुषों के समूह से छुड़ाना पड़ा। अब बस जेसन ही बचा था... और वह हमें मिल नहीं रहा था। पहले तो मुझे इस बात पर गुस्सा आ रहा था कि उसने मुझे अकेला छोड़ दिया, फिर थोड़ी चिंता होने लगी।
पूरे इलाके की छानबीन करने के बाद, हम जंगल की ओर बढ़ने लगे। हम जोड़ियों में बँट गए: लूसी के साथ एलिसन, चेज़ के साथ लीला, और मेरे साथ मैक्स। हर जोड़ी के साथ एक भेड़िया था जो जेसन की गंध पहचानने में मदद करता था। लगभग एक मिनट बाद ही मैं मैक्स से तंग आ गई, क्योंकि उसे मुझे बार-बार पकड़ना पड़ रहा था, इसलिए मैंने ऊँची एड़ी के जूते उतार दिए और नंगे पैर चलने लगी। आसमान में चाँद बस थोड़ा सा ही दिख रहा था (पूर्णिमा के समय वेयरवोल्फ का जमावड़ा होना खतरनाक हो सकता था)। मुझे बस यही उम्मीद थी कि नंगे पैरों से चलते हुए मुझे कोई साँप या मकड़ी न मिल जाए।
कुछ और मिनटों तक झाड़ियों में भटकने के बाद, आखिरकार हमें कुछ आवाज़ें सुनाई दीं। दरअसल, मैक्स ने आवाज़ें सुनीं और आगे बढ़ते हुए मुझे चुप रहने का इशारा किया, फिर मुझे भी आवाज़ें सुनाई दीं। हमारे आगे एक खुले मैदान में चार लोग थे। उनमें से एक जेसन जैसा लग रहा था, लेकिन अंधेरे में मैं पक्का नहीं कह सकता था। मैंने मैक्स की तरफ देखा और उसने सिर हिलाकर सहमति जताई।
मैं पास के एक पेड़ से टिक गया ताकि पंजों के बल खड़ा होकर बेहतर ढंग से देख सकूँ। जैसे ही मेरे हाथों ने पेड़ की खुरदरी छाल को दबाया, पेड़ से एक ज़ोरदार चटकने की आवाज़ आई। मैं सहम गया और अपना ध्यान वापस खुले मैदान की ओर लगाया।

चारों आकृतियाँ शोर की दिशा में मुड़कर देखने लगीं। बिना कुछ बोले, जेसन जैसी दिखने वाली आकृति हमारी ओर बढ़ी, और बाकी तीनों को वहीं खड़े होकर देखते रहने दिया।
जब जेसन हमारे पास पहुँचा, तो उसने मेरे कंधे पकड़कर मुझे वापस डांस फ्लोर की ओर खींच लिया और मैक्स को पीछे छोड़ दिया। जब वह मुझे जल्दी-जल्दी ले जा रहा था, तो मेरा पैर एक पेड़ की जड़ से टकरा गया। उसने मुझे गिरने से पहले ही पकड़ लिया, लेकिन मैं फिर भी बहुत गुस्से में थी।
"आखिर चल क्या रहा है?" मैंने गुस्से से कहा, अपने पैर के अंगूठे के दर्द को नजरअंदाज करने की कोशिश करते हुए।
"तुमने जूते क्यों नहीं पहने हैं?" जेसन ने मेरे सवाल को अनसुना करते हुए पूछा।
“अरे, मुझे नहीं पता,” मैंने व्यंग्यपूर्वक कहा। “चार इंच की हील पहनकर जंगल में भटकना थोड़ा मुश्किल था, उस प्रेमी की तलाश में जिसने मुझे पूरी रात अकेला छोड़ दिया था।”
जेसन ने मुझे और गुस्सा दिलाने वाली कोई बात कहने से पहले ही अपनी ज़बान पर लगाम लगा ली। मैक्स इस मामले से दूर रहा। यह उसकी बहुत समझदारी थी।
बिना कुछ कहे, जेसन ने मुझे अपनी बाहों में उठाया और मुझे तेज़ी से सभा स्थल की ओर ले जाने लगा। मैं इतनी घबराई हुई थी कि विरोध करने की हिम्मत ही नहीं थी, इसलिए मैंने बस अपनी बाहें उसकी गर्दन में लपेट लीं और इंतज़ार करने लगी। कमरे में पहुँचते ही मैं उसे सबक सिखाऊँगी।
हम भीड़ के करीब पहुँच गए, और मुझे उम्मीद थी कि मैं वहाँ फिर से अकेले चल पाऊँगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जेसन खुले मैदान के चारों ओर घूमता रहा, किसी भी दर्शक से बचते हुए।
“मैक्स,” जेसन ने आदेश दिया। “बाकी लोगों को बुलाओ।”
मैक्स बिना कुछ कहे हमें छोड़कर चला गया।
मेरा सब्र टूट गया था। मैंने वही कल्पना की जो मेरे पिताजी ने मुझे सिखाई थी। थोड़ी ही देर में जेसन ने मुझे ज़मीन पर गिरा दिया और अपना हाथ अपनी जली हुई गर्दन पर रख लिया। यह मामूली जलन थी, जैसे तेज़ धूप से जलने पर होती है, लेकिन शुरुआती झटके ने ही जेसन को मुझे नीचे उतारने पर मजबूर कर दिया।

मैंने अपने पैरों को जमीन पर मजबूती से जमाए हुए शांत भाव से कहा, "आपको समझाना होगा कि क्या हो रहा है," और फिर जोड़ा, "अभी इसी वक्त।"
जेसन ने घबराहट भरी निगाहों से मेरी ओर देखा, उसके होंठ कसकर बंद थे। "मुझे नहीं पता था कि यहाँ और भी पिशाच होंगे," उसने जवाब दिया।
दूसरे पिशाच? मेरे दिमाग में लाखों ख्याल दौड़ रहे थे। मैं पिशाचों के बारे में काफी कुछ जानती थी, क्योंकि मैं एक पिशाच को डेट कर रही थी। फिर भी, जेसन मुझे डरावना नहीं लगता था, वह बस... जेसन था। दूसरे पिशाच डरावने थे। और वे दुर्लभ भी थे।
कुछ ही पीड़ित पिशाच बनने की प्रक्रिया से बच पाए। जो बच गए, वे आम तौर पर अकेले रहना पसंद करते थे, या अपेक्षाकृत छोटे समूहों में रहते थे। मैंने सोचा था कि मैं पूरी जिंदगी बिना किसी दूसरे पिशाच से मिले गुजार दूँगा, या कम से कम इतनी जल्दी तो नहीं।
“क्या?” मैंने पूछा।
“दूसरे पिशाच,” उसने पुष्टि की। “कई समूहों ने उन्हें काम पर रखा है। जाहिर है, वे तुमसे और तुम्हारे पिता से डरते हैं... खासकर तुम्हारे पिता से। उन्होंने एहतियात के तौर पर अतिरिक्त सहायता मांगी थी।”
अब मैं सचमुच उलझन में पड़ गया था। लोग मुझसे डरें, जबकि मैं उन्हें बस धूप से झुलसा देता था... या उनकी गाड़ियों में आग लगा देता था, या शायद उन्हें जलाकर मार डालता था। ठीक है, मैं थोड़ा डरावना तो था। लेकिन मेरे पिताजी को मैं समझ गया, वो तो बहुत ज्यादा डरावने हैं।
“लेकिन, वह यहाँ नहीं है,” मैंने तर्क दिया।
“वे सावधानी बरत रहे हैं,” उसने घबराकर अपना हाथ चेहरे पर फेरते हुए समझाया। जेसन को बहुत ज़्यादा घबराहट हो रही होगी तभी तो उसकी घबराहट इतनी साफ़ दिख रही थी। “डैन और फिर निक के बाद... वेयरवुल्फ गपशप करने लगते हैं। कहानियों को बढ़ा-चढ़ाकर बताया जाता है।”
मैंने पूछा, "तो फिर पिशाचों को क्यों काम पर रखा गया?"
"चूंकि पिशाचों का किसी समूह से कोई खास जुड़ाव नहीं होता, इसलिए वे अक्सर एक तरह के भाड़े के सैनिकों के रूप में काम करते हैं," उसने जवाब दिया। मैंने कंधे उचका दिए। "ठीक है, लेकिन फिर भी इससे यह बात समझ में नहीं आती कि तुमने मुझे पूरी रात अकेला छोड़कर पिशाच भाड़े के सैनिकों के एक गिरोह के साथ एक खुले मैदान में रहस्यमयी बैठक क्यों की।"

“मैं किराए पर लिए गए दो अन्य पिशाचों को जानता हूँ,” उसने कंधे उचकाते हुए स्वीकार किया। “मुझे यह सुनिश्चित करना था कि वे तुम्हें कोई नुकसान न पहुँचाएँ। ज़्यादातर पिशाच मेरे जैसे नहीं होते। वे तुम्हें सिर्फ़ यह देखने के लिए मार डालेंगे कि तुम्हारे खून का स्वाद कैसा होता है। किसी भी शक्तिशाली दानव को कमज़ोर पाना बहुत मुश्किल होता है। चेज़ पर भी हमला होने का खतरा हो सकता है।”
"तो मूल रूप से, और भी राक्षसी जीव मेरे खून के प्यासे हैं?" मैंने पूछा। अलौकिक शक्तियों वाले प्राणियों में सचमुच खून के प्रति एक अजीब सा जुनून था। पिशाचों को इसकी ज़रूरत होती थी, वेयरवुल्फ इससे प्रतिक्रिया करते थे, बुरे लोग इसे नापाक इरादों से चुराने की कोशिश करते थे। और यह पहली बार नहीं था जब मुझे इस बात की खुशी हुई कि मुझे जिस खून की ज़रूरत थी या जिसे मैं चाहता था, वह केवल वही था जो मेरी नसों में बहता था।
जेसन ने सिर हिलाया। “हमें यहाँ नहीं आना चाहिए था। हमें सावधान रहना होगा।”
मैंने आह भरी। "जैसे कि ये कोई नई बात हो। मैं लगभग हर समय एक पिशाच, एक और दानव और तीन वेयरवुल्फ के साथ रहती हूँ। मैं ये नहीं कहूँगी कि मैं बिल्कुल असुरक्षित हूँ।"
जेसन ने अपनी बात पर ज़ोर देने के लिए मेरे कंधों को पकड़ लिया। “उनमें से कुछ मुझसे ज़्यादा ताकतवर हैं। मैं तुम्हारी रक्षा नहीं कर सकता।”
“ओह, सच में?” मैंने भौंहें चढ़ाते हुए कहा। “जब तक मुझे यह पता नहीं चलता कि वे मुझसे ज्यादा ताकतवर हैं, तब तक मुझे कोई चिंता नहीं है।”
मैं मुड़ी और इठलाते हुए चली गई। जी हाँ, दोस्तों, ज़ो मेयर्स इठलाते हुए चल सकती हैं। इस बात को ध्यान में रखिए।

अध्याय दस
मैं जेसन के बगल में जाग उठी। मैं अब भी थोड़ी नाराज़ थी, लेकिन कमरे में वापस आते ही उसने माफ़ी मांग ली थी, और मुझे सच में गले लगने की बहुत ज़रूरत थी। वह सचमुच मेरी भलाई के बारे में सोच रहा था, भले ही उसका तरीका थोड़ा ज़बरदस्ती वाला था।
मैंने पूरी कोशिश की थी कि मैं खाट पर चुपचाप लेटे चेज़ के बारे में न सोचूँ। मैं यह जानने के लिए बहुत सारा पैसा देने को तैयार थी कि वह क्या सोच रहा है। लेकिन शायद यह बेहतर ही था कि मैं न जानूँ। वह मेरा दोस्त था और मैं नहीं चाहती थी कि बात अटपटी हो जाए।
मुझे जागते देख जेसन ने मुझे और कसकर गले लगा लिया। जेसन सोता नहीं है, इसलिए जब हम रात साथ बिताते हैं, तो वह अक्सर मेरे बगल में लेटकर मेरे जागने का इंतज़ार करता है। मुझे तो यह उबाऊ लगता है, लेकिन उसे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।
मैंने घड़ी देखने के लिए करवट बदली। सुबह के 6:30 बज रहे थे। उफ़! मुझे 8:00 बजे नाश्ते की मीटिंग में जाना था। हमारे समूह में से सिर्फ़ मुझे ही मीटिंग में जाने की अनुमति थी। मुझे अपना प्रस्ताव पेश करना था कि हम अपना समूह कैसे बनाएँ। लीला ने इसे लिखने में मेरी मदद की थी, लेकिन फिर भी मुझे चिंता हो रही थी। सार्वजनिक रूप से बोलना मेरी खासियत नहीं है।
मैंने जेसन को मुस्कुराकर देखा, फिर बिस्तर से उठकर नहाने के लिए बाथरूम की ओर लड़खड़ाते हुए चली गई। चेज़ सो रहा था और मैक्स कंबल के नीचे बेसुध पड़ा था। इससे पहले कि मैं दरवाजे से अंदर जा पाती, जेसन अचानक मेरे सामने आ गया। उसने मुझे अपनी ओर खींचा और चूमने की कोशिश की।
“अरे यार,” मैंने फुसफुसाते हुए कहा और उसकी छाती पर धक्का दिया। “सुबह की बदबू।”
जेसन ने कंधे उचकाते हुए कहा, "मुझे परवाह नहीं है।"
मैंने जवाब में कंधे उचकाए और उसका चेहरा अपनी ओर खींच लिया। चुंबन पहले हल्का था, फिर तीव्र हो गया, जिससे मैं अपनी सुबह की सांसों की दुर्गंध को पूरी तरह भूल गई। मैंने जेसन की छाती पर सहारा लिया ताकि मेरा संतुलन बना रहे।

जेसन ने इसे मुझे और चूमने का संकेत समझा, उसके हाथ मेरी कमर को कसकर पकड़ रहे थे। हमारे जीवन के तनाव में, हमने अपने रिश्ते को एक तरह से नज़रअंदाज़ कर दिया था। मुझे एहसास हुआ कि जेसन मेरा अंगरक्षक बनने में इतना मशगूल था कि वह मेरा प्रेमी होना ही भूल गया था। मैं भी सबकी देखभाल करने में इतनी मशगूल थी कि मैंने भी उस पर ज़्यादा ध्यान नहीं दिया था।
हमें अपने बगल में कहीं से खाँसी की आवाज़ सुनाई दी। जेसन और मैं दोनों चुंबन से हटकर उस रुकावट की ओर देखने लगे। चेज़ हमारे सामने खड़ा था, चिड़चिड़ा और अधनी नींद में लग रहा था। जेसन ने उसे आते हुए ज़रूर सुना होगा। मैंने गुस्से से जेसन की तरफ देखा।
“उम,” चेज़ ने धीरे से कहा। “मुझे बाथरूम जाना है।”
मेरे चेहरे पर ऐसी गर्मी सी उभर आई जिसका मेरी राक्षसी शक्तियों से कोई लेना-देना नहीं था। मैंने शर्मिंदगी छिपाने के लिए जितनी जल्दी हो सके बाथरूम के दरवाजे से भागने की कोशिश की। जेसन हंसते हुए मेरे पीछे मुख्य कमरे में आ गया।
मैक्स जाग रहा था और अपने बिस्तर पर बैठा था, क्योंकि मुझे अपनी शर्मिंदगी देखने के लिए किसी और की सख्त जरूरत थी। "क्या तुम्हें फिर से गर्मी लग रही है?" उसने पूछा।
जेसन पीछे से आकर मुझे गले लगाने लगा। मैक्स ने चेज़ की तरफ बाथरूम की ओर देखा, फिर हमारी तरफ। उसके होंठ समझ में आने के भाव से "ओ" की तरह खुल गए। मैं और भी ज़्यादा शर्म से लाल हो गई और जल्दी से बगल वाले कमरे के दरवाज़े की ओर भागी। आज मुझे लड़कियों के कमरे में नहाना पड़ेगा।
सभी लड़कियाँ गहरी नींद में सो रही थीं। अगर मेरे पास कोई और विकल्प होता तो मैं भी गहरी नींद में सो रही होती। मैं उनके बिस्तरों के पास से दबे पांव बाथरूम में गई और धीरे से दरवाजा बंद कर लिया।
मैंने कपड़े उतारे और शॉवर में घुस गई। मैंने पानी चालू किया, ठंडे पानी से बचने के लिए थोड़ा दूर खड़ी रही, लेकिन मेरी कोशिश बेकार गई। किसी ने शॉवर का नोजल बाहर की ओर खुला छोड़ दिया था, और चूंकि मैंने अभी तक पर्दा बंद नहीं किया था, इसलिए पानी पूरे बाथरूम में फैल गया। मेरे पजामा और फर्श पर रखा छोटा तौलिया पूरी तरह भीग गए। वाह!
मैंने शावर का नल ठीक किया और पर्दा बंद कर दिया। गंदगी बाद में साफ कर लूंगी। तभी मुझे पता चला कि किसी ने शैम्पू और कंडीशनर की अपनी छोटी

बोतलें वहीं छोड़ दी हैं, तो मैंने खुद ही इस्तेमाल कर लीं। मुझे होटल के वो छोटे-छोटे टू-इन-वन शैम्पू/कंडीशनर बिल्कुल पसंद नहीं हैं, और वैसे भी मेरा कोई शिष्टाचार निभाने का मूड नहीं था।
शैम्पू से किसी जड़ी बूटी की तेज़ खुशबू आ रही थी, शायद रोज़मेरी की। मुझे लगा कि शैम्पू लीला का होगा। उसे ऐसी खुशबू पसंद आती थी। मैंने उस खुशबू में खोकर थोड़ा आराम करने की कोशिश की। मैंने अभी-अभी खुद से वादा किया था कि मैं चेज़ के साथ कोई अजीब स्थिति नहीं आने दूंगी, और अब मैं शावर में छिपकर शर्मिंदा और असहज महसूस कर रही थी। बेवकूफ लड़के! मुझे तो इस बात की खुशी भी थी कि आज सुबह की मीटिंग में मैं अकेले जा रही थी।
जब मैं आखिरकार नहाकर बाहर निकला और सराय द्वारा दिए गए सफेद तौलिये से खुद को सुखाया, तो मुझे एहसास हुआ कि मैं कपड़े बदलना भूल गया था, और मेरा पजामा पूरी तरह से भीग चुका था। धिक्कार है!
मैंने तौलिये को जितना हो सके कसकर अपने चारों ओर लपेटा और बेडरूम में चली गई। मैं सो रही लूसी के पास बैठ गई और उसे जगाने की कोशिश की। उसने कुछ अस्पष्ट बुदबुदाया, फिर करवट बदली और कंबल में लिपटकर सो गई।
मैंने इसके बाद एलिसन से बात करने की कोशिश की। वह असल में आधी नींद में थी। उसने धीरे से कहा, "तुम्हें क्या चाहिए?"
मैंने फुसफुसाते हुए जवाब दिया, "मैंने अपना सूटकेस दूसरे कमरे में छोड़ दिया था।"
एलिसन ने थोड़ा और जागते हुए मेरी तरफ़ तेवर चढ़ाए। "तो जाओ, इसे हासिल करो, निकम्मे।"
मैं खड़ा हो गया और उसे दिखाया कि मैंने सिर्फ तौलिया लपेटा हुआ है। “बच्चा बनना बंद करो,” उसने बड़बड़ाते हुए अपना चेहरा वापस तकिए में छिपा लिया। धत् तेरे की!
मैंने अपना तौलिया ठीक किया और लड़कों के कमरे की ओर वापस चल पड़ी, उम्मीद कर रही थी कि वे सब नाश्ते के लिए चले गए होंगे। अफसोस, केवल मैक्स या जेसन ही गए थे। मुझे पता नहीं था कि कौन गया है क्योंकि उनमें से एक बंद बाथरूम में शॉवर चला रहा था। नहाकर, और शुक्र है कि कपड़े पहने हुए चेज़ अपने पलंग पर बैठा जूते पहन रहा था।
मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं किसी घिसी-पिटी रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में हूँ। मैं चुपचाप अपने सूटकेस की तरफ चली गई, जिसे मैंने कमरे के दोनों

बिस्तरों के बीच रखा था। मैं चेज़ को इतनी बुरी तरह से नज़रअंदाज़ कर रही थी कि मुझे पता ही नहीं चला कि वह उठकर दरवाज़े की तरफ चलने लगा है। मैंने अपने कपड़ों को सीने से चिपकाए हुए पीछे मुड़ा और लगभग उससे टकरा ही गई। हम दोनों एक पल के लिए एक-दूसरे को देखते रहे। उसने अपनी कमीज़ के निचले किनारे को ऐसे खींचा जैसे उसे ठीक करना हो। "उम, थोड़ी देर पहले के लिए माफ़ करना-" उसने कहना शुरू किया।
"कोई बात नहीं," मैंने उसे कुछ ऐसा कहने से पहले ही टोक दिया जिससे मुझे और भी शर्मिंदगी महसूस होती।
मैंने अपने तौलिये को कसकर पकड़ लिया और फर्श की ओर देखने लगी, मैं इस बारे में और बात नहीं करना चाहती थी।
वह वहीं खड़ा रह गया, कुछ बोल नहीं पा रहा था। उसके काले, हल्के घुंघराले बाल नमी से पीछे की ओर सेट थे, बेहद आकर्षक लग रहे थे। ओह माय गॉड!
मैं जितनी जल्दी हो सके उसके पास से गुज़री और लड़कियों के कमरे में वापस भाग गई। बिलकुल भी अजीब नहीं लगा, और मेरा नाम क्वीन एलिजाबेथ मैरी है।

अध्याय ग्यारह
कपड़े पहनने के बाद मैं सिर ऊंचा करके लड़कों के कमरे में वापस चली गई। मैं पूरी तरह से तैयार थी कि मैं सहज और बिल्कुल भी असहज न दिखूं।
"तुम ऐसे क्यों चल रहे हो?" मेरे कमरे में प्रवेश करते ही मैक्स ने पूछा। मैंने हमेशा की तरह अपना घमंड बरकरार रखा। "मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा कि आप क्या कह रहे हैं। मैं अपनी मीटिंग में जा रहा हूँ।"
मैंने अपनी नाक थोड़ी नीचे की ताकि चेज़ मुझे घूरता हुआ देख सकूँ। जैसे ही मैंने उसे देखा, उसने झट से अपनी गोद में रखे हाथों की तरफ देखा। मैंने भी उतनी ही जल्दी नज़रें हटा लीं। बिलकुल भी अजीब नहीं था।
"मैं आपको नीचे तक छोड़ दूंगा," जेसन ने कहा और मेरा ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।
"तुम मेरे साथ अंदर नहीं आ सकते, याद है ना?"
जेसन मुस्कुराया। "मैं दरवाजे के बाहर तुम्हारा इंतजार करूंगा।"
दूसरे पिशाचों के आने से मेरा पहले से ही शक्की प्रेमी और भी ज्यादा शक्की हो गया था। मैंने खुद को मुस्कुराने के लिए मजबूर किया और मन ही मन सोचा कि शक्की होने में कोई बुराई नहीं है, और शायद यह जायज़ भी है। खैर, हो सकता है कि वह बिल्कुल भी शक्की न हो, हो सकता है कि वह हम सब से ज्यादा समझदार हो। मैंने सिर हिलाया और उसकी ओर हाथ बढ़ाया। हम बिना एक-दूसरे को देखे कमरे से बाहर निकल गए, लेकिन जाते समय मुझे महसूस हुआ कि कोई मुझे देख रहा है। शायद मैक्स था, जो सोच रहा था कि मैं फिर से पागलों जैसा व्यवहार क्यों कर रही हूँ। लगता है उसे अब तक इसकी आदत हो गई होगी।
सौभाग्य से आज की मीटिंग अनौपचारिक थी, इसलिए मैंने फीकी जींस, गहरे हरे रंग की वी-नेक टी-शर्ट और अपने भरोसेमंद स्नीकर्स पहन लिए। मुझे अनौपचारिक कपड़ों में ज़्यादा आराम महसूस हुआ। लाख कोशिश करने के बावजूद, सजने- संवरने से मुझे शर्मिंदगी और अजीब सा लगता था। साथ ही, मुझे ऐसे जूते पहनना पसंद है जिनमें मैं भाग सकूँ। हमेशा भागने के लिए तैयार रहना चाहिए।
बैठक होटल के लॉबी के पास स्थित छोटे सम्मेलन कक्षों में से एक में हो रही थी, जहाँ होटल के कई शानदार कमरे थे। मैंने जेसन को दरवाजे के बाहर एक झटपट चुंबन देकर छोड़ा और बिना दरवाजा खटखटाए अंदर चली गई।

मैं समय से पहले पहुँच गया था (जो मेरे लिए बहुत कम होता है), और कुछ ही सीटें भरी हुई थीं। मैं छोटे से आयताकार कमरे में छोटी सी आयताकार मेज पर बैठ गया। मेरे सामने मेज के पार एक भालू जैसा दिखने वाला आदमी (जिसने अपना परिचय माइक के रूप में दिया) और एक सांवली रंगत वाली महिला बैठी थी, जिसकी लंबाई मुझे लगभग 6 फुट 3 इंच लगी। उसके चेहरे के चारों ओर घने भूरे बाल लहरा रहे थे। उसने अपना परिचय डार्ला के रूप में दिया।
हालांकि डार्ला और माइक एक-दूसरे के बगल में बैठे थे, फिर भी मुझे उनके बीच गहरी दुश्मनी का आभास हुआ। वे दोनों मुझसे बात तो कर रहे थे, लेकिन जब वे नहीं बोल रहे होते थे तो उनके चेहरे पर घोर अरुचि के भाव होते थे।
"तो तुम ही हो वो दानव," डार्ला ने मुझसे बातचीत के लहजे में कहा, उसकी आवाज में केवल हल्की सी दिलचस्पी झलक रही थी।
“हां,” मैंने कंधे उचकाते हुए कहा। “मैं ही हूं।”
"तुम्हें पता है कि यहाँ तुम्हें सावधान रहना चाहिए," उसने बिना किसी भावना के अपनी आवाज में कहा।
“क्या यह धमकी है?” मैंने सहज भाव से पूछा।
उसने कंधे उचकाते हुए कहा, "ऐसा नहीं है। बस एक तथ्य है।"
जो चीज़ 'वास्तव में' खतरा नहीं है, वह कैसे खतरा हो सकती है? मैंने डार्ला से अपना ध्यान हटा लिया क्योंकि हमारे समूह के बाकी लोग कमरे में आने लगे। सभी लोग मेरे ठीक बगल वाली सीटों से बचते रहे, तभी डेविन आया और मेरे बगल में बैठ गया, और थोड़ा और करीब आ गया।
मुझमें उसकी दिलचस्पी देखकर मुझे डार्ला के निराधार रवैये से भी ज़्यादा चिंता होने लगी थी। मैंने मेज पर रखे उसके हाथ पर नज़र डाली, जो मेरे हाथ के बहुत करीब था, और अपना हाथ कुछ इंच और दूर कर लिया। डेविन ने शायद ध्यान ही नहीं दिया। उसने फिर से काले कपड़े पहने हुए थे। या तो उसे अपने कपड़ों में बदलाव की सख्त ज़रूरत थी, या फिर वह किसी वजह से हमेशा काले कपड़े पहनता था। शायद तटस्थता का संकेत? हालांकि, तटस्थ माने जाने वाले व्यक्ति के लिए, वह ज़रा भी स्विट्ज़रलैंड जैसा नहीं लग रहा था।
एबेल सबसे आखिर में आया और मेज के सबसे आगे खड़ा हो गया। मेरी नई पसंदीदा वेयरवोल्फ, ग्रेटा, कहीं नज़र नहीं आ रही थी। मुझे लगता है माइक को उसकी ज़रूरत नहीं लगी। इस मामले में मैं माइक से सहमत था।

किसी ने कुछ नहीं कहा, एबेल कोने में रखे कॉफी पॉट के पास गया और अपने लिए एक कप कॉफी डाली। मुझे बताया गया था कि यह नाश्ते की मीटिंग है, लेकिन उनका मतलब शायद सिर्फ इतना था कि यह नाश्ते के समय हो रही है, क्योंकि मुझे आसपास कोई खाना नहीं दिख रहा था। यह सोचकर मेरे पेट में गुड़गुड़ाहट होने लगी और डेविन ने मेरी तरफ देखकर अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। किसी और ने शायद ध्यान नहीं दिया, लेकिन मैं वेयरवुल्फ से भरे कमरे में था, इसलिए मुझे पता था कि उन सभी ने मेरी आवाज़ सुनी होगी।
एबेल ने एक घूंट भी पिए बिना अपनी कॉफ़ी मेज पर रख दी। आज उसने सादे कपड़े पहने थे - एक तंग ग्रे टी-शर्ट और महंगी दिखने वाली जींस। उसके बाल खुले हुए थे और लंबे व घने थे, लगभग उसकी कमर तक। इतने लंबे बाल देखकर तो मैं पागल ही हो जाती। मुझे तो पता है, मैं शायद उन्हें कार के दरवाज़ों में फंसाकर नींद में ही खुद को गला घोंट लेती।
एबेल ने गला साफ किया। उन्होंने कहा, “आज की बैठक इसलिए बुलाई गई है ताकि एलेक्जेंड्रा मेयर्स एक नए समूह के गठन की अपनी आवश्यकता बता सकें। उनका पूरा बयान सुना जाएगा, उसके बाद आपको उनसे प्रश्न पूछने का अवसर मिलेगा। इसके बाद बैठक स्थगित कर दी जाएगी और हम आज रात इस मामले पर मतदान करेंगे।” अपनी बात खत्म करते हुए एबेल बैठ गया और मेरी तरफ देखने लगा। उसकी निगाहें तीव्र थीं, मानो वह सिर्फ अपने मन की शक्ति से मुझे कुछ करने के लिए उकसा रहा हो। जब मैंने कुछ नहीं किया, बस वहीं बैठा रहा और घबराया हुआ सा दिखता रहा, तो उसने हाथ से इशारा करके मुझे उठने को कहा।
मैं हिचकिचाते हुए खड़ी हुई और गला साफ किया। प्लीज़ गड़बड़ मत करना, प्लीज़ गड़बड़ मत करना। "उम हाय," मैंने कमरे की ओर हल्के से हाथ हिलाते हुए कहा। 'उम हाय'? ज़ोई, शुरुआत करने का बढ़िया तरीका है! वेयरवुल्फ आत्मविश्वास और आक्रामकता पर प्रतिक्रिया देते हैं, न कि दबी हुई घबराहट पर।
मैंने खुद को शांत करने के लिए गहरी सांस ली और आगे कहा, "मैं आज यहां एक समूह बनाने के लिए याचिका दायर करने आया हूं-"
“कुछ ऐसा बताओ जो हम न जानते हों,” मेरे जैसी ही पीली त्वचा और बालों वाली एक युवती ने धीरे से कहा। मैंने उसे परसों की बैठक में नहीं देखा था, वैसे भी मैं अपनी प्रस्तुति को लेकर इतनी चिंतित थी कि दूसरों की बातों पर ध्यान देने का समय ही नहीं मिला था।

मेरी, डेविन और एबेल की एक साथ घूरती नज़र देखकर वह तुरंत चुप हो गई।
डार्ला ने अपनी दबी हुई हंसी को छिपाने के लिए अपना मुंह हाथ से ढक लिया।
लेकिन इससे कोई खास फ़ायदा नहीं हुआ, उसकी सुनहरी आँखें मस्ती से चमक रही थीं। कम से कम कोई तो मज़े कर रहा था।
मैं थोड़ा सीधा खड़ा हुआ और लीला ने मुझे जो कहने को कहा था, उसे याद करने की कोशिश करने लगा। “मेरे इलाके के सभी भेड़िये सर्वसम्मति से मेरे झुंड का हिस्सा बनने के लिए सहमत हो गए हैं। गठबंधन के नेता ने अल्फा बनने के मेरे प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। मेरे भावी झुंड के सदस्य उस घटना के साक्षी थे जिसने मुझे इस पद के लिए योग्य बनाया।”
"हत्या करने से आप अल्फा नहीं बन जाते," माइक ने बीच में टोकते हुए कहा। "लेकिन व्यक्तिगत चुनौती के बाद आत्मरक्षा करना कारगर होता है," डेविन ने जवाब दिया।
माइक कुछ और कहने के लिए मुंह खोलने ही वाला था कि एबेल ने उसे बीच में ही रोक दिया। "सवाल और राय एलेक्जेंड्रा के प्रस्ताव के बाद ही लिए जाएंगे।" मैंने गहरी सांस ली और आगे बोला, “मैं वेयरवोल्फ के नियमों का पालन करूंगा, भले ही मैं वेयरवोल्फ नहीं हूं, और मैं अपने झुंड की रक्षा अपनी जान देकर करूंगा।” अंत, मैंने मन ही मन सोचा... उम्मीद है कि यह मेरा अंत नहीं था। मैं चुपचाप बैठा रहा। कुछ पल की खामोशी छा गई, फिर सब लोग उत्साह और गुस्से से भरी बातों में उलझ गए। डार्ला बस मुस्कुराती रही। या तो उसे इस बात की परवाह ही नहीं थी कि क्या हो रहा है और उसे यह सब हास्यास्पद लग रहा था, या फिर उसे कुछ ऐसा पता था जो मुझे नहीं पता था। मेरा मानना था कि दूसरा वाला ही सही है।
जब एबेल ने भीड़ को शांत किया, तब पूछताछ शुरू हुई, और वाकई, क्या पूछताछ थी! उन्होंने बस यही दोहराया कि मैं वेयरवोल्फ नहीं हूँ, मैं एक हत्यारा हूँ, इत्यादि।
जब आखिरकार बैठक समाप्त हुई, तो मैंने सबको अपने से पहले जाने दिया। अगर हो सके तो गलियारे में किसी से बदतमीजी का शिकार होने की कोई जरूरत नहीं थी।
"तुमने अच्छा किया," डेविन ने कहा, जो अभी भी मेरे बगल में बैठा था।
"तुम्हारे पास कोई मौका नहीं है," एबेल ने सिर हाथों में पकड़ते हुए कहा।
कमरे में सिर्फ हम तीन लोग ही बचे थे।
"हम इसे बिना मतदान के ही पारित करवा सकते हैं," डेविन ने सुझाव दिया।

एबेल ने सिर हिलाया। "यह तो अराजकता होगी।"
मैंने बीच में ही टोकते हुए कहा, "मुझे इससे कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन आप लोगों को इससे क्या फर्क पड़ता है?"
एबेल ने मुझे काफी देर तक घूरा, फिर आखिरकार बोला, “हमारे झुंड असुरक्षित हैं,” उसने समझाया। “हाल ही में हुई घटना ने हमें यही दिखाया है।” जिस घटना का वह जिक्र कर रहा था, वह उसी समूह द्वारा कई वेयरवुल्फ की हत्या थी जिसने मेरा अपहरण किया था और मुझे मारने की कोशिश की थी।
उन्होंने समझाया, “अगर आप वेयरवोल्फ कानून से बंधे हैं, तो इससे दानवों और अन्य अलौकिक शक्तियों को हमारे किसी भी भेड़िये से पंगा लेने से पहले सोचने पर मजबूर होना पड़ेगा। दानवों के शामिल होने पर हर कोई अधिक सतर्क हो जाता है। दानव अमर होते हैं। प्रतिशोध से बचने के लिए इतना लंबा समय काफी नहीं होता।”
“लेकिन मैं तो सिर्फ आधा दानव हूँ,” मैंने जवाब दिया। “मैंने गलती से डैन को मार डाला था, और मेरे पिता ने मुझे मेरे अपहरणकर्ताओं से बचाया था। मेरी उम्र एक सामान्य इंसान की तरह ही होगी। मेरे बदले से कोई नहीं डरेगा।” “लेकिन बहुत कम लोग यह सब जानते हैं,” डेविन ने समझाया। “शायद इंसानी जीवनकाल के बारे में ही जानते हों, बस इतना ही। यही सिद्धांत किसी घर में चोरी करने के लिए भी लागू होता है। एक घर में बड़ा गुस्सैल कुत्ता है, दूसरे में नहीं। आप किस घर में चोरी करना चाहेंगे?”
मुझे उनकी मंशा समझ आने लगी थी। हमें इतना डरावना होने की ज़रूरत नहीं थी, बस अगले समूह से ज़्यादा डरावना होना था। "तो, मैं तुम्हारा बड़ा गुस्सैल कुत्ता हूँ?"
एबेल ने सिर हिलाया और अपनी मनमोहक मुस्कान बिखेरी। "बिल्कुल सही।"
मैं खड़ा हुआ और सिर हिलाते हुए बोला, "मुझे उम्मीद है कि आप दोनों जानते हैं कि आप क्या कर रहे हैं।"
एबेल ने डेविन की ओर मुड़कर कहा, "क्या मुझे एलेक्सोंड्रा के साथ कुछ पल अकेले बिताने का मौका मिल सकता है?"
डेविन ने सिर हिलाया और मुझे अपना हाथ बढ़ाया।
मैंने उस हाथ को संदेह भरी नजरों से देखा। "अगर तुमने दोबारा मेरे हाथ को चूमा तो मैं तुम्हें थप्पड़ मार दूंगी।"
डेविन मुस्कुराया। "तो फिर बस हाथ मिलाना ही काफी है?"

मैंने भी मुस्कुराकर अपना हाथ आगे बढ़ाया। उसने मेरा हाथ मिलाया, एक अच्छा और सलीकेदार हाथ मिलाया, और फिर एक अच्छे नौकर की तरह झटपट कमरे से निकल गया।
जैसे ही दरवाजा बंद हुआ, मैं एबेल की ओर मुड़ गया।
उसने नीचे देखा, फिर घबराकर और संदेह से मेरी ओर देखा।
"गठबंधन नेता के रूप में, मैं आपको अपनी सुरक्षा प्रदान करना चाहूंगा, एलेक्सोंड्रा।"
शब्दों को देखकर मुझे हंसी आ गई। खैर, शायद शब्दों से नहीं, बल्कि उस वाक्य से ही। ऐसा लग रहा था जैसे कोई घटिया गैंगस्टर फिल्म में बोल रहा हो। मैंने अपनी हंसी रोकते हुए कहा, "उम, यह सब ठीक है, लेकिन क्यों?"
एबेल ने मेज की ओर देखा। "हम आपसे बहुत कुछ उम्मीद कर रहे हैं।"
मुझे अब भी समझ नहीं आ रहा था। "मुझे लगा था कि मुझे पैक देने का पूरा मकसद सुरक्षा देना था। आपने उस पेशकश के साथ ही मुझे अपनी सुरक्षा भी दे दी थी।" एबेल ने सिर हिलाया। “मेरी निजी सुरक्षा नहीं। गिरोह के कानून के अनुसार, अगर कोई तुम्हें मारता है, तो हम उसका पीछा करके उसे मार डालेंगे। इसके लिए हमारे पास गुंडे हैं। मैं तुम्हें जो पेशकश कर रहा हूँ, वह अलग है। अगर कोई तुम्हारी प्रभुत्व को चुनौती देता है, तो असल में वह मेरी प्रभुत्व को चुनौती दे रहा होगा।”
मैंने नाक सिकोड़ी। "तो फिर तुम्हें अपने वर्चस्व को चुनौती देने में बहुत सारी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।"
अबेल के चेहरे पर अब ज़रा भी मुस्कान नहीं थी। “उतने नहीं जितने तुम सोच रहे हो। जो तुम्हें चुनौती देते हैं, वे सब मूर्ख हैं। मेरी सुरक्षा उन मूर्खों को दूर रखेगी। वे मुझसे डरना सीख चुके हैं। लेकिन अभी तक उन्हें तुमसे डरने का अनुभव नहीं हुआ है।”
मैंने सिर हिलाया। "मुझे लगता है कि आपको मेरे बारे में गलतफहमी है। मैं सच में इतना डरावना नहीं हूँ।"
“तुम्हें अपनी विरासत के बारे में कितना पता है?” उसने अचानक पूछा।
विषय के अचानक बदल जाने से मैं अचंभित हो गया। "मेरी विरासत?" मैंने हकलाते हुए कहा।

उन्होंने समझाया, “राक्षसों का इतिहास काफी लंबा है। अगर ज़्यादा लोग उस इतिहास के बारे में जानते, तो शुरुआत में ही कोई चुनौती देने वाला सामने नहीं आता।”
अब मैं और भी ज़्यादा उलझन में पड़ गया था। दानव, अलौकिक शक्तियों के समुदाय में भी अपेक्षाकृत अज्ञात थे। बहुत कम लोग जानते थे कि हम क्या कर सकते हैं, खासकर इसलिए कि हमारी शक्तियाँ इतनी अलग-अलग थीं। इसने हमें अप्रत्याशित बना दिया था। कुछ दानवों से सिर्फ़ मामूली चोट लगती थी, और कुछ आपको चूर-चूर कर देते थे। यह एक डरावनी अवधारणा थी, लेकिन यह कोई ऐतिहासिक तथ्य नहीं था।
मेरे पेट से फिर से गुड़गुड़ाहट की आवाज आई।
एबेल ने गहरी सांस ली। “मैं विषय से भटक रहा हूँ। असल बात यह है कि मैं आपको अपनी सुरक्षा प्रदान कर रहा हूँ। क्या आप इसे स्वीकार करते हैं?”
“अरे नहीं, ऐसा नहीं है,” मैंने जवाब दिया। “आप किस इतिहास की बात कर रहे हैं?”
वह मुस्कुराया। "अपने पिता से कहो कि वह तुम्हें समझा दें। क्या तुम इसे स्वीकार करते हो?"
मैंने उसे संदेह भरी निगाहों से देखा। "स्वीकार करने का क्या मतलब है?" “कुछ नहीं,” उसने जवाब दिया, “सिवाय इसके कि तुम मेरी श्रेष्ठता और तुम्हारी रक्षा करने के मेरे अधिकार को स्वीकार करो।”
मुझे यह सुनकर अच्छा नहीं लगा। "क्या आप सही कह रहे हैं? ऐसा लगता है जैसे मैं आपकी संपत्ति बन जाऊँगा।"
एबेल ने कंधे उचकाते हुए कहा, "सिर्फ़ लोगों की नज़र में ही। असल में तुम मेरी नहीं हो। आमतौर पर सुरक्षा सिर्फ़ जीवनसाथी या बच्चे को ही दी जाती है।"
मैं धीरे से पलकें झपकाईं, पूरी तरह से अचंभित थी और समझ नहीं पा रही थी कि क्या सोचूँ। मुझे लगभग यकीन था कि वह मुझसे अपनी पत्नी बनने के लिए नहीं कह रहा था, क्योंकि यह घिनौना होता, लेकिन यह संभावना थी कि वह मुझसे अपनी पत्नी होने का नाटक करने के लिए कह रहा हो।
मैंने तीखे स्वर में उत्तर दिया, "मुझे ऐसा नहीं लगता।"
एबेल कुछ पल चुपचाप बैठा रहा और मेरी ओर देखता रहा। “इससे तुम्हारे दोस्तों की रक्षा करने में मदद मिलेगी…” उसने कहना शुरू किया।

मैंने सवालिया निगाह से अपना सिर झुकाया। "किस तरह से?"
एबेल मुस्कुराया। मेरे दोस्तों का ज़िक्र करते ही उसे पता चल गया था कि उसने मुझे अपने जाल में फंसा लिया है। "अगर तुम मेरी हो और वे तुम्हारे, तो एक से पंगा लेना मतलब सबसे पंगा लेना होगा।"
"तो मैं तुम्हारा होने का नाटक करूं, और हम पर ज़ुल्म होना बंद हो जाएगा?" मैंने पूछा।
एबेल फिर मुस्कुराया, वह घमंडी कमीना। "हाँ।"
“ठीक है।” मैं खड़ा हो गया।
एबेल खड़ा हुआ और मेरा रास्ता रोकने के लिए उसने अपना हाथ मेरी कुर्सी के पीछे रख दिया। "तो तुम सहमत हो?"
मैंने उसे घूरकर देखा। "मैंने ठीक कहा था, है ना?"
एबेल के चेहरे पर बड़ी सी मुस्कान थी। "हम आज रात घोषणा करेंगे।"
इतना कहकर मैं कमरे से निकलकर गलियारे में जेसन से मिलने चली गई, और एबेल को उसकी जीत पर मुस्कुराने के लिए अकेला छोड़ दिया। मुझे आभास हो रहा था कि इस सुरक्षा के अधिकार के पीछे एबेल की बातों से कहीं ज़्यादा कुछ छिपा हुआ है। मैंने तो बस नाम के लिए ही उसकी होने की सहमति दी थी, लेकिन यह सोच फिर भी मुझे खटक रही थी। आखिर एक दानव का घमंड ही तो होता है!
“कैसा रहा?” जेसन ने मुझे देखते ही घबराकर पूछा। उसे यह पूछना ही पड़ा, जिसका मतलब था कि किसी ने उसे दरवाजे के पास खड़े होने से रोक दिया था। मैं चलता रहा और वह मेरे बगल में चलने लगा। मैंने कंधे उचकाते हुए कहा, "मैं एक बड़ा गुस्सैल कुत्ता हूँ, और हर कोई हमें लूटना चाहता है, और मैं एक अहंकारी वेयरवोल्फ का साथी हूँ।"
“क्या मुझे पता होना चाहिए कि इसका क्या मतलब है?” उसने पूछा।
“नहीं,” मैंने जवाब दिया और आगे चलता रहा।
"तुम्हारा मतलब 'संबंध' से क्या है?" उसने मेरे पीछे-पीछे आते हुए पूछा। मैंने उदास स्वर में उत्तर दिया, "मुझे वास्तव में यकीन नहीं है।"
जेसन ने मेरा हाथ पकड़ लिया। वह गुस्से में लग रहा था। "तुम्हारा मतलब 'जुड़ाव' से क्या है, ज़ोई?"
मैंने कंधे उचका दिए, अचानक शर्मिंदा होते हुए। "यह सिर्फ जनता के लिए होगा। अगर बाकी सब लोग यह सोचने लगेंगे कि मैं उसकी हूं, तो वे पीछे हट जाएंगे।"

मेरी आँखों में आँसू उमड़ रहे थे और मुझे पता नहीं क्यों। मैं वैसे तो ज़्यादा रोती नहीं हूँ, लेकिन मुझे ऐसा लग रहा था कि मैं इतनी भावुक हो गई थी कि ऐसा हो गया।
“ठीक है,” उसने ऐसे जवाब दिया जैसे वह किसी डरे हुए घोड़े को शांत करने की कोशिश कर रहा हो। “तो फिर उस बड़े गुस्सैल कुत्ते के बारे में बताओ।”
मैं जवाब देने की हिम्मत नहीं जुटा पाई। मेरी आँखों से आंसू बहने लगे। मेरी तुलना कभी-कभार मादा कुत्ते से की गई थी, लेकिन कभी किसी रखवाली करने वाले कुत्ते से नहीं। बस मुझे कूजो कहो।

अध्याय बारह
कमरे में सीधे वापस जाने के बजाय, जेसन मेरे साथ लॉबी में मुफ्त नाश्ते के लिए आया, जो सौभाग्य से अभी भी चल रहा था। मुझे अब भूख नहीं लग रही थी, लेकिन मुझे कुछ समय के लिए अपना ध्यान भटकाना था, इसलिए मैंने काउंटर पर रखे हुए बढ़िया से वफ़ल बनाने वाले यंत्र से खुद को व्यस्त कर लिया, जबकि जेसन ने हमारे लिए एक मेज ढूंढ ली।
खाने से भरी प्लेट और हाथ में कॉफी लिए मैं जेसन के सामने बैठ गया, जिसके हाथ में सिर्फ एक कप कॉफी थी। मैंने उसकी तरफ एक भौं उठाई।
उन्होंने बताया, "मैंने पहले ही खाना खा लिया था।"
ठीक है, मुझे पूछना ही पड़ा। "उम... आपकी दूसरी भूख के बारे में क्या?"
जेसन ने असहज होकर गला साफ किया। "मैंने वह काम भी पहले ही कर दिया था।" मुझे पक्का नहीं पता था कि उसे कब मौका मिला होगा, शायद सुबह-सुबह जब मैं सो रही थी। मैंने एक पल के लिए सोचा कि क्या वह वेयरवुल्फ या दूसरे वैम्पायरों के साथ शिकार पर गया होगा... लेकिन मैंने उससे और कुछ नहीं पूछा।
जैसन को थम्पर या बैम्बी का खून चूसते हुए सोचकर ही मुझे बहुत डर लग रहा था, और इसे एक सामूहिक गतिविधि के रूप में सोचना तो और भी ज़्यादा डरावना था। मैं कहना चाहूँगी कि इससे मुझे कभी-कभार संदेह नहीं हुआ, लेकिन सच में हुआ। मैंने इसकी तुलना हैमबर्गर खाने से करने की कोशिश की, लेकिन फिर भी यह बात मुझे ठीक नहीं लगी।
लूसी, एलिसन और लीला एक साथ लॉबी में दाखिल हुईं। लूसी सबसे पहले बैठी, उसके हाथ में बैगल और सेब के रस का गिलास था। उसने रस का एक घूंट लिया और फिर मेरी तरफ मुड़कर पूछा, "आज सुबह तुम किस बारे में बात कर रहे थे?"
जेसन ने जिज्ञासा से अपनी भौहें ऊपर उठाईं।
मैंने बुदबुदाते हुए कहा, "मैं अपने कपड़े दूसरे कमरे में भूल गई।"
लूसी ने ‘तो क्या हुआ?’ के इशारे में अपने हाथ ऊपर उठाए। “और? तुम्हारे पास तो तौलिया था।”
मैंने व्यंग्यपूर्वक उत्तर दिया, "अरे यार, आजकल तो कोई थोड़ी सी विनम्रता भी नहीं समझता।"
लूसी ने मुझे संदेह भरी नजरों से देखा। "तुम कब से इतने विनम्र हो गए?"

मुझे फिर से शर्म आने लगी। मैंने कहा, "मुझे और कॉफी चाहिए।" मैं उछलकर खड़ी हुई और जल्दी से कॉफी पॉट की ओर भागी।
जब मैं आखिरकार मेज पर लौटा, तो एलिसन और लीला भी बैठ चुकी थीं। मेज पर पाँच कुर्सियाँ थीं, इसलिए थोड़ी तंग लग रही थी, लेकिन मैं किसी तरह अपनी जगह पर वापस बैठ गया। किसी और ने मेरी सुबह की शरारतों का ज़िक्र नहीं किया।
कॉफी पीते हुए मेरी नज़र जेसन पर पड़ी। मैंने उसे तसल्ली भरी मुस्कान दी। इतना काफी था, क्योंकि वह आज की गतिविधियों पर लड़कियों की चर्चा में फिर से शामिल हो गया। कुछ वैकल्पिक गतिविधियाँ निर्धारित थीं, लेकिन मैं तो आज के लिए बाकी वेयरवुल्फ्स से तंग आ चुकी थी।
लूसी, जो एक छोटे से स्थानीय अखबार के पन्ने पलट रही थी, ने अपना ध्यान वापस मेज पर केंद्रित किया। उसने कहा, "यहाँ एक स्थानीय कला मेला चल रहा है। हम जाकर देख सकते हैं।"
मैंने कंधे उचकाते हुए कहा, "मुझे ठीक लग रहा है।" मैंने जेसन की तरफ मुड़कर देखा। मुझे पहले से ही पता था कि वह आएगा, लेकिन पूछना हमेशा शिष्टाचार का काम होता है।
जेसन मुस्कुराया। "अगर ज़रूरी हुआ तो," उसने स्वीकार किया।
“ओह,” लूसी ने बीच में टोकते हुए कहा, “मीटिंग कैसी रही?”
खैर, बात यहीं थी, मैं पूरे पांच मिनट तक इसे अपने दिमाग से निकालने में कामयाब रहा था। "हम इसके बारे में बाद में बात करेंगे," मैंने धीरे से कहा। लूसी ने एक पल के लिए मेरी तरफ देखा और शायद मेरे चेहरे के भावों में कुछ देख लिया, क्योंकि उसने फिर से कला मेले के बारे में बात शुरू कर दी। "तो हम खाना खत्म करने के बाद अपना सामान इकट्ठा करके निकलेंगे?"
मैंने राहत भरी मुस्कान के साथ सिर हिलाया। "हाँ, हम अपना सामान ले लेंगे और देखेंगे कि मैक्स या चेज़ आना चाहते हैं या नहीं।"
चेज़ का नाम सुनते ही लूसी की मुस्कान और चौड़ी हो गई और मुझे शर्म आ गई। सच में, मुझे उन दोनों की जोड़ी बनाने की कोशिश करनी चाहिए। मैं ज़रूर कोशिश करती। वे दोनों मेरे दोस्त थे। अगर वे साथ में खुश रह सकते हैं, तो उन्हें ज़रूर करना चाहिए।
अंत में, एलिसन, लीला और मैक्स ने वेयरवोल्फ बनने का फैसला किया। इसलिए, विशाल एसयूवी में बैठकर सराय से निकलने वाले लोग सिर्फ मैं, लूसी, जेसन और

चेज़ थे। मुझे गाड़ी चलाने का मौका मिला, और लूसी ने तुरंत आगे की सीट ले ली, जिससे लड़के पीछे बैठ गए।
मुझे समझ आ गया था कि लूसी उम्मीद कर रही थी कि यह एक डबल डेट जैसा माहौल बन जाएगा, क्योंकि वह यात्री सीट पर शांत मुस्कान लिए बैठी थी। मैंने जलन न करने का अपना संकल्प और मजबूत किया, और यह सोचकर ही मुझे बहुत बुरा लग रहा था।
हम उस विशाल, घास से भरे पार्क में पहुँचे जहाँ कला बाजार लगा हुआ था, लेकिन वहाँ एक भी खाली पार्किंग जगह नहीं थी। कुछ मिनट तक इधर-उधर घूमने के बाद हमने हार मान ली और कुछ ब्लॉक दूर एक रिहायशी सड़क पर गाड़ी खड़ी कर दी।
हम एसयूवी से उतरे और चेज़ के आगे-आगे चलने लगे, फिर मैं और लूसी, और जेसन सबसे पीछे था। मैंने मज़ाक में लूसी को आगे धकेल कर चेज़ के बगल में कर दिया और खुद कुछ कदम पीछे हटकर जेसन के साथ चलने लगी। मैंने अपनी उंगलियाँ उसकी उंगलियों में फंसा लीं, और उस सुबह पहली बार मुझे सच में आनंद आने लगा।
कला बाजार कपड़ों की खरीदारी से थोड़ा ज्यादा दिलचस्प था, जिसमें एलिसन अक्सर मुझे बहला-फुसलाकर ले जाती थी। विक्रेताओं के पास पारंपरिक पेंटिंग और हस्तशिल्प से लेकर प्राकृतिक उत्पाद और शाकाहारी भोजन तक सब कुछ था। भोजन केवल दान के आधार पर मिलता था। अगर आप खर्च कर सकते थे, तो काउंटर पर रखे जार में पैसे डाल देते थे, अगर नहीं, तो भी आपको खाना मिल जाता था। सभी को खाने को मिलता था।
चेज़ रंग-बिरंगी धातु कलाकृतियों से भरे एक स्टॉल की ओर चला गया, जबकि मैं जेसन और लूसी के साथ कुछ प्राकृतिक दृश्यों को देख रही थी। मैंने जेसन का ध्यान खींचने के लिए उसका हाथ हल्के से दबाया। जब उसने नीचे देखा तो मैंने इशारा किया कि मैं थोड़ी देर के लिए दूर जा रही हूँ और अपना हाथ उसके हाथ से छुड़ा लिया। जब मैं चेज़ की ओर चली गई तो वह थोड़ा संशय से देखने लगा, लेकिन जब मैंने उसे आँख मारते हुए आश्वस्त करने वाली मुस्कान दी तो वह भी मुस्कुरा उठा।
मैं आराम से चलकर चेज़ के बगल में खड़ी हो गई। "तो," मैंने शुरू किया। "तुम सिंगल हो, है ना?"

चेज़ ने अपना ध्यान एक बड़े धातु के बिच्छू से हटाकर मेरी ओर देखा। "हाँ?" उसने सवालिया लहजे में जवाब दिया।
मैंने सिर हिलाया और असहज महसूस करते हुए नीचे देखने लगी। मैंने एक छोटे से धातु के मेंढक को छुआ और सोचा कि इसे अपनी माँ के लिए ले लूँ।
“तुम्हें पता है, लूसी भी सिंगल है,” मैंने आगे कहा।
चेज़ ने अपनी नज़रें वापस मेज पर टिका दीं, लेकिन फिर भी पूछा, "तो आपका मतलब क्या है?"
“कोई फायदा नहीं,” मैंने कंधे उचकाते हुए कहा, मेरा दिल ज़ोर से धड़क रहा था। उस पल मुझे बहुत खुशी हुई कि चेज़ एक दानव था, भेड़िया नहीं, और इसलिए शायद वह मेरे दिल की धड़कन नहीं सुन सकता था... शायद।
“चलो हम भी बाकियों के साथ शामिल हो जाते हैं,” चेज़ ने अजीबोगरीब ढंग से विषय बदलते हुए सुझाव दिया। “जेसन तो अभी से ऊब गया लगता है,” उसने आगे कहा।
मैंने उस दिशा में मुड़कर देखा जिधर चेज़ देख रहा था, और पाया कि जेसन ऐसा दिखावा कर रहा था जैसे वह हमें देख ही नहीं रहा हो। मैं बिना कुछ कहे जेसन के पास वापस चला गया, और चेज़ मेरे पीछे-पीछे आ रहा था।
जब हम जेसन के पास पहुँचे तो मैंने अपना हाथ वापस उसके हाथ में डाल दिया और उसने सवालिया निगाहों से मेरी तरफ देखा। मैंने कंधे उचकाए और भौंहें चढ़ा लीं। मैं उसे बाद में समझा दूँगी।
लूसी और मैं स्टॉलों पर नज़रें गड़ाए घूम रहे थे, जबकि लड़के हमारी सेवा करने के लिए एक पिकनिक टेबल पर बैठ गए। लूसी को तुरंत हाथ से बने हर्बल साबुन और लोशन बेचने वाली एक मेज पसंद आ गई। मैं भी उसके पीछे-पीछे चली गई, क्योंकि मुझे साबुनों से ज़्यादा लड़कियों के साथ थोड़ा समय बिताना अच्छा लग रहा था।
जब लूसी इधर-उधर पड़ी ईंटों को सूंघ रही थी, तभी लैवेंडर की खुशबू वाले सामानों के एक छोटे से हिस्से ने मेरा ध्यान खींचा। मुझे लैवेंडर बहुत पसंद है। उनके पास लैवेंडर की खुशबू वाला शैम्पू और कंडीशनर भी था।
चूंकि मैं अपने साथ कोई शैम्पू नहीं लाई थी, और सुबह इस्तेमाल किए गए उस शैम्पू को बार-बार इस्तेमाल नहीं करना चाहती थी, इसलिए मैंने कुछ शैम्पू खरीद लिए। मैंने बोतलें और पैसे बूथ पर बैठी बुजुर्ग महिला को दिए, और

उन्होंने उन्हें एक प्यारे से छोटे कागज़ के थैले में पैक कर दिया, जिसके एक हैंडल पर सूखी जड़ी-बूटियाँ लगी हुई थीं।
लूसी ने स्टॉल से कुछ नहीं खरीदा। उसने मेरे बैग की तरफ देखा और मैंने कंधे उचका दिए, फिर हम स्कार्फ और पर्स वाले अगले स्टॉल की तरफ चल पड़े।
“तो तुम और चेज़ किस बारे में बात कर रहे थे?” उसने पूछा।
मैंने शरारती मुस्कान के साथ जवाब दिया, "तुम।"
"तुमने ऐसा नहीं किया," उसने चीखते हुए मेरी बांह पर एक घूंसा मारा।
मैंने अपनी बांह में अचानक उठे दर्द को पकड़ लिया और लूसी को घूरकर देखा।
कभी-कभी वह भूल जाती है कि अब वह एक वेयरवोल्फ है, और उसके मुक्के पहले से कहीं ज्यादा दर्दनाक होते हैं।
उसे अचानक एहसास हुआ और उसका हाथ उसके चेहरे पर चला गया। "सॉरी ज़ोई!" उसने कहा। "मुझे अभी भी ज़्यादा ताकतवर होने की आदत नहीं पड़ी है।"
मैंने सिर हिलाया और हम फिर से चलने लगे।
“तो जब आपने उससे बात की तो उसने क्या कहा?” उसने घबराते हुए पूछा।
“उम,” मैंने कहना शुरू किया।
"यह तो पहले से ही अच्छा नहीं लग रहा है," उसने बात काटते हुए कहा।
“खैर,” मैंने फिर से कहना शुरू किया, “उसे मुझसे इस बारे में बात करने में असहजता महसूस हो रही थी।”
"तो फिर एलिसन सही ही होगी," लूसी ने उदास होकर जवाब दिया।
मैंने उसे बीच रास्ते में ही रोकने के लिए उसका हाथ पकड़ लिया। "रुको। क्या?"
लूसी ने मेरी तरफ भौंहें सिकोड़ते हुए कहा, "उसने कहा कि उसने तुम्हें पहले ही बता दिया है।"
मैंने सिर हिलाया। मुझे पहले से ही पता था, लेकिन फिर भी मैंने पूछा। "क्या बताया?"
लूसी ने मेरी तरफ ऐसे देखा जैसे मैं बेवकूफ बन रही हूँ। "चेज़ तुमसे प्यार करता है। पहले तो मुझे शक था, लेकिन अब मुझे पूरा यकीन है कि अल सही कह रही है। उसने कहा कि उसने तुम्हें बताया था।"
मैंने सिर हिलाया। उसने मुझे बताया तो था, लेकिन मैं गर्म पानी से नहाकर अपने ज़ख्मों को सहला रही थी, बंधक बनाए जाने और मार-पीट के कारण मैं लगभग बेहोश सी थी। मैंने उस बातचीत को गंभीरता से नहीं लिया था, क्योंकि हम सबने

बहुत कुछ झेला था, और एलिसन को बस किसी और चीज़ पर ध्यान केंद्रित करने की ज़रूरत थी।
मैंने बुदबुदाते हुए कहा, "वह मुझसे प्यार नहीं करता।"
लूसी ने मुझे ऐसे देखा जैसे मैं कोई शरारती बच्चा हूँ। "मुझे पता है तुमने ज़ोई को नोटिस किया है, भले ही तुम इसे मानना न चाहो।"
मैंने कंधे उचका दिए और उसकी आँखों में आँखें नहीं मिला पाई। "मुझे पता है कि वह मेरी थोड़ी परवाह करता है, लेकिन वह मुझसे प्यार नहीं करता।"
"वह तुम्हें ठीक उसी तरह देखता है जैसे जेसन तुम्हें देखता है," उसने सीधे- सीधे जवाब दिया।
मैंने जवाब दिया, "उसे रुकना ही होगा।"
लूसी ने फिर से मेरी तरफ एक भौंह उठाई। "तो तुम्हें उसके लिए कुछ भी महसूस नहीं होता, बिलकुल कुछ भी नहीं?"
मैं एक बार फिर उसकी आंखों में आंखें नहीं मिला सका। "मुझे नहीं पता।"
“ओह ज़ोई,” लूसी ने धीरे-धीरे बोलते हुए सांत्वना दी। “तुम क्या करने वाली हो?”
मैंने कंधे उचका दिए। "कुछ नहीं, मुझे लगता है। मैं इसे नज़रअंदाज़ कर दूंगा और उम्मीद करूंगा कि यह अपने आप ठीक हो जाएगा।"
लूसी मेरी ओर देखती रही, और मेरे कुछ और कहने का इंतजार करती रही, लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं और क्या कहूँ।
मैंने नीचे देखा और फिर से बूथ की ओर चलने लगी। मैं इस बारे में बात करने के लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं थी, और अब मैं इस बारे में और बात नहीं करना चाहती थी। शायद बाद में। नहीं, दोबारा सोचने पर, क्यों न कभी बात ही न करें? मुझे इस बारे में कभी बात न करने में कोई आपत्ति नहीं होगी।
चलते-चलते लूसी ने फिलहाल इस बात को छोड़ देने का फैसला कर लिया था। हम बूथ तक नहीं पहुँच पाए, जो मेरे हिसाब से कोई बड़ी बात नहीं थी, लेकिन जिस वजह से हमें रुकना पड़ा, उससे मैं बिल्कुल भी खुश नहीं थी।
“वह इतनी ताकतवर नहीं दिखती,” एक छोटी कद-काठी वाली, लेकिन सुडौल महिला ने मुझे ऊपर से नीचे तक देखते हुए कहा। उसके काले, घुंघराले बाल एकदम सलीके से संवारे हुए थे, कहीं भी उलझे हुए नहीं थे। उसके होंठों पर हल्की सी मुस्कान थी। “मुझे समझ नहीं आता कि वे सब इतने चिंतित क्यों हैं।”

वह हमारे सामने खड़ी थी, उसके दोनों ओर औसत कद के दो पुरुष थे, जिनमें से एक लगभग तीस वर्ष का लग रहा था और दूसरा लगभग अठारह वर्ष का।
मुझे पता था कि उनमें से कोई भी उतनी उम्र का नहीं था जितनी वे दिख रहे थे। ये वही पिशाच थे जिनसे जेसन पिछली रात मिला था। मैंने उनके चेहरे नहीं देखे थे, लेकिन किसी तरह मुझे पता चल गया था। शायद मेरी अलौकिक शक्तियों को पहचानने की क्षमता बेहतर हो रही थी।
लूसी के गले से एक धीमी सी गुर्राहट निकली। मैंने उस आवाज़ पर अपनी हैरानी छिपाने की कोशिश की। ज़ाहिर है, लूसी भी उन्हें पहचान सकती थी। शायद उसने उन्हें सूंघा होगा।
“अरे नहीं,” कम उम्र के दिखने वाले उस व्यक्ति ने सुसंस्कृत अंग्रेजी लहजे में शांत करते हुए कहा। “हम आज आपको कोई नुकसान नहीं पहुंचाना चाहते…” उस नौजवान के काले बाल सिर से एकदम छोटे कटे हुए थे, जिससे उसकी बड़ी नीली आँखें और भी बड़ी लग रही थीं। वो हमेशा बच्चे जैसा ही दिखेगा। सच में बहुत बुरा लग रहा था। अगर वो और उसके दोस्त हमें डराने की इतनी कोशिश न कर रहे होते, तो शायद मुझे उस पर तरस भी आता।
अचानक जेसन मेरे पास आ गया और चेज़ लूसी के बगल में खड़ा हो गया। "हमने तय किया था कि तुम उसे अकेला छोड़ दोगी मैगी," जेसन लगभग गुर्राते हुए बोला, उसकी निगाहें हमारे सामने खड़ी महिला पर टिकी थीं।
“नहीं,” मैगी ने सुधार करते हुए कहा, उसके शब्दों में खुशी झलक रही थी। “हमने तय किया था कि मैं उसे अभी नहीं मारूंगी।”
"हम कुछ ज्यादा ही आत्मविश्वास से भरे हुए हैं, है ना?" मैंने थोड़ी झुंझलाहट के साथ कहा।
मैगी के छोटे गोल चेहरे से खुशी का हर अंश गायब हो गया, मानो वह कभी था ही न। "कोई तुमसे राय नहीं पूछ रहा था, छोटी बच्ची।"
छोटी बच्ची? मैं उससे कम से कम पाँच इंच लंबी थी। “सुनो, छोटी कद वाली,” मैंने जवाब दिया। “अगर तुम्हें मुझसे पंगा लेना है, तो सीधे मेरे सामने करो। अगर हिम्मत नहीं है, तो जाओ यहाँ से।”
“ज़ोए,” जेसन ने तीखी आवाज़ में डांट लगाई।
मेरी नसों में गर्मी दौड़ रही थी। पिशाचों के झुंड से पंगा लेना शायद समझदारी नहीं थी, लेकिन मेरा गुस्सा किसी न किसी तरह निकलना ही था। इस मामले में, शब्दों का प्रयोग क्रियाओं से बेहतर था।

मैगी हंस पड़ी, उसे इस बात का अंदाजा नहीं था कि अगर मैंने अपना आपा खो दिया तो क्या हो सकता है। "जेसन प्यारे, तुम अपने कुत्ते को पट्टे पर रखना... और मैं वेयरवोल्फ की बात नहीं कर रही हूँ।"
मैगी ने मुझसे नज़रें हटाईं और कुछ कदम चलकर जेसन के सामने खड़ी हो गई। उसने मोहक अंदाज़ में अपना हाथ उसकी छाती पर रखा। "जेसन, मैं तो लगभग भूल ही गई थी कि तुम कितने आकर्षक हो। मुझे ठीक से समझ नहीं आ रहा कि तुम इसके साथ क्या कर रहे हो," उसने आँखों से मेरी ओर इशारा करते हुए कहा।
जेसन ने मैगी की कलाई पकड़ी और उसे अप्रत्याशित घृणा भरी निगाहों से देखा। मैंने जेसन के चेहरे पर ऐसा भाव पहले कभी नहीं देखा था। उस भाव से मुझे पता चला कि जेसन और मैगी के बीच बहुत पुराना रिश्ता था, और उसमें से ज़्यादातर कड़वाहट भरा था।
मैगी ने जेसन के हाथ को अपनी कलाई पर अनदेखा किया और अपना दूसरा हाथ भी उसकी छाती पर रख दिया। उसने अपना शरीर उसकी ओर झुकाया, लेकिन वह जेसन को नहीं, बल्कि मुझे देख रही थी।
बस, यही काफी था। मेरी माँ हमेशा मुझे ऐसे हालातों में समझदारी से काम लेने की सलाह देती थी। लोग तभी आप पर असर डाल सकते हैं जब आप उन्हें ऐसा करने दें। खैर, जाहिर है मैं मैगी को ऐसा करने दे रही थी क्योंकि मेरे अंदर गुस्से की एक तेज लहर दौड़ गई।
जेसन को आने वाली घटना का अंदाज़ा हो गया था, इसलिए उसने मुझे पकड़ने की कोशिश की, पर बहुत देर हो चुकी थी। मेरे पास सोचने-समझने के लिए बस एक पल का समय था और मैंने मैगी से अपना गुस्सा हटाने की कोशिश की, लेकिन शक्ति के प्रवाह में मैं बह गया और होश खो बैठा।
मेरी आंखों के सामने सब कुछ लाल हो गया। मुझे अपने चेहरे पर सूरज की गर्मी या हल्की हवा का एहसास नहीं हो रहा था। मुझे जेसन की धीमी आवाज़ सुनाई दी, जो मुझे शांत करने के लिए मीठी-मीठी बातें कर रहा था। फिर अचानक मुझे एहसास हुआ कि मैं शांत हो गई हूँ। मैं शांत थी, और मैगी की ड्रेस में आग लगी हुई थी।
एक पल पहले वह यहाँ थी, उसके चेहरे पर सदमे और घृणा का मिलाजुला भाव था, अगले ही पल वह गायब हो गई, शायद आग बुझाने के लिए भाग गई। हमारे आस-पास के कुछ लोगों ने हमें अजीब नज़रों से देखा। हो सकता है उन्होंने आग की एक झलक देखी हो, लेकिन मैगी इतनी तेज़ी से गायब हो गई कि किसी को ज़्यादा चिंता

नहीं हुई। वे शायद आग के बारे में कम और उस औरत के बारे में ज़्यादा सोच रहे थे जो पल भर में गायब हो गई, अपने पीछे जलने की हल्की सी गंध छोड़ गई।
मैगी के साथियों ने मुझे एक जैसी मनोरंजक और शायद थोड़ी-बहुत सम्मानजनक निगाहों से देखा।
"तुम्हें इसका बहुत पछतावा होगा," उस युवा दिखने वाले व्यक्ति ने कहा। मैंने कंधे उचका दिए। "आपको अंदाज़ा भी नहीं है कि मैं यह बात कितनी बार सुनता हूँ।"
इतना कहकर वे दोनों मैगी के पीछे दौड़ पड़े।
“ज़ोई!” जेसन गुस्से से बोला। “तुम्हें अंदाज़ा भी नहीं है कि मैंने तुम्हें उससे बचाने के लिए कितनी मेहनत की। अब तुमने हम सबको खतरे में डाल दिया है।”
मैंने आह भरी, महसूस किया कि मेरा आखिरी गुस्सा भी धीरे-धीरे खत्म हो रहा है। "मैं जोखिम का आदी हूँ," मैंने जवाब दिया। "मैं जोखिम झेल सकता हूँ, लेकिन मैं यहाँ खड़ा होकर किसी अनजान बेवकूफ से, चाहे वो पिशाच हो या नहीं, बेइज्जती नहीं सुनूँगा।"
जेसन मुझे घूर रहा था, मेरी हरकतों या रवैये से हैरान था, मुझे नहीं पता। शायद दोनों ही बातें थीं। लूसी के चेहरे पर भी वैसी ही हैरानी के भाव थे। चेज़ के चेहरे पर बड़ी सी मुस्कान आ गई। कम से कम किसी को तो मैं मनोरंजक लगा?

अध्याय तेरह
कला बाजार की सैर जितनी ही मजेदार वापसी की कार यात्रा भी थी। अगर आपको समझ नहीं आया तो बता दूं, इसमें थोड़ा व्यंग्य छिपा है।
जैसन गाड़ी चला रहा था, मैं बगल वाली सीट पर बैठी थी, लूसी और चेज़ दोनों पीछे बैठे थे। माहौल में तनाव साफ महसूस हो रहा था। लूसी और चेज़ दोनों चुप थे। ऐसा लग रहा था जैसे ये बहस सिर्फ जैसन और मेरे बीच ही हो रही हो।
"हमें घर जाना होगा," जेसन ने अंततः चुप्पी तोड़ते हुए धीरे से कहा।
मैंने जवाब देने से पहले एक पल के लिए उसे घूर कर देखा। उसका जबड़ा कसकर बंद था, मानो वह जितना दिखा रहा था उससे कहीं ज़्यादा भावनाओं को दबा रहा हो। उसकी मुट्ठियाँ स्टीयरिंग व्हील पर दस और दो की मुद्रा में थीं। मैं जानता था कि वह केवल चिंता के कारण ही क्रोधित था, इसलिए मैंने अपना सामान्य चिड़चिड़ापन वाला रवैया नहीं अपनाया।
"हम यहां से नहीं जा सकते, हम यहां एक खास वजह से आए हैं।"
जेसन ने कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन लूसी ने जवाब दिया। "हम ज़ोई को छोड़ सकते हैं। झुंड बनाने में अपनी जान जोखिम में डालना उचित नहीं है।"
मैं उदास होकर अपनी सीट पर बैठ गया। "किसने कहा कि जान जोखिम में डाली जाएगी?"
जेसन ने मेरी तरफ एक नज़र डाली यह देखने के लिए कि क्या मैं सच में गंभीर हूँ। मैंने सड़क की ओर इशारा करके उसे ध्यान देने का संकेत दिया। उसकी प्रतिक्रिया इतनी अच्छी थी कि वह शायद बिना किसी परेशानी के अपना ध्यान बाँट सकता था, लेकिन मैं इस समय उसका ध्यान अपनी ओर नहीं चाहता था।
“जैसे ही हमने यूटा में कदम रखा, हमने अपनी जान जोखिम में डाल दी,” जेसन ने कहना शुरू किया। “हम जानते थे कि आपको चुनौती मिलेगी, हमने बस यही सोचा था कि वो चुनौती वेयरवुल्फ से होगी। अब उनमें से आधे तो आपको मारना ही चाहते हैं, और मैगी भी यही चाहती है।”
मैं जितना चाहूँ उतना डरने का नाटक कर सकती थी। सच कहूँ तो, ज़्यादातर समय यह काम भी कर जाता था। मुझमें डर को तब तक नज़रअंदाज़ करने की अद्भुत क्षमता है जब तक कि मुझे सच में यह विश्वास न हो जाए कि डर है ही नहीं। हालाँकि, मुझे याद दिलाने के लिए बस इतना ही काफ़ी है कि मेरा कोई भरोसेमंद व्यक्ति मुझसे कहे कि मैं पागलपन कर रही हूँ। जेसन यह सब जानता था, और अब

मुझे हकीकत में वापस लाने की बारी उसकी थी। हम मगरमच्छों से घिरे हुए थे, और इसमें ज़्यादातर मेरी ही गलती थी। अब हर कोई हार मानकर घर जाना चाहता था।
अगर हम घर वापस चले जाते, तो हम खतरे में ही रहते। कम से कम वेयरवोल्फ समुदाय का हिस्सा होने से हमारे साथ छेड़छाड़ करने वालों को एक अलग तरह का खतरा तो महसूस होता। किसी डरावनी चीज़ का सामना करना एक बात है, यह जानते हुए कि अगर आप उसे मार देते हैं, तो आपको कोई नुकसान नहीं होगा। लेकिन यह जानना बिल्कुल अलग बात है कि उस डरावनी चीज़ को खत्म करने से बाकी डरावनी चीज़ें आप पर टूट पड़ेंगी। हाँ, हमें झुंड की ज़रूरत थी। मैं अभी अपनी जान जोखिम में डालना ज़्यादा पसंद करूँगा, बजाय इसके कि बाद में हमें हर पल सतर्क रहना पड़े।
मैंने ऐलान किया, "हम नहीं जा सकते।"
“ज़ोए-” जेसन ने बहस करना शुरू कर दिया।
मैंने हाथ उठाया। “नहीं। मुझे पता है मैंने हम सबको बहुत बड़ी मुसीबत में डाल दिया है, लेकिन इससे हमारे यहाँ आने का कारण नहीं बदलता। अगर हम कभी सुरक्षित महसूस करना चाहते हैं तो हमें जोखिम उठाना ही होगा।”
किसी ने कोई जवाब नहीं दिया। मेरे लिए यही सहमति काफी थी। हम सब बाद में बहस कर सकते थे, लेकिन इससे यह तथ्य नहीं बदलता कि हम यहीं रुकेंगे, या कम से कम मैं तो रुक ही रहा था।
हम सराय के पास पहुँचे और गाड़ी खड़ी कर दी। जैसे ही हम प्रवेश द्वार की ओर बढ़े, जेसन ने मुझे रोक लिया।
उन्होंने घोषणा की, "हम एक मिनट में उठ जाएंगे।"
लूसी और चेज़ हिचकिचाए, लेकिन मेरे इशारे पर वे चले गए।
जेसन ने मेरा दूसरा हाथ पकड़ा और मुझे अपनी ओर घुमा लिया। वह तब तक मुझे घूरता रहा जब तक मैंने उससे सीधे आँखें नहीं मिलाईं। मेरा दिल ज़ोर से धड़क रहा था जैसे गले से बाहर निकल आएगा। वह जा रहा था। मुझे पता था। मैंने उसे बहुत तकलीफ दी थी, और आखिरकार वह तंग आ गया था।
उसने अचानक मुझे कसकर गले लगा लिया। "मैं नहीं चाहता कि तुम्हें कुछ हो। तुम्हें इसमें शामिल होने की ज़रूरत नहीं है," उसने मेरे बालों में फुसफुसाते हुए कहा।
मैंने उससे दूरी बनाई और उसे हाथ की दूरी पर रोक लिया। "फिर से कहो?"

उसने मुझे और करीब खींच लिया ताकि वह फुसफुसा सके और मैं उसे सुन सकूँ। “तुम्हारे दोस्त समझ जाएँगे। लूसी, मैक्स और लीला सभी को यहाँ झुंड मिल जाएँगे। उन्हें दूसरे इलाकों में जाना पड़ेगा, लेकिन वे वहाँ सुरक्षित रहेंगे।”
मैंने सिर हिलाया। "अगर मैं उन्हें छोड़ने को तैयार भी हो जाऊं, तो भी झुंड के साथ रहना मेरे लिए बेहतर है।"
उन्होंने मेरे चेहरे के एक तरफ हल्के से स्पर्श किया। "तुम्हें ऐसा क्यों लगता है?"
मैंने अपनी पूरी ताकत से उसकी गंभीर नीली आँखों में देखा। वह बहुत चिंतित लग रहा था। वह बस मेरी रक्षा करना चाहता था और मैं उसे ऐसा करने नहीं दे रही थी। मैं उसे ऐसा करने नहीं दे सकती थी।
“तुम्हें समझ नहीं आ रहा,” मैंने समझाया। “मैं एक अनोखी प्राणी हूँ। तुमने खुद ही कहा था, पिशाच मुझे सिर्फ मेरा खून चखने के लिए मारना चाहते हैं। वेयरवुल्फ मुझे इसलिए मारना चाहते हैं क्योंकि मैं उनके लिए खतरा हूँ। हमें कड़वे अनुभव से पता चला है कि चुड़ैलें मुझे इसलिए मारना चाहती हैं ताकि वे मेरे कुछ अंश चुरा सकें। मेरे पास दानवों का कोई झुंड नहीं है जिसके पास मैं भाग सकूँ। अगर मैं यह नहीं करती, तो मैं अकेली रह जाऊँगी।” जेसन ने सिर हिलाया। “तुम अकेली नहीं हो। मैं दशकों से अकेला रहा हूँ। हम साथ जा सकते हैं। मैं तुम्हारा ख्याल रखूँगा। अगर कोई हमें नहीं ढूँढ पाएगा, तो कोई तुम्हारा पीछा भी नहीं कर पाएगा।”
“और जब मैं बूढ़ा हो जाऊँगा, और तुम नहीं, और तुम मुझे छोड़ दोगी,” मैंने बुदबुदाते हुए कहा। “मैं बिल्कुल अकेला रह जाऊँगा। तब मैं क्या करूँगा? नए रिश्ते बनाऊँगा और फिर से हर पल सतर्क रहूँगा?”
जेसन पूरी तरह से अचंभित दिख रहा था। उसने पूछा, "क्या यही तुम्हारा विचार है?"
मैंने कंधे उचकाए और नीचे देखने लगा। "यही तो तर्कसंगत है।"
जेसन ने मेरी ठोड़ी के नीचे हाथ रखकर मुझे मजबूर किया कि मैं फिर से उसकी आँखों में देखूँ। "तुम्हें एहसास है ना, तुम शायद नश्वर भी न हो?"
मैंने कड़वी मुस्कान दी। थोड़ी सी संभावना थी कि मैं नश्वर नहीं हूँ, लेकिन मैं ऐसा चाहती भी नहीं थी। मैं अपने दोस्तों और परिवार के साथ जीना और मरना चाहती थी। मेरे पिताजी भी इसी थोड़ी सी संभावना की उम्मीद कर रहे

थे। अगर कोई उन्हें न मारे तो वे अमर हो जाएँगे। वे अपनी बेटी को मरते हुए नहीं देखना चाहते। जिन राक्षसों में इंसानी खून की अच्छी-खासी मात्रा होती है, उनका भविष्य अनिश्चित होता है। हममें से कुछ इंसानों की तरह बूढ़े होकर मर जाते हैं, कुछ नहीं।
सच कहूं तो, मुझे पता चलने से पहले ही शायद मेरी मौत हो जाती, इसलिए जब से मुझे उस थोड़ी सी संभावना के बारे में पता चला था, तब से मैंने इस बारे में ज्यादा चिंता नहीं की थी।
मैंने तर्क दिया, "शायद मैं नश्वर हूँ। और वैसे भी इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं सबको छोड़कर नहीं जा रहा हूँ।"
मैंने वहां से जाने की कोशिश की, लेकिन जेसन ने मुझे वापस खींच लिया। “ज़ोई, तुम अब भी मेरी बात नहीं सुन रही हो। इस रास्ते पर चलकर तुम उन सबको ज़रूरत से ज़्यादा खतरे में डाल रही हो। वे खतरे में इसलिए हैं क्योंकि वे तुमसे जुड़े हुए हैं।”
यह सुनकर मैं एकदम सन्न रह गया। मैंने इस बारे में कभी सोचा ही नहीं था। मैं तो सबसे अलग था। अलौकिक शक्तियों वाले समुदाय के लिए तो वेयरवुल्फ तो आम बात थे। मैं ही हम सबको सबसे अलग बनाता था। अलग दिखना अच्छी बात नहीं थी। वह सही कह रहा था। धिक्कार है उसे, वह सही कह रहा था।
मुझे अचानक यह एहसास हुआ। मैंने खुद से पूछा, "मैं उन्हें क्या बताऊंगी?" जेसन के होंठ एक कठोर रेखा में जकड़े हुए थे। “सच यही है। मैं तुम्हें कभी नहीं छोड़ूंगा, ज़ोई। सब ठीक हो जाएगा।”
ठीक उसी क्षण चेज़ दौड़ता हुआ बाहर आया। हमारे चेहरे के भाव देखकर उसकी चाल धीमी हो गई। जेसन ने अपने हाथ नीचे कर लिए और मैंने भी अपने हाथों को समेटकर खुद को गले लगा लिया। महीनों में पहली बार मुझे ठंड लग रही थी। चेज़ ने मेरी तरफ एक नज़र डाली और जेसन की ओर मुड़ गया। "तुमने उससे क्या कहा?" उसने पूछा।
जेसन ने चेज़ को घूरकर देखा। "उसे समझना होगा। यह उसका फैसला है।"
चेज़ जेसन के और करीब खड़ा हो गया, आँखें मिलाते हुए। "भाग जाने का विकल्प?" उसने ठंडे स्वर में पूछा।
“इससे वह सुरक्षित रहेगी,” जेसन ने तर्क दिया।

"यह उसका फैसला है जेसन," चेज़ ने सख्ती से कहा। "इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम इसके बारे में क्या सोचते हैं, या हम उससे क्या अलग करवाना चाहते हैं।"
यह बात जाहिर तौर पर मुझसे पहले ही तय हो चुकी थी। मैं दोनों लड़कों के बीच में घुस गया और चेज़ की तरफ मुंह करके खड़ा हो गया।
मैंने समझाया, "मैं अब सबको खतरे में नहीं डाल सकता।"
चेज़ ने ठंडे लहजे में मेरी तरफ देखा। “वे वैसे भी खतरे में हैं। तुम्हें पता है मैं इस योजना के खिलाफ था, लेकिन शुरुआत में तुम सही थी। इससे सबकी जान बच सकती है। वे तुम्हें भी बचाना चाहते हैं, ज़ोई।”
मैंने कहा, "रुको। क्या सबने मेरे बिना इस बारे में चर्चा कर ली है?"
चेज़ ने जवाब देने से पहले मेरे चेहरे के भावों को ध्यान से पढ़ा। "सभी इस बात से सहमत हैं कि यह सबसे अच्छा फैसला है। ज़ोई की रक्षा करने का जिम्मा सिर्फ़ तुम्हें ही नहीं मिलता। तुम्हारे दोस्त भी तुम्हारी रक्षा करना चाहते हैं।"
मैंने यह नहीं सोचा था कि बाकी सब लोग भी मेरी रक्षा करने की कोशिश करेंगे। सिर्फ मैं ही सबकी देखभाल नहीं कर रहा था।
मेरे मन में एक विचार आया। "एबेल के मन में भी यही विचार आता है।"
जेसन मेरे चारों ओर घूम गया ताकि वह मेरा चेहरा भी देख सके। "क्या?" उसने पूछा।
मैं मुस्कुराया। “एबेल ने मुझे अपनी सुरक्षा देने की पेशकश की है। तकनीकी रूप से मुझे लगता है कि इसका मतलब है कि उसे पिशाचों की समस्या से निपटने में मदद करनी होगी।”
"तुम किस बारे में बात कर रहे हो?" चेज़ ने पूछा।
मैंने समझाया, “एबेल ने पहले मुझे अपनी सुरक्षा की पेशकश की थी, और मैंने उसे स्वीकार कर लिया था। पिशाच सिर्फ मेरे खिलाफ ही नहीं लड़ रहे हैं, वे एबेल के खिलाफ लड़ रहे हैं, और असल में, उन सभी के खिलाफ लड़ रहे हैं जिनका वह नेतृत्व करता है।”
"लेकिन इससे क्या फर्क पड़ता है?" चेज़ ने पूछा। "मैगी चुपके से अंदर आकर तुम्हें जान से मारने की कोशिश कर सकती है और मदद आने से पहले ही भाग सकती है।"

मैंने सिर हिलाया। "भेड़ियों द्वारा पीछा किए जाने पर उसके लिए थोड़ी मुश्किल होने वाली है।"
जेसन ने उम्मीद भरी निगाहों से पूछा, "क्या आपको लगता है कि एबेल ऐसा करेगा?"
मैंने कंधे उचका दिए। “वह चाहता है कि यह योजना सफल हो। वह खुद उसका पीछा नहीं करेगा, लेकिन मैं शर्त लगा सकता हूँ कि वह दूसरों को ऐसा करने का आदेश देगा। मैगी शायद दो बार सोचेगी जब उसे पता चलेगा कि हमसे पंगा लेने का मतलब जनता द्वारा पीछा किया जाना है।”
चेज़ मुस्कुराया। जेसन मुस्कुराया। एक-दूसरे की रक्षा क्यों करें, जब कोई और हमारे लिए यह सब कर सकता है?

अध्याय चौदह
जब हम होटल के कमरे में वापस आए, तो एलिसन, लीला और मैक्स अभी भी वेयरवोल्फ से जुड़ी गतिविधियाँ कर रहे थे, और मेरे पिताजी हमारा इंतजार कर रहे थे। जब मैं बेडरूम में दाखिल हुई तो उसने जो भौंहें उठाईं, उस पर मैंने बस कंधे उचका दिए।
“क्या तुम्हें वाकई पिशाच को आग लगाना जरूरी था?” उसने सवाल किया।
"उसे यही मिलना चाहिए था," मैंने बुदबुदाते हुए जवाब दिया, यह जानकर आश्चर्य हुआ कि वह पहले से ही जानता था।
मेरे पिताजी हल्के से हँसे और अपने सुनहरे बालों को चेहरे से हटाया, जो देखने में बिल्कुल मेरे जैसे ही थे। “हम इसी वजह से तुम्हारे नियंत्रण पर काम कर रहे हैं,” उन्होंने उपदेश देते हुए कहा। “क्या तुम व्यायाम कर रहे हो?”
मेरे पिताजी ने मुझे ध्यान करना सिखाया था ताकि जब मैं अपना आपा खोने वाला होता था तो मैं खुद को शांत कर सकूँ। वे मुझे लगातार ध्यान का अभ्यास करवाते थे, उनका कहना था कि जब यह मेरी आदत बन जाएगी, तो मैं इसे अपने आप करने लगूँगा और फिर कभी अपना आपा नहीं खोऊँगा।
मैंने जवाब दिया, "मैं थोड़ा व्यस्त था।"
मेरी बात अनसुनी करते हुए, मेरे पिताजी ने अपना ध्यान चेज़ की ओर मोड़ा, जो अभी भी मेरे पीछे दरवाजे के पास खड़ा था। “चेज़?” मेरे पिताजी ने पूछा। “कृपया ध्यान रखना कि वह हर दिन अपनी कसरत करे।”
चेज़ मेरी ज़्यादातर कक्षाओं में बैठा रहता था, हालाँकि उसकी राक्षसी शक्तियाँ मेरी शक्तियों से बिलकुल अलग थीं। उसे बस किसी कारणवश देखना अच्छा लगता था।
चेज़ ने मुंह बनाया। "मैं कोशिश करूंगा।"
मेरे पिताजी ने हाथ उठाया और मैं समझ गया कि वो हम पर गुस्सा करने वाले हैं। "रुको!" मैंने कहा।
उसने अपना हाथ वापस नीचे कर लिया।
“मेरे दो सवाल हैं। पहला, एबेल ने मेरे बारे में कुछ ऐसा कहा कि मुझे अपने राक्षसी इतिहास की पूरी जानकारी नहीं है। दूसरा, एबेल ने मुझे अपनी

सुरक्षा की पेशकश की, और मुझे वास्तव में नहीं पता कि इसका पूरा अर्थ क्या है।”
मेरे पिताजी ने फिर से अपनी भौंहें उठाईं। “पहली बात तो यह है कि एलेक्जेंड्रा, इनमें से कोई भी असल सवाल नहीं है। दूसरी बात, मुझे एबेल के प्रस्ताव पर हैरानी हुई है, लेकिन अगर तुम थोड़ा सा स्वाभिमान त्यागने को तैयार हो तो यह तुम्हारे लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है।”
मैंने मुस्कुराते हुए कहा, "ठीक है, मैंने इसे पहले ही स्वीकार कर लिया है, तो मुझे इसके फायदे बताओ।"
मेरे पिताजी ने भी मुस्कुराकर जवाब दिया, उनका चेहरा बिल्कुल मेरे चेहरे की तरह था। यह वाकई आश्चर्यजनक है कि हम दोनों में कितनी शारीरिक समानताएं हैं।
“ठीक है,” उसने समझाया। “पहला फायदा मुझे मिलता है। मैं तुम्हारे लिए अतिरिक्त सुरक्षा का इंतजाम करने वाला था, लेकिन अब एबेल को यह करना पड़ेगा। बाकी फायदे तुम्हें मिलते हैं। एक बार जब तुम सार्वजनिक रूप से अपने ऊपर एबेल का अधिकार घोषित कर दोगी, तो तुम्हारे साथ जो भी होगा, उसे एबेल की गलती माना जाएगा। अगर तुम्हें चोट लगती है, तो यह एबेल की कमजोरी मानी जाएगी, तुम्हारी नहीं। एक नेता कमजोर दिखना नहीं चाहता।”
“तो,” मैंने अपने दिमाग में बातों को जोड़ने की कोशिश करते हुए कहना शुरू किया। “मुझे इससे बहुत फायदा होगा, और उसे बहुत नुकसान होगा। तो फिर वह यह पेशकश क्यों करेगा?”
मेरे पिताजी बिस्तर पर वापस बैठ गए और समझाने लगे, “एक कारण यह हो सकता है कि इससे झुंड बनाने की आपकी संभावनाएँ बहुत बढ़ जाएँगी। अगर दूसरे भेड़िये आपको अपने नेता के सामने डरा हुआ देखेंगे, तो वे आपको उतना बड़ा खतरा नहीं समझेंगे। आप उनके नियंत्रण में आ जाएँगे। फिर भी, यह उसके लिए एक बड़ा जोखिम है, जिसका मतलब है कि वह आपको वेयरवोल्फ कानून के तहत बहुत बुरी तरह से चाहता है।”
मैंने कंधे उचका दिए। "उसने मुझसे कहा कि वह अपने भेड़ियों के गुट से जुड़े राक्षसों को चाहता है ताकि वे दूसरे गुटों से ज़्यादा डरावने हों। जहाँ राक्षसों का दखल होता है, वहाँ लोग ज़्यादा सतर्क हो जाते हैं।"

मेरे पिताजी ने सोचते हुए अपनी उंगलियां आपस में जोड़ लीं। “ज़ोई, तुमने बहुत सही बात कही। तो या तो वह एक बहुत अच्छा नेता है, जो अपने लोगों की निरंतर सुरक्षा के लिए बहुत बड़ा जोखिम उठा रहा है, या फिर...”
“या फिर…” मैंने पूछा।
"या फिर वह कुछ और चाहता है," उसने बात खत्म की।
मेरे पिताजी ने बड़े ही सलीके से कंधे उचकाए। “मैं पता लगाने की पूरी कोशिश करूंगा, लेकिन बात यह है कि आप पहले ही सहमत हो चुके हैं। प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, इसलिए हमें बस इस स्थिति का सर्वोत्तम लाभ उठाना चाहिए।” इतना कहते ही मेरे पिताजी ने चुटकी बजाई और आग की एक तेज़ लपट और धुएं के गुबार के साथ गायब हो गए। मुझे एहसास हुआ कि उन्होंने राक्षसों के इतिहास के बारे में मेरे सवाल का जवाब नहीं दिया था। मुझे पूरा यकीन था कि वे यह नहीं भूले थे कि मैंने उनसे यह सवाल पूछा था।
चेज़ धीरे-धीरे मेरे और करीब आया। "चलें?" उसने हाथ हिलाते हुए कहा। मैंने उसे संदेह भरी नजरों से देखा।
चेज़ ने "मेरा इरादा किसी को नुकसान पहुंचाने का नहीं है" का इशारा करते हुए हाथ ऊपर उठाए। "सबक? मुझे तो अभी-अभी तुम्हारी पढ़ाई में अरुचि के लिए अच्छी खासी डांट पड़ी है।"
“अभी?” मैंने आह भरी, फिर मदद के लिए जेसन की तरफ देखा।
जेसन ने कंधे उचकाए, ऐसा लग रहा था जैसे वह बहुत सारी चीजों के बारे में बहुत ज्यादा सोच रहा हो। "मेरा मानना है कि आपको जितना हो सके उतना अभ्यास करना चाहिए।"
मैंने अपने प्यारे प्रेमी को ऐसी घूरती निगाहों से देखा, जो मुझे लगा कि सचमुच बहुत डरावनी होंगी।
जेसन ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, "क्या मैं गलत हूँ?"
नहीं, वह गलत नहीं था। फिर भी मैंने अपनी तीखी निगाहें बरकरार रखीं। मैं चेज़ के साथ दूसरे कमरे में जाने के लिए मुड़ी ही थी कि जेसन के इशारे ने मुझे रोक दिया। मैंने चेज़ को आगे बढ़ने का इशारा किया और जेसन को देखने के लिए वापस आ गई।
जेसन ने उदास चेहरे के साथ नीचे देखा। "मैं मैगी को बहुत लंबे समय से जानता हूं," उसने स्वीकार किया।
“और?” मैंने सवाल किया, मुझे इसमें कोई मतलब नहीं दिख रहा था।

जेसन बिस्तर पर बैठ गया और मुझे भी खींचकर अपने बगल में बैठा लिया।
“मैं अपने समलैंगिक बनने के कुछ समय बाद ही मैगी से मिला,” उसने कहना शुरू किया। मैं तुरंत घबरा गया। जेसन कभी अपने अतीत के बारे में बात नहीं करता था। “हम काफी समय तक साथ रहे,” उसने आगे कहा।
मैंने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। "मतलब, साथ में?" मैंने थोड़ा हैरान होते हुए पूछा।
मतलब, मुझे अंदाज़ा था कि जेसन का अतीत रहा होगा, लेकिन मैंने उस पहलू के बारे में ज़्यादा जानने की कोशिश कभी नहीं की थी। सिर्फ़ इसलिए कि वह मेरा पहला सच्चा बॉयफ्रेंड था, इसका मतलब यह नहीं था कि मैं उसकी पहली गर्लफ्रेंड थी। मुझे घिन आ रही थी, और मुझे इस बात से नफ़रत थी कि मुझे ऐसा महसूस हो रहा था। अतीत तो अतीत होता है। हाँ, मेरे पेट में उबल रहे गुस्से के छोटे से गड्ढे को ये बात बताओ।
“हाँ, साथ में,” उसने स्वीकार किया। “लेकिन मैं उससे वैसे प्यार नहीं करता था, जैसे तुमसे करता हूँ,” उसने तुरंत जोड़ा।
क्या लड़के अपने पुराने रिश्तों के बारे में अपने मौजूदा रिश्ते से यही नहीं कहते? तुम अलग हो, खास हो। मुझे बहुत गुस्सा आया। मेरी प्रतिक्रिया कितनी बेवकूफी भरी थी। ये तो सालों पहले की बात है, सच में सालों पहले की। हम दस अंकों की बात कर रहे हैं।
जब मैंने कुछ नहीं कहा, तो जेसन ने आगे कहा, "वह उस समय बूढ़ी थीं, मुझे ठीक से नहीं पता कि कितनी उम्र की थीं, वह मुझे कभी बताती भी नहीं थीं। वह मुझसे कहीं ज्यादा मजबूत थीं।"
मैं बगल वाले कमरे में जाने के लिए खड़ा हुआ। मुझे यह सब सुनने की ज़रूरत नहीं थी।
“ज़ोई?” जेसन ने मेरे पीछे से पूछा।
मैं थोड़ा मुड़कर उसकी ओर देखने लगी। मैंने उसे आश्वस्त करते हुए कहा, "मैं पागल नहीं हूँ। मुझे बस थोड़ा समय चाहिए... इस बात को समझने के लिए।" मैंने उसके सिर हिलाने का इंतज़ार किया, फिर जल्दी से लड़कियों के कमरे में घुस गई। चेज़ और लूसी, लूसी के बिस्तर के पास बैठकर बाकी कार्यक्रमों की सूची देख रहे थे।
चेज़ ने मेरी ओर देखते हुए पूछा, "सब ठीक है?"

मैंने उदास भाव से सिर हिलाया और लूसी के दूसरी तरफ बैठ गई। "मुझे लगता है तुमने सुन लिया?" मैंने उससे पूछा।
उसने सिर हिलाया। "माफ़ करना ज़ोई।"
मैंने कंधे उचकाए और चेज़ की ओर मुड़ा। "क्या तुम अब भी मेरे साथ इस पाठ को दोहराने के लिए तैयार हो?"
चेज़ हिचकिचाया। "तो हम यहीं रुकेंगे, है ना? हम इस पैक वाली बात को पूरा करेंगे?"
मेरे जवाब देने से पहले ही लूसी चौंक उठी। "लेकिन ज़ोई," उसने कहना शुरू किया।
मैंने शांत भाव से हाथ हिलाते हुए कहा, "लूसी, अब और कोई चर्चा नहीं होगी, हम यहीं रुकेंगे। वैसे मुझे याद आया, हमें एबेल को संदेश भेजना है।"
“पाठ के बाद,” चेज़ ने बीच में ही टोकते हुए कहा। “मुझे एक और व्याख्यान नहीं चाहिए।”
मैंने उसे घूरकर देखा। मुझे अपनी पढ़ाई बिल्कुल पसंद नहीं है। ये बुरी नहीं हैं, बस उबाऊ हैं।
मैंने चिड़चिड़ाते हुए जवाब दिया, "ठीक है," जिससे चेज़ के चेहरे पर राहत भरी मुस्कान आ गई।
लूसी कुछ देर तक हमारे बीच अजीब तरह से बैठी रही, फिर उसने पूछा, "क्या मैं देख सकती हूँ?"
मैंने कंधे उचकाते हुए कहा, "ज़रूर।"
चेज़ और मैं पालथी मारकर ज़मीन पर बैठ गए, एक-दूसरे के सामने, घुटने लगभग छू रहे थे। आमतौर पर मैं और मेरे पिताजी इसी तरह बैठते थे जबकि चेज़ एक तरफ बैठता था।
जब उसने ठीक उसी तरह पाठ को दोहराना शुरू किया जैसे मेरे पिताजी ने किया था, तो मुझे आश्चर्य नहीं हुआ... वह कई पाठों में उपस्थित रह चुका था। "अपने हाथ आगे करो," चेज़ ने निर्देश दिया।
मैंने अपने दोनों हाथ हथेलियाँ ऊपर की ओर करके फैला दिए। चेज़ ने अपना हाथ मेरी दाहिनी हथेली पर नीचे की ओर रखा। उसका हाथ सूखा और मेरे हाथ से थोड़ा ठंडा था। उसने मुझे सिर हिलाकर इशारा किया कि मैं अपने दूसरे हाथ में आग जलाऊँ। किसी के एक हाथ को छूने से मुझे दूसरे हाथ में एक अकेली लौ जलाने पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिली, मुझसे मत पूछो क्यों। शायद स्वाभाविक

रूप से मैंने उन्हें जलने से बचाने की कोशिश की, हालाँकि चेज़ को वैसे भी जलने का कोई खतरा नहीं था। फिर भी मैं उसके कपड़ों में आग लगा सकती थी। मैंने अपनी आँखें बंद कर लीं और ध्यान केंद्रित किया। मुझे महसूस हुआ कि लूसी चुपचाप बिस्तर पर बैठी है। मैंने अपनी हथेली पर ध्यान लगाया। मुझे वही ऊर्जा का प्रवाह महसूस हुआ जो मुझे लौ जलाने से पहले हमेशा महसूस होता है। मैंने एक मिनट तक अपनी आँखें बंद रखीं और उस ऊर्जा को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित किया।
"उम ज़ो..." पीछा शुरू हुआ।
उसकी आवाज़ में चिंता महसूस करते हुए मैंने अपनी आँखें खोलीं। मैंने लौ तो जला ली थी, लेकिन वो... बहुत बड़ी थी। उसका रंग भी गहरा लाल था, जबकि मेरी लौ आमतौर पर नारंगी रंग की होती है। मैं हैरानी से लौ को देखती रही। वो अविश्वसनीय रूप से अजीब थी... फिर भी खूबसूरत थी। मैंने पहले कभी इस रंग की आग नहीं देखी थी।
मैंने अपना खाली हाथ चेज़ से दूर कर लिया। मेरी अंगूठी का पत्थर अजीबोगरीब, अप्राकृतिक रोशनी से चमक रहा था। "अब तुम्हें दिख रहा है?" मैंने चेज़ से पूछा और उसे दिखाने के लिए अपनी अंगूठी आगे बढ़ा दी। “हम्म,” उसने घबराते हुए कहा।
मुझे न जाने क्यों घबराहट नहीं हो रही थी। मैं शांत महसूस कर रहा था, हालांकि थोड़ा विस्मय भी था। मैंने आग पकड़े हुए हाथ को बंद किया और वह गायब हो गई। उसके पीछे धुआं नहीं था, जैसा कि आमतौर पर होता था।
लूसी मेरे बगल में घुटनों के बल बैठ गई। "मेरा मतलब है कि ऐसा आमतौर पर नहीं होता है?"
अचानक बगल वाले कमरे से ज़ोरदार आवाज़ आई। हम सब तुरंत दूसरे कमरे की ओर भागे। लूसी सबसे पहले वहाँ पहुँची और दरवाज़ा ज़ोर से खोलकर अंदर घुस गई। पिशाच वापस आ गए थे, और अपने साथ दोस्त भी लाए थे। मैगी ने एक नई ड्रेस पहनी थी, हल्के गुलाबी रंग की, जिस पर छोटे-छोटे फूल बने थे... छी!
मुझे देखकर उसने कहा, "तुम यहाँ हो।"
जेसन को उसके उन साथियों ने रोक रखा था जिनसे हम पहले मिल चुके थे, जबकि सफ़ेद बालों वाली एक बुज़ुर्ग महिला और एक और महिला जो मैगी जैसी दिखती थी, पहरा दे रही थीं। मैगी की हमशक्ल ने बिल्कुल मैगी जैसी ड्रेस पहनी थी, बस रंग हल्का नीला था। घिनौना!

“मैगी नहीं!” जेसन चिल्लाया और अपने अपहरणकर्ताओं पर लात मारी, जब वह मेरी ओर दौड़ी।
मेरे पास पहुँचने से पहले ही लूसी ने उसे धक्का देकर गिरा दिया। मैगी ने लूसी को ऐसे दीवार पर पटक दिया जैसे उसका कोई वज़न ही न हो। मैगी ने लूसी का गला अपने हाथ से दबा दिया। मैं सदमे में देखता रहा जब लूसी साँस लेने के लिए छटपटाने लगी, और उसके हाथ मैगी के गले पर जकड़े हाथों को नोच रहे थे। चेज़ और मैंने एक साथ मैगी को पकड़ा और उसे लूसी से अलग कर दिया। इससे पहले कि मैं देख पाता कि लूसी साँस ले रही है या नहीं, मैगी ने मुझ पर हमला किया और गुस्से से चेहरा बिगाड़कर मुझे ज़मीन पर पटक दिया। वह उस प्यारी, दुबली- पतली औरत जैसी बिल्कुल नहीं लग रही थी जिसे मैंने पहले देखा था। उसने मेरा गला उसी तरह पकड़ लिया जैसे लूसी का पकड़ा था, बस फर्क इतना था कि वह मुझे नीचे दबाए रखने के लिए मेरे ऊपर बैठ गई थी।
चेज़ वहीं था, मुझे उससे अलग करने ही वाला था कि तभी वह मैगी जैसी दिखने वाली लड़की को अपने ऊपर लेकर पलक झपकते ही गायब हो गया।
मेरी नज़र धुंधली होती जा रही थी। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं कैसे मुकाबला करूँ। मैंने अपने बाएँ हाथ से कुछ महसूस किया और कमज़ोरी से अपने हाथ हिलाने लगी। मैंने कमरे में रखी भारी-भरकम बाइबिल को अपनी उंगलियों से पकड़ लिया। मुझे नहीं पता था कि इसे दराज से किसने निकाला था, लेकिन मैं शुक्रगुजार थी। अचानक मेरे मन में एक अजीब सा ख्याल आया कि यह किसी तरह से विडंबनापूर्ण है, और मैंने बाइबिल को ऊपर उठाकर मैगी की नाक पर ज़ोर से मारा, जिससे एक भयानक आवाज़ हुई।
वह पीछे गिर पड़ी, मेरे गले पर उसकी पकड़ छूट गई और अचानक जेसन वहाँ आ गया। उसने मैगी को धड़ से पकड़ा और उसे ऐसे दीवार पर पटक दिया जैसे उसका कोई वज़न ही न हो। उसके टकराने से दीवार हिल गई।
मेरी इंद्रियां धीरे-धीरे वापस आने लगीं और मुझे चारों ओर अफरा-तफरी दिखाई देने लगी। दूसरे कमरों में मौजूद भेड़ियों ने ज़रूर यह सब सुना होगा, लेकिन कोई भी हमारी मदद के लिए नहीं दौड़ा। मैगी मेरी तरफ दौड़ती हुई आई, उसकी नाक से लगातार खून टपक रहा था। मैं उसकी पहुँच से बचने के लिए पीछे हट गया, लेकिन कुछ ही पलों में वह मुझ पर टूट पड़ी। वह जेसन से भी तेज़ थी, उन सभी चीज़ों से तेज़ जिनका सामना मैंने अभी तक किया था।

मरने वाला है। उन्हें इस सच्चाई का एहसास होने दीजिए और फिर उनसे पूछिए कि क्या वे किसी की मौत की कामना करने में सक्षम हैं?
जलते हुए मांस की तीखी गंध कमरे में फैल गई, फिर मैगी के खिड़की से कूदकर बाहर निकलने पर वह गंध मंद पड़ गई। खिड़की पिशाचों के प्रवेश से पहले ही टूट चुकी थी। वह मरेगी नहीं। वह एक पिशाच थी, एक बहुत पुरानी पिशाच। वह कुछ ही घंटों में मामूली घावों को ठीक कर लेगी। अफसोस!
जैसे ही मैंने पीछे मुड़कर देखा, एबेल ने उस बुज़ुर्ग महिला की गर्दन तोड़ दी। मैं सिहर उठा और सोचने लगा कि काश मैंने इतनी जल्दी पीछे मुड़कर न देखा होता। एबेल ने मुझे सम्मान भरी नज़रों से देखा। आजकल मुझे अक्सर ऐसी ही नज़रें देखने को मिल रही थीं। लगता है कि अलौकिक शक्तियाँ तभी आपका सम्मान करती हैं जब आप उन्हें मुक्का मारते हैं या आग लगा देते हैं, हालाँकि मुझे पूरा शक है कि उस समय मैगी के मन में सम्मान जैसी कोई भावना थी।
मैगी के बाकी दो साथी भाग गए थे। वाकई, कैसे दोस्त थे वो! मुझे ठीक से पता नहीं कि वे कब गए, शायद तब गए होंगे जब उन्हें एहसास हुआ होगा कि हम उनकी सोच से कहीं ज़्यादा डटकर मुकाबला कर रहे हैं।
लूसी पलकें झपका रही थी और उलझन में दिख रही थी, मानो उसे अभी-अभी होश आया हो। गले पर चोट के निशान होने के बावजूद वह ठीक लग रही थी। जेसन को ज़्यादा चोट नहीं आई थी, कमाल की बात है। या तो पिशाच अपने ही लोगों को चोट पहुँचाना पसंद नहीं करते, या फिर इतने सालों बाद भी मैगी के दिल में जेसन के लिए नरमी थी और उसने उसे चोट न पहुँचाने का आदेश दिया था। मेरा मानना है कि दूसरा वाला ही सही है।
मैं चेज़ के पास छिप गया, जो अभी भी दूसरी मैगी के पास छिपा हुआ था। उसके कंधे से खून बह रहा था। ऐसा लग रहा था जैसे उस औरत ने उसे काट लिया हो और मांस का एक टुकड़ा नोच डाला हो। उसकी कमीज़ फटी हुई थी और बहुत ज़्यादा खून से सनी हुई थी। खून टपक कर कालीन को दागदार बना रहा था।
मैंने घाव को छूने के लिए हाथ बढ़ाया, लेकिन छूने से पहले ही हाथ नीचे कर लिया। चेज़ ने मेरी आँखों में देखा, उसके चेहरे पर दर्द साफ झलक रहा था। "सब ठीक है," उसने कांपती हुई आवाज़ में कहा।
मुझे गहरा सदमा लगा और मैं नीचे देखने लगी, मुझे लगा कि वह मैगी की जुड़वां बहन है। खैर, वह उसकी बहन ही थी। अरे बाप रे, बहनें पिशाच बन गईं? उसकी गर्दन के किनारे पर दो छोटे-छोटे छेद के निशान थे। गहरे पीले और हरे रंग की

धारियाँ उसकी त्वचा के नीचे फैली हुई थीं, जो काटने के निशान से निकलकर उसकी बेदाग गर्दन के रंग को धब्बेदार बना रही थीं।
मैंने चेज़ की ओर मुड़कर देखा और उसने हल्की सी मुस्कान दी। मैंने भी मुस्कुरा दिया, मुझसे मत पूछो क्यों। चेज़ आधा नाग है। वह ज़हरीला है। मैं यह छोटी सी बात भूल गई थी। मुझे नहीं लगता कि मैं इसे दोबारा भूल पाऊंगी। मैंने उससे पूछा, "क्या तुम खड़े हो सकते हो?"
उसने सिर हिलाना शुरू किया, लेकिन फिर दर्द से कराहते हुए रुक गया। वह एक दानव था, वह ठीक हो जाएगा, लेकिन फिर भी उसे दर्द हो रहा था।
मैंने उसका हाथ पकड़ा और उसे खड़े होने में मदद की। जेसन और लूसी दोनों हमें घूर रहे थे। जेसन के चेहरे पर पीड़ा का भाव था, वह हर चीज़ के लिए खुद को दोषी मान रहा था, जैसा कि वह अक्सर करता था।
सांवली त्वचा होने के बावजूद लूसी का चेहरा पीला पड़ गया था। वह कुछ बुदबुदाते हुए दरवाजे की ओर मुड़ी कि इस झंझट से दूर चली जाए, लेकिन मैंने उसका हाथ पकड़कर उसे रोक दिया। मुझे इस बात पर बहुत शक था कि मैगी बाहर इंतज़ार कर रही होगी, लेकिन लूसी को पहले भी एक बार हमसे चुराया जा चुका था, मैं दोबारा ऐसा होने का जोखिम नहीं उठाना चाहती थी।
लूसी मेरी हथेली को ऐसे घूर रही थी जैसे वह कोई अनजानी चीज हो, और मैंने धीरे से उसे पीछे खींच लिया। मैंने अपनी हथेली को नीचे देखा और सोचने लगी कि कहीं उसमें कुछ गड़बड़ तो नहीं है।
“आप अभी इतने शांत कैसे हैं?” उसने पूछा।
मैंने कंधे उचका दिए। हैरानी की बात है कि मुझे शांति महसूस हो रही थी। एक सीमा तक ही आप सब कुछ सहन कर सकते हैं, उसके बाद आप चीजों को अलग-अलग हिस्सों में बांटना शुरू कर देते हैं। मैं सोचने लगा कि क्या यह सब अचानक मुझ पर हावी हो जाएगा।
लूसी ने सिर हिलाया। “ज़ो, तुम्हारे चेहरे के हाव-भाव देखकर लगता है कि तुम उसे जान से मार देना चाहती थी। उसने,” उसने चेज़ की ओर इशारा करते हुए कहा, “उस औरत को मार डाला। वह अभी ज़मीन पर मृत पड़ी है। क्या तुम्हें यह एहसास नहीं हो रहा कि ज़मीन पर लाशें पड़ी हैं?”
मुझे लगता है कि लूसी लड़ाई के दौरान मेरी सोच से कहीं ज्यादा समय तक होश में थी।

"लूसी," जेसन ने आने वाले झगड़े को रोकने की कोशिश करते हुए कहना शुरू किया।
मैंने अपना सिर हिलाया और उसे रुकने का इशारा करते हुए हाथ उठाया। "उसने तुम्हें जान से मारने की कोशिश की। वह चेज़ को भी चोट पहुँचा सकती थी।" लूसी ने ऐसे आंखें सिकोड़ीं जैसे उसे कुछ समझ नहीं आया हो, फिर चिल्लाई, "किसी को मरने की ज़रूरत नहीं थी!"
“हम तो मर ही जाते!” मैंने गुस्से में चिल्लाकर जवाब दिया। “लूसी, तुम्हें यह बात समझ में क्यों नहीं आ रही?”
आखिरकार जेसन ने बीच में दखल दिया। वह मेरे और लूसी के बीच आकर खड़ा हो गया। चेज़ दीवार से टिका रहा, खून बह रहा था और उसे समझ नहीं आ रहा था कि क्या करे।
मैंने जेसन के दर्द से भरे चेहरे की ओर देखा। उसने मैगी को जान से मारने की मेरी इच्छा या उसकी बहन की मौत के लिए मुझे दोषी ठहराने की कोशिश नहीं की। वह बस वहीं दुखी भाव से खड़ा था।
मैंने जेसन को दिलासा देने के लिए मुस्कुराने की कोशिश की, और उसने भी ज़बरदस्ती मुस्कुराकर जवाब दिया। क्या उसने मैगी की जुड़वां बहन की परवाह की थी? वह मैगी के साथ सालों से था, इसलिए ज़ाहिर है कि वह उसे जानता होगा। इस समय मेरे लिए यह सब संभालना थोड़ा मुश्किल था।
मैं जेसन और लूसी के पास से गुज़रते हुए चेज़ को बाथरूम की ओर ले गई ताकि उसके घाव को साफ़ कर सकूँ। मैंने एबेल पर एक नज़र डाली। बुज़ुर्ग महिला उसके पैरों के पास गिरी पड़ी थी, लेकिन उसे ज़रा भी परवाह नहीं थी। मैंने अपना सिर हिलाया और चलती रही।
मैंने दरवाज़ा खुला छोड़ दिया और चेज़ को सिंक के किनारे बिठा दिया। बिना कुछ कहे, मैंने उसकी खून से सनी कमीज़ पकड़ी और उसमें जो चीरा लगा था उसे पूरा किया। मैंने कमीज़ को उसकी बांह से पूरी तरह फाड़ दिया ताकि मैं उसे उसके बाकी शरीर से ऊपर उठा सकूँ और उसे बस अपना सही कंधा हिलाना पड़े। खून से सने उस कपड़े का क्या करूं, यह समझ न आने पर मैंने उसे बाथरूम के छोटे कूड़ेदान में ठूंस दिया। चेज़ मेरी हर हरकत को ऐसे देख रहा था मानो उसने पूरी घटना को याद कर लिया हो।
अचानक असहज महसूस करते हुए, मैं सिंक की ओर मुड़ी और एक कपड़ा गीला किया।
मैंने पहले कभी किसी घाव को साफ नहीं किया था, इसलिए मैंने कटे हुए मांस के

आसपास की खून से सनी त्वचा से शुरुआत करने का फैसला किया। उसका खून बहना लगभग बंद हो चुका था, इसलिए मुझे बस वही खून साफ करना था जो उसकी कमीज़ और जींस में नहीं समाया था। मैंने घाव के आसपास की त्वचा को थपथपाया और फिर से जींस पर नज़र डाली। जींस खून से सनी ही रह सकती थी, मेरे आस-पास रहते हुए उसे उतारने का कोई सवाल ही नहीं था।
"क्या तुम्हारे चेहरे पर लगा वो खून तुम्हारा ही है?" चेज़ ने पूछा।
ओह, मैगी का खून अभी भी मेरे चेहरे पर लगा हुआ था। मैंने झटपट एक और तौलिया उठाया और शीशे में देखकर अपना चेहरा रगड़ने लगी।
“यह मेरा खून नहीं है,” मैंने जवाब दिया। अचानक मेरे मन में एक भयानक विचार आया। “मुझे पिशाच के खून से कुछ नहीं हो सकता, है ना? मतलब, कुछ बुरा नहीं हो सकता?”
चेज़ ने मुझे एक अजीब सी मुस्कान दी। “खैर, जहाँ तक मुझे पता है, पिशाचों में खून से फैलने वाली बीमारियाँ नहीं होतीं। अगर होती भी, तो शायद तुम्हें कोई बीमारी नहीं होती, क्योंकि तुम्हारा खून इंसानों के खून से बहुत अलग है। साथ ही, दानव पिशाच नहीं बन सकते, भले ही नाक में थोड़ा सा पिशाच का खून चला जाए तो कोई पिशाच बन सकता है। मुझे लगता है तुम ठीक रहोगे।”
मुझे यह सवाल पूछने पर थोड़ा अजीब सा महसूस होने लगा, लेकिन खैर, मुझे इन सब बातों के बारे में कुछ भी पता नहीं था, तो अब पता चल गया।
चेज़ अब भी मुझे घूर रहा था। मैंने खून से सना तौलिया नीचे रख दिया और उसके घाव को फिर से देखा। "मैं प्राथमिक चिकित्सा किट लाता हूँ," मैंने घबराते हुए कहा।
मैं कभी अपने साथ प्राथमिक चिकित्सा किट नहीं रखता था, लेकिन मुझे पता था कि किसी न किसी समय हमें इसकी जरूरत पड़ेगी... सोचो तो सही।
जब मैं बेडरूम में दाखिल हुई, तो जेसन अपने हाथों से चेहरा ढके बिस्तर के किनारे बैठा था। लूसी चुपचाप उसके बगल में बैठी थी, मेरी तरफ देखने से इनकार कर रही थी। एबेल अपने मोबाइल फोन पर किसी से धीरे-धीरे कुछ बुदबुदा रहा था।
जब जेसन को एहसास हुआ कि मैं कमरे में आ गई हूँ, तो उसने ऊपर देखा। "ज़ोई, मुझे बहुत अफ़सोस है-" उसने कहना शुरू किया।
मैंने हल्की सी मुस्कान दी। "बाद में, ठीक है?"

उसने सिर हिलाया और फिर नीचे उस बुजुर्ग महिला के शरीर की ओर देखा जो अभी भी वहीं पड़ा था जहाँ एबेल उसे छोड़कर गया था। मैं यह काम किसी और पर छोड़ रहा था। मैं शवों को छिपाने का काम नहीं करता था। शायद एबेल यह कर दे। उसने पहले भी हमारे लिए यह किया था।
मुझे एहसास हुआ कि मेरे हाथों पर अभी भी चेज़ का खून लगा हुआ है। उसे बाथरूम में ले जाने में मदद करते समय मेरे कपड़ों पर भी थोड़ा खून लग गया था। मैंने अपने हाथों को अपनी जींस से पोंछा, फिर अपने सूटकेस में सामान ढूंढने लगी। मुझे सबसे नीचे फर्स्ट एड किट मिली और मैं बाथरूम में वापस जाने के लिए खड़ी हो गई।
“क्या चेज़ ठीक है?” जेसन ने कमजोर स्वर में पूछा।
मैंने सिर हिलाया। “वह ठीक है। हम सब ठीक रहेंगे।”
मैं बिना कुछ कहे बाथरूम में वापस चला गया।
चेज़ खड़ा था और आईने में अपने घाव को देख रहा था। वह पीला नहीं दिख रहा था और होश में लग रहा था, इसलिए मैंने मान लिया कि उसका बहुत ज़्यादा खून नहीं बहा था। दानव भले ही मज़बूत हों, लेकिन खून बहने से उनकी भी मौत हो सकती है, जैसे किसी और की।
मैंने उसे धीरे से धक्का देकर वापस बैठने को कहा। "इससे छेड़छाड़ करना बंद करो," मैंने उसे उपदेश दिया।
चेज़ मुस्कुराया, लेकिन जैसे ही मैंने रुई के गोले को रबिंग अल्कोहल में भिगोया, उसकी मुस्कान तुरंत गायब हो गई। "बिल्कुल नहीं!" वह चिल्लाया। मैंने अपना खाली हाथ उसके सही कंधे पर रखा और उसकी आँखों में देखा। “बस करो,” मैंने उसे दिलासा दिया। “अच्छे बच्चे बनो और बाद में तुम्हें एक लॉलीपॉप मिलेगी।”
उन्होंने तर्क दिया, "यह ठीक हो जाएगा।"
मैंने उसकी बात अनसुनी कर दी और रुई से उसके घाव पर हल्के-हल्के लगाने लगी। उसने उसे बुरी तरह घायल कर दिया था। उसकी घाव भरने की क्षमता बढ़ने के बावजूद भी ठीक होने में समय लगेगा। बहुत सारा मांस गायब हो चुका था। शुरुआती दर्द से चेज़ ने राहत की सांस ली, लेकिन आगे कोई शिकायत नहीं की।
जब मैंने ज़ख्म पर ध्यान केंद्रित करना शुरू किया, तब मुझे एहसास हुआ कि हाँ, मैं किसी के कंधे में बने एक बड़े से छेद को देख रहा था। मुझे चक्कर आने लगा।

इससे पहले कि मैं खुद को रोक पाती, मैं एक तरफ लड़खड़ा गई। चेज़ ने दर्द की परवाह किए बिना ही प्रतिक्रिया दी और मुझे कमर से पकड़ने के लिए अपने दोनों हाथ ऊपर उठा लिए। दर्द होते ही उसने अपने हाथ नीचे खींच लिए और मैं गिर पड़ी।
चेज़ को चोट न पहुँचाने की कोशिश में मैं आंशिक रूप से उसके सीने से टिक गई, और साथ ही उठने की व्यर्थ कोशिश भी करती रही। ज़मीन पर कुछ खून जमा हो गया था, जिससे मुझे खड़े होने के लिए पर्याप्त सहारा नहीं मिल पा रहा था। मैं बार-बार फिसलकर चेज़ पर गिर रही थी।
मेरे पीछे दरवाजे से किसी ने खाँसी की। मैंने खुद को संभाला और मुड़ी। डेविन ने अपनी मुस्कान छिपाने के लिए अपना हाथ मुँह पर रखा हुआ था। बहुत खूब, बस बहुत खूब। मैंने उसे कमरे में आते हुए नहीं सुना था। जब मैं चेज़ के घावों को साफ कर रही थी, तब जेसन ने लगभग टूटे हुए दरवाजे को वापस अपनी जगह पर टिका दिया था, इसलिए अगर वह अंदर आने के लिए दरवाजा हिलाता तो मुझे सुनाई देता।
आखिरकार चेज़ ने अपना सही हाथ मेरी कमर के चारों ओर लपेट लिया और मुझे उसके साथ खड़े होने में मदद की।
डेविन मुस्कुराया, अब अपनी मुस्कान छिपाने की कोशिश नहीं कर रहा था। "क्या किसी ने रूम सर्विस को फोन किया? मुझे बताया गया है कि यहाँ एक-दो लाशें हैं।"
एबेल ने उसे फोन किया होगा, और मैं इसके लिए आभारी थी। मैं सचमुच शव को दोबारा नहीं देखना चाहती थी।
मैंने शक भरी निगाहों से डेविन को देखा। "तुम अंदर कैसे आए?"
“एबेल ने मुझे बगल वाले कमरे से अंदर आने दिया,” उसने हँसी रोकने की कोशिश करते हुए समझाया। “मुझे लगा कि आप इस कमरे का दरवाजा खोलने में हिचकिचाएंगे। अब लाशों के बारे में…”
मैंने मुख्य कमरे की ओर इशारा किया। उसे पता था कि लाशें वहीं हैं, वो बस मुझे परेशान करना चाहता था। डेविन के चले जाने के बाद, मुझे एहसास हुआ कि चेज़ का हाथ अभी भी मेरी कमर पर था। उसने मुझे थोड़ा और कसकर दबाया और मुझे अपनी कमीज़ के निचले हिस्से में खून रिसता हुआ महसूस हुआ। अगर मेरी कमीज़ पहले से ही खराब न होती, तो शायद मैं गुस्सा हो जाती।
मैं वहां से हट गया। "मुझे नहाना है।"

“मेरा इलाज करने के लिए धन्यवाद,” उसने जवाब दिया।
मैंने धीरे से कहा, "कभी भी।"
उसने सिर हिलाया, उसके चेहरे पर हल्की सी मुस्कान आ गई।
आज मैं बहुत ही मजेदार था।

अध्याय पंद्रह
मैं बाथरूम से बाहर निकला तो देखा कि डेविन और जेसन उस बुजुर्ग महिला के शरीर को एक गलीचे में लपेट रहे थे। जी हाँ, वे उसे सचमुच गलीचे में लपेट रहे थे। एक दूसरा गलीचा मंगवाया गया था और मैगी की बहन को पहले ही अच्छे से लपेट दिया गया था। जेसन और एबेल ने बड़ी आसानी से लिपटे हुए गलीचे के किनारों को उठाया और उसे लड़कियों के कमरे में ले गए।
एबेल को अपना हाथ नीचे रखने की भी ज़रूरत नहीं पड़ी, उसने एक हाथ से ही दरवाज़े का हैंडल पकड़ लिया। दरवाज़ा उनके पीछे बंद हो गया, और मैंने एक और दरवाज़ा खुलने और बंद होने की आवाज़ सुनी जब वे लड़की के कमरे से निकलकर गलियारे में चले गए। मुझे पक्का नहीं पता था कि वे लाशों को कहाँ ले जा रहे थे, यह बहुत ही संदिग्ध लग रहा था, लेकिन मुझे लगा कि उन्होंने सब कुछ संभाल लिया होगा।
अब मेरी बारी थी लड़कियों के कमरे में नहाने की। अंदर जाने से पहले मेरे मन में एक ख्याल आया और मैं पीछे मुड़कर डेविन को देखने लगी जो दूसरा कालीन खुद ही समेट रहा था। "एबेल से कहना कि वो अब तक मेरी रक्षा बहुत अच्छे से कर रहा है। मुझे शायद इस पूरे सौदे पर दोबारा विचार करना पड़ेगा।"
डेविन की भौंहें तन गईं। "तो इसीलिए वह यहाँ था?" उसने सवाल किया। "उसने तुम्हें अपनी सुरक्षा की पेशकश की?"
लगता है ये एक राज़ था। खैर छोड़ो।
“हां,” मैंने जवाब दिया, “और मैंने उसे ले लिया। अब उससे कहो कि वह थोड़ा बेहतर करे।”
डेविन ने विनम्रता से मुस्कुराते हुए कहा, उसके व्यवहार में कुछ बदलाव आया था और मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या और क्यों। "बिल्कुल, मैं उसे तुरंत संदेश पहुंचा दूंगा।"
मुझे तो दूसरे कमरे में चले जाना चाहिए था, लेकिन बातों को जाने देना मेरी खासियत नहीं है। "एबेल द्वारा मुझे सुरक्षा देने का तुम्हारे लिए क्या मतलब है?"
डेविन फिर मुस्कुराया, एकदम एक आदर्श सज्जन की तरह, सिवाय उसकी बाहों में मौजूद लाश जैसे बुरिटो के। "कुछ नहीं, बिल्कुल कुछ नहीं।"

वह झूठ बोल रहा था, लेकिन धमकियों के अलावा मैं उससे कुछ भी नहीं निकलवा सकती थी। मैंने गहरी सांस ली और बिना कुछ कहे लड़कियों के कमरे में चली गई।
लूसी एक बिस्तर के किनारे बैठी थी। लीला, मैक्स और एलिसन अभी तक वापस नहीं आए थे। मुझे लगा कि जल्द ही अफवाहें फैलने लगेंगी और वे जल्दी से हमारे कमरों में वापस आ जाएँगे।
“क्या चेज़ ठीक है?” लूसी ने पूछा।
“ठीक है,” मैंने बड़बड़ाते हुए कहा। मैंने अपने भूले हुए शैंपू उठाए और बाथरूम की ओर चल दी।
मुझे यकीन नहीं था कि लूसी मेरे चिड़चिड़ेपन की हकदार थी या नहीं, लेकिन मेरा जोश ठंडा पड़ चुका था और मैं बहुत खराब महसूस कर रही थी। शायद वो इसकी हकदार थी... शायद। मैं इस बारे में बाद में सोचूंगी। मुझे बस कुछ मिनट अकेले रहने की ज़रूरत थी।
जैसा कि मुझे शक था, मेरे कपड़े पूरी तरह से खराब हो गए थे। चेज़ के शरीर से इतना सारा खून निकला था, यह सोचकर मुझे एक पल के लिए चक्कर आने लगा। मैंने खुद को संभालने के लिए बाथटब के किनारे पर बैठ गई। बैठते-बैठते मैंने अपनी खून से सनी कमीज़ उतारी और उसे कूड़ेदान में फेंक दिया।
मैं खड़ी हुई और शावर चालू किया, फिर कपड़े उतारे। मेरी जींस छोटे कूड़ेदान में नहीं आ रही थी, इसलिए मैंने उसे सिंक में डाल दिया।
अंदर कदम रखने के बाद, मैंने शैम्पू करने से पहले शावर के पानी के गुलाबी से साफ होने का इंतजार किया। छी! मेरे नाखूनों के नीचे खून जमा हुआ था, और मैं उन्हें पूरी तरह से साफ नहीं कर पा रही थी।
मैंने अपने नाखूनों को संवारने की बजाय नहाना शुरू किया। फिर बाहर आकर देखा कि मैं फिर से साफ कपड़े लाना भूल गई थी, लेकिन इस बार मैं इतनी थकी हुई थी कि मुझे परवाह ही नहीं थी। मैंने अपने चारों ओर एक तौलिया लपेटा और बेडरूम की ओर चल पड़ी।
सभी लड़कियां कमरे में दुबकी हुई थीं, जिससे कमरा पहले से भी छोटा लग रहा था। मेरा सूटकेस बाथरूम के दरवाजे के ठीक बाहर रखा था। मैं नीचे झुकी और कुछ नई जींस और एक सादी सफेद टी-शर्ट निकाली। नई ब्रा और अंडरवियर लेकर मैं वापस बाथरूम में चली गई।

मैंने कपड़े बदले और कमरे में वापस आया तो देखा कि कुछ नए लोग आए हुए थे। वे सभी काले कपड़े पहने हुए थे, दो पुरुष और एक महिला। उनके पहनावे और हावभाव से साफ पता चल रहा था कि वे अंगरक्षक हैं।
मैंने व्यंग्यपूर्वक कहा, "मुझे लगता है, तुम हमारे भले के लिए ही यहाँ आए हो।"
मुझे जवाब में तीन संक्षिप्त सिर हिलाने का इशारा मिला, सब एक साथ। खैर, कम से कम एबेल ने अपने काम को गंभीरता से लिया था। मैंने अपने नए दोस्तों को नज़रअंदाज़ करने का फैसला किया और पुराने दोस्तों की तरफ देखा ताकि अनिवार्य पूछताछ शुरू हो सके। लीला, मैक्स और एलिसन ने शायद वहाँ मौजूद लोगों से कहानी सुन ली होगी, लेकिन जाहिर तौर पर उन्हें मेरा दृष्टिकोण भी सुनना था।
मेरे सारांश के बाद सब लोग चुप हो गए।
मैंने पूछा, "हम सब इस कमरे में क्यों हैं?"
मैक्स ने कंधे उचकाते हुए कहा, "चेज़ ने हमारे पूरे सामान पर खून फैला दिया था। वे इसे साफ कर रहे हैं।"
मैंने मैक्स की ओर संदेह भरी नजरों से देखा। "ये कौन हैं?"
“सराय के कर्मचारियों को पता है,” उसने जवाब दिया। “लगता है उन्हें पता है।”
मैंने पुष्टि के लिए लीला की ओर देखा।
उसने कंधे उचकाते हुए कहा, "पूरा स्टाफ किसी न किसी तरह से अलौकिक शक्तियों से ग्रसित है। मुझे लगा आप लोगों को पता होगा।"
मैंने उसे घूरते हुए कहा, "हमें कैसे पता चलेगा?"
लीला ने आत्मसमर्पण करते हुए अपने हाथ ऊपर उठा लिए। "मुझे माफ करना, लेकिन अगर आपने ध्यान दिया होता तो यह बात काफी स्पष्ट होती।"
मैंने सिर हिलाया। "जो भी हो।"
मैंने कमरे में चारों ओर देखा, हर कोई उदास होकर ज़मीन की ओर देख रहा था, मानो दुनिया खत्म हो गई हो। चेज़ ने अपनी पट्टियों के ऊपर नीली चेक वाली बटन वाली कमीज़ पहन रखी थी। जेसन मेरी आँखों में नहीं देख रहा था।
मैं उन सबसे मुंह फेरकर अपना पर्स ढूंढने के लिए कमरे में इधर-उधर देखने लगी। मुझे वह कमरे के फोन के पास नाइट स्टैंड पर मिला। मैंने उसे कंधे पर डाला और दरवाजे की ओर चल पड़ी।

"तुम कहाँ जा रही हो?" लूसी ने मेरे पीछे से गुस्से भरी आवाज में पूछा। मैंने पीछे मुड़े बिना ही संक्षिप्त जवाब दिया, "रात का खाना। जैसे ही आप लोग अपना दुख भुलाकर उठेंगे, आप मेरे साथ शामिल हो सकते हैं।"
पलक झपकते ही मैक्स मेरे पास आ गया। हम हॉल में थे और दरवाजा बंद करने ही वाले थे कि चेज़ दौड़कर हमारे पास आ गया।
मैंने सवालिया निगाह से उसकी तरफ देखते हुए अपनी भौंहें उठाईं। "मुझे नहीं लगता कि तुम अंगरक्षक की ड्यूटी के लिए पूरी तरह फिट हो।"
चेज़ ने कंधे उचकाए, फिर दर्द से कराह उठा। "जेसन को लगता है कि तुम इस समय उसके आसपास नहीं रहना चाहते।"
मैं इस बात से असहमत नहीं हो सकता था। नरक का क्रोध भी अत्यंत भयानक होता है... लेकिन क्या सचमुच मेरा अपमान हुआ था? मुझे ऐसा नहीं लगता था, लेकिन मैंने ऐसा दिखाने का पक्का इरादा कर लिया था कि मेरा अपमान हुआ है।
मुझे उम्मीद थी कि कमरे से बाहर निकलकर हम अंगरक्षकों से बच जाएँगे, लेकिन दरवाजे के बाहर अंगरक्षकों का एक और दल इंतज़ार कर रहा था। मतलब, अतिरिक्त सुरक्षा के लिए मैं शुक्रगुजार तो थी, लेकिन अजनबियों का हमें देखना अजीब लग रहा था। अंगरक्षक बिना कुछ बोले हमारे पीछे-पीछे चलने लगे। मेरा मन कर रहा था कि मैं उनके सिर पर हाथ फेरकर कहूँ, "अच्छे अंगरक्षक हैं!" लेकिन शायद मैं अपना हाथ ही गंवा बैठूँ।
मैं बिना कुछ बोले गलियारे में आगे बढ़ता रहा। मैक्स, चेज़ और अंगरक्षक मेरे पीछे-पीछे आए। हम सीढ़ियों से नीचे उतरे और उस साधारण से रेस्तरां के पास से गुज़रे जो उस सराय का हिस्सा था। वहाँ खाना खाने का तो कोई सवाल ही नहीं था।
मैं लगभग लॉबी के मुख्य द्वार तक पहुँच ही गया था। मैं बस इतना ही करीब था कि तभी मैंने डार्ला को हमारी तरफ आते देखा। उसके घने घुंघराले बाल उसके खूबसूरत चेहरे से पीछे की ओर गुंथे हुए थे। उसने वही कपड़े पहने हुए थे जो उसने पहले पहने थे, और मुझे अचानक याद आया कि मैं उससे उसी सुबह मिला था। ऐसा लग रहा था जैसे कई दिन बीत गए हों।
वह हाथ बांधकर हमारे सामने आकर खड़ी हो गई। समूह में किसी और की ओर ध्यान देने के बजाय, उसने सीधे मेरी ओर देखा और पूछा, "आप कहाँ जा रहे हैं?" मैंने मुस्कुराते हुए उसकी तरफ देखा। "तुम्हारे इससे कोई लेना-देना नहीं है।"

उसने जोर से आह भरी जैसे मैं उसका समय बर्बाद कर रहा था, जबकि वास्तव में वही मेरा समय बर्बाद कर रही थी।
जब उसने दोबारा कुछ नहीं कहा, तो मैंने व्यंग्यपूर्वक पूछा, "क्या तुम्हें कुछ चाहिए था?"
"एबेल आपसे अकेले में बात करना चाहता है," उसने झुंझलाहट भरी आवाज में कहा। मैंने उसकी तरफ भौंहें चढ़ाकर देखा, लेकिन वह बस मुड़कर चली गई। मैं लगभग उसके पीछे नहीं गया, लेकिन सोचा कि न जाना मूर्खता होगी, क्योंकि उसने मेरे लिए दो लाशें छुपाई थीं... भले ही उनमें से एक उसकी गलती थी।
डार्ला एक कॉन्फ्रेंस रूम में गई और अपने पीछे दरवाजा बंद कर लिया, शायद यह सोचकर कि मैं उसके पीछे आऊंगा, या फिर उसे इस बात की परवाह ही नहीं थी। मेरा मानना है कि उसे परवाह ही नहीं थी।
मैंने छोटी सी खिड़की से झाँककर देखा कि एबेल सचमुच अंदर है या नहीं, कहीं यह कोई जाल तो नहीं है। वह वहीं था, और मुझे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि डेविन वहाँ नहीं था।
मैंने अपने छोटे से समूह से पूछा, "आप सब यहीं इंतजार करेंगे?"
चेज़ के होंठ हठपूर्वक सिकुड़े हुए थे। "मैं तुम्हारे साथ अंदर आना पसंद करूंगा।"
मैंने आह भरी। “तुम्हें पता है, इससे तो बस प्रक्रिया में देरी होगी। वह तुम्हें जाने के लिए मजबूर करने की कोशिश करेगा, और फिर हम सब इस पर जमकर बहस करेंगे। आखिरकार तुम चली जाओगी, क्योंकि मैं सचमुच सुनना चाहती हूँ कि उसे क्या कहना है।”
चेज़ ने सिर हिलाया, स्पष्ट रूप से वह खुश नहीं था, लेकिन यह काफी था। मैं कमरे में गया और अपने पीछे दरवाजा बंद कर लिया।
एबेल और डार्ला पहले से ही लंबी कॉन्फ्रेंस टेबल के आखिरी छोर पर बैठे थे। बिना पूछे ही मैं चलकर डार्ला के सामने बैठ गया और एबेल आखिरी सीट पर बैठ गया।
“मैं हमारे समझौते की बारीकियों पर अंतिम रूप से चर्चा करना चाहता हूँ,” एबेल ने घोषणा की। “मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूँ कि एलेक्सोंड्रा, तुम सब कुछ समझ लो।”

मैंने सिर हिलाया। "मुझे तो ठीक लग रहा है, हालांकि मुझे पूरी तरह समझ नहीं आ रहा कि डार्ला यहाँ क्यों है... बुरा मत मानना," मैंने उसकी तरफ देखते हुए कहा।
एबेल मुस्कुराया और डार्ला के हाथ पर अपना हाथ रखते हुए बोला, "डार्ला मेरी पत्नी है।"
“सचमुच?” मैंने हैरानी से ज़ोर से पूछा। “क्या इससे वो सह-नेता नहीं बन जाती?”
डार्ला खिलखिलाकर हंस पड़ी। "ज़ोई, बिल्कुल नहीं। वेयरवोल्फों का पदानुक्रम बेहद पुरुषवादी है।"
“क्या, ये कोई कानून है?” मैंने चिढ़कर उनसे पूछा। ये तो भेड़ियों की बेवकूफी भरी राजनीति है।
एबेल ने सिर हिलाया। “यह कोई कानून नहीं है। हमारी परंपराएं व्यावहारिकता से उपजी हैं। हम नेता बनने के लिए संघर्ष करते हैं। पुरुष ज़्यादातर लड़ाइयाँ जीतते हैं। बेशक, सभी पुरुष महिलाओं से बड़े और बलवान नहीं होते, लेकिन अगर आप लोगों के एक समूह को लें, तो उनमें सबसे बड़ा और बलवान व्यक्ति ज़्यादातर एक पुरुष ही होगा।”
“इसीलिए आपको महिला नेताएँ ज़्यादा देखने को नहीं मिलतीं। झुंड में महिला नेताएँ ज़रूर होती हैं, लेकिन किसी महिला नेता के लिए झुंड के हर पुरुष से शारीरिक रूप से मुकाबला करने में सक्षम होना ज़रूरी है। ऐसा होता तो है, लेकिन बहुत कम।”
मैंने नापसंदगी से अपनी भौंहें सिकोड़ीं। "बेवकूफी भरी बात लगती है।" डार्ला हंस पड़ी। “बिल्कुल सही कहा। उन्हें यह समझ नहीं आता कि हममें से ज्यादातर इतनी समझदार हैं कि पीछे हटकर पुरुषों को मार खाने दें। मैं इस आदमी की किसी भी दिन पिटाई कर सकती हूँ,” उसने एबेल की ओर अंगूठा दिखाते हुए कहा।
एबेल ने बस मुस्कुराकर डार्ला का हाथ हल्के से दबा दिया। उसे इस तरह देखना अजीब लग रहा था। एकदम खुश और... घरेलू सा।
“हम विषय से भटक रहे हैं,” एबेल ने कहा। “अब आपकी सुरक्षा के मुद्दे पर आते हैं। मुझे लगता है कि आपने अपने पिता को एलेक्सोंड्रा के बारे में बता दिया होगा?”

"आखिरी बार फिर कह रही हूं, मेरा नाम ज़ो है, और हां मैंने उसे बता दिया है," मैंने जवाब दिया।
एबेल ने अपनी कोहनियों को मेज पर टिकाकर अपने चेहरे के सामने उंगलियों को आपस में जोड़ लिया। "और उसने क्या सोचा?"
मैंने कंधे उचका दिए। "उसे आपके इरादों का ठीक से पता नहीं है, लेकिन उसे लगता है कि यह फायदेमंद हो सकता है।"
एबेल मुस्कुराया। "एलेक्जेंड्रे, हमेशा की तरह व्यावहारिक।"
मेरे पापा का नाम सुनकर आज भी मुझे अजीब लगता है। हम दोनों दिखने में तो हद से ज़्यादा एक जैसे हैं, लेकिन नाम भी लगभग एक ही है। मेरी माँ ने इस मामले में बहुत बड़ी गलती की।
एबेल कुछ मिनटों तक सोचता रहा, फिर आखिरकार बोला, “हमें एक आधिकारिक घोषणा करनी होगी, लेकिन तब तक, मेरी सुरक्षा आपके प्रति किसी से छिपी नहीं है। अगर कोई आपको किसी भी तरह से धमकी देता है, तो उन्हें साफ-साफ बता देना कि वे किससे पंगा ले रहे हैं, और साथ ही मुझे भी तुरंत सूचित करना। मैं नहीं चाहता कि पिशाचों का कोई समूह अचानक मुझ पर हमला कर दे।”
मैंने इस तरह की बातों के बारे में सोचा ही नहीं था। एबेल मेरे लिए सचमुच बहुत बड़ी मुसीबत मोल ले रहा था। लेकिन किसी कारणवश, इससे मेरा भरोसा ज़रा भी नहीं बढ़ा। बल्कि, इससे मेरा शक और भी बढ़ गया।
“और हाँ, आपको यह भी पहनना होगा,” उन्होंने मुझे नीले चमड़े की डोरी से बना एक कंगन देते हुए कहा। डोरी की बुनाई बेहद जटिल थी, और हर डोरी को नीले और नीले-हरे रंग के अलग-अलग शेड्स में रंगा गया था।
"नहीं, धन्यवाद," मैंने कहा और कंगन उसे वापस देने की कोशिश की।
डार्ला ने अपनी कलाई उठाकर मुझे वही नीला कंगन दिखाया। "बस इसे पहन लो," उसने आदेश दिया। "इससे तुम्हारे स्वाभिमान के अलावा और कुछ नहीं टूटेगा, और बाकी भेड़िये जान जाएंगे कि यह क्या है। तुम्हें उन्हें यह बताने के लिए कोई खास प्रयास नहीं करना पड़ेगा कि तुम एबेल की सुरक्षा में हो।" मैंने अनिच्छा से कंगन लिया, लेकिन एक हाथ से उसे अपनी कलाई पर नहीं बांध पा रही थी, इसलिए डार्ला ने मेज के ऊपर से झुककर मेरी मदद की। उसकी उंगलियां लंबी और फुर्तीली थीं, और उसने कुछ ही सेकंड में कंगन को एक जटिल दिखने वाली गांठ में बांध दिया।
मैंने उस गांठ को घूरकर देखा। "अब तो मैं इसे कभी खोल नहीं पाऊँगी।"

डार्ला मुस्कुराई। “यही तो बात है। घर लौटने के बाद भी इसे पहने रहना। अब तुम अपने इलाके में गठबंधन का प्रतिनिधित्व कर रहे हो। कोई भी हमलावर दल तुम्हारी हैसियत पर ध्यान देगा।”
"वे नेतृत्व या ऐसी किसी चीज़ के लिए मेरी तरफ नहीं देखेंगे, है ना?" मैंने आश्वासन की ज़रूरत महसूस करते हुए पूछा।
“वे ऐसा नहीं करेंगे,” एबेल ने उत्तर दिया। “लेकिन अगर वे मुझे कुछ बताना चाहें तो वे आपको संदेश दे सकते हैं।”
“और उनके पास फोन नहीं हैं?” मैंने व्यंग्यपूर्वक पूछा।
एबेल अचानक हंस पड़ा। “हम बर्बर नहीं हैं, एलेक्सोंड्रा। वे मेरे सचिव की तुलना में मेरे संरक्षण में मौजूद किसी व्यक्ति पर संदेश पहुंचाने के लिए अधिक भरोसा करेंगे।”
मैंने भौंहें चढ़ाते हुए पूछा, "क्या आपके पास कोई सचिव है?"
एबेल ने सिर हिलाया, मानो यह कोई बड़ी बात न हो। “मैं बहुत व्यस्त आदमी हूँ, एलेक्सोंड्रा। मेरे पास इतना समय नहीं है कि मैं अपने झुंड के किसी सदस्य से नाराज़ भेड़िये के हर फोन कॉल का जवाब दे सकूँ। ज़रूरी कॉल ही मुझ तक पहुँचती हैं। मैं बाकी भेड़ियों की परवाह नहीं करता।”
मैंने पूछा, "चूंकि आप फोन का जवाब नहीं देते, तो क्या यह उद्देश्य को ही विफल नहीं कर देगा अगर मुझे उनका संदेश किसी सचिव के पास छोड़ना पड़े?" “ज़ोई, तुम समझ नहीं रही हो,” डार्ला ने जवाब दिया। “एबेल की सुरक्षा में होने के कारण तुम उसके खास लोगों के समूह का हिस्सा हो, खैर, मुझे लगता है कि तुम इसे आंतरिक मंडली कह सकती हो, हालांकि यह मेरे हिसाब से थोड़ा नाटकीय लगता है।”
“ठीक है,” मैंने आगे कहा, “तो आप यह कहना चाह रहे हैं कि मैं सचिव को दरकिनार कर सकता हूँ?”
“सीधे शब्दों में कहें तो, हाँ,” एबेल ने जवाब दिया। “आप मुझसे सीधे बात कर सकेंगे। अगर आपको लगता है कि आपको और आपके परिवार को कोई खतरा है, तो आपको तुरंत मुझे सूचित करना होगा।”
यह मामला पेचीदा होता जा रहा था। शायद मुझे और भी लाखों सवाल पूछने चाहिए थे, लेकिन मुझे भूख लगी थी और अब बात करने का मन नहीं था।
मैंने गहरी सांस ली। "और कुछ? क्या यहीं तुम मुझे हाथ मिलाने का वो बेहद गुप्त तरीका सिखाओगे?"

“हम आपको हाथ मिलाने का तरीका बाद में सिखाएंगे। पहले टैटू का मामला है…” एबेल ने कहना शुरू किया।
मैं कुर्सी से उछल पड़ा, जिससे कुर्सी ज़मीन पर गिर गई। "बिल्कुल नहीं!" मैं अंपायर की तरह हाथ जोड़कर और खोलकर चिल्लाया। "तुम मुझे दाग़ नहीं लगा सकते!"
एबेल और डार्ला जोर से हंस पड़े, और मुझे एहसास हुआ कि वे मेरे साथ मजाक कर रहे थे।
“माफ़ कीजिए,” एबेल ने हँसी के साथ जवाब दिया, उसकी आवाज़ में हंसी झलक रही थी। “मैं खुद को रोक नहीं पाया।”
मैंने झुंझलाहट से अपनी बांहें छाती पर बांध लीं। "क्या अब हमारा काम हो गया?"
एबेल ने रोते हुए सिर हिलाया। "ये मैं हूँ, ज़ोई मेयर्स, सबकी पसंदीदा मनोरंजन की पात्र।"

अध्याय सोलह
मैं मुंह फुलाए हुए चेहरे के साथ कॉन्फ्रेंस रूम से बाहर निकला। चेज़ और मैक्स दीवार के सहारे सोफे पर बैठे थे और उनके दोनों ओर एक-एक बॉडीगार्ड खड़ा था। मैंने देखा कि दूसरा बॉडीगार्ड लॉबी के सामने वाले दरवाजे के पास खड़ा था और सब पर पैनी नजर रख रहा था।
मैं पैर पटकते हुए सोफे की ओर बढ़ा। "तैयार हो?"
"तो क्या हुआ, बैठक अच्छी नहीं रही?" चेज़ ने पूछा।
"सब ठीक था," यह कहकर मैं लॉबी के दरवाजे की ओर चलने लगा।
मैक्स और चेज़ मेरे पीछे आने के लिए उठे, और अंगरक्षकों का झुंड काले बादल की तरह हमें घेरने लगा। यह बेहद डरावना था, लेकिन मैंने अनिच्छा से ही सही, यह माना कि इससे मुझे थोड़ी सुरक्षा का एहसास हुआ। हालांकि, सबसे बड़ी राहत इस बात से मिली कि जेसन और बाकी लोगों के साथ भी कमरे में उनके अपने अंगरक्षक मौजूद थे।
जैसे ही हम दरवाजे से बाहर निकले, मैंने अपने बैग से एसयूवी की चाबियां निकालीं। हम लॉन पार करके चुपचाप गाड़ी में बैठ गए। मुझे गाड़ी पाकर वाकई खुशी हुई, क्योंकि उसमें हम तीनों और तीन बॉडीगार्ड आराम से आ गए थे। हालांकि अब जब मैं सराय से बाहर निकल चुका था, तो मुझे पता नहीं था कि मुझे कहां जाना है।
मैंने तय किया कि हम सीधे मुख्य सड़क पर जाकर खाने की जगह ढूंढेंगे। मुझे जल्दी ही एक जगह मिल गई, एक ईंट के ओवन में बनी पिज्जा की दुकान, जिसके बोर्ड पर लिखा था कि वे बर्गर और दूसरी चीजें भी बेचते हैं। हर किसी के लिए कुछ न कुछ ज़रूर मिलेगा।
मैंने गाड़ी रोकी और पार्क कर दी। मैंने रेस्टोरेंट की ओर इशारा करते हुए दूसरे यात्रियों से पूछा, "यह ठीक है?"
"अच्छा, तुमने तो गाड़ी पार्क कर ही दी थी," मैक्स ने व्यंग्यपूर्वक कहा। मैंने मुंह बनाया। "माफ़ कीजिए, आज का दिन बहुत लंबा रहा।"
“ठीक है,” मैक्स ने मेरी बात समझकर और मुझे माफ करते हुए सरलता से कहा। काश, सारे तर्क इतने सरल होते।

हम एसयूवी से उतरे और रेस्तरां में चले गए। हमें तुरंत एक लकड़ी के बूथ में बैठा दिया गया, जिसमें कोई कुशन नहीं थे। इसे देहाती दिखाने की कोशिश की गई थी, लेकिन असल में यह बहुत असुविधाजनक था।
अंगरक्षकों ने हमारे साथ बैठकर खाना खाने से इनकार कर दिया और इसके बजाय रेस्तरां के चारों ओर रणनीतिक रूप से तैनात हो गए, एक दरवाजे के पास, एक बाथरूम के पास और एक पास के बूथ में बैठा हुआ था।
चेज़ मेरे बगल में बैठा था और मैक्स हमारे सामने। हमने सभी टॉपिंग्स के साथ एक पिज़्ज़ा शेयर करने का फैसला किया। ऑर्डर देते समय, मुझे याद आया कि मैक्स कितना खा सकता है, जो उसके कद के हिसाब से बहुत ज़्यादा था, और मैंने साथ में अल्फ्रेडो सॉस के साथ पास्ता का एक ऑर्डर भी मंगवा लिया।
हमने अपने पेय पदार्थ ले लिए, मेरे और चेज़ के लिए पानी, मैक्स के लिए सोडा, और फिर हम तीनों ही रह गए।
"तो इस ब्रेसलेट का क्या मतलब है?" चेज़ ने मेरी कलाई पर लटके उस आपत्तिजनक ब्रेसलेट में उंगली डालकर उसे ऊपर उठाते हुए पूछा।
मैंने कंधे उचका दिए, मानो मैं अपनी परेशानी को छिपाने की कोशिश कर रहा था। "यह एबेल की सुरक्षा का प्रतीक है। जाहिर है, बाकी सभी भेड़िये इसे पहचान लेंगे और इसका अर्थ भी समझ जाएंगे।"
“और यह प्रतीक है…” चेज़ ने शुरू किया। “एबेल के स्वामित्व का?”
“कुत्ते के पट्टे की तरह!” मैक्स हँसते हुए बोला।
मैं शर्म से लाल हो गई और मैक्स के चेहरे की ओर उंगली करके बोली, “अरे दोस्त, मैं ये सब इसलिए कर रही हूँ ताकि एबेल हम सबकी रक्षा करे। देखो ये चारों ओर खड़े शानदार बॉडीगार्ड?” मैंने काले कपड़ों में खड़े लोगों की ओर इशारा करते हुए पूछा। “ये यहाँ इसलिए हैं क्योंकि मैंने ये पहना है,” मैंने अपना ब्रेसलेट उसके चेहरे के सामने करते हुए कहा।
मैक्स ने नकली बचाव में हाथ ऊपर उठाए। "शांत हो जाओ," उसने हंसते हुए कहा। "कृपया मुझे आग मत लगाओ। तुम जानते हो कि हम सब तुम्हारे काम की सराहना करते हैं।"
मैं मुस्कुराई और आखिर में खुद पर थोड़ा हंस पड़ी। मैंने अपनी बाहें मोड़ लीं और मैक्स को देखकर नाक सिकोड़ ली। "बिल्कुल सही," मैंने घमंडी लहजे में जवाब दिया, फिर बोली, "शायद मैं तुम्हारे लिए भी एक ब्रेसलेट ले आऊं ताकि तुम्हें अकेलापन महसूस न हो।"

"ओह, प्लीज़, प्लीज़?" मैक्स ने एक छोटे बच्चे की तरह अपनी सीट पर उछलते हुए मज़ाकिया अंदाज़ में पूछा।
मैंने मुस्कुराते हुए कहा, "देखते हैं। अगर तुम अच्छे बच्चे बनोगे, तो हम तुम्हें गुलाबी रंग का दिला देंगे।"
“मेरा पसंदीदा!” मैक्स ने खुशी से कहा, तभी वेट्रेस आई और तीन प्लेटों के साथ हमारा खाना मेज पर रख दिया। उसने हमसे पूछा कि क्या हमें और कुछ चाहिए, और फिर वह चली गई।
चेज़ ने अपना सिर हिलाया। उसने मज़ाकिया अंदाज़ में कहा, "मुझे नहीं पता कि मैं तुम दोनों के साथ क्या करूँगा।"
मैंने तीखे लहजे में जवाब दिया, "तुम्हें हमारे साथ खाना खाना ही होगा, जाहिर है।"
हम सबने जल्दी से अपनी प्लेटें भर लीं। हमारे पूरे समूह में हम तीनों ही सबसे ज्यादा भूखे हैं। पास्ता ऑर्डर करना वाकई एक अच्छा विचार था।
"तो लूसी क्यों नाराज़ है?" मैक्स ने मुंह में पिज्जा भरे हुए पूछा।
बस, अचानक ही सब कुछ हो गया, न कोई पूर्व संकेत, न ही इरादे की कोई चेतावनी। मुझे सच में नहीं पता था कि लूसी क्यों नाराज़ थी। मुझे पता था कि वह परेशान थी, और शायद थोड़ी असहज भी, लेकिन हम सबने बस उसकी और बाकी सबकी रक्षा की थी।
मैंने सिर हिलाया और पास्ता का एक निवाला निगल लिया। "वह उन पिशाचों की वजह से परेशान है जो हमारे कालीनों में घुस गए थे। वह इस बात से भी परेशान है कि अगर मेरे पास कोई विकल्प होता तो मैं मैगी को भी उसी जगह पर रख देता।" मैक्स ने एक पल के लिए मेरी तरफ देखा। "इससे वह गुस्सा क्यों होगी?"
वाह! मैं अकेली नहीं थी जिसे यह बात समझ नहीं आई। "मुझे सच में पक्का पता नहीं है। काश कोई मुझे समझा दे।"
हम दोनों ने चेज़ की तरफ देखा, और उसने कंधे उचका दिए। "वे हमें मार डालते। मुझे इसमें कोई बड़ी समस्या नज़र नहीं आती।"
मैं सोचने लगा कि लीला का दृष्टिकोण क्या होगा। पता नहीं क्यों, मुझे लगा कि वह हमारा साथ देगी। लीला में कई गुण थे, और उनमें से एक था एक संघर्षशील योद्धा। उसने वही किया जो उसे करना था। शायद हम टीमें बनाकर इस विषय पर थोड़ी बहस कर सकते हैं।

मैंने चेज़ की ओर मुड़कर पूछा, "तुम्हारा कंधा कैसा है?" और इस तरह मैंने विषय बदल दिया।
उसने कंधे उचकाए, फिर दर्द से कराह उठा। "अगर मैं यह बात बार-बार न भूलता कि इसमें से एक टुकड़ा टूटा हुआ है, तो सब ठीक होता।"
“लेकिन क्या यह ठीक से ठीक हो रहा है?” मैंने पूछा।
“कुछ ही दिनों में मैं बिल्कुल ठीक हो जाऊंगा,” उसने जवाब दिया।
अलौकिक उपचार की शक्ति को तो मानना ही पड़ेगा। हम तीनों में से चेज़ सबसे धीरे ठीक हुआ, जबकि उसके शरीर में मुझसे ज़्यादा दानवों का खून था।
उसके माता-पिता दोनों दानव थे, इसलिए उसे दोनों तरफ से दानवों का खून मिला, जबकि मुझे सिर्फ अपने पिता से मिला। फर्क सिर्फ इतना है कि मेरी "दानव वंश" ज़्यादा शक्तिशाली है, इसलिए मेरी उपचार क्षमता भी बेहतर है। मैक्स मुझसे भी ज़्यादा तेज़ी से ठीक होता है। वेयरवुल्फ ऐसे ही अजीब होते हैं।
“इससे एक और सवाल उठता है,” मैक्स ने बीच में टोकते हुए कहा। “तुमने उस पिशाच चेज़ के साथ आखिर क्या किया?”
चेज़ शर्मिंदा होकर नीचे देखने लगा। उसने मुझसे पूछा, "तुमने उन्हें नहीं बताया?"
मैंने कंधे उचका दिए। "जब तुमने मुझे बताया, तो ऐसा लगा जैसे यह सिर्फ मेरे लिए ही था।"
चेज़ मुस्कुराया। "मैं इसकी सराहना करता हूँ।"
मैक्स बनावटी झुंझलाहट दिखाते हुए मुंह खोले हमारी तरफ घूर रहा था। "जब तुम दोनों एक-दूसरे को देखकर मुस्कुराना बंद कर दो, तो क्या तुममें से कोई मेरे सवाल का जवाब दे सकता है?"
मैं शर्म से लाल हो गई और नीचे देखने लगी। "मेरी माँ नागा थी," चेज़ ने समझाया।
मैक्स ने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। "नागा आखिर होता क्या है?"
मैंने ऐसे जवाब दिया जैसे यह कोई सर्वविदित ज्ञान हो, “एक सर्प-मानव। जैसे हिंदू पौराणिक कथाओं में होता है।”
“तो…” मैक्स ने पूछा।
"मैं जहरीला हूँ," चेज़ ने जवाब दिया।
“ये तो बहुत ही बढ़िया है,” मैक्स ने शुरू किया। “तो लड़कियों के साथ किस करने पर क्या होता है? क्या वे मर जाती हैं?”

चेज़ हँसा। “नहीं मैक्स, वे मरते नहीं हैं। मेरे नुकीले दांत अंदर-बाहर हो सकते हैं।”
"हमारी प्यारी ज़ोई से बिलकुल अलग," मैक्स ने मजाक में कहा, "तुम शायद गलती से अपने पसंदीदा साथी को नहीं मारोगे।"
मैंने उसे घूरकर देखा। "मैंने अभी तक गलती से किसी को नहीं मारा है, बहुत-बहुत धन्यवाद। बस यही उम्मीद करो कि मैं तुमसे शुरुआत न करूं।"
"जीवनसाथी चुनने के हमारे विकल्पों की बात करें तो," चेज़ ने मैक्स से कहा, "क्या आप हमें एलिसन के प्रेमी के रूप में अपने संक्षिप्त कार्यकाल के बारे में कुछ बताना चाहेंगे?"
“हां मैक्स,” मैंने पलकें झपकाते हुए कहा। “बताओ तो सही।”
मैक्स ने कंधे उचकाए और उसके गालों पर हल्की सी लाली छा गई। "वह प्यारी है, और मुझे उसका दबंग स्वभाव पसंद है, इसलिए मैंने उसे डेट पर जाने के लिए पूछा।"
"वह देखने में प्यारी लग सकती है," चेज़ ने जवाब दिया, "लेकिन वह लड़की डरावनी है।"
“अरे,” मैंने बीच में टोकते हुए कहा। “मुझे लगा था कि मैं आसपास की सबसे डरावनी लड़की हूँ।”
"तुम डरावनी हो क्योंकि तुम अपने दिमाग से चीजों में आग लगा सकती हो, और तुम बेहद खूबसूरत भी हो," चेज़ ने सहजता से कहा। "एलिसन डरावनी है क्योंकि उसे अपनी क्षमता पर ज़रा भी शक नहीं है कि वह किसी भी परिस्थिति में अपना काम करवा लेगी।"
मैक्स चेज़ के विश्लेषण पर हँस पड़ा। मैं तो बस यही सोच रहा था कि उसने मुझे खूबसूरत कहा था। क्या यह कोई गलती थी? मुझे तो ऐसा नहीं लगता। उसे ऐसा कहने पर ज़रा भी शर्मिंदगी नहीं हुई थी।
"मुझे लगता है कि मुझे आत्मविश्वास से भरे लोग पसंद हैं," मैक्स ने जवाब दिया। "हालांकि, जब कोई आत्मविश्वासी व्यक्ति वेयरवोल्फ बनना चाहता है, तो यह एक बड़ी व्यक्तित्वगत खामी बन जाती है।"
इससे हम थोड़े होश में आ गए।
मैंने कहा, "मैं उसे ऐसा नहीं करने दूंगी।"
"हो सकता है कि आप उसे ज्यादा देर तक रोक न पाएं," चेज़ ने पलटवार किया।
मैंने एलिसन के बारे में सोचते हुए माथे पर शिकन डाल ली।

“अरे, चुप रहो और उसे फिर से खूबसूरत कहो,” मैक्स ने जोर से कहा। “उसका चेहरा तब कहीं ज्यादा अच्छा था, जितना अब नहीं है।”
चेज़ आखिरकार शरमा गया। उसने समझाया, "मैं तो बस एक तथ्य बता रहा था। ज़ोई एक भयानक खूबसूरत दानव है जिसे घरेलू उपकरणों को नष्ट करने का शौक है।" मैं अब भी बहुत ज्यादा सोच रहा था, लेकिन हम सब हँसे और अपना खाना खाने लगे। हमने सारा खाना खत्म कर दिया और हंसी-मजाक और व्यंजन बाँटने के साथ एक शांतिपूर्ण डिनर किया।
ज़रा सोचिए।
रात के खाने के बाद हम अनिच्छा से वापस सराय की ओर चले। मुझे एक बार फिर घर लौटने का मन कर रहा था। मुझे घर की बहुत याद आ रही थी। काश मैं अपने बिस्तर पर लेट पाती और फिर से सुरक्षित महसूस कर पाती। मुझे बहुत लंबे समय से पूरी तरह सुरक्षित महसूस नहीं हुआ था।
समस्या असल में वेयरवुल्फ्स की वजह से नहीं थी, हालांकि उनमें से कई काफी अप्रिय थे। मुझे लग रहा था कि मैगी अभी आखिरी बार नहीं दिखी है। सच कहूँ तो, वह मुझे उतनी डरावनी नहीं लगती थी। हाँ, वह बहुत ताकतवर और बहुत तेज़ थी, लेकिन यहाँ कौन ऐसा नहीं है? फिर भी वह अपने दोस्तों के साथ आई थी, और हमने अभी-अभी उसकी बहन को मार डाला था। दुख बहुत गुस्से को जन्म दे सकता है। गुस्सा लोगों की जान ले लेता है।
चेज़, मैक्स और मैं अपने अंगरक्षकों के साथ सामने वाले लॉन से होते हुए आगे बढ़े। हम सब एक ही समय पर रुक गए।
सराय के आसपास का माहौल असामान्य रूप से शांत लग रहा था। इतना शांत कि मानो कोई भी नहीं था। कहीं भी नहीं। स्कूबी डू के शब्दों में कहें तो, "रुह रोह।"

अध्याय सत्रह
मैक्स और एक अंगरक्षक सराय के अंदर चले गए। वे जल्दी से बाहर आ गए। मैक्स ने अपना सिर हिलाया। सब चले गए। हमने जेसन, एलिसन, लूसी और लीला को कमरे में ही छोड़ दिया था। जैसे ही मैं भागने लगा, चेज़ ने मुझे पकड़ने की कोशिश की। वे सब तो नहीं जा सकते।
मैंने उसकी पकड़ से खुद को छुड़ाया और सामने के दरवाजे तक पहुँच गई। मैक्स मेरे पीछे-पीछे अंदर आ गया। मुझे लगा कि चेज़ भी जल्द ही आ जाएगा। अंगरक्षक बरामदे में ही खड़े रहे। जाहिर है, हम उनके कार्यक्षेत्र से बाहर थे।
मैं लिफ्ट का इंतज़ार करने को तैयार नहीं थी, इसलिए जल्दी से सीढ़ियाँ चढ़कर अपने फ्लोर पर पहुँच गई। सराय पूरी तरह से सुनसान थी, जीवन का कोई आभास नहीं था। मैं लड़कियों के कमरे से अंदर गई, क्योंकि हमने सबको वहीं छोड़ा था। कमरा एकदम साफ था। बिस्तर लगे हुए थे, और मेरा सामान समेत सबका सामान गायब था।
सुन्न होकर मैं पास के ही बिस्तर पर जाकर बैठ गई। दूसरे कमरे में जाने की हिम्मत ही नहीं हो रही थी। मुझे पता था कि वहाँ क्या मिलेगा। मैक्स कमरे में दाखिल हुआ, उसके तुरंत बाद चेज़ भी आ गया। वे दोनों बिस्तर पर मेरे दोनों ओर आकर बैठ गए।
“क्या हो रहा है?” मैक्स ने कांपती हुई आवाज में पूछा।
मैंने मुड़कर उसके चेहरे की ओर देखा, जो आमतौर पर हंसमुख रहता था, लेकिन उसकी गाल पर एक आंसू बह रहा था। मुझे अभी तक आंसू नहीं आए थे। मुझे पता था कि अगर हमने इस समस्या का हल नहीं निकाला तो समय आने पर आंसू जरूर आ जाएंगे।
चेज़ ने अपना हाथ मेरे कंधे पर रख दिया। मुझे उसकी पट्टियों से खून की गंध आ रही थी। “हमें तलाश जारी रखनी चाहिए। अगर हमें कोई नहीं मिला, तो हमें यहाँ से निकलना होगा। यहाँ इंतज़ार करने से कोई फायदा नहीं होगा।”
मैंने सिर हिलाया और धीरे से खड़ी हो गई, चेज़ का हाथ मेरे कंधों से छूट गया। दरवाज़े की तरफ चलते हुए मैं लड़खड़ा गई और मैक्स ने मुझे पकड़ लिया। संभलने में मुझे एक पल लगा। मुझे लगा जैसे मैं सपने में थी। मैंने अपनी अंगूठी पर नज़र डाली और वह बेजान थी, उसमें कोई चमकती रोशनी नहीं थी।

जब हम लॉन में पहुँचे, तो अंगरक्षक जा चुके थे। वाह! आसमान नीला और एकदम साफ था। हालात को देखते हुए यह कुछ अजीब सा लग रहा था। कुछ तो हो रहा था, किसी तरह का... जादू।
“हम बाहर नहीं निकल सकते!” मैक्स ने मेरे बाईं ओर से आवाज़ लगाई।
मैंने मुड़कर उसकी तरफ देखा, वह हवा में ऐसे हाथ-पैर मार रहा था जैसे वहाँ कोई ठोस चीज़ हो। मैं सावधानी से लॉन के किनारे तक गया। जैसे-जैसे मैं पास पहुँचता गया, साँस लेना मुश्किल होता गया। मैंने अपने हाथ ऊपर उठाए, और वहाँ... कुछ था। बिल्कुल दीवार तो नहीं थी, लेकिन ऐसा लग रहा था जैसे बिजली का झटका हो। इतना तेज़ झटका कि हम उसे पार नहीं कर पा रहे थे।
चेज़ मेरे बगल में आकर खड़ा हो गया। उसने अपना हाथ मेरे हाथ के पास उठाया, फिर धीरे से नीचे गिरा दिया।
"यह किसी जादू जैसा है," उसने सिर हिलाते हुए कहा।
मैक्स मेरे बगल में आकर खड़ा हो गया। "मुझे अंगरक्षक मिल गए हैं।"
मैंने उससे सवालिया निगाह से देखा। उसका चेहरा पीला पड़ गया। शब्दों में जवाब देने के बजाय, उसने इशारा किया। मैंने उसकी उंगली की दिशा का अनुसरण करते हुए सराय के बरामदे तक पहुंचा। हम उनके ठीक बगल से गुजरे थे। खैर, उनके जो भी अवशेष बचे थे, उनके पास से।
दूर से ही मैं समझ गया था कि वे अब साबुत नहीं रहे। लकड़ी की पट्टियों से खून लगातार बह रहा था। यह एक भयानक मंजर था, जिसे देखकर मन करता है कि सब कुछ भुला दिया जाए, लेकिन फिर भी आप करीब जाकर सारी सच्चाई जानने की कोशिश करते हैं।
हम लाशों से लगभग दस फीट दूर रुक गए। दस फीट काफी करीब था। ढेर से एक दुर्गंध उठ रही थी। मैंने हमेशा सुना था कि ताजा मौत से बदबू आती है, खासकर जब किसी को इतना काट दिया जाए कि अंदर के तरल पदार्थ और अन्य पदार्थ खुले आसमान के नीचे दिखाई देने लगें। मैं जल्दी से मुँह फेरकर उल्टी करने लगा। मैक्स भी मेरे पीछे ही था। चेज़ ने किसी तरह अपनी कुकीज़ को संभाले रखा। मैंने मुंह से पित्त का स्वाद हटाने के लिए कई बार थूका, फिर लाशों से दूर जाकर घास पर बैठ गया।
चेज़ मेरे बगल में आकर खड़ा हो गया। "हमें यहां से निकलने की कोशिश करनी होगी।"

मैंने अपने हाथ में आग की लपटें पैदा करने की कोशिश की। शायद अगर मैं इतनी बड़ी लपटें बना पाता कि उन्हें जादुई अवरोध पर फेंक सकूँ। मेरे हाथ काम नहीं कर रहे थे। मुझे हल्का सा शक होने लगा कि मैं सदमे में जा रहा हूँ। मेरी जादूई शक्ति, या क्षमता, या जो भी आप इसे कहना चाहें, काम नहीं कर रही थी।
मैक्स मेरे बगल में, लेकिन मेरी नज़र के किनारे पर ही बैठा था। वह स्पष्ट रूप से दखल न देने की कोशिश कर रहा था क्योंकि मैं अपने हाथ को ऐसे घूर रहा था जैसे वह कोई टूटा हुआ औजार हो।
मैंने किसी से विशेष रूप से नहीं पूछा, "वे क्यों नहीं आ रहे हैं?"
“कौन?” मैक्स ने पूछा।
मुझे यह समझने में एक मिनट लगा कि उसने क्या पूछा था। हाँ, मैं सचमुच सदमे में था। "जिस किसी ने भी अंगरक्षकों को मारा, हम अभी तक ज़िंदा क्यों हैं?" "क्या आप लोगों को वह गंध आ रही है?" मैक्स ने मेरे सवाल को अनसुना करते हुए पूछा।
मुझे पूरा यकीन था कि मेरा सवाल कहीं अधिक प्रासंगिक था, लेकिन मैंने जवाब दिया, "मैं बहुत ज्यादा सूंघने की कोशिश नहीं कर रहा हूँ।"
मैक्स ने सिर हिलाया। “मुझे पहले इसकी गंध नहीं आ रही थी, मुझे सिर्फ लाशों की गंध आ रही थी, इसलिए मैंने उन्हें देखा। यह सीलन भरे पत्थर जैसी गंध है। किसी गुफा जैसी।”
मैंने सूंघा। मुझे नमी की गंध आई, बारिश से पहले की गंध जैसी, लेकिन उसमें कुछ अलग था। मैक्स सही था, यह किसी गुफा या भूमिगत जगह जैसी गंध थी।
मैंने अपनी आँखें बंद कर लीं और उस गंध पर ध्यान केंद्रित किया। जैसे ही मैंने उस पर ध्यान केंद्रित किया, मुझे ठंड लगने लगी। मेरे नीचे की घास पत्थर जैसी लग रही थी। मैंने अपनी आँखें खोलीं और आसमान गायब हो गया था। “हम अब कंसास में नहीं हैं,” मैंने बुदबुदाते हुए कहा। फिर मुझे एहसास हुआ कि मेरे पास बुदबुदाने के लिए कोई नहीं है। मैं एक खाली पत्थर की गुफा में अकेला बुदबुदा रहा था। लेकिन मैं ज्यादा देर तक अकेला नहीं रहा।

अध्याय अठारह
उसके आने से पहले एक शरारती सी हंसी सुनाई दी। सबसे पहले मुझे मशाल की रोशनी दिखाई दी। गुफा में और भी रोशनी थी, लेकिन मैं समझ नहीं पा रही थी कि वह कहां से आ रही है। मैगी मशाल हाथ में लिए कोने से उछलती हुई आई। उसने अपनी फूलों वाली पोशाक की जगह काली पोशाक पहन रखी थी। वह पोशाक उसके घुटनों से नीचे तक जाती हुई घुटनों तक ऊंचे काले बूटों से मिल रही थी। मैं गुफाओं में घूमने के लिए स्टिलेटो हील्स नहीं चुनती, लेकिन वैसे भी, मैंने शुरू से ही गुफा में घूमने का फैसला नहीं किया था।
“ओह छोटी बच्ची,” उसने कहा। “क्या तुम्हें सच में लगा था कि किसी पिशाच का सामना करना अच्छा विचार था?”
मेरी हंसी कर्कश और रूखी थी, और शायद ऐसा लग रहा था जैसे मेरा दम घुट रहा हो। "तुमने यह सब अकेले नहीं किया। तुम्हारे पास इतनी शक्ति नहीं है।" उसने अपना सिर एक तरफ झुकाया। "क्या मैं नहीं हूँ?"
मैंने उसकी आँखों में सीधे देखते हुए कहा, "नहीं, तुम नहीं कर सकती। मेरे दोस्त कहाँ हैं?"
वह हंस पड़ी। “अरे, आपको उनकी चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। कम से कम उनकी तो नहीं जिन्हें आप असली सराय में छोड़ आए हैं। इतने सालों बाद भी मुझे जेसन के लिए थोड़ी सी परवाह है। हो सकता है कि आपके चले जाने के बाद मुझे उन भावनाओं को और गहराई से समझने की कोशिश करनी पड़े।”
उसकी अप्रत्यक्ष रूप से की गई पूछताछ को नजरअंदाज करते हुए, मैंने पूछा, "चेज़ और मैक्स के बारे में क्या?"
उसने कंधे उचकाते हुए कहा, "उनसे आपको सावधान रहना पड़ सकता है। अगर वे कभी उस मनगढ़ंत वास्तविकता से बाहर निकलने का रास्ता ढूंढ भी लेते हैं, तो वे यहीं आकर रुकेंगे, और मैं आपको यकीन दिलाती हूं, इस इलाके में सिर्फ मैं ही बुरी नहीं हूं।"
मैंने कड़वी मुस्कान के साथ कहा, "मुझे लगता है कि जिसने वास्तव में उस वास्तविकता को बनाया है, वह यहीं नीचे है? मेरा मानना है कि वह भेड़िया शायद तुमसे कहीं ज्यादा बड़ा और खतरनाक है।"
उसने मुस्कुराकर जवाब दिया, लेकिन ऐसा नहीं लग रहा था कि वह खुश थी। “हम भेड़ियों से कहीं बेहतर हैं, मेरे प्यारे। हालांकि हां, वह यहीं कहीं नीचे

है। मुझे उससे बात करनी पड़ेगी। तुम्हें बाहर निकलने में और ज़्यादा समय लगना चाहिए था। मुझे तुम्हारी उलझन देखकर बहुत मज़ा आ रहा था। वैसे, तुमसे उल्टी की बदबू आ रही है।”
वह मेरे इतने करीब आ गई थी कि मैंने उस पर थूक दिया, जिससे उसके चेहरे से मुस्कान गायब हो गई। अब उसे भी उल्टी की बदबू आ रही थी। हैरानी की बात यह है कि मेरे इस इशारे से उसने मुझ पर हमला नहीं किया... अभी तक तो नहीं। उसकी मुस्कान तुरंत लौट आई। “याद है, उस दूसरी दुनिया में तुम अपनी जादूई शक्ति का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे थे? यहाँ भी नहीं कर सकते। मैं तुम्हें तुम्हारी कमजोरी दिखाना चाहती थी। मैं चाहती थी कि तुम्हें मारने से पहले तुम अपनी हीनता का एहसास हो जाए।”
मैंने फिर मुस्कुरा दिया। “जानते हो, तुम तीसरे मनोरोगी हो जिसने मुझे मारने से पहले उपदेश दिया है। फिर भी, मैं अभी भी यहाँ हूँ। बाकी दो के बारे में ऐसा नहीं कह सकते।”
मैं झूठ बोल रहा था। जादू के बिना मेरी हालत खराब थी। मैं एक आम इंसान से ज़्यादा ताकतवर और तेज़ हूँ, लेकिन पिशाच जितना ताकतवर और तेज़ नहीं। या तो उसके साथ कोई दानव था या कोई चुड़ैल। चूंकि हम एक डरावनी भूमिगत गुफा में थे, इसलिए मैंने अंदाज़ा लगाया कि वह दानव था। उन्हें डरावनी भूमिगत गुफाओं का अजीब शौक था। हालांकि, इस बात का एहसास होने से मुझे कोई मदद नहीं मिली।
"तो तुमने उस दानव को क्या भेंट दी जिसने तुम्हारी मदद की?" मैंने उससे यह सवाल पूछा, जिससे वह चौंक गई।
उसकी मुस्कान फिर फीकी पड़ गई। वाह! "छोटी बच्ची, इससे तुम्हारा कोई लेना- देना नहीं है।"
अब मुस्कुराने की बारी मेरी थी। "नहीं, मुझे लगता है कि ऐसा नहीं है, लेकिन यह आपकी चिंता होनी चाहिए। मुझे लगता है कि आपको मुझे मारने के बाद यहां से निकलने की चिंता करनी चाहिए। मुझे लगता है कि आपको इस बात की चिंता करनी चाहिए कि एक दानव आपको खुशी-खुशी विदा करने के बजाय आपको खा जाना चाहेगा।" मुझे राक्षसों से डर नहीं लगता।
मैं हँस पड़ी। “नहीं मैगी, तुम मुझसे डरती नहीं हो, या शायद डरती हो, क्योंकि तुमने मुझे जादुई तरीके से नपुंसक बनाने के लिए इतनी मेहनत की। इस

दानव के पास एक ऐसी समानांतर दुनिया बनाने की शक्ति थी जिसमें दो दानव और एक वेयरवोल्फ फँस गए थे। मुझे लगता है कि शायद यह दानव थोड़ा डरावना है।” मैगी ने मेरी ओर देखकर ताना मारा। "मेरा उससे एक समझौता है। जैसे ही मैं तुम्हें निपटा दूंगी, मैं सुरक्षित घर पहुँच जाऊंगी।"
मैंने जवाब दिया, "अगर घर से तुम्हारा मतलब उस धधकती नरक की खाई से है जिसमें तुम रहने लायक हो, तो हाँ, तुम बहुत जल्द वहाँ पहुँच जाओगे।" गुस्से से भरी आवाज़ में, "बस बहुत हो गया!" यही एक चेतावनी थी जो मुझे उसके मुझ पर झपटने से पहले सुनाई दी। मैं खड़ा हो गया और बचने की कोशिश की, लेकिन वह मुझसे ज़्यादा तेज़ थी। उसने मुझे पकड़ लिया और अपनी पूरी ताकत से मुझे एक गुड़िया की तरह हवा में उछाल दिया।
मैं धड़ाम से पत्थर की दीवार से टकराया और पत्थरों के ढेर में जा गिरा। जब मैंने नीचे देखा तो डर से मेरी नज़र नीचे पड़ी, क्योंकि पत्थरों के बीच हड्डियाँ थीं। उनमें से ज़्यादातर या तो चकनाचूर हो चुकी थीं या कुतर-कुतर कर छोटी-छोटी ठूंठ बन गई थीं। मैंने ये जताने की कोशिश की कि ये जानवरों की हड्डियाँ हैं, लेकिन मुझे पता था कि मैं खुद को धोखा दे रहा हूँ। उस जबड़े की हड्डी पर लगे दांत कुछ ज़्यादा ही इंसानी लग रहे थे।
चोट लगने से मेरे बाएं कंधे में तेज़ दर्द हो रहा था, लेकिन बाकी शरीर सुन्न था। मुझे लग रहा था कि सुन्न होना एक बुरी बात है। चोट लगने के बाद सुन्न होने का मतलब आमतौर पर या तो शरीर को दर्द का एहसास होना होता है, या फिर नसें क्षतिग्रस्त हो गई होती हैं। शायद मुझे जितना महसूस हो रहा था, उससे कहीं ज़्यादा चोट लगी थी।
मैगी मेरी ओर बढ़ी। वह मुझ पर तभी हावी हो सकती थी जब मैं ज़मीन पर होता, इसलिए उसने मुझे वहीं गिरा दिया।
“यह सब तुमने खुद ही किया है,” उसने मुझ पर थूकते हुए कहा। “तुम्हें एक बदतमीज़ और मूर्ख बनना ही था। तुम बस वहाँ से जा सकते थे।”
मैं मुस्कुराई और महसूस किया कि मेरे चेहरे पर कुछ गीला टपक रहा है। मुझे एहसास हुआ कि शायद खून है, लेकिन मैंने इसे नज़रअंदाज़ कर दिया। "अब मैगी," मैंने उसे उपदेश दिया। "अगर मैं चली जाती, तो तुम्हें और ज़्यादा जलन होती जब तुम्हें पता चलता कि मेरा पिछवाड़ा तुम्हारे पिछवाड़े से कहीं ज़्यादा अच्छा है। तुम शायद मुझे वहीं मार डालने की कोशिश करती।"

मैं मरने ही वाला था, लेकिन मैं उसे ऐसा करने नहीं देता। अचानक चेज़ उसके पीछे प्रकट हुआ और उसके कंधे पर थपथपाया। वह चौंककर पीछे मुड़ी और मैंने इस मौके का फायदा उठाकर उसके दाहिने घुटने के ठीक नीचे लात मार दी। एक ज़ोरदार आवाज़ हुई और वह गिर पड़ी।
पलक झपकने से पहले ही उसके छोटे-छोटे नुकीले दांत मेरे चेहरे से कुछ ही इंच दूर थे। चेज़ ने उसके बाल पकड़कर उसे पीछे खींच लिया क्योंकि वह पागल कुत्ते की तरह मुझ पर झपट रही थी। जिस पैर पर मैंने लात मारी थी, वह अजीब से कोण पर मुड़ गया था, लेकिन उसे अभी तक इसका एहसास नहीं हुआ था।
किसी धीमी गति के डरावने दृश्य की तरह, उसका जबड़ा धीरे-धीरे मेरे चेहरे के करीब आता गया। मैंने पत्थरों और हड्डियों के ढेर में टटोलते हुए एक बड़े पत्थर को पकड़ लिया। मैंने तुरंत उस बड़े पत्थर को मैगी की खोपड़ी पर दे मारा।
वह मुझसे दूर हट गई, लेकिन कुछ ही पलों में चेज़ पर झपट पड़ी और अपनी बहन की हत्या के लिए उस पर बेतरतीब ढंग से चिल्लाने लगी। चेज़ ने अपना दाहिना हाथ ऊपर उठाकर खुद को उसके दांतों से बचाने की कोशिश की और मैगी भूखे जानवर की तरह उसके हाथ को नोंचने लगी। आज दूसरी बार मैगी चेज़ को गंभीर चोट पहुँचाने से बाल-बाल बची। मैं जो करने जा रहा था, वह करना नहीं चाहता था, लेकिन मैं उठकर उसकी मदद नहीं कर पा रहा था, इसलिए मैंने फिर भी वही किया। मैंने चिल्लाकर कहा, "मैं एक सौदा करना चाहता हूँ!"
मैगी रुकी और मेरी ओर मुड़ी, उसके मुंह और गर्दन से खून बह रहा था। "तुम क्या कर रहे हो!" वह गुस्से से बोली।
मैंने उसकी बात अनसुनी कर दी। “ओह, शक्तिशाली दानव!” मैंने पुकारा। “मुझे लगता है कि मैं तुम्हें एक छोटे से पिशाच से कहीं अधिक दे सकता हूँ!”
गुफा में एक और आकृति प्रकट होते ही मैगी मुझ पर झपटी। वह बहुत ही विशालकाय था। उसकी लंबाई लगभग 6 फुट 7 इंच रही होगी और वह टैंक की तरह गठीला था। उसकी त्वचा का रंग इतना गहरा था जितना मैंने पहले कभी नहीं देखा था, इतना गहरा कि उसमें बैंगनी और नीले रंग की झलकियाँ थीं। उसकी आँखें काली थीं, और सिर्फ़ पुतली और आइरिस ही नहीं, पूरी आँख काली थी।
उसने मैगी को ऐसे पकड़ लिया जैसे उसका कोई वज़न ही न हो। वह उसकी पोशाक के पिछले हिस्से से लटकती रह गई। "हमारा एक समझौता हुआ था!" वह गुस्से से चीखी।

उसकी अनदेखी करते हुए, राक्षस मेरी ओर मुड़ा। वह मुस्कुराया। उसके दांत नुकीले थे। "किस तरह का सौदा है, नन्ही बच्ची?"
“उम,” मैंने चेज़ की ओर देखते हुए कहना शुरू किया। वह अपने खून से लथपथ हाथ को सीने से लगाए हुए था। उसने मुझे ‘तुम क्या कर रहे हो?’ वाली नज़र से देखा और मैं वापस दानव की ओर मुड़ गया। “पहले मुझे यह जानना होगा कि मैगी ने तुम्हें क्या पेशकश की है, फिर मैं सौदा और बेहतर करूँगा।”
वह फिर मुस्कुराया। उससे सड़े हुए मांस जैसी गंध आ रही थी। मुझे लगभग यकीन था कि मैं जानता हूँ कि अंगरक्षकों को किसने मारा था। उसने आश्चर्यजनक रूप से सभ्य स्वर में कहा, "उसने मुझे अपने पिशाच जैसे नौकरों को ऊपर मेरे काम करने के लिए भेजा है।" उसने गुफा की छत की ओर देखा, जो वास्तव में उसके चेहरे से ज़्यादा दूर नहीं थी। "हममें से जो इतने बदनसीब हैं कि हमारे शरीर में मानव रक्त का कोई अंश नहीं है, हम केवल बुलाए जाने पर ही ऊपर जा सकते हैं।"
क्या इसका मतलब यह था कि मेरे पिताजी में कुछ मानवीय रक्त था? मैं इस बारे में बाद में सोचूंगा, अगर बाद में कभी कुछ हुआ तो। मेरे पिताजी को बैठकर मुझे वह सारी जानकारी देनी होगी जो मुझे नहीं पता थी। नियमों को जाने बिना जीवन-मरण की इतनी स्थितियों में पड़ना मुझे बिल्कुल अच्छा नहीं लगता था। मैंने समय लेने की कोशिश करते हुए पूछा, "क्या आप जानते हैं कि मेरे पिताजी कौन हैं?"
राक्षस मैगी को खिलौने की तरह इधर-उधर झुलाने लगा। "तुम्हारे इन खेलों से मैं थक गया हूँ, छोटी बच्ची," उसने जवाब दिया।
“मेरे पिताजी का नाम एलेक्सोंड्रे है। क्या आप उन्हें जानते हैं?” मैंने जोर देकर पूछा।
राक्षस हँस पड़ा। “ओह एलेक्सोंड्रे, वो पहले कितना मज़ेदार हुआ करता था... जब तक कि उसने उस स्त्री के साथ संबंध बनाकर खुद को गंदा नहीं कर लिया। मुझे पता ही नहीं था कि उसकी कोई संतान भी है।”
मेरी माँ का अपमान करने पर मैंने कुछ ऐसा कहने से पहले ही खुद को रोक लिया जिसका मुझे बाद में पछतावा होता। इसके बजाय मैंने कहा, "तो आप दोस्त हैं? आप और मेरे पिताजी?"

राक्षस ने मैगी को जमीन पर गिरने दिया, लेकिन फिर भी उसे पकड़े रखा। "मैंने कहा था कि मैं एलेक्जेंड्रे को जानता हूँ, यह नहीं कहा था कि हम दोस्त हैं।"
“अच्छा, क्या यह अच्छा नहीं होगा कि वह आपका एहसानमंद हो?” मैंने उम्मीद से पूछा।
मेरे पिताजी को शायद यह पसंद न आए कि मैं उनके एहसानों का लेन-देन करूँ, लेकिन आखिर उन्होंने भी तो मेरा एहसान माना था। अब उन्हें भी अपना एहसान चुकाना था।
उस राक्षस ने मुझे संदेह भरी निगाहों से देखा। "एलेक्सोंड्रे मेरे लिए क्या कर सकता है?"
मैगी रोने लगी। मुझे लगभग उस पर तरस आ गया। फिर वह बड़बड़ाने लगी कि वह मुझे और मेरे पूरे परिवार को जलते हुए देखेगी और तब मुझे तरस आना बंद हो गया।
“अच्छा, तुम क्या चाहोगे?” मैंने पूछा।
"ज़ोई, ऐसा मत करो," चेज़ ने बीच में ही टोकते हुए कहा।
राक्षस ने उंगली उठाकर चेज़ की ओर इशारा किया। "तुम इस चर्चा में शामिल नहीं हो। तुम्हारी वंश-परंपरा इतनी उलझी हुई है कि तुम्हारे पास होने मात्र से ही मैं अपवित्र महसूस करता हूँ।"
"मुझे यहीं रखो और ज़ोई को जाने दो," चेज़ अचानक बोल पड़ा। "मैं तुम्हारे सारे काम कर दूंगा। मैं पिशाचों से भी ज़्यादा आसानी से आ-जा सकता हूँ।" राक्षस ने चेज़ की ओर मुड़कर देखा। मैगी ने संघर्ष किया जब वह उसे फर्श पर घसीट रहा था, फिर उसने हार मान ली और बेजान हो गई।
“मुझे लगता है मैंने कहा था कि तुम इस बातचीत में शामिल नहीं हो,” राक्षस ने उपदेश देते हुए कहा। “अगर तुमने दोबारा कुछ कहा तो मैं तुम्हें मार डालूंगा।”
यह सब व्यर्थ जा रहा था। जाहिर है, उस दानव की असली इच्छा यही थी। "अगर हम पिताजी मिलकर कोई ऐसा रास्ता निकाल लें जिससे तुम जब चाहो ऊपर जा सको तो?" “ज़ो रुको!” चेज़ चिल्लाया।
राक्षस फिर मुस्कुराया। "बच्चे, अगर मैं ऐसा कर पाता, तो मैं फिर कभी यहाँ नीचे नहीं आता, लेकिन मुझे डर है कि यह संभव नहीं है।"

धत् तेरे की, मेरे पास सौदेबाजी के लिए और कुछ बचा ही नहीं था। शायद यह मुमकिन ही नहीं था।
मैंने चेज़ की अनदेखी करते हुए विनती की, "चलिए कोशिश करते हैं। और अगर हम सफल नहीं हुए, तो मैं आपके सारे काम खुद कर दूंगी।"
उसने मुझे अपने नुकीले दांत फिर से दिखाए। "हो गया।"
“हमारा एक समझौता हुआ था!” मैगी चीखी और राक्षस की पकड़ से छूटने के लिए छटपटाने लगी।
मैं उठ खड़ा हुआ और लड़खड़ाते हुए उस जगह तक गया जहाँ मैगी लटक रही थी। मेरे पैर और पीठ अभी भी थोड़े सुन्न थे, इसलिए खड़े रहना ही मेरे लिए एक बड़ी उपलब्धि थी।
“छोटी बच्ची,” मैंने उसे डांटा।
मैगी एकदम शांत हो गई और डरी हुई आँखों से मेरी तरफ देखने लगी। मुझे लगभग उस पर तरस आ गया... लगभग।
चेज़ मेरे बगल में आकर खड़ा हो गया, उसकी कमीज़ खून से लथपथ थी। वह मुस्कुराया, हालाँकि उसका चेहरा थोड़ा पीला पड़ गया था और वह इस स्थिति से खुश नहीं था।
"क्या तुम्हें कभी किसी ने नहीं बताया?" उसने मेरी ओर से बात जारी रखी।
“क्या हमें राक्षसों से सौदा नहीं करना चाहिए?” हमने एक साथ कहा।
मुझे यह सोचने से खुद को रोकना मुश्किल हो रहा था कि चेज़ जितना मैगी को उपदेश दे रहा था, उतना ही मुझे भी उपदेश दे रहा था।
उस विशालकाय राक्षस ने ठहाका लगाया और फिर झट से मैगी के सीने से उसका दिल निकाल लिया। मुझे फिर से उल्टी आने वाली थी।

अध्याय उन्नीस
“मेरा नाम बार्टिमस है,” राक्षस ने समझाया, “लेकिन आप मुझे बार्ट कह सकते हैं।”
जब मुझे लगा कि मैंने सब कुछ सुन लिया है, तभी मेरी मुलाकात बार्ट नामक दानव से हुई।
बार्ट ने एक छोटी सी कैफे टेबल और दो कपों वाली एक चायदानी प्रकट कर दी थी। चेज़ को टेबल पर बैठने की अनुमति नहीं थी। वह कोने में रूठकर बैठा था। बार्टिमस अपनी छोटी सी लोहे की कुर्सी पर बैठा और भी विशालकाय लग रहा था। मैं दूसरी छोटी कुर्सी पर बैठ गया और बार्ट ने हम दोनों के लिए एक-एक कप चाय डाली और अपनी चाय की चुस्की ली। हमारी चाय एक ही केतली से बनी थी, इसलिए मैंने भी अपनी चाय उठाई और एक चुस्की ली। उम्मीद है कि यह 'प्रिंसेस ब्राइड' जैसी स्थिति नहीं थी और मैं आयोकेन ज़हर से मरने वाला नहीं था। चाय का स्वाद दालचीनी जैसा था।
“तुमने मुझे अपना नाम कभी नहीं बताया, नन्ही बच्ची,” बार्ट ने याद दिलाया। मैंने जवाब दिया, "मेरा नाम ज़ोई है।"
“सिर्फ ज़ोई नहीं,” उसने बहस करते हुए कहा। “मैं बता सकता हूँ कि यह तुम्हारा पूरा नाम नहीं है।”
मैंने संदेह से पूछा, "कैसे?"
“छोटी ज़ोई, मेरी शक्तियाँ मन से जुड़ी हैं,” उसने समझाया। “मैं दूसरी दुनिया बना सकता हूँ। छोटे-मोटे झूठ मुझसे नहीं बचते। इसी वजह से मैं यह भी जानता हूँ कि तुम्हारा मेरी मदद करने का कोई इरादा नहीं है।”
मैंने जवाब दिया, "किसी दानव के साथ सौदा तोड़ना मूर्खता होगी।"
"हाँ, तुम ऐसा करोगे," बार्ट ने सहमति जताते हुए कहा, "लेकिन तुम्हें उम्मीद है कि चूंकि तुम और तुम्हारे पिता भी दानव हो, इसलिए तुम उस छोटे से नियम को दरकिनार कर पाओगे।"
मैंने कंधे उचका दिए, तबीयत खराब लग रही थी। "कोशिश करने में क्या हर्ज है?"
बार्ट मुस्कुराया, और उसके मुंह से सड़े हुए मांस की दुर्गंध चाय की खुशबू के साथ घुल गई। मैं बस खाए जाने वाला था। मैं सचमुच खा लिया जाने वाला था। मैं खड़ा होने लगा।

“शांत हो जाओ नन्हे बच्चे,” बार्ट ने डांटते हुए कहा। “मैं तुम्हें खाने वाला नहीं हूँ। मैं एलेक्जेंड्रे के इकलौते बच्चे को नहीं खाऊंगा। यह बर्बरता होगी।”
मुझे यह सोचकर सुकून मिला कि बार्ट वह आखिरी व्यक्ति था जिससे मैं यह उम्मीद कर सकता था कि वह किसी बर्बर काम को करने से मना कर देगा।
"मुझे बस आपके खून की एक शीशी चाहिए," बार्ट ने ऐसे कहा जैसे यह दुनिया में कहने वाली सबसे आम बात हो।
"नहीं," चेज़ ने खड़े होते हुए बहुत दृढ़ता से कहा।
बार्ट भी खड़ा हुआ और चेज़ की ओर बढ़ा। चेज़ अपनी जगह पर डटा रहा। उसकी किस्मत अच्छी थी, फिर भी वह खुद को मौत के मुंह में धकेलने से बाल-बाल बचा। मैंने चिल्लाकर कहा, "मैं कर दूंगा! अगर तुम मुझे बताओगे कि यह किसलिए है।" "नहीं, तुम ऐसा नहीं करोगे," गुफा के दूसरी तरफ से एक आवाज आई।
बार्टिमस हैरानी से पीछे मुड़ा, फिर मुस्कुराया। “एलेक्जेंड्रे! तुम्हें देखकर कितना अच्छा लगा!”
“तुम मेरी बेटी के साथ आखिर कर क्या रहे हो?” मेरे पिताजी ने गंभीर भावों के साथ पूछा।
बार्टिमस की मुस्कान और भी चौड़ी हो गई। उसने समझाया, "छोटी लड़की ने मुझसे एक सौदा किया है।"
मेरे पिताजी ने मेरी ओर ऐसे भावों के साथ देखा जो केवल उन माता-पिता के चेहरे पर होते हैं जो अपने बच्चों से बेहद निराश होते हैं।
मैंने अपनी चाय के कप की ओर देखा। "मेरे पास सच में कोई विकल्प नहीं था," मैंने बुदबुदाते हुए कहा।
“सच में उसने ऐसा नहीं किया,” बार्ट ने सहमति जताई।
मेरे पिताजी ने चेज़ की ओर मुड़कर कहा, “तुम्हारा काम उसे मुसीबत से बचाना है। लगता है तुम इसमें नाकाम रहे हो।”
मैंने बीच में ही टोकते हुए कहा, "उसे दोष मत दो। ड्यूटी के दौरान पिशाचों ने उसे पहले ही दो बार नोंच डाला है।"
बार्टिमस मानो उत्साह से उछल-कूद रहा था, जैसे कोई चंचल स्कूली लड़की हो। एक विशालकाय, मांस खाने वाली दानव स्कूली लड़की। अगर हालात इतने भयानक न होते तो यह दृश्य हास्यास्पद होता।
मेरे पिताजी ने लंबी आह भरी। "तुम उसका खून नहीं ले सकते, बार्ट।"

बार्ट की मुस्कान गायब हो गई। "तो फिर मैं उसका वादा कैसे सुनिश्चित करूँगा?"
“ऐसा नहीं होगा,” मेरे पिताजी ने समझाया। “कोई समझौता नहीं हुआ है।” बार्ट ने अपनी घनी भौंहें ऊपर उठाईं। "क्या तुम सचमुच वहाँ जाना चाहते हो, एलेक्सोंड्रे? तुम मुझे ले जा पाओगे या नहीं, यह कहना मुश्किल है, लेकिन तब तक हमारी नन्ही ज़ोई का क्या होगा? जब मैं तुम्हारी हड्डियाँ तोड़ दूँगा, तब उसका क्या होगा?"
मेरे पिताजी के चेहरे पर कड़वाहट भरी अभिव्यक्ति थी। उन्होंने बुदबुदाते हुए कहा, "मैं तुम्हें वचन देता हूँ।"
“वो क्या था?” बार्टिमस ने मुस्कुराते हुए और अपना विशाल हाथ कान पर रखते हुए कहा। “मुझे तुम्हारी आवाज़ ठीक से सुनाई नहीं दी, मेरे प्रिय मित्र।” “मैं आपको वचन देता हूं कि ज़ोई ने आपसे जो भी वादा किया है, मैं वह सब पूरा करूंगा,” मेरे पिताजी ने स्पष्ट रूप से कहा।
बार्ट ने चुटकी बजाई और उसके एक हाथ में कागज का एक लंबा स्क्रॉल और दूसरे हाथ में पंख की कलम आ गई। कागज किसी अनुबंध जैसा लग रहा था।
मैंने कहा, "सच में, क्या हम किसी डिज्नी फिल्म में हैं?"
बार्ट ने मेरी बात अनसुनी कर दी और अनुबंध मेरे पिताजी की ओर बढ़ा दिया।
“आखिर तुमने उससे क्या वादा किया था?” मेरे पिताजी ने पूछा।
मैं उसकी आँखों में आँखें नहीं मिला पा रही थी। “उम,” मैंने धीरे से कहा।
“बस उसकी मदद करने के लिए ताकि वह इंसानी दुनिया में जीने की आज़ादी हासिल कर सके।”
“ओह ज़ोई,” मेरे पिताजी ने आह भरी। “यही होना था।”
मेरे पिताजी द्वारा अनुबंध पर हस्ताक्षर करते ही बार्ट मुस्कुरा उठा। मेरे पिताजी बिना कुछ कहे मेरे पास आए और मेरा हाथ पकड़ लिया, जबकि मैं कुर्सी पर ही बैठी रही। मुझे यकीन नहीं था कि मैं दोबारा खड़ी हो पाऊंगी या नहीं। उन्होंने चेज़ को मेरा दूसरा हाथ पकड़ने का इशारा किया और चेज़ ने चुपचाप उनकी बात मान ली।
“हमें वापस ऊपर भेजो,” मेरे पिताजी ने मांग की।
“क्या तुम खुद नहीं निकल सकते?” बार्ट ने उपहास उड़ाया।

“मुझे अच्छी तरह पता है कि तुम किस तरह के लोगों को अपने यहाँ रखते हो, बार्ट,” मेरे पिताजी बड़बड़ाए। “अब हमें वापस भेज दो, वरना हमारा समझौता हम दोनों के लिए किसी काम का नहीं रहेगा।”
बार्ट ने शरारती मुस्कान के साथ उंगलियां चटकाईं। मुझे पेट में एक अजीब सी बेचैनी महसूस हुई और मैं चेज़ और अपने पिताजी से ऐसे लिपट गई जैसे वे मेरी जीवनरेखा हों।
हम सराय के सामने घास पर जा गिरे। जैसे ही दुनिया हमारे चारों ओर स्थिर हुई, मेरे घुटने जवाब दे गए, लेकिन चेज़ और मेरे पिताजी ने हमें संभाले रखा। मेरे पिताजी ने मेरा हाथ छोड़ दिया और चेज़ ने मुझे पैरों पर खड़ा रखने के लिए मेरी कमर में हाथ डाल दिया।
मुझे चक्कर आ रहे थे और मेरे हाथ-पैर सुन्न पड़ गए थे। आखिरकार चेज़ ने मुझे अपनी बाहों में उठाया और मुझे सराय की ओर ले जाने लगा, मेरे पिताजी हमारे साथ-साथ चल रहे थे।
लॉबी में बैठे कुछ वेयरवुल्फ हमें अजीब नज़रों से घूर रहे थे और मैंने उन्हें हल्का सा अभिवादन किया। वे जितना चाहें घूर सकते थे। मुझे खाली वैकल्पिक दुनिया के सराय के बजाय घूरते हुए वेयरवुल्फ ज़्यादा पसंद हैं। जब हम वापस लौटे तो हमारे समूह के बाकी लोग हमारा इंतजार कर रहे थे। वे बिल्कुल शांत नहीं थे। जाहिर तौर पर उन्होंने ही मेरे पिताजी को फोन किया था, इसलिए उन्हें पता था कि वे मदद के लिए आ रहे हैं, लेकिन जाहिर है उन्हें उन पर ज्यादा भरोसा नहीं था, क्योंकि हमने उन्हें खुद की युद्ध योजना बनाते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया।
जेसन दौड़कर चेज़ के पास गया और मुझे उसकी बाहों से ले लिया। उसने पूछा, "इसे क्या हुआ है?"
"चक्कर आना," चेज़ ने समझाया। "जब आप राक्षसी साधनों से यात्रा करने के आदी नहीं होते हैं, तो यह थोड़ा मुश्किल हो सकता है। किसी सुरक्षित राक्षसी ठिकाने से यात्रा करना तो और भी बुरा होता है।"
“क्या वह ठीक हो जाएगी?” जेसन ने पूछा।
“मैं यहीं हूँ,” मैंने बीच में ही टोकते हुए, उसकी बाहों में लिपटी हुई उसकी ओर देखते हुए कहा। “चक्कर आने के अलावा, मुझे चोट भी लगी हो सकती है। मुझे पक्का नहीं पता। क्या आप मुझे अभी नीचे उतार सकते हैं?”

मेरी नाराज़गी को नज़रअंदाज़ करते हुए जेसन मुस्कुराया। उसने मुझे थोड़ा और कसकर गले लगाया, फिर धीरे से मुझे बिस्तर पर लिटा दिया। मुझे अब बेहतर महसूस होने लगा था और मैं खुद से उठकर बैठ गई। जेसन मेरे और करीब आ गया और मेरा हाथ ऐसे पकड़ लिया मानो उसे यकीन ही नहीं हो रहा था कि मैं सचमुच यहाँ हूँ।
मैं उसके सहारे झुक गई और अपना ज़्यादातर वज़न उसे संभालने दिया। मुझे बैठने के लिए किसी मदद की ज़रूरत नहीं थी, लेकिन बस उसे फिर से अपने पास महसूस करना ही उस पल दुनिया का सबसे अच्छा एहसास था।
मैंने अपने आस-पास खड़े बाकी लोगों पर नज़र डाली। लूसी और एलिसन को देखकर ऐसा लग रहा था जैसे उन्हें समझ ही नहीं आ रहा हो कि वे क्या करें। लीला घबराई हुई नज़रों से मेरे पापा को देख रही थी। मैं उसे दोष नहीं दे सकती थी, मेरे पापा सच में काफी डरावने हो सकते थे।
मुझे सबके खड़े होने की क्षमता पर ईर्ष्या हो रही थी। खड़े होने में अभी भी थोड़ा समय लगेगा। मुझे कमरे में किसी एक चीज़ पर ध्यान केंद्रित करने में परेशानी हो रही थी।
मैं ध्यान केंद्रित कर पा रहा था और मुझे मैक्स दूसरे बिस्तर के किनारे बैठा हुआ दिखाई दिया। मैंने कहा, "तुम्हें वापस देखकर खुशी हुई।"
मैक्स ने मुझे घूरकर देखा। "मैं लगभग तीस मिनट पहले तक उन मृत अंगरक्षकों के साथ उस दूसरे सराय में फंसा हुआ था।"
“अरे, इसमें मेरी कोई गलती नहीं है कि तुम इस समस्या से निकलने का कोई रास्ता नहीं सोच पाए,” मैंने चिढ़कर कहा। “जिस जगह हम पहुँचे, वह तो बिल्कुल भी बेहतर नहीं थी।”
मैक्स अब भी चिड़चिड़ा लग रहा था। मुझे लग रहा था कि वह इस बात से ज़्यादा परेशान था कि वह दूसरी दुनिया से बाहर नहीं निकल पाया जबकि चेज़ और मैं निकल गए। बार्टिमस ने मैगी के बजाय हमसे निपटने का फैसला करने के बाद उसे आज़ाद कर दिया होगा। या शायद बार्ट ने दूसरी दुनिया में कोई कोशिश ही न करने का फैसला कर लिया हो, और मैक्स इसलिए आज़ाद हो गया क्योंकि बार्ट को परवाह ही नहीं थी। मेरा झुकाव दूसरे विकल्प की तरफ ज़्यादा था।
“तो क्या आप हमें बताने वाले हैं कि क्या हुआ?” एलिसन ने उत्सुकता से पूछा। “मैक्स ने हमें खाली सराय के बारे में बताया, लेकिन आप और चेज़ कहाँ गए थे?”

मैंने एक मिनट सोचा कि इसे समझाने का सबसे आसान तरीका क्या होगा। “मैगी ने हमें फंसाने के लिए एक दानव को काम पर रखा था। हम उसकी गुफा में पहुँच गए। दानव ने मैगी को मार डाला, अब हम दानव के कर्जदार हैं।”
“मुझे उसका क्या देना है?” लूसी ने पूछा।
जेसन मेरे और करीब आ गया, अगर ऐसा मुमकिन भी था तो। "उम," मैंने कहना शुरू किया। "अभी इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। घर पहुँचकर हम इसका हल निकाल लेंगे।"
किसी ने भी मुझसे और जानकारी नहीं मांगी। मुझे लगा कि मैं उस समय जितना बुरा महसूस कर रही थी, उतनी ही बुरी दिख भी रही थी।
“मैं अब इस गड़बड़ी को सुलझाने की कोशिश करने जा रहा हूँ,” मेरे पिताजी ने घोषणा की।
"आखिर तुमने हमें इतनी जल्दी कैसे ढूंढ लिया?" मैंने उसके गायब होने से पहले ही पूछ लिया।
मेरे पिताजी ने मुझे ऐसे देखा जैसे मैं कोई मूर्खतापूर्ण सवाल पूछ रहा हूँ। "बार्ट के सुरक्षा कवच के कारण मैं तुम्हें महसूस नहीं कर पा रहा था, लेकिन जैसे ही मैक्स ने घटना का वर्णन किया, मुझे पता चल गया कि तुम कहाँ होगे।"
यह बात समझ में आती थी, क्योंकि वह बार्ट को पहले से जानता था।
जब मैंने देखा कि वह अभी भी जाने ही वाला है, तो मैंने फिर से कहा, "रुको। अब हम क्या करेंगे?"
“हम कुछ नहीं करेंगे, एलेक्सोंड्रा,” उसने जवाब दिया। “मैं अब अनुबंध के अनुसार बार्टिमस की मदद करने का रास्ता ढूंढने के लिए बाध्य हूँ। अगर यह संभव है, तो मुझे करना होगा, और फिर मुझे उसे मारना होगा। बार्टिमस को इस दुनिया में छोड़ा नहीं जा सकता।”
मैंने पूछा, "वह मेरे खून का क्या करता?"
उन्होंने समझाया, “बार्ट किसी के खून का इस्तेमाल करके अपनी शक्ति को केंद्रित कर सकता है। अतिरिक्त नियंत्रण के बिना भी उसके दिमागी खेल काफी असरदार हैं।”
मैंने बुदबुदाते हुए कहा, "मुझे इसके बारे में बताओ।"
एक पल में आग की लपट उठी और मेरे पिताजी की मृत्यु हो गई।

दरवाजे पर दस्तक हुई। बिलकुल नहीं। और लोग? क्या मैंने काफी लोगों से नहीं निपटा था? लीला तुरंत हरकत में आई और कुछ ही सेकंड में दरवाजे पर पहुंच गई।
उसने अभी दरवाजा खोला ही था कि एबेल अंदर आ गया, उसके पीछे-पीछे डेविन भी था।
मुझे ज़िंदा और ठीक-ठाक देखकर एबेल ने राहत की साँस ली। "तुम इस व्यवस्था को आसान नहीं बना रहे हो," एबेल ने मुझसे बड़बड़ाते हुए कहा।
मैंने कंधे उचका दिए। "माफ़ कीजिए। इस बात से तसल्ली रखिए कि मेरे लिए यह स्थिति कहीं ज़्यादा खराब है।"
“क्या तुम्हें किसी राक्षस ने अगवा किया था?” उसने पूछा।
“क्या आपको वाकई स्पष्टीकरण चाहिए?” मैंने थके हुए स्वर में उत्तर दिया। एबेल ने अपनी भौंहें सिकोड़ीं। "मुझे नहीं पता। कम से कम अभी तो नहीं, लेकिन मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या मुझे तुम्हें राक्षसों के साथ-साथ पिशाचों से भी बचाना होगा।"
मैंने कंधे उचकाते हुए कहा, "मुझे नहीं लगता कि अभी आपको मुझे किसी दानव से या किसी भी पिशाच से बचाने की ज़रूरत पड़ेगी।"
एबेल थोड़ा और सहज हो गया। डेविन ने अपनी मुस्कान छिपाने के लिए हाथ ऊपर उठा लिया। मैंने डेविन को कभी गुस्से में या परेशान नहीं देखा था। वह हमेशा खुशमिजाज लगता था। यह बात मुझे परेशान कर रही थी।
“समूह मतदान के लिए तैयार हो रहे हैं,” एबेल ने घोषणा की।
“अभी?” मैंने गिड़गिड़ाते हुए कहा। “मैं अभी-अभी वापस आई हूँ। तुम्हें कैसे पता चला कि कुछ गड़बड़ है?”
एबेल ने मुझे घूरकर देखा। आजकल मुझे बहुत घूरती निगाहें मिल रही थीं। "तीन मरे हुए वेयरवुल्फ अचानक मैक्स के साथ मुख्य दरवाजे पर प्रकट हुए।" मैंने समझाने के लिए अपना मुंह खोला।
“नहीं,” एबेल ने हाथ उठाते हुए कहा। “स्पष्टीकरण बाद में दिए जा सकते हैं, आपको तैयार होना होगा।”
मैंने निराशा में अपनी आँखें बंद कर लीं और जेसन ने मुझे बाहों में भर लिया। "क्या यह इंतज़ार नहीं कर सकता?" उसने पूछा।
“नहीं,” एबेल ने जवाब दिया और फिर कमरे से बाहर चला गया।
तभी मैंने देखा कि डेविन के हाथ में कपड़ों का थैला था। "यह वो चीज़ न हो जो मैं सोच रहा हूँ," मैंने सावधानी से कहा।

डेविन ने मुझे सचमुच एक बुरी नज़र से देखा। "एबेल तुम्हारी रक्षा करने की घोषणा कर रहा है। अब रंग-बिरंगे कपड़े पहनने का समय आ गया है। वेयरवुल्फ को तमाशा देखना बहुत पसंद होता है।"
"अरे यार," मैंने कहा, मेरे पास कहने के लिए शब्द नहीं थे।
“उठने और तैयार होने का समय आ गया है,” डेविन ने कहा।
उठ खड़े होना? कहना आसान है, करना मुश्किल। एक राक्षस का जीवन कभी आसान नहीं होता।

अध्याय बीस
ड्रेस गहरे नीले रंग की और स्ट्रैपलेस थी, जिसके ऊपरी हिस्से पर छोटे-छोटे क्रिस्टल की हल्की-सी चमक दिखाई दे रही थी। मैंने पिछले कुछ दिनों में जितनी ड्रेस पहनी थीं, उतनी मैंने अपनी पूरी जिंदगी में भी नहीं पहनी थीं। अब मुझे ये बिल्कुल भी पसंद नहीं आ रहा था। आखिर में एलिसन और लूसी ने मुझे लंगड़ाते हुए बाथरूम तक ले जाकर कपड़े बदलने में मदद की।
चलना-फिरना आसान होता जा रहा था, बस उम्मीद थी कि मतदान के समय तक मेरी चलने की क्षमता पूरी तरह वापस आ जाए। मुझे लग रहा था कि कमजोर दिखना अच्छा नहीं होगा। साथ ही, अपने अंगों को ठीक से काम न करा पाना बेहद निराशाजनक था।
मैगी द्वारा गुफा की दीवार पर पटके जाने से मेरी पीठ पर जगह-जगह रंग-बिरंगे निशान पड़ गए थे, जो अब ठीक हो रहे थे। ड्रेस से मेरी पीठ के ऊपरी हिस्से के सारे निशान साफ दिख रहे थे। छोड़ो इन सब बातों को।
मैं फिर से बाथरूम के सिंक पर बैठी थी जबकि एलिसन मेरे चेहरे पर मेकअप कर रही थी। मैंने पहले तो विरोध किया, लेकिन मैं भाग नहीं सकती थी। लूसी बंद टॉयलेट सीट पर बैठी थी।
एलिसन ने अपना काम खत्म किया और मैं काउंटर-टॉप से नीचे उतरने लगी। नीचे उतरते समय मेरी ड्रेस का किनारा नल में फंस गया। मेरे पैर ज़मीन पर पड़े और उसी समय मुझे एक ज़ोरदार फटने की आवाज़ सुनाई दी। मेरी ड्रेस फट गई थी। यही वो आखिरी तिनका था जिसने ऊंट की कमर तोड़ दी।
"भाड़ में जाए!" मैंने बेतरतीब ढंग से अपने हाथ ऊपर उठा दिए।
मैं बाथरूम से लड़खड़ाते हुए बाहर निकली, पूरी तरह से तंग आ चुकी थी। मैं जाकर अपने सूटकेस के पास फर्श पर बैठ गई और अपने कपड़ों को टटोलने लगी। यह सब हद से ज़्यादा हो गया था। मैं इन बेवकूफ़ ड्रेसों से तंग आ चुकी थी। मैंने कमरे की तरफ पीठ करके ड्रेस को अपनी छाती से नीचे सरकाया ताकि ब्रा पहन सकूँ, फिर अपनी नई गहरे नीले रंग की लेस मिज़ शर्ट पहन ली।
मैंने खुद को खड़ा होने के लिए मजबूर किया और दीवार का सहारा लेकर कमरे को देखा। मैक्स और लीला ने मुझे प्राइवेसी देने के लिए अपना चेहरा दूसरी तरफ कर लिया था। एलिसन और लूसी बाथरूम के दरवाजे के ठीक बाहर खड़ी थीं और मुझे ऐसे देख रही थीं जैसे मैं पागल हो गई हूँ। चेज़ चिंतित दिख रहा था और जेसन

की आँखों में दया भाव था। मुझे दया नहीं चाहिए थी, फिर भी मैं खुद को रोक नहीं पाई और पहला आँसू मेरे चेहरे से बह गया। जेसन पास आया और मेरे हाथ से जींस ले ली।
मैं लड़खड़ा रही थी जब जेसन ड्रेस की ज़िप ढूंढ रहा था, फिर उसे मेरी कमर से नीचे उतारने लगा। चेज़ मेरे सामने आकर खड़ा हो गया और मुझे सहारा देने के लिए अपनी बाहें दे दीं। जब मैं बाथरूम में छिपी हुई थी, तब किसी ने उसके नए ज़ख्मों पर पट्टी बांध दी थी। उसने मेरे आँसुओं से भीगे चेहरे को देखकर तसल्ली भरी मुस्कान दी। जेसन ने किसी तरह ड्रेस उतार दी, फिर मुझे जींस पहनने में मदद की।
मैंने कांपती हुई आवाज में चेज़ से कहा, "अब और सजने-संवरने की ज़रूरत नहीं है।"
उसने सिर हिलाया। "मैं इस बात पर आपसे सहमत हूँ।"
जब जेसन ने मुझे बिस्तर तक लेटाया ताकि मैं अपने जूते पहन सकूँ, तो किसी और ने कुछ नहीं कहा। मुझे चिंता होने लगी थी कि कहीं दीवार से टकराने से मेरी नसें क्षतिग्रस्त तो नहीं हो गई हैं।
चेज़ ने मेरी चिंताओं को खुलकर व्यक्त किया।
जेसन ने सिर हिलाया। "मैं भी यही सोच रहा था।"
“क्या मैं ठीक रहूंगी?” मैंने अचानक घबराते हुए पूछा।
जेसन मुस्कुराया। “पिछले साल तुम्हारी हड्डी बहुत जल्दी टूट गई थी। तुम भी जल्द ही ठीक हो जाओगे।”
मैंने राहत की सांस ली, जिससे मेरी पसलियों में दर्द होने लगा। एलिसन मेकअप वाइप लेकर मेरे सामने आकर खड़ी हो गई। मैंने शायद अपना मस्कारा पूरी तरह से खराब कर दिया था, इसलिए उसने बड़ी मेहरबानी से उसे पोंछ दिया। मैंने कहा, "चलो चलते हैं।"
किसी ने कोई आपत्ति नहीं जताई।
जेसन ने मुझे वापस अपनी बाहों में उठा लिया। उसने समझाया, "लॉबी पहुँचते ही मैं तुम्हें नीचे उतार दूँगा। फिर हम वहाँ से तुम्हें चलने में मदद कर सकते हैं।"
वह धक्का-मुक्की करते हुए दरवाजे से अंदर घुस गया और हमारे समूह के बाकी लोग उसके पीछे-पीछे आ रहे थे।
“धन्यवाद,” मैंने उत्तर दिया।

“आपका स्वागत है,” उसने उत्तर दिया।
“और जेसन?” मैंने पूछा।
“हां ज़ोई?” उसने मुस्कुराते हुए मुझसे पूछा।
मैंने जवाब दिया, "मैं तुमसे प्यार करता हूँ।"
"एक कमरा ले लो!" मैक्स ने हमारे पीछे से चिल्लाते हुए कहा, फिर वह जोर-जोर से उल्टी करने जैसी आवाजें निकालने लगा।
“मैं भी तुमसे प्यार करता हूँ,” जेसन ने हँसते हुए जवाब दिया।
मेरे सीने में कुछ हलचल होने लगी और मुझे एहसास हुआ कि मैं भी हंस रहा था।
सोचो ज़रा!

अध्याय इक्कीस
एबेल ने मेरी जींस और स्नीकर्स को घूरकर देखा, लेकिन फिर भी वोट पास हो गया। हम आधिकारिक तौर पर वेयरवोल्फ पैक बन गए थे। उसने मेरी रक्षा करने का भी ऐलान कर दिया था। इस पर कुछ लोगों के चेहरे नाखुश थे, लेकिन किसी ने खुलकर विरोध नहीं किया।
हम सब सही-सलामत शेल्बी वापस पहुँच गए। घर पहुँचकर मुझे राहत मिली, हालाँकि बार्टिमस की समस्या अभी भी मेरे दिमाग में थी। एलिसन अभी भी इंसान थी, लेकिन घर पहुँचने के बाद मुझे पता था कि वो वेयरवोल्फ बनने की अपनी कोशिश जारी रखेगी। उसे ये नहीं पता था कि मैंने उसकी सारी योजनाओं पर पानी फेर दिया था।
मैंने डेविन से यह बात फैलवा दी थी कि जो कोई भी एलिसन को बदलने की कोशिश करेगा, उसे मुझसे और असल में एबेल से जवाब देना होगा। फिर भी मैं उसे कोठरी में बंद करने के बारे में सोच रहा था।
मुझे पता था कि जल्द ही बार्टिमस मुझसे हमारी दुनिया में आने की ज़िद करने लगेगा, और एलिसन मुझसे पूछने लगेगी कि जिन वेयरवुल्फ से वह मिली, वे उसे वेयरवुल्फ क्यों नहीं बनाना चाहते, लेकिन मैंने सोचा कि ये सब कल की बातें हैं... या शायद परसों की। आज मैं अपने बिस्तर से दोबारा जान-पहचान बनाऊँगी। मैं तकियों में धंस गई और अपनी माँ के बारे में सोचने लगी। घर लौटने पर उन्होंने मुझे गले लगाया था, लेकिन यात्रा के बारे में कुछ नहीं पूछा। उन्होंने यह भी नहीं पूछा कि क्या मैं अब वेयरवोल्फ के झुंड की मुखिया बन गई हूँ, या हम पर पिशाचों और राक्षसों ने हमला किया था। इससे मुझे बहुत दुख हुआ। पहले मैं हमेशा उनसे खुलकर बात करती थी, और अब तो उन्हें यह पूछने में भी डर लगता था कि मेरी जिंदगी में क्या चल रहा है।
मुझे भी उस पर थोड़ा गुस्सा आ रहा था। मुझे सब कुछ स्वीकार करना पड़ा था। मैंने मान लिया था कि अब यही मेरी ज़िंदगी है। वह मेरी माँ थी, क्या उसे भी सब कुछ स्वीकार नहीं करना चाहिए था?
मैं अपने तकियों से बनाए गए घोंसले के बीच नींद में डूबने लगा था, तभी मेरे दरवाजे पर हल्की सी दस्तक ने मुझे चौंका कर जगा दिया।
मुझे पहले लगा कि शायद मेरी माँ मुझसे बात करना चाहती है। मैं अभी यही सोच रही थी कि तभी दरवाज़ा खुला और लूसी और एलिसन चुपके से मेरे कमरे में आ

गईं। लूसी को देखकर मुझे हैरानी नहीं हुई। तो लोगों को मारने के मामले में हमारी नैतिक सोच अलग थी। दोस्तों के बीच कुछ नैतिक संकोच क्या मायने रखते हैं?
जब उन्होंने मुझे तकियों के ढेर में दुबका हुआ देखा, तो उन्होंने एक-दूसरे को देखा और फिर एक साथ दौड़कर मुझ पर कूद पड़े। वे सब मुझ पर ऐसे चढ़ गए जैसे कुत्ते हों, जब तक कि मैंने उन्हें गुदगुदी करके और चुटकी काटकर दूर नहीं किया।
हम दोनों मेरे बिस्तर पर एक दूसरे के बगल में लेट गए, मैं बीच में थी, जोर-जोर से सांस ले रही थी और हंस रही थी।
“तो आप कैसा महसूस कर रहे हैं, हे महान और शक्तिशाली नेता?” लूसी ने पूछा। मैंने एक पल के लिए इसके बारे में सोचा। "मैं खुद को बूढ़ा और थका हुआ महसूस कर रहा हूँ, फिर भी साथ ही साथ युवा और डरा हुआ भी।"
एलिसन ने मेरी तरफ देखने के लिए अपना सिर घुमाया। "वाह ज़ो, तुम्हारे लिए तो यह काफी गहरा था," उसने व्यंग्यपूर्वक कहा।
मैंने एक तकिया उठाया और उठ बैठी ताकि मैं उसे गला घोंटने का नाटक कर सकूँ। "लूसी, दूसरी तरफ देखो," मैंने आदेश दिया। "तुम्हें यह देखने की ज़रूरत नहीं है।"
"ओह, ज़ोई, मुझ पर भरोसा करो," लूसी ने शरारती अंदाज़ में जवाब दिया, "मैं बहुत लंबे समय से एलिसन से छुटकारा पाना चाहती थी।"
एलिसन ने मुझसे तकिया छीन लिया और उसे अपने सिर के नीचे रख लिया। "तुम दोनों बेकार हो," उसने मुस्कुराते हुए कहा।
दरवाजे पर किसी ने खांसने की आवाज़ सुनी। हम सबने ऊपर देखा तो मैक्स वहाँ तीन पिज्जा के डिब्बे हाथों में लिए खड़ा था।
“अरे नहीं,” उसने कहा और पिज्जा को एक हाथ में लेकर दूसरे हाथ से इशारा किया कि हम उठें नहीं। “मुझे लड़कियों की तकिया लड़ाई में दखल देने की ज़रूरत नहीं है। मैं इंतज़ार कर सकता हूँ।”
अचानक एक तकिया कमरे में तेज़ी से आया और मैक्स के चेहरे पर ज़ोर से लगा। वह हैरानी से पिज़्ज़ा लगभग गिरा ही देता। मैंने लूसी को हाई फाइव देने के लिए मुड़ा और हम सब ज़ोर से हंसने लगे। दोबारा हंसना अच्छा लगा।

मैक्स पैर पटकते हुए बिस्तर के पास आया और पिज्जा के डिब्बे हमारे पैरों के पास पटक दिए। "चेज़ और जेसन कहाँ हैं?" उसने बिस्तर के किनारे बैठते हुए पूछा।
यह एक अच्छा सवाल था। जेसन और एलिसन दोनों ने अपनी कारें एयरपोर्ट पर ही छोड़ दी थीं। एलिसन लूसी, मैक्स और लीला को घर ले गई थी, और चेज़ और मैं जेसन के साथ गए थे। उन्होंने मुझे सबसे पहले छोड़ा था। मुझे पता था कि जेसन सामान खोलने के लिए घर जा रहा है, लेकिन मैंने चेज़ से यह पूछना भूल गया था कि वह कहाँ जा रहा है। यात्रा से पहले मेरे पिताजी ने उसके लिए एक होटल का कमरा बुक किया था, लेकिन मुझे नहीं पता था कि वह कमरा अभी भी उसके पास है या नहीं।
मैंने लूसी के ऊपर से हाथ बढ़ाकर नाइटस्टैंड से अपना फोन उठाया और चेज़ का नंबर ढूंढने के लिए अपनी हालिया कॉल लिस्ट को स्क्रॉल किया।
पहली घंटी बजते ही उसने बड़ी मुश्किल से सवालिया लहजे में जवाब दिया, "हैलो?"
मैंने अपनी पूरी सोच प्रक्रिया को समझाने की जहमत न उठाते हुए पूछा, "तुम कहाँ हो?"
“उम्म…” उसने जवाब दिया।
मैंने पूछा, "अब आपके पास होटल का कमरा नहीं है, है ना?"
“दरअसल, जब हम वहां से निकले तो मैंने अपना ध्यान होटल से हटा लिया था,” उन्होंने समझाया, “क्योंकि मुझे नहीं पता था कि मैं शेल्बी वापस आऊंगा या नहीं। अब होटल वाले मुझे नकद भुगतान नहीं करने दे रहे हैं और मेरे पास क्रेडिट कार्ड भी नहीं है।”
मैंने पूछा, "क्या तुमने मेरे पिताजी को फोन किया था?"
उन्होंने समझाया, "मैंने कोशिश की, लेकिन वह अपनी अंदरूनी समस्याओं से जूझ रहा है, बार्ट के बारे में क्या करना है, यह समझने की कोशिश कर रहा है।" “तो अब तुम कहाँ हो?” मैं हँस पड़ा।
“अच्छा,” उसने जवाब दिया। “मैं पार्क की बेंच पर बैठा था, आपको फोन करने की तैयारी कर रहा था। अब मैं उसी बेंच के बगल में खड़ा हूँ।”
मैं फिर हँस पड़ी। "आ जाओ, निकम्मे। मैक्स ने पिज्जा खरीदा है। मुझे यकीन है कि मेरी माँ को तुम्हारे हमारे सोफे पर रहने से कोई आपत्ति नहीं होगी, और अगर उन्हें आपत्ति है तो तुम जेसन के साथ रह सकते हो।"

मुझे ऐसा लगा जैसे फोन के दूसरी तरफ से उसकी मुस्कान सुनाई दे रही हो। "बस एक पल में आता हूँ," उसने जवाब दिया और झट से फोन काट दिया।
“नया रूममेट रख रही हो?” एलिसन ने व्यंग्यपूर्वक पूछा।
इससे पहले कि मैं जवाब दे पाती, लूसी ने मैक्स को गुस्से से घूरते हुए कहा, "लड़कियों की बातें बंद करो, यहाँ से जाओ।"
मैक्स ने नाराज़गी जताते हुए कहा, "अरे, मुझे तो पहले से ही पता है कि चेज़, ज़ोई से प्यार करता है।"
“क्या उसने कुछ कहा?” लूसी ने पूछा।
मैक्स के चेहरे पर ऐसा भाव था मानो हम सब हद से ज्यादा बेवकूफी कर रहे हों। "अरे, छोड़ो भी," उसने जवाब दिया, "मुझे कुछ कहने की ज़रूरत नहीं थी। यह तो बिल्कुल स्पष्ट है।"
“हां,” एलिसन ने सहमति जताते हुए कहा, “लेकिन लड़कों को इस तरह की बातों को समझने की क्षमता नहीं होनी चाहिए।”
“जान लो, मैं बेहद समझदार हूँ!” मैक्स ने बहस करते हुए कहा, तभी एलिसन उठी और उसे धक्का देकर दरवाजे से बाहर निकाल दिया।
कुछ ही सेकंड बाद नीचे वाले कमरे का टीवी चालू हो गया और फुटबॉल मैच की आवाज़ से सन्नाटा छा गया।
“तो,” एलिसन ने बात शुरू करते हुए कहा, “क्या आपको नहीं लगता कि अगर चेज़ यहीं रुकता है तो जेसन को कोई आपत्ति होगी?”
मैंने बचाव करते हुए कंधे उचका दिए। "ठीक है, अगर जेसन उसे यहाँ नहीं रखना चाहता, तो वह जेसन के साथ रह सकता है। मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता, उसे बस रहने के लिए जगह चाहिए।"
एलिसन ने मुझे ऐसे देखा जैसे मैं कोई जिद्दी बच्चा हूँ। "ज़ो, तुम हमसे बात कर रही हो, हम तुम्हारी बचपन की सबसे अच्छी दोस्त हैं। तुम मान सकती हो कि तुम्हें परवाह है... कम से कम थोड़ी सी तो।"
“ठीक है, मुझे परवाह है... बस थोड़ी सी,” मैंने जवाब दिया। नीचे का दरवाज़ा खुला और बंद हो गया। “अब सब लोग इसके बारे में चुप हो जाओ।”
हम पिज्जा लेकर अपने बेडरूम से निकले तो देखा कि चेज़ मैक्स के साथ फुटबॉल देख रहा था। मैंने अपने हाथ में पकड़ा हुआ डिब्बा कॉफी टेबल पर रख दिया और फिर कॉफी बनाने के लिए रसोई में चली गई।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]:

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

***** next*****

sjeet